वार्षिक प्रतिवेदन
2023-2024

















त्रिपुरा विश्वविद्यालय
TRIPURA UNIVERSITY
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय) (A Central University)

वार्षिक प्रतिवेदन
2023-24

त्रिपुरा विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सूर्यमणिनगर-799022,

त्रिपुरा, भारत

कुलपति की कलम से, ...



त्रिपुरा विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन (2023-24) अनुभवजन्य और सांख्यिकीय आंकड़ों के संदर्भ में हमारी उपलब्धियों को संकलित करने के हमारे विनम्र प्रयास का एक विवरण है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय में हम तेजी से बदलती दुनिया में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में युवा मस्तिष्क के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो तकनीकी नवाचार द्वारा संचालित है और कृत्रिम मेधा जैसे नए उभरते उपकरणों द्वारा संजोया गया है। विश्वविद्यालय के शिक्षण और अधिगम के पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार भरने के महत्वपूर्ण उद्देश्य और नियमित सेवानिवृत्ति के माध्यम से मानव संसाधन की कमी की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों में पूर्व में ही आरंभ बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान को जारी रखने के लिए ठोस उपाय किए हैं। इसके साथ ही इस शैक्षिक सत्र में लंबे समय से लंबित कैरियर प्रोन्नति योजनाएं भी कार्यान्वित की गईं, जिसमें कई स्तरों पर संकायों को वरिष्ठता के अगले स्तरों पर पदोन्नत किया गया।

अत्यंत हर्ष के साथ मुझे अपने सभी शैक्षणिक कर्मचारियों को धन्यवाद देना चाहिए जिन्होंने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों में अपने साथियों के परामर्श के साथ स्नातक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अपनी सच्ची भावना के साथ लागू करना संभव बनाया है। स्नातकोत्तर स्तर पर इसे लागू करने का कार्य प्रगति पर है और मुझे विश्वास है कि हम अगले शैक्षणिक सत्र तक अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी बाधाओं को दूर कर लेंगे।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह 8 सितंबर 2024 को विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों के पूर्ण सहयोग के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। हमने अपने छात्रों से किए गए वादे को पूरा करते हुए तय समय के भीतर उपाधि और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

पूर्वोत्तर क्षेत्र का वैविध्य इस विश्वविद्यालय की प्रमुख शक्तियों में से एक है। हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि सीयूईटी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के आरंभ से, हमारे विश्वविद्यालय ने हमारे पड़ोसी राज्यों के साथ-साथ देश के सुदूर उत्तर, दक्षिण और पूर्वी भारत के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय के द्वार खोले हैं। सीमावर्ती देश बांग्लादेश के छात्र भी अब हमारे विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता में विश्वास कर रहे हैं। बांग्लादेश के छात्र नियमित रूप से पिछले कुछ वर्षों में त्रिपुरा विश्वविद्यालय से स्नातक, स्नातकोत्तर और यहां तक कि पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने हेतु आ रहे हैं। हम अपने अवसंरचनात्मक समर्थन के साथ सफलतापूर्वक उन्हें स्थान प्रदान कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हम समग्र भारत के विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले अपने छात्रों की वैविध्यपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने आबंधित भूमि क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही स्थिति के मिथक को तोड़ दिया है। अब हम मुख्यधारा बनने की राह पर हैं और धीरे-धीरे भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च शिक्षा में अग्रणी बनने की दिशा में कमर कस रहे हैं।

विश्वविद्यालय का विशेष ध्यान शिक्षा जगत के प्रमुख स्तंभों शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों पर केंद्रित हैं। विश्वविद्यालय छात्रों को उनकी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए विशेष रूप से

प्रयोगशाला प्रशिक्षण के क्षेत्र में पर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान करता है। समग्र शैक्षणिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए, विश्वविद्यालय परिसर में पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम 5 छात्रावास (महिलाओं के लिए 3 और पुरुषों के लिए 2), संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवास, खेल सुविधाएँ (दो पूर्णकालिक पुरुष और महिला डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और एम्बुलेंस सेवा के साथ स्वास्थ्य केंद्र), 24X7 स्वचालित पुस्तकालय सुविधाएं, एक पूरी तरह से सुसज्जित अतिथि गृह जो एक समय में 100 से अधिक मेहमानों को समायोजित कर सकता है, दिव्यांग प्रयोक्ताओं के लिए प्रौद्योगिकी सक्षम सुगम्य पुस्तकालय सुविधा, सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक समर्पित अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ उपलब्ध है। हमारे विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण प्रयोगशाला भी स्थापित किया है। इस तरह के प्रयासों ने विभिन्न मूल्यांकन संकेतकों में विश्वविद्यालय के प्रदर्शन मैट्रिक्स को काफी बढ़ावा दिया है। हमारे संकाय सदस्य और सहयोगी कर्मचारीगण विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि हमारे शोध की गुणवत्ता और प्रतिष्ठा बढ़ रही है। 2023-24 के दौरान अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए प्राप्त अनुदान, जैसा कि संलग्न पृष्ठों में प्रलेखित किया गया है, उस रुचि और समर्पण की गवाही देते हैं जो हमारे संकाय सदस्य इस विश्वविद्यालय में अनुसंधान पहलों की वास्तविकता के प्रति प्रदर्शित करते हैं। हमने अपने छात्रों को अनुसंधान गतिविधियों में हालिया रुझानों से अवगत कराने के लिए पिछले एक साल में कई संगोष्ठी और सम्मेलन आयोजित किए हैं।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सच्ची भावना पर खरा उतरने के लिए और भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए खुद को समर्पित किया है। हमने स्नातक कार्यक्रमों के लिए तैयार किए गए पाठ्यक्रम में न केवल अपनी प्राचीन विरासत के घटकों को शामिल किया है, बल्कि हम अपने महान देश की निर्बाध विरासत को बनाए रखने के अंतिम लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से स्नातकोत्तर और अनुसंधान स्तरों पर भी भारतीय ज्ञान प्रणालियों के अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करने और संरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गंगा प्रसाद प्रसाई

(प्रो. गंगा प्रसाद प्रसाई)
कुलपति
त्रिपुरा विश्वविद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन समिति 2023-24 के सदस्य

1.	**प्रो. शाओन रॉयचौधुरी**	निदेशक, आईक्यूएसी	अध्यक्ष
2.	**प्रो. सोमदेव बनिक**	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	सदस्य
3.	**डॉ. निर्मल रियांग**	उप वित्त अधिकारी (प्र.)	सदस्य
4.	**डॉ. चम्पेश्वर मिश्र**	ग्रंथालयाध्यक्ष (प्र.)	सदस्य
5.	**डॉ. मुनीन्द्र मिश्र**	सहायक निदेशक (राजभाषा)	सदस्य
6.	**डॉ. सोमेन देबनाथ**	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	सदस्य
7.	**डॉ. अनिर्बान चन्द्रा**	रसायन विज्ञान विभाग	सदस्य
8.	**श्री सुरेन्द्र कुमार पाल**	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष	सदस्य
9.	**श्री राकेश शील**	प्रयोगशाला सहायक	सदस्य
10.	**श्रीमती मौमिता देब**	सांख्यिकीय सहायक	सदस्य
11.	**श्री जयंत दत्ता**	सांख्यिकीय अधिकारी	समन्वयक सदस्य

विषय सूची

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बारे में 01

विश्वविद्यालय एक नज़र में 09

विश्वविद्यालय प्रशासन
सांविधिक समितियाँ 53

विश्वविद्यालय विभाग एवं केन्द्र

विज्ञान संकाय

वनस्पति विज्ञान विभाग 63
रासायनिक एवं पॉलिमर अभियांत्रिकी विभाग 68
रसायन शास्त्र विभाग 71
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग 75
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग 83
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग 88
वानिकी एवं जैवविविधिता विभाग 90
भूगोल एवं आपदा प्रबंधन विभाग 95
मानव शरीर विज्ञान विभाग 100
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 104
पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग 120
गणित विभाग 123
सूक्ष्मजैविकी विभाग 127
आणविक जैविकी तथा जैव सूचना विभाग 136
भेषज विज्ञान विभाग 140
भौतिकी विज्ञान विभाग 145
सांख्यिकी विभाग 151
प्राणीविज्ञान विभाग 153
रबर प्रौद्योगिकी में बी. वोक. 156
बाँस संवर्धन एवं संसाधन अनुप्रयोग केन्द्र 158

साहित्य संकाय

बांग्ला विभाग 159
अंग्रेजी विभाग 165
हिन्दी विभाग 171
कोकबरॉक विभाग 176
भाषा विज्ञान एवं जनजातीय भाषा विभाग 178
संस्कृत विभाग 181
जनजातीय भाषा केन्द्र 187

संगीत एवं ललित कला संकाय

ललित कला विभाग 188
संगीत विभाग 190
प्रदर्शनकारी कला विभाग 192

समाज विज्ञान संकाय

पुरातत्व एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति विभाग 193
अर्थशास्त्र विभाग 195
शिक्षाशास्त्र विभाग 204
इतिहास विभाग 208
मुक्त कला विभाग 212
दर्शन शास्त्र विभाग 214
राजनीति शास्त्र विभाग 219
मनोविज्ञान विभाग 222
ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास विभाग 227
समाजशास्त्र विभाग 231
शिक्षाशास्त्र विद्यापीठ 234
सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति केन्द्र 236
महिला अध्ययन केन्द्र 240

वाणिज्य, विधि एवं सूचना विज्ञान संकाय

व्यावसायिक प्रबंधन विभाग 248
वाणिज्य विभाग 251
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग 256
विधि विभाग 261
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग 263
शारीरिक शिक्षा विभाग 268
पर्यटन प्रशासन विभाग 271
फिल्म एवं वीडियो निर्माण में बी. वोक. 272

समेकित स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम 274

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय 275

शोध केन्द्र

गांधी अध्ययन केन्द्र 279
पांडुलिपि संसाधन केन्द्र एवं पांडुलिपि संरक्षण केन्द्र (एमआरसी एवं एमसीसी) 279

विविध सुविधायें

जैव-सूचना केन्द्र 283
राज्य जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र 283
विश्वविद्यालय ग्रंथागार 284
कम्प्यूटर केन्द्र 294
स्वास्थ्य केन्द्र 295
क्रीड़ा परिषद् 296
राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 297
अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ 302
संकाय विकास केन्द्र 304

विश्वविद्यालय वित्त एवं वार्षिक लेखा 307
शैक्षणिक कार्यक्रम एवं छात्र आँकड़े 313
त्रिपुरा विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय 331

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के बारे में

त्रिपुरा विश्वविद्यालय राज्य विश्वविद्यालय के रुप में 1 अक्टूबर, 1987 को स्थापित हुआ तथा 2 जुलाई, 2007 को संसद के अधिनियम द्वारा राज्य में शैक्षिक एवं सम्बद्ध विश्वविद्यालय को स्थापित करने तथा संबंधित उससे प्रासंगिक मामलों के लिए स्थापित एवं समाविष्ट करते हुए केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रुप में परिवर्तित हुआ। शिक्षा के प्रसार की उत्कंठा तथा उत्कृष्टता के प्राप्ति की लगन और 1947 के बाद महाराजा के अनथक प्रयत्नों से इस पहाड़ी राज्य में कोलकाता विश्वविद्यालय से संबद्ध कई महाविद्यालयों की स्थापना हुई। कलकत्ता विश्वविद्यालय से त्रिपुरा की भौगोलिक दूरी अत्यंत दुर्गम थी। यह त्रिपुरा के बड़ी संख्या में गरीब छात्रों के लिए लगभग असंभव सा था कि वे इतनी दूर से स्नातक से आगे की पढ़ाई कर पाते। अतः त्रिपुरा में विश्वविद्यालयीन शिक्षा की उपलब्धता अभी भी दूर थी। 1960 के दशक के अंतिम वर्षों का राजनैतिक इतिहास उच्च शिक्षा हेतु अवसर बढ़ाने तथा त्रिपुरा के अपने विश्वविद्यालय की स्थापना की माँग के साथ छात्र आंदोलनों से भरा पूरा था। बढ़ती हुई माँग को देखते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों ने स्नातकोत्तर केन्द्र (सीयूपीजीसी) स्वीकृति प्रदान की। परंतु राज्य के छात्रों के लिए पूर्णरूपेण विश्वविद्यालय की माँग अभी भी पूरी होनी बाकी थी। एक दशक के लिए सीयूपीजीसी ने कॉलेज टीला में फैले हुए विभिन्न पुराने शासकीय भवनों में स्थापित हो राज्य में उच्च शिक्षा के केन्द्र के रुप में अपनी सीमाओं में कार्य किया। विभिन्न बाधाओं के होते हुए भी एक 75 एकड़ का नया हरित परिसर सरकार द्वारा सीयूपीजीसी हेतु अर्ध शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर अगरतला से लगभग में 9 किमी. दक्षिण में सूर्यमणिनगर में चयनित किया गया। लोगों की बढ़ती हुई आकांक्षाओं को देखते हुए पूर्णरूपेण विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य से उस स्थान पर विश्वविद्यालय की आधारशिला 18 दिसंबर 1985 को त्रिपुरा सरकार के तात्कालीन उप मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री तथा ऐतिहासिक जनशिक्षा आंदोलन के प्रख्यात नेता श्री दशरथ देब द्वारा रखी गई। छात्र समुदाय की लम्बे समय से माँग व बड़ी संख्या में लोगों की आशाओं तथा शिक्षा की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने वर्ष 1987 में विधानसभा में त्रिपुरा विश्वविद्यालय अधिनियम पारित कराने का निर्णय लिया और अंततः राज्य में प्रथम विश्वविद्यालय का सपना पूरा हुआ।

2007 में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के बाद ढांचागत सुविधाओं और शैक्षणिक कौशल को मजबूत करने के लिए किए गए सर्वांगीण प्रयासों से त्रिपुरा विश्वविद्यालय का समग्र विकास विशिष्ट रहा है। विश्वविद्यालय अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और तकनीकी नवाचार प्रदान करके इस राज्य और क्षेत्र के लोगों के विकास और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। परिसर के आसपास के रमणीय वातावरण का सुरम्य सौंदर्य युवा और विकासशील मस्तिष्क के पोषण के लिए उपयुक्त शैक्षणिक माहौल प्रदान करता है।

एक पारंपरिक विश्वविद्यालय के रूप में, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने राज्य की स्वदेशी कला रूपों, लोक, मौखिक और बहुआयामी सांस्कृतिक परंपराओं की जीवंत विरासत को संरक्षित और पल्लवित करने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली है। वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के अधीन चार विभागों के साथ विश्वविद्यालय में दो संकाय, चौरासी विभाग और चार अध्ययन केंद्र हैं। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय इस राज्य के दूर-दराज के पहाड़ी क्षेत्रों में नियोजित और सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों को शैक्षिक सहायता प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय की भविष्य की योजनाओं में परिसर का विस्तार और सभी विभागों में आईसीटी सक्षम कक्षाओं की तत्काल स्थापना, शोधार्थियों के छात्रावासों सहित पुरुषों और महिलाओं के लिए अधिक छात्रावास, बेहतर कैंटीन, अतिथि गृह और संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आवास शामिल हैं। आधुनिक तकनीकी उपकरणों का रोजगार

और इंटरैक्टिव शिक्षण-अधिगम के साथ मल्टीमीडिया मोड की सुविधा, बदलते समय की मांगों के अनुकूल होने के लिए विश्वविद्यालय ने बड़े पैमाने पर कुशल, सटीक और पर्यावरण के अनुकूल प्रशासन के लिए ई-गवर्नेंस को बदल दिया है।

राष्ट्रीय प्रत्यानयन एवं मूल्यांकन परिषद द्वारा उसके 4 बिन्दू के पैमाने में त्रिपुरा विश्वविद्यालय को बी++ ग्रेड 2.82 सीजीपीए के साथ दिया गया है। विश्वविद्यालय एआईसीटीई, एनसीटीई तथा अन्य समकक्ष शीर्ष संस्थाओं द्वारा चल रहे संबंधित पाठ्यक्रमों हेतु मान्यता प्राप्त संस्था है।

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की संख्या शैक्षिक वर्ष के दौरान 55 से बढ़कर 62 हो गई है।

प्रस्थिति, जलवायु एवं संपर्क

त्रिपुरा राज्य की हरित दृश्यों में के मध्य लहरदार भौगोलिक संरचना में घनी हरित वृक्षावलियों से आच्छादित तथा नदियों, नालों एवं धाराओं से घिरी भूमि वाली नीची पहाड़ियों के बीच स्थापित त्रिपुरा विश्वविद्यालय का परिसर अगरतला नगर से 9 किमी दूर दक्षिण में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है तथा अगरतला के सिंगारबिल विमानपत्तन से इसकी दूरी 24 किमी है जहाँ से यहाँ सहजता से पहुँचा जा सकता है।

सिलचर व शिलांग से सड़क मार्ग द्वारा बहुत अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। ट्रांजिट वीजा के साथ अगरतला से कोलकाता दैनिक बस सेवा बांग्लादेश मार्ग से भी उपलब्ध है। अगरतला गुवाहाटी कोलकाता एवं पूर्वोत्तर के अन्य नगरों को गुवाहाटी व कोलकाता होकर सीधे वायुमार्ग से यह नगर जुड़ा हुआ है। अगरतला को देश के अन्य महानगरों को ब्रॉडगॉज लाइन द्वारा सीधे गुवाहाटी के रास्ते जोड़ती है। अगरतला का औसत तापमान लगभग 30^0C तथा शीतकाल में लगभग 15^0C होता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन

हमने एनईपी 2020 के प्रस्तावों को पूरे हृदय से अपनाया है और क्षमता संवर्धन और कौशल पाठ्यक्रमों को जोड़ने के साथ-साथ पाठ्यक्रम में बदलावों की सावधानीपूर्वक निगरानी के माध्यम से इसकी पूर्ण कार्यान्वयन प्रक्रिया को चरण-दर-चरण शुरू किया है। एनईपी 2020 की भावना को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने स्नातक स्तर पर अपने सभी कार्यक्रमों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के विषय पर उपयुक्त पाठ्यक्रम अपनाया है। वर्तमान में हम स्नातकोत्तर स्तर पर एनईपी 2020 के कार्यान्वयन पर काम कर रहे हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय निकट भविष्य में जनजातीय अध्ययन और अनुसंधान केंद्र के साथ सामाजिक कार्य, राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन और योग के नए विभाग खोलने का प्रस्ताव रखने की योजना बना रहा है। इस कारण से रोजगार के अवसरों और लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए।

सुविधायें एवं सेवायें

विश्वविद्यालय ग्रंथागार :

केंद्रीय ग्रंथागार शिक्षण, सीखने, अनुसंधान और नवाचार के लिए साक्ष्य-आधारित नवीन सेवाएं, संसाधन और सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय ग्रंथागार अपने प्रयोक्ताओं के लिए सूचना तक व्यापक संभावित पहुंच के लिए सूचनाओं को एकत्रित करने, व्यवस्थित करने और प्रसारित करने के लिए एक 'नॉलेज हब' के रूप में

कार्य करता है। ग्रंथागार मूल्य वर्धित सेवाओं और संसाधनों को जोड़कर प्रयोक्ताओं की प्रतिक्रिया के आधार पर अपनी सेवाओं और संसाधनों की लगातार समीक्षा करता है। केंद्रीय ग्रंथागार विश्वविद्यालय में शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को सहयोग प्रदान करने पर अधिक जोर देता है।

केंद्रीय पुस्तकालय में संग्रह की एक विस्तृत श्रृंखला है जैसे 166411 मुद्रित पुस्तकें, 84 मुद्रित जर्नल, 21 पत्रिकाएं, 32431 ई-पुस्तकें, 742 शोधप्रबंध, 1064 बाउंड वॉल्यूम, 15 समाचार पत्र, 1450 सीडी / डीवीडी, 174 दुर्लभ पांडुलिपियां आदि।

केंद्रीय पुस्तकालय 'रिमोट एक्सेस' प्लेटफॉर्म के माध्यम से विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर सभी प्रयोक्ता समुदाय को निर्बाध ऑनलाइन प्रयोक्ता सहायता प्रदान करता है। प्रयोक्ता त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा सब्सक्राइब किए गए ई-शोध सिंधु के माध्यम से 32431 से अधिक ई-पुस्तकों, 14 ऑनलाइन डेटाबेस का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें वित्तीय आंकड़े, सरकारी रिपोर्ट, कंपनी प्रोफाइल, सारांशिका और एक लाख से अधिक ई-पुस्तकों के मेटाडेटा शामिल हैं। केंद्रीय पुस्तकालय यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि उपयोगकर्ता पुस्तकालय संसाधनों का कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से उपयोग कर रहे हैं। विभिन्न ई-संसाधनों के उपयोग को अधिकतम करने और संवेदनशील बनाने के लिए, पुस्तकालय ने ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से कई अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए, जिसके परिणामस्वरूप प्रयोक्ताओं द्वारा संसाधनों के उपयोग में आशातीत वृद्धि हुई।

अनुसंधान पहल के एक भाग के रूप में, केंद्रीय ग्रंथागार ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के कार्यों को डिजिटल माध्यम में संग्रहीत करने के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके 'संस्थागत रिपोजिटरी (आईआर)' विकसित किया है। इसके अलावा केंद्रीय ग्रंथागार ने आईआरआईएनएस (भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली) और शोधार्थी डेटाबेस को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है। केंद्रीय ग्रंथागार के पास साहित्यिक चोरी की निगरानी हेतु आई- थेन्टिकेट और अकादमिक शोध लेखन उपकरण ग्रामरली तक पहुंच है।

केंद्रीय ग्रंथागार हमेशा अपने प्रयोक्ताओं को सर्वोत्तम संसाधन और सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह ऑनलाइन सर्कुलेशन, ऑनलाइन सदस्यता, अद्वितीय संग्रह, साहित्यिक चोरी विरोधी सेवा, दस्तावेज़ वितरण सेवा, अनुसंधान और उद्धरण समर्थन, संदर्भ सेवा, डिजिटलीकरण सेवाएं, ई-लाइब्रेरी लैब, रिप्रोग्राफिक सेवा, समाचार पत्र कतरन सेवा जैसी साक्ष्य-आधारित नवीन सेवाएं प्रदान करता है। अपने प्रयोक्ताओं के लिए नवीन आगमन अलर्ट, पुस्तकालयाध्यक्ष से पूँछिये, विभाग पुस्तकालय, आदि सुविधायें देता है। अनुसंधान प्रामाणिकता अनुसंधान के प्रमुख घटकों में से एक है। केंद्रीय ग्रंथागार अनुसंधान नैतिकता का सख्ती से पालन करता है और प्रयोक्ताओं को कॉपीराइट, उचित उपयोग और साहित्यिक चोरी विरोधी नीतियों के महत्व के बारे में संवेदनशील बनाता है।

संगणक सुविधा :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने छात्रों, शोधार्थियों, तथा संकायों को अधिकतम संगणक सुविधा प्रदान करने के लिए सभी उपाय किये हैं। यहाँ 5 सामान्य कम्प्यूटर सेन्टर तथा 9 विभागीय कम्प्यूटर केन्द्र हैं जहाँ लगभग 400 डेस्कटॉप उपलब्ध हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने छात्रों, शोधार्थियों, तथा संकायों को विश्वविद्यालय कार्यघंटों में अधिकतम प्रयोग हेतु उपलब्ध हैं। कम्प्यूटर स्किल-1 एवं 2 की प्रायोगिक कक्षायें इन कम्प्यूटर सेन्टर्स में संचालित होती हैं। केन्द्रों एवं कार्यालयों, छात्रावासों व कर्मचारी आवासों में इंटरनेट की बेहतर पहुँच सुविधा चौबीसों घंटे के लिए प्रदान की गई है। केन्द्रीय ग्रंथागार, अतिथि गृह, एवं अन्य विभागों में मोबाईल फोन एवं लैपटॉप में वाई-फाई सुविधा

उपलब्ध कराई गई है। पॉवर कट के समय कार्य हेतु उच्च क्षमता का केन्द्रीय यूपीएस अधिकतर विभागों एवं कार्यालयों में उपलब्ध कराया गया है।

केन्द्रीय उपकरण केन्द्र :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय में केन्द्रीय उपकरण/यंत्र केन्द्र की स्थापना यहां के शोधार्थियों के साथ-साथ अन्य विश्वविद्यालयों से आने वाले शोधार्थियों खासकर पूर्वोत्तर भारत के शोधार्थियों सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। उक्त केन्द्र की सहायता लेने के लिए बाहर से आने वाले शोधार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा अतिथि गृह उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान अकादमिक वर्ष के दौरान सीआईसी में स्थापित यंत्रों की सुविधाओं के बल पर कुल 31 शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं।

सीआईसी हेतु समिति :

प्रो. स्वपन मजूमदार, अध्यक्ष
प्रो. देबाशीष मैती, सदस्य
प्रो. उत्पल चंद्र दे, सदस्य
डॉ. शिव शंकर सिंह, सदस्य
डॉ. सुराजीत भट्टाचार्जी, सदस्य
प्रो. अनिर्बाण गुहा, सदस्य
प्रो. बिमल देबनाथ, सदस्य
अभि. हरजीत नाथ, सदस्य
डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्य, सदस्य
प्रो. सैयद अर्शद हुसैन, समन्वयक

सीआईसी में उपलब्ध यंत्र / उपकरणों की सूची :

1) एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप (एएफएम) (इनोवा, ब्रुकर)
2) फिल्ड इमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप विद ईडीएस एंड स्पूटर (सिग्मा 300, कार्ल जेइस)
3) 400 एमएचजेड एनएमआर (ब्रुकर)
4) लिक्विड नाइट्रोजन प्लांट, (स्टरलाइट, स्टरलिंग क्रायोजेनिक्स)
5) गैस क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रम (जीसीएमएमएस) (वैरियन 220-एमएस / 450-जीसी, 230वी एजिलेंट सर्विस)
6) हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) (डाओनेक्स यू 3000)
7) जीएसवी 4004 बी जीपीएस लोनोस्फेरिक सिंटिलेशन एंड टीईसी मॉनिटर (जीआईएसटीएम)
8) लाइफटाइम स्पक्ट्रो फ्लूओरोमीटर, (फ्लूओरो लॉग -3, होरिबा)
9) चैमिडॉक
10) इम्यूनोफ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोप (कार्ल जेइस)

सीआईसी की वेबसाइट :
https://cictu.wordpress.com/

छात्रावास आवासनः

पूरी तरह वाई-फाई समर्थित कम्प्यूटराइज्ड इन्टरनेट सुविधा के साथ छात्रावास की व्यवस्था राज्य से बाहर, प्रांत के सुदूर क्षेत्रों के छात्रों तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्र/छात्राओं के लिए उपलब्ध है। वर्तमान में 3 छात्रावास महिला छात्राओं एवं 2 छात्रावास पुरूष छात्रों के लिए उपलब्ध हैं जबकि परिसर शोधार्थियों के लिए संलग्न बाथरूम के साथ दो छात्रावास 50 सीटों के साथ उपलब्ध हैं। विभिन्न मनोरंजनात्मक सुविधाओं के साथ कॉमन कक्ष तथा अध्ययन सामग्री, पत्रिका, समाचार पत्र के साथ अध्ययन कक्ष एवं टेलिविजन की सुविधा दोनो छात्रावासों में उपलब्ध हैं। छात्रावास द्वारा मेस छात्रावासियों को पूर्वनिर्धारित मेनू के अनुसार भोजन प्रदान किया जाता है।

स्वास्थ्य सेवायें :-

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पास उसका अपना स्वास्थ्य केन्द्र दो पूर्णकालिक चिकित्सकों (पुरुष एवं महिला) दो नर्सों, एक चिकित्सा प्रयोगशाला परिचर एवं एक महिला परिचर के साथ छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों एवं अतिथियों एवं उनके परिवार सदस्यों की सेवा हेतु है। इस प्रयोजन हेतु एक पृथक भवन आवंटित किया गया है जहाँ कुछ बिस्तर सलाइन ऑक्सीजन सुविधा के साथ उपलब्ध हैं। साथ में विश्वविद्यालय के पास आकस्मिक स्थिति में निकट के चिकित्सालय में स्थानांतरण हेतु एक एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध है।

बैंक एवं पोस्ट ऑफिसः

विश्वविद्यालय छात्रों, शोधार्थियों तथा संकायों एवं कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान रखते हुए परिसर के अंदर पोस्ट ऑफिस एवं बैंक की सुविधा उपलब्ध कराता है।

क्रीड़ा एवं खेल-कूदः

त्रिपुरा विश्वविद्यालय का क्रीड़ा मंडल 2007 में अस्तित्व में आया। प्रत्येक वर्ष विभिन्न क्रीड़ा एवं खेलकूद की प्रतियोगितायें त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल द्वारा वार्षिक खेलों के दौरान आयोजित की जाती है। प्रत्येक वर्ष क्रीड़ा मंडल द्वारा वार्षिक खेल दिवस मनाया जाता है जिनमें आउटडोर प्रतियोगितायें फुटबाल, बॉलीबॉल, क्रिकेट, शामिल होती हैं। इंडोर खेल जैसे:- टेबिल टेनिस, कैरम इत्यादि का भी आयोजन किया जाता है। क्रीड़ा मंडल प्रत्येक वर्ष क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, जूडो, टेबल टेनिस, एवं एथलेटिक्स की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंतर्गत संबद्ध महाविद्यालयों के लिए करता है तथा पूर्वी ज़ोन वं अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में भाग लेता है।

नियोजन प्रकोष्ठ :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय नियोजन प्रकोष्ठ की स्थापना 27.10.2005 को हुई थी। छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों को अन्वेषण करने और उपलब्ध कराने में प्रकोष्ठ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और धीरे-धीरे विश्वविद्यालय का एक प्रमुख प्रकोष्ठ बन रहा है। रोजगार के लिए प्रतिस्पर्धा हर दिन बढ़ रही है और नियोजन का कार्य चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। नियोजन प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय आने वाले कंपनी के अधिकारियों के लिए सर्वोत्तम व्यवस्था और आतिथ्य प्रदान करना सुनिश्चित करता है और परिसर भर्ती अभियान की सुविधा प्रदान करता है। यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र भारत और विदेशों में व्यापार, उद्योग, अनुसंधान एवं विकास और शैक्षिक क्षेत्र में शीर्ष पदों पर पदस्थ हैं और अपने मातृ संस्थान के ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य करते हैं।

नियोजन प्रकोष्ठ वर्ष भर निम्नलिखित गतिविधियों को निष्पादित करता है:

1. विभिन्न विकास गतिविधियों का आयोजन करना जो छात्रों के व्यक्तित्व को संवारने में मदद करता है और उन्हें खुद को व्यक्त करने और अपने सॉफ्ट कौशल को बढ़ाने के लिए मंच प्रदान करता है।
2. छात्रों के लिए शीतकालीन/ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
3. अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर) और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए समान अवसर प्रकोष्ठ, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से सेवाओं (टीपीएससी, बैंक, रेलवे और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए) में प्रवेश के लिए कोचिंग कक्षाएं प्रदान करना।
4. कैंपस भर्ती के लिए विभिन्न संगठनों को आमंत्रित करना।
5. प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।

प्लेसमेंट सेल द्वारा की गई गतिविधियाँ (जुलाई 2023 से जून 2024)

छात्रों का प्लेसमेंट रिकॉर्ड (2023 से 2024)

क्रम संख्या	नियोजित छात्र/छात्राओं का नाम	संगठन का नाम	कार्यक्रम से उपाधि प्राप्त की
1	सुजाता सूत्रधार	बंधन बैंक	एमबीए
2	उमा देबबर्मा	मोविदु	एमबीए
3	प्रियंका चौधरी	मोविदु	एमबीए
4	शुभम रॉय	स्विगी	एमबीए

छात्रवृत्ति एवं वित्त सहायताः-

छात्रों को विभिन्न छात्रवृत्तियाँ एवं वित्त सहायतायें प्रदान की जाती हैं। ये विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित नियमों एवं विनियमों के अनुसार दी जाती हैं। विभिन्न छात्रवृत्तियाँ निम्नानुसार हैः

अल्पसंख्यकों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, अल्पसंख्यकों के लिए व्यावसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए मेरिट-सह-मीन्स छात्रवृत्ति, बाधाग्रस्त छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, बाधाग्रस्त छात्रों के लिए उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु छात्रवृत्ति, अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु छात्रवृत्ति, बीड़ी/सिने/आईओएमसी/एलएसडीएम श्रमिक के बच्चों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, महाविद्यालय, एवं विश्वविद्यालय छात्रों हेतु केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति योजनाएँ, केन्द्रीय सुरक्षा पुलिस बलों एवं असम राइफल्स के लिए प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना, पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु एनईसी मेरिट छात्रवृत्ति, ईशान उदय-पूर्वोत्तर हेतु विशेष छात्रवृत्ति योजना, एकल कन्या छात्रा हेतु पीजी इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति योजना, विश्वविद्यालय रैंक होल्डर के लिए स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति, अनु.जाति अनु.जनजाति के छात्रों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति, छात्राओं के लिए प्रगति छात्रवृत्ति (तकनीकी उपाधि), सक्षम छात्रवृत्ति दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए (तकनीकी उपाधि), स्वनाथ छात्रवृत्ति योजना (तकनीकी उपाधि), पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति, पोस्ट मैट्रिक अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति, पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति, आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए डॉ. बी. आर. अम्बेडकर पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति।

पीएच डी शोधार्थियों के लिए

अल्पसंख्यक शोधार्थियों के लिए मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप, नेट-जेआरएफ योजना, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग के शोधार्थियों के लिए नेशनल फेलोशिप, गैर-नेट फेलोशिप।

एनएसएस इकाई (यूनिट) :

विश्वविद्यालय का एनएसएस इकाई समाज में जन-जागरुकता लाने के उद्देश्य से विभिन्न तरह के जागरुकता कार्यक्रम चलाता है। एनएसएस वालंटियर्स समाज के अंदर सकारात्मक सोच उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के सकारात्मक कार्यक्रम संचालित करते हैं, जिनके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, जीवन पद्धति (रहन-सहन) में उन्नति, संतुष्ट पारिवारिक व सामुदायिक जीवन जैसे क्षेत्र शामिल हैं। एनएसएस का विस्तारित कार्यक्रम पदानुक्रम में निम्नतम व उपयोगिता में श्रेष्ठतम है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सामाज के लोगों को स्वयं को जानना-पहचानना सिखलाया जाता है, जिस ओर उनका कभी ध्यान ही नहीं जाता है।

एनएसएस यूनिट का प्रमुख कार्य अकादमिक गतिविधियों को विस्तारित कर छात्रों को सामुदायिक सेवा की ओर अग्रसर करना है। भावी जीवन को देखते हुए, ऐसे युवक जो कल के प्रशासनिक प्रधान होंगे वे समाज के अंतर्गत गांव, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों की समस्याओं से अपरिचित होते हैं, वे गांव-देहात में रहने वाले लोगों की समस्याओं तथा जरूरतों से बेखबर होते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इन भविष्य के नौनिहालों को इन चीजों से रू-बरू कराया जाए और इसी के अंतर्गत छात्रों को गांव तथा झुग्गी-झोपड़ी में ले जाकर उन्हे सेवा-कार्य सिखाया जाता है ताकि यदि वे कल कुछ बड़ा बनते हैं तो समाज के अंदर अपेक्षित सुधार ला सकें।

आरक्षण प्रकोष्ठ :

यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों के प्रवेश में आरक्षण नीति के प्रभावी कार्यान्वयन और विभिन्न स्तरों पर शिक्षण और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती, स्टाफ क्वार्टरों, छात्रावासों आदि के आबंटन के लिए उत्तरदायी है। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े समुदायों (गैर-क्रीमी लेयर श्रेणी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) को सरकारी सेवाओं और छात्रों के प्रवेश में आरक्षण प्रदान करने का मुख्य उद्देश्य उनकी सामाजिक और शैक्षिक स्थिति में सुधार करना है ताकि वे समाज की मुख्यधारा में अपना सही स्थान ले सकें।

31.12.2024 तक अजा, अजजा और अपिव के प्रतिनिधित्व को दर्शाने वाला वार्षिक विवरण नीचे दिया गया है।

संकाय

पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	31.12.2024 तक स्वीकृत संख्या का विवरण (योजना, गैर-योजना और ओबीसी अनुदान के तहत यूजीसी द्वारा स्वीकृत सभी पद यदि कोई हो)							मौजूदा क्षमता का विवरण 31.12.2024							01.01.2025 को रिक्त पद						
		सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग
प्राध्यापक	49	22	7	3	13	4	1	**49**	3	0	0	0	0	0	**3**	19	7	3	13	4	1	**46**
सह-प्राध्या.	75	44	9	4	13	5	2	**75**	27	5	3	5	0	0	**40**	17	4	1	8	5	2	**35**
सहा. प्राध्या.	178	92	24	18	40	4	5	**178**	67	22	16	29	2	1	**136**	25	2	2	11	2	4	**42**
योग	**302**	**158**	**40**	**25**	**66**	**13**	**8**	**302**	**97**	**27**	**19**	**34**	**2**	**1**	**179**	**61**	**13**	**6**	**32**	**11**	**7**	**123**

गैर संकाय

पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	31.12.2024 तक स्वीकृत संख्या का विवरण (योजना, गैर-योजना और ओबीसी अनुदान के तहत यूजीसी द्वारा स्वीकृत सभी पद यदि कोई हो)							मौजूदा क्षमता का विवरण 31.12.2024							01.01.2025 को रिक्त पद						
		सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग	सामा.	अजा	अजजा	अपिव	आकव	दिव्यांग	योग
समूह ए	31	25	1	2	3	0	1	**31**	15	0	1	2	0	1	**18**	10	1	1	1	0	0	**13**
समूह बी	46	42	1	1	2	0	1	**46**	35	1	1	2	0	0	**39**	7	0	0	0	0	1	**7**
समूह सी	177	105	25	37	2	2	4	**171**	76	17	24	1	0	3	**118**	29	8	13	1	2	1	**53**
योग	**248**	**172**	**27**	**40**	**7**	**2**	**6**	**248**	**126**	**18**	**26**	**5**	0	**4**	**175**	**46**	**9**	**14**	**2**	2	**2**	**73**

नोट: दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) के लिए आरक्षण क्षैतिज बनाए रखने के लिए है

एंटी रैगिंग समिति एवं दस्ता :

यूजीसी विनियमों के अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानों से रैगिंग के दोष को दूर करने हेतु वर्ष 2009 में त्रिपुरा विश्वविद्यालय में कुलपति की अध्यक्षता में एंटी रैगिंग समिति एवं एंटी रैगिंग दस्ते की स्थापना की गई। यह समिति पूरे वर्ष किसी भी प्रकार की रैगिंग होने की स्थिति को समाप्त करने हेतु सक्रिय रहती है।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय रैगिंग के प्रति जीरों टॉलेरेंस की नीति का पालन करता है। सभी प्रकार की रैगिंग त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सभी विभागों एवं पूरे परिसर (शैक्षिकीय, आवासीय, खेल, एवं कैंटीन इत्यादि) में पूर्णरूपेण प्रतिबंधित है। जो भी रैगिंग में संलग्न पाये जाते हैं अथवा रैगिंग को उकसाते हैं त्रिपुरा विश्वविद्यालय उन पर कड़ी कार्रवाई करता है।

रैगिंग के संबंध में कोई भी शिकायत नोडल अधिकारी को दी जा सकती है जिसका नाम, ई-मेल, एवं मोबाईल दिया गया है:

नाम : डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव, सह प्राध्यापक,
प्राणी विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

ई-मेल आईडी : nodalofficer_antiragging@tripurauniv.ac.in

विश्वविद्यालय एक नजर में

एनईपी 2020 में निर्धारित उद्देश्यों और संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिपादित एसडीजी लक्ष्यों के अनुसरण में, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (त्रिविवि) सक्रिय रूप से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बढ़ावा देने में लगा हुआ है, अनुसंधान गतिविधियों, विशेष रूप से अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर विशेष ध्यान दे रहा है, उद्यमिता और कौशल वृद्धि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है साथ ही बाह्य गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने को प्रयासरत है। ये सभी कार्य विश्वविद्यालय और आसपास के समुदाय के समग्र शैक्षणिक और सामाजिक विकास के लिए किए जा रहे हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय एकाकीपन के साथ उत्कृष्टता को अपनाने के बजाय उत्कृष्टता में भागीदार के रूप में बढ़ने में विश्वास करता है। अनुसंधान क्षेत्रीय और राष्ट्रीय हित के क्षेत्रों की ओर केंद्रित है। पाठ्यक्रम और छात्र परियोजनाओं की योजना इस तरह से बनाई गई है कि अगली पीढ़ी की जनशक्ति क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास की दिशा में काम करने के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित हों। अत्याधुनिक ग्रंथालय सुविधा इतनी सक्षम है कि ऑफ़लाइन और ऑनलाइन (वाईफ़ाई सक्षम परिसर) दोनों संसाधनों तक पहुंच के विस्तारित घंटों के साथ पढ़ने और सीखने के लिए एक माहौल बनाया गया है। उद्योगों, संस्थानों के साथ-साथ संबद्ध महाविद्यालयों के साथ हस्ताक्षरित विभिन्न समझौता ज्ञापनों का उद्देश्य छात्रों की हैंडहोल्डिंग और उन्हें उद्योग और शिक्षा दोनों से पर्याप्त इनपुट के साथ तैयार करना है। इन पहलों ने त्रिपुरा की स्वदेशी वस्तुओं के व्यावसायीकरण के अवसरों को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है जैसे कि जम्पुई कॉफी जिसे 34वें त्रिपुरा उद्योग और वाणिज्य मेले (जनवरी से फरवरी 2024) में प्रदर्शित किया गया था। राज्य में वैकल्पिक आजीविका संवर्धन के नए क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के प्रयास में, मानक खेती प्रथाओं के विकास के माध्यम से व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य वस्तुओं की जैविक खेती का पता लगाया जा रहा है और जैविक रूप से उत्पादित रैमी फाइबर की पहली खेप इस शैक्षणिक वर्ष में विक्रय की गई थी। विश्वविद्यालय में भूमि का उपयोग जैविक खेती के माध्यम से सब्जी और फलों की सतत खेती के लिए किया जाता है। इसकी आपूत छात्रावासों और विश्वविद्यालय बिरादरी को भी रियायती दर पर की जाती है। विश्वविद्यालय में बायोडिग्रेडेबल कचरे को आंतरिक उपयोग के साथ-साथ बिक्री के लिए परिसर में वर्मीकम्पोस्ट में परिवर्तित किया जाता है। इस तरह विश्वविद्यालय स्वस्थ खाद्य उत्पादन के साथ पर्यावरण समर्थित आजीविका सुनिश्चित करता है।















सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह, त्रिपुरा विश्वविद्यालय भारत और विदेशों के विभिन्न राज्यों के छात्रों को नामांकित करता है। समग्र शैक्षणिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए, विश्वविद्यालय परिसर को पूरी तरह से वाईफाई-सक्षम 5 छात्रावासों (महिलाओं के लिए तीन और पुरुषों के लिए दो) संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए क्वार्टर; खेल सुविधाएं; चिकित्सा सुविधाएं; 24x7 स्वचालित पुस्तकालय सुविधाएं; प्रौद्योगिकी सक्षम सुगम्य पुस्तकालय सुविधा दिव्यांग प्रयोक्ताओं के लिए, समय पर सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने हेतु एक समर्पित अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ उपलब्ध है। बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त बालिका छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय का पृथक भवन में स्थित अपना स्वास्थ्य केंद्र है जिसमें दो पूर्णकालिक डॉक्टर (पुरुष और महिला) और सहायक कर्मचारी विश्वविद्यालय समुदाय और आसपास के इलाके में सेवा हेतु 24x7 एम्बुलेंस सुविधा है। विश्वविद्यालय समुदाय की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की है। अपनी ढेर सारी गतिविधियों के सहयोग हेतु त्रिपुरा विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक अतिथि गृह है जो एक समय में 100 से अधिक मेहमानों को समायोजित कर सकता है।

हम अपने छात्रों की देखभाल करते हैं। उनके समग्र विकास के लिए, शैक्षणिक पाठ्यक्रम में संशोधन के अलावा, एक मुक्त व्यायामशाला का निर्माण किया गया है साथ ही पुस्तकालय और व्यायामशाला के पास पेयजल फिल्टर के साथ स्थापित किया है। विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए लेडीज वॉश रूम में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर लगाया गया है।



महिला शोधार्थी आवास,महिला छात्रावास सुविधा



स्वास्थ्य सुविधा



अतिथि गृह सुविधा



छात्र सुविधाएं

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में, छात्रों की संख्या 3828 थी, जबकि शोधार्थियों की संख्या 405 थी। पीएचडी हेतु इस शैक्षणिक वर्ष में, कुल 187 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, 25 ने अपना शोधप्रबंध जमा किया था जबकि 65 को सम्मानित किया गया था। विश्वविद्यालय को आईएएस कोचिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र प्राप्त करने का गौरव प्राप्त था। यह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग चलाता है। विश्वविद्यालय छात्रों की भागीदारी के साथ विभिन्न सामुदायिक और आउटरीच गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विश्वविद्यालय लैंगिक संवेदनशीलता और लैंगिक समानता पर जोर देता है। विश्वविद्यालय नीतियों के साथ आईपी, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है। इसके परिणामस्वरूप विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों और वित्त पोषण के माध्यम से इसकी राष्ट्रीय दृश्यता प्राप्त हुई है।

आंतरिक के साथ-साथ बाह्य प्रयोक्ताओं (भुगतान के आधार पर) के लिए सभी उपकरणों/सुविधाओं को उपलब्ध कराने की राष्ट्रीय पहल के अनुरूप, त्रिपुरा विश्वविद्यालय आई-एसटीईएम कार्यक्रम का एक हिस्सा बन गया है, जो विभिन्न विभागों के अलावा, मामूली लागत पर आवश्यकता के अनुसार प्रयोक्ताओं को केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा में 10 महंगे उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के रूप में उभरने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इसके प्रमुख क्षेत्रों में आधुनिक विश्वविद्यालय के अनुरूप सभी कार्यक्षेत्र शामिल हैं, जैसे शिक्षण-अधिगम, अनुसंधान, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग और सहयोग और आउटरीच गतिविधियां सभी ज्ञान सृजन और प्रसार के घोषित लक्ष्य के साथ-साथ छात्रों के ज्ञान और कौशल समूह को बढ़ाने के उद्देश्य से ताकि शिक्षक, छात्र और कर्मचारी एक साथ राष्ट्र की बेहतरी के लिए एक मजबूत शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र बना सकें। इसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय ने अधिकतम प्रभाव कारक 382 और कुल प्रभाव कारक 11.9 के साथ 621.154 शोध लेख प्रकाशित किए हैं; वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में 78 पुस्तक अध्याय और 23 पुस्तकें प्रकाशित हुए हैं। विश्वविद्यालय ने 67 सेमिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। वर्तमान शैक्षणिक

वर्ष में, विश्वविद्यालय ने 14 पेटेंट किए हैं, और 13 दायर पेटेंट हैं। विश्वविद्यालय में कुल 47 जारी परियोजनाएं हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी रिपोर्ट के अनुसार हमारे संकाय सदस्य दुनिया भर में वैज्ञानिकों के शीर्ष 2% में से एक है। इस वर्ष पहली बार त्रिपुरा विश्वविद्यालय के एक संकाय सदस्य को राष्ट्रीय अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया, इलाहाबाद) के फेलो के रूप में चुना गया था। राज्य के भीतर कौशल उन्नयन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, टीयू ने जनवरी 2023 में "दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार सृजन संसाधन केंद्र" खोला है। केंद्र ने छात्र और संकाय की भागीदारी के साथ इस अवधि में चार कार्यक्रम (जागरूकता, सुविधा, उद्यमिता और नवाचार के साक्षी के लिए दौरा कार्यक्रम) आयोजित किए हैं।



डीटीईजीआरसी और इसके कार्यक्रम का उद्घाटन



संकाय को एनएएसआई फेलो के रूप में शामिल किया जा रहा है

विश्वविद्यालय ने स्नातक स्तर पर राशिनी 2020 लागू किया है। विश्वविद्यालय वर्तमान में राशिनी 2020 के अनुसार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को संशोधित करने में लगा हुआ है।

क्रं.	जर्नल्स में प्रकाशित शोधपत्र	प्रभाव कारक	विभाग
1	दत्ता, आर., और जू, वाई एच (2023)। फजी मेमोरी सैम्पल्ड डाटा कंट्रोलर डिजाइन फॉर पीएमएसजी बेस्ड डब्ल्यूईसीएस विद स्टोकेस्टिक पैकेट ड्रॉपआउट्स आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन फजी सिस्टम्स, 31 (12), 4421-4434। https://doi.org/10.1109/tfuzz.2023.3285589	11.9	गणित
2	भारद्वाज, एस., श्रीन, एन., दास, एम., चिटनिस, ए., और कुमार, एस. (2023), प्रोडक्ट स्पेसिफिक वैल्यूज एंड परसनल वैल्यूज टुगेदर बेटर एक्सप्लेन्स ग्रीन, जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 74, 103434। https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2023.103434	10.97	व्यवसाय प्रबंधन
3	मैकडर, एन., और दास, एम. (2024), मेटावर्स एकीकरण चुनौतियां: एक गहन आईएसएम और एमआईसीएमएसी विश्लेषण, जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 77, 103684। https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2023.103684	10.97	व्यवसाय प्रबंधन
4	पाल, डी., मंडल, डी., मैती, डी., डी., डी., गणेशा, एम के, सिंह, ए के, और खान, जी जी (2024)।सिंगल एटॉमिक रुथेनियम डिस्पर्सन प्रमोटिंग फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल वाटर ऑक्सीडेशन एक्टिविटी ऑफ CeOsub>x</sub> कैटेलिस्ट्स ऑन डोप्ड TiO<₂ नैनोरॉड फोटोएनोड्स, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए, 12 (5), 3034-3045। https://doi.org/10.1039/d3ta05922g	10.7	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी
5	साहा, वी., दास, एम., और पॉल, जे. (2023)। क्या मास्टिज ब्रांड को बी2बी बाजारों में पेश किया जा सकता है? एक खोजपूर्ण अध्ययन, औद्योगिक विपणन प्रबंधन, 114, 32-46। https://doi.org/10.1016/j.indmarman.2023.07.009	10.3	व्यवसाय प्रबंधन
6	पटेल, ए., गोस्वामी, एस., हजारिका, जी., शिवप्रकाशम, एस., भट्टाचार्जी, एस., और मन्ना, डी. (2023)। सल्फोनियम-क्रॉस-लिंक्ड हयालूरोनिक एसिड-बेस्ड सेल्फ हीलिंग हाइड्रोजेल: स्टीमुलीरिस्पॉन्सिव ड्रग कैरियर विद इनहेरेन्ट एन्टीबैक्टीरियल एक्टिविटी टु काउन्टर एक्ट एंटीबायोटिक-रेजिस्टेन्स बैक्टीरिया एडवांस्ड हेल्थकेयर मटेरियल्स, 13(6), e2302790.. https://doi.org/10.1002/adhm.202302790	10	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
7	त्रिपुरा, बी., सरकार, आर., जमातिया, एस आर, और जमातिया, के. (2023)। कोविड-19 महामारी लॉकडाउन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 5 (4), 1-9। https://doi.org/10.36948/ijfmr.2023.v05i04.5131	9.24	अंग्रेज़ी
8	नाथ, एच., दास, जे., देबनाथ, सी., सरकार, बी., सक्सेना, आर., और बर्मा, एसडी (2023), डेवलपमेंट ऑफ लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास व्युत्पन्न सीयू और जेडएन का विकास अत्यधिक छिद्रपूर्ण डेराइव्ड सीयू एंड जिंक डोप्ड हाइली पोरस एक्टिवेटेड कॉर्बन एंड इट्स यूटीलाईजेशन इन द एंटी-माइक्रोबियल ट्रीटमेंट। इन्वायर्नमेंटल केमिस्ट्री एंड इकोटॉक्सिकोलॉजी, 5, 155-164। https://doi.org/10.1016/j.enceco.2023.07.001	9	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी
9	मैती, डी., और खान, जीजी (2023), ऑर्गेनिक/ इनऑर्गेनिक मेटल हैलाइड पेरोवस्काइट्स फॉर सोलर ड्रिवेन वाटर स्पिलिटिंग : प्रॉपर्टीज, मैकेनिज्म एंड डिजाइन। मटेरियल टुडे इनर्जी, 37, 101407। https://doi.org/10.1016/ जे.एम.टी.एन.आर. 2023.101407	9	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी
10	मजूमदार, आर., इचुडौले, घोष, ए., देब, एस., और घोष, आर. (2024), सिग्नीफिकेन्स ऑफ चाल्कोन स्कैफ्फोल्ड इन मेडिसनल टॉपिक्स। करेन्ट केमिस्ट्री, 382 (3), 22. https://doi.org/10.1007/s41061-024-00468-7	8.6	भेषज विज्ञान
11	दत्ता, एस., दॉरलांग, एस टी, और मालाकार, जे. (2023)। शिक्षा के क्षेत्र में रवींद्रनाथ टैगोर के योगदान पर एक सैद्धांतिक अध्ययन। टीआईजेईआर- इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, 10, 836-838।	8.57	शिक्षा
12	गिरी, एल., हुसैन, एम., अंगमो, जेसी, मुस्तफा, जी., सिंह, बी., बहुखनादी, ए., प्रधान, आर., कुमार, आर., मुखर्जी, एस., भट्ट, आईडी, और नौटियाल, एस. (2025), इनहांसिंग टोमैटो (सोलनम लाइकोपर्सिकम) यील्ड एंड न्यूट्रीशन क्वालिटी थ्रू हॉइट्रोपोनिक कल्टीवेशन विद ट्रीटेड वेस्टवाटर, फुड केमिस्ट्री 463, 141079। https://doi.org/10.1016/j.foodchem.2024.141079	8.5	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान

13	चटर्जी, आर. (2023)। स्वावलंबन योजना के माध्यम से उद्यमशीलता वित्त और त्रिपुरा में सामाजिक रूप से बहिष्कृत लोगों की भागीदारी, इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, *5* (4), 1. https://doi.org/10.36948/ijfmr.2023.v05i04.4316	8.402	सीएसएसईआईपी
14	दास, एस. (2024)। त्रिपुरा में कोकबरॉक और भाषा की राजनीति, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 10 (2), 164-172 .. https://www.allresearchjournal.com/archives	8.4	अंग्रेज़ी
15	दास, एस. (2024)। ऑनलाइन शिक्षण: एक व्यवहार्यता अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, 10 (9), 48-255। www.allresearchjournal.com	8.4	अंग्रेज़ी
16	भट्टाचार्य, ए., गुतिरेज, एम., कोहेन, बी., सज़लाद, एच., अल्बेरो, जे., गार्सिया, एच., और डौहल, ए. (2023), अनरिवीलिंग द ऑप्टिमल सेरियम कंटेंट फॉर बूस्टिंग फोटोरिस्पॉन्स एक्टिविटी ऑफ मिक्स्ड मेटल Zr/CE- बेस्ड मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क थ्रू ए फोटोडायनामिक और फोटोकरेंट कोरिलेशन :इम्प्लीकेशन ऑन वाटर स्प्लिटिंग एफिसिएंशी, एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेस, 15 (30), 36434-36446। https://doi.org/10.1021/acsami.3c08062	8.3	रसायन विज्ञान
17	साहा, एस., मैती, डी., डी., डी., खान, जीजी, और मंडल, के. (2024)। "ग्राफीन क्वांटम डोट्स ऐज होल एक्सट्रेक्शन एंड ट्रांसफर लेयर एम्पॉवरिंग सोलवर वाटर स्प्लिटिंग ऑफ कैटेलिस्ट कपल्ड जिंक फेराइट नैनोरोड्स" एसीएस एप्लाइड सामग्री और इंटरफेस, 16 (22), 28441-28451। https://doi.org/10.1021/acsami.4c02723	8.3	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी
18	काइपेंग, आर., मालाकार, जे., दत्ता, एस., और दॉरलांग, एसटी (2023), महान शिक्षक और शिक्षा सुधारक: ईश्वर चंद्र विद्यासागर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक डेवलपमेंट एंड रिसर्च, 8, 1307-1309।	8.15	शिक्षा
19	पाल, डी., मैती, डी., डी., गणेशा, एम के, सिंह, ए के, भालाधारे, एस., और खान, जीजी (2024)। साइट्रेट मॉड्यूलेशन ऑफ CoAl(OH)x कैटेलिस्ट/sb-tio2 नैनोरोड्स इंटरफ़ेस बूस्टिंग फोटोकैरियर सेपरेशन एंड इंजेक्शन फॉर इनहांस वाटर ऑक्सीडेशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 51, 52-65। https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2023.08.058	8.1	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी
20	पाल, डी., मैती, डी., डी., गणेशा, एम के, सिंह, ए के, भालाधारे, एस., और खान, जीजी (2024)। साइट्रेट मॉड्यूलेशन ऑफ CoAl(OH)x कैटेलिस्ट/sb-tio2 नैनोरोड्स इंटरफ़ेस बूस्टिंग फोटोकैरियर सेपरेशन एंड इंजेक्शन फॉर इनहांस वाटर ऑक्सीडेशन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइड्रोजन एनर्जी, 51, 52-65। https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2023.08.058	8.1	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी
21	मालाकार, जे. (2023), अध्यापक शिक्षा में रचनात्मक दृष्टिकोण: शिक्षा में सतत विकास की दिशा में एक कदम, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 11 (6), 992-994। https://ijcrt.org/papers/IJCRT2307461	7.97	शिक्षा
22	मालाकार, जे. (2024), कैरियर की आकांक्षाओं और कैरियर निर्णय लेने में लिंग असमानताएं: एक सैद्धांतिक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12 (6), 453-457। https://ijcrt.org/papers/IJCRT2307461	7.97	शिक्षा
23	दॉरलांग, वी. (2024), भारत में हाल के दिनों में युवाओं के प्रति राजनीतिक संस्कृति और चुनावी घोषणापत्र प्रतिबद्धताएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12 (1), 2320-2882।	7.97	राजनीति विज्ञान
24	पुरोहित, एस., होलेबीक, एल. डी., दास, एम., और सिगर्डसन, वी. (2023)। ब्रांड इंजीलवाद पर ग्राहकों के ब्रांड अनुभव का प्रभाव: लक्जरी होटल का प्रकरण, पर्यटन प्रबंधन परिप्रेक्ष्य, 46, 101092। https://doi.org/10.1016/j.tmp.2023.101092	7.63	व्यवसाय प्रबंधन
25	दास, डी., गोलबीवस्का, ए., और राउत, पीके (2024)। जियोपॉलिमर ब्रिक्स: द नेक्स जनरेशन ऑफ कंस्ट्रक्शन मटेरियल फॉर सस्टेनेबल इन्वायर्नमेंट, कंस्ट्रक्शन एंड बिल्डिंग मटेरियल्स, 445, 137876। https://doi.org/10.1016/j.conbuildmat.2024.137876	7.4	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी
26	डे, एस., पटेल, ए., हलोई, एन., श्रीमयी, एस., पॉल, एस., बारिक, जीके, अख्तर, एन., शॉ, डी., हजारिका, जी., प्रुस्टी, बी एम, कुमार, एम., सांतरा, एम के, ताजखोर्शीद, ई., भट्टाचार्जी, एस., और मन्ना, डी. (2023),क्विनोलिन थियोरिया-बेस्ड जिंक आयनोफोरस विद एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटीज, जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 66 (16), 11078-11093। https://doi.org/10.1021/acs.jmedchem.3c00368	7.3	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
27	देबनाथ, एन जी (2024), युवा सशक्तिकरण के लिए पारंपरिक ज्ञान और डिजिटल परिवर्तन का लाभ उठाना। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), 13* (2), 533-537। https://doi.org/10.21275/sr24205111200	7.101	सीएसएसईआईपी

28	सुआंतक, के. (2023)। त्रिपुरा राज्य के संदर्भ में कोकबरॉक छात्रों द्वारा अंग्रेजी सीखने में चुनौतियों का सामना। जेआरएसपेल्ट, 7, 1-6।	6.895	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
29	दास, एम., बालाजी, एमएस, पॉल, एस., और साहा, वी. (2023)। बीइंग अन्कंवेन्सनल: आवेगी खरीद पर अपरंपरागत पैकेजिंग संदेशों का प्रभाव, मनोविज्ञान और विपणन, 40 (10), 1 913-19 32। https://doi.org/10.1002/mar.21865	6.7	व्यवसाय प्रबंधन
30	बोरकर, एस.एस., शर्मा, पी., ठाकुर, ए., कुमार, ए., कुमार, ए., और कुमार, आर. (2024)। "फिजियोलॉजिकल एंड जेनोमिक इनसाइट्स इन्टू साइकोट्रोफिक ड्रॉट- टॉलरेन्ट बैक्टीरियल कंसोर्टियम फॉर क्रॉप इम्प्रूवमेंट इन कोल्ड सेमिआरिड रीजन्स" माइक्रोबायोलॉजिकल रिसर्च, 286, 127818। https://doi.org/10.1016/j.micres.2024.127818	6.1	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
31	डिंडा, बी., डिंडा, एम., डिंडा, एस., और डी, यूसी (2023)। " ऐन ओवरव्यू ऑफ एएंटी-SARS-CoV-2 एंड एंटीइन्फ्लेमेटरी पोटेन्सियल ऑफ बैकलीन एंड इट्स मेटाबोलाइट बैकलिन: इन्साइट्स इन्टू मॉलिकुलर मैकेनिज्म"। यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, 258, 115629। https://doi.org/10.1016/j.ejmech.2023.115629	6	रसायन विज्ञान
32	कौर, पी., धार, पी., बंसल, ओ., सिंह, डी., और गुहा, ए. (2023)। टेम्पोरल वैरियेबिलिटी, मीटिरोलॉजिकल इनफ्लुएन्सेस एंड लॉन्ग रेन्ज ट्रांसपोर्ट ऑफ एटमॉसफेरिक एयरोसोल्स ओवर टू कॉन्ट्रास्टिंग एनवायर्नमेंट्स अगरतला एंड पटियाला, इन्वायर्नमेंटल साइंस एंड पॉलूसन रिसर्च, 30 (46), 102687-102707। https://doi.org/10.1007/s11356-023-29580-9	5.8	भौतिक विज्ञान
33	चटर्जी, आर. (2023)। त्रिपुरा में उद्यमिता विकास पहल: उनाकोटी जिले में "स्वावलंबन योजना" के तहत वित्त का विशेष संदर्भ। *उद्यमिता योजना, विकास और प्रबंधन के नोलेगिन जर्नल, 6*, 81. https://doi.org/10.36948/ijfmr.2023.v05i04.4316	5.793	सीएसएसईआईपी
34	रॉय, एसडी, और भौमिक, एम के (2024), अंडरस्टैंडिंग एडवर्सरियल एटमॉस्फेरिक फीचर्स इन्टरप्रेटेशन, एनॉलिसिस, एंड स्टैंडर्डाईजेशन फॉर टैकलिंग द कम्प्यूटर विजन प्रॉबलम्स इन वीडियोज, आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन इंस्ट्रूमेंटेशन एंड मीजरमेंट, 73, 1-20। https://doi.org/10.1109/tim.2023.3346496	5.6	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
35	जेबराजकीर्ति, सी., शिवपालन, ए., दास, एम., मसीह, एच.आई., अशदुज्जमान, एम., स्ट्रॉन्ग, सी., और संगरोया, डी. (2024)। ए मेटा एनालिटिक इन्टीग्रेसन ऑफ द थ्योरी ऑफ प्लान्ड बिहैवियर एंड द वैल्यू बिलीफ नॉर्म मॉजेल टु प्रेडिक्ट ग्रीन कंजम्प्सन, यूरोपीय जर्नल ऑफ मार्केटिंग, 58 (4), 1141-1174। https://doi.org/10.1108/ejm-06-2021-0436	5.5	व्यवसाय प्रबंधन
36	साहा, पी., हेगड़े, एम., चक्रवर्ती, के., सिंघा, ए., मुखर्जी, एन., घोष, डी., कुन्नुमक्कारा, एबी, खान, एमएस, अहमद, एमआई, घोष, ए., कुमेर, ए., और सिल, एसके (2024)। टार्गेटेड इन्हीबिटेशन ऑफ कोलोरेक्टल कैंसर प्रोलिफरेशन : द डुअल मॉड्युलेटरी रोल ऑफ 2,4-डीटीबीपी ऑन एंटी-एपोप्टोटिक बीसीएल -2 एंड सर्विविन प्रोटीन, जर्नल ऑफ सेलुलर एंड मॉलिकुलर मेडिसिन, 28 (7), ई 18150। https://doi.org/10.1111/jcmm.18150	5.31	मानव शरीर विज्ञान
37	रॉय, सी., सैनफुई, एमएच, रॉय, एस., हसन, एन., देब, एम., दास, के., मसंता, एस., रहमन, एम., मंडल, एस., मजूमदार, एस., चट्टोपाध्याय, पीके, और सिंघा, एनआर (2023)।एक्साइटेड-स्टेट इनर्जी ट्रांसफर एसोसिएटेड डुअल एमीशन ऑफ लाइट एमिटिंग पॉलिमर्स कंटेनिंग सल्फोनेटेड ग्राफीन ऑक्साइड फॉर सेन्सिंग ऑफ pH, Co(II), एंड Bi(III) एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री, 6(19), 17952-17971। https://doi.org/10.1021/acsanm.3c03222	5.3	रसायन विज्ञान
38	साहा, एस., मैती, डी., पाल, डी., सरकार, डी., डी., डी., खान, जीजी, और मंडल, के. (2023)। सोलर-ड्रिवेन वाटर स्प्लिटिंग बाई ने नैनोस्ट्रक्चर्ड NiFe(OH)x कैटेलिस्ट इनकॉर्पोरेटेड BiVO4 फोटोनोड, एसीएस एप्लाइड नैनो सामग्री, 6, 21385-21394। https://doi.org/10.1021/acsanm.3c04893.s001	5.3	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी
39	साहा, पी., हेगड़े, एम., चक्रवर्ती, के., सिंघा, ए., मुखर्जी, एन., घोष, डी., कुन्नुमक्कारा, एबी, खान, एमएस, अहमद, एमआई, घोष, ए., कुमेर, ए., और सिल, एसके (2024)। टार्गेटेड इनहीबीसन ऑफ कोलोरेक्टल: द <scp>डुएल-मॉड्युलेटरी </scp> रोल ऑफ 2,<scp>4-डिटीबीपी </s>cp <scp>एंटीएपोप्टोटिक/scp</scp> bcl-2 एंड सरवाइविन प्रोटीन, जर्नल ऑफ सेलुलर एंड मॉलिकुलर मेडिसिन, 28 (7), ई 18150। https://doi.org/10.1111/jcmm.18150	5.3	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
40	अख्तर, टी., मोदक, एस., मजूमदार, डी., और मैती, डी. (2024)। ए डिटेल्ड इनसाइट इन्टू मैक्रोफेगेस रोल इन शेपिंग लंग कार्सिनोजेनेसिस, लाइफ साइंसेज, 352, 122896। https://doi.org/10.1016/j.lfs.2024.122896	5.2	मानव शरीर विज्ञान

41	पाणिग्रही, डी. (2023)। ओडिशा में स्वतंत्रता संग्राम और संस्कृत भक्ति साहित्य। अनंत, (संस्कृत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल), 9 (1), 227-332।	5.12	संस्कृत
42	देब, एस., हुसैन, एस., बैश्य, बी., भट्टाचार्य, ए., हुसैन, एसए, नाथ, आरके, और पॉल, एमके (2024)। फेसाइल प्रिपेरेशन एंड स्टडी ऑफ सुपर मॉलिकुलर ऑर्किटेक्चर ऑफ ऐन एफिसिएन्ट इंटरफ़ेस नैनोकम्पोजिट एलबी फिल्म एएचएसएम / एसए बेस्ड ऑन एज़ो-फ़ंक्शनलाइज्ड हॉकी स्टिक शेप्ड मेसोजेन ऐट एयर वाटर एंड एयर सॉलिड इन्टरफेस, कोलॉइड्स एंड सरफेसेस ए : ए फिजियोकेमिकल एं इंजीनियरिंग एस्पेक्ट्स, 702, 135056। https://doi.org/10.1016/j.colsurfa.2024.135056	4.9	भौतिक विज्ञान
43	भट्टाचार्य, ए., चक्रवर्ती, के., साहा, पी., साहा, एस., रॉयचौधरी, पी., बैद्य, जेएल, घोष, ए., चक्रवर्ती, डी., सेनगुप्ता, एस., और सिल, एसके (2024)। " सर्वाइकल साइटोलॉजी एबनॉर्मलिटीज एंड एसोसिएटेड जीनोटाइप पैटर्न ऑफ हाई रिस्क एचपीवी इनफेक्शन इन वीमेन ऑफ त्रिपुरा नॉर्थ ईस्ट इंडिया: ए हॉस्पिटल बेस्ड स्टडी". अमेरिकन जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी, 36 (4)। https://doi.org/10.1093/aje/kwae364	4.89	मानव शरीर विज्ञान
44	भारद्वाज, केके, राभा, बी., अहमद, आई., मैथ्यू, एस.पी., भट्टाचार्जी, सीके., जगनाथन, बीजी, पोद्दार, एस., पटेल, एच., सुब्रमण्यन, वी., चिन्नी, एसवी, रामचवोलरन, जी., सलीम, आर., खलीफा अली, ईएच, अब्देल-दैम, एमएम, बैश्य, डी., और घोष, ए. (2023)। रैमैन्टिन, ए न्यूट्रास्यूटिकल फ्लेवोनॉयड अरेस्ट्स सेल साइकल प्रोग्रेसन ऑफ ह्यूमन ओवेरियल कैंसर (SKOV3) सेल्स बाई इनहिबिटिंग द हिस्टोन डेसेटाइलेज़ 2 प्रोटीन, जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 42 (24), 13421-13436। https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2275187	4.8	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
45	घोष, ए., घोष, डी., मुखर्जी, एन., मैत्रा, एस., दास, पी., डे, ए., शरकावी, एसएम, ज़ौगनेलिस, जीडी, एलेक्सियो, ए., चौधरी, एसवाई, शर्मा, आर., वाघमारे, एसए, पापदाकिस, एम., और बतिहा, जीई (2024)। "द एफिसिएन्ट एक्टिविटी ऑफ ग्लेब्रिडिन एंड इट्स डेरिवेटिव्स अगेन्स्ट ईजीएफआर रेमेडियेटेड इनहिबिसन ऑफ ब्रेस्ट कैंसर, करेन्ट मेडिसिनल केमिस्ट्री, 31 (5), 573-594। https://doi.org/10.2174/0929867330666230303120942	4.7	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
46	साहा, जे., प्राइस, सी., और गुहा, ए. (2023)। " रोल ऑफ ग्लोबल थंडरस्टॉर्म एक्टिविटी इन मॉड्युलेटिंग ग्लोबल सिर्रस क्लाउड्स, जिओफिजिकल रिसर्च लेटर्स" 50(12), e2022GL102667। https://doi.org/10.1029/2022gl102667	4.6	भौतिक विज्ञान
47	हुसैन, एस., मजूमदार, एस., मल्होत्रा, ए., चौहान, ए., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2023)। ट्यूनिंग ऑफ पॉलीडायसिटिलीन फेज बिहैवियर मिक्स्ड विद कोलेस्ट्रॉल डेरिवेटिव् एंड इट्स एप्लीकेशन टुवर्ड द डिटेक्शन ऑफ पैथोजेनिक बैक्टीरिया, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस, 58 (40), 15762-15779। https://doi.org/10.1007/s10853-023-08992-5	4.5	भौतिक विज्ञान
48	साहा, जे., प्राइस, सी., प्लॉटनिक, टी., और गुहा, ए. (2023)। आर थंडरस्टॉर्म लिंग्ड टु द रैपिड सी आईस लॉस इन द आर्कटिक? एटमॉस्फेरिक रिसर्च, 294, 106988। https://doi.org/10.1016/j.atmosres.2023.106988).	4.5	भौतिक विज्ञान
49	भट्टाचार्जी, एसके, हुसैन, एसए, पॉल, पीके, और भट्टाचार्जी, डी. (2023)। कैरियर टाइप एक्सचेन्ज विद द स्वीप डाइरेक्सन इन ए WORM मेमोरी डिवाइस। एसीएस एप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, 5 (7), 3917-3924। https://doi.org/10.1021/acsaelm.3c00617	4.494	भौतिक विज्ञान
50	मसीह,एच.आई., नाहर, एस. जेबराजकीर्ति, सी, रॉस एम, आरली डी, दास एम रहमान एम एंड अशरफ एच. ए.. (2023), "स्मार्टफोन ऐप उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता चिंताओं की खोज: एक गुणात्मक दृष्टिकोण", मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग, वॉल्यूम 41 नंबर 7, पीपी 945-969। https://doi.org/10.1108/MIP-11-2022-0515	4.4	व्यवसाय प्रबंधन
51	सरकार, ए., चक्रवर्ती, ए., भौमिक, एस., देबनाथ, बी., सिंह, एस.एस., घोष, आर., जकी, एमई, अल-हुसैन, एसए, और देबनाथ, एस. (2024)। पार्किया जावानिका एडीबल पॉड्स रिवील पोटेन्सियल ऐज ऐन एंटीडॉयबेटिक एजेन्ट: यूएचपीएलसी-क्यूटीओएफ-एमएस / एमएस- बेस्ड केमिकल प्रोपाइलिंग इन सिलिको, इन विट्रो, इन विवो, एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस स्टडीज। फार्मास्यूटिकल्स, 17(7), 968. https://doi.org/10.3390/ph17070968	4.3	भेषज विज्ञान
52	मुर्गा कोटरीना, सीजे, भट्टाचार्य, ए., वांग, एस., अमौरौक्स, बी., कैसरेटो, एन., बॉर्सियर, एस., लेरे, आई., और ज़ुची, जी. (2023)। सलेक्टिव ऑयन सेन्सिंग इन एक्वस मीडाय विद ईएसआईपीटी एक्टिव फ्लोरोसेंट प्रोब्स - ए पर्टीकुलर केस फ़ॉर हाइपोक्लोराइट डिटेक्शन। डाईज एंड पिगमेंट्स, 218, 111524। https://doi.org/10.1016/j.dyepig.2023.111524	4.1	रसायन विज्ञान

53	दास, ए., भट्टाचार्य, ए., और गुच्छत, एन. (2024)। एचीविंग सॉल्वेंट स्पेसिफिक चार्ज ट्रांसफर डैम्प्ड एक्साईटेड स्टेट प्रोटोन ट्रांसफर बाई कंट्रोलिगं चेन लेंग्थ एंड चार्ज डोनर टॉर्सन : इम्प्लीकेशन्स इन नैनोमोलर Fe3+ सेंसिंग, जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री, 453, 115657। https://doi.org/10.1016/j.jphotochem.2024.115657	4.1	रसायन विज्ञान
54	बसाक, एस., और दास, आर. (2024)। कन्फर्मेशन ऑफ प्रेजेन्स ऑफ एज डिसलोकेशन्स न द प्रिपेयर्ड FCC ZnTe नैनोक्रिस्टल फ्रॉम द स्टडी ऑफ स्ट्रक्चरल एनॉलिसिस थ्रू द एमडब्ल्यूएच मेथड विद द एडेड फोरियर एनालिसिस (डब्ल्यूए मेथड) ऑफ डिफरेन्ट पीक्स। सेमीकंडक्टर प्रोसेसिंग में पदार्थ विज्ञान, 179, 108477। https://doi.org/10.1016/j.mssp.2024.108477	4.1	भौतिक विज्ञान
55	डे, डी., ढाका, ए., प्रतिहारी, एच., हुसैन, एस., और दत्ता रॉय, ए. (2024)। सेंसिंग ऑफ गन शॉट रेसिड्यू कम्पोनेन्ट्स फ्रॉम रियल सैम्पल यूजिंग फ्लोरोसेन्स रेजोनेंस इनर्जी ट्रांसफर। स्पेक्ट्रोकेमिका एक्टा पार्ट ए: मॉलिकुलर एंड बायोमोलेक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, 319, 124512। https://doi.org/10.1016/j.saa.2024.124512	4.098	भौतिक विज्ञान
56	पवार, वीके, त्यागी, ए., वर्मा, सी., शर्मा, केपी, अंसारी, एस., मणि, आई., श्रीवास्तव, एस.के., शुक्ला, पीके, कुमार, ए., और कुमार, वी. (2023)। अनलॉकिंग थैरप्योटिक पोटेंशियल: इन्टीग्रेशन ऑफ ड्रग रिपर्पोजिंग एन्ड इम्यूनो थेरेपी फॉर वैरियस डिजीज टार्गेटिंग। अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रांसलेशनल रिसर्च, 15 (8), 4984-5006।	4.04	प्राणीविज्ञान
57	सरकार, एस., बनिक, एच., रहमान, एफवाई, मजूमदार, एस., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2023)। "इफेक्ट ऑफ लांग चेन फैटी एसिड्स ऑन द मेमोरी स्विचिंग बिहैवियर ऑफ टेट्रेनडोलिल डेरिवेटिव्स"। आरएससी एडवांसेस, 13(38), 26330-26343। https://doi.org/10.1039/d3ra03869f	4.036	भौतिक विज्ञान
58	बालियान, एन., कुमार, ए., शर्मा, आर., मुखिया, एस., शर्मा, एस.के., अग्निहोत्री, वीके, और कुमार, आर. (2024)। अनवेलिंग द माइक्रोबायोम एंड मेटॉबॉलाइट्स ऑफ ट्रेडिसनल डेयरी एंड एल्कोहलिक प्रोडक्ट्स फॉर्म नार्थ वेस्टर्न हिमॉलयान रीजन। जर्नल ऑफ़ फ़ूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस, 136, 106833। https://doi.org/10.1016/j.jfca.2024.106833	4	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
59	ठाकुर, ए., पांडे, केके, खरका, के., बोरकर, एस.एस., कुमार, बी., भट्ट, ए., और कुमार, आर. (2024)। "कम्परेटिव स्टडी ऑफ सब्स्ट्रेट कम्पोनेन्ट्स, न्यट्रीटिव वैल्यू, एर्गोस्टेरॉल डिस्ट्रिब्यूसन एंड विटामिन डी 2 एनरिचमेंट इन शिटेक मशरूम कल्टिवेटेड ऑन वुड सब्सटेंसेस"। जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस, 134, 106508। https://doi.org/10.1016/j.jfca.2024.106508	4	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
60	कोंडोली, बी., वेमुला, डी., ब्रह्मा, यू., भंडारी, वी., और आचार्य, पीसी (2023)। " स्टीरियोसेलेक्टिव सिन्थेसिस ऑफ डिसपायरोपाइरोलिडाइनिल ऑक्सिन्डोल डेरिवेटिव एंड एवल्यूएशन ऑफ देयर एंटीबैक्टीरियल एफिसिएन्सी"। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, एल्सेवियर, 1288, 135808। https://doi.org/10.2139/ssrn.4380116	4	भेषज विज्ञान
61	बसाक, एस., नाथ, डी., और दास, आर. (2023)। एनॉलिसिस ऑफ डॉमिनेन्ट एक्सआरडी पीक ऑफ (111) प्लेन ऑफ ZnS नैनोक्रिस्टल फॉर माइक्रोस्ट्रक्चरल स्टडी थ्रू सिंगल लाइन वॉइग्ट मेथड : कैलकुलेटेड लो डिसलोकेशन डेन्सिटी वैल्यू एम्फेसाइजेज लार्जेर स्टैकिंग ऑफ (111) प्लेन। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1293, 136273। https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2023.136273).	4	भौतिक विज्ञान
62	सरकार, एस., बनिक, एच., रहमान, एफवाई, मजूमदार, एस., भट्टाचार्जी, डी., और हुसैन, एसए (2023)। " इफेक्ट ऑफ लान्ग चैन फैटी एसिड्स ऑन द मेमोरी स्विचिंग बिहैवियर ऑफ टेट्रेनडोलिल डेरिवेटिव्स"। आरएससी एडवांसेस , 13(38), 26330-26343। https://doi.org/10.1039/d3ra03869f	3.9	रसायन विज्ञान
63	गोस्वामी, पी., फौजदार, एन., देबनाथ, एस., खान, ए.के., और सिंह, जी. (2023)। ZSS सिगनेचर बेस्ड ऑडिट मैसेज वैरिफिकेशन प्रोसेस फॉर क्लाउड डेटा इन्टीग्रिटी, आईईईई एक्सेस, 11, 145485-145502। https://doi.org/10.1109/access.2023.3343841	3.9	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
64	चौहान, आर., विश्वमित्रा, एस., धीमान, डी., शर्मा, एसके, कुमार, आर., कुमार, डी., और सिंह, एस. (2024)। ग्रोथ, एसेन्सियल यील्ड एंड बॉयोलॉजिकल एक्टिविटीज ऑफ कर्कुमा सेसिया इन रिस्पॉन्स टु सोइंग टाइम एंड प्लांटिंग जियोमेट्री इन द नॉन-ट्रेडिसनल एरिया ऑफ वेस्टर्न हिमालया। साइंटिया हॉर्टिकल्चर, 338, 113740। https://doi.org/10.1016/j.scienta.2024.113740	3.9	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
65	शर्मा, पी., कौशल, जी., बोरकर, एसएस, लेप्चा, ए., कुमार, ए., और कुमार, आर. (2024)। "फिजियोलॉजिकल एंड जिनोमिक एलुसिडेसन ऑफ कोल्ड रेजिलेंस राइजोबैक्टीरिया रिवील्स प्लांट ग्रोथ प्रमोशन बाई साइटेरोफोर ऑप्टीमाइजेशन एंड एन्हांस्ड बॉयोकंट्रोल पोटेन्सियल अगेन्स्ट फंगल पैथोजेन्स". जर्नल ऑफ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, 1-14। https://doi.org/10.1007/s00344-024-11430-8	3.9	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान

66	शंकर देब रॉय, जे., देब, एम., हुसैन सैनफुई, एम., हसन, एन., रॉय, एस., चौधरी, डी., दास, बी., रहमन, एम., नाथ घोष, एन., चांग, एम., मजूमदार, एस., कांति चट्टोपाध्याय, पी., और रंजन सिंघा, एन. (2024)। लाइट एमीशन्स ऑफ रेसियोमिट्रिक एल्फाटिक रेडॉक्स पॉलिमर फ्रॉम कैनोनिकल एनियॉन्स एंड एनियॉन एग्रीगेट: रिडक्शन एसोशिएटेड नैकेड आई डिटेक्शन ऑफ Hg (II), Fe (III), एंड Cu (II)। यूरोपीय पॉलिमर जर्नल, 206, 112754। https://doi.org/10.1016/j.eurpolymj.2024.112754	3.86	रसायन विज्ञान
67	प्रधान, एस., होर, एस., रॉय, एस., मन्ना, एस., डैम, पी., मंडल, आर., घाटी, ए., बिस्वास, टी., शॉ, एस., शर्मा, एस., सिंह, डब्ल्यू.एस., माजी, एस.के., रॉय, एस., बसु, ए., पांडेय, के.सी., सामंत, एस., वशिष्ठ, के., डोलाई, टी.के., कुंडू, पी.के., ... आईएनसीई, आईए (2023)। " जियो एनवायर्नमेंटल फैक्टर्स एंड द इफैक्टिवनेस ऑफ मलबेरी लीफ एक्सट्रैक्ट्स इन मैनेजिंग मलेरिया"। साइंटिफिक रिपोर्ट जर्नल, 13 (1), 1- 13। https://doi.org/10.1038/s41598-023-41668-3	3.8	भूगोल और आपदा प्रबंधन
68	प्राइस, सी., प्लॉटनिक, टी., साहा, जे., और गुहा, ए. (2024)। रिविजिटिंग द लिंग बिटवीन थंडरस्टॉर्म एंड अपर ट्रोपोस्फेरिक वाटर वेपर, जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च - एटमॉस्फियर, 128(24), e2023JD039306। https://doi.org/10.5194/egusphere-egu24-6728	3.8	भौतिक विज्ञान
69	भट्टाचार्जी, एस., गोस्वामी, एस., दास, एस., भट्टाचार्जी, एस., और भलाधारे, एस. (2023)। " PH-रिस्पॉन्सिव स्टेबल एंड बॉयोकम्पेटेबल फंक्सनल नैनोजेल्स बेस्ड ऑन चिटोसन (सीएस) / पॉली मेथैक्रेलिक एसिड (पीएमएए) पॉलिमर : सिंथेलिस एंड कैरेक्टराइजेशन"। मटेरियल टुडे कम्युनिकेशन, 36, 106541। https://doi.org/10.1016/j.mtcomm.2023.106541).	3.7	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी
70	सेलवन, टी., पनमेई, एल., मुरासिंग, केके, गुलेरिया, वी., रमेश, केआर, भारद्वाज, डीआर, ठाकुर, सीएल, कुमार, डी., शर्मा, पी., दिग्विजयसिंह उमेदसिंह, आर., कायलविझी, डी., और देशमुख, एचके (2023)। कृषि में चक्रीय अर्थव्यवस्था: खाद्य सुरक्षा और सतत विकास के लिए एकीकृत जैविक खेती की क्षमता को उजागर करना। फ्रंटियर्स इन सस्टेनेबल फुड सिस्टम्स, 7. https://doi.org/10.3389/fsufs.2023.1170380	3.7	वानिकी और जैव विविधता
71	भट्टाचार्जी, एस., गोस्वामी, एस., दास, एस., भट्टाचार्जी, एस., और भलाधारे, एस. (2023)। " PH-रिस्पॉन्सिव स्टेबल एंड बॉयोकम्पेटेबल फंक्सनल नैनोजेल्स बेस्ड ऑन चिटोसन (सीएस) / पॉली मेथैक्रेलिक एसिड (पीएमएए) पॉलिमर : सिंथेलिस एंड कैरेक्टराइजेशन"। मटेरियल टुडे कम्युनिकेशन, 36, 106541। https://doi.org/10.1016/j.mtcomm.2023.106541	3.7	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
72	भट्टाचार्य, ए., दास, ए., और गुच्छत, एन. (2023)। इंटरोगेटिंग द नेचर ऑफ एग्रेगेट्स फॉर्म्ड इन मॉडेल एज़ीन बेस्ड ईएसआईपीटी कपल्ड एआईई एक्टिव प्रोब: स्टार्क डिफरेन्सेस इन फोटोडॉयनॉमिक्स इन द सॉलिड स्टेट एंड एग्रीगेट्स इन वाटर। फिजिकल केमिस्ट्री केमिकल फिजिक्स, 25 (46), 31702-31713। https://doi.org/10.1039/d3cp03603k	3.676	रसायन विज्ञान
73	साहा, पी., डीई, ए., रॉय, एसडी, और भौमिक, एमके (2024)। कम्प्रिहेन्सिव रिव्यू ऑन डीप कार्डियोवैस्कुलर डिजीज डिटेक्शन एप्रोचेज : इट्स डाटासेट्स, इमेज मॉडेलिटीज एंड मेथड्स। मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन्स, 1-47। https://doi.org/10.1007/s11042-024-18953-y	3.6	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
74	गोस्वामी, पी., फौजदार, एन., देबनाथ, एस., खान, ए.के., और सिंह, जी. (2024)। इन्वेस्टिगेसन ऑन स्टोरेज लेवेल डाटा इन्टीग्रिटी स्ट्रेटेजीज इन क्लाउड कंप्यूटिंग : क्लासीफिकेशन, सिक्योरिटी ऑब्स्ट्रक्शन, चैलेन्जेज एंड वल्नरेबिलिटी। जर्नल ऑफ क्लाउड कम्प्यूटिंग, 13 (1), 1-23। डीओआइ:10.1186/एस13677-024-00605-जेड	3.418	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
75	गोस्वामी, पी., फौजदार, एन., सिंह, जी., प्रसाद, के., खान, एके, और देबनाथ, एस. (2024)।स्टब सिगनेचर बेस्ड एफिसिएन्ट पब्लिक डाटा ऑडिटिंग सिस्टम यूजिंग डायनामिक प्रोसिजर्स इन क्लाउड कंप्यूटिंग। आईईईई एक्सेस, 12, 58502-58518। डीओआइ:10.1109/प्रवेश.2024.3389076	3.4	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
76	दास, एस., सिन्हा, एन., बिन, एआर, रक्षित, जेके, पाल, एस., और भौमिक, बीबी (2023)। "माइक्रोरिंग असिस्टेड माच-ज़ेंडर इंटरफेरोमेट्रिक स्ट्रक्चर बेस्ड इलेक्ट्रोऑप्टिक एडर फॉर फोटोनिक इन्टिग्रेटेड सर्किट". ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, 55 (12)। https://doi.org/10.1007/s11082-023-05450-z	3.3	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी
77	देबनाथ, पी., रॉय, एस., भारद्वाज, एस., होर, एस., नाथ, एच., मित्रा, एस., और सियोबोटारू, ए. (2023)। भारत के रामसर स्थल रुद्रसागर आर्द्रभूमि की जल गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए बहुचर सांख्यिकीय और भू-स्थानिक तकनीकों का अनुप्रयोग। वाटर, 15(23), 4109. https://doi.org/10.3390/w15234109	3.3	भूगोल और आपदा प्रबंधन
78	थॉमस, जे., रॉय, पी., घोष, ए., मेटे, एम., सिल, एसके, और दास, डी. (2023)। प्रीबायोटिक लेवन टाइप फ्रुक्टन फ्राम बेसिलस सबटिलिस पीआर-सी 18 ऐज ए पोटेन्ट एंटीबायोफिल्म एजेंट : स्ट्रक्चरल एलुसिडेसन एंड इनसिलिको एनॉलिसिस । कार्बोहाइड्रेट रिसर्च, 538, 109075। https://doi.org/10.2139/ssrn.4663179	3.1	मानव शरीर विज्ञान

79	बिस्वास, एन., भट्टाचार्जी, एस.के., देबनाथ, सी., हुसैन, एसए, और भट्टाचार्जी, डी. (2023)। " सर्फैक्टेंट माइक्रेलर इन्ड्यूस्ड एग्रिगेसन कंट्रोल ऑफ ऐन एनिऑनिक फ्लुरेसेन्ट डाई इन लैंगमुइर-ब्लोडेट फिल्म"। फिजिका स्क्रिप्टा, 98(8), 085015। https://doi.org/10.1088/1402-4896/ace858).	3.08	भौतिक विज्ञान
80	बनिक, एच., सरकार, एस., भट्टाचार्जी, डी., मल्होत्रा, ए., चौहान, ए., और हुसैन, एसए (2023)। "नॉनसाइटोटॉक्सिक WORM मेमोरी यूजिंग लाइसोजाइम विद अल्ट्रा हाई स्टेबिलिटी फॉर ट्रांसिएन्ट एंड स्स्टेनेबल इलेक्ट्रॉनिक एप्लीकेशन्स "। एसीएस ओमेगा, 9 (1), 618-627। https://doi.org/10.1021/acsomega.3c06229	3.08	भौतिक विज्ञान
81	देबनाथ, पी., रॉय, एस., भारद्वाज, एस., होर, एस., नाथ, एच., मित्रा, एस., और सियोबोटारू, ए. (2023)। भारत के रामसर स्थल रुद्रसागर आर्द्रभूमि की जल गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए बहुचर सांख्यिकीय और भू-स्थानिक तकनीकों का अनुप्रयोग। वाटर 15(23), 4109. https://doi.org/10.3390/w15234109	3	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी
82	भौमिक, एस., सरकार, ए., देबनाथ, एस., देबनाथ, बी., घोष, आर., जकी, एमई, और अल-हुसैन, एसए (2024)। "आणविक डॉकिंग, आणविक गतिशीलता और इन विट्रो मूल्यांकन का उपयोग करके ओरोक्सिलम इंडिकम की α-ग्लूकोसिडेस निरोधात्मक क्षमता का आकलन"। सऊदी फार्मास्युटिकल जर्नल, 32 (6), 102095। https://doi.org/10.1016/j.jsps.2024.102095	3	वानिकी और जैव विविधता
83	देब बर्मा, एम., पटारी, पी., देवी, एचबी, और दासगुप्ता, एस. (2023)। भारत के पश्चिम त्रिपुरा जिले में हावरा नदी के भौतिक-रासायनिक गुणों और मैक्रोफाइट विविधता पर अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड प्योर बायोलॉजी, 38, 1379-1391।	3	वानिकी और जैव विविधता
84	भट्टाचार्जी, एस., सिंघा, ए., बिस्वाल, एस., दास, ए., आचार्य, पी.सी., सील, एस.के., और भालाधारे, एस. (2024)। इन्फ्लुएंसिंग फैक्टर्स एंड स्टिमुलस सेंसिटिविटी ऑफ चिटोसन/पॉलीमेथैक्रेलिक एसिड (सीएस/पीएमएए) नैनोजेल ऐज नैनोकैरियर्स। पॉलिमर-प्लास्टिक टेक्नॉलॉजी एंड मटेरियल्स, 64 (2), 222-237। https://doi.org/10.1080/25740881.2024.2394831	3	मानव शरीर विज्ञान
85	सिंघा, ए., कल्लाडका, के., हर्षिता, एम., साहा, पी., चक्रवर्ती, जी., मैती, बी., सत्यप्रसाद, एयू, चक्रवर्ती, ए., और सिल, एसके (2024)। " ग्रीन सिन्थेसिस ऑफ चिटोसन गम एकेसिया बेस्ड बायोडिग्रेडेबल पॉलिमरिक नैनोपार्टिकल इन्हान्स कर्क्यूमिन्स एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज: ऐन इन विवो जेब्राफिश (Danio rerio) स्टडी। जर्नल ऑफ माइक्रोएन्कैप्सुलेशन, 41 (5), 390-401। https://doi.org/10.1080/02652048.2024.2362188	3	मानव शरीर विज्ञान
86	दास, एस., रॉय, आर., पॉल, पी., चक्रवर्ती, पी., चटर्जी, एस., मलिक, एम., सरकार, एस., दास गुप्ता, ए., मैती, डी., और ट्रिबेडी, पी. (2023)। "पिपेरिन, ए प्लांट अल्कलॉइड, एक्झिबिट्स एफिसिएन्ट डिसइन्टिग्रेसन ऑफ द प्रि एक्जिस्टिंग बॉयोफिल्म ऑफ स्टेफिलोकोकस ऑरियस: ए स्टेप टुवर्ड्स इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ बायोफिल्म थ्रेट्स". एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी, 196 (3), 1272-1291। https://doi.org/10.1007/s12010-023-04610-x	3	मानव शरीर विज्ञान
87	सिंह, एस. ए., देवी, एन. डी., सिंह, केएन, थोंगम, के., डी, बीआर, और मजूमदार, एस. (2023)। ऐन इन्सेम्बल बेस्ड ट्रांसफर लर्निंग मॉजेल फॉर प्रेडिक्टिंग द इम्बैलेंस हर्ट साउन्ड सिगनल यूजिंग स्पेक्ट्रोग्राम इमेजेज। मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन्स, 83 (13), 39923-39942। https://doi.org/10.1007/s11042-023-17186-9	3	सूचना प्रौद्योगिकी
88	भौमिक, एस., सरकार, ए., देबनाथ, एस., देबनाथ, बी., घोष, आर., जकी, एमई, और अल-हुसैन, एसए (2024)। "आणविक डॉकिंग, आणविक गतिशीलता और इन विट्रो मूल्यांकन का उपयोग करके ओरोक्सिलम इंडिकम की α-ग्लूकोसिडेस निरोधात्मक क्षमता का आकलन"। सऊदी फार्मास्युटिकल जर्नल, 32 (6), 102095। https://doi.org/10.1016/j.jsps.2024.102095	3	भेषज विज्ञान
89	दास, के., दास, बी., पॉल, बी., नटराजन, आर., और मजूमदार, एस. (2023)। एच-बॉन्ड ड्रिवेन सॉल्वेन्ट-फ्री रैपिड एक्सेस ऑफ β-एनामिनो एस्टर / केटोन्स जाल सिलिका जेल का उपयोग करके β-एनामिनो एस्टर / केटोन्स यूजिंग 230-400 मेश सिलिका जेल ऐज ए कैटेलिस्ट। सिलिकॉन, 16(2), 967-977. https://doi.org/10.1007/s12633-023-02690-2	2.8	रसायन विज्ञान
90	भट्टाचार्जी, एस. के., देबनाथ, सी., हुसैन, एस.ए., पॉल, पीके, और भट्टाचार्जी, डी. (2024)। कन्फर्मेसन ऑफ चार्ज कैरियर टाइप्स बेस्ड ऑन HOMO-LUMO पोजीसन्स इन द एक्टिव लेयर ऑफ ए WORM मेमोरी डिवाइस। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35 (2), 143। https://doi.org/10.1007/s10854-023-11840-6	2.8	भौतिक विज्ञान
91	देबबर्मा, एस., बनिक, बी., मिली, एम., बोरा, डी., दास, एस., दत्ता, बीके, और बैजनाथ, एच. (2024)। क्रिप्टोविविपरी: फाइकस एल (मोरासी) की मोनोक्रियस प्रजातियों में एक दुर्लभ घटना। साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ बॉटनी, 167, 391-398। https://doi.org/10.1016/j.sajb.2024.02.038	2.7	वनस्पति-विज्ञान

92	दास बैष्णव, एस., दत्ता पुरकायस्थ, आर., मनियुकिविक्ज़, डब्ल्यू., गोमिला, आरएम, और फ्रोंटेरा, ए. (2024)। "एक्स-रे स्ट्रक्चर्स, डेन्सिटी फंक्सनल थ्योरी स्टडी, डीएनए बाइंडिंग एबिलिटी एंड माइसेलाईजेशन बिहैवियर ऑफ डिकैवेन्डेट्स एनिऑन्स कंटेनिंग कैटोनिक ऑर्गेनिक मोइटीज"। इनऑर्गेनिका किमिका एक्टा, 559, 121770। https://doi.org/10.1016/j.ica.2023.121770	2.7	रसायन विज्ञान
93	बोरुआ, एसआर, दत्ता पुरकायस्थ, आर., चौधरी, एस., दास, पी., गोमिला, आरएम, और फ्रोंटेरा, ए. (2024)। " सिन्थेसिस, कैरेक्टराइजेशन, डीएनए बाइंडिंग एबिलिटी एंड लुमिनिसेन्ट सेन्सिंग नाइट्रोएरोमैटिक्स बाई मोनोन्यूक्लियर जिंक (II) कार्बोक्जिलेट कॉम्प्लेक्स "। इनऑर्गेनिका किमिका एक्टा, 572, 122247। https://doi.org/10.1016/j.ica.2024.122247	2.7	रसायन विज्ञान
94	भट्टाचार्य, ए., दास, ए., और गुच्छत, एन. (2024)।इन्वेस्टिगेटिंग द फोटोफिजिकल एस्पेक्ट्स ऑफ नेफ़थलीन-बेस्ड एक्साइटेड-स्टेट प्रोटोन ट्रांसफर डाई 1- (1H-Benzo[d]इमिडाजोल-2-yl)नेफ्थलीन -2-ol: PH-डिपेन्डेन्ट मॉड्यूलेशन ऑफ फोटोडायनामिक्स। जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री ए, 128 (18), 3495-3505। https://doi.org/10.1021/acs.jpca.3c07420	2.7	रसायन विज्ञान
95	अहमद अंसारी, आई., देबनाथ, बी., कार, एस., पटेल, एचएम, देबनाथ, एस., जकी, एमई, और पाल, पी. (2023)। संरचना-आधारित आभासी स्क्रीनिंग और आणविक गतिशीलता द्वारा ईजीएफआर और ईजीएफआर उत्परिवर्ती T790M/L858R अवरोधकों के रूप में संभावित खाद्य मसालों की पहचान। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 42 (5), 2464-2481। https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2223661	2.7	वानिकी और जैव विविधता
96	सेनगुप्ता, ए., दास, के., झा, एन., अख्तर, वाई., और कुमार, ए. (2023)। मॉलिकुलर एवोलूसन स्टीयर्ड स्ट्रक्चरल एडैप्टेशन्स इन द डीएनए पोलीमरेज़ III α हेलोफिलिक बैक्टीरियम सैलिनिबैक्टर रूबर। एक्सट्रीमोफाइल्स, 27 (2)। https://doi.org/10.1007/s00792-023-01306-2	2.6	सूक्ष्मजैविकी
97	कुमारी, एस., कुमार, ए., लेप्चा, ए., और कुमार, आर. (2024)। "कोल्ड एडॉप्टेड एक्जीगुओबैक्टीरियम सिबिरिकम K1 ऐज ए पोटेंशियल बायोइनोकुलेंट : फिजियोलॉजिकल एंड जेनोमिक एलुसिडेशन ऑफ बॉयोकंट्रोल एंड प्लांट ग्रोथ प्रमोशन"। जीन, 916, 148439। https://doi.org/10.1016/j.gene.2024.148439	2.6	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
98	दास, एस., देबबर्मा, एम., और चट्टोपाध्याय, एस. (2024)। फर्स्ट प्रिसिपल कैलकुलेशन्स फॉर अंडरस्टैंडिंग फिजिकल प्रॉपर्टीज एंड पॉसिबल एप्लीकेशन्स ऑफ वैकेन्सी ऑर्डर्ड डबल पेरोव्स्काइट Cs2ZrI6 (CZI)। कम्प्यूटेशनल कंडेन्स्ड मैटर, 38, e00881। https://doi.org/10.1016/j.cocom.2024.e00881	2.6	भौतिक विज्ञान
99	ढकाल, आर., कल्लाडका, के., सिंघा, ए., पांडिंडा नांजप्पा, डी., रवींद्र, जे., विट्ठल, आर., सिल, एसके, चक्रवर्ती, ए., और चक्रवर्ती, जी. (2023)। "ज़ेब्राफिश में पार्किया जावानिका छाल और फलों के अर्क के एंटी-प्रोलिफेरेटिव और एंटी-एंजियोजेनिक गुणों की जांच"। पीएलओएस वन, 18(7), e0289117। https://doi.org/10.1371/journal.pone.0289117	2.5	मानव शरीर विज्ञान
100	डे, डी., दास, यू., और नंदी, सी. (2023)। "ग्रीन सेल्फ-जेनरेशन" का श्रेय देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) को विकसित करने का एक व्यापक दृष्टिकोण - एक समीक्षा। इनर्जी हार्वेस्टिंग एंड सिस्टम्स (डी ग्रुइटर), 11, 1-17। http:// dx.doi.org/10.1515/ehs-2023-0023	2.49	विद्युत अभियांत्रिकी
101	भट्टाचार्जी, एस. के., देबनाथ, सी., हुसैन, एस.ए., पॉल, पीके, और भट्टाचार्जी, डी. (2024)। इन्फ्लुएन्स ऑफ नैनो-क्ले प्लेटलेट कॉन्सन्ट्रेसन ऑन एचीविंग ए ट्रांजीसन फ्रॉम राइट वन्स रीड मेनी (WORM) टु कम्लीमेंटरी रेजिस्टिव स्विचिंग (सीआरएस) बिहैवियर इन ऑर्गेनो क्ले हाइब्रिड थिन फिल्म्स फॉर मेमोरी एप्लीकेशन्स। जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 35 (18), 1246। https://doi.org/10.1007/s10854-024-13040-2	2.478	भौतिक विज्ञान
102	दास, ए., अरशद हुसैन, एस., बनिक, एच., मैती, डी., अख्तर, टी., पॉल, बी., देबनाथ, पी., सिरोन, एल., भट्टाचार्य, ए., लाल भौमिक, के., मनियुकिविक्ज़, डब्ल्यू., और देबनाथ, पी. (2024)। Cd(II) and Zn(II)) कॉम्प्लेक्सेस विद 2-मर्केटोपाइरीडिन: सिन्थेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर,हर्शफील्ड सरफेस एनॉलिसिस, लुमिनिसेन्ट प्रॉपर्टीज, एग्रेगेशन बिहैवियर्स, करेन्ट वोल्टेज कैरेक्टरिस्टिक एंड एंटीबैक्टीरियल एसे। पॉलीहेड्रॉन, 247, 116747। https://doi.org/10.1016/j.poly.2023.116747	2.4	मानव शरीर विज्ञान
103	दास, ए., अरशद हुसैन, एस., बनिक, एच., मैती, डी., अख्तर, टी., पॉल, बी., देबनाथ, पी., सिरोन, एल., भट्टाचार्य, ए., लाल भौमिक, के., मनियुकिविक्ज़, डब्ल्यू., और देबनाथ, पी. (2024)। Cd(II) and Zn(II)) कॉम्प्लेक्सेस विद 2-मर्केटोपाइरीडिन: सिन्थेसिस, क्रिस्टल स्ट्रक्चर,हर्शफील्ड सरफेस एनॉलिसिस, लुमिनिसेन्ट प्रॉपर्टीज, एग्रेगेशन बिहैवियर्स, करेन्ट वोल्टेज कैरेक्टरिस्टिक एंड एंटीबैक्टीरियल एसे। पॉलीहेड्रॉन, 247, 116747। https://doi.org/10.1016/j.poly.2023.116747	2.4	भौतिक विज्ञान

104	सिंघा, आर., शर्मा, डी., साहा, ए.के., और दास, पी. (2024)। "टेरिडोफाइट्स में पर्ण फिनोल और फ्लेवोनोइड्स लेवल: खेती योग्य फंगल एंडोफाइट उपनिवेशण के लिए एक अंतर्दृष्टि"। आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 206 (4)। https://doi.org/10.1007/s00203-024-03880-1	2.3	वनस्पति-विज्ञान
105	घोष, सी., दास, एमसी, आचार्जी, एस., भट्टाचार्जी, एस., संधू, पी., कुमारी, एम., भौमिक, जे., घोष, आर., बनर्जी, बी., डीई, यू.सी., अख्तर, वाई., और भट्टाचार्जी, एस. (2023)। "कॉम्बैटिंग स्टैफिलोकोकस ऑरियस बायोफिल्म:द इन्हीबीटरी पोटेंसियल ऑफ टॉरमेंटिक एसिड एंड 23-हाइड्रॉक्सीकोरोसोलिक एसिड "। आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 206 (1), 25। https://doi.org/10.1007/s00203-023-03762-y	2.3	रसायन विज्ञान
106	घोष, सी., दास, एमसी, आचार्जी, एस., भट्टाचार्जी, एस., संधू, पी., कुमारी, एम., भौमिक, जे., घोष, आर., बनर्जी, बी., डीई, यू.सी., अख्तर, वाई., और भट्टाचार्जी, एस. (2023)। "कॉम्बैटिंग स्टैफिलोकोकस ऑरियस बायोफिल्म:द इन्हीबीटरी पोटेंसियल ऑफ टॉरमेंटिक एसिड एंड 23-हाइड्रॉक्सीकोरोसोलिक एसिड "। आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 206 (1), 25। https://doi.org/10.1007/s00203-023-03762-y	2.3	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
107	कुमार, ए., शर्मा, एस., डिंधोरिया, के., ठाकुर, ए., और कुमार, आर. (2024)।इनसाइट इन्टू फिजियो केमिकल प्रॉपर्टीज एंड माइक्रोबियल कम्युनिटी स्ट्रक्चर ऑफ बायोगैस स्लरी फ्रॉम हाउसहोल्ड बॉयोगैस प्लांट्स ऑफ सब हिमालया फॉर इट्स इम्प्लीकेशन इन इम्प्रूव्ड बॉयोगैस प्रोडक्शन। इंटरनेशनल माइक्रोबायोलॉजी, 18, 1-14। https://doi.org/10.1007/s10123-024-00530-w	2.3	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
108	देबनाथ, एस., नाथ, एम., सरकार, ए., रॉय, जी., चक्रवर्ती, एस.के., और देबनाथ, बी. (2022)। फाइटोकेमिकल कैरेक्टराइडेशन ऑफ स्टायरैक्स बेंज़ोइन रेसिन एक्सट्रैक्ट, मॉलिकुलर डॉकिंग, एडीएमई, एंड एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी स्टडी। नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च, 38 (7), 1263-1268। https://doi.org/10.1080/14786419.2022.2132244	2.2	वानिकी और जैव विविधता
109	गोगोई, एम., देबबर्मा, डी., और रे चौधरी, एस. (2023)। कैरेक्टराइजेशन ऑफ टार्गेट ऑर्गेनिज्म्स इनवायर्नमेंटल ऑरिजिन फॉर रैपिड बायोरेमेडिएशन ऑफ हेक्जामाइन। जियोमाइक्रोबायोलॉजी जर्नल, 41 (4), 440-450। https://doi.org/10.1080/01490451.2023.2234371	2.2	सूक्ष्मजैविकी
110	बिस्वास, एन., भट्टाचार्जी, एस.के., हुसैन, एस.ए., पॉल, पीके, और भट्टाचार्जी, डी. (2024)। वोल्टेज स्वीप डायरेक्शन डिपेन्डेन्ट मेमोरी कैरेक्टरिस्टिक इन ऐन ऑर्गेनिक फिल्म। जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स, 48 (1), 809-819। https://doi.org/10.1007/s11664-024-11393-2	2.2	भौतिक विज्ञान
111	कलिता, जे., मिश्रा, एमके, चौहान, पी., और गुहा, ए. (2024)। क्लाउड्स ऑन मार्शियन टर्मिनेटर: ए स्टजी थ्रू द इमेजेज कैप्चर्ड बाई द मार्स कलर कैमरा(एमसीसी) ड्यूरिंग MY32 टु 34। जर्नल ऑफ़ द इंडियन सोसाइटी ऑफ़ रिमोट सेंसिंग, 52 (6), 1405-1413। https://doi.org/10.1007/s12524-024-01866-6	2.2	भौतिक विज्ञान
112	दास, बी., पॉल, एआर, डे, यू.सी., पॉल, बी., नटराजन, आर., चक्रवर्ती, एस., और मजूमदार, एस. (2023)। अनसिम्मीट्रीकल बिस-क्यूमारिन बेस्ड ऑन ओ-हाइड्रॉक्सी एल्डिहाइड एंड 4-हाइड्रॉक्सी क्यूमारिन: एक्सपेडियेन्ट सिन्थेसिस सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे एंड डीएफटी स्टडीज। केमिस्ट्री सलेक्ट, 8(47), e202303239। https://doi.org/10.1002/slct.202303239	2.1	रसायन विज्ञान
113	मिश्रा, बी., आचार्य, पी.सी., और डे, यू. सी. (2023)। "सिन्थेसिस एंड एंटीनोप्लास्टिक एफिकेसी ऑफ एन्थ्राक्विनोन एंड सेचुरेटेड फैटी एसिड कंजुगेट्स"। केमिस्ट्री सलेक्ट, 8(25), e202301502। https://doi.org/10.1002/slct.202301502	2.1	रसायन विज्ञान
114	देसुल, एस., महापात्रा, आर.के., पात्रा, आरके, सेठी, एम., और पांडे, एन. (2023)। सांस्कृतिक विरासत के लिए सिमेंटिक तकनीक: एक ग्रंथ सूची-आधारित समीक्षा। ग्लोबल नॉलेज,मेमोरी एंड कम्युनिकेशन, 22. https://doi.org/10.1108/gkmc-04-2023-0125	2.1	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
115	मोग, आरके, और गायन, एमए (2024)। डिजिटल वातावरण में स्नातक छात्रों की पढ़ने की आदतें: एक लैंगिक परिप्रेक्ष्य। ग्लोबल नॉलेज,मेमोरी एंड कम्युनिकेशन । https://doi.org/2514-9342/10.1108/GKMC-10-2023-0391	2.1	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
116	घोष, डी., देबबर्मा, एम., पांडे, आर., और चट्टोपाध्याय, एस. (2024)। स्ट्रक्चरल एंड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज ऑफ Zn1-X-yBeXMgyTe/InP क्वार्टरनरी एलॉय: ए थ्योरीटिकल स्टडी। सॉलिड स्टेट कम्युनिकेशंस, 390, 115615। https://doi.org/10.1016/j.ssc.2024.115615	2.1	भौतिक विज्ञान
117	देबबर्मा, जे., और रॉय, सी. (2023)। रचनात्मक लेखा प्रथाओं पर कॉर्पोरेट प्रशासन के प्रभाव: भारत में एनएसई-सूचीबद्ध कंपनियों से साक्ष्य। इंडियन जर्नल ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस, 16 (2), 52-78। https://doi.org/10.1177/09746862231170422	2	वाणिज्य
118	बटाब्याल, डी., हलम, एच., सेन, एसके, चकमा, एमके, सिन्हा, आर., और सेलेम, केएम (2023)। पूर्वोत्तर भारत में भू-पर्यटन और भू-पार्कों के लिए सर्किट विकास दृष्टिकोण। जियोजर्नल, 88 (6), 6161-6173। https://doi.org/10.1007/s10708-023-10962-y	2	वाणिज्य

119	सरकार, यू., देबबर्मा, एम., घोष, डी., और चट्टोपाध्याय, एस. (2024)। "कॉन्सीक्वेंसेस ऑफ मैग्नीसियम इनकॉर्पोरेशन ऑन स्ट्रक्चरल एंड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज ऑफ वुर्टज़ाइट कैडमियम सल्फाइड: ए फर्स्ट प्रिंसिपल बेस्ड थ्योरेटिकल स्टडी फॉर यूवी ऑप्टोइलेक्ट्रोनिक एप्लिकेशन्स"। बुलेटिन ऑफ मटेरियल साइंस, 49 (1), 19. https://doi.org/10.1007/s12034-023-03123-x	1.9	भौतिक विज्ञान
120	बसु, एस. (2023)।एलुसिडेटिंग कैरियोटाइप स्ट्रक्चर एंड एफिनिटी थ्रू एप्लीकेशन ऑफ कैरियोमोर्फोलॉजिकल पैरामीटर्स एंड मल्टीवैरिएट एनॉलिसिस ऐज डिस्सन्र्ड फ्रॉम द स्टडी ऑफ फोर इम्पॉर्टेंट लेग्यूम्स, द न्यूक्लिअस, 66 (1), 39-46। https://doi.org/10.1007/s13237-023-00416-8	1.8	वनस्पति-विज्ञान
121	चक्रवर्ती, पी., कर्मकार, ए., और साहा, ए. (2024)। ए रिव्यू ऑन डायएलेक्ट्रिक रेसोनेटर एन्टेनाज : पास्ट एंड प्रजेन्ट। वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 134 (3), 1367-1388। https://doi.org/10.1007/s11277-024-10946-2	1.8	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी
122	पाल, ए., और सील, एसके (2022)। ब्रोमेलेन मीडिएट्स एपोप्टोसिस इन हेला सेल्स वाया आरओएस-इन्डिपेन्डेन्ट पाथवे। एडवांसेस इन ट्रेडिसनल मेडिसिन पारंपरिक चिकित्सा में प्रगति, 23 (2), 605-616। https://doi.org/10.1007/s13596-022-00638-2	1.8	मानव शरीर विज्ञान
123	बैद्य, बी., चक्रवर्ती, डी., साहा, ए., और नंदी, सी. (2024)। माइक्रोग्रिड के लिए एक नई डिजिटल सुरक्षा योजना। (2024)। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग स्प्रिंगर, 106 (3), 1-29। https://doi.org/10.1007/s00202-024-02468-8	1.7	विद्युत अभियांत्रिकी
124	दास, पी., और कर्मकार, ए. (2023)। ए रिकॉन्फ़िगरेबल वाइडबैंड MIMO एंटीना कम्बाइन RF इनर्जी हार्वेस्टिंग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स, 37 (5), ई 5683। https://doi.org/10.1002/dac.5683	1.7	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी
125	उद्दीन, एमजे, पटारी, पी., बसु, एस., सील, एस.के., और नाग, एसके (2024)। "फिजिकोकेमिकल कैरेक्टराईजेशन एंड एन्टीऑक्सिडेंट एक्टिविटी ऑफ म्यूकुना इम्ब्रिकेटा (एमआई) डीसी"। एक्स बेकर टिंक्चर। इंटरेक्शन, 245 (1), 316। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02156-w	1.6	मानव शरीर विज्ञान
126	सरकार, के., देबबर्मा, एम., देबनाथ, एस., घोष, आर., और सिल, एसके (2024)। इन सिलिको आईडेंटिफिकेशन ऑफ डुअल एचडीएसी 8 एंड एमएमपी 9 इन्हीबिटर्स बाई फार्माकोफोर मॉडलिंग, मॉलिकुलर डॉकिंग,एंड मॉलिकुलर डॉयनामिक्स सिमुलेशन स्टडीज फॉर डेवलपमेंटऑफ एंटीट्यूमर एजेंट । इंटरेक्शन, 245 (1), 254। https://doi.org/10.1007/s10751-024-02083-w	1.6	मानव शरीर विज्ञान
127	मजूमदार, एस., राव, आरजी, और राउत, पीके (2023)। "इफेक्ट ऑफ आइसोथर्मल एंड इन्टरेप्टेड एजिंग ऑन मैकेनिकल प्रॉपर्टीज एंड कोरोजन बिहैवियर ऑफ ऐन एएल-सीयू-एमजी एलॉय, मटेरियल एंड कोरोजन"। सामग्री और जंग, 74 (10), 1471-1485। https://doi.org/10.1002/maco.202213660	1.6	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी
128	दास, एस., एंड होक, ए. (2023)। भारतीय दवा उद्योग में फर्म-स्तर की उत्पादकता और इसके निर्धारक। डिसिजन, 50 (4), 1-21। https://doi.org/10.1007/s40622-023-00369-6	1.5	अर्थशास्त्र
129	कार, टी., दुगम, पी., शिवहरे, एस., शेट्टी, एसआर, चौधरी, एस., सेन, डी., देब, बी., मजूमदार, एस., देबनाथ, एस., और दास, ए. (2024)। <scp>एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर</scp> इनहिबिसन पोटेन्सिएट्स कीमोथेरेप्यूटिक्स मेडियेटेड सेंसटाईजेशन ऑफ मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर स्टेम सेल्स। कैंसर रिपोर्ट, 7 (3)। https://doi.org/10.1002/cnr2.2049	1.5	रसायन विज्ञान
130	बिन, एआर, रक्षित, जेके, हुसैन, एम., भौमिक, बीबी, और रॉय, जेएन (2024)। डिजाईन ऑफ फोनोनिक क्रिस्टल रिंग रेज़ोनेटर-बेस्ड एकॉस्टिक 2 × 1/4 × 1 मल्टीप्लेक्सर एंड 1 × 2/1 × 4 डिमल्टीप्लेक्सर। ब्राजीलियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, 54 (2), 57। https://doi.org/10.1007/s13538-024-01437-7	1.5	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी
131	रावत, पी., सिंह, ओ., थपलियाल, एम., रमेश, केआर, दिग्विजयसिंह, आर., डोभाल, एस., सिंह, आई., कुमार, आर., सिंह, आर., सेलवन, टी., और कुमार, आर. (2024)। बीज सुप्तावस्था और भारतीय लाख के पेड़ की पकने के बाद की आवश्यकताएं (श्लीचेरा ओलेओसा लूर। ओकेन)। जर्नल ऑफ फॉरेस्ट रिसर्च, 29 (4), 306-315। https://doi.org/10.1080/13416979.2024.2325202	1.5	वानिकी और जैव विविधता
132	पॉल, एस., गोगोई, बी., दत्ता, बी के, और ढोलकिया, बीबी (2024)। "सेन्ना ऑक्सिडेंटलिस (एल) लिंक के डिमॉर्फिक पुंकेसर के संसाधन वितरण और प्रजनन प्रभावकारिता: श्रम परिकल्पना के विभाजन पर एक केस स्टडी। ब्राजीलियन जर्नल ऑफ बॉटनी, 47 (4), 1115-1128। https://doi.org/10.1007/s40415-024-01032-9	1.4	वनस्पति-विज्ञान
133	शीबा, एस., कुनाडो, जे., गुप्ता, आर., और गोस्वामी, एस. (2023)। संक्रामक रोगों से संबंधित अनिश्चितता और विदेशी मुद्रा और बिटकॉइन वायदा की संभावना से अस्थिरता। हिस्ट्री ऑफ फाइनांसियल एकोनॉमिक्स, 18 (02)। https://doi.org/10.1142/s2010495222300010	1.349	ग्रामीण प्रबंधन और विकास

134	बनिक, बी., रॉय, एस., पॉल, एस., रियांग, एम., दास, टी., मजूमदार, के., बैष्णव, बी., सरमा, डी., देबबर्मा, एस., मित्रा, एस., और दत्ता, बीके (2023)। जिम्नोस्फेरा गिर्गेटिया के संरक्षण निहितार्थ के लिए पर्यावास लक्षण वर्णन और उपयुक्तता विश्लेषण (वाल. एक्स हुक): एक विलुप्तप्राय वृक्ष फर्न। अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज, 16 (7), 1-23। https://doi.org/10.1007/s12517-023-11522-x	1.327	भूगोल और आपदा प्रबंधन
135	बोरा, डी., बोरा, डी., ह्यूजेस, एम., दास, एस., बनिक, बी., देबबर्मा, एस., और दत्ता, बीके (2024)। बेगोनिया ट्राइपुरेंसिस (बेगोनियासी, सेक्स. प्लैटिसेंट्रम), ए न्यू स्पिसीज ऑफ त्रिपुरा, नॉर्थईस्ट इंडिया। फाइटोटैक्सा, 640, 177-182। https://doi.org/10.11646/phytotaxa.640.2.6	1.17	वनस्पति-विज्ञान
136	दास, एस., देब, एस., साहू, एसएस, और साहू, यूके (2023)। मृदा माइक्रोबियल बायोमास कार्बन स्टॉक और वन पारिस्थितिक तंत्र में जलवायु और अन्य पर्यावरणीय कारकों के साथ इसका संबंध: एक समीक्षा। एक्टा इकोलॉजिका सिनिका, 43 (6), 933-945। https://doi.org/10.1016/j.chnaes.2022.12.007	1.11	वानिकी और जैव विविधता
137	उपाध्याय, डी., कलाई, एस., बर्मन, पीडी, बरुआ, एसडी, दास, आई., पुथियाकथ, एचएच, और गोस्वामी, एमपी (2023)। त्रिपुरा के युवाओं के बीच फेसबुक की लत और अकादमिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव के सहसंबंधों की खोज। मीडिया एशिया, 51 (1), 102-120। https://doi.org/10.1080/01296612.2023.2245608	1.1	पत्रकारिता और जनसंचार
138	देबनाथ, एस., दास, एस., सिन्हा, एन., सिंघा, एस., और भौमिक, बीबी (2024)। जनरेशन ऑफ ऐन ऑप्टिकल 8-एम्प्लीट्यूज फेज शिफ्ट कींग मॉड्युलेटर यूजिंग सिलिकॉन माइक्रोरिंग्स इन ऐड-ड्रॉप कॉन्फ़िगरेशन । ऑप्टिकल अभियांत्रिकी , 63 (03), 035110 -035110। https://doi.org/10.1117/1.oe.63.3.035110	1.1	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी
139	देवी, केआर, और त्रिपाठी, बीसी (2023)। रिलेटिव यूनिफॉर्म कन्वर्जेंस ऑफ डिफरेन्स डबल सीक्वेंस ऑफ पॉजिटिव लीनियर फंक्शन्स। रिसर्चे डि मैटमैटिका, 72 (2), 961-972। https://doi.org/10.1007/s11587-021-00613-0	1.1	गणित
140	देबनाथ, एनजी (2024)। भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक समावेश और उसके विकास पर एक अंतर्दृष्टि। *जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, 18*, 41। डीओआई: 10.9790/0837	1.02	सीएसएसईआईपी
141	नाथ, जे., दास, बी., भट्टाचार्य, बी., और त्रिपाठी, बीसी (2023)। ऑन स्टेटिस्टिकली प्रि कॉउची सिक्वेंशेस ऑफ कॉम्प्लेक्स वैरिएबल्स डिफाइन्ड बाई ओरलिक्ज फंक्शन्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अनिश्चितता, फजीनेस एंड नॉलेज-बेस्ड सिस्टम, 31 (02), 191-207। https://doi.org/10.1142/s0218488523500113	1	गणित
142	दास, ए., बनिक, एच., और हुसैन, एसए (2024)। ट्रांजीशन मेटल कॉम्प्लेक्स विद एस और एन-डोनर लिगेंड: सिन्थेसिस, कैरेक्टराइजेशन , ल्यूमिनसेंट प्रॉपर्टीज, करेंट-वोल्टेज करेक्टरिस्टिक, एफईएसईएम स्टडीज, एंटीबैक्टीरियल एंड एंटिफंगल एक्टिविटीज। एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 36, 1348-1358।	1	भौतिक विज्ञान
143	भट्टाचार्जी, ए., और घोष, टी. (2024)। कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता की सूचकांक: त्रिपुरा, उत्तर-पूर्व भारत में आयोजित एक मनो-ऑन्कोलॉजिकल अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर, 61 (1), 105-113। https://doi.org/10.4103/ijc.ijc_389_21	0.9	मनोविज्ञान
144	त्रिपुरा, एस., देबबर्मा, पी., पॉल, एस., साहा, आर., और अजय कृष्ण साहा। एंडोफाइटिक फंगल डॉयवर्सिटी इन टर्मिनलिया अर्जुन (रॉक्सबी.) वाइट एंड अर्न ऑफ त्रिपुरा नॉर्थईस्ट इंडिया ऐट डिफरेन्ट सैम्पलिंग साइट्स एंड प्लांट ऑर्गन्स। प्लांट साइंस टुडे। https://doi.org/10.14719/pst.3045	0.9	वनस्पति-विज्ञान
145	दास, यू., नंदी, सी., डी., डी., दास, एस., और नंदी, एसके (2024)। कोयला आधारित बिजली संयंत्र के जीवन चक्र मूल्यांकन में उपयोग की जाने वाली विधियों पर एक तुलनात्मक अध्ययन। थर्मल इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर, 71, 617-630. https://doi.org/10.1134/ S004060152 4700083	0.9	विद्युत अभियांत्रिकी
146	दास, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2024)। " ए कंप्रिहेन्सिव एनॉलिसिस ऑफ डॉयबिटिक रेटिनोपैथी डिटेक्शन इन रेटिनल फंडस इमेजेज यूजिंग डिफरेन्ट कॉनवॉल्यूसनल न्यूरल नेटवर्क"। ईसीटीआई ट्रांजेक्शन ऑन कम्प्यूटर एवं इन्फर्मेश टेक्नॉलॉजी (ईसीटीआई-सीआईटी), 17, 510-521। https://doi.org/10.1007/978-981-97-5081-8_2	0.9	सूचना प्रौद्योगिकी
147	दत्ता, जे., और सिन्हा, पी. (2024)। साक्षर, निरक्षर और संख्यात्मकता-साक्षरता सहसंबंधित के बीच उम्र के आंकड़ों की प्रचुरता के स्थानिक पैटर्न: भारत की जनगणना 2011 का एक व्यापक विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, 49 (1), 189-194। https://doi.org/10.4103/ijcm.ijcm_1088_21	0.9	सांख्यिकी

148	मुसाहारी, एस., और खानगेम्बम, बीके (2024)। इवैल्यूएसन ऑफ डायटरी लेम्ना माइनर सप्लिमेंटेशन ऑन ग्रोथ डाइजेस्टिव एंजाइम एक्टिविटी एंड कार्कास कंपोजीशन ऑफ हेटरोप्नेउस्टेस फॉसिल्स (बलोच, 1794)।इरानियन जर्नल ऑफ इचथोलॉजी, 11 (1), 55-68 .. डीओआई: https://doi.org/10.22034/iji.v11i1.1012).	0.833	प्राणीविज्ञान
149	भट्टाचार्जी, एम., बरुआ, एस.आर., दत्ता पुरकायस्थ, आर.एन., मनियुकीवी, डब्ल्यू., चौधरी, एस., मैती, डी., और अख्तर, टी. (एन.डी.)। "हाइड्राज़ोन-आधारित शिफ बेस लिगेंड के साथ क्यू कॉम्प्लेक्स पर संश्लेषण, संरचनात्मक लक्षण वर्णन, जैव-सक्रियता, और घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत गणना"। चाइनीज जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 7, 1409-1422।	0.8	रसायन विज्ञान
150	होक, एम एम, भट्टाचार्य, बी., और त्रिपाठी, बीसी (2023)। फजी मल्टीसेट टोपोलॉजी के प्रकाश में एक नवीन दृष्टिकोण। प्रोसीडिंग ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन ए: फिजिकल साइंसेस, 93 (4), 675-683। https://doi.org/10.1007/s40010-023-00834-y	0.8	गणित
151	ग्रेनाडोस, सी., त्रिपाठी, बीसी, और दास, एस. (2023)। सेमी-आई-ओपन इन ऐन आइडियल ट्रिटोपोलॉजिकल स्पेसेस। प्रोसीडिंग ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया सेक्शन ए: फिजिकल साइंसेस, 93 (2), 315-320। https://doi.org/10.1007/s40010-023-00814-2 Semi-I-Open sets in ideal Tritopological spaces	0.8	गणित
152	चौधरी, सी., देबनाथ, एस., और ईएसआई, ए. (2024)। I-आस्थगित सांख्यिकीय अभिसरण पर आगे के परिणाम। फिलोमैट, 38(3), 769-777। https://doi.org/10.2298/fil2403769c	0.8	गणित
153	दत्ता, जे., और सिन्हा, पी. (2023)। आयु के आंकड़ों की विश्वसनीयता: एक संभाव्य दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ द इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स, 24 (2), 469-484। https://doi.org/10.1007/s41096-023-00162-9	0.8	सांख्यिकी
154	ग्रेनाडोस, सी., और दास, एके (2023)। टॉउबेरियन कंडीशन अंडर व्हिच कन्वर्जेंस फॉलो फ्रॉम सेसारो समेबिलिटी ऑफ ट्रिपल इंटीग्रल्स ओवर $${\mathbb {R}}_{+}^{3}$$। जर्नल ऑफ एनालिसिस, 31 (3), 1951-1985। https://doi.org/10.1007/s41478-022-00546-3	0.7	गणित
155	साहा, पी., शर्मा, डी., डैश, एस., डे, के.एस., और सिल, एसके (2023)। पार्किया जावानिका (लैमक) के सक्रिय क्रोमैटोग्राफिक अंश के एंटी-कोलन कैंसर गतिविधि के प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में 2,4-डी-टर्ट-ब्यूटाइलफेनॉल (2,4-डीटीबीपी) की पहचान। मेर. बार्क एक्स्ट्रैक्ट। बायोमेडिकल एंड फार्माकोलॉजी जर्नल, 16 (1), 275-288। https://doi.org/10.13005/bpj/2609	0.66	मानव शरीर विज्ञान
156	पॉल, एस., रॉय, आर., सिंघा, टी., देबबर्मा, पी., और दत्ता, बीके (2024)। फोरेजिंग बिहैवियर एंड पॉलिनेशन एफिसिएन्सी ऑफ जनरलिस्ट फ्लोरल विजिटर ऑफ ल्यूकस एस्पेरा (विल्ड.) लिंक (लैमियासी)। जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडायवर्सिटी, 17 (4), 644-652। https://doi.org/10.1016/j.japb.2024.04.015	0.6	वनस्पति-विज्ञान
157	करमाकर, टी., दास बिस्वास, एस., भट्टाचार्जी, एस.के., नंदी, सी., और दास, बी. (2024)। बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुकूलन तकनीकों का उपयोग करके बहुस्तरीय इनवर्टर में हार्मोनिक उन्मूलन पर एक व्यापक सर्वेक्षण। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी में हालिया प्रगति के जर्नल, स्कोपस इंडेक्स जर्नल, 17, 1-19। https://doi.org/10.2174/0123520965283680 240102080153	0.6	विद्युत अभियांत्रिकी
158	कादिरी, आर., गायेन, एमए, और इमामी, एम. (2024)। छात्रों के कार्यक्रम वार सूचना साक्षरता कौशल। DESIDOC जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 44 (2), 105-113। https://doi.org/10.14429/djlit.44.2.19483	0.6	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
159	नाथ, जे., त्रिपाठी, बीसी, भट्टाचार्य, बी., और देबनाथ, पी. (2023)। जटिल अनिश्चित चर के अनुक्रमों में दृढ़ता से निकटतम अभिसरण। कम्युनिकेशन्स इन स्टेटिस्टिक्स-थ्योरी एं मेथड , 52 (3), 714-729।	0.6	गणित
160	चौधरी, सी., दास, बी., और देबनाथ, एस. (2024)। ऑन स्टेटिस्टिकल कन्वर्जेंस ऑफ ऑर्डर α ऑफ सीक्वेंसेस इन ग्रेजुअल नॉर्म्ड लीनियर स्पेसेस। जर्नल ऑफ एप्लाइड एनालिसिस, 30 (1), 147-156। https://doi.org/10.1515/jaa-2023-0105	0.6	गणित
161	चौधरी, सी., देबनाथ, एस., और सावस, ई. (2024)। λ-सांख्यिकीय रूप से φ-अभिसरण पर। जर्नल ऑफ एप्लाइड एनालिसिस, 30 (1), 75-83।	0.6	गणित
162	हलदर, ए., और देबनाथ, एस. (2024)।ऑन लैकुनरी आई-कन्वर्जेंस आलमोस्ट स्योरली ऑफ कॉम्प्लेक्स अनसर्टेन सीक्वेंसस। एनल्स ऑफ द यूनिवर्सिटी ऑफ क्रायोवा मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटर साइंस सीरीज, 51 (1), 167-179। https://doi.org/10.52846/ami.v51i1.1757	0.6	गणित
163	देबर्मा, एच., चौधरी, सी., और देबनाथ, एस. (2024)। क्रमिक मानक रैखिक स्पेश में कुछ अनुक्रम स्पेश पर अध्ययन। एप्लाइड मैथमेटिक्स ई - नोट्स, 24, 80-88।	0.52	गणित

164	देबनाथ, बी. (2024)। भारतीय संघवाद का बाह्यकरण: बांग्लादेश के प्रति भारत की नीति पर पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा की भूमिका को समझना। इंडिया रिव्यू, 23(1), 1-24. https:// doi.org/ 10.1080 14736489/ 2023. 2295717	0.5	राजनीति विज्ञान
165	दास, बी., और चंद्र त्रिपाठी, बी. (2022)। जटिल अनिश्चित अनुक्रमों के λ2-सांख्यिकीय अभिसरण पर। एशियन-यूरोपीयन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 16 (05)। https://doi.org/10.1142/s1793557123500833	0.5	गणित
166	दास, बी., त्रिपाठी, बी. सी., और गरानाडोस, सी. (2022)। अनिश्चित उपाय के माध्यम से जटिल अनिश्चित अनुक्रमों के मैट्रिक्स परिवर्तन पर अध्ययन। एशियन-यूरोपीयन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 16 (04)। https://doi.org/10.1142/s1793557123500651	0.5	गणित
167	कर्मकार, टी., दास बिस्वास, एस., भट्टाचार्जी, एस., नंदी, सी., और दास, बी. (2024)। विद्युत प्रणाली में विद्युत गुणवत्ता में सुधार के लिए बहुस्तरीय इनवर्टर में हार्मोनिक मिटिगेशन। प्रोसीडिंग ऑफ एआईपी कॉन्फ्रेंस, 3242, 050002। https://doi.org/10.1063/5.0234391	0.4	विद्युत अभियांत्रिकी
168	दास बिस्वास, एस., दास, बी., और नंदी, सी. (2024)। बहुस्तरीय इनवर्टर का उपयोग करके बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए अनुकूलन तकनीकों की व्यापक समीक्षा। प्रोसीडिंग ऑफ एआईपी कॉन्फ्रेंस, 3242, 050004। https://doi.org/10.1063/5.0234302	0.4	विद्युत अभियांत्रिकी
169	देबनाथ, एस., और देबनाथ, एस. (2023)। "न्यूट्रोसोफिक नॉर्म्ड स्पेसेस में एक सामान्यीकृत सांख्यिकीय अभिसरण"। एक्टा मैथमेटिका यूनिवर्सिटैटिस कॉमेनियाने, 93 (2), 79-93।	0.4	गणित
170	देबनाथ, एस., और हैदर, ए. (2024)। ऑन आई-कन्वर्जेंस आलमोस्ट स्योरली ऑफ कॉम्प्लेक्स अनसर्टेन सीक्वेंसस। तुर्की वर्ल्ड मैथमेटिकल सोसाइटी जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड अभियांत्रिकी मैथमेटिक्स, 14 (3), 1166-1178।	0.4	गणित
171	देबनाथ, एस., चौधरी, सी., और देबनाथ, एस. (2024)। न्यूट्रोसोफिक नॉर्म्ड स्पेसेस में अर्ध सांख्यिकीय अभिसरण पर। निरंतर, असतत और आवेगी प्रणालियों की गतिशीलता श्रृंखला ए: मैथमेटिकल एनॉलिसिस, 31 (1), 21-33।	0.31	गणित
172	श्रीवास्तव, एस.के., यादव, पी., वर्मा, सी., और टंडन, पी. (2023)। "सोलनम नाइग्रम फलों के रस का फाइटोकेमिकल विश्लेषण और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिकाओं पर इसके संभावित चिकित्सीय प्रभाव"। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल बायोकैमिस्ट्री, 36(2), 189-194. https://doi.org/10.5958/0974-4479.2023.00030.8	0.21	प्राणीविज्ञान
173	श्रीवास्तव, एस.के., यादव, पी., बालासुब्रमण्यम, एन., और टंडन, पी. (2024)। "एलियम सेपा और मानव स्वास्थ्य में इसके चिकित्सीय उपयोग-एक समीक्षा". इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल बायोकैमिस्ट्री, 37 (1), 10-17। https://doi.org/10.5958/0974-4479.2024.00002.1	0.21	प्राणीविज्ञान
174	श्रीवास्तव, एस.के., यादव, पी., बालासुब्रमण्यम, एन., और टंडन, पी. (2024)। "एलियम सेपा और मानव स्वास्थ्य में इसके चिकित्सीय उपयोग-एक समीक्षा". इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल बायोकैमिस्ट्री, 37 (1), 10-17। https://doi.org/10.5958/0974-4479.2024.00002.1	0.15	वनस्पति-विज्ञान
175	दास, डी., कार, एस., दास, ए., साहा, एस., मैती, डी., और दत्ता, बीके (2024)। क्रोटन हिर्टस एल'हेर: पूर्वोत्तर भारत की वनस्पतियों के अतिरिक्त पुष्पीय संपदा। वेजिटोस, 37, 10-17। https://doi.org/10.1007/s42535-024-00977-2	0.042	वनस्पति-विज्ञान
176	बैष्णब, बी., मजूमदार, के., बनिक, बी., पॉल, एस., रियांग, एम., और दत्ता, बीके (2024)। त्रिपुरा, उत्तर पूर्व भारत में संरक्षण निहितार्थ के लिए ऑर्किड (ऑर्किडेसी) वितरण और समृद्धि का अध्ययन। वेजिटोस । https://doi.org/10.1007/s42535-023-00786-z	0.042	वनस्पति-विज्ञान
177	बिस्वास, बी., और साहा, पीके (2024)। गौड़ जनपद से मालदा तक एक क्षेत्र के विकास की ऐतिहासिक यात्रा का अन्वेषण। *शोध समागम, 7*(1), 2581-6918 .	-	पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति
178	दासगुप्ता, पी. (2023)। धर्म से प्रेम तक का सफर: साइमन जकारिया का नाटक "बोधिद्रम"। *त्रिपुरा थिएटर, 18* (1), 40-49।	-	बांग्ला
179	मुखर्जी, एस. (2023)। राममोहन राय : एकुश शतकेर पथ। *इको द इको, 12* (1), 138-149।	-	बांग्ला
180	चकमा, पीके (2023)। कमल रॉय चौधरीर नाटोक: एक्टि पर्यालोचना। *त्रिपुरा थिएटर, 18* (1), 81-89।	-	बांग्ला
181	चकमा, पीके (2023)। हिरेन्द्र सिन्हा नबान्ना पोरोबर्ती बांग्ला नाटकेर धराई एक ओनालोचिता ब्यक्तित्बा। *एज्ञार, 10*(3), 278-288.	-	बांग्ला
182	देब, एम. (2023)। त्रिपुरा में बंगाली स्ट्रीट ड्रामा: सर्वेक्षण-आधारित समीक्षा। *त्रिपुरा थिएटर, 18* (3), 58-69।	-	बांग्ला

183	देब, एम. (2023)। हिरेन्द्र सिन्हा नबान्ना पोरोबर्ती बांग्ला नाटकेर धराई एक ओनालोचिता ब्यक्तित्बा। *एज्ञार, 10*(3), 278-288.	-	बांग्ला
184	देव, एम. (2023)। मोनिका बरोयार भंगा उपत्यकार जोलरांग: पाठकेर अनुभावे। *अन्वेषा*, 68-76..	-	बांग्ला
185	मुखर्जी, डी., चटर्जी, आर., और मित्रा, एस. (2024)। त्रिपुरा में सतत ग्रामीण आजीविका विकास पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का प्रभाव। *जनसांख्यिकीय परिवर्तन और सामाजिक-आर्थिक विकास, 1*, 395-422। https://doi.org/10.1007/978-981-97-1436-0_20	-	सीएसएसईआईपी
186	कुमार, ए., भारद्वाज, ए., देबनाथ, एन., और चक्रवर्ती, एस. (2023)। ग्रीन ब्यूटी कॉस्मेटिक्स के प्रति उपभोक्ता खरीद के इरादे पर एक अध्ययन: कारकों का अन्वेषण। द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 40-51।	-	व्यवसाय प्रबंधन
187	देबनाथ, एन., कुमार, ए., भारद्वाज, ए., और देब, जी. (2023)। स्वास्थ्य सूचना पोर्टल में विश्वास का निर्माण: त्रिपुरा से एक ग्रामीण परिप्रेक्ष्य। द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 11-23।	-	व्यवसाय प्रबंधन
188	कुमार, ए., भारद्वाज, ए., देबनाथ, एन., और दास, जे. (2023)। शोरूमिंग और वेबरूमिंग खरीद व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का एक सांख्यिकीय विश्लेषण। द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, 87-112।	-	व्यवसाय प्रबंधन
189	सिंह, पीआर, और देबनाथ, पी. (2024)। रूस और यूक्रेन संकट के दौरान भारतीय शेयर बाजार में समूह के व्यवहार की जांच: निफ्टी-50 इंडेक्स से साक्ष्य। मुद्रा: जर्नल ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग, 11 (1), 146-168। https://doi.org/10.17492/jpi.mudra.v11i1.1112408	-	वाणिज्य
190	देबबर्मा, जे., और रॉय, सी. (2023)। ऑडिट विशेषताएं और फर्म प्रदर्शन: भारत में एनएसई-सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनियों से साक्ष्य। साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 30(4), 30-55. https://doi.org/10.62206/sajm.30.4.2023.30-55	-	वाणिज्य
191	सुबीर, एसके (2023)। कोविड -19 वैक्सीन तक वैश्विक पहुंच: एक गेम थ्योरेटिक दृष्टिकोण। सामाजिक परिवर्तन और विकास, 20 (2), 1-11।	-	वाणिज्य
192	देब, आर. (2023)। निजी स्कूलों के शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि की लाइमनिंग। नेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, 21 (2), 160-177।	-	वाणिज्य
193	देब, आर., बेहरा, ए., और दुष्मंता, के. (2024)। ईएसजी स्कोर और फर्म प्रदर्शन: भारतीय-सूचीबद्ध फर्मों से साक्ष्य। साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 30(4), 56-80. https://doi.org/10.62206/sajm.30.4.2023.56-80	-	वाणिज्य
194	नेपाल, एम., और देब, आर. (2023)। क्या IFRS अभिसरण फर्म के प्रदर्शन को प्रभावित करता है? भारतीय-सूचीबद्ध विनिर्माण फर्मों का चित्रण। राजगिरी मैनेजमेंट जर्नल, 18 (1), 82-94। https://doi.org/10.1108/ramj-04-2022-0066	-	वाणिज्य
195	देब, आर., बरुआ, डी., और दत्ता, एच. (2024)। वित्तीय साक्षरता निर्माण को मान्यता प्रदान करना - प्रभाव और प्रतिबिंब। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बैंकिंग, रिस्क एंड इंश्योरेंस, 12 (2), 86-96। https://doi.org/10.21863/ijbri/2024.12.1.008	-	वाणिज्य
196	रॉय, एस., हॉक, ए., और दास, एस. (2024)। कौशल विकास प्रशिक्षण और रोजगार और आजीविका की स्थिति पर इसका प्रभाव: त्रिपुरा में आदिवासी युवाओं पर एक अध्ययन। सोसल चेन्ज एंड डेवलपमेंट, 21 (1), 67-86।	-	अर्थशास्त्र
197	बोस, पी., और भौमिक, आई. (एन.डी.)। मनरेगा के तहत परिसंपत्ति निर्माण: त्रिपुरा का प्रकरण। संगठनात्मक व्यवहार के आईयूपी जर्नल ऑर ऑर्गनाइजेशनल बिहैवियर, 23, 55-79।	-	अर्थशास्त्र
198	बरुआ, एम., और साहा, पी. (2024)। असम, भारत में हथकरघा आधारित सूक्ष्म उद्यमों की तकनीकी दक्षता: एक स्टोकेस्टिक फ्रंटियर विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रूरल मैनेजमेंट, 20 (1_suppl), S70-S84। https://doi.org/10.1177/09730052231225586	-	अर्थशास्त्र
199	भौमिक, आई. (2024)। त्रिपुरा-बांग्लादेश व्यापार संबंधों को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के ढांचे में स्थापित करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रूरल मैनेजमेंट, 2, 70 एस - 84 एस।	-	अर्थशास्त्र
200	माझी, एसके, पांडा, जी., और मलिक, एसके (2023)। ओडिशा के संदर्भ में धान उत्पादन पूर्वानुमान: एक अर्थमिति विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 5, 191-195।	-	अर्थशास्त्र
201	अहमद, डब्ल्यू., और नाथ, ए. (2023)। भारत के प्रमुख राज्यों के बीच विनिर्माण क्षेत्र की कुल कारक उत्पादकता का विश्लेषण। रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, 14 (6), 1903-1909।	-	अर्थशास्त्र
202	बरुआ, एम., साहा, पी., और अहमद, एम. (2023)। असम में हथकरघा आधारित सूक्ष्म उद्यमों में विपणन पद्धतियां और चुनौतियां। द इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स, 76 (4), 1-17।	-	अर्थशास्त्र

203	माझी, पी., मेहर, एस., अहमद, डब्ल्यू., और तिवारी, एके (2023)। अगरतला, त्रिपुरा में वेजटेबल्स का मूल्य भिन्नता विश्लेषण। रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस, 14 (6), 1734-1742।	-	अर्थशास्त्र
204	माझी, पी., मेहर, एस., और दास, एस. (2023)। कृषि उपज का विपणन: ओडिशा के बरगढ़ और बलांगीर जिले का एक अध्ययन। रिसर्च जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस, 14 (6)।	-	अर्थशास्त्र
205	सरकार, एस., और चक्रवर्ती, जे. (2023)। गोमती जिले के माध्यमिक स्तर के छात्रों की परीक्षा चिंता और शैक्षणिक प्रदर्शन: एक अध्ययन। एनल्स ऑफ भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, 104 (9), 147-156।	-	शिक्षा
206	गोराई, सी. (2023)। आदिवासी युद्धों के समय में पहाड़ी महिलाएं: पूर्वोत्तर भारत से लोक कथाओं का पठन। द ग्रोव - वर्किंग पेपर्स ऑन इंग्लिश स्टडीज, 30, 37-52। https://doi.org/10.17561/grove.v30.8023	-	अंग्रेज़ी
207	प्रेमचंद्र, के. (2023)। लैमिटलॉन (स्थान के नामों की भाषा): सांस्कृतिक और ऐतिहासिक नाममात्र के शिलालेखों की मणिपुरी परंपरा। अंग्रेजी फोरम, 12, 30-45।	-	अंग्रेज़ी
208	प्रेमचंद्र, के. (2023)। अनुष्ठान और प्रदर्शन: त्रिपुरा के मैतेई किडना द्वारा प्रस्तुत अनुष्ठान नाटक 'कोराटपा' की व्याख्या। त्रिपुरा थिएटर, 181 (1), 172-183।	-	अंग्रेज़ी
209	प्रेमचंद्र, के. (2024)। देवताओं का अधिनियमन: मणिपुर के लाई हारोबा में हाओबा नुराबी एपिसोड का प्रदर्शन। शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5 (1), 1-16।	-	अंग्रेज़ी
210	प्रेमचंद्र, के. (2024)। हम सभी प्रसाद बन जाते हैं: रतन थियम का चक्रव्यूह और समकालीन मणिपुर। शोधकोष: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, 5 (4), 566-574।	-	अंग्रेज़ी
211	गुप्ता, ए. (2023)। बाघ का प्रदर्शन: बाघेर मैगन, नॉक्टरनल अगरतला और एक रेंदेवू। त्रिपुरा थिएटर: ए जर्नल ऑन थिएटर एंड परफॉर्मिंग, 18 (1), 144-151 ..	-	अंग्रेज़ी
212	गुप्ता, ए. (2023)। एक विक्षिप्त कैनवास के काइरोस्कोरो में - परिप्रेक्ष्य में कोकबरॉक और त्रिपुरा बांग्ला कविता। म्यूज इंडिया, 109 (1)।	-	अंग्रेज़ी
213	कलिता, जे., और डे, एस. (2024)। असमिया आभूषण की परंपरा और सौंदर्यशास्त्र: एक अध्ययन। व्यांजना आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी।	-	ललित कला
214	दास, डी., और डे, एस. (2024)। त्रिपुरा की उनाकोटी और देवातामुरा रॉक-कट पत्थर और लूज मूर्तियों का ऐतिहासिक महत्व: एक अध्ययन। व्यांजना आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी।	-	ललित कलाएँ
215	जी, आर., और डे, एस. (2024)। भारतीय कला में लज्जागौरी के उद्देश्य: एक अध्ययन। शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल, 2582-7472।	-	ललित कलाएँ
216	डे, एस. (2024)। भारतीय कला में पौराणिक संकर रूपों के चित्रण पर एक अध्ययन। मल्टीडिसिप्लिनरी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.	-	ललित कलाएँ
217	डे, एस. (2024)। नेल इंप्रेशन तकनीक के लेंस के माध्यम से शेखर जोशी की "गूढ़ यात्रा" की खोज: काम की गतिशील बनावट और जीवंत पैलेट की एक जांच। शैक्षिक प्रशासन: सिद्धांत और व्यवहार, 2148-2403।	-	ललित कलाएँ
218	जमातिया, एम आर (2023)। जमातिया जनजाति के जन्म संस्कार। हेरिटेज एक्सप्लोरर (अनहद लोक), 12 (7), 14-18।	-	हिंदी
219	जमातिया, एम आर (2023)। काओब्रू भाषा: एक परिचयात्मक टिप्पणी। भाषा पत्रिका, 313 (7), 24-46।	-	हिंदी
220	झा, के सी (2023)। नई समीक्षा और प्रयोगवाद: एक विश्लेषण। हिन्दी अनुशीलन, 65(3), 90-96।	-	हिंदी
221	झा, के सी, &; झा, ओ पी (2023)। नागार्जुन: जीवन और साहित्य। वाक सुधा, 37, 44-47।	-	हिंदी
222	देबबर्मा, बी. (2024)। कोकबरॉक भाषा की दशा एवं दिशा। भाषा पत्रिका, 313, 11-16।	-	हिंदी
223	मौर्य, एम के (2024)। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी गीत। सत्राची।	-	हिंदी
224	पूजा। (2024)। हिन्दी के विकास मे हिन्दी साहित्य सम्मेलन और हिंदुस्तानी अकादमी का योगदान। हिंदुस्तानी त्रैमासिक , 85, 125।	-	हिंदी
225	उपाध्याय, डी., कलाई, एस., बर्मन, पीडी, बरुआ, एसडी, दास, आई., पुथियाकथ, एचएच, और गोस्वामी, एमपी (2023)। त्रिपुरा के युवाओं के बीच फेसबुक की लत और अकादमिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव के सहसंबंधों की खोज। *मीडिया एशिया, 51* (1), 102-120। https://doi.org/10.1080/01296612.2023.2245608	-	पत्रकारिता और जनसंचार
226	कलाई, एस. (2024)। द गेन्स एंड द सारंगी: परंपराएं, डिजिटल मीडिया और उभरते सांस्कृतिक परिवर्तन। मानविकी और सामाजिक विज्ञान अध्ययन, 12 (2), 39-48।	-	पत्रकारिता और जनसंचार

227	देबबर्मा, एस. (2023)। कोकबरॉक में व्युत्पत्ति के कुछ पहलू। अलीगढ़ जर्नल ऑफ लिंग्विस्टिक्स, 13, 140-147।	-	कोकबरॉक
228	देबबर्मा, एस. (2023)। कोकबरॉक में केस मार्किंग। वाक मंथन, 8(2), 58-67.	-	कोकबरॉक
229	देबबर्मा, एस. (2023)। कोकबरॉक क्रियाविशेषण के कुछ पहलू। जादवपुर जर्नल ऑफ लैंग्वेजेज एंड लिंग्विस्टिक्स, 6 (2), 140-147।	-	कोकबरॉक
230	देबबर्मा, बी. (2023)। नागेंद्र जमातिया की 'हकोर बिसिंगनी नोखरबैसिदी': त्रिपुरी समाज में अंधविश्वास और अंधविश्वास। खोवाई, 52(55), 28-32.	-	कोकबरॉक
231	पांडे, बी एम (2024)। किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2000 और त्रिपुरा राज्य में किशोर अपराध की स्थिति का एक महत्वपूर्ण अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ, 10.	-	विधि
232	सुआंतक, के. (2024)। त्रिपुरा की शब्दांश संरचना। आनंदम अबिलैक, 13, 311-332।	-	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
233	सुआंतक, के. (2023)। वर्ब स्टेम प्रत्यावर्तन का मॉर्फोसिंटैक्स। हिमालयी भाषाविज्ञान, 22, 202-242।	-	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
234	इंद्रकुमार, एस. (2024)। व्याकरणिक रूपांतर के कारण दोहराव: मणिपुरी में मौखिक दोहराव का एक अध्ययन। आईजेडीएल, 53(2), 151-169।	-	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
235	इंद्रकुमार, एस. (2024)। मीतेईलोन में सिन्डेटिक समन्वय। भारतीय भाषाविज्ञान, 83 (3-4), 45- 65।	-	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
236	उप्पूर एन. (2024)। मुंडा भाषाओं में समन्वय: एक क्षेत्रीय दृश्य। भाषाविज्ञान में उस्मानिया पेपर्स, 48 (49), 109-120।	-	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
237	त्रिपुरा, टी. (2024)। त्रिपुरा की शब्दांश संरचना। आनंदम अबिलैक, 13, 311-332।	-	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ
238	भराली, आर. (2023)। घराने की परंपरा और भारतीय संगीत में इसका महत्व। असम वैली इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड कल्चरल स्टडीज।	-	संगीत
239	सरमा, ए जे (2024)। वेदांत और भारतीय जीवन का पुनरुत्थान: विवेकानंद का परिप्रेक्ष्य। आधुनिक समय में वैदिक ज्ञान के अभिनव अनुप्रयोग, 105-113।	-	दर्शन शास्त्र
240	देबबर्मा, बी. (2024)। शिक्षा पर एमके गांधी: एक दार्शनिक परिप्रेक्ष्य। दार्शनिक पत्र: दर्शनशास्त्र विभाग का जर्नल, 20, 114-119।	-	दर्शन शास्त्र
241	देबबर्मा, बी. (2024)। खुशी का रास्ता: बौद्ध परिप्रेक्ष्य। नेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड साइंटिफिक रिसर्च, 6 (2), 1 - 6।	-	दर्शन शास्त्र
242	देबबर्मा, बी. (2024)। नैतिक गुण और अच्छा जीवन जैसा कि बोरोक लोककथाओं में परिलक्षित होता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चर सोसाइटी, 8 (3), 42-45।	-	दर्शन शास्त्र
243	देबबर्मा, बी. (2024)। आर. एन. टैगोर का शिक्षा का दर्शन और इसकी प्रासंगिकता: एक आलोचनात्मक मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स, 12 (3), 175-178।	-	दर्शन शास्त्र
244	देबबर्मा, बी. (2024)। आर. एन. टैगोर का शिक्षा का दर्शन और इसकी प्रासंगिकता: मानव जाति के एकीकरण को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन धर्म: एक सभ्यतागत दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज सोशल साइंसेज एंड मैनेजमेंट, 4 (2), 137-139।	-	दर्शन शास्त्र
245	सिंधु, बी. (2023)। मन-पदार्थ द्वंद्व और "ब्रह्मांडीय कारक के रहस्यमय उत्सर्जन" के लिए एक नवमानवतावादी दृष्टिकोण। विश्व की दार्शनिक परंपराएं, 6 (1)।	-	दर्शन शास्त्र
246	सिंधु, बी. (2023)। कर्म का दर्शन, भगवद्गीता और रामचरितमानस में एक सामान्य रूप से। विश्व की दार्शनिक परंपराएं, 7, 26-41।	-	दर्शन शास्त्र
247	सरकार, एस., भौमिक, एसके, और यमखैबम, एएच (2024)। खुशी के सार के लिए पतंजलि के योग सूत्रों की खोज: एक समग्र दृष्टिकोण। यूरोपीय जर्नल ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च, 2 (1), 50-54। https://doi.org/10.59324/ejmhr.2024.2(1).07	-	शारीरिक शिक्षा

248	युमखैबम, एएच, फारूक, एस., और भौमिक, एसके (2023)। चिंता विकारों को कम करने पर ऑटोजेनिक प्रशिक्षण की प्रभावशीलता: एक व्यापक समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के यूरोपीय जर्नल, 10 (3)। https://doi.org/10.46827/ejpe.v10i3.5059	-	शारीरिक शिक्षा
249	धर, के., फारूक, एस., और देवी, एनएस (2024)। शारीरिक रूप से सक्रिय और निष्क्रिय किशोरों के बीच मासिक धर्म चक्र के दौरान मिजाज की गतिशीलता: त्रिपुरा स्थित एक अध्ययन। इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ स्पोर्ट, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन साइंस, 2 (2), 59-64। https://doi.org/10.58723/inasport.v2i2.197	-	शारीरिक शिक्षा
250	फारूक, एस., मित्रा, एम., धार, के., और दास, पीके (2024)। आदिवासी और गैर-आदिवासी फुटबॉल खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी स्थिति के दौरान चिंता परिणामों पर एक अनुभवजन्य अध्ययन। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के यूरोपीय जर्नल, 11 (3)। https://doi.org/10.46827/ejpe.v11i3.5487	-	शारीरिक शिक्षा
251	फारूक, एस., बासुमतारी, आर., और दास, पीके (2024)। रजोनिवृत्ति संक्रमण के दौरान अगरतला में कामकाजी महिलाओं के बीच जीवन की गुणवत्ता की जांच करना: एक गहन विश्लेषण। अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड हेल्थ साइंस, 2 (2), 10-16। https://doi.org/10.54536/ajpehs.v2i2.2983	-	शारीरिक शिक्षा
252	रिस्डियान्टो, ई., कोस्टेरा, एफएफ, गुशेविनाल्टी, जी., चंद्रा, एमएफ, मैकरियोला, जे., और फारूक, एसएस (2024)। 2024 में PEKERTI बैच 3, बेंगकुलु विश्वविद्यालय में TPACK-आधारित शिक्षण प्रबंधन प्रशिक्षण। अक्तुअल: जुर्नल पेंगाब्डियन केपाडा मसियारकत, 2(2), 66-70। https://doi.org/10.58723/aktual.v1i1.19	-	शारीरिक शिक्षा
253	अधिकारी, टी., दास, एस., और फारूक, एस. एम.(2024)। गोरखा फुटबॉल खिलाड़ियों के सोमाटोटाइप प्रोफाइल का आकलन। अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड हेल्थ साइंस, 2 (1), 35-39। https://doi.org/10.54536/ajpehs.v2i1.2559	-	शारीरिक शिक्षा
254	सिंह, एलएस, फारूक, एस., सिंह, डब्ल्यूजे, और ज़ेलेनोविक, एम. (2024)। फुटबॉल खिलाड़ियों में कार्डियोरेस्पिरेटरी और मांसपेशियों की सहनशक्ति बढ़ाना: छह सप्ताह के अंतराल प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव। जर्नल स्पोर्ट एरिया, 9 (1), 88-97। https://doi.org/10.25299/sportarea.2024.vol9(1).14869	-	शारीरिक शिक्षा
255	नाओरेम, एस., फारूक, एस., और दास, एस. (2024)। मणिपुर और त्रिपुरा में महिला कुलीन फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच चिंता के स्तर पर क्षेत्रीय गतिशीलता। अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड हेल्थ साइंस, 2 (1), 17-21। https://doi.org/10.54536/ajpehs.v2i1.2543	-	शारीरिक शिक्षा
256	मैकरियोला, जेएस, और फारूक, एस. एम.(2024)। सीखने की स्वतंत्रता में सुधार के लिए एंड्रॉइड-आधारित संवर्धित वास्तविकता सीखने वाले मीडिया का विकास (रेजांग लेबोंग रीजेंसी व्यावसायिक स्कूल के कक्षा XI के छात्रों के लिए इलेक्ट्रिक मोटर स्थापना विषय पर अध्ययन)। ई-लर्निंग और मल्टीमीडिया के आईजेओईएम इंडोनेशियाई जर्नल, 3 (2), 60-72। https://doi.org/10.58723/ijoem.v3i2.231	-	शारीरिक शिक्षा
257	सुप्रियादी, ए., मेसनन, अज़ांडी, एफ., डेस्त्या, एमआर, और फारूक, एस एम (2023)। फुटबॉल में गोलकीपर प्रतिक्रिया की गति बढ़ाना: शारीरिक प्रशिक्षण विधियों में बॉल लॉन्चर प्रशिक्षण का प्रभाव। जर्नल स्पोर्ट एरिया, 8(3), 447-456। https://doi.org/10.25299/sportarea.2023.vol8(3).14758	-	शारीरिक शिक्षा
258	फारूक, एस., मित्रा, एम., और दास, पीके (2023)। कुलीन फुटबॉल खिलाड़ियों में जैव रासायनिक मापदंडों पर 12 सप्ताह के धीरज प्रशिक्षण का प्रभाव: एक व्यापक विश्लेषण। जर्नल स्पोर्ट एरिया, 8 (3), 388-395। https://doi.org/10.25299/sportarea.2023.vol8(3).13856	-	शारीरिक शिक्षा
259	युमखैबम, एएच, फारूक, एस., और भौमिक, एसके (2023)। चिंता विकारों को कम करने पर ऑटोजेनिक प्रशिक्षण की प्रभावशीलता: एक व्यापक समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के यूरोपीय जर्नल, 10 (3), 124-141। https://doi.org/10.46827/ejpe.v10i3.5059	-	शारीरिक शिक्षा
260	फारूक, एस., मित्रा, एम., और दास, पीके (2023)। फुटबॉल खिलाड़ियों के लिपिड प्रोफाइल पर गति, चपलता, त्वरितता और सर्किट प्रशिक्षण का प्रभाव: एक अवलोकन अध्ययन। शारीरिक शिक्षा सिद्धांत और पद्धति, 23 (6), 902-908। https://doi.org/10.17309/tmfv.2023.6.12	-	शारीरिक शिक्षा
261	फुकोन, एजे, और धर, के. (2024)। मेसोमॉर्फिक और एक्टोमॉर्फिक प्रमुख सोमाटोटाइप के बीच ऊर्ध्वाधर कूद प्रदर्शन की तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ किनथ्रोपोमेट्री, 4 (1), 1-8। https://doi.org/10.34256/ijk2411	-	शारीरिक शिक्षा

262	धर, के., फुकोन, एजे, और साहा, एनजी (2024)। ट्रिपल जंप के लगातार तीन टेक-ऑफ चरणों के दौरान क्षैतिज वेग में बदलाव। खेल और प्रदर्शन के वैज्ञानिक जर्नल, 3 (3), 433-442। https://doi.org/10.55860/iyne9734	-	शारीरिक शिक्षा
263	चकमा, जी (एन.डी.)। बोडो आंदोलन: असम में एक लंबे समय से चला आ रहा जातीय मुद्दा। डोगो रंगसांग, 10, 410- 419।	-	राजनीति विज्ञान
264	अकोइजाम, एस., और थिंगुजम, एनएस (2024)। मणिपुर में कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच लिंग, पारिस्थितिकी और परिवारों के प्रकार में कम्पेशन। इंडियन जर्नल ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी, 15, 5-9।	-	मनोविज्ञान
265	राय, एस., और थिंगुजम, एनएस (2024)। देर से किशोरों और बुजुर्गों में बिग फाइव व्यक्तित्व लक्षण। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबीइंग, 15, 10-15।	-	मनोविज्ञान
266	भट्टाचार्जी, ए., रॉय, ए., और घोष, टी. (2024)। डिजिटल दुनिया में वेबबेड: युवाओं के बीच इंटरनेट की लत के कारकों पर एक व्यवस्थित समीक्षा। जेआईएएपी, 50(1), 196-210।	-	मनोविज्ञान
267	दास, आई., और भट्टाचार्जी, ए. (2023)। व्यक्तित्व के बिग फाइव कारकों के चश्मे में बलात्कार मिथक की जांच: एक खोजपूर्ण अध्ययन। जर्नल ऑफ़ साइकोसेक्सुअल हेल्थ, 5 (2), 84-88। https://doi.org/10.1177/26318318231181690	-	मनोविज्ञान
268	गणेशन, आर. (2023)। संक्षिप्त व्यवहार प्रौद्योगिकी के साथ टोको-फोबिया (बच्चे के जन्म का डर) का प्रबंधन। भारतीय मनोविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 11 (4), 3147-3155।	-	मनोविज्ञान
269	गणेशन, आर. (2023)। 'वैकल्पिक-भावनात्मक-प्रतिक्रिया' के विकास के साथ 'सेक्स-स्टोरीज-एडिक्शन' के प्रभावी प्रबंधन के लिए व्यवहार प्रौद्योगिकी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 11 (4), 3178-3181।	-	मनोविज्ञान
270	गणेशन, आर. (2023)। संक्षिप्त व्यवहार प्रौद्योगिकी के साथ इंजेक्शन या हाइपोडर्मिक सुइयों (ट्रिपैनो-फोबिया) के डर का प्रबंधन। भारतीय मनोविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 11 (3), 4885-4889।	-	मनोविज्ञान
271	चकमा, पी. (2024)। चकमा के बीच विभाजन के अनुभव: अरुणाचल प्रदेश पर विशेष ध्यान देने के साथ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 12 (4), 17-23।	-	समाजशास्त्र
272	देबबर्मा, ए., और खैखोलेन, एच. (2023)। त्रिपुरा में "टिपरालैंड" की पुनरुत्थान मांग: संदर्भ और निहितार्थ। उत्कृष्टता की ओर, 15 (4), 350-356।	-	समाजशास्त्र
273	देबबर्मा, ए. (2024)। टिपरा पहचान और इसकी अभिव्यक्ति पर बहस। जीएलएस केएलपी-जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज, 4 (3), 15-23।	-	समाजशास्त्र
274	दॉरलांग, एल., और छोटारे, एस. (2024)। विस्थापित और वंचित: त्रिपुरा में ब्रू आईडीपी का एक सामाजिक इतिहास। अन्वेषण: ई-जर्नल ऑफ इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी, 7 (3), 140-162।	-	समाजशास्त्र
275	दॉरलांग, एल. (2024)। ब्रू-मिज़ो विभाजन के लिए समावेशी रणनीतियाँ: शांति के रास्ते। संवाद और संस्कृति के पूर्वी जर्नल, 17 (1), 123-134।	-	समाजशास्त्र
276	दत्ता, एस. (2023)। शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 11.	-	शिक्षा विद्यापीठ
277	मालाकार, जे., और दत्ता, एस. (2023)। बहुभाषी शिक्षा के लाभों और चुनौतियों की खोज: एक सैद्धांतिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 5 (4)। https://doi.org/10.36948/ijfmr.2023.v05i04.4839	-	शिक्षा विद्यापीठ
278	त्रिपुरा, एस., देबबर्मा, पी., पॉल, एस., साहा, आर., और अजय कृष्ण साहा। एंडोफाइटिक फंगल डॉयवर्सिटी इन टर्मिनलिया अर्जुन (रॉक्सबी.) वाइट एंड अर्न ऑफ त्रिपुरा नॉर्थईस्ट इंडिया ऐट डिफरेन्ट सैम्पलिंग साइट्स एंड प्लांट ऑर्गन्स। प्लांट साइंस टुडे, 62 (1), 293-303। https://doi.org/10.14719/pst.3045	-	वनस्पति-विज्ञान
279	देबबर्मा, पी., त्रिपुरा, एस., पॉल, एस., साहा, आर., दत्ता, बीके, और साहा, एके (2024)। "क्रोमोलेना ओडोराटा (एल) किंग और रॉबिन्सन में एंडोफाइटिक कवक की मौसमी भिन्नता और विविधता, त्रिपुरा, पूर्वोत्तर, भारत का एक आक्रामक विदेशी खरपतवार। एशियन जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्माकोलॉजी, 10 (1), 1-12। https://doi.org/10.31024/ajpp.2024.10.1.1	-	वनस्पति-विज्ञान
280	शर्मा, डी., सिंघा, आर., साहा, ए.के., और दास, पी. (एन.डी.)। "त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत के वृक्षारोपण से कैमेलिया साइनेंसिस (एल) ओ कुंत्ज़े के फेलोस्फीयर कवक की मौसमी गतिशीलता"। एशियन जर्नल ऑफ माइकोलॉजी, 7 (1), 1-19। https://doi.org/10.5943/ajom/7/1/1	-	वनस्पति-विज्ञान

281	बैष्णव, बी., मजूमदार, के., और दत्ता, बीके (2024)। उत्तर-पूर्व भारत में त्रिपुरा के ऑर्किड के लिए एक घोषित चेकलिस्ट। प्लेयोन, 18, 73-83। https://doi.org/10.26679/Pleione.18.1.2024.073-083	-	वनस्पति-विज्ञान
282	देबनाथ, ए., दास, ए.आर., चक्रवर्ती, के., साहा, ए.के., और दास, पी. (2024)। आर्बुस्कुलर माइकोराइजा कैसिया फिस्टुला एल रोपाई के विकास और जैव रासायनिक मापदंडों को प्रभावित करता है, जो स्वाभाविक रूप से पाए जाने वाले स्थापित पेड़ों के विपरीत है। जर्नल ऑफ एप्लाइड हॉर्टिकल्चर, 26 (1), 63-67। https://doi.org/10.37855/jah.2024.v26i01.12	-	वनस्पति-विज्ञान
283	दत्ता, ए., महानंदा, ए., अधिकारी, एस., और साहा, एके (2023)। त्रिपुरा से एकत्र किए गए दो अलग-अलग लैंटिनस प्रजातियों के मायसेलियम और एक्सोपॉलीसेकेराइड अर्क की जीवाणुरोधी गतिविधियों का आकलन। वेजिटोस 37(6), 2372-2379। https://doi.org/10.1007/s42535-023-00726-x	-	वनस्पति-विज्ञान
284	साहा, आर., कांता पांडे, के., देबनाथ, एस., चक्रवर्ती, के., दास, पी., और साहा, ए. (2023)। कृषि-औद्योगिक कचरे पर खेती की गई प्लुरोटस फ्लोरिडा की वृद्धि, उत्पादकता और जैविक दक्षता पर तुलनात्मक चिंतन। इंडियन माइकोलॉजिकल सोसाइटी, 61 (1), 85-89। https://doi.org/10.57023/jmycr.61.1.2023.085	-	वनस्पति-विज्ञान
285	त्रिपुरा, एस., देबबर्मा, पी., पॉल, एस., साहा, आर., और अजय कृष्ण साहा। एंडोफाइटिक फंगल विविधता और पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस एल में मौसमी भिन्नता: त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत की एक आक्रामक पौधे प्रजाति। माइकोपैथोल के जर्नल. अनुसंधान, 62 (2), 293 -303। https://doi.org/10.14719/pst.3045https://doi.org/10.57023/JMycR.62.2.2024.293	-	वनस्पति-विज्ञान
286	दास, डीएच, रॉय, एसडी, साहा, पी., और भौमिक, एमके (2024)। टीयू-आईआर ऐप्पल इमेज डेटासेट: बेंचमार्किंग, चैलेंजेज एंड एसिम्मेट्रिक कैरेक्टराइजेशन फॉर ब्रूइज डिटेक्शन इन एप्लीकेशन ऑफ ऑटोमैटिक हार्वेस्टिंग। आईईईई ट्रांजेक्शन ऑन एग्रीफूड इलेक्ट्रॉनिक्स, 2 (1), 105-124। https://doi.org/10.1109/tafe.2024.3365202	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
287	सरकार, एस., रॉय, एस. डी., दास, एस., साहा, पी., और भौमिक, एमके (2024)। सोशल मीडिया में भारी संकुचित JPEG छेड़छाड़ की गई छवियों की प्रयोज्यता और जालसाजी का पता लगाने के लिए पर्यवेक्षित मशीन लर्निंग। 2024 थर्ड इंटर्नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग (ICAEEE), 1-6। https://doi.org/10.1109/icaeee62219.2024.10561776	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
288	रॉय, जे., रॉय, एसडी, दास, एस., और भौमिक, एमके (2024)। कई बार संपीड़ित JPEG छेड़छाड़ की गई छवियों का पता लगाने के लिए पर्यवेक्षित एंटी-फोरेंसिक DNN। 2024 थर्ड इंटर्नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग , 1-6। https://doi.org/10.1109/icaeee62219.2024.10561671	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
289	दास, डीएच, मजूमदार, ए., डे रॉय, एस., और भौमिक, एमके (2023)। अवरक्त इमेजिंग का उपयोग करके चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए विभाजन और वर्गीकरण। 2023 कम्प्यूटिंग कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (ICCCNT) पर 14वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1-7। https://doi.org/10.1109/icccnt56998.2023.10306358	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
290	दास, पी., मारक, ए., रॉय, एसडी, गुप्ता, आर., और भौमिक, एमके (2023)। यूएसजी रेनोटाइड गठिया छवियों का उपयोग कर सूजन वाले हड्डी क्षेत्र का सेगमेंटेशन। 2023 कम्प्यूटिंग कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीज (ICCCNT) पर 14वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1-7। https://doi.org/10.1109/icccnt56998.2023.10308318	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
291	मोहंता, ए., डे रॉय, एस., नाथ, एन., और भौमिक, एमके (2023)। डोमेन एडॉप्टेड फ्यू शॉट लर्निंग फॉर ब्रेस्ट हिस्टोपैथोलॉजिकल इमेज क्लासीफिकेशन। लेक्चर नोट्स ऑन कंप्यूटर साइंस, 407-417। https://doi.org/10.1007/978-3-031-45170-6_42	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
292	साहा, एम., डे रॉय, एस., दास, एस., और कांति भौमिक, एम. (2024)। डीप फेक ऑब्जेक्ट निर्माण और पहचान पर एक व्यापक सर्वेक्षण: चुनौतियां, और भविष्य की दिशाएं। एडवांसेस इन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड इट्स एप्लीकेशन, 105-112। https://doi.org/10.1201/9781003488682-15	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
293	मोहंता, ए., रॉय, एसडी, नाथ, एन., और भौमिक, एमके (2024)। " प्रेडिक्टिंग मेलिग्नेंसी फ्रॉम ब्रेस्ट हिस्टोपैथोलॉजिकल इमेजेज यूजिंग डीप न्यूरल नेटवर्क एंड बेसलाईन"। एडवांसेस इन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड इट्स एप्लीकेशन, 186-193। https://doi.org/10.1201/9781003488682-24	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

294	लिंगदोह, जे., देबनाथ, एस., चावंगसांगपुई, आर., और कलिता, एचके (2024)। मानव प्रतिरक्षा प्रणाली के आधार पर एक स्व-संगठित नेटवर्क में मेलिसियस नोड्स की पहचान करने के लिए एक कुशल विधि। जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 11 (2), 117-125। https://doi.org/10.22232/stj.2023.11.02.14	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
295	गोस्वामी, पी., शर्मा, वी., खान, ए.के., और देबनाथ, एस. (2023)। साझा क्लाउड संसाधन पूल में संग्रहीत डेटा की पावती सत्यापन। सूचना प्रणाली और कंप्यूटर नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12, 1-6। डीओआइ:10.1109/एक्सेस.2024.338907610.1109/ISCON57294.2023.10112204	-	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
296	दास बिस्वास, एस., चौधरी, एस., नंदी, सी., और दास, बी. (2023)। हाइब्रिड शंट एक्टिव पावर फिल्टर के साथ पावर क्वालिटी में सुधार। पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीईएसजीआरई 2023), 17, 1-19। https://doi.org/10.1109/ PESGRE58662.2023। 10404126	-	विद्युत अभियांत्रिकी
297	दास बिस्वास, एस., दास, बी., और नंदी, सी. (2024)। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक, सर्किट और सिस्टम पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (माइक्रो-2024)। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक, सर्किट और सिस्टम पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (माइक्रो-2024।	-	विद्युत अभियांत्रिकी
298	सरकार, ए., देबनाथ, एस., दास चौधरी, बी., घोष, आर., और देबनाथ, बी. (2024)। "डिक्लिप्टेरा पैनिकुलटा से फाइटोकॉन्स्टिट्यूमेंट्स की पहचान और आणविक डॉकिंग द्वारा निर्देशित जीवाणुरोधी गतिविधि का अध्ययन"। सिलिको फार्माकोलॉजी में, 12 (1)। https://doi.org/10.1007/s40203-024-00196-2	-	वानिकी और जैव विविधता
299	देवी, एचबी, पटारी, पी., बर्मा, एमडी, और दासगुप्ता, एस. (2023)। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण स्थल का आकलन। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 41 (3), 1432-1437। https://doi.org/10.60151/envec/pyev5546	-	वानिकी और जैव विविधता
300	पटारी, पी., बर्मा, एमडी, देवी, एचबी, और दासगुप्ता, एस. (2023)। त्रिपुरा के खोवाई जिले में गैर-मानव प्राइमेट और पुष्प विविधता पर बड़े पैमाने पर हेविया ब्रासिलिनेसिस वृक्षारोपण प्रभाव। पर्यावरण और पारिस्थितिकी, 41 (3), 1400-1407। https://doi.org/10.60151/envec/kfaf7093	-	वानिकी और जैव विविधता
301	चकमा, ए., कृष्णैया, वाईवी, पांजा, के., मलिक, एम., राय, डी., दास, डी., और हाटी, एम. (2023)। पीसीए, पीसीओए दृष्टिकोण और जल गुणवत्ता सूचकांक के माध्यम से अगरतला शहर, त्रिपुरा के पानी की गुणवत्ता के मौसमी बदलाव का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज, 49 (6), 485-495। https://doi.org/10.55863/ijees.2023.2839	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
302	पांजा, के., कृष्णैया, वाई., चकमा, ए., मलिक, एम., राय, डी., हाटी, एम., और दास, डी. (2023)। भू-स्थानिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए पश्चिम त्रिपुरा जिले के पूर्वी-हिमालयी क्षेत्र में एलयूएलसी परिवर्तनों पर रबर वृक्षारोपण विकास का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज, 49 (5), 533-548। https://doi.org/10.55863/ijees.2023.2852	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
303	पांजा, के., और वाईवी, के. (2023)। बहु-मानदंड निर्णय विश्लेषण और भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके पश्चिम त्रिपुरा में चावल की खेती के लिए भूमि उपयुक्तता का मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), 12 (12), 1802-1809। https://doi.org/10.21275/sr231222232347	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
304	मनिका, एम., और वाईवी, के. (2023)। जलपाईगुड़ी जिले में भूमि उपयोग भूमि कवर परिवर्तन का स्थानिक-अस्थायी अन्वेषण; भू-स्थानिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर), 12(12), 1945-1953। https://doi.org/10.21275/sr231227231047	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
305	जोंगकोर, टी., वाईवी, के., और लोंगकुमर, एल. (2023)। भारत के नागालैंड के कोहिमा, दीमापुर और मोकोकचुंग शहरों की शहरी समस्याएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्लोबल साइंस रिसर्च, 10(1), 2029-2051। https://doi.org/10.26540/ijgsr.v10.i1.2023.236	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
306	राय, डी., और कृष्णैया, वाई. (2024)। पहाड़ी राज्य सिक्किम में लोकप्रिय पर्यटन स्थलों और इकोटूरिज्म क्षेत्रों में हवा और पानी की गुणवत्ता का आकलन। अनुसंधान समीक्षा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी, 9 (5), 93-107। https://doi.org/10.31305/rrijm.2024.v09.n05.012	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन

307	देबबर्मा, जे., और पैन, एनडी (2023)। विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया और जीआईएस का उपयोग करके त्रिपुरा का भूजल क्षमता मानचित्रण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोलॉजी एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज, 49 (6), 605-621। https://doi.org/10.55863/ijees.2023.3089	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
308	अहमद, आई., दास (पैन), एन., देबनाथ, जे., भौमिक, एम., और भट्टाचार्जी, एस. (2024)। जीआईएस-आधारित बहु-पैरामीट्रिक विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया का उपयोग करके बाढ़ का खतरे का क्षेत्रीकरण। जियोसिस्टम एंड जियोएनवायरनमेंट, 3 (2), 100250। https://doi.org/10.1016/j.geogeo.2023.100250	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
309	रॉय, एस., बाजपेयी, एस., रॉय, एके, होर, एस., और मित्रा, एस. (2023)। संभावित रणनीतिक समाधान के साथ शहरी बाढ़ का कारण और प्रभाव: अगरतला शहर, भारत से एक साक्ष्य। हिल जियोग्राफर, 38 (2), 47- 65।	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
310	देबबर्मा, डी., और मित्रा, एस. (2024)। अगरतला शहर, त्रिपुरा के ऑटो रिक्शा सेवा प्रदाताओं के रोजगार और आजीविका की स्थिति पर सामाजिक निर्धारकों और व्यावसायिक संवेदनशीलता का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ लैंडस्केप सिस्टम्स एंड इकोलॉजिकल स्टडीज, 45 (1), 130-163।	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
311	मित्रा, एस., हरांगखवल, जे., और स्टैबक, आर. (2023)। अवधारणात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से जम्पुई पहाड़ी, त्रिपुरा (भारत) के भू-पर्यावरणीय और नृवंश-सांस्कृतिक पर्यटन का आकलन। टूरिजाम 27(3), 148-170. https://doi.org/10.5937/turizam27-39127	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
312	रॉय, एस., और मित्रा, एस. (2023)। त्रिपुरा, भारत में रेलवे परिवहन प्रणाली का विकास: एक कालानुक्रमिक दृष्टिकोण। जियोग्राफिक, 18, 67-87।	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
313	रॉय, एस., देबनाथ, पी., वुलेविक, ए., और मित्रा, एस. (2023)। भारत के रेलवे बुनियादी ढांचे में जलवायु परिवर्तन लचीलापन का समावेशन: चुनौतियां और क्षमता। मेक्ट्रोनिक्स और इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम, 2 (2), 102- 116। https://doi.org/10.56578/mits020205	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
314	रॉय, एस., और मित्रा, एस. (2024)। भारत की 'अच्छी' नवउदारवादी रेल नीति कितनी 'अच्छी' है? भारत की भौगोलिक समीक्षा, 86(1), 17-38।	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
315	होर, एस., रॉय, एस., बरुआ, एम., और मित्रा, एस. (2024)। "सिंथेटिक कॉम्बिनेटरिक्स के माध्यम से नेटवर्क टोपोलॉजी के मजबूत वर्गीकरण के लिए स्थानिक डेटा विश्लेषण"। एनल्स ऑफ डेटा साइंस, 11 (4), 1341-1359। https://doi.org/10.1007/s40745-024-00523-6	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
316	बिस्वास, ए., देबनाथ, पी., रॉय, एस., भट्टाचार्य, एस., मित्रा, एस., और चौधरी, पी. (2024)। भारत में एक रामसर स्थल, रुद्रसागर झील में मानवजनित प्रभाव के कारण पानी की गुणवत्ता में सैपियो टेम्पोरल वैरियेसन। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 196 (598), 1- 23। https://doi.org/10.1007/s10661-024-12736-6	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
317	देबबर्मा, एस., और देबबर्मा, एम. (2024)। कोकबरॉक भाषा के विशेष संदर्भ में त्रिपुरा की अल्पसंख्यक भाषाएँ: त्रिपुरा, भारत की भाषा जनसांख्यिकी पर एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ लैंग्वेज एंड लिंग्विस्टिक्स, 5 (2), 53-68। https://doi.org/10.54392/ijll2425	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
318	देबबर्मा, जे., और चकमा, आर. (2024)। पश्चिम त्रिपुरा जिले, भारत में भूमि की सतह के तापमान का सैपियो टेम्पोरल विश्लेषण। एशियन जर्नल ऑफ जियोग्राफिकल रिसर्च, 7 (1), 161-175। https://doi.org/10.9734/ajgr/2024/v7i1224	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
319	बैटे, एल., भट्टाचार्जी, एन., देबबर्मा, जे., और सैकिया, ए. (2024)। जीआईएस और एएचपी का उपयोग करके मणिपुर, भारत में कृषि भूमि उपयुक्तता विश्लेषण। एयूसी जियोग्राफिका, 59 (1), 93-107। https://doi.org/10.14712/23361980.2024.6	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
320	देबबर्मा, जे. (2024)। त्रिपुरा के आर्द्र उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में असमेकित मिट्टी की अनाज के आकार की विशेषताएं। इंडियन जर्नल ऑफ सॉइल कंजर्वेशन, 52(1), 40-45. http://dx.doi.org/10.59797/ijsc.v52.i1.148	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
321	देबबर्मा, जे., और दास, एन. (2023)। त्रिपुरा में सुरक्षित भूजल स्रोतों की उपलब्धता और पहुंच की स्थिति। द इंडियन ज्योग्राफिकल जर्नल, 98(1), 34-47.	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
322	देबबर्मा, जे., और दास, एन. (2024)। त्रिपुरा, भारत की विविध भौगोलिक सेटिंग्स के समेकित तलछट में मिट्टी पारगम्यता अध्ययन की प्रकृति। भारत की भौगोलिक समीक्षा, 86 (1), 1-16।	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन

323	देबनाथ, जे., देबबर्मा, जे., देबनाथ, ए., मेराज, जी., चांद, के., सिंह, एसके, कांगा, एस., कुमार, पी., सहारिया, डी., और सैकिया, ए. (2024)। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके अगरतला शहरी वाटरशेड, भारत का बाढ़ संवेदनशीलता मूल्यांकन। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 196 (2), 1-21। https://doi.org/10.1007/s10661-023-12240-3	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
324	घोष, एस., बोरल, ई., दास, बी., और रे, केटी (2024)। कोलकाता में वाहनों के उत्सर्जन पर सड़क ज्यामितीय तत्वों और यातायात विशेषताओं का प्रभाव। अर्बन इंडिया, 44(1), 16-30.	-	भूगोल और आपदा प्रबंधन
325	दास, ए., हुसैन, एसए, बानिक, एच., मैती, डी., अख्तर, टी., आचार्य, एस., और देबनाथ, पी. (2024)। मल्टीफंक्शनल ट्रांजीशन मेटल कॉम्प्लेक्सेस: डिजाइन, सिंथेसिस, लुमिनिसेंट फीचर्स, एलेक्ट्रिकल बिहैवियर, नैनोस्ट्रक्चर मार्फोलॉजी एंड बॉयोएक्टिव प्रॉपर्टीज एंड 1,1-डाईसिनोएथिलीन-2,2-डाईथियोलेट एंड पी फेनिलेनेडिआमाईन लिगैंड। एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 36 (6), 1348-1358। https://doi.org/10.14233/ajchem.2024.31336	-	मानव शरीर विज्ञान
326	दास, ए., हुसैन, एसए, बानिक, एच., मैती, डी., अख्तर, टी., आचार्य, एस., और देबनाथ, पी. (2024)। मल्टीफंक्शनल ट्रांजीशन मेटल कॉम्प्लेक्सेस: डिजाइन, सिंथेसिस, लुमिनिसेंट फीचर्स, एलेक्ट्रिकल बिहैवियर, नैनोस्ट्रक्चर मार्फोलॉजी एंड बॉयोएक्टिव प्रॉपर्टीज एंड 1,1-डाईसिनोएथिलीन-2,2-डाईथियोलेट एंड पी फेनिलेनेडिआमाईन लिगैंड। एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 36 (6), 1348-1358। https://doi.org/10.14233/ajchem.2024.31336	-	मानव शरीर विज्ञान
327	घोष, एके, वर्मा, ए., मजूमदार, डी., मैती, डी., चौधरी, टी., बनर्जी, ए., और साहा, एस. (2024)। थियाफ्लेविन्स इनड्यूस्ड ऑटोफैगी इन एर्लिचज एक्साइट्स कार्सिनोमा सेल्स बोथ इन विवो एंड इन विट्रो में। करेन्ट बायोएक्टिव कंपाउंड्स, 20 (7), 77- 87। https://doi.org/10.2174/0115734072277726240102062944	-	मानव शरीर विज्ञान
328	सरकार, एस., रॉय चौधरी, पी., और चौधरी, डी. (2024)। " एवैलुएशन ऑफ एक्यूट टॉक्सिटी ऑफ मेथनोलिक लीफ एक्स्ट्रैक्ट ऑफ बैम्बुसा वल्गारिस ऑन मेल विस्टर रैट्स"। एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड क्लिनिकल रिसर्च, 17 (5), 1-6। https://doi.org/10.22159/ajpcr.2024.v17i5.50325	-	मानव शरीर विज्ञान
329	रॉय चौधरी, पी., सरकार, एस., और चौधरी, डी. (2024)। इन विवो टॉक्सिटी प्रोफाइल ऑफ मेथालोनिक एक्सट्रैक्ट ऑफ टर्मिनलिया अर्जुन (रॉक्सब.एक्स्डॉसी.)बार्क इन मेल अल्बिनो विस्टार रैट्स इंटर. जे फार्मा। , 15 (1), 96-104। http://dx.doi.org/10.22159/ajpcr.2024v17i5.50325).	-	मानव शरीर विज्ञान
330	चौधरी, एस., सरकार, एस., चौधरी, पीआर, चौधरी, डी., और दास, एस. (2023)।डॉयटरी कैल्शियम इम्प्रूव्ड द रोप्रोडक्टिव फंक्शन्स अगेंस्ट हाई फैट डाइट (एचएफडी) -प्रे इन्ड्यूस्ड टेस्टिकुलर टॉक्सिटी इन ओबेस रैट्स। न्यूट्रायर, 48 (55), 1-11। https://doi.org/10.1186/s41110-023-00243-6	-	मानव शरीर विज्ञान
331	नाथ, एन., और चौधरी, डी. (2023)। युवा वयस्कों में चयापचय सिंड्रोम के सहसंबंध: एक संक्षिप्त समीक्षा। , 14 (9), 1145-1161।	-	मानव शरीर विज्ञान
332	सूत्रधार, बी., और चौधरी, डी. (2023)। भारत के पूर्वोत्तर राज्य-त्रिपुरा के वयस्कों के फुफ्फुसीय कार्य पर व्यावसायिक डस्ट एक्सपोजर और सिगरेट धूम्रपान का संयुक्त प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 12 (6), 1-4। https://doi.org/10.36106/ijsr	-	मानव शरीर विज्ञान
333	पाल, एस., चक्रवर्ती, एस., और मंडल, एस. (2024)। "विस्टार चूहों में पॉलीस्टायर्न माइक्रोप्लास्टिक के संपर्क में आने के बाद यकृत और मस्तिष्क ग्लूकोज चयापचय में खुराक पर परिवर्तन"। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, 76 (01), 32-39। https://doi.org/10.55184/ijpas.v76i01.213	-	मानव शरीर विज्ञान
334	पाल, एस. (2024)। "माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण: स्तनधारियों में चयापचय व्यवधान के लिए एक शक्तिशाली खतरा"। इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, 76 (2), 22-26। https://doi.org/10.55184/ijpas.v76i02.226	-	मानव शरीर विज्ञान
335	पाल, एस. (2024)। त्रिपुरा, भारत की मलिन बस्तियों में रहने वाली महिलाओं की पोस्टमेनोपॉज़ल स्वास्थ्य चिंताएं। साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट (एसएएपी) बुलेटिन, 7(3), 11-16। https://saapphysiologists.webs.com	-	मानव शरीर विज्ञान
336	दास, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2023)। "प्रीट्रेन्ड कन्वेन्शनल न्यूरल नेटवर्क, वीजीजी 19 का उपयोग करके रेटिना फंडस छवियों से डायबिटिक रेटिनोपैथी का पता लगाना"। स्मार्ट कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज पर कांग्रेस की कार्यवाही (सीएससीटी 2023), 1. https://doi.org/10.1007/978-981-97-5081-8	-	सूचना प्रौद्योगिकी

337	देब, टी., और मजूमदार, एस. (2023)। SVD और कंटूरलेट ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके NVF और CSF आधारित छवि वॉटरमार्किंग । डेटा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटिंग पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (ICDEC-2023)। https://doi.org/10.1007/978-981-97-6489-1	-	सूचना प्रौद्योगिकी
338	रॉय, ए., रॉय, ए., और करमाकर, पी. (2023)। वायरलेस सेंसर नोड्स के लिए जीएनएसएस पोजिशनिंग और नेविगेशन सटीकता को बढ़ाना"। इंटेलिजेंट विजन और कंप्यूटिंग पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICIVC 2023)।	-	सूचना प्रौद्योगिकी
339	देवी, एम., चक्रवर्ती, ए., रॉय, ए., और मजूमदार, डी. (2023)। स्केलेनोटाइजेशन तकनीक के आधार पर भारत के मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य की सिंगल हैंड गेस्चर रिक्गनीशन। 2023 में इंटेलिजेंट सिस्टम, एडवांस्ड कंप्यूटिंग और कम्युनिकेशन (ISACC) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1-7। https://doi.org/10.1109/ISACC56298.2023.10083889	-	सूचना प्रौद्योगिकी
340	अगुशाका, जेओ, एजुग्वु, एई, साहा, एके, पाल, जे., अबुलिगाह, एल., और मिरजलीली, एस. (2024)। ग्रेटर केन रैट एल्गोरिथ्म (जीसीआरए): ए नेटर इन्स्पायर्ड मेटाहेरिस्टिक फॉर ऑप्टिमाइजेशन ऑफ प्रॉबलम्स। हेलियन, 10(11), e31629। https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2024.e31629	-	सूचना प्रौद्योगिकी
341	प्रमाणिक, एके, महलत, एमएच, पाल, जे., अहमदपुर, एस., और सेन, बी. (2022)। "आनुवंशिक एल्गोरिथ्म का उपयोग करके क्यूसीए तर्क सर्किट की लागत प्रभावी संश्लेषण"। जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग, 79 (4), 3850-3877। https://doi.org/10.1007/s11227-022-04757-0	-	सूचना प्रौद्योगिकी
342	प्रमाणिक, एके, पाल, जे., प्रियदर्शिनी, एस., और सेन, बी. (2023)। नियमित क्लॉकिंग योजना के तहत जेनेटिक एल्गोरिदम का उपयोग करते हुए फॉल्ट टॉलरेंट क्यूसीए लॉजिक सर्किट जर्नल ऑफ़ सेलुलर ऑटोमेटा, 17 (1/2), 25-45।	-	सूचना प्रौद्योगिकी
343	तेरांग, जी., बोरो, के., और नंदी, एस. (2023)। मशीन लर्निंग का उपयोग करके हृदय रोग विश्लेषण और सूचकांक। "वैश्विक मुद्दों की नई चुनौतियों की खोज के लिए नवाचार और अनुसंधान का प्रभाव" (IIRENCG-2023) पर बहु-विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका, 10.	-	सूचना प्रौद्योगिकी
344	पोडर, एस., और महापात्रा, आरके (2023)। त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान के शोधार्थियों द्वारा ओपन एक्सेस संसाधनों का उपयोग: एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च एंड पब्लिकेशंस, 6 (9), 39- 44।	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
345	साहू, एसके, और महापात्रा, आरके (2024)। पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के अनुसंधान परिणामों और विकास पर अध्ययन। ISARC सम्मेलन।	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
346	ज़िमिक, ए., और महापात्रा, आरके (2023)। स्वदेशी ज्ञान के दस्तावेजीकरण में पद्धतिगत दृष्टिकोण। ज्ञानकोश- द जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, 14 (1 और 2), 1-18। https://doi.org/10.5958/2249-3182.2023.00001.1	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
347	साहू, एसके, और महापात्रा, आरके (2024)। पूर्वोत्तर भारत में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अनुसंधान परिणाम और विकास की जांच करना। AHI EVRAN वैज्ञानिक अनुसंधान पर 4 वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस।	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
348	ज़िमिक, ए., और महापात्रा, आरके (2023)। स्वदेशी सिंचाई ज्ञान का संरक्षण,। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, 8 (23)।	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
349	महापात्रा, आरके (2024)। त्रिपुरा: द श्राउडेड ग्लोरी। भविष्य के निर्माण पर आईएलए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: क्षमता निर्माण के माध्यम से स्थिरता के लिए पुस्तकालयों में बदलाव, स्मारिका 69 वीं डीएलआईएस, गुवाहाटी विश्वविद्यालय।	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
350	गायेन, एमए (2023)। भारत में डिजिटल विभाजन को पाटने पर शोध: एक समीक्षा-आधारित अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी -डिजिटल पुस्तकालय: नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) द्वारा आयोजित शिक्षा में सतत विकास एक एनएमईआईसीटी परियोजना शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 1, 1062-1083।	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
351	रॉय, एन., और गायन, एमए (2023)। सार्क राष्ट्रीय पुस्तकालयों के पुस्तकालय कैटलॉग: वेब खनन के आधार पर स्थिरता के लिए वेब-ओपेक खोज इंटरफेस की एक परीक्षा। 69 वीं वार्षिक आईएलए सम्मेलन कार्यवाही भविष्य के निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: क्षमता निर्माण के माध्यम से स्थिरता के लिए पुस्तकालयों को बदलना, 69, 994-1008।	-	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान
352	हलोई, आर., सेन, एम., और त्रिपाठी, बीसी (2022)। संभाव्य मानक रिक्त स्थान में सामान्यीकृत अंतर अनुक्रमों के स्पर्शोन्मुख रूप से लैकुनरी μ-सांख्यिकीय तुल्यता। बोलेटिम दा सोसिएडेड पैरानेंस डी मैटेमेटिका, 41, 1-13। https://doi.org/10.5269/bspm.51915	-	गणित

353	त्रिपाठी, बीसी, पॉल, एस., और दास, एनआर (2023)। सामान्यीकृत एम-फजी मीट्रिक स्पेस में कुछ निश्चित बिंदु प्रमेय। बोलेटिम दा सोसिएडेड पैरानेंस डी मैटमैटिका, 41, 7-5।	-	गणित
354	देवी, केआर, और त्रिपाठी, बीसी (2023)। "ऑरलिज़ फ़ंक्शन द्वारा परिभाषित सकारात्मक रैखिक कार्यों के दोहरे अनुक्रम का सापेक्ष समान अभिसरण"। बोलेटिम दा सोसिएडेड पैरानेंस डी मैटेमेटिका, 41, 1-10। https://doi.org/10.5269/bspm.62715	-	गणित
355	दोवारी, पीजे, और त्रिपाठी, बीसी (2021)। जटिल अनिश्चित चर के दोहरे अनुक्रमों का लैकुनरी अभिसरण। जर्नल ऑफ़ अनसर्टेन सिस्टम्स, 14 (03)। https://doi.org/10.1142/s1752890921500173	-	गणित
356	भट्टाचार्य हलदर, एस. (2023)। मिनिमल एल डेंस सेट। तुर्की गणित शिक्षा।	-	गणित
357	देबनाथ, एस., और देबनाथ, एस. (2024)। सांख्यिकीय सीमा पर न्यूट्रोसोफिक नॉर्म्स स्पेसेस में लिमिट सुपीरियर एंवं लिमिट इनफीरियर। एडवांसेस इन मैथमेटिकल साइंस एंड एप्लीकेशन्स, 33 (1), 97-108।	-	गणित
358	देबनाथ, एस., पॉल, बी., और भौमिक, एस. (2023)। "लाइरा की ज्यामिति में संशोधित रीसनर नॉर्डस्ट्रॉम मीट्रिक का गतिशील विश्लेषण"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स एड फिजिकल साइंसेस, 11 (1), 59-74।	-	गणित
359	भौमिक, एस. (2023)। गैर टी 1 स्पेसेस पर एक अध्ययन। बुलेटिन इलाहाबाद मैथ सोसायटी, 38 (2), 169 - 182।	-	गणित
360	दास, एके, और ग्रेनाडोस, सी. (2023)। प्रिफरेंसेस, इन्ट्यूसनिस्टिक, फजी, थ्रू रफ रिलेशन एंड इट्स थ्योरिटिकल एप्रोच। जर्नल ऑफ़ द इंडियन मैथमेटिकल सोसाइटी, 90 (3-4), 199-212। https://doi.org/10.18311/jims/2023/27812	-	गणित
361	दास, ए.के., गुप्ता, एन., और ग्रेनाडोस, सी. (2023)। वेटेड हेजिटेन्ट बाईपोलर वैल्यूड फजी सॉफ्ट सेट इन डिसिजन मेकिंग। सोंगक्लानकरिन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 45 (6), 681-690।). Weighted hesitant bipolar-valued fuzzy soft set in decision-making.	-	गणित
362	ग्रेनाडोस, सी., दास, एके, और दास, एस. (2024)। सिसेरो के लिए नए टॉबेरियन प्रमेय फजी संख्याओं के योगात्मक ट्रिपल अनुक्रम। क्रैगुजेवैक जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, 48 (5), 787-802। https://doi.org/10.46793/kgjmat2405.787g	-	गणित
363	ग्रेनाडोस, सी., दास, ए., और ओसु, बी. (2023)। वेटेड न्यूट्रोसोफिक सॉफ्ट मल्टीसेट और निर्णय लेने के लिए इसका अनुप्रयोग। यूगोस्लाव जर्नल ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 33 (2), 293-308। https://doi.org/10.2298/yjor220915034g	-	गणित
364	दत्ता, आर., डे, आर., सरवनकुमार, आर., और गुएल्टन, के. (2023)। बहुपद आधारित अभिन्न असमानता का उपयोग करके विलंबित फजी सिस्टम के लिए विस्तारित डिसिपेटिविटी विश्लेषण। आईएफएसी-पेपरऑनलाइन, 56(2), 2196-2201। https://doi.org/10.1016/j.ifacol.2023.10.1127	-	गणित
365	मुखर्जी, एन., मैत्रा, एस., घोष, ए., सेनगुप्ता, टी., एलेक्सियो, ए., सुब्रमण्यन, वी., और आनंद, के. (2024)। सिनर्जाइजिंग प्रोटियोलिसिस-टार्गेटिंग चिमेरा एंड नैनोस्केल एक्सोसोम- बेस्ड डिलिवरी मैकेनिज्म फॉर एचआईवी और एंटीवायरल थेरेप्यूटिक्स। एसीएस एप्लाइड नैनो मटेरियल्स, 7 (4), 3499-3514। https://doi.org/10.1021/acsanm.3c04537	-	आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान
366	साहू, ए.एन., महापात्र, डी., और आचार्य, पीसी (2024)। फाइटोफार्मास्युटिकल्स के ट्रांसडर्मल डिलीवरी के लिए नैनोवेसिकुलर अल्ट्राफ्लेक्सिबल इनवासोम और इनवासोमल जेल। नैनोमेडिसिन, 19(9), 737-740। https://doi.org/10.2217/nnm-2024-0029	-	भेषज विज्ञान
367	मेहता, एनके., पाल, डी., मजूमदार, आरके., प्रियदर्शिनी, एमबी, दास, आर., देबबर्मा, जी., और आचार्य, पीसी (2023)। मछली की मांसपेशियों की बनावट की गुणवत्ता और मछली की मांसपेशियों से फॉर्मलाडेहाइड कमी के लिए नियोजित तरीकों पर कृत्रिम फॉर्मलाडेहाइड उपचार का प्रभाव। फुड कैमिस्ट्री एडवांसेस , 3, 100328। https://doi.org/10.1016/j.focha.2023.100328	-	भेषज विज्ञान
368	कोंडोली, बी., वेमुला, डी., ब्रह्मा, यू., भंडारी, वी., और आचार्य, पीसी (2023)। "डिस्पायरोपायरोलिडिनिल ऑक्सिन्डोल डेरिवेटिव के स्टीरियोसेलेक्टिव संश्लेषण और उनके जीवाणुरोधी प्रभावकारिता का मूल्यांकन"। फुड कैमिस्ट्री एडवांसेस, एल्सेवियर, 3, 100328। https://doi.org/10.2139/ssrn.4380116	-	भेषज विज्ञान
369	मिश्रा, बी., आचार्य, पी.सी., और डीई, यू. सी. (2023)। "एन्थ्राक्विनोन और संतृप्त फैटी एसिड संयुग्म की संश्लेषण और एंटीनोप्लास्टिक प्रभावकारिता"। केमिस्ट्री सलेक्ट, 8(25), e202301502। https://doi.org/10.1002/slct.202301502	-	भेषज विज्ञान

370	सरकार, ए., देबनाथ, एस., दास चौधरी, बी., घोष, आर., और देबनाथ, बी. (2024)। "डिक्लिप्टेरा पैनिकुलटा से फाइटोकॉन्स्टिट्यूमेंट्स की पहचान और आणविक डॉकिंग द्वारा निर्देशित जीवाणुरोधी गतिविधि का अध्ययन"। सिलिको फार्माकोलॉजी में, 12 (1)। https://doi.org/10.1007/s40203-024-00196-2	-	भेषज विज्ञान
371	चौधरी, एमवी, चौधरी, यू., साहू, जेके, और बागडे, एसबी (2024)। स्टेबिलिटी इन्डिकेटिंग मेथड डेवलपमेंट एंड वैलिडेशन फॉर दे एस्टिमेसन ऑफ बेम्पेडोइक एसिड बाई आरपी-एचपीएलसी। ड्रग मेटाबोलिज्म एंड बायोएनालिसिस लेटर्स, 17 (1), 23-33। https://doi.org/10.2174/0118723128278080240404052506	-	भेषज विज्ञान
372	देबनाथ, बी., मन्ना, के., सिंह, डब्ल्यूएस, और गोस्वामी, एस. (2024)। मधुमेह मेलेटस के उपचार के लिए नई हर्बल न्यूट्रास्यूटिकल टैबलेट का निर्माण और मूल्यांकन। जर्नल ऑफ ड्रग रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज, 9 (1), 29-39। https://doi.org/10.4103/jdras.jdras_48_23	-	भेषज विज्ञान
373	मन्ना, के., सोमराज सिंह, डब्ल्यू., गोस्वामी, एस., आशिफ इकबाल, एएम, राजखोवा, ए., और देबनाथ, बी. (2023)। प्रयोगात्मक संयंत्र व्युत्पन्न एल्कलॉइड का मेटाबोलाइट्स अध्ययन: एक समीक्षा। द नेचुरल प्रोडक्ट जर्नल, 13 (7), 64-78। https://doi.org/10.2174/2210315513666230130093453	-	भेषज विज्ञान
374	देब, आर., रहमान, एफ.वाई., सरकार, एस., बानिक, एच., पॉल, पीके, भट्टाचार्जी, डी., अलीब्राहिम, केए, अलोधायब, एएन, और हुसैन, एसए (2024)। "ZnO नैनोकण-प्रेरित एक कोउमेरिन-आधारित गैर-वाष्पशील मेमोरी डिवाइस की प्रदर्शन वृद्धि"। एसीएस एप्लाइड इंजीनियरिंग मटेरियल, 2 (4), 1141-1152। https://doi.org/10.1021/acsaenm.4c00132	-	भौतिक विज्ञान
375	होर, एस., दीवानजी, ए., और चटर्जी, ए. (2023)। हाइब्रिड वीएनएस एल्गोरिथ्म के माध्यम से सामान्यीकृत रैखिक मॉडल के तहत दो उपचारों में ज्ञात सहसंयोजकों के साथ इष्टतम आवंटन। सांख्यिकी में संचार - सिमुलेशन और संगणना, 54 (1), 218-233। https://doi.org/10.1080/03610918.2023.2250585	-	सांख्यिकी
376	प्रधान, एस., होर, एस., रॉय, एस., मन्ना, एस., डैम, पी., मंडल, आर., घाटी, ए., बिस्वास, टी., शॉ, एस., शर्मा, एस., सिंह, डब्ल्यू.एस., माजी, एस.के., रॉय, एस., बसु, ए., पांडेय, के.सी., सामंत, एस., वशिष्ठ, के., डोलाई, टी.के., कुंडू, पी.के., ... आईएनसीई, आईए (2023)। "भू-पर्यावरणीय कारक और मलेरिया के प्रबंधन में शहतूत के पत्ते के अर्क की प्रभावशीलता"। साइंटिफिक रिपोर्ट, 13 (1)। https://doi.org/10.1038/s41598-023-41668-3	-	सांख्यिकी
377	देबनाथ, पी., रॉय, एस., भारद्वाज, एस., होर, एस., नाथ, एच., मित्रा, एस., और सियोबोटारू, ए. (2023)। भारत के रामसर स्थल रुद्रसागर आर्द्रभूमि की जल गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए बहुचर सांख्यिकीय और भू-स्थानिक तकनीकों का अनुप्रयोग। पानी, 15(23), 4109. https://doi.org/10.3390/w15234109	-	सांख्यिकी
378	मित्रा, एस., रॉय, एस., और होर, एस. (2023)। अगरतला शहर का जनसंख्या वितरण और शहरी नियोजन और विकास पर इसका महत्व। पॉपुलेशन जियोग्राफी, 45 (2), 47-64।	-	सांख्यिकी
379	देबनाथ, पी., रॉय, एस., होर, एस., और मित्रा, एस. (2023)। भूस्खलन प्रवण क्षेत्र की आर्थिक व्यवहार्यता को बनाए रखने के लिए हाइब्रिड वीएनएस एल्गोरिथ्म का उपयोग करके इष्टतम माल ढुलाई मार्ग का मानचित्रण: त्रिपुरा की एक केस स्टडी। नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स, 47 (1), 103-109। https://doi.org/10.1007/s40009-023-01273-4	-	सांख्यिकी
380	रॉय, एस., मज़ुल्ला, जी., होर, एस., और मित्रा, एस. (2023)। यात्रियों की सामाजिक-आर्थिक संरचना और त्रिपुरा, भारत में रेलवे अवसंरचना और सेवाओं की धारणा पर इसके प्रभाव की खोज करना। पब्लिक ट्रांसपोर्ट, 16 (1), 213-240। https://doi.org/10.1007/s12469-023-00328-5	-	सांख्यिकी
381	होर, एस., रॉय, एस., बरुआ, एम., और मित्रा, एस. (2024)। "सिंथेटिक कॉम्बिनेटरिक्स के माध्यम से नेटवर्क टोपोलॉजी के मजबूत वर्गीकरण के लिए स्थानिक डेटा विश्लेषण"। एनल्स ऑफ डेटा साइंस। https://doi.org/10.1007/s40745-024-00523-6	-	सांख्यिकी
382	सिंह, एस. एस., सरमा, एस., कश्यप, ए., और चक्रवर्ती, ए. (2024)। मेलाटोनिन प्रोटेक्ट्स अगेन्स्ट ऑक्सिडेटिव डैमेज इन द स्प्लीन एंड डिटोरिएसन ऑफ इम्यून फंक्शन इन फोर्स्ड स्विम स्ट्रेस्ड लेबोरेटरी माइस। जर्नल ऑफ एप्लाइड बायोलॉजिकल साइंस, 18 (1), 78-93।	-	प्राणीविज्ञान

क्रं.	प्रकाशित पुस्तक अध्याय	विभाग
1	चकमा, पीके (2023)। शक्तिपद राजगुरु 'शाल्पियालर बान' उपन्यास: संताल जीवन ओ संस्कृति। *औपनिबेशिकोत्तरबांग्ला कथासाहित्य में* (पीपी। गुटेनबर्ग।	बांग्ला
2	चकमा, पीके (2023)। चकमा चराय शिशु मानस्तवा। *उत्तरपूर्बेर लोकसाहित्ये शिशु मनस्तवा* (पीपी। तालुकदार प्रिंटर।	बांग्ला
3	चकमा, पीके (2024)। टगर भट्टाचार्येर गल्प बिसाई भाबना। *त्रिपुरार बांग्ला छोटोगल्पो ओ गोल्पकार (भाग-2)* (पृ. 165-190) में। निहारिका पब्लिशर्स।	बांग्ला
4	चकमा, पीके (2024)। आदिबासी जीबने पूजा परबान। *त्रिपुराई आदिवासी लोकोसंस्कृति* (पृ. 163-169) में। स्वागतम प्रकाशनी	बांग्ला
5	देब, एम. (2023)। श्यामल भट्टाचार्येर उपन्यास: एकटी अबलोकन, *औपनिबेशिकोत्तर बांग्ला कथा साहित्य में* (पीपी। गुटेनबर्ग।	बांग्ला
6	देब, एम. (2023)। *त्रिपुरार आदिवासी लोकोकोथाई शिशु मानस्तवा* (पृ. 143-152)। तालुकदार प्रिंटर।	बांग्ला
7	देब, एम. (2024)। दीपक देबेर गल्प: एक अमोघो निशि कोथा। *त्रिपुरार बांग्ला छोटोगल्पो ओ गोल्पकार (भाग-2)* (पृ. 299-317) में। निहारिका पब्लिशर्स।	बांग्ला
8	गुप्ता, पीएस (2023)। "महेश दत्तानी के नाटकों में इच्छा की मिमेसिस: प्रदर्शन में यौन राजनीति". *रंगमंच, मार्जिन और राजनीति में: एक परिचय* (पीपी। रूटलेज।	अंग्रेज़ी
9	गुप्ता, पी एस (2024)। "लक्ष्मी और अलक्ष्मी: द डिकोटॉमी एक्सप्लोर". ट्रीजर्स ऑफ लक्ष्मी *: द गॉडेस हू गिव्स* (पृ. 275-278)। पेंगुइन बुक्स।	अंग्रेज़ी
10	मिश्रा, वी. के. (2023)। छायावादी कवियों की सौंदर्य दृष्टि। *छायावाद के सौ वर्ष और मुकुटधर पाण्डेय में* (पीपी। 36-44)। नेशनल पब्लिशिंग हाउस।	हिंदी
11	झा, के. सी., &; कुमार, आर. (2024)। रवीन्द्रनाथ ठाकुर एवं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य में भारतीयता। *भारतीय भाषा और साहित्य का अनुबंध* में (पीपी। 15-21)। परिदृश्य प्रकाशन।	हिंदी
12	मौर्य, एम.के. (2023)। स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी कविता। *स्वाधीनता अनोदलन और हिन्दी कविता में* (पीपी। 126-135)। कस्तूरी विजयम।	हिंदी
13	पांडे, ए. (2024)। गीतावली: बालकांड-2: व्याख्या। *तुलसीदास* में(पीपी। 257-270)। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी।	हिंदी
14	पांडे, ए. (2024)। महादेवी वर्मा के निबंध 'जीने की कला' की विवेचना। *हिन्दी निबंध* में(पीपी। 219-237)। मौलाना आजाद नेशनल उरडू यूनिवर्सिटी।	हिंदी
15	देबबर्मा, एस. (2023)। त्रिपुरा में लिंग, खाद्य सुरक्षा और चावल की खेती। *रूटलेज रीडिंग ऑन कोलोनियल टू कंटेम्परारी नॉर्थईस्टर्न इंडिया: प्रथागत प्रथाएं, लिंग और आजीविका* (पीपी 221-242)। रूटलेज।	इतिहास
16	रियांग, एल. (2023)। ब्रू (रियांग) परंपरा और स्थानांतरण खेती (झूम)। *आत्मनिर्भर भारत के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत* में (पृ. 106-117)। नौगाँव कॉलेज।	इतिहास
17	रेयांग, एल. (2023)। कॉऊब्रू (इन हिन्दी)। *भारतीय भाषा लोक सर्विक्षण में(पीएलएसआई) वोल।28, पार्ट 1 त्रिपुरा की भाषायें* (पीपी। 43-70)। ओरिएंट ब्लैक स्वान।	इतिहास
18	देबबर्मा, एस. (2024)। कोकबरॉक की टाइपोलॉजिकल प्रोफ़ाइल। *बोडो-गारो भाषाओं और भाषाविज्ञान पर अध्ययन* में (पीपी159-178)ईबीएच।	कोकबरॉक
19	देबबर्मा, एस. (2023)। कोकबरॉक भाषा का रूपात्मक विश्लेषण। *पूर्वोत्तर भारत की गैर-आर्य भाषाओं* में (पीपी. 464-497). बांधव।	कोकबरॉक
20	सरमा, एजे (2023)। हेगेल की आत्मा की अवधारणा (जीस्ट)। *दार्शनिक विचारों के संकलन* में (पीपी334-349) आलिबात प्रकाशन।	दर्शन शास्त्र
21	सरमा, एजे (2023)। भारतीय राष्ट्रवाद पर श्री अरबिंदो। बेटर इंडीड ऑल लैंड्स में (पीपी 130-136)। आथर्स प्रेस।	दर्शन शास्त्र

22	सरमा, एजे (2024)। अहिंसा और शांति पर गांधी। *शांति के व्यवहार में: गांधीवादी आध्यात्मिकता के समकालीन रूप* (पीपी 59-64)। आथर्स प्रेस।	दर्शन शास्त्र
23	पौडयाल, एस. (2023)। नारीवाद और भारत में पिछले दशक के पहलू: अतिशोषित लोकप्रिय संस्कृति का विश्लेषण। *महिला शिक्षा और समाज में* (पीपी 36-41)। मानब प्रकाशन।	दर्शन शास्त्र
24	पौडयाल, एस. (2024)। व्यक्तिपरकता का अतिक्रमण: पी आर सरकार के नव-मानवतावाद में महामारी विज्ञान सामाजिक स्व का एक समकालीन अन्वेषण। चेतना की खोज में*: भारतीय और पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य खंड -1* (पीपी 167-184)। डी.के.	दर्शन शास्त्र
25	देबनाथ, बी. (2023)। लोगों को सुरक्षा खतरे के रूप में मानना: शरण चाहने वालों के मुद्दे पर ऑस्ट्रेलिया की प्रतिक्रिया। *माइग्रेशन एंड डायस्पोरा* में (पीपी 77-91) एमराल्ड प्रकाशन।	राजनीति विज्ञान
26	थिंगुजम, एनएस, और निंगोमबम, डीडी (2024)। विविध संस्कृतियों में भावना विनियमन की अवधारणा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। सांस्कृतिक *संदर्भ में भावनाएँ* में (पीपी 95-108)। स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड।	मनोविज्ञान
27	भौमिक, एम., और भट्टाचार्जी, ए. (2024)। कामुकता की खोज: भारत में एक मनोवैज्ञानिक रुख। *कामुकता और मानसिक स्वास्थ्य के मनोविज्ञान में, वॉल.1: स्वदेशी दृष्टिकोण* (पीपी 121-142)। स्प्रिंगर।	मनोविज्ञान
28	भौमिक, एम., घोष, टी., रॉय, ए., और भट्टाचार्जी, ए. (2024)। मन और मानसिकता: विकलांगता वाले लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक समीक्षात्मक विश्लेषण। *विकलांगता को समझने में: एक अंतःविषय दृष्टिकोण* (पीपी 290-311)। कांशका पब्लिशर्स।	मनोविज्ञान
29	बनिक, पी., और चौधरी, जे. (2023)। वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) और जनजातीय आजीविका पर इसका प्रभाव: त्रिपुरा राज्य में एक अनुभवजन्य अध्ययन। *एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ग्रामीण विकास: उत्तर पूर्व भारत और उसके पड़ोसी देश* (पीपी 45-66)। डीपीएस पब्लिशिंग हाउस।	ग्रामीण विकास
30	चौधरी, जे., और बनिक, पी. (2023)। भारत के त्रिपुरा राज्य में पीवीटीजीज के बीच जनजातीय आजीविका को बढ़ावा देने में वन अधिकार अधिनियम का प्रभाव। *भारत में सामाजिक अपवर्जन, आर्थिक हाशियाकरण और जनजातीय मुद्दे* (पीपी 44-64)। डीपीएस पब्लिशिंग हाउस।	ग्रामीण विकास
31	पाणिग्रही, डी. (2023)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद। *उज्ज्वलशास्त्र-वैभवम् में,* (पृ. 143-147)। शिवालिक प्रकाशन।	संस्कृत
32	पाणिग्रही, डी. (2023)। भारतीय दर्शन में आत्मन की प्रेरणा। *शास्त्रीय भारतीय दर्शन की प्रासंगिकता में आज* (पृ. 30-35)। AAYU प्रकाशन।	संस्कृत
33	बसु, एस. (2023)। 'अपशिष्ट से ऊर्जा' माइक्रोबायोम की संरचनात्मक और कार्यात्मक अंतर्दृष्टि के लिए 'ओमिक्स' दृष्टिकोण। करेन्ट रिसर्च ट्रेंड्स एंड एप्लीकेशन इन वेस्ट मैनेजमेंट में (पीपी 293-299)। स्प्रिंगर नेचर।	वनस्पति-शास्त्र
34	भगवती, एम., धार, सी., सरमा, डी., दास, एम., और दत्ता, बीके (2024)। बेहतर कृषि स्थिरता की दिशा में आर्टीफीसियल इंटेलीजेंस का एकीकरण। *समावेशी विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की एक बुनियादी पुस्तिका में [खंड: 1]* (पीपी 293-299)। इंटरनेशनल एकेडमिक पब्लिशिंग हाउस।	वनस्पति-शास्त्र
35	बिस्वास, एस.के., साहू, टी., श्रीवास्तव, पी., चंद्रा, ए., और रेड्डी, बीवीएस (2024)। मौखिक रूप से सक्रिय COVID-19 (SARS-CoV-2) एंटीवायरल ड्रग मोलनुपिराविर की जैविक गतिविधि और संश्लेषण। *समावेशी विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की एक बुनियादी पुस्तिका* में (पीपी 13-39)। इंटरनेशनल एकेडमिक पब्लिशिंग हाउस।	रसायन शास्त्र
36	गोस्वामी, पी., गोगोई, एम., देबनाथ, एस., और खान, एके (2023)। क्लाउड संसाधन पूल में हस्ताक्षर-आधारित बैच ऑडिटिंग सत्यापन. *कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार में* (पृष्ठ 181-193)। स्प्रिंगर।	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
37	पाल, एस., चावंगसांगपुई, आर., और देबनाथ, एस. (2024)।कंपेटिबिलिटी चेकिंग टु एडॉप्ट मैनेट इन LoRaWAN फॉर लॉग रेंज कनेक्टिविटी। लेक्टर नोट्स ऑन *नेटवर्क एंड सिस्टम में वॉल्यूम 991* (पृष्ठ 3-12)। स्प्रिंगर।	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

38	बिस्वास, सी., भट्टाचार्जी, एस, दास, यू, और नंदी, सी. (2023)। माइक्रोग्रिड की ऊर्जा प्रबंधन रणनीतियाँ: समीक्षा, चुनौतियाँ, अवसर, भविष्य का दायरा। *शहरी ऊर्जा प्रणालियों में: स्मार्ट शहरों के लिए मॉडलिंग और सिमुलेशन* (पीपी 93-118)। विली ऑनलाइन लाइब्रेरी।	विद्युत अभियांत्रिकी
39	दास चौधरी, बी., भट्टाचार्जी, ए., और देबनाथ, बी. (2024)। "एक्विलारिया मैलाकेंसिस लैम से अगरवुड तेल उत्पादन में एंडोफाइटिक रोगाणु": सामाजिक आर्थिक विकास के लिए जैव-संसाधनों का विकास। *पर्यावरणीय स्थिरता और परिपत्र अर्थव्यवस्था के लिए उन्नत हरित प्रौद्योगिकी* में (पृष्ठ 278)। सीआरसी प्रेस।	वानिकी और जैव विविधता
40	लुमगैलु, पी., और थिरु, टी. (2024)। बांस-आधारित आजीविका विविधीकरण के साथ पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन: भारत के पूर्वी हिमालय में एक केस स्टडी। *जलवायु संकट, सामाजिक प्रतिक्रियाएं और स्थिरता-जलवायु परिवर्तन प्रबंधन* (पृष्ठ 665-694)। स्प्रिंगर।	वानिकी और जैव विविधता
41	सिन्हा, एके, रियांग, एमके, और देब, एस. (2023)। ब्रूम ग्रास (थिसानोलेना ला टिफोलिया) का प्रसंस्करण और क्षमता। एडवांस्ड ग्रीन टेक्नोलॉजी फॉर इन्वायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी एंड सर्कुलर एकोनॉमी। एप्पल अकादमिक प्रेस।	वानिकी और जैव विविधता
42	देबनाथ, पी., रॉय, एस., और मित्रा, एस. (2023)। सतत आर्द्रभूमि प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक दृष्टिकोण और WAWQI का उपयोग: रुद्रसागर आर्द्रभूमि, भारत के रामसर स्थल का एक केस स्टडी। *भूमि, जल और अवसंरचना विकास में भू-सूचना संबंधी अनुप्रयोगों* में (पीपी 15-36)। ग्लोबल पब्लिशिंग हाउस।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
43	बरुआ, एम., होर, एस., रॉय, एस., और मित्रा, एस. (2023)। पूर्वोत्तर भारत की क्षेत्रीय सांख्यिकी: विकास का प्रतिमान। *विकास परिप्रेक्ष्य में* (पीपी 66-83)। अर्थशास्त्र विभाग, शिवसागर कॉलेज।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
44	रॉय, एस., और मित्रा, एस. (2024)। मशीन लर्निंग दृष्टिकोण के माध्यम से सिक्किम हिमालय में असंगठित पर्यटन प्रथाओं और संबंधित चुनौतियों के प्रभाव की खोज। हिमालय इन द *एंथ्रोपोसीन में। स्प्रिंगर, चाम।* (पीपी 133-150)। स्प्रिंगर नेचर।	भूगोल और आपदा प्रबंधन
45	रे, टीके, सरकार पी., दास बी., और बोराल ई. (2023)। शहरी विरासत स्थल के मूल्यांकन पर एक प्रयास, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल और भारतीय संग्रहालय, कोलकाता का तुलनात्मक अध्ययन। *भारत में पर्यावरण प्रबंधन और स्थिरता में: पश्चिम बंगाल से केस स्टडीज* (पीपी 393-410)। स्प्रिंगर।).	भूगोल और आपदा प्रबंधन
46	एस.के. सील. (2023). लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क एंड सिस्टम।. *संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी पर नाइलिट के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही* में (पृष्ठ 577-591)। स्प्रिंगर।	मानव शरीर क्रिया विज्ञान
47	पाल, एस. (2023)। "म्यूरिन मॉडल में कार्बोहाइड्रेट चयापचय के परिवर्तन पर सब एक्यूट लोड एक्सपोजर का डोज रिस्पॉन्सिव इफेक्ट"। *फार्मास्युटिकल साइंसेज पर वर्तमान अवलोकन में, वॉल्यूम 6, अध्याय 6* (पीपी 89-103)। बुक पब्लिशर इंटरनेशनल।	मानव शरीर क्रिया विज्ञान
48	दास, एस., कुमार, पी., पाल, एस., और मजूमदार, एस. (2023)। "डीप लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके फेफड़ों के कैंसर का स्वचालित पूर्वानुमान"। *एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस* में (पीपी.90-120)। सीआरसी प्रेस।	सूचना प्रौद्योगिकी
49	दास, एस., दास, एस., देबरे, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2023)। अंधेपन से बचने के लिए डायबिटिक रेटिनोपैथी का स्वचालित अन्वेषण। *एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस* में (पीपी। सीआरसी प्रेस।	सूचना प्रौद्योगिकी
50	दास, एस., मिश्रा, एम., और मजूमदार, एस. (2023)। मोबाइलनेट मॉडल का उपयोग करके रेटिना फंडस छवियों से मधुमेह रेटिनोपैथी का स्वचालित पता लगाना। *नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स में ((एलएनएनएस, वॉल्यूम 967)) संचार और इंटेलिजेंट सिस्टम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही* (पीपी 303-313)। स्प्रिंगर प्रकृति।	सूचना प्रौद्योगिकी
51	बिस्वास, सी., चक्रवर्ती, ए., और मजूमदार, एस. (2023)। ऊर्जा प्रणालियों का एकीकृत प्रबंधन। *एकीकृत ऊर्जा प्रणालियों में: डिजाइन, नियंत्रण और संचालन* (पीपी 91-100)। नोवा प्रेस।	सूचना प्रौद्योगिकी

52	बिस्वास, सी., चक्रवर्ती, ए., और मजूमदार, एस. (2024)। सतत ऊर्जा प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में वर्तमान प्रगति। *आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के साथ सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस* में (पीपी 35- 46)। सीआरसी प्रेस।	सूचना प्रौद्योगिकी
53	रॉय, के., सरकार, पी., और रॉय, ए. (2024)। पानी के नीचे वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए मल्टीचैनल मैक प्रोटोकॉल: एक सर्वेक्षण। *उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: एक परिवर्तनकारी और सतत समाज की ओर (HERTSS-2023)।* त्रिपुरा विश्वविद्यालय।	सूचना प्रौद्योगिकी
54	सिंह, एस. के., रौशन, आर., और रॉय, ए. (2024)। पानी के नीचे वायरलेस सेंसर नेटवर्क में क्लस्टरिंग एल्गोरिदम: एक सर्वेक्षण। *उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: एक परिवर्तनकारी और सतत समाज की ओर (HERTSS-2023)।* त्रिपुरा विश्वविद्यालय।	सूचना प्रौद्योगिकी
55	गुप्ता, एस., और रॉय, ए. (2024)। रैंसमवेयर का पता लगाने के तरीकों पर एक सर्वेक्षण। *उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: एक परिवर्तनकारी और सतत समाज की ओर (HERTSS-2023)।* त्रिपुरा विश्वविद्यालय।	सूचना प्रौद्योगिकी
56	मजूमदार, डी., रॉय, ए., और देवी, एम. (2024)। सांस्कृतिक संरक्षण को प्रोत्साहन: मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य के लिए मशीन लर्निंग-आधारित हैंड जेस्चर रिकग्नीशन। *उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रक्रियाओं में: एक परिवर्तनकारी और सतत समाज की ओर (HERTSS-2023)।* त्रिपुरा विश्वविद्यालय।	सूचना प्रौद्योगिकी
57	दासगुप्ता, एस., और रॉय, ए. (2024)। पानी के नीचे वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए मैक प्रोटोकॉल पर एक सर्वेक्षण। *उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: एक परिवर्तनकारी और सतत समाज की ओर (HERTSS-2023)।* त्रिपुरा विश्वविद्यालय।	सूचना प्रौद्योगिकी
58	कर्मकार, पी., और रॉय, ए. (2024)। पानी के नीचे वायरलेस सेंसर नेटवर्क के लिए कवरेज और कनेक्टिविटी पर एक सर्वेक्षण। *उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में: एक परिवर्तनकारी और सतत समाज की ओर (HERTSS-2023)।* त्रिपुरा विश्वविद्यालय।	सूचना प्रौद्योगिकी
59	प्रमाणिक, एके, पाल, जे, और सेन, बी. (2024)। "सेलुलर ऑटोमेटा का उपयोग करके फॉल्ट-टॉलरेंट क्यूसीए लॉजिक सर्किट का संश्लेषण"। *सेलुलर ऑटोमेटा प्रौद्योगिकी में। एएससीएटी 2024। कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, वॉल्यूम 2021* (पीपी 182-191)। स्प्रिंगर।	सूचना प्रौद्योगिकी
60	साहा, एस., और नागराजू, जी. (2024)। मशीन लर्निंग का उपयोग करके बाढ़ का पूर्वानुमान। *इंटरनेशनल जर्नल फॉर इनोवेटिव इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट रिसर्च* में (पीपी।	सूचना प्रौद्योगिकी
61	तेरांग, जी., बोरो, के., और नंदी, एस. (2023)। मशीन लर्निंग का उपयोग करके हृदय रोग विश्लेषण और पूर्वानुमान। डॉयवर्सिटी में *(बहु-विषयक संपादित पुस्तक)* (पीपी। वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीएसआरडी)।	सूचना प्रौद्योगिकी
62	भट्टाचार्य हलदर, एस., और सरकार, टी. (2023)। ए स्टडी इन इन्टरवल-वैल्यूड इन्ट्यूसनिस्टिक फजी ऑस्सिलेटरी रीजन। *उन्नत संचार और मशीन इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, स्वायत्त, डेटा-संचालित और औद्योगिक कंप्यूटिंग में अध्ययन। एमआईसीए 2022: स्प्रिंगर सिंगापुर* . स्प्रिंगर।	गणित
63	भट्टाचार्य हलदर, एस., और मजूमदार, बी. (2023)। इन प्लेन एंड आउट प्लेन रोटेशन फेस डिटेक्शन मॉडल। *एलएनएन में, स्प्रिंगर* (पीपी 978-981)। स्प्रिंगर।	गणित
64	देबनाथ, एस., और चौधरी, सी. (2024)। ग्रेजुअल नॉर्म्ड लीनियर स्पेसेस। एडवांसेस इन फंक्शनल एनॉलिसिस एंड फिक्स्ड पॉइन्ट थ्योरी में (पीपी 121-141)। स्प्रिंगर।	गणित
65	रॉयचौधुरी, एस., और मैत्रा, आर. (2024)। बैक्टीरिया, वायरस और कवक के लिए आणविक निदान। *आणविक निदान के विकसित परिदृश्य में* (पीपी 25-40)। एल्सेवियर इंक।	सूक्ष्मजैविकी

66	शशि भूषण, एस., जयकृष्णन, यू., रॉयचौधुरी, एस., और सिमेस्क, एच. (2023)। एक्सट्रोफाइल बायोफिल्म व्यवहार, लक्षण वर्णन और किफायती अनुप्रयोग। *एक्सट्रीमोफाइल्स अपशिष्ट जल और अल्गल बायोरेफाइनरी* में (पीपी243-276) सीआरसी प्रेस।	सूक्ष्मजैविकी
67	पाटी, एस.,, बनर्जी, एस., और रॉयचौधुरी, एस. (2023)। बायोनैनोकण: अपशिष्ट जल उपचार में संश्लेषण और अनुप्रयोग। *औद्योगिक प्रवाह उपचार में जैव नैनो निस्पंदन में-उन्नत और अभिनव दृष्टिकोण* (पीपी 137-156)। सीआरसी प्रेस।	सूक्ष्मजैविकी
68	रॉयचौधुरी, एस. (2023)। टेलर मेड माइक्रोबियल अपशिष्ट जल उपचार। *औद्योगिक प्रवाह उपचार में जैव नैनो निस्पंदन में-उन्नत और अभिनव दृष्टिकोण* (पीपी 69-83)। सीआरसी प्रेस।	सूक्ष्मजैविकी
69	बनर्जी, एस., पाटी, एस., और रॉयचौधुरी, एस. (2023)। एल्गी बैक्टीरियल मिक्स्ड कल्चर फॉर वेस्ट टु वेल्थ कनवर्सन : ए केस स्टडी। *अल्गल जैव ईंधन उत्पादन में तकनीकी प्रगति में* (पीपी 271-295)। स्प्रिंगर प्रकृति।	सूक्ष्मजैविकी
70	रॉयचौधुरी, एस. (2023)। क्या अल्गल जैव ईंधन पेट्रोकेमिकल संकट का जवाब है? *जैव ईंधन की पर्यावरणीय स्थिरता* में (पीपी 299-312)। एल्सेवियर इंक।	सूक्ष्मजैविकी
71	युमनम, बीए, बसु, एस., बोरगोहेन, के., और शर्मा, बीके (2024)। पूर्वोत्तर भारत में फर्मेंटेशन प्रौद्योगिकी परंपरा - फर्मेंटेड खाद्य पदार्थ और मादक पेय। *कृषि अभियांत्रिकी और खाद्य विज्ञान में भविष्य के रुझान में, खंड 3, पुस्तक 8, भाग 2, अध्याय 2* (पीपी 21-31)।	सूक्ष्मजैविकी
72	बसु, एस., भट्टाचार्य, आर., और शर्मा, बीके (2024)। चिकित्सा विज्ञान में बायोमार्कर की भूमिका। जैव *प्रौद्योगिकी में भविष्य के रुझान में, खंड 3, पुस्तक 18, भाग 1, अध्याय 1* (पीपी 1-41)।	सूक्ष्मजैविकी
73	बोरगोहेन, के., धार, आर., और शर्मा, बीके (2024)। बायोरेमेडिएशन के तरीके और हरित और टिकाऊ पर्यावरण की वृद्धि के लिए उनकी वर्तमान प्रगति। *जैव प्रौद्योगिकी में भविष्य के रुझान में, खंड 3, पुस्तक 24, भाग 2, अध्याय 3* (पीपी 222-231)।	सूक्ष्मजैविकी
74	बोरठाकुर, डी., बरलास्कर, ई., मेधी, एस.पी., और शर्मा, बी.के. पूर्वोत्तर, भारत के पारंपरिक फर्मेंटेड खाद्य और पेय पदार्थों से सुगंध और स्वाद पैदा करने वाले बैक्टीरिया और खमीर की स्क्रीनिंग और लक्षण वर्णन। *संचार, इलेक्ट्रॉनिकी तथा अंकीय प्रौद्योगिकी पर नाइलिट के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, नेटवर्क तथा प्रणालियों में व्याख्यान टिप्पणियां,* (पृ. 455-476)। स्प्रिंगर प्रकृति।	सूक्ष्मजैविकी
75	देबबर्मा, जी.,, और आचार्य, पीसी (2024)। कैनबिस और इसके डेरिवेटिव: चिकित्सा अनुप्रयोग और नियामक चुनौतियों के लिए गाइड। *कैनबिस और डेरिवेटिव* में (पीपी। अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर।	भेषजविज्ञान
76	कश्यप, ए., सरमा, एस., चक्रवर्ती, ए., मोहन, डी., और सिंह, एस एस (2024)। "डार्क हार्मोन मेलाटोनिन के चिकित्सीय प्रभावों पर एक संक्षिप्त दस्तावेज"। *डॉयवर्सिटी में* (पीपी 23-38)। वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीएसआरडी)।	प्राणीविज्ञान
77	श्रीवास्तव, एस के, और अवस्थी, एल एस (2024)। जैव सूचना विज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोग। *अभियांत्रिकी प्रथाओं में स्थिरता सिद्धांत और अनुप्रयोग में* (पीपी 443-467)। नोवा साइंस पब्लिशर्स।	प्राणीविज्ञान
78	डे, ए., और चौधरी, पीएस (2024)। पश्चिम त्रिपुरा, भारत में केंचुआ आबादी और अनानास (अनानास कोमोसस) उत्पादकता पर रबर लीफ लिटर वर्मीकम्पोस्ट का प्रभाव। *कृषि विज्ञान में अनुसंधान अग्रिम और चुनौतियां* (पीपी 1-19)। बीपी इंटरनेशनल।	प्राणीविज्ञान

क्र. सं.	प्रकाशित पुस्तकें (एपीए शैली संदर्भ)	विभाग
1	दासगुप्ता, पी. (2024)। पुरोनो दिनेर मेयेर लेखा, मेयेदेर निये लेखा, आईएसबीएन: 9788119240272	बांग्ला
2	दास, एस. (2023)। कृषि/बागवानी योजनाओं पर समवर्ती मूल्यांकन के साथ सामाजिक-आर्थिक प्रभाव अध्ययन। एलाइड पब्लिकेशन आईएसबीएन: 978-9390951628	अर्थशास्त्र
3	प्रेमचंद्र, के. (2023)। एड्रिफ्ट: स्वतंत्रता के बाद मणिपुरी कविता का एक संकलन। साहित्य अकादमी, नई दिल्ली। आईएसबीएन: 978-81-19499-05-2	अंग्रेज़ी
4	प्रेमचंद्र, के. (2024)। टेल्स टोल्ड इन त्रिपुरा, त्रिपुरा बानी प्रकाशनी, अगरतला। आईएसबीएन: 978-81-956058-5-9	अंग्रेज़ी
5	जमतिया, एम. आर. (को-ऑथर &अनुवादक) (2023)।जमातियालोकसाहित्य। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा (शिक्षा मंत्रालय, भरत सरकार)। आईएसबीएन: 978-81-961434-9-7	हिंदी
6	जमतिया, एम. आर. (अनु.) (2024)। त्रिपुरा की भाषाएं, पीएलएसआई खंड-28, भाग-1। ओरिएंट ब्लैक स्वान, न्यू दिल्ली। आईएसबीएन: 978-93-5442-518-9	हिंदी
7	रियांग, एल. (2024)। रियांग (ब्रू) का इतिहास। ईस्टर्न बुक हाउस (ईबीएच), गुवाहाटी। आईएसबीएन: 978-93-92038-17-4	इतिहास
8	राई, आर (2004)। जवाहरलाल नेहरू और उनके जीवन में महिलाएं: महिलाओं के साथ उनकी अंतर-व्यक्तिगत गतिशीलता पर एक अध्ययन। अभिजीत प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-93-88865-92-0	इतिहास
9	कलाई, एस. (2024)। कोकबरॉक सिनेमा, संस्कृति और स्वदेशीयता।ईस्टर्न बुक हाउस। आईएसबीएन: 978 93 92038693	पत्रकारिता और जनसंचार
10	देबबर्मा, एस (2004)। बोडो-गारो भाषाओं और भाषा विज्ञान पर अध्ययन। ईबीएच। आईएसबीएन: 978 93 92038 82 2	कोकबरॉक
11	देबबर्मा एट। अल, बी. (2023)। ऑनलाइन कोकबरॉक लर्निंग कोर्स। कोकबरॉक और अन्य अल्पसंख्यक भाषाओं का निदेशालय।	कोकबरॉक
12	देबबर्मा, बी. (2024)। यपिरी बक्सा हिमनाई। बरनामाला प्रकाशनी। आईएसबीएन: 978-93-93988-55-3	कोकबरॉक
13	देबबर्मा, बी. (2024)। नखव्रानी वेइंग। बरनमाला प्रकाशनी। आईएसबीएन: 978-93-93988-53-9	कोकबरॉक
14	देबबर्मा, डीके (2024)। कोताल कथमा। कोकबरॉक साहित्यिक सभा। आईएसबीएन: 978-81-961348-7-7	कोकबरॉक
15	देबबर्मा, डीके (2024)। बिसिरानी मलखुल। कोकबरॉक साहित्यिक सभा। आईएसबीएन: 978-81-961348-6-0	कोकबरॉक
16	दास, पी के, फारूक, एसएम, और युमखैबम, एएच (2023)। मूल्य और पर्यावरण शिक्षा। आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस। आईएसबीएन: 978-81-8370-672-8	शारीरिक शिक्षा
17	चौधरी, जे. (2023)। ग्रामीण संस्थान, योजना और विकास। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। आईएसबीएन: 978-93-93357-1-4-4	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
18	चौधरी, जे., शाहू, एन., और आओ, आर. (2023)। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ग्रामीण विकास: उत्तर पूर्व भारत और उसके पड़ोसी देश (संपा.)। आईएसबीएन: 978-93-91870-87-4	ग्रामीण प्रबंधन और विकास
19	पाणिग्रही, डी. (2023)। जुमर्व्यकारणसमीक्षानामम्। प्रतिभा प्रकाशन। आईएसबीएन: 978-81-7702-500-2	संस्कृत
20	दार्लोंग, एल. (2024)। त्रिपुरा में विस्थापित ब्रू लोगों की भाषाई चुनौतियां। कोकबरॉक और अन्य अल्पसंख्यक भाषाओं का निदेशालय, त्रिपुरा सरकार। आईएसबीएन: 978-21-9675357-3	समाजशास्त्र
21	भौमिक, एमके (2024)। कम्प्यूटर विजन ऑब्जेक्ट डिटेक्शन इन एडवर्सरियल विजन। सीआरसी प्रेस, टेलर और फ्रांसिस, चैपमैन और हॉल बुक। आईएसबीएन: 978103 2551807	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
22	मजूमदार, ए., सरकार, जेएल, और मजूमदार, ए. (2023)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस इन रिकमंडेशन सिस्टम:करेन्ट ट्रेंड्स, टेक्नॉलॉजीज एंड एप्लीकेशन्स। ISBN: : 978-981-5136-75-3 (प्रिंट)ISBN: 978-981-5136-74-6 (ऑनलाइन)).	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
23	मुखर्जी, ए., और दास, एके (2023)।एसेन्सियल्स ऑफ फजी सॉफ्ट मल्टीसेट्स: थ्योरी एंड एप्लीकेशन्स। स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड। आईएसबीएन: 978-981-19-2759-1	गणित

विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं

क्र.सं.	मंत्रालय	मुख्य अन्वेषक	सह अन्वेषक	प्रायोजक संस्था	परियोजना का शीर्षक	कुल अनुदान (लाख रुपए में)	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान (लाख रुपये में)	अवधि (वर्षों और महीनों में)
01	अर्थशास्त्र	डॉ. शुभ्रबरन दास	-	16वां वित्त आयोग, भारत सरकार	त्रिपुरा राज्य के लिए वित्त के मूल्यांकन पर अध्ययन	6.5	-	6 महीने
02	अर्थशास्त्र	डॉ. जहर देबबर्मा	-	जनजाति कल्याण विभाग	वन अधिकार अधिनियम, 2006 का कार्यान्वयन और त्रिपुरा के स्वदेशी लोगों पर इसका प्रभाव	22	-	-
03	अर्थशास्त्र	दिलीप कुमार राना	-	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली- 110111	त्रिपुरा राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन का समवर्ती मूल्यांकन	0.53	0.53	3 वर्ष
04	भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषाएँ	डॉ. ख्वालसंकिम सुआंतक	-	आईसीएसएसआर	दक्षिण-मध्य तिब्बती-बर्मन (कुकी-चिन) भाषाओं में अंक आधारों और अंक क्लासिफायर की भिन्नता पर अध्ययन	11.28	-	2 वर्ष
05	मनोविज्ञान	प्रो अंजना भट्टाचार्जी	शून्य	समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार	जीवन कौशल प्रशिक्षण और परामर्श के माध्यम से संस्थागत बच्चों और किशोरों के बीच मनोवैज्ञानिक-सामाजिक क्षमता को बढ़ावा देना	7.83	-	-
06	एमआरएमडी	डॉ. जयंत चौधरी	-	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सोसायटी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, त्रिपुरा सरकार, त्रिपुरा सरकार	राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (त्रिपुरा) पर प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन	4.98	4.98	3 महीने
07	संस्कृत	डॉ. विशव बंधु	-	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय	एक ऑनलाइन भंडार के साथ यास्क के निरुक्त का व्यापक और महत्वपूर्ण संस्करण	1.5	-	3 वर्ष

08	संस्कृत	डॉ. सुमन के.एस.	डॉ. सुनील और श्रीमती अपर्णा	आईसीपीआर	माधवाचार्य के प्रमुख उपनिषदों के भास्यम का अनुवाद	9	3.6	3
09	संस्कृत	डॉ. सुमन के.एस.	डॉ. बिपिन कुमार झा	एसवीवीयू	वैदिक विज्ञान में प्रौद्योगिकी का समावेश	1	0.5	1
10	संस्कृत	डॉ. विशव बंधु	डॉ. दीपा, रिसर्च एसोसिएट, परशुराम चेयर	हरियाणा साहित्य और सस्कृति अकादमी, पचकुला, हरियाणा	वाल्मीकि रामायण का पंजाबी अनुवाद	-	-	1 वर्ष
11	समाजशास्त्र	लालनुंदिका दारलोंग	डॉ. शर्मिला छोटारे	कोकबरॉक और अन्य अल्पसंख्यक भाषा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार	त्रिपुरा में विस्थापित ब्रू लोगों की भाषाई चुनौतियां	1	0.32	1
12	वनस्पति-शास्त्र	पी. दास	-	डीबीटी	जैव उर्वरकों के विकास के लिए पूर्वोत्तर भारत में देशी फलियों की खोज और संबद्ध नाइट्रोजन फिक्सिंग माइक्रोसिम्बियेंट्स के लक्षण वर्णन	26	3.27	3 वर्ष
13	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी	सचिन भालाधरे	-	यूजीसी-डीएई (संदर्भ: सीआरएस/2022-23/02/822)	पीएच उत्तरदायी स्थिर और नियंत्रित और लक्ष्य-विशिष्ट दवा वितरण के लिए बायोकंपैटिबल चिटोसन-आधारित नैनोजेल	1.35	0.45	3 वर्ष
14	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी	पी.के.पी. रूपा	सचिन भालाधरे	एसईआरबी (डीएसटी)	प्रत्यक्ष इंक रायटिंग के लिए थर्मली उत्तरदायी सेलूलोज़ आधारित सिरेमिक प्रिकर्सर मटेरियल का विकास	39.97	-	3 वर्ष
15	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी	हरजीत नाथ	-	एआईसीटीई	सूटकेस जल शोधक	4	0	2 वर्ष
16	रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी	हरजीत नाथ	-	एमएसएमई	सूटकेस जल शोधक	16	3.82	3 वर्ष

17	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	1. मृणाल कांति भौमिक, सहायक प्राध्यापक, सीएसई विभाग, टीयू 2. प्राध्यापक देबोतोष भट्टाचार्जी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता 700032।	1. डॉ. रंजन गुप्ता, एसोसिएट प्राध्यापक, रुमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली 110029। 2. डॉ. सत्यब्रत नाथ, सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष (प्रभारी), भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर) विभाग, एजीएमसी और जीबीपी अस्पताल, पश्चिम त्रिपुरा, 799006 3. प्रो.असीम डे, रेडियो-डायग्नोसिस, विभाग, एजीएमसी और जीबीपी अस्पताल, पश्चिम त्रिपुरा 799006	जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार।	गठिया के स्वचालित निदान और रोग की गंभीरता की पूर्वानुमान के लिए गहन शिक्षण दृष्टिकोण का उपयोग करके मल्टीमॉडल गैर-इनवेसिव छवि विश्लेषण	60.89 (रु.60,89,440/- : त्रिपुरा विश्वविद्यालय: रु.39,91,360/- जादवपुर विश्वविद्यालय: रु.20,98,080/-)	10.32	3 वर्ष
18	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ. अंजन कुमार धुआ, अतिरिक्त प्राध्यापक, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) - नई दिल्ली, अंसारी नगर, दिल्ली - 110029, भारत	मृणाल कांति भौमिक, सहायक प्राध्यापक, सीएसई विभाग, टीयू।	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारत सरकार।	बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) -नई दिल्ली, भारत के सहयोग से सर्जिकल साइट संक्रमण और स्वचालित छवि विभाजन के लिए डीप लर्निंग बेस्ड आर्टीफीसियल इंटेलीजेंस तकनीक के विकास की भविष्यवाणी करने के लिए बाल चिकित्सा सर्जिकल घाव थर्मोग्राफिक प्रोफाइल और प्रारंभिक चरण परीक्षण-सटीकता अध्ययन के इन्फ्रारेड सिगनेचर	12.68	4.05	3 वर्ष

19	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ. शावली बर्धन, एसोसिएट प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ अभियांत्रिकी, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, भारत	मृणाल कांति भौमिक, सहायक प्राध्यापक, सीएसई विभाग, टीयू।	स्वायत्त नेविगेशन और डेटा अधिग्रहण प्रणालियों पर तिहान फाउंडेशन टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब, आईआईटी - हैदराबाद	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ अभियांत्रिकी महेशखोला, आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा के सहयोग से वायु प्रदूषण कणों का पता लगाने और लेबलिंग के लिए यूएवी आधारित छवि अधिग्रहण और विश्लेषण	-	-	18 महिने
20	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	अभिषेक मजुमदार	संगीता दास बिस्वास	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)	त्रिपुरा में पर्यटन के लिए एक अर्ध-ऑनलाइन आधारित एंड्रॉइड एप्लिकेशन का विकास	2.85	-	3 वर्ष
21	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ. सोमेन देबनाथ और अभिषेक मजूमदार	स्वनिर्भर मजूमदार, डी.आर.	एनएम-आईसीपीएस, डीएसटी	एन्सेम्बल टेक्नोलॉजीज का उपयोग करके त्रिपुरा के हस्तशिल्प सशक्तिकरण के लिए एक मंच का विकास	81	55	2 वर्ष
22	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी	डॉ. अभिषेक मजूमदा रसहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, टीयू	संगीता दास बिस्वास सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, टीयू	एआईसीटीई	त्रिपुरा में पर्यटन के लिए एक अर्ध ऑनलाइन आधारित एंड्रॉइड आधारित एप्लिकेशन का विकास	2.86	2.81	3 वर्ष
23	वानिकी और जैव विविधता	प्रो सब्यसाची दासगुप्ता	-	त्रिपुरा वन विभाग, त्रिपुरा सरकार	क्लाउड लेपर्ड राष्ट्रीय उद्यान और सिपाहीजला वन्यजीव अभयारण्य में प्रमुख प्रजातियों के लिए भोजन की उपलब्धता, आहार संरचना और आवास विशिष्ट संरक्षण आवश्यकताओं का व्यापक आकलन।	3.4	-	1 वर्ष
24	वानिकी और जैव विविधता	प्रो सब्यसाची दासगुप्ता	-	त्रिपुरा वन विभाग, त्रिपुरा सरकार	गौर और हूलॉक गिब्बोनिन तृष्णा वन्यजीव अभयारण्य और बाइसन नेशनल पार्क, त्रिपुरा की संरक्षण स्थिति और निवास स्थान की विशेषताएं	4	-	1 वर्ष

25	वानिकी और जैव विविधता	डॉ. सौरभ देब	-	डीएसटी, नई दिल्ली	ऊंचाई और अक्षांश ढाल के संबंध में उत्तर-पूर्व भारत में वन पारिस्थितिकी प्रणालियों का नेट पारिस्थितिकी तंत्र उत्पादन और कार्बन गतिशीलता: कार्बन सिंक प्रबंधन के लिए निहितार्थ	35.06	-	1 वर्ष
26	वानिकी और जैव विविधता	डॉ. सौरभ देब	-	एनएमएचएस, एमओईएफ, अल्मोड़ा	हिमालय में जल सुरक्षा के लिए झरनों का कायाकल्प	33.71	-	1 वर्ष
27	भूगोल और आपदा प्रबंधन	डॉ. सप्तर्षि मित्र	डॉ. पुनर्बासु चौधरी	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	रुद्रसागर झील की आर्द्रभूमि जैव-विविधता पर मानवजनित गतिविधियों का पर्यावरणीय प्रभाव, त्रिपुरा का रामसर स्थल	66.55	-	1 वर्ष
28	भूगोल और आपदा प्रबंधन	डॉ. एशिता बोराल	-	आईसीएसएसआर	ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच जन औषधि योजना का लाभ उठाने के प्रति जन जागरूकता और दृष्टिकोण का आकलन: त्रिपुरा का एक अध्ययन	5	-	6 महीने
29	मानव शरीर विज्ञान	प्रो समीर कुमार सील	डॉ. प्रियतोष सरकार	डीबीटी	ऊतक अभियांत्रिकी अनुप्रयोग के लिए पेट अपशिष्ट से बॉयोरिसोर्सेबल 3D स्कैफोल्ड का विकास	13.61	6.58	1 वर्ष
30	सूचना प्रौद्योगिकी	प्रो एस मजूमदार	डॉ. जयंत पाल	एसईआरबी (वैज्ञानिक और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार एसईआरबी-सीआरजी (कोर रिसर्च ग्रांट) के तहत	*"त्रिपुरा के श्रवण बाधित लोगों के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) के लिए कोकबरॉक रिपॉजिटरी का विकास" सीआरजी/2023/002076 दिनांक 18 जनवरी'2024*	30.18	11.78	3 वर्ष
31	सूचना प्रौद्योगिकी	डॉ. सोमेन देबनाथ और अभिषेक मजूमदार	प्रो एस मजूमदार और डॉ जयंत पाल	आईबीआईटीएफ (आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार की जनजातीय क्षेत्र उप योजना (टीएसपी) योजना	*"एन्सेम्बल टेक्नोलॉजीज का उपयोग करके त्रिपुरा के हस्तशिल्प सशक्तिकरण के लिए एक मंच का विकास" संदर्भ संख्या: आईबीआईटीएफ/नोट/टीएसपी/स्वीकृति पत्र/2024-25/0093 दिनांक: 7 मार्च'2024*	81	55	2 वर्ष

32	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	डॉ.मिठु अंजलि गायेन	-	आईसीएसएसआर	"त्रिपुरा के विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच सूचना साक्षरता (आईएल) कौशल सुधार: प्री और पोस्ट-टेस्ट असेसमेंट के आधार पर एक पारंपरिक अध्ययन।	2.93	2.34	1 वर्ष
33	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ. गोबिंद गोपाल खान	शून्य	यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर केंद्र	सौर ऊर्जा और ईंधन के लिए इंजीनियर नैनोस्ट्रक्चर	6.79	2.9	3 वर्ष
34	पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी	डॉ पंतुला करुणा पूर्णपु रूपा	डॉ. सचिन भालाधरे	सर्ब	प्रत्यक्ष इंक लेखन के लिए थर्मली उत्तरदायी सेलूलोज़ आधारित सिरेमिक इंक का विकास	39.97	4	2022-2025 3 साल (36 महीने)
35	सूक्ष्मजैविकी	प्रो शाओन रॉयचौधरी	डॉ. दीपक एस संघाई, एमडी, एसडी अभियांत्रिकी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	डीएसटी, भारत सरकार	तरल सीवेज उपचार प्रणाली "रैपिडेक्स" विकसित करना	34.25	25.01	2 वर्ष
36	सूक्ष्मजैविकी	प्रो शाओन रॉयचौधरी	-	इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर	कम आयनीकरण विकिरण-एक्सपोज्ड माइक्रोमोनोस्पोरासिट्रिया SRCHD01 और माइक्रोकोकस ल्यूटियस SRCHD02 द्वारा नकली सीवेज पानी से हेक्सामाइन हटाने की प्रभावकारिता को समझना	9.75	1.9	3 वर्ष
37	सूक्ष्मजैविकी	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	डॉ. अनिंदिता चक्रवर्ती	UGC-DAE CSR की सहयोगात्मक अनुसंधान योजना (CRS) परियोजना	गामा विकिरण द्वारा त्रिपुरा के पारंपरिक चावल बियर से अलग कुछ संभावित खमीर उपभेदों की एल्कोहल टॉलरेंस क्षमता के मॉडुलन का विश्लेषण।	12	2.28	3 वर्ष
38	भेषज	डॉ. प्रताप चन्द्र आचार्य	शून्य	डीबीटी, नई दिल्ली	मल्टीड्रग प्रतिरोध कोलन कैंसर के उपचार में एंटीकैंसर दवाओं के नैनोडिलीवरी के लिए हाइड्रोफोबिक रूप से संशोधित पॉलीसेकेराइड की जांच	65.96	35	3 वर्ष
39	भेषज	डॉ. प्रताप चन्द्र आचार्य	शून्य	डीबीटी, नई दिल्ली	पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक ड्रग मेटाबोलॉमिक्स प्रयोगशाला की स्थापना	418.26	400	5 वर्ष

40	भेषज	डॉ. प्रताप चन्द्र आचार्य	शून्य	एआईसीटीई, नई दिल्ली	कोलन कैंसर में साइट विशिष्ट दवा वितरण के लिए एंटीकैंसर दवाओं के पेक्टिन आधारित नैनोकॉन्जुगेट्स की खोज	23.65	23.65	3 वर्ष
41	भौतिक विज्ञान	डॉ. रतन दास	डॉ. फोरन सिंह	आईयूएसी, नई दिल्ली	एसएचआई विकिरण का निर्धारण रेयर अर्थ मेटल डोप्ड डॉयल्यूट मैग्नेटिक सेमीकंडक्टर एक्सआरडी पीक प्रोफाइल विश्लेषण और और ऑप्टिकल, विद्युत और चुंबकीय गुणों पर इसका प्रभाव	6.75		3 वर्ष
42	भौतिक विज्ञान	प्रो अनिर्बान गुफा	-	इसरो	एरोसोल रेडिएटिव फोर्सेस ओवर इंडिया	150	10	जारी रखने
43	भौतिक विज्ञान	प्रो अनिर्बान गुफा	-	इसरो	चंद्र एक्सोस्फीयर में पानी और हाइड्रॉक्सिल अणु की उत्पत्ति	21.8	8.18	3 वर्ष
44	भौतिक विज्ञान	प्रो.एस.ए. हुसैन	-	एसईआरबी डीएसटी, भारत सरकार	कार्बनिक अणुओं, ऑर्गेनो-क्ले और कार्बनिक-अकार्बनिक संकरों के स्विचिंग और मेमोरी अनुप्रयोग और थिन फिल्मों पर एकत्रीकरण	49	7.9	3 वर्ष
45	भौतिक विज्ञान	प्रो.एस.ए. हुसैन	-	यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम	पॉलीडायसिटिलीन (पीडीए) की रंगीन प्रतिक्रिया का अध्ययन और कम लागत वाले वर्णमिति सेंसर डिजाइन करने की दिशा में इसके प्रयोग का प्रदर्शन	6.84	2.28	3 वर्ष
46	भौतिक विज्ञान	प्रो सैयद अरशद हुसैन	-	सीएसआईआर, भारत सरकार	कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए उपयुक्त कुछ कार्बनिक अणुओं के ऑप्टिकल, इलेक्ट्रिकल और विद्युत रासायनिक गुणों का अध्ययन	31	17	3 वर्ष

विश्वविद्यालय प्रशासन

सांविधिक समितियाँ

द कोर्ट (जैसा 31.12.2024 को था)

पदेन सदस्य

श्री अहमद जावेद
कुलाधिपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रो. गंगा प्रसाद प्रसाईं
कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त)

प्रो. सोमदेव बनिक
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण परिषद, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

डॉ. दीपक शर्मा
कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

श्री देबाशीष पाल
वित्त अधिकारी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

संकाय एवं विभागों का प्रतिनिधित्व

(दो संकायाध्यक्ष, प्रत्येक संकाय से वरिष्ठता के अनुसार चक्रीयक्रम से)

प्रो. चिन्मय रॉय
संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी
संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

दो प्राध्यापक अध्यादेश में दी गई विधि से नियुक्त (रिक्त)

शैक्षणिक विभागों के दो अध्यक्ष जो प्राध्यापक न हों जो वरिष्ठता के आधार पर चक्रीय क्रम में कुलपति द्वारा नियुक्त किये गये हों (रिक्त)

एक सह-प्राध्यापक/रीडर, जो कि विभागाध्यक्ष न हो एवं एक सहायक प्राध्यापक/ प्रवक्ता जिसे कि अध्यादेश में विहित विधि से नियुक्त किया गया हो। (रिक्त)

संबद्ध महाविद्यालयों के प्रतिनिधि

संबद्ध महाविद्यालयों के दो प्राचार्य जिनमें से एक महिला होनी चाहिए वरिष्ठता के आधार पर चक्रीय क्रम से जिसका निर्धारण संबंधित महाविद्यालय की स्थापना की तिथि के आधार पर हो, कुलपति द्वारा नामित किये जायें। (रिक्त)

दो शिक्षक संबद्ध महाविद्यालयों से जिनमें से एक महिला हो कुलपति द्वारा नामित किये जायें। (रिक्त)

विद्वत व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करने वाले एवं विशेष रुचि वाले व्यक्ति

उद्योग, वाणिज्य, व्यापार संघ, बैंक एवं कृषि का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सदस्य जो विद्वत व्यवसायों एवं विशेष रुचि रखते हों, कुलाध्यक्ष द्वारा नामित। (रिक्त)

पंजीकृत स्नातकों के प्रतिनिधि

विश्वविद्यालय के पंजीकृत स्नातकों के दो प्रतिनिधि, जिनका चयन अध्यादेश में विहित विधि से किया जायेगा। (रिक्त)

संसद का प्रतिनिधित्व

संसद के दो प्रतिनिधि, जिनमें से एक लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उसके सदस्यों में से नामित किया जायेगा दूसरा सदस्य राज्यसभा के सभापति द्वारा उसके सदस्यों से नामित किया जायेगा। तथापि यदि सदस्य को मंत्रिमंडल का सदस्य लोकसभा अध्यक्ष/ राज्यसभा का उपसभापति चुना जाता है तो सदस्य की सदस्यता सांविधिक समिति से स्वत:समाप्त मान ली जायेगी। (रिक्त)

स्नातकोत्तर विभाग के छात्रों के प्रतिनिधि

दो सदस्य जिनमें एक महिला होनी चाहिए, निर्वाचित होनी चाहिए (रिक्त)

अन्य सदस्य

एक सदस्य से अधिक को कुलाध्यक्ष द्वारा नामित नहीं किया जा सकता (रिक्त)

गैर शैक्षणिक सदस्य का प्रतिनिधि

गैर शैक्षणिक कर्मचारियों में से दो सदस्य जिनमें एक सदस्य महिला होनी चाहिए, निर्वाचित किये जाने चाहिए (रिक्त)

राज्य सरकार के प्रतिनिधि

श्री अनिमेष देबबर्मा

निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग त्रिपुरा सरकार सदस्य

कार्य-परिषद के बचे हुए सदस्य

कार्यपरिषद से सदस्य जो एक से अधिक न हों, साथ ही कोर्ट के सदस्य भी न हों। (रिक्त)

कार्य परिषद (जैसा 31.12.2024 को था)

प्रो. गंगाप्रसाद प्रसाईं - पदेन अध्यक्ष
कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - पदेन सदस्य
(रिक्त)

दो संकायाध्यक्ष, प्रत्येक संकाय से एक, वरिष्ठता के चक्रीय-क्रम के अनुसार:

प्रो. चिन्मय रॉय - सदस्य
संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी - सदस्य
संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

एक प्राध्यपक, वरिष्ठता के चक्रीय क्रम से नामित संकायाध्यक्ष के अतिरिक्त, कुलपति द्वारा नामित

प्रो. बादल कुमार दत्त - सदस्य
वनस्पति विज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सचिव, उच्च शिक्षा विभाग - सदस्य
त्रिपुरा सरकार

कोर्ट के दो सदस्य कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किये जायेंगे जो कि विश्वविद्यालय या उससे संबद्ध अथवा मान्यता प्राप्त महाविद्यालय के सदस्य न हों (रिक्त)

कुलाध्यक्ष द्वारा नामित तीन सदस्य

1. **डॉ. डी. जे. राजखोवा**
   संयुक्त निदेशक, आईसीएआर रिसर्च कॉम्प्लवेक्स एनईएच रीजन नागालैंड केन्द्र
2. **प्रो. निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती**
   रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
3. **प्रो. स्मृति कुमार सिन्हा**
   तेजपुर विश्वविद्यालय

डॉ दीपक शर्मा - पदेन सचिव
कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

शैक्षणिक परिषद (जैसा 31.12.2024 को था)

प्रो. गंगा प्रसाद प्रसाईं - पदेन सभापति
कुलपति

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त) - पदेन सदस्य

दो संकायाध्यक्ष, प्रत्येक संकाय से वरिष्ठता के अनुसार चक्रीयक्रम से

प्रो. चिन्मय रॉय - सदस्य
संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी - सदस्य
संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

प्रत्येक संकाय से शैक्षणिक विभागों के दो अध्यक्ष वरिष्ठता के आधार पर कुलपति द्वारा नामित किये गये हों

1. **प्रो. स्वनिर्भर मजुमदार** - सदस्य
   अध्यक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय
2. **प्रो. श्यामल दास** - सदस्य
   अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय

दो प्राध्यापक जो कि विभागाध्यक्ष न हो कुलपति द्वारा नामित किये जायेंगे

1. **प्रो. अशेष गुप्त** - सदस्य
   अंग्रेजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
2. **(रिक्त)**

संबद्ध महाविद्यालयों के दो प्राचार्य विश्वविद्यालय के विवेकाधिकार पर कुलपति द्वारा नामित

1. **प्राचार्य** - सदस्य
   हॉली क्रॉस, जुबातारा
2. **प्राचार्य** - सदस्य
   टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अगरतला

विश्वविद्यालय के दो शिक्षक जो उपरोक्त (i) से (v) के अंतर्गत न हों वरिष्ठता के चक्रीय क्रम में जिनमें एक सह-प्राध्यापक/रीडर तथा दूसरा सहायक प्राध्यापक/प्रवक्ता होना चाहिए।

सह-प्राध्यापक, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त)

2. **डॉ. दिलीप कुमार राणा**
   सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

कुलाध्यक्ष द्वारा नामित 4 सदस्य

1. **प्रो. महेश चन्द्र गोविल,** निदेशक, राप्रौसं., सिक्किम - सदस्य

2. **प्रो. ज्योत्स्ना तिवारी,** कला एवं सौदर्यशास्त्र में शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली - सदस्य

3. **डॉ. प्रसन्न कुमार पाठक**, संकायाध्यक्ष, पादप अभिजनन एवं अनुवांशिकता विभाग, असम कृषि विश्वविद्यालय जोरहाट - सदस्य

4. **प्रो. जी सिंगैय्याह,** प्रबंधन विभाग, नेहू, शिलांग - सदस्य

दो शिक्षक संबद्ध महाविद्यालयों से (रिक्त) - सदस्य

एक शोधार्थी तथा दो स्नातकोत्तर छात्र विश्वविद्यालय से (रिक्त) - सदस्य

डॉ दीपक शर्मा - पदेन सचिव
कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

महाविद्यालय विकास परिषद (जैसा 31.12.2024 को था)

1) **प्रो. गंगाप्रसाद प्रसाईं**, कुलपति त्रिविवि. - अध्यक्ष (पदेन)

2) **सम कुलपति** (रिक्त) - सदस्य (पदेन)

3) दो शिक्षक प्राध्यापक/सह प्राध्यापक श्रेणी के, एक कला /वाणिज्य संकाय, एक विज्ञान संकाय, कुलपति द्वारा क्रमिक आधार पर नामित:

   (i) **प्रो. श्यामल दास**, अंग्रेजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

   (ii) **प्रो. शाओन राय चौधुरी**, सूक्ष्मजैविकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

4) संबद्ध महाविद्यालयों से तीन प्राचार्य जिनमे एक सामान्य महाविद्यालय से, एक तकनीकी महाविद्यालय से एवं अन्य एक व्यावसायिक महाविद्यालय से कुलपति द्वारा महाविद्यालय की सेवा में वरिष्ठता के आधार पर चक्रीय क्रम से नामित:

   (रिक्त)

5) संबद्ध महाविद्यालयों से तीन शिक्षक, एक कला विभाग से, एक विज्ञान विभाग से तथा एक वाणिज्य/ तकनीकी/ व्यावसायिक विभागों से वरिष्ठता के आधार पर क्रमिक रूप से कुलपति द्वारा नामित :

   (रिक्त)

6) **श्री अनिमेष देबबर्मा**, निदेशक, उच्च शिक्षा, त्रिपुरा सरकार - सदस्य

7) **परीक्षा नियंत्रक**, त्रिविवि - सदस्य

8) **श्री देबाशीष पाल**, **वित्त अधिकारी**, त्रिविवि - सदस्य

9) **प्रो. सोमदेव बनिक, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण**, त्रिविवि - सदस्य

10) **निदेशक, महाविद्यालय विकास परिषद**, त्रिविवि - सदस्य

11) **डॉ. दीपक शर्मा**, कुलसचिव, त्रिविवि - सचिव (पदेन)

वित्त-समिति (जैसा 31.12.2024 को था)

प्रो. गंगा प्रसाद प्रसाईं - पदेन अध्यक्ष
कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

सम कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (रिक्त) - पदेन सदस्य

कोर्ट द्वारा नामित एक सदस्य (रिक्त) - सदस्य

कार्य परिषद द्वारा नामित तीन सदस्य जिनमें से कम से कम एक सदस्य कार्य परिषद का सदस्य होना चाहिए

1. **डॉ दीपक शर्मा** - सदस्य
   कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **प्रो. बी. के. दत्ता** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. **डॉ. नीरज त्रिपाठी** - सदस्य
   भूतपूर्व कुलसचिव, बनारस हिन्दू विवि वाराणसी, उप्र

तीन सदस्य कुलाध्यक्ष द्वारा नामित

1. **संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार अथवा उनके प्रतिनिधि** - सदस्य
   अवर सचिव से कम स्तर के नहीं, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

2. **संयुक्त सचिव (केविवि) अथवा उनके प्रतिनिधि** - सदस्य
   अवर सचिव से कम स्तर के नहीं, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

3. **संयुक्त सचिव (केविवि) अथवा अन्य अधिकारी** - सदस्य
   अवर सचिव से कम स्तर के नहीं, विअआयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित

श्री देबाशीष पाल
वित्त अधिकारी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - पदेन सचिव

संकायाध्यक्ष समिति (जैसा 31.12.2024 को था)

1. **प्रो. गंगा प्रसाद प्रसाईं** - अध्यक्ष
   कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. **प्रो. चिन्मय रॉय** - सदस्य
   संकायाध्यक्ष, वाणिज्य, विधि एवं सूचना विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

4. **परीक्षा नियंत्रक**, त्रिपुरा विश्वविद्यालय - सदस्य

5. **डॉ दीपक शर्मा** - सचिव
   कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय विभाग एवं केन्द्र

विज्ञान संकाय

वनस्पति विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. एस बसु
स्थापना वर्ष : 2007
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी., पीएच.डी., बीसीआरयू में पीजी डिप्लोमा
प्रवेश क्षमता : एम.एससी. - 27 + 03 ईड्ब्ल्यूएस = 30

विभाग का ध्येय :

शिक्षण-अधिगम अभ्यास, मूल्यांकन, शोध एवं नवाचार में उच्च गुणवत्ता प्राप्त करना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि :

वनस्पति विज्ञान विभाग भारत के विभिन्न राज्यों से आए सुयोग्य छात्रों को एम.एससी. एवं पीएच.डी. की डिग्री प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य सक्रिय तौर पर शोधकार्य करने में संलग्न हैं तथा वर्तमान में प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थानों के सहयोग से दो प्रमुख शोध परियोजनाएं चला रहे हैं। अनुसंधान आउटपुट की मान्यता में, विभाग में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए डीएसटी (फिस्ट) और यूजीसी (सैप) से अलग से अनुदान प्राप्त हुए हैं। विभाग का प्रयास त्रिपुरा के पादप संसाधनों के लिए एक डिजिटल डेटाबेस की सूची बनाना और स्थापित करना है। विभाग का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शोध में उत्कृष्टता प्राप्त करना है ताकि विभाग को उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभारा जा सके। विभाग वर्ष 2007 से बांस संवर्धन एवं संसाधन उपयोग (बीसीआरयू) में एक कौशल-उन्मुख स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित कर रहा है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
प्रो. बी. के. दत्ता	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	टैक्सोनोमी एवं प्लांट बायोडायवर्सिटी	27	12	06	110	10	894	14
प्रो. आर. के. सिन्हा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	साइटो-जेनेटिक्स एवं प्लांट बायोटेक्नोलॉजी	28	04	04	62	4	308	11
प्रो. ए. के. साहा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	मशरूम बायोटेक्नोलॉजी, प्लांट माइक्रोब, इंटरैक्शन, एयरोमाइक्रोबायोलॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी एवं प्लांट इंडोफाइट्स	32	10	3	41	6	737	15
डॉ. एस. बसु	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	साइटोजेनेटिक्स एवं सेल बायोलॉजी	15	01	00	31	3	325	7
डॉ. पी. दास	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सूक्ष्म जैविकी	12	06	02	34	7	650	15

डॉ. एन. बालासुब्रमण्यम	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	फाइटो कैमिस्ट्री एवं माइक्रोबायोलॉजी	1	-	-	-	5	1392	19
डॉ. कृपामय चक्रबर्ती	पीएच.डी.	अतिथि संकाय	अतिथि	प्लांट फिजियोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी	1	00	00	00	00	33	4

* **उल्लेख अवश्य करें ।**

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता :**

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. एन. बालासुब्रमण्यम	शिक्षक	1	1	-
डॉ. कनिका कर्माकर	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	-	11	-
पंचतपा भट्टाचार्य	शोधार्थी	-	2	-
शनि दास	शोधार्थी	-	2	-
दीक्षित बोरा	शोधार्थी	-	1	-
मरामी मिली	शोधार्थी	-	1	-
मयूरी भगवती	शोधार्थी	-	1	-

3. **संकाय/अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान :**

नाम	विषय	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
बालासुब्रमण्यम, एन.	साइंस सिटी चैन्नई, तमिलनाडु	25-05-2024	जीवविज्ञान में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम, आयोजक - साइंस सिटी, तमिलनाडु सरकार तथा द एकैडमी ऑफ साइंस, चैन्नई	स्टडीज ऑन स्ट्रैप्टोकोकल डिजीजेज, ट्रीटमेंट एंड प्रीवेंशन

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी :**

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
मरामी मिली	पूर्णकालिक	स्टडीज ऑन द इंफ्लूएंस ऑफ फ्लोरल फंक्शनल ट्रेट्स ऑन द पोलिनेशन एंड रिप्रोडक्टिव ऑउटपुट्स ऑफ सम मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ फैबैसिया	प्रो. बी. के. दत्ता	पंजीकृत नं. एफ/टीयू/सीओई/पीएचडी/10/बोट./36/23
मयूरी भगवती	पूर्णकालिक	इलूसिडेटिंग द नेचुरल सिंथेसिस एंड अनएक्सप्लोर्ड पोटेंशियल : इंवेस्टिगेटिंग सीडियम ग्विनीज स्व. नौनोपार्टिकल्स फॉर इन्हैंस्ड बायोलॉजिकल एक्टिविटीज	प्रो. बी. के. दत्ता	पंजीकृत नं. एफ/टीयू/सीओई/पीएचडी/10/बोट./36/23
श्री मुक्तधर रियांग	पूर्णकालिक	एसेसमेंट ऑफ इंडिजेनस बायोरिसोर्सेस ऑफ त्रिपुरा विद स्पेशल रिफ्रेंस टू स्कोप ऑफ बायो प्रोस्पैक्टिंग एंड सस्टेनेबल यूटिलाइजेशन	प्रो. बी. के. दत्ता	जमा नं. एफ/टीयू/सीओई/पीएचडी/10/बोट./21/20
श्री सुमन पॉल	पूर्णकालिक	प्लांट-पोलिनेटर इंटरैक्शन नेटवक्स एलॉन्ग ए ग्रैडिएंट ऑफ अर्बनाइजेशन इन त्रिपुरा : एसेसिंग द कंसिक्वेंसेस ऑफ को-फ्लावरिंग एंड पोलिनेटर शेयरिंग	प्रो. बी. के. दत्ता	जमा नं. एफ/टीयू/सीओई/पीएचडी/10/बोट./29/20

श्री बिप्लब बनिक	पूर्णकालिक	मैपिंग, मोडेलिंग ऑफ मेटापॉल्यूशन डायनामिक्स एंड हैबिटैट सस्टेनेबिलिटी ऑफ सेलेक्टेड थ्रिटेंड टाक्सा इन त्रिपुरा, नॉर्थ इस्ट इंडिया	प्रो. बी. के. दत्ता	जमा नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./17/18
श्री बिश्वजीत बैष्णब	पूर्णकालिक	स्टडीज ऑन ऑर्चिड डायवर्सिटी ऑफ त्रिपुरा विद स्पेशल रिफ्रेंस टू रिप्रोडक्टवि बायोलॉजी ऑफ सलेक्टेड स्पेसिज	प्रो. बी. के. दत्ता	जमा नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./15/18
सुश्री स्मिता देबबर्मा	पूर्णकालिक	फिकस डायवर्सिटी इन त्रिपुरा विद स्पेशल रिफ्रेंस टू देअर पोलिनेशन बायोलॉजी एंड इथनोमेडिसिनल वैल्यू	प्रो. बी. के. दत्ता	जमा नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./30/20
सुश्री अत्रयी दत्ता	पूर्णकालिक	मॉर्फोलॉजीकल एंड मॉलेक्यूलर कैरैक्टराइजेशन ऑफ सम एडिबल मशरूम्स ऑफ त्रिपुरा एंड देअर पोटेंट बायोलॉजिकल एक्टिविटीज	प्रो. अजय कृष्ण साहा	उपाधि प्रदत्त नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./14/18
श्री उदिप्ता दास	पूर्णकालिक	कैरैक्टराइजेशन ऑफ फंगल इंडोफाइट्स इन सम इथनोमेडिसिनल प्लांट्स एंड देअर रोल इन ग्रोथ ऑफ सलेक्टेड सेरियल्स एंड पल्सेस	प्रो. अजय कृष्ण साहा	उपाधि प्रदत्त नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./20/18
श्री आशीष कुमार चौधुरी	पूर्णकालिक	स्टडी ऑफ ग्रासेस ऑफ त्रिपुरा एंड यूटिलाइजेशन ऑफ फाइटोलिथ्स एड ए टैक्सोनॉमिक मार्कर	प्रो. बी. के. दत्ता	उपाधि प्रदत्त नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./08/16
श्री दीपन शर्मा	पूर्णकालिक	इवैल्यूएशन ऑफ बायोलॉजिकल एक्टिविटीज यूजिंग क्रूड एक्सट्रैक्ट एंड ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स फ्रॉम सलेक्टेड मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ त्रिपुरा	प्रो. बी. के. दत्ता	उपाधि प्रदत्त नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./18/18
श्री सुप्रिया अधिकारी	पूर्णकालिक	साइटोलॉजी, इन विट्रो क्लोनल प्रोपैगेशन एंड फाइटोकैमिकल कैरैक्टराइजेशन ऑफ स्टिकोन्यूरोन मैंबरेनैसियम हूक.एफ.	प्रो. आर. के. सिन्हा	उपाधि प्रदत्त नं. एफ/टीयू/सीओई/पीए चडी/10/बोट./19/18

5. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

5.1. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
बी. के. दत्ता	इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए)	आजीवन सदस्य
बी. के. दत्ता	इंटरनेशनल सासायटी ऑफ एन्वायरमेंटल बोटैनिस्ट	आजीवन सदस्य
बी. के. दत्ता	इस्ट हिमालयन सोसायटी फॉर स्परमैटोफाइट टैक्सोमी	आजीवन सदस्य
ए. के. साहा	इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए)	आजीवन सदस्य
ए. के. साहा	इंडियन माकोलॉजिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
ए. के. साहा	एएमआई	आजीवन सदस्य
आर. के. सिन्हा	इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए)	आजीवन सदस्य
एस. बसु	इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए)	आजीवन सदस्य
एस. बसु	इंडियन बोटैनिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
एन. सुब्रमण्यम	एएमआई	आजीवन सदस्य
एन. सुब्रमण्यम	एनएबीएस	आजीवन सदस्य
एन. सुब्रमण्यम	बीआरएसआई	आजीवन सदस्य
पन्ना दास	एएमआई	आजीवन सदस्य

5.2. **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
पी. दास	एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्रैम	नेहू, शिलांग	9 दिवसीय	22.01.2024 - 31.01.2024
पी. दास	एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्रैम	नेहू, शिलांग	9 दिवसीय	19.02.2024 - 28.02.2024

6. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

A. फोटोग्राफिक अटैचमेंट के साथ ज़ीस माइक्रोस्कोप
B. इनवर्टेड माइक्रोस्कोप
C. फ्लोरोसेंस माइक्रोस्कोप
D. यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
E. नैनोड्रॉप
F. थर्मल साइक्लर
G. बर्कार्ड वॉल्यूमेट्रिक एयर सैंपलर एंड एंडरसन सैंपलर
H. डीप फ्रीज़र (-40 और -80)
I. मिलि-क्यू वाटर प्यूरीफायर
J. कोल्ड सेंट्रीफ्यूज
K. आइस फ्लेक मशीन
L. शेकर-कम-इनक्यूबेटर
M. वैक्यूम इवेपोरेटर
N. जेल डॉक
O. लियोफ़िलाइज़र

7. **शैक्षिक वर्ष** 2024-25 **के दौरान आयोजित विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में विभाग के सफल छात्रों की सं.** :

नाम	लिंग (पु/म)	वर्ग (सा./एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं.)	पीएच (हां / नहीं)	संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/एसडब्ल्यूओ**
पूरबी बोरा	म.	ओबीसी	नहीं	स्लेट कमिशन असम	स्लेट
फरिदा बेगम	म.	सा.	नहीं	स्लेट कमिशन असम	स्लेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र, **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र ।

8. **विभाग की जानकारी के अनुसार छात्रों का नियोजन** :

नाम	लिंग पु./म.	वर्ग (सा./एसटी /एससी/ओबीसी/ अल्पसं.) [पीडब्ल्यूडी विद्यार्थी पर * का चिह्न दें]	दिव्यांग (हां अथवा नहीं)	संस्थान/ विभाग का नाम.	पद	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
बिपांकर हाजोंग	पु.	एसटी	नहीं	वनस्पति विज्ञान विभाग, बी. एन. महाविद्यालय (स्वायत्त), ढुबरी, असम	सहायक प्राध्यापक	बी. एन. महाविद्यालय	आंतरिक परीक्षा
उदिप्ता दास	पु.	एससी	नहीं	महादेव विश्वविद्यालय, असम	सहायक प्राध्यापक	महादेव विश्वविद्यालय	आंतरिक परीक्षा
पूजा रानी साहा	म.	सा.	नहीं	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अगरतला	सहायक प्राध्यापक	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	आंतरिक परीक्षा
अत्रयी दत्ता	म.	सा.	नहीं	इंस्टीट्यूट : आईसीएआर-नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन याक	शोध सह - III	आईसीएआर	

सुदिप्ता सिन्हा	म.	सा.	नहीं	होलीक्रास, अगरतला	सहायक प्राध्यापक	होलीक्रास	आंतरिक परीक्षा
बिप्लब बनिक	पु.	ओबीसी	नहीं	त्रिपुरा जिका परियोजना (स्कैटफॉर्म), प्रकृति भवन, हातिपारा, गांधीग्राम, अगरतला, त्रिपुरा	कार्यक्रम प्रबंधक (जैवविविधता संरक्षक)	त्रिपुरा सरकार	आंतरिक परीक्षा
बिश्वजीत बैष्णब	पु.	सा.	नहीं	कार्यक्रम समन्वयक	त्रिपुरा वन विभाग	त्रिपुरा सरकार	आंतरिक परीक्षा
अशोक दास	पु.	एससी	नहीं	त्रिपुरा सरकार	पीजीटी	त्रिपुरा सरकार	टेट
सुजान रूद्र पॉल	पु.	सा.	नहीं	त्रिपुरा सरकार	पीईओ	त्रिपुरा सरकार	टीपीएससी
महर्षिता रियांग	म.	एसटी	नहीं	विभाग : शहरी विकास विभाग	स्टेट नमस्ते समन्वयक	त्रिपुरा शहरी आजीविका मिशन	आंतरिक परीक्षा

रासायनिक एवं बहुलक अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष : ई. हरजीत नाथ
स्थापना वर्ष : 2016
संचालित पाठ्यक्रम : एम.टेक. एवं पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.टेक. -15 +2 (ईड्ब्ल्यूएस), पीएच.डी. रिक्ति के अनुसार

विभाग का ध्येय : विभाग का लक्ष्य शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक सेवाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित मान्यता प्राप्त करना है, जिससे पर्यावरण अनुकूल, सामाजिक-आर्थिक रूप से व्यवहार्य और नवीन प्रौद्योगिकियों को विकसित करके देश में रासायनिक एवं बहुलक अभियांत्रिकी शिक्षा के मानक को बढ़ाया जा सके और राष्ट्र निर्माण में मदद मिल सके।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : त्रिपुरा विश्वविद्यालय के रासायनिक एवं बहुलक अभियांत्रिकी विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए 11 जुलाई, 2023 को अपना पहला पेटेंट पंजीकृत किया है, जो विश्वविद्यालय का पहला पूर्ण आधिकारिक पेटेंट भी है। दिसंबर, 2023 में, विभाग ने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सीमित देयता भागीदारी के रूप में अपनी पहली व्यावसायिक इकाई, एचएन टेक्नोवेशन एलएलपी लॉन्च की। पोर्टेबल वाटर प्यूरीफिकेशन मशीनों के माध्यम से आपदा प्रबंधन पर केंद्रित इस स्टार्टअप को फरवरी, 2024 में डीपीआईआईटी द्वारा स्टार्टअप इंडिया से मान्यता मिली, इसके बाद एमएसएमई उदयम प्रमाणन और जीएसटी पंजीकरण हुआ। इसके अतिरिक्त, विभाग ने 11 डिज़ाइन पेटेंट और 1 ट्रेडमार्क आवेदन दायर किया, जिसमें से 6 डिज़ाइन पेटेंट पहले ही स्वीकृत हो चुके हैं।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
सचिन भलाधरे	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	पोलीमर सिंथेसिस, बायोबेस्ड एंड बायोडिग्रेडेबल पोलीमर, हाइड्रोजेल, नैनोजेल, ऑर्गेनिक सेमिकंडक्टर, ड्रग डेलिवरी	8 वर्ष	-	3	2	2	357	9
हरजीत नाथ	एम.टेक., पीएच.डी. (जारी)	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	फ्लूइडाइजेशन इंजीनियरिंग, वाटर ट्रीटमेंट, स्वाइल एमेंडमेंट	8 वर्ष	-	-	1	1	276	10

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
हरजीत नाथ	शिक्षक/ शोधार्थी	1	4	0
दीपांकर दास	शोधार्थी	1	0	0
सुलग्ना भट्टाचार्जी	शोधार्थी	0	2	0

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
हरजीत नाथ	"सेल्फ इंप्लाइमेंट थ्रू इंटरप्रेन्योरशिप - द पाथ फॉर सेल्फ रिलाएंट इंडिया" विषयक तीन दिवसीय कार्यशाला, दिनांक- 26-28 जुलाई, 2023	28/07/2023	एनआईटी, सिलचर	ब्यूल्डिंग ए मार्केट फिट प्रोडक्ट इन द फिल्ड ऑफ वाटर प्यूरिफिकेशन

4. **पेटेंट/ कॉपीराइट आवेदित / प्राप्त**:

नाम	पेंटेट का शीर्षक	आवेदित/ प्राप्त	पेटेंट सं.	तिथि (आवेदित/ प्राप्त)	लाइसेंस्ड अथवा नहीं
हरजीत नाथ	वाटर प्यूरिफिकेशन सिस्टम	प्राप्त	438227	11/07/23	अप्लाइड
हरजीत नाथ	इमर्जेंसी बैग वाटर प्यूरिफायर कम पावर बैकअप यूनिट	प्राप्त	403130-001	23/02/24	-
हरजीत नाथ	मेंबरेन एंड रेजिन बेस्ड डी-मिनर्लाइज्ड वाटर मशीन विद यूवी मॉड्यूल	प्राप्त	405371-001	05/04/24	-
हरजीत नाथ	लॉट बेस्ड इनलाइन स्मार्ट वाटर टीडीएस एंड टैंपरेटर मॉनिटरिंग एंड रिपोर्टिंग डिवाइस	प्राप्त	411515-001	16/05/24	-
हरजीत नाथ	पोर्टेबल वाटर प्यूरिफायर विद यूएसबी चार्जिंग एंड लाइटिंग फैसिलिटी	प्राप्त	413767-001	24/06/24	-
हरजीत नाथ	डिसलिनेशन कम वाटर हीटिंग बोटल	प्राप्त	415468-001	17/07/24	-
हरजीत नाथ	बैंबू हाउस्ड सेडिमेंट फिल्टर मॉड्यूल फॉर वाटर ट्रीटमेंट	प्राप्त	417454-001	24/07/24	-
हरजीत नाथ	इनलाइन वूडन फ्रेम्ड आईओटी वाटर टीडीएस एंड टैंपरेटर मीजरिंग इंस्ट्रूमेंट	अप्लाइड	411370-001	22/03/24	
हरजीत नाथ	आईओटी यूएसबी बेस्ड लाइट डिपेंडेंट रेसिस्टर सैंसर कम डेटा लॉगर	अप्लाइड	416199-001	08/05/24	-
हरजीत नाथ	बैंबू हाउस्ड अल्ट्रा-फिल्ट्रेशन मॉड्यूल फॉर वाटर ट्रीटमेंट	अप्लाइड	417043-001	15/05/24	-
हरजीत नाथ	बैंबू हाउस्ड कॉर्बन फिल्टर मॉड्यूल फॉर वाटर ट्रीटमेंट	अप्लाइड	417477-001	20/05/24	-
हरजीत नाथ	फोसिल फ्यूल वाटर पंप ऑपरेटेड पोलीप्रोपीलीन प्रीफिल्टर एंड हैलो फाइबर अल्ट्रा फिल्ट्रेशन मेंबरेन बेस्ड ड्रिंकिंग वाटर प्यूरिफिकेशन सिस्टम	अप्लाइड	419684-001	11/06/24	-

5. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
हरजीत नाथ	अंशकालिक	वैलोराइजेशन ऑफ बायोमास वेस्ट टू इंजीनियर्ड कार्बोनेसियस मटेरियल फॉर स्वायल एमेंडमेंट	डॉ. सचिन भलाधरे	दिनांक 31/03/2023 को पंजीकृत एवं दिनांक 11/12/2023 को अधिसूचित

6. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

6.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय /राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1	21/12/2023	1 दिवसीय	'वाटर कंजर्वेशन अंडर मिशन लाइफ टॉक ऑन बायो-इंटरप्रेन्योरशिप, इंक्यूबेशन एंड करेंट फंडिंग अपॉर्ट्यूनिटीज इन एनई इंडिया' विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी। वक्ता - बुला चौधुरी, साइंटिस्ट, गुवाहाटी बायोटेक पार्क, असम	कार्यशाला	राष्ट्रीय	30+

2	20/03/2024	1 दिवसीय	'वाटर कंजर्वेशन अंडर मिशन लाइफ टॉक ऑन बायो-इंटरप्रेन्योरशिप, इंक्यूबेशन एंड करेंट फंडिंग अपॉर्ट्यूनिटीज इन एनई इंडिया' विषयक वार्ता। वक्ता - बुला चौधुरी, साइंटिस्ट, गुवाहाटी बायोटेक पार्क, असम	वार्ता	राष्ट्रीय	10+

6.2. **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
हरजीत नाथ	डेवलप एंड मैनेज इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर एंड इंक्यूबेशन सेंटर इन नॉर्थ इस्ट रिजन्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस	भारतीय उद्यमिता संस्थआन, गुवाहाटी	5 दिवसीय	6-10 नवं., 2023.

7. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

बायोबेस्ड-बायोडिग्रेडेबल पोलीमर्स, ड्रग डेलिवरी सिस्टम, ऑर्गेनिक सेमिकंडक्टर, नैनोजेल, हाइड्रोजेल, स्वाइल एमेंडमेंट यूजिंग कार्बोनेसियस बायोचार, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, क्लीन एनर्जी जेनरेशन यूजिंग गैसोफिकेशन एंड पैरोलाइसिस, साइमूलेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन ।

8. **नई पहल / नवाचार** :

नवीकरणीय ऊर्जा के लिए लचीले, स्थिर और कुशल नॉन-फुलरीन आधारित कार्बनिक फोटोवोल्टिक सेल (पीवी) का विकास, विशेष रूप से सैन्य और आपदा न्यूनीकरण के लिए पोर्टेबल जल शोधन प्रणालियों की श्रृंखला का विकास, जल गुणवत्ता सेंसर, डीआयोनाइज्ड जल प्रणालियां आदि का विकास।

9. **अध्यापन प्रयोगशाला/ शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
5	3	2

10. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

पारिटिकल साइज एनैलाइजर (होरिबा एलए-350ए), फोरियर ट्रांस्फॉर्म इंफ्रारेड स्पेक्टोमीटर (शिमड्ज़ू आईआर स्पिरिट), डिफ्रेंशियल स्कैनिंग कैलोरिमीटर (एनईटीजेडएससीएच डीएससी 214 पोलीमा), स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (यूवी-विजिवल) (इपेंडॉर्फ बायो-स्पेक्ट्रोमीटर), इपेंडॉर्फ पीसीआर मशीन (मास्टर साइक्लर नेक्सस ग्रैडिएंट), इपेंडॉर्फ फर्मेंटर/ बायोरिएक्टर (न्यू ब्रून्सविक), हाइ ट्रैंपरेचर ट्यूबुलर फर्नेंस, स्वाइल मॉनिटरिंग स्टेशन, फ्रीज ड्रायर ।

11. **शैक्षिक वर्ष 2024-25 के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/मेडल्स/प्रतिष्ठा#** (**राज्य/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर**) :

शिक्षक का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा प्राप्ति की तिथि	पुरस्कृत करने वाली एजेंसी/ संस्थान	टिप्पणी
हरजीत नाथ	एप्रिसिएशन फॉर इन्नोवेटिव आइटम डिमोन्सट्रेशन, 34वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेला के दौरान।	29/02/2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	

खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जाए।

12. **वर्ष के दौरान अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध** :

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	परियोजना में संयुक्तता	वर्ष
हरजीत नाथ	सीएसआईआर, आईएमएमटी, भुवनेश्वर	एक्टिवेटेड कॉर्बन फॉर वाटर ट्रीटमेंट	2023
हरजीत नाथ	सीएसआईआर, सीआईएमएफआर	क्लीन एनर्जी यूजिंग रबर वूड	2023-24

13. **शैक्षिक वर्ष 2024-25 के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/मेडल्स/प्रतिष्ठा#** (**राज्य/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर**) :

छात्र का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा प्राप्ति की तिथि	पुरस्कृत करने वाली एजेंसी/ संस्थान	टिप्पणी
सुलग्ना भट्टाचार्जी	पीएच.डी. फेलोशिप (वाइज किरण, डीएसटी)	05.06.2024	विज्ञान एवं तकनीकी विभाग (डीएसटी)	

खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जाए।

रसायनशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. आर. के. नाथ

स्थापना वर्ष : वर्ष 1976 में सीयूपीजी केन्द्र के तौर पर तथा वर्ष 1987 से पूर्ण कालिक विभाग के तौर पर

संचालित पाठ्यक्रम : i) रसायनशास्त्र में एम.एससी. (चार सेमेस्टरीय)
ii) रसायनशास्त्र में पीएच.डी.

प्रवेश क्षमता : एम.एससी. i) 33 + 3(ईड्ब्ल्यूएस) + 3(विश्वविद्यालय रैंक धारक) + 2 (अन्य विश्वविद्यालय के रैंक धारक) = 41
पीएच.डी. ii) यूजीसी नियमानुसार

विभाग की प्रमुख उपलब्धि / परिकल्पना : रसायनशास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 1976 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के अंतर्गत अगरतला में स्थानीय छात्रों की ज़रूरतों को पूर्ण करने के लिए रसायनशास्त्र के "स्नातकोत्तर केंद्र" के रूप में की गई थी। शुरुवात में, विभाग ने विशेषज्ञता के रूप में केवल विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान के साथ रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री की शुरुवात की। विभाग में संकाय की संख्या में वृद्धि होने और सुदृढ़ बुनियादी ढांचे के साथ विभाग द्वारा अकार्बनिक रसायन विज्ञान, कार्बनिक रसायन विज्ञान और भौतिक रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में विशेषज्ञता शुरू की गई। विभाग को हर वर्ष नेट/स्लेट/गेट में बहुतायत संख्या में सफल होने वाले छात्रों का गौरव प्राप्त है। विभाग को यूजीसी द्वारा स्वीकृत दस संकाय पदों में से पाँच संकाय सदस्य रसायन विज्ञान के बुनियादी और अनुप्रयुक्त दोनों क्षेत्रों में अग्रणी शोध में लगे हुए हैं।विभाग अपनी स्थापना के बाद से ही अग्रणी अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय है और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं के रूप में विभिन्न वित्त पोषण एजेंसियों यथा - यूजीसी, सीएसआईआर, आईसीएमआर, डीबीटी और डीएसटी आदि से वित्तीय सहायता प्राप्त होने के कारण इसकी गतिविधि में वृद्धि हुई है। अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र में औषधीय पौधों के रसायन विज्ञान, सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, सिंथेटिक और संरचनात्मक अकार्बनिक रसायन विज्ञान, समन्वय रसायन विज्ञान, क्वांटम रसायन विज्ञान, सर्फेक्टेंट और कोलाइड्स आदि से संबंधित क्षेत्र शामिल हैं। विभाग के संकाय सदस्यों का प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध-पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने फिस्ट कार्यक्रम (स्तर - 1) के तहत 400 मेगाहर्ट्ज एनएमआर की खरीद के लिए विभाग को 1.98 करोड़ रुपये (2016-2021) की राशि मंजूर की है और एनएमआर उपकरण स्थापित किया गया है जो वर्तमान में संचालित है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. आर. के. नाथ	एम.एससी., पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	सर्फेस रसायन विज्ञान	शैक्षिक: 29 वर्ष. शोध: 41 वर्ष	00	01	05	कोई नहीं	685 (344)	13 (07)
डॉ. आर. एन. दत्त पुरकायस्थ	एम.एससी., पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	सिंथेटिक एवं स्ट्रक्चरल इनऑर्गेनिक रसायन विज्ञान	शैक्षिक: 37 वर्ष शोध: 43 वर्ष	01	03	08	कोई नहीं	229 (84)	10 (05)
डॉ. एस. मजूमदार	एम.एससी., पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	ऑर्गेनिक ग्रीन सिंथेसिस	शैक्षिक: 19 वर्ष शोध: 29	02	05	09	कोई नहीं	1302 (566)	21 (14)

डॉ. यू.सी. दे	एम.एससी., पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	नेचुरल प्रोडक्ट एवं मेडिसीनल कैमिस्ट्री	शैक्षिक: 21 वर्ष शोध: 24 वर्ष	00	04	08	कोई नहीं	725 (557)	13 (12)
डॉ. एस. के. विश्वास	एम.एससी., पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	सिंथेसिस, मेथडोलॉजी ऑफ न्यू ऑर्गेनिक मटेरियल्स	शैक्षिक: 8 वर्ष शोध: 20 वर्ष	00	00	05	कोई नहीं	262 (112)	10 (05)
डॉ. ए. भट्टाचार्या	एम.एससी., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	स्पेक्ट्रोस्कोपी, मटेरियल कैमिस्ट्री	शैक्षिक: 10 महीने शौध: 12 वर्ष	00	00	00	कोई नहीं	357 (335)	12 (11)
डॉ. ए. चन्द्रा	एम.एससी., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	कैटैलिसिस बायो इनऑर्गेनिक कैमिस्ट्री	शैक्षिक: 10 महीने शोध: 13 वर्ष	00	00	00	कोई नहीं	299 (271)	06 (06)

* उल्लेख अवश्य करें।

2. **अभ्यागत शिक्षक / अभ्यागत अध्येता** :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में अध्यापन का पाठ्यक्रम/व्याख्यान का विषय	संप्रति/पूर्व (यदि सेवानिवृत्त हों) में जिस संस्थान से संबद्ध हों
डॉ. एस. चौधुरी	(i) कैम 701सी- सिमेट्री एवं ग्रुप थ्योरी -12एल (ii) कैम 901C-एक्स-रे क्रिस्टैलोग्रैफी -12एल	रसायनशास्त्र विभाग गौर बंगा विश्वविद्यालय, मालदा, प. बंगाल
प्रो. एम. के. पॉल	(i) कैम 703C- क्वांटम मैकेनिक्स (ii) कैम 903C: *कैमिकल काइनेटिक्स* -II- 12*एल*	रसायनशास्त्र विभाग असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम

3. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
सौरभ चक्रबर्ती	शोधार्थी	01	-	-
स्मृति रेखा बरुआ	शोधार्थी	01	-	-
सुशांत दास बैष्णब	शोधार्थी	01	-	-
सुतपा देब	शोधार्थी	01	-	-
बर्नाली दास	शोधार्थी	02	01	-
राजेश देबनाथ	शोधार्थी	01	01	-
समीर देबनाथ	शोधार्थी	01	-	-

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	पर्यवेक्षक का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त	शोधार्थी का नाम
1	श्री कमल दास	पूर्णकालिक (आरईटी)	स्टडीज ऑन द कार्बन-हेटेरोएटम बॉन्ड फॉर्मेशन रिएक्शन टूअर्ड्स सिंथेटिकली यूजफुल ऑर्गेनिक मॉलेक्यूल्स अंडर माइल्ड एंड इको-फ्रेंडली कंडिशंस	प्रो. एस. मजूमदार	पीएच.डी. उपाधि प्रदत्त 05.06.2024
2	श्रीमती मैत्रेयी भट्टाचार्जी	पूर्णकालिक (आरईटी)	सिंथेसिस, स्ट्रक्चर, रिएक्टिविटी एवं थ्योरेटिकल इंनवेस्टिगेशंस ऑन नाइट्रोजन, ऑक्सीजन डोनर कंप्लेक्सेस ऑफ कॉपर एंड जिंक	प्रो. आर. एन. दत्त पुरकायस्थ	पीएच.डी. उपाधि प्रदत्त 21.03.2024
3	श्री सौरभ चक्रबर्ती	पूर्णकालिक (यूजीसी)	स्टडीज ऑन द डेवलपमेंट ऑफ सस्टेनेबल मीडियम फॉर सम कार्बन-कार्बन बाउंड फॉर्मिंग रिएक्शंस	प्रो. एस. मजूमदार	पीएच.डी. थीसीस जमा 09.08.2024

4	श्रीमती बिजयश्री मिश्रा	अंशकालिक	सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल इवैल्यूएशंस ऑफ सम न्यूवर एंथ्राक्यूनोन डेरिवेटिव्स	प्रो. यू. सी. दे	पीएच.डी. थीसीस जमा 18.09.2024
5	सुश्री तनुश्री देबनाथ	अंशकालिक	डिजाइन, सिंथेसिस एंड एक्टिविटी स्टडी ऑफ एचडीएसी8 इंहिबिटर्स	प्रो. एस. मजूमदार डॉ. सुधन देनबाथ	पंजीकृत
6	सुश्री बर्नाली दास	पूर्णकालिक (आरईटी)	सस्टेनेबल स्ट्रैटेजी टूअर्ड्स द डेवलपमेंट ऑफ नेवेल रूट्स फॉर द सिंथेसिस ऑफ बिस-हेट्रोसाइकिल्स एंड अदर रिलेटेड कंपाउंड्स	प्रो. एस. मजूमदार	पंजीकृत 31.10.2022
7	श्रीमती स्मृति रेखा बरुआ	पूर्णकालिक (आरईटी)	सिंथेसिस, स्ट्रक्चरल इलुसिडेशन एंड रिएक्टिविटी स्टडीज ऑन मोलीबडेनम एंड टंग्सटन कॉम्प्लेक्सेस	प्रो. आर. एन. दत्त पुरकायस्थ	पंजीकृत 02.02.2021
8	श्रई सुशांत दास बैष्णब	अंशकालिक	सिंथेसिस, स्ट्रक्चर, रिएक्टिविटी एंड थ्योरेकिटल इन्वेस्टिगेशन ऑन नाइट्रोजन, ऑक्सीजन डोनर कॉम्प्लेक्सेस ऑफ वैनैडियम	प्रो. आर. एन. दत्त पुरकायस्थ	पंजीकृत 20.10.2020
9	सुश्री सुदपा देब	पूर्णकालिक (आरईटी)	एन इन्वेस्टिगेशन ऑन द फिजिको-कैमिकल प्रोपर्टीज ऑफ सम डायज एंड अदर ऑर्गेनिक मॉलेक्यूल्स एसेंबल्ड इन अल्ट्रा-थिन फिल्म्स	प्रो. आर. के. नाथ	पंजीकृत 27.01.2021
10	श्री बजय कृष्ण दास	अंशकालिक	बायोसिंथेसिस ऑफ फोटोफैब्रिकेटेड मेटल नैनोपार्टिकल्स, देअर कैरैक्टराइजेशन एंड स्टडीज ऑफ बायोलॉजिकल पोटेंशियलिटीज	प्रो. यू. सी. दे	प्री-सबमिशन
11	समीर देबनाथ	अंशकालिक	सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल स्टडीज ऑफ सम ऑर्गेनिक हेट्रोसाइकिल्स	प्रो. यू. सी. दे	पंजीकृत 15.12.2022
12	राजेश देबनाथ	पूर्ण कालिक (आरईटी)	सिंथेसिस, कैरैक्टराइजेशन एंड बायोलॉजिकल स्क्रीनिंग ऑफ फाइटो मॉलेक्यूल्स कंजूगेटेड मेटल नैनो पार्टिकल्स	प्रो. यू. सी. दे	पंजीकृत 07.03.2023
13	सुमन चक्रबर्ती	अंशकालिक	-	प्रो. यू. सी. दे	पंजीकृत
14	नरोत्तम कर्माकर	अंशकालिक	-	प्रो. आर. के. नाथ	कोर्स वर्क पूर्ण
15	देबाशीष रॉयचौधुरी	अंशकालिक	-	प्रो. एस. मजूमदार, डॉ. सुधन देबनाथ	पंजीकृत

5. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

5.1. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
प्रो. आर. के. नाथ	त्रिपुरा कैमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	इंडियन साइंस कांग्रेस	आजीवन सदस्य
	इंडियन सोसायटी फॉर सर्फेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी	आजीवन सदस्य
प्रो. आर. एन. दत्त पुरकायस्थ	इंडियन कैमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	त्रिपुरा कैमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	मेघालय साइंस सोसायटी	आजीवन सदस्य
	एसोसिएशन ऑफ कैमिस्ट्री टीचर्स	सदस्य
प्रो. एस. मजूमदार	त्रिपुरा कैमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टिवेशन ऑफ साइंस	आजीवन सदस्य
प्रो. यू. सी. दे	एसोसिएशन ऑफ कैमिस्ट्री टीचर्स	सदस्य
	इंडियन कैमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	त्रिपुरा कैमिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टिवेशन ऑफ साइंस	आजीवन सदस्य
डॉ. एस. के. विश्वास	इंडियन सोसायटी फॉर सर्फेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी	आजीवन सदस्य

5.2. **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
1. डॉ. अर्घ्यदीप भट्टाचार्या 2. डॉ. अनिर्बान चन्द्रा	एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एंड एंप; सेंसिटाइजेशन प्रोग्रैम (एमएमसी-049-2024-एमएवाई-बी-00510) अंडर मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्रैम (एमएम-टीटीपी) ऑफ यूनिवर्सिटी ग्रैंट कमिशन (यूजीसी)	ऑनलाइन (कालीकट विश्वविद्यालय, थेनहिपलम-673635 केरल)	10 दिवसीय	20.05.2024 से 29.05.2024 तक

6. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, मेडिसिनल केमिस्ट्री, सिंथेटिक और स्ट्रक्चरल इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री, स्पेक्ट्रोस्कोपी, सर्फेक्टेंट और कोलाइड्स, थिन फिल्म एंड नैनो साइंस।

7. **नई पहल / नवाचार** :

डीएसटी-एफआईएसटी निधि के माध्यम से एनएमआर सुविधा की स्थापना की गई।

8. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
05+06 = 11	03 (प्रयोगशालाएं) 02 (उपकरण कक्ष)	6

9. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

i) एक फ्लैश क्रोमैटोग्रैफी (बायोटैग, स्वीडेन, डीबीटी, भारत सरकार से निधि पोषित।)
ii) एक यूवी-विस स्पेक्ट्रोमीटर (हितैची, यूएच 5300, जापान, डीबीटी, भारत सरकार से वित्त पोषित)
iii) एक वैक्यूम कंसेट्रैटर (इपेंड्रॉफ, जर्मनी, डीबीटी, भारत सरकार से वित्त पोषित)
iv) यूवी-विस स्पेक्ट्रोमीटर- 02 (शिम्डजू - 1800 &1900)
v) मैग्नेटिक बैलेंस (शेरवूड)
vi) एचपीएलसी - डायोनैक्स
vii) साइक्लिक वोल्टामीटर
viii) एलबी फिल्म बैलैंस (अपेक्स इंस्ट्रूमेंट)
ix) 400 एमएचजेड एनएमआर स्पेक्ट्रोमीटर (ब्रूकर), इंस्टॉल्ड इन सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी।
x) आईआर (ब्रूकर)
xi) आरएफ - 6000 शिम्डजू फ्लोरिमीटर

10. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
प्रो. यू. सी. दे	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कैमिकल बायोलॉजी - ए सीएसआईआर रिसर्च इंस्टीट्यूट, जादवपुर, कोलकाता	"सिंथेसिस एंड कैरैक्टराइजेशन ऑफ डिफ्रेंट क्रिसिन डेरिवेटिव्स फॉलोड बाय स्क्रीनिंग ऑफ एंटी-ओबेसोजेनिक एक्टिविटी, एंटी डायबेटोजेनिक एक्टिविटी इन विट्रो : एसेसमेंट ऑफ इन विवो एक्टिविटी विद द लीड कंपाउंड्स"	वर्ष 2019 से
डॉ. ए. भट्टाचार्या	बीरमिंघम यूनिवर्सिटी एकैडेमिक कोलैबोरेशन	एकैडेमिक कोलैबोरेशन ऑन "स्टडीज ऑफ फोटो-आइसोमेराइजेशन इन सम मॉडेल कंपाउंड्स"	दिसंबर, 2023 से

संगणक (कंप्यूटर) विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. मृणाल कांति भौमिक
स्थापना वर्ष : 2005
संचालित पाठ्यक्रम : 1. एम. टेक.,
2. पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम. टेक - 15 (एआईसीटीई अनुमोदित)

विभाग का ध्येय :

1. सहयोगात्मक एवं अंतःविषयक समस्या समाधान को प्रोत्साहित करना ।
2. सामाजिक हित के लिए छात्रों को ज्ञान की खोज और अनुप्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना ।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि :

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग ने दिनांक 19 अगस्त, 2005 को एआईसीटीई से समुचित अनुमोदन के साथ अपनी यात्रा शुरू की। विभाग समर्पित संकायों की सख्त निगरानी में फल-फूल रहा है, जिन्होंने शुरुवात से ही कुशल छात्रों के सहयोगात्मक प्रयास से विभाग की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित की है। विभाग द्वारा जादवपुर विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, कोलकाता, भारत जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के संकाय सदस्यों को यहां आकर कक्षाएं संचालित करने और छात्रों के ज्ञान को समृद्ध करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग के संकाय सदस्य अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली, भारत, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) भारत सरकार, से एमओडीआरओबी-एनईआर योजना के अंतर्गत, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर),भारत सरकार, स्वायत्त नेविगेशन और डेटा अधिग्रहण प्रणाली पर तिहान फाउंडेशन टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब, आईआईटी - हैदराबाद से विभिन्न वित्त पोषित परियोजनाओं से जुड़े हुए हैं। विभाग ने 04/12/2023 से 09/12/2023 तक त्रिपुरा विश्वविद्यालय में "इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित इको सिस्टम के सुरक्षा पहलुओं" पर 5 दिनों का एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) अकादमी संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया है।





चित्र : एआईसीटीई प्रशिक्षण एवं शिक्षण (अटल अकादमी संकाय विकास कार्यक्रम - एफडीपी)



चित्र : विभाग की बाह्य गतिविधि

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	बीई (सीएसई), एम.टेक. (सीएसई), पीएच.डी. (इंजी.)	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	इमेज प्रोसेसिंग, मेडिकल इमेज प्रोसेसिंग, बायोमेट्रिक्स एंड फेस रिकग्निशन	16+	7	4	100	5	1388	19
डॉ. अभिषेक मजूमदार	बीई (सीएसई), एम.टेक (आईटी), पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	विटलेस एडहॉक नेटवर्क, वायरलेस मेश नेटवर्क, आईओटी, मशीन लर्निंग	16+	1	4	31	2	893	15
डॉ. सोमेन देबनाथ	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	इंफॉर्मेशन सेक्यूरिटी	13	1	3	-	-	107	6
श्रीमती शर्मिष्ठा चक्रबर्ती	बीई (सीएसई), एम.टेक (सीएसई)	अतिथि शिक्षक	अतिथि	इमेज प्रोसेसिंग पैटर्न रिकोग्निशन, मेडिकल इमेज प्रोसेसिंग	8+	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	16	1

* **उल्लेख अवश्य करें ।**

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
सुकांत चक्रबर्ती	शोधार्थी	01	-	-
जयंत दास	एम.टेक. के छात्र	01	-	-
ऋषिकेश कुमार सिंह	एम.टेक. के छात्र	-	03	-
नबनिता शील	एम.टेक. के छात्र	-	03	-
शर्मिष्ठा दास	एम.टेक. के छात्र	-	03	-
जाग्रिता पॉल	एम.टेक. के छात्र	-	02	-

अभिजीत विश्वास	एम.टेक. के छात्र	-	02	-
सुष्मिता सरकार	एम.टेक. के छात्र	-	02	-
काबेरी संगमा	एम.टेक. के छात्र	-	02	-
सुप्रव विश्वास	एम.टेक. के छात्र	-	02	-
सुराजीत दे	एम.टेक. के छात्र	-	02	-

3. **संकाय/अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/संगोष्ठी/कार्यशाला/समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
डॉ. मृणाल कांति भौमिक, सह प्राध्यापक	मिजोरम	9 सितंबर, 2023	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मानव संसाधन विकास केंद्र, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम, भारत द्वारा आयोजित आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान।	इमेज एवं वीडियो फॉरेंसिक
डॉ. मृणाल कांति भौमिक, सह प्राध्यापक	अगरतला	10 -14 जुलाई, 2023	संकाय विकास कार्यक्रम का संयुक्त तौर पर आयोजन, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग एवं इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर अभियांत्रिकी विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ अभियांत्रिकी अगरतला, त्रिपुरा, भारत।	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी में समकालीन रुझान एवं शोध के अवसर
डॉ. सोमेन देबनाथ, सह प्राध्यापक	आईजल	07/09/2023	मिजोरम विश्वविद्यालय	चैलेंजेज एंड अपॉच्यूनिटी ऑफ आईसीटी इन टीचिंग लर्निंग
डॉ. सोमेन देबनाथ, सह प्राध्यापक	आईजल	10/11/2023	मिजोरम नर्सिंग कॉलेज	इंट्रोडक्शन ऑफ मूक्स
डॉ. सोमेन देबनाथ, सह प्राध्यापक	अगरतला	28/12/2023	राम ठाकुर महाविद्यालय, अगरतला	चैलेंजेज एंड अपॉच्यूनिटीज ऑफ एआई टूल्स इन हायर एजुकेशन
डॉ. सोमेन देबनाथ, सह प्राध्यापक	तेलियामूरा	09/01/2024	तेलियामूरा शासकीय महाविद्यालय	इंडियन नॉलेज सिस्टम इन एनईपी
डॉ. सोमेन देबनाथ, सह प्राध्यापक	अगरतला	23/02/2024	टेक्नो अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अगरतला	अप्लिकेशन सिक्योरिटी
डॉ. सोमेन देबनाथ, सह प्राध्यापक	आईजल	14/03/2024	मिजोरम विश्वविद्यालय	सत्र की अध्यक्षता - तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, विषय - एडवांस्ड इन्नोवेटिव रिसर्च इन अभियांत्रिकी, संचालक - स्कूल ऑफ अभियांत्रिकी एंड टेक्नोलॉजी, मिजोरम विश्वविद्यालय दिनांक 13.03.2024 से 15.03.2024 तक

4. **पेटेंट/कॉपीराइट आवेदित / प्राप्त** :

नाम	पेंटेट का शीर्षक	आवेदित / प्राप्त	पेटेंट सं.	तिथि (आवेदित/ प्राप्त)	लाइसेंस्ड अथवा नहीं
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	सिस्टम एंड मेथड फॉर डिटेक्टिंग ऑब्जेक्ट इन एडवर्स एटमॉस्फेयर बाय रिस्टोरिंग डिग्रेडेड इमेज इन डीप कॉनवोलुशनल लेयर	प्राप्त	202131002651	1/7/2024	कोई नहीं
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	ए सिस्टम एंड मेथड फॉर सेगमेंटिंग सस्पिसियस हायपरथर्मिक रिजंस फ्रॉम ब्रेस्ट थर्मोग्रैम्स	अप्लाइड	202031027352	27/06/2020	कोई नहीं

डॉ. मृणाल कांति भौमिक	सिस्टम एंड मेथड फॉर क्लासिफिकेशन ऑफ मल्टीक्लास सीन्स इन एडवर्सैरियल वेदर यूजिंग ए कन्वोलूशन न्यूरल नेटवर्क	अप्लाइड	202231068251	28/11/2022	कोई नहीं
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	ए सिस्टम एंड मे मेथड यूजिंग जीएसनेट फॉर प्रजेंस ऑफ गन इन कॉम्प्लेक्स सीन्स	अप्लाइड	202231068259	28/11/2022	कोई नहीं
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	ए मेथड एंड ए सिस्टम फॉर सेगमेंटिंग सस्पिसियस हॉट स्पॉट रिजंस इन ए प्लूरैलिटी ऑफ ज्वाइंट्स	अप्लाइड	202431062925	20/08/2024	कोई नहीं
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	ए मेथड एंड ए सिस्टम फॉर ब्रेस्ट एबनॉर्मैलिटी डिटेक्शन	अप्लाइड	202431055003	18/07/2024	कोई नहीं
डॉ. सोमेन देबनाथ	ए सिंगक्रिप्शन बेस्ड ऑउटसोर्स्ड डेटा एक्सेस कंट्रोल (एसबीओडीएसी) सिस्टम	प्राप्त	202024101365	02/04/2024	कोई नहीं

5. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
सौरभ दे रॉय	पूर्णकालिक	मूविंग ऑब्जेक्ट डिटेक्शन इन डिग्रेडेड एटमॉस्फेरिक कंडिशंस	डॉ. मृणाल कांति भौमिक	उपाधि प्रदत्त, 10 अप्रैल, 2024
साश्वत सरकार	पूर्णकालिक	डिटेक्शन ऑफ फर्ज्ड मल्टीमीडिया कंटेंट रिप्रजेंटिंग सोसियली सिंग्निफिकेंट इवेंट्स	डॉ. मृणाल कांति भौमिक	पीएच.डी. पंजीयन, 3 मई, 2024

6. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

6.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या /अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय /राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1	4-9 दिसंबर, 2023	5 दिवसीय	सेक्यूरिटी ऑस्पैक्ट्स ऑफ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) बेस्ड इको सिस्टम	एआईसीटीई अटल एफडीपी	राष्ट्रीय	50

6.2. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	आईईईई	वरिष्ठ सदस्य
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	एसीएम	सदस्य
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	एसपीआईई	सदस्य
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	अभियांत्रिकी संस्थान (आईई)	स्नातक सदस्य
डॉ. अभिषेक मजूमदार	भारतीय अभियांत्रिकी संस्थान (आईईआई)	सह सदस्य
डॉ. सोमेन देबनाथ	भारतीय अभियांत्रिकी संस्थान (आईईआई) (एम-1702348)	आजीवन सदस्य
डॉ. सोमेन देबनाथ	भारतीय तकनीकी शिक्षा समिति (आईएसटीई) (109049)	आजीवन सदस्य
डॉ. सोमेन देबनाथ	कंप्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) (एफ8004119)	संकाय सदस्य
डॉ. सौरभ दे रॉय	आईईईई	छात्र सदस्य
साश्वत सरकार	आईईईई	छात्र सदस्य
शांतनु दास	आईईईई	छात्र सदस्य
पूजा दास	आईएपीआर	आजीवन सदस्य
जयदीप रॉय	आईईईई	छात्र सदस्य

6.3.**अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. सोमेन देबनाथ	सायबर-एटैक एवं डिफेंस	सी-डैक, नोएडा (ऑनलाइन)	5 दिवसीय	2 जनवरी, , 2024 से 6 जनवरी, 2024
श्रीमती शर्मिष्ठा चक्रबर्ती	संकाय विकास कार्यक्रम - "मॉडर्न एवं इन्नोवेटिव टूल्स इन अभियांत्रिकी एजुकेशन"	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग तथा कृत्रिम बुद्धिमता विभाग तथा डेटा विज्ञान, सीएसआई के सहयोग से टीसीईए (कोलकाता चैप्टर) (ऑनलाइन)	5 दिवसीय	4 मार्च, 2024 से 8 मार्च, 2024
श्रीमती शर्मिष्ठा चक्रबर्ती	एआईसीटीई ट्रेनिंग एवं लर्निंग (अटल) एकैडेमी फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्रैम (एफडीपी) ऑन "सिक्योरिटी आस्पैक्ट्स ऑफ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) बेस्ड इको सिस्टम"	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	5 दिवसीय	4 दिसंबर, 2023 से 9 दिसंबर, 2023

7. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

- बायोमेट्रिक्स एवं फेस रिकग्निशन
- कंप्यूटर विजन इन डेटा साइंस
- मेडिकल इमेजिंग :
  - माइक्रोस्कोपिक सेल इमेजिंग फॉर एबनॉर्मैलिटी डिटेक्शन
  - मल्टीमोडैलिटी इमेजिंग फॉर एबनॉरमैलिटी डिटेक्शन
  - मस्कूलोस्केलेटल रैडियोलॉजी इमेजिंग
- सायबर सिक्योरिटी एवं डिजिटल फॉरेंसिक्स
- वायरलेस नेटवर्क
- आईओटी
- मशीन लर्निंग

8. **नई पहल / नवाचार** :

- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत "साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में एम.टेक" नामक नया पीजी कोर्स खोलने की पहल की गई है। इस पाठ्यक्रम के संस्थापक समन्वयक डॉ. मृणाल कांति भौमिक, सहायक प्राध्यापक (वरिष्ठ स्केल), कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) हैं। "साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में एम.टेक" कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2023-2024 से शुरू किया गया, जो भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों को उच्च अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के गणित विभाग और कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इन-हाउस यूजी पाठ्यक्रम "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक)" को खोलने की पहल की गई है। इस पाठ्यक्रम के संस्थापक समन्वयक प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य (हलदर), गणित विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) और डॉ. मृणाल कांति भौमिक, सहायक प्राध्यापक (वरिष्ठ स्केल), कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) हैं। "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक)" पाठ्यक्रम आगामी शैक्षणिक सत्र से शुरू किया जाएगा जो भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों को उच्च अध्ययन करने के लिए एक अवसर प्रदान करेगा।

9. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
06	02	04

10. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

- शैक्षिक प्रयोगशाला(भूतल) पर उपलब्ध प्रमुख उपकरण : 10 कार्यरत कंप्यूटर उपलब्ध हैं।
- शैक्षिक प्रयोगशाला(तृतीय तल) पर उपलब्ध प्रमुख उपकरण : 8 कार्यरत कंप्यूटर उपलब्ध हैं।
- बायोमेट्रिक्स प्रयोगशाला (प्रथम तल) में उपलब्ध प्रमुख उपकरण (वित्त पोषित : इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार)
    - 5 निकन डी5100 वीआर किट कैमरा विद एक्सेसरीज विद सिंप्लेक्स फ्लैश रेडियो ट्रिगर, एमएल - 3 (इंफ्रारेड मल्टीट्रिगर), ट्राइपॉड (कैमरा स्टैंड) ।
    - 1 रैक मैक्स 4यू सर्वर (एचपी/डीएल 580) विद 2.13 जीएचजेड इंटेल जियोन क्वैड कोर प्रोसेसर।
    - 1 डेल स्टूडियो एक्सपीएस 1640 लैपटॉप, विद 2.40जीएचजेड 789 एमएचजेड इंटेल कोर 2 डूओ प्रोसेसर विद 4जीबी फिजिकल मेमोरी ।
    - 3 एचपी कंपैक डेस्कटॉप कंप्यूटर्स विद 2.80जीएचजेड, 3.00 जीएचजेड, 2.66 जीएचजेड कोर 2 डूओ प्रोसेसर्स एवं 2 जीबी, 2 जीबी,1 जीबी फिजिकल मेमोरी रिस्पैक्टिवली ।
    - ऑनलाइन यूपीएस, 3.0 केवीए
    - आरटीजी005-यूएसबी कनेक्टेड एफपीजीए एंड पावर पीसी इमेज प्रोसेसिंग सिस्टम
    - सोनी मेक कैमरा लिंक कैमरा, मोनोक्रोम, यूनिवर्सल पावर सप्लाई विद 4एमएम मेगा पिक्सेल लेंस, मिनी 26 पिन कैमरा लिंक कनेक्टर
    - एचपी लेजर जेट एम 1522 एनएफ प्रिंटर कम स्कैनर कम कॉपियर कम फैक्स
    - एचपी लेजर जेट प्रिंटर पी1008.




चित्र : बायोमेट्रिक्स प्रयोगशाला

- **<u>बायोमेडिकल इंफ्रारेड इमेज प्रोसेसिंग लैबोरेट्री (प्रथम तल) में उपलब्ध प्रमुख उपकरण</u>**

(वित्त पोषित : जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), ट्विनिंग प्रोजेक्ट, भारत सरकार)

- T650एससी इंफ्रारेड थर्मल कैमरा विद सेंसिटिविटी : (एट 3o °सी): <20 एमके @ 3o °सी, फिल्ड ऑफ व्यू (एफओवी)/ मिनिमम फोकस डिस्टैंस : 25° x 19° / 0.25एम, स्पैक्ट्रल रैंज : 7.5 टू 14 जीएम विद बजट लेआउट ऑफ द कैमरा एराउंड 22 लाख।
- एफएलआईआर ई-60 थर्मो-विजन कैमरा विद सेंसिटिविटी ऑफ <0.05°सी एंड डिजिटल कैमरा फ्लैश, बिल्ट इन लेजर विद सॉफ्टवेयर एंड ट्राई-पॉड माउंटेड।
- एपीसी 6केवीए ऑनलाइन यूपीएस
- वन नं. ऑफ एनवीआईडीआईए टाइटन आरटीएक्स जीपीयू कनेक्टेड एचपी जेड4 वर्कस्टेशन।
- वन नं. ऑफ क्लॉड स्टोरेज विद 24टीबी एचडीडी



चित्र : बायो मेडिकल इंफ्रारेड इमेज प्रोसेसिंग लैबोरेट्री

- कंप्यूटर विजन प्रयोगशाला (प्रथम तल) में उपलब्ध प्रमुख उपकरण (वित्त पोषित : डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ), भारत सरकार)
  - वन नं. ऑफ एनवीआईडीआईए टाइटन एक्सपी ग्रैफिक्स कार्ड विद जीपीयू आर्किटेक्चर पास्कल, फ्रेम बफर 12 जीबी जी 5 एक्स, मेमोरी स्पीड 11.4 जीबीपीएस, बूस्ट क्लॉक 1582 एमएचजेड
  - वन नं. एचपी जेड420 वर्कस्टेशन विद 3.7 जीएचजेड स्पी
  - टू नं. ऑफ पीटीजेड हाय रिजोल्यूशन सीसीटीवी कैमराज
  - वन नं. ऑफ क्लाउड स्टोरेज विद 24टीबी एचडीडी
  - वन 6 केवीए ऑनलाइन यूपीएस

वन 49 इंच पैनासोनिक डिसप्ले मॉनिटर







चित्र : कंप्यूटर विजन प्रयोगशाला

- मोबाइल कंप्यूटिंग प्रयोगाशाला (तृतीय तल) में उपलब्ध प्रमुख उपकरण (वित्त पोषित : इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार)
  - डेल प्रिसिजन टावर 5810 वर्कस्टेशन
  - ऑनलाइन यूपीएस, 3.0 केवीए
  - सैमसंग एक्सप्रेस एम2876एनडी ऑल इन वन लेजर प्रिंटर
  - आईओटी किट (ऑई्यूनो किट, रास्पबेरी पी किट)
  - नासा टेक रोबोटिक किट
  - डेल टी 40 एज सर्वर
  - डेल प्रिसिजन टी3610 वर्कस्टेशन





चित्र : मोबाइल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला

11. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली, भारत	परियोजना शीर्षक - "इंफ्रारेड सिग्नेचर ऑफ पेडिएट्रिक सर्जिकल वाउंड थर्मोग्रैफिक प्रोफाइल्स एंड अर्ली स्टेज टेस्ट-एकुरेसी स्टडी टू प्रीडिक्ट द सर्जिकल साइट इंफेक्शन एंड डेवलपमेंट ऑफ डीप लर्निंग बेस्ड ऑर्टिफिसियल इंटेलिजेंस टेक्निक फॉर ऑटोमेटिक इमेज सेगमेंटेशन", फंडेड बाय - इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), भारत सरकार	2023-2024
डॉ. मृणाल कांति भौमिक	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, भारत	परियोजना शीर्षक - "यूएवी बेस्ड इमेज एक्यूजिशन एंड एनैलिसिस फॉर एयर पॉल्यूशन पार्टिकल्स डिटेक्शन एंड लेबलिंग", वित्त पोषित - तिहान फाउंडेशन टेक्नोलॉजी इन्नोवेशन हब ऑन ऑटोनोमस नैविगेशन एंड डेटा एक्यूजिशन सिस्टम्स, आईआईटी - हैदराबाद	2023-2024
डॉ. सोमेन देबनाथ	मिजोरम विश्वविद्यालय	सप्लाई चेन मैनेजमेंट फॉर एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स ऑफ मिज फार्मर्स यूजिंग ब्लॉकचैन एंड मशीन लर्निंग (32 लाख) निधि पोषित - आईबीआईटीएप एज को-पाआई	2023-2025
डॉ. सोमेन देबनाथ	मिजोरम विश्वविद्यालय	स्मार्ट टास्क मैनेजमेंट फॉर द अनऑर्गेनाइज्ड वर्कर्स इन मिजोरम (30 लाख), वित्त पोषित - आईबीआईटीएफ एज को-पीआई	2023-2024
डॉ. सोमेन देबनाथ	मिजोरम विश्वविद्यालय	सस्टेनेबल स्मार्ट पार्किंग सॉल्यूशन फॉर आईजल सिटी (30 लाख) निधि पोषित - आईबीआईटीएफ एज को-पीआई	2023-2024

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. चंपा नंदी
स्थापना वर्ष : 2005
संचालित पाठ्यक्रम : 1) एम. टेक
2) पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : 18 (एम.टेक)

विभाग का ध्येय :

उत्कृष्टता का केंद्र बनना और ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गहन जुनून के साथ विद्युत अभियांत्रिकी की क्षमता का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक और ज्ञान-आधारित शिक्षा में उत्कृष्टता के माध्यम से समाज में योगदान देना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि :

1. विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने कृत्रिम बुद्धिमता पर विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।
2. ऊर्जा एवं पर्यावरण विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आईईआई के साथ विभाग में आयोजित।

शोधार्थियों की उपलब्धि :

पीएच.डी. की शोधार्थी संगिता बैद्य को विद्युत अभियांत्रिकी में पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

एम. टेक के छात्रों की उपलब्धि :

एम.टेक के द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों ने सम्मेलन में अपना पत्र प्रस्तुत किया। सभी छात्रों ने वर्तमान अकादमिक सत्र के दौरान विभिन्न कार्यशाला/ संगोष्ठी आदि में सहभागिता की। एक छात्र ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में प्रोटोटाइप मॉडल प्रस्तुत किया।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. चंपा नंदी	विद्युत अभियांत्रिकी में पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन एवं प्रबंधन, माइक्रोग्रिड संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन एवं न्यूनीकरण प्रौद्योगिकी	14+ वर्ष	3	3	35	5	580	15
संगीता दास विश्वास	एम. टेक (विद्युत अभियांत्रिकी)	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	मल्टीलेवल इन्वर्टर से बिजली की गुणवत्ता में संवृद्धि	20(+0) वर्ष	कोई नहीं	कोई नहीं	30	3	27	3
डॉ. गगरी देब	विद्युत अभियांत्रिकी में पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक (संविदात्मक)	संविदा	विद्युत प्रणाली की वोल्टेज स्थिरता	15	-	-	33	2	253	7
डॉ. सोमूदीप भट्टाचार्जी	विद्युत अभियांत्रिकी में पीएच.डी.	अतिथि शिक्षक	अतिथि	हाइब्रिड ऊर्जा प्रणाली, ऊर्जा प्रबंधन	2+ वर्ष	0	0	0	0	272	11

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. चंपा नंदी	संकाय	-	3	-
संगीता दास विश्वास	शिक्षक	4	1	2
डॉ. गगरी देब	शिक्षक	-	3	-
डॉ. सोमूदीप भट्टाचार्जी	शिक्षक	-	1	-
डॉ. संगीता बैद्य	शोधार्थी	-	1	-
उत्तरा दास	शोधार्थी	-	3	-
पल्लबी देबनाथ	छात्र	-	5	-
दीपतनु पाल	छात्र	-	4	-
तनुश्री देबबर्मा	छात्र	-	5	-
अर्कजीत नाथ भौमिक	छात्र	-	5	-
सुचेता पॉल	छात्र	-	5	-
बपन देबनाथ	छात्र	-	5	-
बिलियन ऊंचाई	छात्र	-	1	-
हमारी जमातिया	छात्र	-	1	-
धन्यमाणिक जमातिया	छात्र	-	1	-
केरी देबबर्मा	छात्र	-	1	-
शिलादित्य चक्रबर्ती	छात्र	-	1	-
तिथि दास	छात्र	-	1	-
शामपिली देबबर्मा	छात्र	-	1	-
पृथ्वीराज रॉय	छात्र	-	1	-
शुभंकर दास	छात्र	-	1	-
देबलीना दे	छात्र	-	1	-

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
डॉ. चंपा नंदी	"अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हालिया चलन एवं शोध के अवसर" विषयक पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, आयोजक - टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अगरतला, त्रिपुरा	10 जुलाई, 2023 से 14 जुलाई, 2023.	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अगरतला, त्रिपुरा	अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकी : स्थिर भविष्य के लिए शोध अवसर

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
संगीता बैद्य	पूर्णकालिक	प्रोटेक्शन स्कीम फॉर सोलर पीवी बेस्ड डीसी माइक्रोग्रिड	डॉ. चंपा नंदी	उपाधि प्रदत्त
ब्रह्मानंद ठाकुर	अंशकालिक	डिजाइन ऑफ इंटेलिजेंट कंट्रोलर फॉर इंप्रूव्ड एनर्जी मैनेजमेंट स्कीम विद हाइब्रीड रिन्यूवेबल जेनेरेशन	डॉ. चंपा नंदी	पंजीकृत

उत्तरा दास	पूर्णकालिक	डिजाइन एंड एनैलाइज एन एनर्जी जेनरेशन टेक्निक बाय कंसिडरिंग इमिशन रिडक्शन ऑफ ए ग्रीन पावर प्लांट	डॉ. चंपा नंदी	पंजीकृत
संगीता दास विश्वास	अंशकालिक	इलेक्ट्रिकल पावर क्वैलिटी एन्हैंसमेंट एनैलिसिस एंड हार्मोनिक मिटिगेशन यूजिंग मल्टीलेवेल इंवर्टर्स	डॉ. चंपा नंदी , त्रिपुरा विश्वविद्यालय तथा डॉ. बिक्रम दास,एनआईटी, अगरतला	पंजीकृत

5. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

5.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/परिसंवाद/ व्याख्यान/वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1	18/08/2023	1 दिवसीय	ऊर्जा एवं पर्यावरण	संगोष्ठी	कार्यशाला	20
2	05/07/2023 - 06/07/2023	2 दिवसीय	कृत्रिम बौद्धिकता	कार्यशाला	कार्यशाला	45

5.2. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
संगीता दास विश्वास	अभियांत्रिकी संस्थान (भारत)	सदस्य
डॉ. चंपा नंदी	आईईआई (भारत)	सदस्य
डॉ. गगरी देब	आईईआई (भारत)	सदस्य

5.3. **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
संगीता दास विश्वास	साइबर हमले एवं बचाव	"साइबर एटैक्स एंड डिफेंस" विषयक संकाय विकास कार्यक्रम (मास्टर ट्रेनर्स), संचालक - सी-डैक, नोएडा, साइबर ज्ञान प्रोजेक्ट के अंतर्गत, सहयोग - इलेक्ट्रोनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मैती) मंत्रालय, भारत सरकार	1 साप्ताहिक	2 जनवरी, 2024 - 6 जनवरी, 2024
डॉ. चंपा नंदी	विद्युत अभियांत्रिकी के लिए पायथन	डेसीलैब्स से ऑनलाइन	4 साप्ताहिक	4 मई, 2024 से 4 जून, 2024

6. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
2	2	कोई नहीं

7. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

इलेक्ट्रिकल होम इलेक्ट्रिकल वायरिंग प्रशिक्षण प्रणाली, सौर ग्रिड से जुड़े इन्वर्टर प्रदर्शन किट 300वा., सौर ऊर्जा प्रशिक्षक, अन्य प्रकार के कन्वर्टर्स के साथ फ्लाई-कन्वर्टर और पीएसकैड, लैबव्यू, मैटलैब/ सिमुलिंक सॉफ्टवेयर आदि।

फोटो गैलरी






6TH M.L. DASGUPTA MEMORIAL LECTURE
SEMINAR ON : "ENERGY & ENVIRONMENT"
GPS Map Camera
Bikramnagar, Tripura, India
Q766+JRH, Suryamani Nagar, Bikramnagar, Madhupur, Tripura 799022, India
Lat 23.761687°
Long 91.262137°
18/08/23 03:53 PM GMT +05:30
Google


Life Cycle Assessment of Solar Power Plant

इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. अनिर्बान कर्माकर
स्थापना वर्ष : 2016
संचालित पाठ्यक्रम : एम. टेक (ईसीई), पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : 17

विभाग का ध्येय :

विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी शिक्षा की सुविधा प्रदान करने का प्रयास करता है, ताकि छात्रों में वैज्ञानिक सोच पैदा की जा सके और उन्हें शोध की ओर अग्रसर किया जा सके। विभाग का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में वर्तमान तकनीकी प्रगति की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल अभियांत्रिकों को तैयार करना है, ताकि अत्याधुनिक उद्योग मानकों के अनुरूप सीखने का माहौल बनाया जा सके। विभाग का उद्देश्य छात्रों को ऐसी तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है जो वास्तविक जीवन में आने वाली समस्याओं और स्थितियों पर सीधे लागू हो और इस प्रकार से एक सफल करियर का निर्माण किया जा सके ।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	माइक्रोवेव्स, एन्टिनाज एवं प्रोपैगेशन	17 वर्ष	3	2	3	-	1007	20
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	ऑप्टिकल फाइबर कम्यूनिकेशन एंड फोटोनिक्स	8 वर्ष	1	3	4	-	184	8

* उल्लेख अवश्य करें

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
आईईईई ग्लोबकॉम वर्कशॉप्स	शोधार्थी	1	-	-
हायर एजुकेशन एंड रिसर्च : टूअर्ड्स ए ट्रांसफॉर्मेटिव एंड सस्टेनेबल सोसायटी	शोधार्थी	-	1	-

3. **त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थान/विश्वविद्यालयों में अभ्यागत के रूप में जाने वाले संकाय** :

नाम	से (तिथि)	तक (तिथि)	संस्थान/ विश्वविद्यालय	विभाग/ पीठ का नाम (जहां अभ्यागत संकाय के तौर पर आमंत्रित हुए)
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	27/09/2023	27/09/2023	टीसीईए	इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	28/12/2023	28/12/2023	रामठाकुर महाविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा	कंप्यूटर साइंस

डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	23/02/2024	23/02/2024	टेक्नो कॉलेज	कंप्यूटर साइंस
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	03/06/2024	07/06/2024	टेक्नो कॉलेज	इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	03/06/2024	07/06/2024	टेक्नो कॉलेज	इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
अनिंदिता भट्टाचार्जी	पूर्णकालिक	डिजाइन एंड एनैलिसिस ऑफ कंपैक्ट मल्टिपल-इंपुट_मल्टिपल-आउटपुट एंटिना सिस्टम्स फॉर वायरलेस कम्यूनिकेशन	डॉ. अनिर्बान कर्माकर	थीसीस जमा

5. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

5.1. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	आईईईई	वरिष्ठ सदस्य
डॉ. बिशांक ब्रत भौमिक	अभियांत्रिकी संस्थान	स्नातक सदस्य

5.2.**अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. अनिर्बान कर्माकर	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इसके अनुप्रयोग	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, कोलकाता	5 दिवसीय	15 जनवरी से 19 जनवरी, 2024

6. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** : माइक्रोवेव्स, एंटिनाज एंड आईओटी

7. **नई पहल / नवाचार** : वायरलेस अनुप्रयोग हेतु मिमो एंटिनाज एवं डायइलेक्ट्रिक रिजोनेटर एंटिनाज।

8. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
3	2	1 (एंटिना मीजरमेंट लैब)
	1 (ऑप्टिकल फाइबर कम्यूनिकेशन लैब)	
	1 (माइक्रोवेव लैब)	

9. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

माइक्रोवेव बेंच सेटअप, फाबर ऑप्टिक पावर मीटर, एंडवांस्ड फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क ट्रेनिंग मॉड्यूल, डयूअल वेवलेंथ फाइबर ऑप्टिक लेसर सोर्स एवं डिटेक्टर, ओटीडीआर, फ्यूजन स्प्लिसिंग मशीन, एसएमएफ क्लेवर, वेक्टर नेटवर्क एनैलाइजर।

वानकी एवं जैव विविधता विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. बिमल देबनाथ
स्थापना वर्ष : 2011
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी.
पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी. - 27 + 03, पीएच.डी. - रिक्ति के अनुसार (सहायक प्राध्यापक - 04, सह प्राध्यापक - 06, तथा प्राध्यापक- 08)

विभाग का ध्येय : वानिकी और जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन में उत्कृष्टता केंद्र के तौर पर उभरना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : वानिकी और जैव विविधता विभाग सितंबर, 2011 में विज्ञान संकाय के अंतर्गत वानिकी एवं जैव विविधता संरक्षण और प्रबंधन में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभरने साथ अस्तित्व में आया। विभाग समाधान आधारित वानिकी अनुसंधान से निपटने का प्रयास करेगा जो इस क्षेत्र में उभरते मुद्दों के अनुरूप है। विभाग ने कृषि वानिकी, सिल्विकल्चर और वृक्ष सुधार, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं, पारिस्थितिक मॉडलिंग, पुनर्स्थापन पारिस्थितिकी, औषधीय और सुगंधित पौधे, और वन संसाधन उपयोग में 10 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। विभाग ने वर्ष 2024 - 2025 में 10 प्रकाशनों से 17.21 प्रभाव कारक (आईएफ) स्कोर किया, जिसमें औसतन प्रति पेपर 1.72 और प्रति संकाय 4.30 था। विभाग से उत्तीर्ण छात्रों में से कुछ को विभिन्न शैक्षिक और शोध संस्थानों में समायोजित किया गया है। विभाग किसानों/बागवानों, राज्य वन विभागों और विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों जैसे उपयोगकर्ताओं को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित करने में भी सहायता करता है। विभाग दक्षिण पूर्व एशिया पर जोर देते हुए उष्णकटिबंधीय वानिकी और जैव विविधता अनुसंधान के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में पहचान बनाने का प्रयास करता है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
प्रो. बिमल देबनाथ	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	जैव विविधता, जैव प्रौद्योगिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधे, प्राकृतिक संसाधन उपयोग	20 वर्ष	02	04	39	04	380	09
प्रो. सब्यसाची दासगुप्ता	एम.एससी., वानिकी में पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी/ईआईए/वन्यजीव संरक्षण	18 वर्ष अध्यापन कार्य, 22 वर्ष शोध कार्य, 13 वर्ष परामर्शी कार्य	03	06	36	0	669	12
डॉ. थीरू सेल्वन	वानकी पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	वन जीवविज्ञान एवं वृक्ष सुधार, वन बीज प्रौद्योगिकी, वूड एनाटोमी, वन संसाधन प्रबंधन एवं उपयोग	अध्यापन - 15 वर्ष शोध -16 वर्ष कुल -18 वर्ष	02	03	45	04	369	09

डॉ. सौरभ देब	एम.एससी., पीएच.डी. (पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विज्ञान)	सहायक प्राध्यापक (स्टेज-III)	पूर्ण कालिक	कृषि वानिकी, जल संसाधन प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ और वन पारिस्थितिकी	13 वर्ष अध्यापन, 17 वर्ष शोध	02	02	40	05	1052	19
डॉ. अमल देबनाथ	एम.एससी.- वानकी एवं जैवविविधता, पीएच.डी.	-	अतिथि शिक्षक	जैव विविधता, वन पारिस्थितिकी, वन जीवमिति, वन संरक्षण	02 वर्ष अध्यापन तथा 05 वर्ष शोध	-	-	-	-	182	08

* उल्लेख अवश्य करें ।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. थीरू सेल्वन	शिक्षक	-	03	-
डॉ. सौरभ देब	शिक्षक	-	01	
लुंगलु पनमई	शोधार्थी	01	01	-
पौशाली रॉय	शोधार्थी	-	01	-
किरण कुमार मूरासिंह	शोधार्थी	-	01	-
बिपुल दास चौधुरी	शोधार्थी	02	01	-
अभिजीत भट्टाचार्जी	शोधार्थी	01	01	-
अलेख्य सरकार	शोधार्थी	-	01	-
सुजीत दास	शोधार्थी	-	01	-
हिरोमनी हजारिका	शोधार्थी	-	01	-

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान**:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
प्रो. सब्यसाची दासगुप्ता	ऑनलाइन- जेएनयू में - ईआईएसीपी रिसोर्स पार्टनर जियोडायवर्सिटी एंड इंपैक्ट एन्वायरमेंट	28.07.2023	पर्यावरण विज्ञान विद्यापीठ, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जेएनयू नया परिसर, नई दिल्ली - 110 067	"बियोंड बाउंड्रीज : कोलैबोरेटिव एप्रोचेज टू क्लाइमेट -स्मार्ट नेचर कंजर्वेशन"- #मिशन लाइफ के अंतर्गत विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर
	मूर्ति, जलपाईगुड़ी, प. बंगाल	22.03.2024	जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, गंगटोक, सिक्किम	"ड्यूअल-एज्ड सोर्ड ऑफ प्लांटेशन मोनोकल्चर ऑन क्लाइमेट चैंज रेजिलिएंस एंड सोसायटल कंफ्लिक्ट" इन द रिजनल वर्कशॉप ऑन "सस्टेनिंग द हिमालयन लैंडस्केप्स : चैलेंजेज एंड प्रायोरिटीज फॉर नॉर्थ इस्ट हिमालय"
	ऑनलाइन - यूजीसी एमएमटीटीसी, एमएएनयू, हैदराबाद	30.01.2024	मौलाना आजाद राष्ट्रीय ऊर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद	"फॉरेस्ट रिसोर्स मैनेजमेंट" इन द रिफ्रेशर कोर्स ऑन "इकोलॉजी एवं एन्वायरमेंटल साइंस"

डॉ. सौरभ देब	शिलांग, मेघालय	17.10.2023	इग्नू, शिलांग केन्द्र	रिजनल लेवेल वेबिनार ऑन 'लाइफ एडॉप्टिंग सस्टेनेबिलिटी एज ए वे ऑफ लाइफ'
	अगरतला, त्रिपुरा	11.08.2023	सिपार्ड, अगरतला	ट्रेनिंग प्रोग्रैम ऑन स्ट्रैटेजी फॉर प्लानिंग एंड इंप्लिमेंटेशन ऑफ कार्बन न्यूट्रल विलेजेज इन ए टॉपिक इंटाइटल्ड 'कंसेप्ट्स ऑफ कार्बन इमिशन, इस्टिमेशन ऑफ कार्बन इमिशन, कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन एंड सिंक टू डेवलप कार्बन-न्यूट्रल विलेजेज'
	अगरतला, त्रिपुरा	04.11.2023	सिपार्ड, अगरतला	वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट लिटरेसी फॉर स्कूल टिचर्स ऑन ए टॉपिक इंटाइटल्ड 'इंपैक्ट ऑफ क्लाइमेट चैंज ऑन बायोडायवर्सिटी'

4. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

4.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
01	28/03/2024	एक दिवसीय	पादप संसाधन उपयोग और जैव विविधता अनुसंधान	विशेष व्याख्यान की प्रस्तुति - डॉ. क्लाउस-जे एप्पेनरथ, एफएस यूनिवर्सिटी, जेना, जर्मनी तथा डॉ. के. सौजन्याश्री, पर्यावरण विज्ञान विभाग, केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय	40

4.2. **उद्योग/एनजीओ/सरकारी संस्थानों के साथ परिचर्चा: (विद्यार्थियों के लिए)**

विभाग का नाम	उद्योग/ एनजीओ की सं. जिसने विजिट की	उद्योग/ एनजीओ का नाम जिसने विजिट की	विजिट का उद्देश्य
वानकी एवं जैव विविधता	01	*मूथ इंडस्ट्रीज प्रा. लि., बंबू पार्क एरिया, बोधजंगनगर, अगरतला - 799008, त्रिपुरा, भारत*	टू जेनरेट नॉलेज / आइडियाज एमंग द स्टूडेंट्स एबाउट फॉरेस्ट-बेस्ड रिसोर्स यूटिलाइजेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट
	01	द नागिछेड़ा रबर वूड प्रोसेसिंग सेंटर जो कि त्रिपुरा में अवस्थित है, यह टीएफडीपीसी की परियोजना है।	टू जेनरेट नॉलेज / आइडियाज एमंग द स्टूडेंट्स एबाउट फॉरेस्ट-बेस्ड रिसोर्स यूटिलाइजेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट

4.3. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. थीरू सेल्वन	इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
	इंडियन इकोलॉजिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
	इंडियन सोसायटी फॉर ट्री साइंटिस्ट्स	आजीवन सदस्य
	इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोफॉरेस्ट्री	आजीवन सदस्य
	इंटिग्रेटेड माउंटेन इनिशिएटिव	आजीवन सदस्य
	इंडियन सोसायटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग	आजीवन सदस्य
	बंबू सोसायटी ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. बिमल देबनाथ	इस्ट हिमालयन सोसायटी फॉर स्परमैटोफाइट टैक्सोनोमी	आजीवन सदस्य
डॉ. सौरभ देब	नेशनल एन्वायरमेंटल साइंस एकैडमी	आजीवन सदस्य
	इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोफॉरेस्ट्री	आजीवन सदस्य

4.4. **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. सौरभ देब	ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स ऑन एग्रो फॉरेस्ट्री	आईसीएआर एवं सीएएफआरआई, झांसी	21 दिवसीय	17 जून, 2023 से 6 जुलाई, 2023

5. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

- कृषि वानिकी
- जल संसाधन प्रबंधन
- कार्बन प्रबंधन
- औषधीय एवं सुगंधित पौधे
- जैव विविधता और संरक्षण
- वन्यजीव संरक्षण
- परिस्थितिकी
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
- वृक्ष सुधार
- वन आनुवंशिक संसाधन और वन-जनित आजीविका अध्यापन

6. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
07	03	04

7. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

1. रिमी मिनी रोटैरी शैकर
2. रेफ्रिजरेटर
3. रेफ्रिजरेटर सेंट्रिफ्यूज
4. एन्वायरमेंटल टेस्ट चैंबर
5. स्पैक्ट्रोफोटोमीटर (मिनी)- मैनुअल
6. इलेक्ट्रोनिक बैलेंस
7. डिस्टिलेशन यूनिट
8. डिजिटल कंडक्टिविटी मीटर
9. मैग्नेटिक स्टिरर
10. लैमिनार एयर फ्लो
11. ऑटोक्लेव
12. बीओडी
13. लैबोरैट्री सेंट्रिफ्यूज
14. पीएच मीटर
15. ट्रिनोकुलर माइक्रोस्कोप
16. केजलडल नाइट्रोजन एनैलाइजर (डीएसटी-एआईसीपी प्रोजेक्ट)
17. मफल फर्नेस (डीएसटी-एआईसीपी प्रोजेक्ट)
18. हॉट एअर ओवेन (डीएसटी-एआईसीपी प्रोजेक्ट)
19. कंप्यूटर विद आर्क जीआईएस सॉफ्टवेयर (डीएसटी-एआईसीपी प्रोजेक्ट)
20. सभी संकायों के लिए पीसी

8. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
प्रो. सब्यसाची दासगुप्ता	जीबी पंत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन एन्वायरमेंट, गंगटोक, सिक्किम	हिमालयन नॉलेज नेटवर्क (त्रिपुरा चैप्टर)	2022 ऑनवार्ड्स
डॉ. सौरभ देब	मिजोरम विश्वविद्यालय, असम विश्वविद्यालय, नेहू विश्वविद्यालय	नेट इकोसिस्टम प्रोडक्शन एंड कार्बन डायनामिक्स ऑफ फॉरेस्ट इकोसिस्टम्स इन नॉर्थ-इस्ट इंडिया इन रिलेशन टू अल्टीट्यूड एंड लैटिट्यूड ग्रैडिएंट : इंप्लिकेशन ऑफ कार्बन सिंक मैनेजमेंट	2020-2024
डॉ. सौरभ देब	संस्थान / विश्वविद्यालय, सभी हिमालयन प्रदेश से	स्प्रिंग रिजूवनेशन फॉर वाटर सिक्योरिटी इन द हिमालयाज	2020-2024

9. **शैक्षिक वर्ष** 2024-25 **के दौरान आयोजित विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में विभाग के सफल छात्रों की सं.** :

नाम	लिंग (पु/म)	वर्ग (सा./ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं.)	पीएच (हां / नहीं)	संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/एसडब्ल्यूओ**
अब्राहम रांगलोंग	पु.	एसटी	नहीं	-	यूजीसी-नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र, **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र ।

10. **विभाग की जानकारी के अनुसार छात्रों का नियोजन** :

नाम	लिंग पु./म.	वर्ग (सा./ एसटी /एससी/ ओबीसी/ अल्पसं.) [पीडब्ल्यूडी विद्यार्थी पर * का चिह्न दें]	दिव्यांग (हां/ नहीं)	संस्थान/ विभाग का नाम.	पद	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
कश्मिता दत्ता	म.	सा.	नहीं	आईसीएफआरई, जोरहट, असम	परियोजना सहायक	-	-
समाला टी. रेड्डी	पु.	-	नहीं	सेंटर फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, सिकंदराबाद	परियोजना सहायक	-	-
मैरी जमातिया	म.	एसटी	नहीं	कृषि विभाग, त्रिपुरा	कृषि सहायक	-	-
प्रकाश देबबर्मा	पु.	एसटी	नहीं	खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, त्रिपुरा	एलडीसी	-	-
सुधीर रंजन त्रिपुरा	पु.	एसटी	नहीं	अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकीय निदेशालय, त्रिपुरा	एलडीसी	-	-
रिचर्ड दार्लोंग	पु.	एसटी	नहीं	कृषि विभाग, त्रिपुरा	कृषि सहायक	-	-
भाग्यश्री देबबर्मा	म.	एसटी	नहीं	शिक्षा निदेशालय	जीटी	-	-
सुजीत दास	पु.	एससी	नहीं	आईसीएआर, लेंबूछेड़ा	परियजोना एसोसिएट- II	-	-
प्रसेनजीत पटारी	पु.	सा.	नहीं	एनएमपीजी, आयुष मंत्रालय, अगरतला	जेआरएफ	-	-
गणितांशु दास	पु.	एससी	नहीं	त्रिपुरा क्लाइमेट चैंज सेल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा	फिल्ड सहायक	-	-
स्निग्धा चौधुरी	म	ईडब्ल्यूएस	नहीं	चरकबाई एचएस स्कूल	व्यावसायिक शिक्षक	-	-
बिक्रम शर्मा	पु	सा.	-	पर्यावरण विज्ञान विभाग, एमबीबी महाविद्यालय	व्यावसायिक शिक्षक	-	-
एस अंक्रित राणा	पु	अल्पसंख्यक	-	प्राणीशास्त्र विभाग, एमबीबी महाविद्यालय	व्यावसायिक शिक्षक	-	-

भूगोल एवं आपदा प्रबंधन विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. निबेदिता दास (पान)
स्थापना वर्ष : 2004
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी. एवं पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी.- 40

विभाग का ध्येय : भूगोल की विविध शाखाओं में शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना तथा विषय में कुशल छात्रों और पेशेवरों को बढ़ावा देकर मौजूदा खतरों के प्रति नागरिकों को संवेदनशील बनाना।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. निबेदिता दास (पान)	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	फ्लूवियल जियोमॉर्फोलॉजी, फ्लूवियल हैजार्ड एंड डिसैस्टर मैनेजमेंट, लैंड यूज/लैंड कवर चैंज	32 वर्ष जिसमें 12 वर्ष महाविद्यालय में सेवा शामिल है	09	02	100+	05	280	10
डॉ. वाई. वी. कृष्णैया	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	जियोमॉर्फोलॉजी, अप्लाइड क्लाइमेटोलॉजी, हाइड्रोलॉजी, अप्लिकेशन ऑफ आरएस एंड जीआईएस	20 वर्ष जिसमें 2 वर्ष महाविद्याल में सेवा शामिल हैं	06	06	47	07	-	-
डॉ. सप्तर्षि मित्रा	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	रिजन प्लानिंग, अर्बन एंड रूरल प्लानिंग एंड डेवलपमेंट, टूरिज्म ज्योग्रैफी, पोलिटिकल ज्योग्रैफी, नेचुरल हैबिटैट, ट्रांसपोर्ट ज्योग्रैफी	14 वर्ष	09	01	76	7	310	10
डॉ. पलनियंडी मसिमलाई	एम.एससी., (भूगोल) एम.टेक (रिमोट सेंसिंग), पीएच.डी. (ज्योग्रैफी : हेल्थ एंड मेडिकल ज्योग्रैफी)	सह प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	हेल्थ एंड मेडिकल ज्योग्रैफी, रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस, एलयू/एलसी, एन्वायरमेंटल इपिडेमियोलॉजी, अप्लाइड क्लाइमैटोलॉजी	27 वर्ष	-	-	1	-	819	15 22

डॉ. जिम्मी देबबर्मा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अप्लाइड रिसोर्सड एंड एन्वायरमेंट	19 वर्ष	-	02	40+	06	44	-
डॉ. मोसमी देबबर्मा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	मानव भूगोल	स्नातक स्तर पर 15 वर्ष 2 माह शैक्षणिक अनुभव	-	02	40+	07	-	-
डॉ. इशिता बोराल	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	नगरीय एवं परिवहन भूगोल	9 वर्ष 8 महीने	01	03	25	06	-	-

* उल्लेख अवश्य करें ।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
वाई. वी. कृष्णैया	शिक्षक	01	-	-
सप्तर्षि मित्रा	शिक्षक	-	01	01
जिम्मी देबबर्मा	शिक्षक	01	-	-
सजल घोष	शोधार्थी	-	02	-
प्रदीप देबनाथ	शोधार्थी	-	01	01
सुदेशना देबबर्मा	शोधार्थी	02	01	-
आसिफ इकबाल शाह	शोधार्थी	01	06	01
मणिका मल्लिक	शोधार्थी	02	-	-
दीपा राय	शोधार्थी	02	01	-
मौमिता हाती	शोधार्थी	02	-	-
देबाशीष दास	शोधार्थी	02	-	-
वजना मंडल	शोधार्थी	01	-	-
बुल्टी दास	शोधार्थी	03	01	-
आरती कुमारी	शोधार्थी	02	-	-
https://docs.google.com/document/d/1-uNOkJGm_R3FPNdWSPFEKC-vccrgiMhs0pILEOwos-g/edit?usp=sharing				

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
प्रो. वाई. वी. कृष्णैया	राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स	27.07.2023	राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	एनईपी *2020* एंड इट्स इंप्लिकेशंस ऑन एन्वायरमेंटल स्टडीज विद स्पेशल रिफ्रेंसेस टू नॉर्थ इस्टर्न रिजन फॉर द वेबिनार
	दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार	दिसं. 10-11, 2023	दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार में शिक्षाशास्त्र विभाग तथा भूगोल विभाग द्वारा संयुक्त रूप में आयोजित	एनईपी *2020* : मॉडेल कुरिकुलम एंड कंटेंट इन ज्योग्रैफी' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला
	भूगोल विभाग, ओसमानिया विश्वविद्यालय	5-7 मार्च, 2024	भूगोल विभाग, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना	"अर्बनाइजेशन एंड क्लाइमेट चैंज : स्ट्रैटेजीज फॉर सस्टेनेबल सिटीज थ्रू जियोस्पैशियल टेक्नोलॉजीज" XVIII डीजीएसआई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में

डॉ. जिम्मी देबबर्मा	बानकी एवं जैव विविधता विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	18th April, 2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	"स्ट्रैटेजीज फॉर वाटर कंजर्वेशन इन हिल रिजन" एट वर्कशॉप ऑन डेवलपमेंट कैडर ऑफ पैरा-हैड्रोजियोलॉजिस्ट फॉर स्प्रिंगशेड मैनेजमेंट इन ढलाई डिस्ट्रिक्ट ऑफ त्रिपुरा
	भूगोल विभाग, सावित्री बाई फूले विश्वविद्यालय, पुणे	14-16 दिसंबर, 2023	सावित्री बाई फूले विश्वविद्यालय, पुणे	45वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - नेशनल एसोसिएशन ऑफ ज्योग्रैफर्स ऑन फोकल थीम एन्वायरमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी : द एग्जिगेंसी ऑफ ज्योग्रैफी फॉर ए रेजिलिएंट फ्यूचर
	त्रिपुरा ट्राइबल फोक म्यूजिक कॉलेज खुमलुंग, त्रिपुरा	1-2 अक्टूबर, 2023	त्रिपुरा ट्राइबल फोक म्यूजिक महाविद्यालय, खुमलुंग, त्रिपुरा	"कोकबोरॉक एंड अदर लैंग्वेज एंड लिट्रेचर ऑफ एनई-इंडिया (कोलनी)" आयोजक - कोकबोरॉक साहित्य सभा
https://docs.google.com/document/d/1z6wWnUvgZA41QdS2SeKEfyZqJb_e3IjHglsD5BnYMOI/edit?usp=sharing				

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
श्री कौशिक पंजा	पूर्णकालिक	लैंड यूज चैंज, क्रॉपिंग पैटर्न एंड फूड सेक्यूरिटी इन वेस्ट त्रिपुरा डिस्ट्रिक्ट ।	प्रो. वाई. वी. कृष्णैया	उपाधि प्रदत्त
सुश्री आतोषि चाकमा	अंशकालिक	इंपैक्ट ऑफ अर्बनाइजेशन ऑन वाटर क्वैलिटी ऑफ अगरतला सिटी, त्रिपुरा	प्रो. वाई. वी. कृष्णैया	थीसीस जमा
श्री देबाशीष कुंडु	अंशकालिक	रोल ऑफ मेट्रो रेलवे इन मास ट्रांसपोर्टेशन सिनैरियो ऑफ कोलकाता मेट्रोपोलिटन एरिया	डॉ. इशिता बोराल	उपाधि प्रदत्त
सुश्री बजना मंडल	पूर्णकालिक	रोल ऑफ अर्बन ग्रीन स्पेस ऑन एन्वायरमेंट एंड ह्यूमैन हेल्थ इन बिधाननगर मुनिसिपल कॉर्पोरेशन, प. बंगाल	प्रो. वाई. वी. कृष्णैया	पंजीकृत
सुश्री आरती कुमारी	पूर्णकालिक	ए ज्योग्रैफिकल स्टडी ऑफ सेंट्रिफिकेशन इन द सिटी ऑफ लखनऊ	डॉ. इशिता बोराल	पंजीकृत
सुश्री पिक्सी गोगई	पूर्णकालिक	स्पैशियो-टैंपोरल एनैलिसिस ऑफ लैंडस्कैप चैंज एंड एसेसमेंट ऑफ इकोसिस्टम रिस्क इन कामरूप मेट्रोपोलिटन डिस्ट्रिक्ट, असम : ए जियोस्पैशियल एप्रोच	डॉ. जिम्मी देबबर्मा	पंजीकृत
श्री पंकज देबबर्मा	अंशकालिक	फॉरेस्ट प्रोविजनिंग इकोसिस्ट सर्विस एंड फूड सिक्योरिटी एमंग द कोकबोरोक-स्पीकिंग इंडिजेनस कम्यूनिटी इन ढलाई डिस्ट्रिक्ट ऑफ त्रिपुरा	डॉ. जिम्मी देबबर्मा	पंजीकृत
https://docs.google.com/document/d/167enJjjsb8V0kRmLan8iVVZDZcw3RBgaWtTCbvPRFos/edit?usp=sharing				

5. **विभाग का दृष्टिगोचर** :

5.1. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
प्रो. निबेदिता दास (पान)	ज्योग्रैफिकल सोसायटी ऑफ उत्तराखंड	संस्थापक सदस्य
डॉ. जिम्मी देबबर्मा	नागी	आजीवन सदस्य
	नॉर्थ इस्ट इंडिया ज्योग्रैफिकल सोसायटी	

6. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

1. फ्लूवियल जियोमॉर्फोलॉजी विद फोकस ऑन हैजार्ड्स एनैलिसिस एंड डिसैस्टर रिस्क रिडक्शन स्ट्रैटेजीज ।
2. अप्लाइड क्लैमेटोलॉजी, लैंड एंड वाटर रिसोर्सेस एंड वाटर शेड मैनेजमेंट
3. अप्लिकेशन ऑफ रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस
4. एन्वायरमेंट, पॉपुलेशन एंड रिसोर्स ज्योग्रैफी
5. रिजनल प्लानिंग एंड डेवलपमेंट
6. ग्रामीण विकास एवं योजना
7. शहरी ग्रामीण विकास एवं योजना
8. परिवहन विकास एवं योजना
9. पर्यटन भूगोल
10. विकास केन्द्रित जनसंख्या अध्ययन

7. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	**अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)**	**शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)**
04	रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस लैब	रिजनल प्लानिंग, अर्बन एंड रूरल डेवलपमेंट लैब. (डीएसटी, डीबीटी, आईसीएसएसआर)
	अप्लाइड स्टडीज इन रिसोर्स एंड एन्वायरमेंट मैनेजमेंट लैब	
	फ्लूवियल हैजार्ड एनैलिसिस लैब	

8. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

1. ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस)
2. टोटल स्टेशन
3. स्वाइल इरोजन मॉनिटरिंग सिस्टम
4. स्वाइल रेसिस्टिविटी मीटर

9. **शैक्षिक वर्ष 2024-25 के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/ मेडल्स/ प्रतिष्ठा[#] (राज्य/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर)** :

शिक्षक का नाम	**पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा का नाम**	**पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा प्राप्ति की तिथि**	**पुरस्कृत करने वाली एजेंसी/संस्थान**	**टिप्पणी**
डॉ. पलनियंडी मसिमलाई	2024- पुरस्कार : सर्टिफिकेट फॉर एक्सलेंस इन रिव्यूइंग एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन जूलॉजी (05.09.2024) 2024- पुरस्कार : सर्टिफिकेट फॉर एक्सलेंस इन रिव्यूइंग एशियन जर्नल ऑफ इंफेक्टियस डिजिजेज (09-07-2024) 2024- पुरस्कार : सर्टिफिकेट फॉर एक्सलेंस इन रिव्यूइंग एशियन जर्नल ऑफ इंफेक्टियस डिजिजेज (11-07-2024)	05.09.2024 09.07.2024 11.07.2024	एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन जूलॉजी एशियन रिसर्च जर्नल ऑफ इंफेक्टियस डिजिजेज एशियन जर्नल ऑफ इंफेक्टियस डिजिजेज	https://docs.google.com/document/d/1E0OMCNIB15tKyHVbGzxSwPCsAVcn8VQASvxY0gZb5Oo/edit?usp=sharing

खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जाए।

10. **शैक्षिक वर्ष** 2024-25 **के दौरान आयोजित विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में विभाग के सफल छात्रों की सं.** :

नाम	लिंग (पु/म)	वर्ग (सा./एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं.)	पीएच (हां / नहीं)	संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/एसडब्ल्यूओ**
दीबाकर महतो	पु.	सा.	नहीं	एनटीए	नेट
मनोजीत बर्मन	पु.	ओबीसी	नहीं	एनटीए	नेट

* परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र, **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र।

11. **विभाग की जानकारी के अनुसार छात्रों का नियोजन** :

नाम	लिंग पु./म.	वर्ग (सा./एसटी/ एससी/ ओबीसी/ अल्पसं.) [पीडब्ल्यूडी विद्यार्थी पर * का चिह्न दें]	दिव्यांग (हां/ नहीं)	संस्थान/ विभाग का नाम.	पद	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
देबब्रत सरकार	पु.	सा.	नहीं	नेशनल एजुकेशन सोसायटी फॉर ट्राइबल स्टूडेंट्स	इएमआरएस में सामाजिक अध्ययन विषय में टीजीटी के तौर पर नियुक्ति	टीजीटी	-
मुकेश देबबर्मा	पु.	एसटी	नहीं	ग्रामीण विकास विभाग, त्रिपुरा सरकार	एलडीसी	जेआरबीटी	जेआरबीटी

12. **शैक्षिक वर्ष 2024-25 के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/ मेडल्स/ प्रतिष्ठा#** (**राज्य/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर**) :

छात्र का नाम	पुरस्कार/मेडल/प्रतिष्ठा का नाम	पुरस्कार/मेडल/ प्रतिष्ठा प्राप्ति की तिथि	पुरस्कृत करने वाली एजेंसी/संस्थान	टिप्पणी
सुश्री सुदेशना देबबर्मा, शोधार्थी	यंग जोग्रैफर एवार्ड, 2024	24 जनवरी, 2024	44वां आईआईटी एनुअल मीट, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	-

#खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जाए।

मानव शारीरिकी विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. समीर कुमार सील
स्थापना वर्ष : 2007
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी एवं पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी - 35 तथा पीएच.डी. - रिक्ति के अनुसार

विभाग का ध्येय : मानव शारीरिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2007 में की गई। विभाग मानव स्वास्थ्य और कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए जैव-चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए अपने स्थापना काल से ही प्रयासरत है। वर्तमान में, विभाग में 18 से अधिक कार्मिक हैं, जिनमें 4 पूर्णकालिक शिक्षक, 4 गैर-शैक्षिक कार्मिक और 10 शोधार्थी हैं। मानव शारीरिकी के अध्ययन के लिए आधार प्रदान करने वाला मूल सिद्धांत मानव संरचना और कार्य (यानी - कोशिकाओं, ऊतकों, अंगों और अंग प्रणालियों) के पदानुक्रम के सभी स्तरों को शामिल करने वाली जटिल नियंत्रण प्रणालियों के संचालन के माध्यम से होमोस्टैसिस का रखरखाव है। इसीलिए, पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम संरचना और कार्य के इस पदानुक्रम में मनुष्यों के एकीकृत अध्ययन पर जोर दिया गया है। मानव शारीरिकी विभाग के कर्मचारी स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। शिक्षण के साथ-साथ, फिजियोलॉजी विभाग में संकाय कोशिकाओं और ऊतकों के मौलिक कार्यों पर उत्कृष्ट, अत्याधुनिक शोध करते हैं। रोगों के सेलुलर और आणविक आधार और उत्कृष्ट चिकित्सीय दृष्टिकोण विकसित करने के लिए बुनियादी विज्ञान अनुसंधान के अनुवाद में भी गहरी रुचि है।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : वर्तमान में, विभाग में पाँच पूर्णकालिक संकाय सदस्य और कई पीएच.डी. शोधार्थी हैं। अपनी शिक्षण जिम्मेदारियों के अलावा, संकाय सदस्य विभिन्न आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान क्षेत्रों में महत्वपूर्ण शोध में लगे हुए हैं। उनकी रुचियों में रोगों के सेलुलर और आणविक आधार और बुनियादी विज्ञान अनुसंधान को नए चिकित्सीय दृष्टिकोणों में बदलना शामिल है। इस शैक्षणिक वर्ष में 11 छात्रों ने सीएसआईआर-नेट, नॉर्थ-ईस्ट स्लेट और गेट पास किया है। विभाग में एर्गोनॉमिक्स और स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी पर एक नया विशेषज्ञता और स्टेम सेल फिजियोलॉजी पर नया वैकल्पिक पेपर का विषय प्रारंभ किया गया है। इसके अलावा इस वर्ष विभाग द्वारा दो शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि भी प्रदान की गई हैं। पिछले वर्ष विभाग के 3 छात्रों को डाकघर में तथा स्कूल शिक्षक के रूप में सरकारी नौकरी मिली। मारिया देबबर्मा, स्वागतम दास, प्रियदर्शी साहा तथा सागर सूत्रधार नामक चार छात्रों ने विभाग में शोधार्थी के रूप में अपना प्रवेश लिया है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
प्रो. समीर कुमार सील	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	कैंसर बायोलॉजी, सेल सिग्नलिंग एवं मॉलेक्यूलर जेनेटिक्स	29 वर्ष	09	06	107	06	4608	26
देबाशीष मैती	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	कैंसर इम्यूनोलॉजी एंड बायोएक्टिविटी ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स	अध्यापन-15 वर्ष शोध-23 वर्ष	06	02	78	05	1829	19
प्रो. दीपायन चौधुरी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	एंडोक्राइनोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव फिजियोलॉजी	14	07	02	06	06	398	13

डॉ. सुदीप्ता पाल	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	बायोकैमिकल टॉक्सिकोलॉजी एवं कम्यूनिटी न्यूट्रिशन	14	04	03	70	06	439	10
डॉ. आर. ज्योति	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	इंफेक्टिसियस डिजीजेज एंड मेडिसिनल प्लांट्स	9 महीना	कोई नहीं	कोई नहीं	2	4	1	1

* उल्लेख अवश्य करें।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता**:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
प्रो. समीर कुमार सील	शिक्षक	5	2	1
सुदिप्ता पाल	शिक्षक	-	01	02
डॉ. आर. ज्योति	शिक्षक	कोई नहीं	1	कोई नहीं

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान**:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
प्रो. समीर कुमार सील	मैंगलोर	1-2 मार्च, 2024 नमस्ते सम्मेलन, राष्ट्रीय सम्मेलन - "पूर्वोत्तर में स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा एवं पर्यावरण : मुद्दे एवं चुनौतियां"	एनआईटीटीई यूनिवर्सिटी, मैंगलोर	टार्गेटेड ड्यूअल मॉडुलेटरी रोल ऑफ 2,4-डीटीबीपी ऑन एंटी-एपोपटोटिक बीसीएल2 एंड सर्वाइविंग फॉर इंहिबिटेशन ऑफ कोलोरेक्टल कैंसर सेल प्रोलिफरेशन
प्रो. दीपायन चौधुरी	एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता	10 - 12 अक्टूबर, 2023,	शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय सम्मेलन - हायर एजुकेशन रिसर्च : टूअर्ड्स ए ट्रांसफॉर्मेटिव एंड सस्टेनेबल सोसायटी
डॉ. सुदीप्ता पाल	शारीरिकी विभाग, श्री बी.एम. पाटील मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, बीएलडीई (मानद विश्वविद्यालय), विजयापुरा, कर्नाटक, भारत	2-3 नवंबर, 2023	श्री बी.एम. पाटील मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, बीएलडीई (मानद विश्वविद्यालय)	माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण : ए पोटेंट थ्रेट फॉर मेटाबोलिक डिसर्प्शन इन मैमल्स
डॉ. सुदीप्ता पाल	एलाइड हेल्थ साइंस विभाग, ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय, बारासात, कोलकाता - 700125	8-10 दिसंबर, 2023	ब्रेनवेयर विश्वविद्यालय, बारासात, कोलकाता - 700125	मेनोपाउजल हेल्थ ऑउटकम ऑफ स्लम ड्वेलिंग वीमैन इन इंडिया

4. **पेटेंट/कॉपीराइट आवेदित/ प्राप्त** :

नाम	पेंटेट का शीर्षक	आवेदित / प्राप्त	पेटेंट सं.	तिथि (आवेदित/ प्राप्त)	लाइसेंस्ड अथवा नहीं
प्रो. समीर कुमार सील	*बायोडिग्रेडेबल पोलीमेरिक कर्कुमिन नैनोपार्टिकल्स एंड इट्स मेथड ऑफ प्रीपरेशन देअरऑफ*	आवेदित	ई-18(iii)/47/2024/कोल.	30.01.2024	-

5. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
पार्थ साहा	पूर्णकालिक	मॉलेक्यूलर एंड सेलुलर स्टडीज ऑन एंटी कोलोन कैंसर एक्टिविटीज ऑफ पर्किया जवानिका (लैम्क.)मर्र., ए मेडिसिनल प्लांट ऑफ त्रिपुरा, पूर्वोत्तर भारत	प्रो. समीर कुमार सील	उपाधि प्रदत्त
डॉ. प्रियतोष नाथ	अंशकालिक	स्टडीज ऑन द एक्सप्रेसन पैटर्न ऑफ साइटोकाइन्स एंड बीसीएल-2 फैमिली प्रोटिन्स इन द बोन मैरो ऑफ ल्यूकेमिक रोल्स ऑफ आईएल - 28बी एड सर्टेन नेचुरल प्रोडक्ट्स	प्रो. देबाशीष मैती	उपाधि प्रदत्त
ज्योतिर्मय साहा	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुदीप्ता पाल	पंजीकृत होगा (कोर्स वर्क पूर्ण)

6. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

6.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1.	23 मार्च, 2024	एक दिवसीय	हैंड्स-ऑन कार्यशाला - मॉर्फोलॉजिकल एंड मॉलेक्यूलर स्टडीज ऑफ मैलेरियल पैरासाइट्स एंड वेक्टर्स	कार्यशाला	राष्ट्रीय	30

6.2. **ई-कंटेंट आधारित पाठ्यक्रमन यथा : ई-पीजीपाठशाला, एनएमई-आईसीटी, मूक्स आदि में सहभागिता** :

क्र.सं.	संकाय का नाम	ई-कंटेंट का शीर्षक	कुल घंटे	उपलब्ध अथवा नहीं
1.	डॉ. आर. ज्योति	ईसीएमएस	2	नहीं

6.3. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
प्रो. समीर कुमार सील	फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
प्रो. समीर कुमार सील	इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
प्रो. समीर कुमार सील	इंडियन सोसायटी ह्यूमैन जेनेटिक्स	आजीवन सदस्य
प्रो. समीर कुमार सील	अमेरिकन सोसायटी ऑफ फिजियोलॉजी	आजीवन सदस्य
देबाशीष मैती	इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया इंडियन सोसायटीज ऑफ सेल बायोलॉजी सोसायटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	द फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	द एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट्स एंड फार्माकोलॉजिस्ट्स इन इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. सुदीप्ता पाल	इंडियन मेनोपाउजल सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. आर. ज्योति	फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य

6.4. **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
एफडीपी	एनबीए एवं एएमपी; स्ट्रैटेजिक प्रीपरेशन फॉर एन्हैंसिंग क्वैलिटी ऑफ एजुकेशन	मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर	एक साप्ताहिक	27/05/2024 से 31/05/2024
शोध कार्यशाला	स्ट्रैटेजिक टूल्स एंड रिसोर्सेस फॉर रिसर्चर्स	नूहिनवाली सिरसा (हरियाणा)	एक साप्ताहिक	03/06/2024 से 08/06/2024

7. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

कैंसर जीवविज्ञान, ड्रग डिजाइनिंग, सेल सिग्नलिंग, नैनोपार्टिकल सिंथेसिस, टॉक्सिकोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, रिप्रोडक्टिव फिजियोलॉजी, नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च।

8. **नई पहल / नवाचार** :

डॉ. आर. ज्योति- कृषि कार्य, उद्योग एवं कारखानों में कार्यरत लोगों की मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं को कम करने के लिए एर्गोनॉमिक्स रूप से डिजाइन किए गए उपकरणों और अन्य मापदंडों को लागू करने के लिए एक्सरसाइज एवं स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी को लागू करना।

9. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

क्रायोटोम, आरटी-पीसीआर, माइक्रोटोम, यूवी-विस स्पेट्रोफोटोमीटर, -80°सी फ्रीजर, बैकमैन्स हाय स्पीड लो टैंपरेचर सेंट्रिफ्यूग, अल्ट्रासोनिकेटर, मिलक्यू डायोनाइज्ड वाटर प्यूरिफायर, फेज कंट्रास्ट इंवर्टेड माइक्रोस्कोप, ईसीजी मशीन, ऑटोक्लेव।

10. **शैक्षिक वर्ष 2024-25 के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/मेडल्स/प्रतिष्ठा# (राज्य/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर)**:

शिक्षक का नाम	पुरस्कार/मेडल/प्रतिष्ठा का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा प्राप्ति की तिथि	पुरस्कृत करने वाली एजेंसी/संस्थान	टिप्पणी
डॉ. सुदीप्ता पाल	श्रीमती शकुंतला दासगुप्ता मेमोरियल ओरैशन पुरस्कार	02. 11.2023	द फिजियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया	

खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जाए।

11. **वर्ष 2024-25 के दौरान अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध** :

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	परियोजना में संयुक्तता	वर्ष (2024-25)
देबाशीष मैती	द निओटिया यूनिवर्सिटी विश्वभारती विश्वविद्यालय	प्रीवेंशन ऑफ बायोफिल्म थीफफ्लेविन एंड ऑटोफैगी	2019 से अभी तक 2019 से अभी तक
डॉ. आर. ज्योति	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं

12. **शैक्षिक वर्ष** 2024-25 **के दौरान आयोजित विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में विभाग के सफल छात्रों की सं.** :

नाम	लिंग (पु/म)	वर्ग (सा./एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं.)	पीएच (हां / नहीं)	संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**
स्वागतम दास	पु.	एससी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सीएसआईआर-नेट
मारिया देबबर्मा	म.	एसटी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सीएसआईआर-नेट
मारिया देबबर्मा	म.	एसटी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट
स्वागतम दास	पु.	एससी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	स्लेट
सुष्मिता सरकार	म.	सा.	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट
पानीश्री रॉय चौधुरी	म.	सा.	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट
प्रियदर्शी साहा	पु.	सा.	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट
बिंदिया साहा	म.	सा.	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट
अंकिता दास	म.	एससी	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट
सागर शील	पु.	सा.	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट
स्नेहाशीष मोदक	पु.	सा.	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	गेट

* परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र, **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार
स्थापना वर्ष : 2009
संचालित पाठ्यक्रम : पीएच.डी.
एम. टेक तथा
एमसीए
प्रवेश क्षमता : एम.टेक (20+2) तथा एमसीए (45+5)

विभाग का ध्येय : उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करना तथा ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों के प्रति गहन जुनून के साथ सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का उपयोग करते हुए वैज्ञानिक और ज्ञान-आधारित शिक्षा में उत्कृष्टता के माध्यम से समाज में योगदान देना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : विभाग सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में 2 वर्षीय एम.टेक के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में पीएचडी एवं 2 वर्षीय एआईसीटीई से संबद्ध मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए अनिवार्य कंप्यूटर कौशल फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय की आवश्यकता को पूरा कर रहा है। विभाग के स्नातकोत्तर अध्ययन मंडल (बीपीजीएस) से संबद्ध नीलिट, अगरतला द्वारा संचालित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पाठ्यक्रम में एम.एससी. पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय के यूजी पाठ्यक्रम जैसे बैचलर्स इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) और बीएससी इन इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) विभाग के बोर्ड ऑफ अंडरग्रेजुएट स्टडीज (बीयूजीएस) द्वारा शासित होते हैं। मूल्यांकन वर्ष 2023-24 से दोनों पाठ्यक्रमों के प्रस्तावित पाठ्यक्रम को एनईपी 2020 के अनुसार संशोधित किया गया है। विभाग में त्रिपुरा राज्य के लिए एनईसी, शिलांग द्वारा प्रायोजित 5जी लैब की स्थापना के लिए एमट्रॉन गुवाहाटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार और डॉ. अलक रॉय ने प्रोजेक्ट इंजीनियर - 5जी नेटवर्क (टीईएल/क्यू6306)- वी2.0 के योग्यता पैक के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में अपने ट्रेनर आईडी प्राप्त किए हैं, जो राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) स्तर - 5 के अनुरूप है जो दिनांक 21/07/2023 से प्रभावी और दिनांक 21/07/2025 तक वैध है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	पीएच.डी. एम.टेक, बी.टेक	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	इमेज प्रेसेसिंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, एआई, एनएलपी	18	6	4	29	04	866	15
डॉ. अलक रॉय	पीएच.डी. एम.टेक, बी.टेक	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स, मैक लेयर एल्गोरिदम्स, अंडर वाटर एकाउस्टिक्स एंड कम्यूनिकेशंस, आईओटी एंड टॉपिक्स कवरिंग कंप्यूटर नोटवर्क्स	14	1	2	24	07	583	11
डॉ. जयंत पाल	पीएच.डी. एम.टेक, बी.टेक	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	क्वांटम-डॉट सेलुलर ऑटोमेटा, कॉग्निटिव साइंस, ब्लॉकचैन	11	कोई नहीं	2	18	04	198	8

डॉ. स्वरूप नंदी	पीएच.डी. एम.टेक, बी.टेक	सहायक प्राध्यापक	संविदात्मक	डिजिटल इलेक्ट्रोनिक्स, मशीन लर्निंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग	20.5	कोई नहीं	कोई नहीं	28	02	7	2
श्री सुमंत साहा	एम.टेक., एमसीए	सहायक प्राध्यापक	संविदात्मक	इमेज प्रोसेसिंग, फजी सेट एंड लॉजिक	16.6	कोई नहीं	कोई नहीं	24	02	9	2
श्रीमती तंद्रा सरकार	पीएच.डी. (जारी), एम.टेक., एमसीए	अतिथि शिक्षक	अतिथि	इमेज प्रोसेसिंग, फेस रिक्गनिशन	06	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं
श्री सुकांत चक्रबर्ती	पीएच.डी. (जारी), एम.टेक, बी.टेक	अतिथि शिक्षक	अतिथि	आईओटी, ब्लॉकचैन, डीप लर्निंग, बायरलेस नेटवर्क सिक्योरिटी	1.5	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	16	1
श्री श्रीकांत दास	पीएच.डी. (जारी), एम.टेक, बी.टेक	अतिथि शिक्षक	अतिथि	फोटोनिक्स, ऑप्टिकल सेंसर्स, गेट्स, कम्यूनिकेशन फोटोनिक इंटिग्रेटेज सर्किट्स	01	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	11	2

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	संकाय	4	3	-
डॉ. अलक रॉय	संकाय	3	1	-
डॉ. जयंत पाल	संकाय	1	1	-
डॉ. स्वरूप नंदी	संकाय	-	-	-
श्री सुमंत साहा	संकाय	-	-	-
श्रीमती तंद्रा सरकार	अतिथि संकाय	-	-	-
श्री सुकांत चक्रबर्ती	अतिथि संकाय	-	-	-
श्री श्रीकांत दास	अतिथि संकाय	-	-	-
श्री चिरंजीत विश्वास	शोधार्थी	-	-	-

3. **त्रिपुरा विश्वविद्यालय से अन्य संस्थान/विश्वविद्यालयों में अभ्यागत के रूप में जाने वाले संकाय** :

नाम	से (तिथि)	तक (तिथि)	संस्थान/ विश्वविद्यालय	विभाग/ पीठ का नाम (जहां अभ्यागत संकाय के तौर पर आमंत्रित हुए)
डॉ. जयंत पाल	01-03-2024	24-04-2024	एनआईटी, अगरतला	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
डॉ. अलक रॉय	अगस्त' 2023	दिसम्बर 2023	टिप्स, अगरतला	मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन
प्रो. एस. मजूमदार	अगस्त' 2023	दिसम्बर 2023	टिप्स, अगरतला	मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन

4. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
स्वनिर्भर मजूमदार	आईजल	04-08-23	मिजोरम विश्वविद्यालय	"डिप्लाइमेंट ऑफ 5जी यूज केसेस लैब्स इन नॉर्थ इस्ट इंडिया" इन स्पेशल समर स्कूल ऑन "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी" (3 से16 अगस्त' 2023)
	अरुणाचल प्रदेश	01-11-23	नेरिस्ट (मानद विश्वविद्याय)	"इंट्रोडक्शन टू इमेज प्रोसेसिंग एंड नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग" इन अटल बेसिक एफडीपी ऑन "कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस फॉर सॉल्विंग कॉम्प्लेक्स इंजीनियरिंग प्रॉब्लेम्स यूजिंग पाइथन" (30 अक्टूबर, 2023 से 4 नवंबर, 2023)
	अगरतला	20-11-23	असम राइफल्स पब्लिक स्कूल	"व्हॉट नेक्स्ट?" इन स्पेशल ऑफटर स्कूल काउंसैलिंग फॉर क्लास XII स्टूडेंट्स ऑन 20 नवबंर, 2023

	तेलियामूरा	04-01-24	शासकीय डिग्री महाविद्यालय, तेलियामूरा	"मूक्स, स्वयं एंड डोमेन सर्टिफिकेशन" इन वन वीक एफडीपी ऑन "रोल ऑफ आईसीटी फॉर सक्सेसफुल इंप्लिमेंटेशन ऑफ एनईपी- 2020" (2 - 9 जनवरी, 2024) प्रायजोक - ईआईसीटी एकैडमी, आईआईटी रूड़की
	अगरतला	13-03-24	यीजीसी-एमएमटीसी, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	"हाउ केन ई-कंटेंट एवेलेबल इन स्वयं हेल्फ फॉर हायर एजुकेशन एंड सोसायटी इन प्रजेंट सिनैरियो" इन टू वीक्स ऑनलाइन एफडीपी ऑन "एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्रैम" (11- 22 मार्च, 2024)
	उन्नकोटि	20-03-24	शासकीय महाविद्यालय, फटिकरॉय	"ई-कंटेंट एवेलेबल इन स्वयं फॉर क्रेडिट ट्रांसफर अंडर एनईपी-2020" इन वन वीक एफडीपी ऑन "ऑस्पैक्ट्स ऑफ ई-कंटेंट डेवलपमेंट" (15-21 मार्च, 2024) प्रायोजक - ईआईसीटी एकैडमी, आईआईटी रूड़की
	बड़ौदा	12-04-24	यीजीसी-एमएमटीसी, महाराज सायाजीरॉव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा	"डेवलपिंग ई-रिसोर्सेस इन त्रिपुरा यूनिवर्सिटी एंड एलिंग इट टू एनईपी 2020" इन एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्रैम अंडर द एजिज ऑफ यूजीसी-एमएमटीटीपी ऑन "डेवलपिंग ई-रिसोर्सेस" (1-12 अप्रैल, 2024)
	अगरतला	24-04-24	इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस	"यूज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इन हेल्थ केयर" इन नेशनल लेवेल वर्कशॉप ऑन "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इन हेल्थ केयर" (24 अप्रैल, 2024)
	अगरतला	07-05-24	द एनडीएलआई क्लब ऑफ होली क्रास कॉलेज	"हाउ टीचर्स एंड स्टूडेंट्स केन यूज द स्वयं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म" इन स्पेशल लेक्चर ऑन स्वयं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म" (7 मई, 2024)
	नागपुर	26-05-24	जीएच राइसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग [जीएचआरसीई]	"इंट्रोडक्शन टू आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" इन शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्रैम (एसटीटीपी) ऑन " द इंटरसेक्शन ऑफ एआई-एमएल एंड क्लाउड कंप्यूटिंग" (27- 31 मई, 2024)
	अगरतला	30-05-24	ईडीआईसी, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	"इमर्जिंग आईटी बेस्ड इंटरप्रेन्योरशिप" इन 5-डेज फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्रैम (एफडीपी) ऑन "इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट" (27- 31 मई, 2024)
अलक रॉय	अगरतला	19-03-24	अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय	"ऑनलाइन एसेसमेंट टूल्स फॉर टीचर्स", एपडीपी ऑन आस्पैक्ट्स ऑफ ई-कंटेंट डेवलपमेंट, अंडर द एजिज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईसीटी एकैडमी, आईआईटी रूड़की
	तेलियामूरा	08-01-24	तेलियामूरा शासकीय महाविद्यालय	"अप्लिकेशन ऑफ आईओटी इन एजुकेशन", वन वीक शॉर्ट कोर्स / एफडीपी ऑन रोल ऑफ आईसीटी फॉर सक्सेसफुल इंप्लिकेशन ऑफ एनईपी -2020, अंडर द एजिज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईसीटी एकैडमी, आईआईटी रूड़की
	अगरतला	23-04-24	होली क्रास महाविद्यालय	नेटवर्क साइमूलेटर
	उदयपुर	22-09-23	जेएनवी, गोमती	"फ्यूचर पर्सपैक्टिव्स इन हायर एजुकेशन" अंडर विज्ञन ज्योति फेज IV प्रोग्रैम, डीएसटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
जयंत पाल	पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	13-06-24	राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू)	एथिकल हैकिंग : बेसिक कंसेप्ट एंड सम यूजफूल टूल्स
	फटिकराय, त्रिपुरा	19-03-24	अंबेडकर महाविद्यालय	इन्हैंसिंग एजुकेशन विद आईसीटी बेस्ड टेक्नोलॉजी एंड मेथडोलॉजी
	तेलियामूरा	03-01-24	शासकीय महाविद्यालय, तेलियामूरा	लेवरैगिंग वर्चुअल रियलिटी इन एजुकेशन फॉर स्पेशली एबल्ड पर्सन
	शिलांग, मेघालय	06-12-23	नेहू, शिलांग	साइबर सिक्योरिटी : इंट्रोडक्शन एंड अवेयरनेस पर्सपैक्टिव
	अगरतला	31-10-23	भारतीय रिजर्व बैंक	साइबर हाइजिन एंड सिक्योरिटी : अवेयरनेस एंड प्रीकाउशनरी मीजर्स
	आईजल, मिजोरम	06-09-23	मिजोरम विश्वविद्यालय	साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस एंड प्रीवेंटिव मीजर

5. **पेटेंट/ कॉपीराइट आवेदित/ प्राप्त** :

नाम	पेंटेट का शीर्षक	आवेदित / प्राप्त	पेटेंट सं.	तिथि (आवेदित/ प्राप्त)	लाइसेंस्ड अथवा नहीं
एच. नाथ, ए रॉय, पी. मंडल	आईओटी बेस्ड इनलाइन स्मार्ट वाटर टीडीएस एंड टैंपरेचर मॉनिटरिंग एंड रिपोर्टिंग डिवाइस	प्राप्त	डजाइन नं. - 411515-001	25/03/2024	पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार

6. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
डॉ. स्वरूप नंदी	अंशकालिक	"ए स्टडी ऑन हेल्थकेयर सिस्टम्स यूजिंग द क्लॉड एन्वायरमेंट"	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	उपाधि प्रदत्त, 5 सितंबर, 2023
सुश्री संगीता दासगुप्ता	अंशकालिक	"इन्वेटिगेशन ऑन डिजाइन आस्पैक्ट्स ऑफ मैक प्रोटोकॉल फॉर अंडर वाटर वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स"	डॉ. अलक रॉय	नवंबर, 2023 में कोर्सवर्क पूर्ण तथा 25 जनवरी, 2024 को पंजीकृत
श्री बिनय दास	अंशकालिक	"ए स्टडी ऑन वर्चुअल एन्वायरमेंट इनैबल्ड एसिस्टिव टेक्नोलॉजी फॉर स्पेशियली एबल्ड पर्सन्स"	डॉ. जयंत पाल	नवंबर, 2023 में कोर्सवर्क पूर्ण तथा 25 जनवरी, 2024 को पंजीकृत
सुश्री मुनमुन दास	अंशकालिक	अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है	डॉ. जयंत पाल	नवंबर, 2022 में कोर्सवर्क पूर्ण
श्री सुब्रत मजूमदार	अंशकालिक	अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	नवंबर, 2022 में कोर्सवर्क पूर्ण
सुश्री स्मिता दास	अंशकालिक	"ए स्टडी ऑन फंड्स इमेज एनैलिसिस फॉर वेल-बिइंग एसेसमेंट"	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	जारी
श्री चिरंजीत विश्वास	पूर्णकालिक (एआईसीटीई डॉक्टोरल योजना)	"स्टडी एंड एनैलिसिस ऑफ ऑप्टिमाइजेशन टेक्निक्स फॉर डेटेक्शन ऑफ आइसलैंडिंग एंड कंट्रोलिंग ऑफ सोलर पीवी कनेक्टेड इन्वर्टर"	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	जारी
सुश्री पायल कर्माकर	अंशकालिक	"ए स्टडी ऑन राउटिंग प्रोटोकॉल्स फॉर अंडरवाटर सेंसर नेटवर्क्स"	डॉ. अलक रॉय	जारी
सुश्री सुष्मिता दास	अंशकालिक	"ए स्टडी ऑन डिटेक्शन ऑफ लंग एबनॉर्मैलिटिज यूजिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस"	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	जारी
श्री निलाद्रि दास	अंशकालिक (विश्वेश्वरैया योजना)	"लाइवनेस डिटेक्शन ऑफ बायोमेट्रिक्स इन बास प्रोटोकॉल इन क्लाउड एन्वायरमेंट"	प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	जारी

7. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

7.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय /राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1	17 जून, 2024	1 दिवसीय	स्टेज I ऑफ 3डी प्रिंटिंग हैकैथन	हैकैथन	राष्ट्रीय	3 ग्रुप्स सलेक्टेड फॉर स्टेज II हैकैथन फॉर स्टार्ट अप फंडिंग

2	15 मार्च, 2024	1 दिवसीय	3डी प्रिंटिंग हैकैथन पर जागरुकता कार्यशाला	विद्यालय एवं महाविद्यालय के लिए जागरुकता कार्यशाला	राष्ट्रीय	10 डिफ्रेंट इंस्टिट्यूशन स्टूडेंट्स ऑफ मोर देन 250 पार्टिसिपेटेड
3	4 - 9 दिसंबर, 2023	1 साप्ताहिक	अटल एफडीपी ऑन "सेक्यूरिटी आस्पैक्ट्स ऑफ आईओटी बेस्ड ऑन इको सिस्टम"	संकाय विकास कार्यकर्म	राष्ट्रीय	39 सर्टिफिकेट्स इसूड ऑउट ऑफ 50 रजिस्टर्ड पार्टिसिपेंट्स
4	20 - 24 नवं., 2023	1 साप्ताहिक	6ठा एक-साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला - इमर्जिंग टूल्स एंड टेक्नोलॉजीज इन रिसर्च (ईटीटीआर2023)	कार्यशाला	राष्ट्रीय	145 सर्टिफिकेट्स इसूड ऑउट ऑफ 325 रजिस्टर्ड पार्टिसिपेंट्स
5	11 अक्टूबर, 2023	1 दिवसीय	कार्यशाला - डिजाइन थिंकिंग विद टेक्निकल कोलैबोरेशन विद डपार्टमेंट ऑफ डिजाइन, आईआईटी, गुवाहाटी	कार्यशाला	राष्ट्रीय	100 सहभागी
6	7 - 12 अगस्त, 2023	1 साप्ताहिक	एनपीटीईएल - सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रम	ऑनलाइन सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग फॉर स्टूडेंट्स	राष्ट्रीय	06 सर्टिफिकेट्स इसूड ऑउट ऑफ 40 रजिस्टर्ड पार्टिसिपेंट्स
7	31 जुलाई-5 अगस्त, 2023	1 साप्ताहिक	एनपीटीईएल - सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रम	ऑनलाइन सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग फॉर स्टूडेंट्स	राष्ट्रीय	08 सर्टिफिकेट्स इसूड ऑउट ऑफ 40 रजिस्टर्ड पार्टिसिपेंट्स

7.2. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. अलक रॉय	आईईईई (इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग) सोसायटी	सदस्य
	एसीएम (एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी) सोसायटी	सदस्य
	सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (आईएईएनजी)	सदस्य
	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एकैडेमिशियंस (आईएएएसएसई)	कार्यकारी सदस्य
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	आईईईई (इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग) सोसायटी	वरिष्ठ सदस्य
	एसीएम (एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटिंग मशीनरी) सोसायटी	सदस्य
	आईएससीए (इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन)	आजीवन सदस्य
	आईएसएसी (इंटरनेशनल सोसायटी फॉर अप्लाइड कंप्यूटिंग)	फेलो
	आईईआई (इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया)	फेलो
	आईईटीई (इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड टेलिकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स	एसोसिएट सदस्य
	आईएसटीई (इंडियन सोसायटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन)	आजीवन सदस्य
	आईएईएनजी (इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर इंजीनियर्स)	आजीवन सदस्य
	आईएएसईडी (इंटरनेशनल एकैडमी ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग डेवलपमेंट)	वरिष्ठ सदस्य
	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एकैडेमिशियंस (आईएएएसएसई)	कार्यकारी सदस्य
स्वरूप नंदी	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एकैडेमिशियंस (आईएएएसएसई)	कार्यकारी सदस्य

7.3.**अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
स्वनिर्भर मजूमदार	कार्यशाला - "वीएलएसआई टू सिस्टम डिजाइन: सिलिकन टू इंड अप्लिकेशन एप्रोच"	एआईटीटीई एंड एआरएम एजुकेशन विद एसटी माइक्रोइलेक्ट्रोनिक्स इन ऑनलाइन	1 साप्ताहिक	31 जुलाई से 4 अगस्त' 2023

एस. मजूमदार एवं जयंत पाल	एनपीटीईएल स्पोक फेलिसिटेशन कार्यशाला	कोलकाता, प. बंगाल	1 दिवसीय	1 जुलाई' 2023
एस. मजूमदार एवं जयंत पाल	एनपीटीईएल स्पोक फेलिसिटेशन कार्यशाला	कोलकाता, प. बंगाल	1 दिवसीय	25 फरवरी, 2024
एस. मजूमदार एवं अलक रॉय	सर्टिफाइड मास्टर ट्रेनर, फॉर द क्वैलिफिकेशन पैक ऑफ प्रोजेक्ट इंजीनियर-5जी नेटवर्क्स कंफर्मिंग टू नेशनल स्किल क्वैलिफिकेशन फ्रेमवर्क लेवेल 5, अगस्त, 2023	टिलिकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल, गुड़गांव	2 साप्ताहिक	अगस्त 2023
अलक रॉय	पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम - "साइबर एटैक्स एंड डिफेंसेस"	सी-डैक, नोएडा	5 दिवसीय	02-06 जनवरी, 2024
	एआईसीटीई प्रायोजित 6 दिवसयी एफडीपी - "सिक्योरिटी आस्पैक्ट्स ऑफ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) बेस्ड इको सिस्टम"	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	6 दिवसीय	04- 09 दिसंबर, 2023
स्वरूप नंदी	एआईसीटीई प्रायोजित 6 दिवसयी एफडीपी - "सिक्योरिटी आस्पैक्ट्स ऑफ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) बेस्ड इको सिस्टम"	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	6 दिवसीय	04- 09 दिसंबर, 2023
	"एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एंड सेसिटाइजेशन प्रोग्रैम अंडर एमएम-टीटीपी" ऑफ यूजीसी बाय एमएम-टीटीसी	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	12 दिवसीय	11-22 मार्च, 2024

8. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

अलक रॉय	वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स, अंडरवाटर एकॉस्टिक्स एंड कम्यूनिकेशंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, अप्लिकेशन ऑफ मशीन लर्निंग इन वायरलेस नोटवर्क्स एंड टॉपिक्स कवरिंग कंप्यूटर नेटवर्क्स
जयंत पाल	क्वांटम-डॉट सेलुलर ऑटोमेटा, कॉग्निटिव साइंस, वर्चुअल रियलिटी/ऑगमेंटेड रियलिटी
स्वनिर्भर मजूमदार	इमेज प्रोसेसिंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
स्वरूप नंदी	डिजिटल इलेक्ट्रोनिक्स, मशीन लर्निंग, बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग

9. **नई पहल / नवाचार** :

- सेंटर फॉर एक्सैलेंस ऑन ब्लॉक चेन इन कोलैबोरेशन विद डीएलटी लैब्स
- इंप्लिमेंटेशन ऑफ एनजीआईएन इन्क्यूबेशन सेंटर स्पॉन्सर्ड बाय डीआईटी, त्रिपुरा सरकार
- 5जी लैब फंडेड बाय एनईसी वाया एमट्रॉन, गुवाहाटी

10. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
7	5	2

11. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** : 5जी नेटवर्क इन ए बॉक्स (एनआईएबी) विद सर्वर्स, 5जी रेडियो एक्सेस नेटवर्क (रान), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) इक्यूपमेंट्स

12. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
डॉ. जयंत पाल	डॉ. बिभाष सेन, एनआईटी दूर्गापुर	शोध प्रकाशन	2019- वर्तमान तक
	डॉ. अपु कुमार साहा, एनआईटी अगरतला	शोध प्रकाशन	2015- वर्तमान तक
	डॉ. सैयद-सज्जाद अहमद पौर, कादिर हास विश्वविद्यालय, इस्तांबुल, टर्की	शोध प्रकाशन	2021- वर्तमान तक

	डॉ. अमित कुमार प्रमाणिक, दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज, झारखंड	शोध प्रकाशन	2020-वर्तमान तक
डॉ. अलक रॉय	नेशनल फॉरेन्सिक साइंसेस यूनिवर्सिटी त्रिपुरा कैंपस (डॉ. मंपी देवी)	शोध प्रकाशन	2023-2024
	बीर बिक्रम मेमोरियल महाविद्यालय, अगरतला (संहिता दासगुप्ता)	पीएच.डी. पर्यवेक्षण एवं चिरंजीत विश्वास का पब्लिकेशन	2023-2024
प्रो. स्वनिर्भर मजूमदार	एनआईटी अगरतला (डॉ. अबनिश्वर चक्रबर्ती)	पीएच.डी. को-सुपरविजन एंड पब्लिकेशन	2022-24
	रिम्स. मणिपुर (सुश्री एनडी देवी)	बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग रिलेटेड रिसर्च	2020-24
	धनमंजरी विश्वविद्यालय, मणिपुर (डॉ. एस ए सिंह)	बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग रिलेटेड रिसर्च	2020-24
	नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश (डॉ. मधुसूदन मिश्रा)	हेल्थ केयर पीएच.डी. को-सुपरविजन एंड पब्लिकेशन ऑफ स्वरूप नंदी एंड स्मिता दास	2020-24
	कलकत्ता विश्वविद्यालय (डॉ. सौरभ पाल)	पीएच.डी. को-सुपरविजन एंड पब्लिकेशन ऑफ सुष्मिता दास	2021-24
	नीलिट, अगरतला (श्री निलाद्रि दास)	पीएच.डी. पर्यवेक्षण एवं प्रकाशन	2020-24
	एमबीबी महाविद्यालय, अगरतला (सुश्री सुष्मिता दास)	पीएच.डी. पर्यवेक्षण एवं प्रकाशन	2020-24
	रामठाकुर महाविद्यालय, अगरतला (सुश्री सुष्मिता दास)	पीएच.डी. पर्यवेक्षण एवं प्रकाशन	2020-24
डॉ. स्वरूप नंदी	नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश (डॉ. मधुसूदन मिश्रा)	शोध प्रकाशन	2019-24

13. **शैक्षिक वर्ष** 2024-25 **के दौरान आयोजित विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में विभाग के सफल छात्रों की सं.** :

नाम	**लिंग (पु/म)**	**वर्ग (सा./ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं.)**	**पीएच (हां / नहीं)**	**संस्थान का नाम**	**परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/एसडब्ल्यूओ****
ऋषभ कांति प्रसाद	पु.	एससी	नहीं	सीएसआईआर-नेट	नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र, **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र।

14. **विभाग की जानकारी के अनुसार छात्रों का नियोजन** :

नाम	**लिंग पु./ म.**	**वर्ग (सा./एसटी /एससी/ ओबीसी/ अल्पसं.)[पीडब्ल्यूडी विद्यार्थी पर * का चिह्न दें]**	**दिव्यांग (हां/ नहीं)**	**संस्थान/ विभाग का नाम.**	**पद**	**परीक्षा निकाय**	**परीक्षा का नाम**
दीपांजय मजूमदार	पु.	सा.	नहीं	इकफाई विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	अतिथि संकाय	अतिथि संकाय
तन्मय देबबर्मा	पु.	एसटी	नहीं	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	शोध सहायक	आईबीआईटीएफ (आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन) की जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (टीएसपी) स्कीम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार	एनसेम्बल तकनीकी का उपयोग कर त्रिपुरा के हस्तशिल्प के सशक्तिकरण के लिए एक समुचित मंच का विकास आईबीआईटीएफ/ नोट/ टीएसपी/ स्वीकृति पत्र/ 2024-25/0093
सुमित्रा देबबर्मा	म.	एसटी	नहीं	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	शोध एसोसिएट		
नीतीश कुमार रियांग	पु.	एसटी	नहीं	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	शोध एसोसिएट		

सुशांत दास	पु.	एससी	नहीं	आर्यभट्ट इंटरनेशनल विश्वविद्यालय	सहायक प्राध्यापक	-	-
सुमन देबबर्मा	पु.	एसटी	नहीं	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	शोध एसोसिएट	डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी), भारत सरकार, सर्ब सीआरजी परियोजना सीआरजी/2023/002076	*"डेवलपमेंट ऑफ ए कोकबोरोक रिपोजिट्री फॉर इंडियन साइन लैंग्वेज (आईएसएल) फॉर हियरिंग इंपेयर्ड पीपल ऑफ त्रिपुरा"*
समीर कुमार	पु.	ओबीसी	नहीं	त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	शोध एसोसिएट	डीआईटी, त्रिपुरा	*स्टार्टअप को-ऑर्डिनेटर, एनजीआईएन लैब., त्रिपुरा यूनिवर्सिटी*
सर्वार जहान बरभूयां	पु.	सा.	नहीं	डेलोइट्टे टचे तोमत्सु इंडिया एलएलपी	एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	*साइबर एवं स्ट्रैटेजिक रिस्क*
अन्वेषा पाल	म.	सा.	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
गुलिस्तां खानम	म.	इड्ब्ल्यूएस	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
कृतिदिप्ता सेनगुप्ता	पु.	सा.	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
साहिल हेमंत गेडम	पु.	एससी	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
अमरेश अदक	पु.	सा.	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	*एनैलिटिक्स एंड कॉग्निटिव*
अंशुमन साहू	पु.	ओबीसी	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
चंचल कुमार	पु.	ओबीसी	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
करन बोरो	पु.	एसटी	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
नशु पल्लवी	म.	सा.	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	
इंद्राणी देबनाथ	म.	ओबीसी	नहीं		एनैलिस्ट	डेलोइट्टे	*साइबर : डेटा एंड प्राइवेसी*
होमदीप भौमिक	पु.	सा.	नहीं	त्रिपुरा सरकार	लेवेल	त्रिपुरा सरकार	जेआरबीटी, त्रिपुरा सरकार
विक्रम दुबे	पु.	इड्ब्ल्यूएस	नहीं	एवि.इन	डेटा एनैलिस्ट	एवि.इन (ऑडियो-इमेज - वीडियो इंटेलिजेंस)	*एवि.इन*
गंगादा नागराजू	पु.	ओबीसी	नहीं	सिस्टम्स सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स	प्रोजेक्ट ट्रेनी	सिस्टम्स सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स	सिस्टम्स सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स

15. **कोई अन्य उपलब्धि** :

मूक्स में छात्रों द्वारा अ.व.-2023-24 में पूर्ण किए गए पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट स्थानांतरण का विकल्प चुना गया:

सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट	एम.टेक. द्वितीय वर्ष : दीपांजय मजूमदार, स्मरनिका चौधुरी एमसीए द्वितीय वर्ष : कृतिदिप्ता सेनगुप्ता, कुलदीप रॉय, सौरभ कुमार सिंह, अमरेश अदक, करण बोरो, पंकज सरकार, आदित्य कुमार अनुपम, अंशुमान साहू, बिक्रांत नाथ, समीर कुमार, विक्रम दुबे, रूपेश कुमार, रजनीश रौशन, अंकित कुमार झा, साहिल हेमंत गेडम, गोंगदा नागराजु एमसीए प्रथम वर्ष : अक्षत भौमिक
सॉफ्ट स्किल्स	एम. टेक. द्वितीय वर्ष : गुल्शन कुमार यादव
डेवलपिंग सॉफ्ट स्किल्स एंड पर्सनैलिटी	एमसीए द्वितीय वर्ष : बिकास रॉय, मनीष कुमार
एन्हैंसिंग सॉफ्ट स्किल्स एंड पर्सनैलिटी	एमसीए प्रथम वर्ष : प्रिंस कुमार, तन्मय सरकार, श्रेयांस गुप्ता, प्रसेनजीत भौमिक
टेक्निकल इंग्लिश फॉर इंजीनियर्स	एमसीए द्वितीय वर्ष : मेंसेंगो ओ कोजा, लेवेल वाईएन रिंबाई, इस्थर चैंज, भावेश राणा

इंग्लिश लैंग्वेज फॉर कंपिटिटिव एग्जैम्स	एमसीए : गुलिस्ता खानम
ऑनलाइन कम्यूनिकेशन इन द डिजिटल एज	एमसीए द्वितीय वर्ष : होमदीप भौमिक
बिजनेस इंटेलिजेंस एंड एनैलिटिक्स	एमसीए द्वितीय वर्ष : करण बोरो
प्राइवेसी सिक्योरिटी इन ऑनलाइन सोसल मीडिया	एमसीए द्वितीय वर्ष : बिकास रॉय एमसीए प्रथम वर्ष : सागर दीप साहा
इंट्रोडक्शन टू इंटरनेट ऑफ थिंग्स	एम.टेक. द्वितीय वर्ष : गुलशन कुमार यादव एमसीए द्वितीय वर्ष : कृतिदीप्ता सेन गुप्ता, बिकास रॉय, होमदीप भौमिक, अमित दे, कुलदीप रॉय, करण बोरो, पंकज सरकार, शैलेन्द्र गुप्ता, बिक्रांत नाथ, भावेश राणा, मनीष कुमार, अभिजीत कुमार, नदीदुल हक़ चौधुरी, विक्रम दुबे, रूपेश कुमार, रजनीश रौशन। एमसीए प्रथम वर्ष : अक्षत भौमिक, इमना सुंगीत, मो. हाशिम एस, प्रागज्योतिश दत्ता, पुरनेन्दु मंडल, रूमाना खातून, सागर दीप साहा, सैय्यद इबने अबु शहीद, श्रेयांशु गुप्ता, श्याम कुमार पंडित, वंदना कुमारी, दीपतनु दास, राहुल दास, प्रसेनजीत भौमिक
फंडामेंटल ऑफ एआई	एमसीए द्वितीय वर्ष : होमदीप भौमिक
इंट्रोडक्शन टू मशीन लर्निंग - आईआईटी खड़गपुर	एमसीए द्वितीय वर्ष : सरवार जहां बरभूइयां, अमित दे, चंचल कुमार, अमरेश अदक, लेवलिन रिंबाई, अन्वेषा पाल, रिषभ कांति प्रसाद, नीतीश कुमार रियांग, गुलिस्ता खानम, गणेश तेरंग, इंद्राणी देबनाथ, आदित्य कुमार अनुपम, अंशुमन साहू, शैलेन्द्र गुप्ता, बिक्रांत नाथ, मनीष कुमार, निशू पल्लवी, समीर कुमार
क्लाउड कंप्यूटिंग	एम.टेक. द्वितीय वर्ष : स्मरनिका चौधुरी एमसीए द्वितीय वर्ष : होमदीप भौमिक, सरवार जहां बरभूइयां, चंचल कुमार, मेसेंगो ओ कोजा, कुलदीप रॉय, सौरभ कुमार सिंह, अन्वेषा पाल, करण बोरो, इस्थर चैंज, रिषभ कांति प्रसाद, नीतीश कुमार रियांग, गुलिस्तां खानम, इंद्राणी देबनाथ, शैलेन्द्र गुप्ता, बिक्रांत नाथ, भावेश राणा, नीशू पल्लवी, अंकित कुमार झा, गोंगदा नागाराजू, अमित दे, लेवेलिन रिंबाई, नदीदुल हक़ चौधुरी एमसीए प्रथम वर्ष : आलोक कुमार, इमनासंगीत, मो. हाशिम एस, प्रिंस कुमार, पुरनेन्दु मंडल, सुष्मिता दत्ता, दीपतनु दास।
डेटा माइनिंग	एमसीए द्वितीय वर्ष : मेसेंगो ओ कोजा, कुलदीप रॉय, अमरेश अदक, इस्थर चैंज, पंकज सरकार, रूपेश कुमार
डेटा एनैलिटिक्स विद पैथन	एमसीए द्वितीय वर्ष: विक्रांत दुबे
डेटा साइंस फॉर इंजीनियर्स	एमसीए द्वितीय वर्ष: अंकित कुमार झा

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के आईटी विभाग के एआईसीटीई से संबद्ध 2 वर्षीय एमसीएए पाठ्यक्रम के चौथे सेमेस्टर के कुल 11 (ग्यारह) छात्र जो 6 महीने की सशुल्क इंटर्नशिप में शामिल हो सकते थे (प्रति माह 20,000 रुपये, साथ ही भोजन और आवास निःशुल्क है) ने एनपीटीईएल के माध्यम से दूसरे, तीसरे और चौथे सेमेस्टर में क्रेडिट ट्रांसफर के माध्यम से अपने ऐच्छिक पाठ्यक्रम पूरे किए। अंतिम रूस से सबका चयन एवं नियोजन डेलोइट्टे में हुआ। त्रिपुरा से चुने गए 40 छात्रों में से 12 हमारे विश्वविद्यालय के एमसीएए के छात्र थे (एक छात्र नहीं गया क्योंकि, उसे त्रिपुरा सरकार के अधीन सरकारी नौकरी मिल गई।)





Tweet by the Minister



3डी प्रिंटिंग आइडिएशन हैकेथन (पहला चरण) सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 17-06-2024 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम को टाई दिल्ली-एनसीआर टीम और एमट्रॉन गुवाहाटी द्वारा संचालित किया गया तथा इसे डोनर मंत्रालय और एनईसी शिलांग द्वारा प्रायोजित किया गया। त्रिपुरा विश्वविद्यालय, एनआईटी अगरतला, टीआईटी अगरतला, एनएफएसयू अगरतला और नेरिस्ट अरुणाचल प्रदेश के छात्रों ने भाग लिया है।





সোমবার ত্রিপুরা বিশ্ববিদ্যালয়ে নর্থ ইস্টার্ন কাউন্সিল-এর আর্থিক সহযোগিতায় আসামের এমরন কোম্পানির উদ্যোগে আইডিয়ান ম্যারাথন অনুষ্ঠিত হয়। *ছবি ঃ প্রাণগোপাল আচার্য*





एआईसीटीई प्रशिक्षण एवं शिक्षण - अटल अकादमी एआईसीटीई संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी 2023) सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा "इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित इको-सिस्टम के सुरक्षा पहलुओं" पर आयोजित किया गया।























आईटी विभाग में अभियांत्रिकी थीम के तहत अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा और परिवर्तनकारी और स्थिर समाज की ओर शोध विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डिजाइन विभाग आईआईटी गुवाहाटी के विशेषज्ञों के साथ डिजाइन थिंकिंग पर कार्यशाला। कार्यशाला में प्रोत्साहन देने तथा विशेषज्ञों से मिलने के लिए त्रिपुरा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति भी आए।









त्रिपुरा विश्वविद्यालय के एमसीए और एम.टेक के छात्रों को केरल सरकार के प्रधान सचिव डॉ राजू नारायणस्वामी, आईएएस के शानदार व्याख्यान को सुनने का अवसर मिला, जिसका विषय - 'साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा: एक तकनीकी कानूनी दृष्टिकोण' था। व्याख्यान का आयोजन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सहयोग से "साइबर जागरुकता दिवस" के साथ-साथ छात्रों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया गया था। डॉ स्वामी ने गुमनामी और छद्मता, हैकिंग और क्रैकिंग, डेटा डिडलिंग और सलामी स्लाइसिंग से लेकर डीडीओएस हमलों तक साइबर स्पेस के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। शोर के एल्गोरिदम की पृष्ठभूमि में साइबर सुरक्षा पर क्वांटम कंप्यूटिंग के प्रभाव का भी विश्लेषण किया गया। क्रिप्टो करेंसी की कानूनी स्थिति को 2020 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के आलोक में रेखांकित किया गया। एआई, फजी लॉजिक, एआर, वीआर और मेटावर्स की अवधारणाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

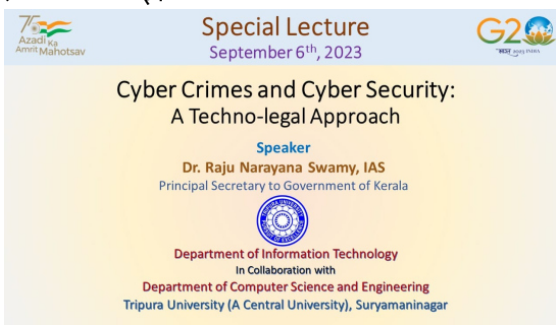







त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के श्री पुर्णेंदु मंडल, एमसीए (द्वितीय सेमेस्टर), एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवासंगम योजना के तहत सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यलय और माईगव त्रिपुरा की ओर से अपनी प्रस्तुति दी तथा उन्होंने आईसर तिरुपति का भ्रमण किया।







अनुसंधान में उभरते उपकरणों और प्रौद्योगिकियों पर छठा एक साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला (#ईटीटीआर-2023) दिनांक 20 से 24 नवंबर, 2023 के दौरान आयोजित किया गया तथा इसका आयोजक : सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला था।







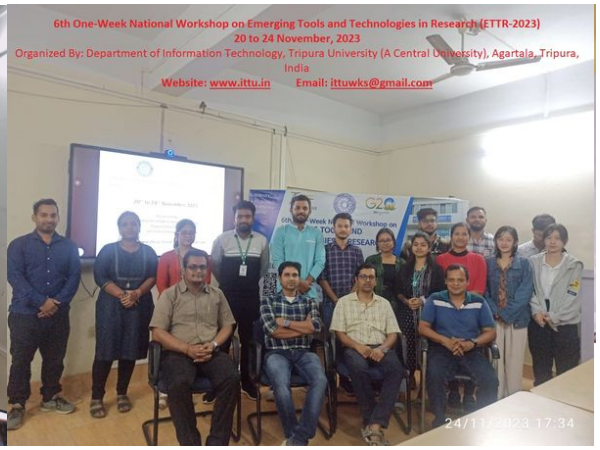







पूर्वोत्तर परिषद और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पीएमडिवाइन परियोजना के अंतर्गत एमट्रॉन गुवाहाटी के सहयोग से आईटी विभाग में 3डी प्रिंटिंग जागरुकता कार्यशालाएं, जिसमें पंजाब विश्वविद्यालय यूआईईटी के डॉ. प्रशांत जिंदल रिसोर्स पर्सन के रूप में शामिल हैं।

उक्त कार्यक्रम में 10 विभिन्न कॉलेजों के 200 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया









त्रिपुरा के दूरसंचार विभाग के डीडीजी त्रिपुरा श्री आर.के. सोनी और भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के एनई-एलएसए के सहायक निदेशक श्री नारायण भौमिक ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में पूर्वोत्तर परिषद द्वारा स्थापित #5जी लैब में भाग लिया। वे डॉ. अलक रॉय और इस क्षेत्र में उनके छात्रों एवं शोधार्थियों की टीम द्वारा शुरू की गई #आईओटी आधारित #कृषि क्षेत्र परियोजनाओं से वास्तव में प्रभावित हुए। टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल ने भी हमें #एमट्रॉन गुवाहाटी के साथ इस प्रयोगशाला को स्थापित करने में मदद की। टेलीकम्यूनिकेशन विभाग जल्द ही इसी तरह की एक अन्य प्रयोगशाला त्रिपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में स्थापित करना चाहती है जो माईगव त्रिपुरा द्वारा समर्थित होगा।







पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. पंतुला करुणा पूर्णप्पु रूपा
स्थापना वर्ष : 2016
संचालित पाठ्यक्रम : एम.टेक.
पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.टेक - 17, पीएच.डी. - रिक्ति अनुसार

विभाग का ध्येय : विभाग का लक्ष्य पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सशक्त शोध उत्पादन एवं नवाचार के साथ शिक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र के तौर पर विभाग को अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) के नए शिक्षण और अनुसंधान विभागों में से एक है, जिसने वर्ष 2016 में अपनी यात्रा शुरू की तथा इसे यूजीसी द्वारा बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई। विभाग 'पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी' में चार सेमेस्टर का 'एम.टेक.' पाठ्यक्रम (17 छात्रों की प्रवेश क्षमता) तथा पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित करता है। अभियांत्रिकी के क्षेत्र में यह अनूठा पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न प्रकार के पदार्थों यथा - धातु, अर्धचालक, सिरेमिक्स, पॉलिमर एवं कंपोजिट पदार्थ को धातु के लक्षण और इसकी संरचना का तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने में मदद करती है। साथ ही, छात्रों को महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों, ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स में अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्रियों पर गहन ज्ञान प्राप्त होता है। विभाग द्वारा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और शोध पर जोर दिया जाता है। विभाग के शोध क्षेत्रों में - ऊर्जा संचयन और भंडारण के लिए कार्यात्मक नैनोमटेरियल, स्पिनट्रॉनिक्स नैनोमटेरियल, उन्नत सिरेमिक, पाउडर धातु विज्ञान, संक्षारण, औद्योगिक ठोस अपशिष्ट उपयोग और प्रबंधन और कंपोजिट जैसे विषय शामिल हैं। विभाग को डीएसटी, सर्ब, आईईआरपी-जीबीपीएनआईएसएचईडी, यूजीसी-डीएई-सीएसआर जैसी फंडिंग एजेंसियों से बाह्य परियोजनाएं/अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में विभाग में तीन संकाय सदस्य हैं, जिन्हें सिरेमिक प्रसंस्करण, ऊर्जा भंडारण और संचयन के लिए नैनोमटेरियल, औद्योगिक अपशिष्ट सतह अभियांत्रिकी के उपयोग और एडिटिव विनिर्माण के क्षेत्रों में अनुसंधान का अनुभव है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (एससीआई) में शोध कार्य भी प्रकाशित किया है। विभाग अपने छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों, सम्मेलनों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग के छात्रों को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएस-2024) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया और एमट्रोन द्वारा संचालित और डोनर मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पीएम-देवआईएनई परियोजना के अंतर्गत विभाग ने आइडिएशन हैकेथन में नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी हासिल किया। विभाग के छात्र विभिन्न आईआईटीयों और विदेशों से उच्च अध्ययन (पीएच.डी.) कर रहे हैं।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. पंतुला करुणा पुनप्पु रूपा	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	प्रोसेसिंग ऑफ सेरामिक्स, डायरेक् इंक राइटिंग, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग	16	कोई नहीं	3	01	01	287	11

डॉ. प्रशांत कुमार राउत	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	कोरोजन, इंडस्ट्रियल सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट, सिरामिक प्रोसेसिंग	अधायपन/ शोध का अनुभव /11 वर्ष सेल्फ इंप्लाइड (को-फाउंडर सदस्य): 3 वर्ष कुल - 14 वर्ष	00	02	01	01	817	15
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	फंक्शनल नैनोस्ट्रक्चर्स, एनर्जी मटेरियल, सोलर फ्यूएल्स, एन्वायरमेंटल मटेरियल, नैनोइलेक्ट्रोनिक्स	14	कोई नहीं	02	00	01	2965	29

* उल्लेख अवश्य करें।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	शिक्षक	01	00	00
देबब्रत मजूमदार	शोधार्थी	03	01	00
पिनाकी पाल	शोधार्थी	03	01	00
रतनेन्द्र मिश्रा	छात्र	01	01	00

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	विषय	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	रिसेंट ट्रेंड्स इन मटेरियल साइंस एंड डिवाइसेस 2023 विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	22-23 जुलाई, 2023	जीएवी डिग्री महाविद्यालय, पटौदी, झझर, हरियाणा	ऑक्साइड सेमिकंडक्टर्स फॉर सोलर फ्यूएल्स
डॉ. पंतुला करुणा पुनप्पु रूपा	5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम 'उद्योग 4.0 : तकनीकी विकास'	01-05 अप्रैल, 2024	टेक्नो अभियांत्रिकी महाविद्यालय	इवोल्यूशन ऑफ सर्फेस इंजीनियरिंग टेक्निक्स

4. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

4.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1.	17/06/2024	एक दिवसीय	आइडिएशन हैकेथन ऑन 3डी प्रिंटिंग (पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, त्रिविवि)	हैकेथन ऑन 3डी प्रिंटिंग	राष्ट्रीय	50
2.	12/12/2023	2 घंटे	चैलेंजेज एंड अपॉर्चुनिटीज फॉर द इंप्लिमेंटेशन ऑफ नाइट्राइड्स एज इलेक्ट्रोकैटेलिस्ट्स फॉप द हाइड्रोजन इवोल्यूशन रिएक्शन	विशिष्ठ अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान - 2023	अंतरराषट्रीय परिसंवाद	35

4.2. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई), इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	मटेरियल रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया (एमआरएसआई), इंडिया	आजीवन सदस्य
देबब्रत मजूमदार	इंडियन सेरामिक सोसायटी	छात्र-सदस्य

5. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

ऊर्जा रूपांतरण, सिरेमिक प्रसंस्करण, प्रत्यक्ष स्याही लेखन, औद्योगिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पदार्थ।

6. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
4	2	2

7. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, फर्नेसेस (1300^{0C}), इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, रिओमीटर, 3D प्रिंटर, कम गति वाली कटिंग मशीन, स्पिन कोटिंग सिस्टम, कंप्रेसिव टेस्टिंग मशीन

8. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	एसएनबीएनसीबीएस, कोलकाता	-	2016-24
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	एनर्जी इंस्टीट्यूट, बैंग्लोर	-	2020-24
डॉ. गोबिन्द गोपाल खान	सीईएनएस, बैंग्लोर	-	2022-24

9. **शैक्षिक वर्ष 2024-25 के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/मेडल्स/प्रतिष्ठा[#] (राज्य/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर)** :

छात्र का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा प्राप्ति की तिथि	पुरस्कृत करने वाली एजेंसी/ संस्थान	टिप्पणी
पिनाकी पाल	पदार्थ विज्ञान पर चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएमएस-2024 के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार	02/02/2024	रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री	-
रत्नेन्द्र मिश्रा	सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार - एचईआरटीएसएस -2023	12/10/2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-
देबब्रत मजूमदार	सलेक्टेड एमंग टॉप थ्री पार्टिशिपेंट्स फॉर स्टेज- 1, आइडिएशन हैकैथन ऑफ पीएम-देव आईएनई परियोजना	16/06/2024	असम इलेक्ट्रोनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि., एमट्रोन तथा डोनर मंत्रालय, भारत सरकार	-

गणित विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी
स्थापना वर्ष : 1976
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी., पीएच.डी., आईएमडी
प्रवेश क्षमता : एम.एससी. : 55, आईएमडी : 11

विभाग का ध्येय : देश में गणित के क्षेत्र में एक प्रमुख शिक्षण और अनुसंधान केंद्र को तौर पर विभाग को स्थापित करना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि :

(i) प्रोफेसर बिनोद चंद्र त्रिपाठी को सामान्य गणित की श्रेणी में वर्ष 2020 से 2022 तक के लिए स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा प्रकाशित विश्व-वैज्ञानिक सूची में विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में भारतीय वैज्ञानिक, की सूची में शामिल किया गया है।

(ii) शोधकर्ताओं के लिए एक प्रमुख शैक्षिक मंच रिसर्च डॉट कॉम डेटा एनालिसिस के अनुसार, डेटा एनालिसिस ने गणित के क्षेत्र में वैज्ञानिकों के 2022 संस्करण को जारी किया है जिसमें प्रो. बिनोद चंद्र त्रिपाठी को भारत में 26 में से #16 और दुनिया में #2265 स्थान हासिल हुआ है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
प्रो. बी. सी. त्रिपाठी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	फंक्शनल एनैलिसिस, टोपोलॉजी, फजी सेट, मल्टीसेट, अनसर्टेन थ्योरी, न्यूट्रोसोफी सेट	36 वर्ष	13 (2016 से)	09	50	05	8165 (गूगल स्कॉलर) 4276 (स्कोपस)	52 (गूगल स्कॉलर) 41 (स्कोपस)
प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हल्दर	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	डेटामाइनिंग, इमेज प्रोसेसिंग	22 वर्ष	13	03	0	0	127	06
प्रो. श्यामल देबनाथ	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	सिक्वेंस स्पेस फजी सेट थ्योरी	20 वर्ष (कुल)	06	04	0	0	722	15
डॉ. सुब्रत भौमिक	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	ट्रोपोलॉजी, ज्योमेट्री, अल्जेब्रा	18	0	0	0	0	45	6
डॉ. पूनमचन्द्र बिटला	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	अप्लाइड मैथेमैटिक्स, (फ्लूड डायनामिक्स)	11	0	1	7	0	100	6
डॉ. अजय कांति दास	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	मल्टी क्राइटेरिया डिसिजन मेकिंग	12 वर्ष	0	0	0	0	112	6

डॉ. शौभिक भट्टाचार्या	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	फजी लॉजिक, फजी क्यूइंग कंट्रोल	अध्यापन : 15 वर्ष	कोई नहीं	कोई नहीं	47 (एम.एससी. परियोजना)	07 (एम.एससी. परियोजना)	-	-
डॉ. हरीश डी.	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	नॉन न्यूटोनियन नंबर, डिफ्रेशियल ज्योमेट्री, रीमानियन ज्योमेट्री	8 वर्ष	0	1 (को-गाइड)	25	5	1	1
डॉ. रूपक दत्ता	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	फजी कंट्रोल थ्योरी	3.5 वर्ष	कोई नहीं	कोई नहीं	4	4	174	7

* उल्लेख अवश्य करें ।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वारा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. अजय कांति दास	शिक्षक	-	1	-
डॉ. शौभिक भट्टाचार्या	शिक्षक	-	2	-

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	विषय	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
डॉ. अजय कांति दास	एथेंस, ग्रीस	मार्च 23-25, 2024.	टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ सोफिया, इंग्लिश लैंग्वेज फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग	आमंत्रित व्याख्यान - "एन इन्नोवेटिव ग्रूप डिसिजन-मेकिंग प्रोसेस बेस्ड ऑन फजी पैरामीटराइज्ड-हेजिटेंट बायपोलर फजी एन्वायरमेंट" एट द कंफ्रेंस सीएनएएसबीई-2024, 8th इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन कंप्यूटिंग इन नेचुरल साइंसेस, बायोमेडिसिन एंड इंजीनियरिंग, एथेंस
डॉ. अजय कांति दास	क्रेटे, ग्रीस	मई 7-9, 2024.	हेलेनिक नैवल एकैडेमी, ग्रीस, टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ सोफिया, बुल्गारिया	आमंत्रित व्याख्यान - "एडवासिंग कैंडिडेट इवैल्यूएशन : ए स्टडी ऑन हेजिटेंट फजी सेट्स एंड सॉफ्ट सेट्स इन जॉब पोजिशन एसेसमेंट" एट द 3rd यूरोपियन कंप्यूटिंग कॉन्फ्रेंस लेरापेट्रा
डॉ. शौभिक भट्टाचार्या	तारा शासकीय महाविद्यालय, संगरेड्डी, तेलंगाना	4-5 अक्टूबर 2023	तारा शासकीय महाविद्यालय एवं एमटीटीएस ट्रस्ट	व्याख्यान - 'सिक्वेंस ऑफ रियल नंबर्स' डेलिवर्ड एज ए रेसिडेंट फैकल्टी इन द 'एमटीटीएस ओवर्चर' कैंप

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
सुश्री दीक्षा देबबर्मा	अंश कालिक	रिलेटिव यूनिफॉर्म कंवर्जेंस ऑफ सिक्वेंसेस ऑफ फंक्शंस	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
श्री शुभजीत बेरा	पूर्ण कालिक	स्टैटिस्टिकल कंवर्जेंस ऑफ सिक्वेंसेस ऑफ बाई-कॉम्प्लेक्स नंबर्स	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
श्री सुजीत कुमार	पूर्ण कालिक	डबल सिक्वेंसेस ऑफ बाई-कॉम्प्लेक्स नंबर्स	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
श्रीमती बिभाज्योति तमुलि	पूर्ण कालिक	लैकुनरी वीक कंवर्जेंस ऑफ सिक्वेंसेस	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
सुश्री मौसमी दास	अंश कालिक	ऑन सम आइडियल कंवर्जेंस ऑफ सिक्वेंसेस इन क्रेडिबिलिटी थ्योरी	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
अशोक दत्ता	पूर्ण कालिक	सिक्वेंसेस ऑफ नॉन-न्योटोनियन नंबर	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी एवं हसीश डी.	पंजीकृत
तापसी देब	पूर्ण कालिक	आइडियल कंवर्जेंस ऑफ सिक्वेंसेस ऑफ बाय-कॉम्प्लेक्स नंबर्स	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
सुजान मुहुरी	पूर्ण कालिक	मैट्रिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ सिक्वेंसेस ऑफ बाय-कॉम्प्लेक्स नंबर्स	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
अभिजीत सरकार	अंश कालिक	विक कंवर्जेंस ऑफ सिक्वेंसेस इन एन-नॉर्म्ड स्पेसेस	प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	पंजीकृत
तंद्रा सरकार	अंश कालिक	फेस डिटेक्शन	शर्मिष्ठा भट्टाचार्जी हल्दर	जून, 2024 में जमा
सूरज रॉय	पूर्ण कालिक	-वही-	- वही-	पंजीकृत
शांतनू दास	अंश कालिक	डेटा माइनिंग	- वही-	पंजीकृत
चरंजीब चौधुरी	पूर्ण कालिक	आइडियल कंवर्जेंस	प्रो. श्यामल देबनाथ	उपाधि प्रदत्त
शांतनू देबनाथ	पूर्ण कालिक	न्योट्रोसोफिक सेट	प्रो. श्यामल देबनाथ	पंजीकृत
अमित हल्दर	पूर्ण कालिक	अंसर्टेटी थ्योरी	प्रो. श्यामल देबनाथ	पंजीकृत
हमारी देबबर्मा	पूर्ण कालिक	ग्रेडुअल नॉर्म्ड स्पेस	प्रो. श्यामल देबनाथ	पंजीकृत
जुवेल हुसैन	अंश कालिक	बाय-कॉम्प्लेक्स नंबर सिक्वेंस	प्रो. श्यामल देबनाथ	पंजीकृत

4.1 **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	अमेरिकन मैथेमैटिकल सोसायटी	वार्षिक
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	इंडियन मैथेमैटिकल सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	भारत गणित परिषद, लखनऊ	आजीवन
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	इंडियन एकैडेमी ऑफ मैथेमैटिक्स	आजीवन
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	त्रिपुरा मैथेमैटिकल सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय मैथेमैटिकल सोसायटी	आजीवन

प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	असम एकैडमी ऑफ मैथेमैटिक्स	आजीवन
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	मराठवाडा मैथेमैटिकल सोसायटी	आजीवन
प्रो. बिनोद चन्द्र त्रिपाठी	फजी रफ सेट एसोसिएशन	आजीवन (ट्रेजरर)
प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हल्दर	फजी रफ सेट एसोसिएशन	आजीवन (सचिव)
प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हल्दर	त्रिपुरा मैथेमैटिकल सोसायटी	सदस्य
प्रो. शर्मिष्ठा भट्टाचार्य हल्दर	मराठवाडा मैथेमैटिकल सोसायटी	सदस्य
डॉ. श्यामल देबनाथ	इंडियन मैथेमैटिकल सोसायटी	सदस्य
डॉ. श्यामल देबनाथ	कलकत्ता मैथेमैटिकल सोसायटी	सदस्य
डॉ. श्यामल देबनाथ	त्रिपुरा मैथेमैटिकल सोसायटी	सदस्य
डॉ. शौभिक भट्टाचार्या	त्रिपुरा मैथेमैटिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. हरीश डी.	त्रिपुरा मैथेमैटिकल सोसायटी	सदस्य
डॉ. रूपक दत्ता	इंडियन मैथेमैटिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य (एल/2023/069)
डॉ. रूपक दत्ता	रामानुजन मैथेमैटिकल सोसायटी	आजीवन सदस्य (एल/1858)

4.2 . **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. शौभिक भट्टाचार्या	एनईपी - 2020 ओरिएंटेशन एवं सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम	ऑनलाइन आयोजक - मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	2 साप्ताहिक	11.03.2024 से 22.03.2024 तक
डॉ. हरीश डी.	रिफ्रेशर कोर्स ऑन प्रोमोटिंग वेलबिइंग एंड सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस	ऑनलाइन	2 साप्ताहिक	24/06/23 से 06/07/23 तक
डॉ. हरीश डी.	एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन	मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर	2 साप्ताहिक	11/03/24 से 24/03/24 तक

5. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
डॉ. रूपक दत्ता	कुशन राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	बेसिक साइंस रिसर्च प्रोग्रैम अंडर ग्रांट एनआरएफ -2016 आर1ए6ए1ए03013567 तथा ग्रांट एनआरएफ - 2021आर1ए2बी5बी01001484 एंड द इंटरनेशनल को-ऑपरेशन प्रोग्रैम अंडर ग्रांट एनआरएफ - 2022के2ए9ए2ए06045121	2023

सूक्ष्म जैविकी विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. बिपिन कुमार शर्मा
स्थापना वर्ष : 2011
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी. तथा पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी. - 31

विभाग का ध्येय : विभाग का उद्देश्य शिक्षाविदों और छात्रों के लिए आधुनिक उपकरणों के साथ उन्नत शोध सुविधाएं प्रदान करना है, साथ ही सूक्ष्म जैविकी के अग्रणी क्षेत्रों में शोध करना है। अपने छात्रों को पर्याप्त अनुभव प्रदान करने के लिए, विभाग अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ नियमित आधार पर काम करने के लिए भी तत्पर है। विभाग के संकाय, छात्रों को कौशल विकास और आवश्यक प्रशिक्षण के लिए औद्योगिक क्षेत्र में प्रशिक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, विभाग बुनियादी और उन्नत सूक्ष्म जैविकी और जैव प्रौद्योगिकी दोनों के विभिन्न पहलुओं पर छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को बढ़ावा देने के लिए विशेष व्याख्यान और सेमिनार की व्यवस्था करने का भी प्रयास करता है।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : विभाग के संकायों ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में तीन अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्र प्रकाशित किए हैं और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संपादित पुस्तकों में 10 (दस) पुस्तक अध्याय भी प्रकाशित किए हैं। सूक्ष्म जैविकी विभाग विश्वविद्यालय का पहला ऐसा विभाग है जो किसी राष्ट्रीय अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडिया) का फेलो बन गया है। हमारे संकाय पश्चिम बंगाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी के भी फेलो हैं।

विभाग ने 21 फरवरी, 2024 को टिकाऊ, लचीले और न्यायसंगत खाद्य प्रणाली पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित किया और मिशन लाइफ 2022-23 के तहत टिकाऊ खाद्य प्रणाली को अपनाने के विषय पर एम.एससी. के छात्रों के लिए एक ई-पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की। विभाग ने एग्रोवेस्ट वैल्यूएशन प्रैक्टिस पर कार्यक्रम भी आयोजित किया है, वोसव्यूअर का उपयोग करके ग्रंथ सूची डेटा विश्लेषण के तीन प्रशिक्षण, जी क्यूब तथा कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट का औद्योगिक परिभ्रमण का आयोजन भी विभाग की ओर से किया गया है। विभाग ने 34वें त्रिपुरा औद्योगिक व्यापार मेले में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन में भी भाग लिया, विभाग के छात्रों और शोधार्थियों को शैक्षिक वर्ष 2023-2024 के दौरान "अगरवुड क्षेत्र की संभावनाओं" पर संगोष्ठी और नाबार्ड द्वार आयोजित संगोष्ठी में भाग लेने के लिए भी प्रतिनियुक्त किया गया है।



राष्ट्रीय अकादमी के फेलो
(राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत)



वेस्ट बंगाल विज्ञान एवं
प्रौद्योगिकी अकादमी के फेलो











टिकाऊ, लचीली और न्यायसंगत खाद्य प्रणाली पर एक दिवसीय संगोष्ठी की झलकियाँ, दिनांक : 21 फरवरी, 2024, स्थान : केन्द्रीय ग्रंथालय सम्मेलन हॉल, त्रिपुरा विश्वविद्यालय











मिशन लाइफ 2022-23 के अंतर्गत 'सतत खाद्य प्रणाली अपनाएं' विषयक एम.एससी. छात्रों के लिए 21 फरवरी, 2024 को आयोजित ई-पोस्टर प्रतियोगिता सत्र की झलकियाँ।
स्थान : केन्द्रीय ग्रंथालय सम्मेलन हॉल, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

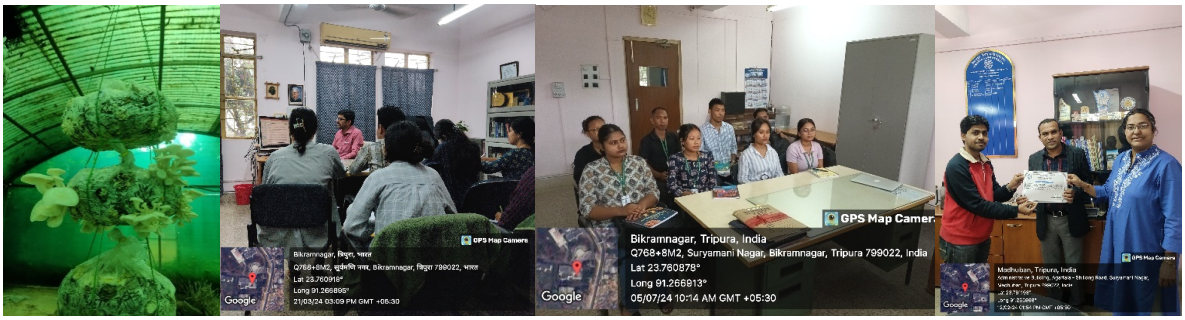

एग्रोवेस्ट वैल्यूएशन प्रैक्टिसेस वोसव्यूअर का उपयोग करके ग्रंथसूची डेटा विश्लेषण के तीन प्रशिक्षणों की झलकियाँ



औद्योगिक परिभ्रमण, जी.क्यूब



नबार्ड पर संगोष्ठी



कॉमन इफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट का औद्योगिक परिभ्रमण



34वें त्रिपुरा औद्योगिक व्यापार मेले में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन



"अगरवुड क्षेत्र की संभावनाएं" विषयक संगोष्ठी में सहभागिता के लिए छात्रों और शोधार्थियों को भेजा गया

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
शाओन राय चौधुरी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	माइक्रोबायल प्रौद्योगिकी	19 वर्ष 11 माह	12	5	>78	8	1296	20
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	माइक्रोबियल किण्वन	16 वर्ष 7 माह	3	5	64	09	2035 (गूगल स्कालर)	15 (गूगल स्कालर)
डॉ. आशुतोष कुमार	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	माइक्रोबियल अनुकूलन	10 वर्ष, 06 माह तथा 15 दिन	0	2	27	8	1075	13

* उल्लेख अवश्य करें।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
प्रो. शाओन राय चौधुरी (3 से 5 दिसंबर, 2023 तक एनएएसआई की 93वीं वार्षिक बैठक में भाग लेना और एनएएसआई के निर्वाचित फेलो के रूप में शामिल होना)	शिक्षक	-	1	-
प्रो. शाओन राय चौधुरी (23 जुलाई, 2024 को नैक बैंगलोर द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया)	शिक्षक	-	1 क्षेत्रीय	-
प्रो. शाओन राय चौधुरी (पश्चिम बंगाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी की 33वीं वार्षिक आम बैठक 15 जून 2024 को होगी)	शिक्षक	-	1 राज्य स्तरीय	-
सुश्री इप्शिता पलवान	शोधार्थी	-	3 (1 राष्ट्रीय, 2राज्य स्तरीय)	-
एस के वशिम अहमद	शोधार्थी	-	2 (1 राष्ट्रीय, 1 राज्य स्तरीय)	-
सुश्री चैताली चन्दा	शोधार्थी	-	2 (1राष्ट्रीय, 1 राज्य स्तरीय)	-
श्री अविनाश देबबर्मा	शोधार्थी	-	2 (राज्य स्तरीय)	-
सुश्री सौम्या सामल	शोधार्थी	-	1 (राज्य स्तरीय)	-
श्री सम्बुद्ध चक्रबर्ती	शोधार्थी	-	1	2
सुश्री संगीता जाना	शोधार्थी	-	-	2
श्री अमोघ मित्रा, सुश्री ग्रेसी मौमिन, सर्लिन हेंसपाई, अनसुंग टेडो, भानुप्रिया धर	3रे सेमेस्टर के छात्र	-	1 (राज्य स्तरीय)	-

श्री अमोघ मित्रा, सुश्री ग्रेसी मौमीन, सर्लिन हैंसपाई, अनसुंग टेडो, भानूप्रिया धर, एंड्रूय देबबर्मा, निपामोनी कलिता, निशा राजबंशी, संगिता बासुमतारी, दीपांकर देबबर्मा	3रे सेमेस्टर के छात्र	-	1 (राज्य स्तरीय)	-

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	विषय	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
प्रो. शाओन राय चौधुरी	अगरतला	24-25 नवंबर, 2023	राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान - "रिसेंट ट्रेंड्स इन रिसर्च इन साइंसेस, सोसल साइंसेस एंड लैंग्वेज एट वूमैन्स कॉलेज", अगरतला	सूक्ष्मजीव : हरित भविष्य की कुंजी
प्रो. शाओन राय चौधुरी	शांति निकेतन ऑनलाइन मोड में	15-16 मई, 2024	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण व्याख्यान - "इन्नोवेशंस इन इनवैसिव एक्वैटिक वीड मैनेजमेंट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट", विश्वभारती, शांतिनिकेतन	अपशिष्ट से मूल्य में परिवर्तन के लिए शैवाल जीवाणु संघ

4. **पेटेंट/कॉपीराइट आवेदित/ प्राप्त** :

नाम	पेंटेट का शीर्षक	आवेदित / प्राप्त	पेटेंट सं.	तिथि (आवेदित/ प्राप्त)	लाइसेंस्ड अथवा नहीं
शाओन राय चौधुरी	माइक्रोबायल कंसोर्टियम एंड प्रोसेस फॉर डिगमिंग ऑफ रैमि फाइबर	29 नवंबर, 2023	474317	29/11/2023	नहीं

5. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
सुश्री चैताली चंदा	पूर्णकालिक	ऑप्टिमाइजेशन ऑफ सल्फेट कन्टामिनेटेड वेस्टवाटर ट्रीटमेंट यूजिंग माइक्रोबायल फॉर्मूलेशन इन बायोफिल्म बेस्ड बायोरिएक्टर सिस्टम	शाओन राय चौधुरी	पंजीकृत
सुश्री इस्पिता पलवान	पूर्णकालिक	वैलिडेशन ऑफ द इफिकैसी ऑफ बैक्टेरियल बायो-फर्टिलाइजर फॉर्मूलेशन ऑन द एग्रोनोमिक पैरामीटर एंड इल्ड ऑफ थ्री इकोनॉमिकली इंपार्टेंट प्लांट्स	शाओन राय चौधुरी	पंजीकृत
सुश्री सौम्या समाल	पूर्णकालिक	डेवलपमेंट ऑफ इफैक्टिव बायोरिमेडियल सिस्टम फॉर ट्रीटमेंट ऑफ अमोनिया कंटेनिंग वेस्ट वाटर	शाओन राय चौधुरी	पंजीकृत
श्री अबिनाश देबबर्मा	पूर्णकालिक	अंडरस्टैंडिंग द इंपैक्ट ऑफ डिफ्रेंट फर्टिलाइजेशन रेजिम्सन द मेटाबोलिक प्रोफाइल ऑफ लेमनग्रास ग्रोन एट त्रिपुरा यूनिवर्सिटी	शाओन राय चौधुरी	पंजीकृत
एसके वसीम अहमद	पूर्णकालिक	डेवलपमेंट ऑफ बैक्टेरियल फॉर्मूलेशन फॉर हेग्जामिन रिमूवल फ्रॉम वेस्ट	शाओन राय चौधुरी	पंजीकृत
श्री संबुद्ध चक्रबर्ती	पूर्णकालिक	डेवलपमेंट् ऑफ बेक्टेरियोफेज-बेस्ड ट्रीटमेंट रेजिमैन अगेंस्ट बायोफिल्म ऑफ क्लिनिकली रेलिवेंट बैक्टेरिया	अश्विनी चौव्हाण तथा शाओन राय चौधुरी	पंजीकृत
सुश्री संगीता जेना	पूर्णकालिक	डिविसिंग एंटिबैक्टेरियल एंड एंटिबायोफिल्म कोटिंग यूजिंग ZnO नैनोपार्टिकल्स टू प्रीवेंट मेडिकल डिवाइस-एसोसिएटेड इंफेक्शंस	अश्विनी चौव्हाण तथा शाओन राय चौधुरी	पंजीकृत

श्री अभिजीत दत्ता	अंशकालिक	स्टडीज ऑन फंगल डायवर्सिटी इन लीफ लिटर डिकंपोजिशन, न्यूट्रिएंट रिलीज डायनामिक्स एंड स्क्रीनिंग ऑफ इफिसिएंट रबर डिग्रेडिंग फंगल स्ट्रेंस फ्रॉम रबर प्लांटेशन ऑफ त्रिपुरा	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री देबाश्री बोरठाकुर	अंशकालिक	स्टडीज ऑन फ्लेवर प्रोड्यूसिंग कंपाउंड्स ऑफ माइक्रोबायल ओरिजिन आइसोलेटेड फ्रॉम फर्मेंटेड फूड ऑफ नॉर्थइस्ट इंडिया	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री संचिता बसु	पूर्णकालिक	मॉडूलेशन एंड एनैलिसिस ऑफ सम पर्सपैक्टिव इंडिजेनस यीस्ट स्टेन्स आइसोलेटेड फ्रॉम ट्रैडिशनल राइस बीयर ऑफ नॉर्थइस्ट इंडिया विद गामा इरैडिएशन टू एन्हैंस देअर अल्कोहल टॉलरेंस कैपेसिटी फॉर कॉस्ट इफैक्टिव बायोइथेनॉल प्रोडक्शन	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री कृष्णा बुरागोहेन	पूर्णकालिक	स्टडी ऑफ एंटिमाइक्रोबायल एक्टिविटी ऑफ सम पोटेंशियल बायोएक्टिव कंपाउंड ऑफ यीस्ट आइसोलेटेड फ्रॉम द फर्मेंटेड फूड ऑफ असम एंड इट्स स्ट्रक्चर इलुसिडेशन	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्री बिजया आनंदी योमनाम	पूर्णकालिक	स्टडीज ऑन क्रिएटिंग सिल्वर नैनोपार्टिकल-बेस्ड ड्रग्स बायोकंजुगेट्स यूजिंग चितोसन एंड एसेसिंग देअर इफैक्टिवनेस अगेंस्ट वैरियस बायोफिल्म प्रोड्यूसिंग बैक्टेरिया	डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	पंजीकृत
सुश्रई अवीप्सा सेनगुप्ता	पूर्णकालिक	स्टडी ऑफ एडैप्शन इंड्यूस्ड मॉलेक्यूलर इवोल्यूशन इन द डीएनए पोलीमरेज III ऑफ हैलोफिलिक बैक्टेरिया	डॉ. आशुतोष कुमार	पंजीकृत

6. विभाग के अग्रिम पदचिह्न :

6.1. विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/वार्ता :

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1.	21 फरवरी, 2024	पूर्वा. 10 बेज से अप. 5.30 बजे तक	एक दिवसीय संगोष्ठी - "सस्टेनेबल, रेजिलिएंट एंड इक्विटेबल फूड सिस्टम" अंडर प्रोजेक्ट मिशन लाइफ	संगोष्ठी	राष्ट्रीय	78
2.	12 फरवरी, 2024	अप. 2 बजे से 4.30 बजे तक	बिबलियोग्रैफिक डेटा एनैलिसिस फॉर पब्लिकेशन पार्ट 1	कार्यशाला	विभागीय	6
3.	8 जनवरी 2024	-	एक्सप्लोरिंग फंक्शनल माइक्रोबायोमास इन एक्वैटिक एन्वायरमेंट्स हैरासिंग देअर पोटेंशियल फॉर सोसायटल नीड्स	वार्ता	विभागीय	30
4.	21 मार्च, 2024	अप. 2 बजे से अप. 5.30 बजे तक	प्रशिक्षण - बिबलियोग्रैफिक डेटा एनैलिसिस, वीओएस व्यूअर पार्ट 1	कार्यशाला	विभागीय	7
5.	5 जुलाई, 2024	पूर्वा. 10 बजे से अप. 12 बजे तक	ट्रेनिंग ऑन बिबलियोग्रैफिक डेटा एनैलिसिस, वीओएस व्यूअर पार्ट 2	कार्यशाला	विभागीय	8

6.2. उद्योग/एनजीओ/सरकारी संस्थानों के साथ परिचर्चा : (संकायों के लिए) :

क्र. सं.	संकाय का नाम	उद्योग/ एनजीओ का नाम	उद्योग का स्थान	क्या एमओयू हस्ताक्षरित हैं? (हां/ नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ है? (यदि हां, तो लाख रु. में मूल्य)	विद्यार्थियों का नियोजन? (यदि हां, तो संख्या की जानकारी दें)
1	प्रो. शाओन राय चौधुरी	जी क्यूब फाउंडेशन	बंबू पार्क, आरके नगर, अगरतला	हां	नहीं	नहीं, छात्र प्रशिक्षित

6.3 **उद्योग/एनजीओ/सरकारी संस्थानों के साथ परिचर्चा: (विद्यार्थियों के लिए)** :

विभाग का नाम	उद्योग/ एनजीओ की सं. जिसने विजिट की	उद्योग/ एनजीओ का नाम जिसने विजिट की	विजिट का उद्देश्य
सूक्ष्म जैविकी विभाग	1	एनटीएफपी सेंटर ऑफ एक्सैलेंस (एनसीई), वन विभाग, त्रिपुरा सरकार	संगोष्ठी - "प्रोस्पेक्ट्स ऑफ अगरवूड सेक्टर", दिनांक 31जनवरी, 2024, अप.- 2 बजे
सूक्ष्म जैविकी विभाग	1	नबार्ड, त्रिपुरा क्षेत्रीय कार्यालय	संगोष्ठी - "कृषि एवं ग्रामीण विकास में तकनीकी का प्रयोग"
सूक्ष्म जैविकी विभाग	1	सीईटीपी बोधजंग नगर, अगरतला	इंडस्ट्रियल टूर टू कॉमन इफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट फॉर द स्टूडेंट्स एंड स्कॉलर्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी, दिनांक - 13 मई, 2024.
सूक्ष्म जैविकी विभाग	1	जी क्यूब, बंबू पार्क, आर के नगर, अगरतला	जी-क्यूब कंपनी का औद्योगिक परिभ्रमण, दिनांक 4 एवं 6 जुलाई, 2024 पूर्वा. 10 बजे से स्नातकोत्तर (विज्ञान) के तीन छात्रों के लिए - अनुभव देब चौधुरी, संपिली देबबर्मा तथा त्रिदिशा क्रोपी को अपशिष्ट मूल्यांकन के अवलोकन हेतु।
सूक्ष्म जैविकी विभाग	1	उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा सरकार	34$^{वें}$ त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेला में तकनीकी प्रदर्शन, दिनांक 25 जनवरी से 11 फरवरी, 2024

6.4. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
प्रो. शाओन राय चौधुरी	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत	फेलो, सदस्य
प्रो. शाओन राय चौधुरी	प. बंगाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी	फेलो
प्रो. शाओन राय चौधुरी	सोसायटी फॉर अप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी	फेलो
प्रो. शाओन राय चौधुरी	यूरैशियन एकैडमी ऑफ एन्वायरमेंटल साइंस	फेलो
प्रो. शाओन राय चौधुरी	अमेरिकन कैमिकल सोसायटी	सदस्य
प्रो. शाओन राय चौधुरी	अमेरिकन सोसायटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी	सदस्य
प्रो. शाओन राय चौधुरी	एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
प्रो. शाओन राय चौधुरी	इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसायटी ऑफ इंडिया	इसी सदस्य तथा आजीवन सदस्य
प्रो. शाओन राय चौधुरी	द बायोटेक रिसर्च सोसायटी, भारत	सदस्य
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	सोसायटी फॉर एंटिमाइक्रोबायल रिसर्च	आजीवन सदस्य
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स सोसायटी, भारत	आजीवन सदस्य तथा राज्य समन्वयक

6.5. **अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	संकाय सुधार प्रशिक्षण - "स्टडी ऑन माइक्रोबायल डायनामिक्स ड्यूरिंग फर्मेंटेशन ऑफ एथनिक फूड एंड बिवरेजेज"	इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार, नई दिल्ली	एक साप्ताहिक	29 जनवरी से 2 फरवरी, 2024
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	एक साप्ताहिक संकाय विकास कार्यक्रम - एनजीएस डेटा एनैलिसिस एंड अप्लिकेशंस ऑर्गेनाइज्ड बाय एडवांस्ड लेवेल इंस्टीट्यूशनल बायोटेक हब, असम यूनिवर्सिटी, सिलचर	असम यूनिवर्सिटी, सिलचर	एक साप्ताहिक	14-18 नवंबर, 2023

7. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :
माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी, माइक्रोबियल किण्वन, एंटी बायोफिल्म, रोगाणुरोधी यौगिक और एक्सट्रीमोफाइल्स का जैव सूचना विज्ञान।

8. **नई पहल / नवाचार** :
खाद्य उत्पादों के उत्पादन के लिए कृषि अपशिष्ट का मूल्यांकन।

9. **शैक्षिक वर्ष 2024-25 के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/ मेडल्स/ प्रतिष्ठा# (राज्य/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर)** :

शिक्षक का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा का नाम	पुरस्कार/ मेडल/ प्रतिष्ठा प्राप्ति की तिथि	पुरस्कृत करने वाली एजेंसी/ संस्थान	टिप्पणी
प्रो. शाओन राय चौधुरी	फेलो, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत	दिसंबर, 2023	एनएएसआई	1[स्ट] फेलो ऑफ ए नैशनल एकैडमी फ्रॉम त्रिपुरा यूनिवर्सिटी
प्रो. शाओन राय चौधुरी	फेलो, प. बंगाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी	जून, 2024	वास्ट	-

खेल के संबंध में, अंतर विश्वविद्यालय, जोनल पर भी विचार किया जाए।

10. **वर्ष 2024-25 के दौरान अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/ संस्थान/ उद्योग का नाम	परियोजना में संयुक्तता	वर्ष (2024-25)
प्रो. शाओन राय चौधुरी	जी क्यूब फाउंडेशन, अगरतला	अपशिष्ट का मूल्यांकन, उद्यमिता को संवर्धन	2024 से जारी
प्रो. शाओन राय चौधुरी	आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, आईसीएआर, कोलकाता	एमओयू	2022 से जारी
प्रो. शाओन राय चौधुरी	कीट, टीबीआई, भुवनेश्वर	एमओयू	2020 से जारी
डॉ. बिपिन कुमार शर्मा	यूजीसी-डीएई कोलकाता केन्द्र	संयुक्तात्मक शोध योजना (सीआरएस) यूजीसी-डीएई-सीएसआर की परियोजनाएं	2024 जारी

11. **विभाग की जानकारी के अनुसार छात्रों का नियोजन** :

नाम	लिंग पु./म.	वर्ग (सा./एसटी /एससी/ओबीसी/ अल्पसं.) [पीडब्ल्यूडी विद्यार्थी पर * का चिह्न दें]	दिव्यांग (हां अथवा नहीं)	संस्थान/ विभाग का नाम.	पद	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
काजल कुमारी सिंह	म.	सा.	नहीं	मून विवरेजेज लि. (पूर्व नें एचसीसीबी)	माइक्रोबायोलॉजीस्ट	साक्षात्कार (10/07/2024)	लागू नहीं
भानूप्रिया धर	म.	सा.	नहीं	प्राण कंपनी	क्वैलिटी कंट्रोल	साक्षात्कार (29/07/2024)	लागू नहीं

आणविक जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी
स्थापना वर्ष : 2011
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी. एवं पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी. में - 30

विभाग का ध्येय : शैक्षिक अनुभव को सभी छात्रों में सशक्त बनाना तथा विज्ञान में सफलताओं के माध्यम से समाज में बदलाव लाना

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : विभाग अपने स्नातकोत्तर के छात्रों को उच्चतम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा उन्हें आणविक जीव विज्ञान एवं जैव सूचना के क्षेत्र में तेजी से हो रही प्रगति के साथ-साथ दीर्घकालिक रुझानों के लिए तैयार करने के लिए समर्पित है। स्नातकोत्तर स्तर पर आणविक जीव विज्ञान और जैव सूचना पाठ्यक्रम को प्रमुखता के साथ रखने के लिए स्नातक स्तर पर उसका सतही ज्ञान आवश्यक है। विभाग उत्कृष्टता का केंद्र प्रदान करता है जो कि जीवन प्रक्रियाओं की आणविक घटनाओं की समझ को बढ़ावा देता है। विभाग संकाय व छात्र दोनों ही स्तर परउच्च गुणवत्तापूर्ण शोध एवं अन्य विद्वत्तपूर्ण गतिविधियों को प्रोत्साहित एवं आश्वस्त करता है। विभाग ने अनुसंधान सहयोग और स्नातकोत्तर एवं पीएचडी छात्रों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, आईसीएआर, रांची तथा एसएनयू कोलकाता के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	होस्ट-पैथोजेन इंटरैक्शन	13	5	3	60	8	4812	33
डॉ. रक्षक कुमार	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	एन्वायरमेंटल मॉलेक्यूलर माइक्रोबायोलॉजी	10	6	1	7	7	1390	22
डॉ. नंदिता नाथ	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	फर्मेंटेशन एंड इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी	6 वर्ष, शोध तथा 2 वर्ष औद्योगिक अनुभव	0	0	2	8	-	-

* उल्लेख अवश्य करें ।

2. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	विषय	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
डॉ. रक्षक कुमार	नई दिल्ली (ऑनलाइन)	04-04-2024	इंडियन नेटवर्क फॉर स्वाइल कंटामिनेशन रिसर्च, नई दिल्ली तथा आचार्य नरेन्द्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	ह्यूमैन फेकल वेस्ट- द हिमालयन वे ऑफ ऑन-साइट सैनिटेशन एंड रिसोर्स रिकवरी

डॉ. रक्षक कुमार	बैंगलुरु	30-08-2024	इलुमिना जेनोमिक्स समिट, बैंगलुरु	माइक्रोबायल कैरैक्टराइजेशन फ्रॉम यूनिक एन्वायरमेंट
एडॉप्टिंग ए सस्टेनेबल रेजिलिएंट एंड इक्विटेबल फूड सिस्टम विषयक एके दिवसीय संगोष्ठी	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	21 फरवरी, 2024	मिशन लाइफ के सहयोग से त्रिपुरा विश्वविद्यालय in	फर्मेटेड कुलिनरी हेरिटेज : ए जर्नी टूअर्ड्स सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड इंपावरमेंट ऑफ एथिक ट्राइब्स ऑफ त्रिपुरा
फ्रंटियर्स ऑफ मॉलेक्यूलर लाइफ साइंसेस विषयक चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका	27/09/2024	आईबीएमबीबी, कोलंबो यूनिवर्सिटी, श्रीलंका	क्यूएसएआर मॉडेलिंग फॉर ड्रग डिस्कवरी
फ्रंटियर्स ऑफ मॉलेक्यूलर लाइफ साइंसेस विषयक चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका	28/09/2024	आईबीएमबीबी, कोलंबो यूनिवर्सिटी, श्रीलंका	क्यूएसएआर मॉडेलिंग फॉर ड्रग डिस्कवरी

3. **पेटेंट/ कॉपीराइट आवेदित/ प्राप्त** :

नाम	पेंटेट का शीर्षक	आवेदित /प्राप्त	पेटेंट सं.	तिथि (आवेदित/प्राप्त)	लाइसेंस्ड अथवा नहीं
कॉपीराइट	एम2सीआईडी स्माइल : एन एक्सट्रैक्शन टूल फॉर पबकैम आईडी एंड स्माइल स्ट्रिंग फ्रॉम द नेम्स ऑफ मॉलेक्यूल्स फ्रॉम पब्लिकली एवेलेबल इन मॉलेक्यूलर डेटाबेस	आवेदित	-	01/09/2024	-
इंडियन पेटेंट (सुरजीत भट्टाचार्जी तथा अन्य)	नॉन-इनवैसिव डायग्नोस्टिक किट फॉर डिटेक्शन ऑफ यूरिनरी ट्रैक इंफेक्शन (यूटीआई)	प्राप्त	441839	31/07/2023	-
इंडियन पेटेंट (सुरजीत भट्टाचार्जी तथा अन्य)	नेचुरल गम बेस्ड नैनोकंपोजिट हाइड्रोजेल हैविंग एंटिबैक्टेरियल एंड वाउंड हीलिंग इफैक्ट्स एंड ए मेथड ऑफ प्रीपरेशन देअरऑफ	प्राप्त	497567	11/01/2024	-
इंडियन पेटेंट (सुरजीत भट्टाचार्जी तथा अन्य))	ए नोवेल प्रोसेस एंड फॉर्मूलेशंस ऑफ 'अल्कोहलिक नैनो-सिल्वर हैविंग एंटि-वायरल एंड एंटि-बायोफिल्म इफिकैसी'	आवेदित	202111061283	परीक्षण हेतु अनुरोध, दिनांक - 15/03/2024	-

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
श्री सुखदेब आचार्जी	पूर्ण कालिक	इन्वॉल्वमेंट ऑफ आईएल-18 एंड टीएनएफ- अल्फा इन द डेवलपमेंट ऑफ ऑस्टियोपोरोसिस इन सब्जेक्ट्स विद ऑस्टियोआर्थरिटिस (ओए) एंड रह्यूमेटॉइड अर्थराइटिस (आरए) विद स्पेशल इंफैसिल ऑन एसोसिएटेड मेटाबोलिक मार्केट्स	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	उपाधि प्रदत्त
श्रीमती संघमित्रा गोस्वामी	पूर्ण कालिक	एंटिमाइक्रोबायल एंड एंटि-बायोफिल्म इफिकैसी ऑफ फैटोकैमिकल्स थ्रू बायोकंपैटिबल हाइड्रोजेल एंड नैनोजेल फॉर्मूलेशंस	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	पंजीकृत

डॉ. चंदन राय बर्मन	पूर्ण कालिक	रीपर्पजिंग गाबापेंटिन एंड प्रीगेबलिन एज एंटि-प्रोलिफरेटिव एंड एंटिबैक्टेरियल एजेंट्स	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	पंजीकृत
श्री सुमन पॉल	पूर्ण कालिक	डेवलपमेंट ऑफ ए न्यू थैरैप्यूटिक स्ट्रैटेजी अगेंस्ट विबरियो कोलेरा टू एटेनुएट इट्स इंफेक्शन एंड पैथोजेनेसिटी यूजिंग फ्लैबोनॉड ग्रुप ऑफ फैटोकैमिकल्स	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	पंजीकृत
डॉ. इशिता घोष	अंश कालिक	-	डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	प्रवेश लिया है

5. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

5.1. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. अरबिन्दा घोष	बायोटेक रिसर्च सोसायटी इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. अरबिन्दा घोष	द सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट्री, इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. अरबिन्दा घोष	बायोइंफॉर्मेटिक्स एंड ड्रग डिस्कवरी सोसायटी, इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. अरबिन्दा घोष	माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	इंडियन सोसायटी सेल बायोलॉजी	आजीवन सदस्य
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	इंडियन नेशनल यंग एकैडमी ऑफ साइंसेस	आजीवन सदस्य

5.2.**अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
एमएमटीसी-एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्रैम	1	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	10 दिवसीय	11-03-2024 से 23-03-2024
एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्रैम अंडर मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्रैम (एमएम-टीटीपी) ऑफ यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (यूजीसी) , आयोजक - यूजीसी-मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली,	1	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	10 दिवसीय	18-12-2024 से 28-12-2024

6. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

ए. इंफेक्शन बायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी एंड बैक्टेरियल बायोफिल्म;

बी. स्ट्रक्चर एंड कंप्यूटेशनल बायोलॉजी.

7. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
4	2	2

8. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

1. बीओडी इंक्यूबेटर,
2. बायोसेफ्टी कैबिनेट,
3. पीसीआर मशीन,
4. कोल्ड सेंट्रिफ्यूज,

5. वेस्टर्न ब्लॉट एपैरैटस,
6. टिसू कल्चर रूम,
7. वाटर प्यूरिफिकेशन सिस्टम
8. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
9. सर्वर कंप्यूटर
10. बाइनोक्यूलर माइक्रोस्कोप
11. हीट ब्लॉकर
12. शेकर इंक्यूबेटर
13. सर्कुलेटिंग वाटर बाथ
14. 4ºसी रेफ्रिजरेटर
15. -20ºसी फ्रीजर
16. आइस फ्लेकर
17. -80º सी फ्रीजर

9. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/संस्थान/ उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
डॉ. सुरजीत भट्टाचार्जी	आईआईटी गुवाहाटी	शोध परियोजना	2023-2024

भेषज विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. कुंतल मन्ना
स्थापना वर्ष : 2011
संचालित पाठ्यक्रम : 1) एम. फार्म
2) पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : 15 (पीसीआई के अनुमोदन से)

विभाग का ध्येय : हमारा लक्ष्य फार्मेसी विभाग को देश में फार्मास्युटिकल शोध एवं शिक्षा के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में स्थापित करना है। ऐसा करके हमारा लक्ष्य वैश्विक उद्योग की चुनौतियों से निपटना और अद्वितीय विशेषज्ञता और उपलब्धियों के साथ फार्मेसी पेशेवरों के विकास को बढ़ावा देना है।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : त्रिपुरा विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) में प्रो. कुंतल मन्ना के नेतृत्व में वर्ष 2011 में स्थापित भेषज विज्ञान विभाग का अपना एक विशिष्ट मिशन है। भेषज विज्ञान में शोध में शिक्षा प्रदान करने वाला यह त्रिपुरा राज्य का पहला केन्द्र है जो स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम. फार्म) संचालित करता है। प्रदेश की राजधानी अगरतला से महज 12 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित सूर्यमणिनगर में स्थित यह विभाग भेषज विज्ञान के क्षेत्र में उच्चतम श्रेणी की शिक्षा और शोध प्रदान करने के लिए एक अग्रणी शिक्षा प्रतिष्ठान का प्रतिनिधित्व करता है। विश्वविद्यालय के लिए यह पूर्वोत्तर भारत के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। हमारा विभाग वैश्विक मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारे छात्रों को भेषज-उद्योग की लगातार विकसित होने वाली मांगों को पूरा करने के लिए तैयार करता है। हमारा प्राथमिक उद्देश्य ऐसे कार्यक्रम तैयार करना है जो वैश्विक मानकों के अनुरूप हों तथा दवा उद्योग की चुनौतियों का समाधान करें। इसके अतिरिक्त, हम दवा खोज अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने, समकालीन स्वास्थ्य समस्याओं के लिए नवीन उपचारात्मक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हों। विभाग भेषजीय रसायन में स्नातकोत्तर (एम.फार्मा) तथा भेषज विज्ञान में पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग यह सुनिश्चित करता है कि विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई), नई दिल्ली द्वारा निर्धारित मानकों का समुचित अनुपालन करते हैं। हमारा पाठ्यक्रम अनुभवी संकाय सदस्यों द्वारा निर्देशित, दवा खोज और फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवहारिक शोध प्रशिक्षण के साथ उन्नत सैद्धांतिक ज्ञान को जोड़ता है। हमारे पाठ्यक्रम प्रभावकारिता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, अभिनव चिकित्सीय अणुओं की खोज पर जोर देते हैं। विभाग के छात्र फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान, फाइटोफार्मास्युटिकल्स, नैनोफार्मास्युटिकल्स, आधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों और संरचना-आधारित दवा डिजाइन अनुसंधान में विशेषज्ञता हासिल करते हैं। अंततः हमारा कार्यक्रम छात्रों को फार्मास्युटिकल उद्योग, उद्यमिता और शिक्षा जगत में उच्च पेशेवर उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाता है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
प्रो. कुंतल मन्ना	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	भेषजीय रसायनशास्त्र	21 वर्ष	02	04	40	05	1493	15
डॉ. जगदीश कुमार साहू	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	भेषजीय रसायनशास्त्र	15 वर्ष	01	कोई नहीं	06	03	483	11
डॉ. रजत घोष	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	औषधीय रसायनशास्त्र	13 वर्ष	कोई नहीं	01	37	04	257	08

* उल्लेख अवश्य करें।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. रजत घोष	शिक्षक	-	02	-
श्री रिषभ मजूमदार	शोधार्थी	-	02	-

3. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
श्री वैखम सोमराज सिंह	पूर्ण कालिक	डिजाइन सिंथेसिस तथा बायोलॉजिकल इवैल्यूएशंस ऑफ नोवेल हेटेरोसाइक्लिक हाइब्रिड्स	प्रो. कुंतल मन्ना	उपाधि प्रदत्त

4. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

4.1. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
प्रो. कुंतल मन्ना (संकाय)	द इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन, मुंबई, भारत	आजीवन सदस्य
प्रो. कुंतल मन्ना (संकाय)	वेस्ट बंगाल फार्मेसी काउंसिल, लायंस रैंज, कलकत्ता	पंजीकृत भेषजीय
डॉ. प्रताप चन्द्र आचार्या (संकाय)	ओडिशा राज्य फार्मेसी काउंसिल	पंजीकृत भेषजीय
डॉ. प्रताप चन्द्र आचार्या (संकाय)	द इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन, मुंबई	आजीवन सदस्य
डॉ. रजत घोष (संकाय)	एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया(एपीटीआई)	अध्यक्ष, त्रिपुरा राज्य शाखा
डॉ. रजत घोष (संकाय)	एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया(एपीटीआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. रजत घोष (संकाय)	त्रिपुरा राज्य फार्मेसी परिषद	पंजीकृत भेषजीय
डॉ. रजत घोष (संकाय)	इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन (आईपीए), मुंबई	आजीवन सदस्य
डॉ. जगदीश कुमार साहू	मध्यम प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद	पंजीकृत भेषजीय
डॉ. जगदीश कुमार साहू	एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया(एपीटीआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. जगदीश कुमार साहू	इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन (आईपीए)	आजीवन सदस्य
डॉ. जगदीश कुमार साहू	सोसायटी ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एसपीईआर)	आजीवन सदस्य

4.2.**अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में संकाय सदस्यों की सहभागिता** :

नाम	सहभागी पाठ्यक्रम	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. रजत घोष	एनईपी 2020 ओरिएंटेशन एवं सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम	एमएम-टीटीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	12 दिवसीय	11-03-2024 to 22-03-2024

5. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

- ✓ प्राकृतिक उत्पाद-आधारित औषधीय खोज
- ✓ कैंसररोधी एवं मधुमेहरोधी औषधीय खोज
- ✓ विश्लेषणात्मक विधि विकास
- ✓ हेटेरोस्टेरॉड संश्लेषण एवं स्टेरॉड संशोधन
- ✓ सिंथेसिस ऑफ लिपिट-ड्रग बायोकंजुगेट्स एंड हेटेरोसाइक्लिक स्माल मॉलेक्यूल्स टू टार्गेट कैंसर एंड न्यूरोडिजेनेरेटिव डिजीज
- ✓ सिंथेसिस ऑफ ग्लाइकोलिपिड्स फॉर नैनोडेलिवरी ऑफ एंटिकैंसर ड्रग्स

6. **नई पहल / नवाचार** :

विभाग में कैंसर, मधुमेह और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों को लक्षित कर नई औषधीय के विकास की दिशा में यूजीसी, डीबीटी, डीएसटी और एआईसीटीई द्वारा स्वीकृत विभिन्न वित्त पोषित परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।

7. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
सं.- 11	एम. फार्म. तथा परियोजना प्रयोगशाला के लिए - 02 प्रयोगशाला	एलसीएमएस/एमएस तथा अन्य (डीबीटी वित्त पोषित परियोजना) के लिए - 02 प्रयोगशाला
	पीएच.डी. शोध प्रयोगशाला के लिए - 01 प्रयोगशाला	
	संकायों के व्यक्तिगत शोध के लिए - 06 प्रयोगशाला	

8. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण/यंत्र** :

- ✓ एटीआर-एफटीआईआर अल्फा, ब्रूकर, जर्मनी।
- ✓ हॉट प्लेट के साथ डिजिटल मैग्नेटिक स्टिरर, टार्सन, भारत।
- ✓ डिजिटल मेल्टिंग पॉइंट उपकरण।
- ✓ डिजिटल पीएच मीटर, मेटलर, यूएसए।
- ✓ फ्यूम हुड
- ✓ हॉट एयर ओवन, लैबमैन, भारत।
- ✓ आइस फ्लेकिंग मशीन, सिमैग, इटली।
- ✓ मैकेनिकल ओवरहेड स्टिरर, आईकेए, जर्मनी।
- ✓ मेल्टिंग पॉइंट उपकरण, सनसिम एवं स्टुअर्ट, भारत।
- ✓ मेटलर टोलेडो बैलेंस, मेटलर, यूएसए।
- ✓ ऑयल कम वॉटर बाथ एसएनएस, भारत।
- ✓ पोलारिमीटर
- ✓ चिलर के साथ रोटरी इवेपोरेटर, आईकेए, जर्मनी।
- ✓ रोटरी वेन वैक्यूम पंप, टार्सन, भारत।
- ✓ अल्ट्रासोनिक बाथ
- ✓ टीएलसी के लिए यूवी चैंबर।
- ✓ यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, शिमादज़ू-1800, जापान।
- ✓ यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, शिमादज़ू-1900आई, जापान।
- ✓ वॉटर बाथ, लैबमैन, भारत।
- ✓ वॉटर डिस्टिलेशन यूनिट, रिवेरा, भारत।
- ✓ एस्पिरेटर पंप, विगेंस
- ✓ प्रोब सोनिकेटर, लैबमैन, भारत

9. **विभाग की जानकारी के अनुसार छात्रों का नियोजन** :

नाम	लिंग पु./म.	वर्ग (सा./एसटी /एससी/ओबीसी/ अल्पसं.) [पीडब्ल्यूडी विद्यार्थी पर * का चिह्न दें]	दिव्यांग (हां/ नहीं)	संस्थान/ विभाग का नाम.	पद	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
अबंतिका मिश्रा	म.	सा.	नहीं	हाई-टेक कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पंडारा, भुवनेश्वर, ओडिशा	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं
अजय कुमार जायसवाल	पु.	ओबीसी-एनसीएल	नहीं	दशा फार्मास्यूटिकल्स, हैदराबाद	आर एंड डी कैमिस्ट	लागू नहीं	लागू नहीं
आशीष गंगवार	पु.	ओबीसी-एनसीएल	नहीं	गणपत विश्वविद्यालय, महेसाणा, गुजरात	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं

कमल हसन	पु.	सा.	नहीं	इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एजुकेशन, कृष्णागुरु आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, बारपेट, असम	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं
नेहा घोष	म.	ओबीसी-एनसीएल	नहीं	गणपत विश्वविद्यालय, महेसाणा, गुजरात	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं
प्रसेनजीत पलई	पु.	सा.	नहीं	ढलेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, राधादामोदरपुर, कटक, ओडिशा	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं
प्रीतम मैती	पु.	सा.	नहीं	मंदसौर विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं
राज कुमार	पु.	ओबीसी-एनसीएल	नहीं	लैबोरेट फार्मास्यूटिकल्स इंडिया लि., हिमाचल प्रदेश	क्यूसी एनैलिस्ट	लागू नहीं	लागू नहीं
रश्मि रंजन हाथी	पु.	सा.	नहीं	माँ सरस्वती फार्मास्यूटिकल इंस्टीट्यूट, वाराणसी	सहायक प्राध्यापक	लागू नहीं	लागू नहीं

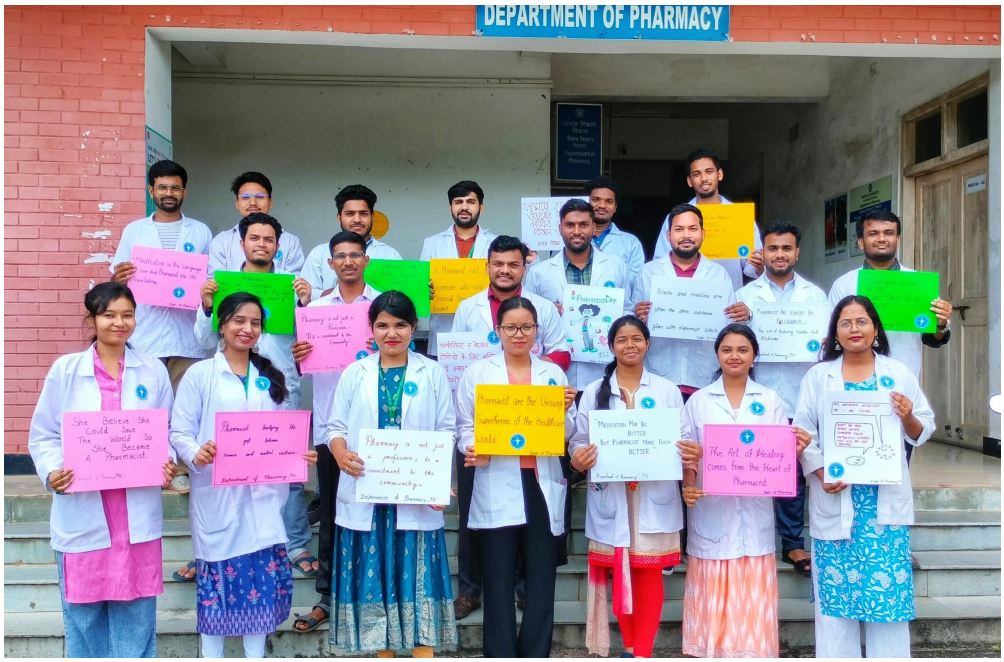



2023, फार्मासिस्ट दिवस समारोह



सिपाहीजाला वन्यजीव अभयारण्य का शैक्षिक भ्रमण



प्रयोगशाला

भौतिक विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. सैयद अरशद हुसैन
स्थापना वर्ष : 1990
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी., पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी : 33 (**कुल** - 33 + 33 = 66 **दोनों सेमेस्टर मिलाकर**)

विभाग का ध्येय :

- वर्तमान अभिरुचि के अनुसार भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण एवं शोध में विभाग को उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करना
- कौशल विकास के माध्यम से अधिकाधिक रोजगार सृजन करना

विभाग की प्रमुख उपलब्धि :

नेट/स्लेट उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	19
विभाग से पीएच.डी. करने वाले कुल सफल छात्रों की संख्या	24
पीअर रिव्यूड जर्नल में शोध प्रकाशन की कुल संख्या	184
प्रकाशित पुस्तकों की संख्या	03
विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम की संख्या	17
विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान की संख्या	09
कुल शोध अनुदान	रु. 512.22 लाख
संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों द्वारा कुल विदेश यात्रा की संख्या	07
5 लाख रुपये से अधिक लागत वाले उपकरणों की संख्या	25
संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों/ सम्मानों की कुल संख्या	07
विभागीय मान्यता	फिस्ट-डिएसटी से सहयोग प्राप्त (दो बार : 2002-06 एवं 2014-19) यूजीसी-सैप से सहयोग प्राप्त (2018-23)
संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों द्वारा संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सहभागिता की कुल सं.	191
भारत के भीतर अनुसंधान सहयोग की कुल संख्या	10
भारत के बाहर अनुसंधान सहयोग की कुल संख्या	07
हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों की कुल संख्या	04
कुल प्राप्त पेटेंट	04

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
प्रो. देबज्योति भट्टाचार्जी	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	थिन फिल्म एवं नैनो साइंस	25	10	01	40	00	1817	23

प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	थ्योरेटिकल कंडेस्ड मैटर फिजिक्स एंड मटेरियल साइंस	22	7	1	0	0	362	11
प्रो. सेयद अरशद हुसैन	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	थिन फिल्म एवं नैनो साइंस	20	11	05	39	00	2096	25
प्रो. अनिर्बाण गुहा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	एटमॉस्फेरिक साइंस	18	6	5	0	0	1320	19
डॉ. रतन दास	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक (स्टेज III)	पूर्ण कालिक	नैनोसाइंस	12	5	2	0	0	2523	23

* उल्लेख अवश्य करें।

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
प्रो. अनिर्बाण गुहा	शिक्षक	02	0	0
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	शिक्षक	03	02	-
रितिनवा बनिक	शोधार्थी	02	02	-
शाजिदुल हुसैन	शोधार्थी	03	01	-
राहुल देब	शोधार्थी	01	01	-

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	विषय	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - एनर्जी एंड एन्वायरमेंटल मटेरियल्स (ई2एम-2024)" आयोजक - आईआईटी कानपुर तथा गुवाहाटी विश्वविद्यालय के सहयगो से धातुकर्म अभियांत्रिकी तथा पदार्थ विज्ञान विभाग, आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित	जुलाई 11-13, 2024	आईआईटी इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत	आरआरएएम यूजिंग प्रोटिन फॉर ट्रांसिएंट इलेक्ट्रोनिक्स अप्लिकेशन
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - "फ्रंटियर्स एंड अप्लाइड फिजिक्स", फिजिक्स अकादमी, पूर्वोत्तर (पीएएनई) के संयुक्त तत्वावधान में यूएसटीएम मेघालय में आयोजित	29 फरवरी - 2 मार्च, 2024	यूएसटीएम मेघालय	रिजिटिव स्विचिंग मेमोरी यूजिंग ऑर्गेनिक मॉलेक्यूल्स
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - "रिसेंट एडवांसेस इन मैथेमैटिकल साइंसेस (आईसीआरएएमपीसी-2024)", आयोजक - मिजोरम विश्वविद्यालय	फरवरी 21-23, 2024	मिजोरम विश्वविद्यालय	ऑर्गेनो - क्ले हाइब्रिड फिल्म्स : ए पोटेंशियल कैंडिडेट फॉर ऑप्टोइलेक्ट्रोनिक्स अप्लिकेशंस
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	नेशनल फिजिसिस्ट्स कॉन्क्लेव 2024 (एनपीसी 2024), आयोजक - एसआरएम, चेन्नई	7-10 फरवरी, 2024	एसआरएम, चेन्नई	रेसिस्टिव स्विचिंग मेमोरी डिवाइसेस यूजिंग ऑर्गेनिक मॉलेक्यूल्स
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	राष्ट्रीय सम्मेलन - "रिसेंट ट्रेंड्स इन रिसर्च इन साइंसेस, सोसल साइंसेस एंड लैंग्वेजेज" आयोजक - आईक्यूएसी, महिला महाविद्यालय, अगरतला	24 - 25 नवंबर, 2023	महिला महाविद्यालय, अगरतला	रिसर्च एवं एएमपी; दीर्घकालिक भविष्य के लिए विकास
प्रो. सैयद अरशद हुसैन	बहुविषयक संकाय विकास कार्यक्रम - "सस्टेनेबल इंजीनियरिंग : इंटिग्रेटिंग मल्टिडिसिप्लिनरी एप्रोचेज फॉर ओ ग्रीनर फ्यूचर", आयोजक - इकफाई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा	17 जुलाई - 21 जुलाई, 2023	इकफाई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा	दीर्घकालिक भविष्य के लिए शोध एवं विकास

डॉ. रतन दास	सिलचर, असम	11 मार्च, 2024.	भौतिकी विभाग, गुरुचरण महाविद्यालय, सिलचर, असम	लघु सुंदर है तथा व्यापक रूप में लागू होता है।
प्रो. अनिर्बाण गुहा	काठमांडु, नेपाल	4-6 अक्टूबर, 2023	त्रिभुवन विश्वविद्यालय	फर्स्ट रिजल्ट्स फ्रॉम द इंडियन लाइटेनिंग डिटेक्शन नेटवर्क
प्रो. अनिर्बाण गुहा	बालाशोर, ओडिशा	20-22 मार्च, 2024	फकीर मोहन विश्वविद्यालय	इंडियन लाइटेनिंग डिटेक्शन नेटवर्क (आईएलडीएन) : ए सिटिजन साइंस प्रोजेक्ट, ड्राइवेन बाय कम्यूनिटी रिसर्च

4. **पेटेंट/ कॉपीराइट आवेदित/ प्राप्त** :

नाम	पेंटेट का शीर्षक	आवेदित / प्राप्त	पेटेंट सं.	तिथि (आवेदित/प्राप्त)	लाइसेंस्ड अथवा नहीं
सैयद अरशद हुसैन	रेसिस्टिव स्विचिंग बिहैवियर सिस्टम इंप्लाइंग इपोमिया कार्निया प्लांट फॉर फैब्रिकेटिंग बायोडिग्रेडेबल रि-राइटेबल रीड ऑनली मेमोर	प्राप्त	202023105125	28.09.2023	-

5. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
डॉ. सुराजीत सरकार	पूर्णकालिक	स्टडीज ऑन द ऑप्टो-इलेक्ट्रोनिक बिहैवियर ऑफ इनडोलायल डेरिवेटिव्स एसेंबल्ड ऑनटू थिन फिल्म्स फॉर मेमोरी अप्लिकेशंस	प्रो. सेयद अरशद हुसैन	उपाधि प्रदत्त
श्री शाजिदुल हुसैन	पूर्णकालिक	ट्यूनिंग फेज बिहैवियर एंड क्रोमैटिक रिस्पांस ऑफ पोलीडायएसिटीलीन फॉर सेंसिंग अप्लिकेशंस	प्रो. सेयद अरशद हुसैन	पंजीकृत
श्री राहुल देब	पूर्णकालिक	इलेक्ट्रिकल एंड ऑप्टिकल कैरैक्टराइजेशन ऑफ पाई-इलेक्ट्रोन रिच इंडोल एंड कौमैरिन डेरिवेटिव्स फॉर डिवाइस अप्लिकेशंस	प्रो. सेयद अरशद हुसैन	पंजीकृत
सुश्री फरहाना याशमिन रहमान	पूर्णकालिक	डिजाइन एंड इंवेस्टिगेशंस ऑफ मेमोरी डिवाइसेस यूजिंग प्लांट एक्सट्रैक्ट	प्रो. सेयद अरशद हुसैन	पंजीकृत
श्री रितिनवा बनिक	पूर्णकालिक	स्टडी ऑफ रेसिस्टिव स्विचिंग फेनोमैनन फॉर बायोडिग्रेडेबल एंड ट्रांसिएंट मेमोरी अप्लिकेशंस	प्रो. सेयद अरशद हुसैन	पंजीकृत
डॉ. मनीष देबबर्मा	पूर्णकालिक	*डेनसिटी फंक्शनल थ्योरी (डीएफटी) बेस्ड इंवेस्टिगेशंस ऑफ फिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ सम मर्करी (एचजी) डोप्ड अल्कलाइन-अर्थ एंड ट्रांजिशन मेटल चालकोजेनाइड टर्नरी एलॉज*	प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	उपाधि प्रदत्त
डॉ. उत्पल सरकार	अंशकालिक	कैलकुलेशंस ऑफ फिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ सम अल्कलाइन-अर्थ इलिमेंट एडॉप्टेड ट्रांजिशन मेटल चालकोजेनाइड टर्नरी एलॉज यूजिंग डेनसिटी फंक्शनल थ्योरी (डीएफटी) बेस्ड फुल-पोटेंशियल लिनियराइज्ड ऑगमेंटेड प्लेन वेव (एफपी-एलएपीड्ब्ल्यू) मेथडोलॉजी	प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	उपाधि प्रदत्त
श्री बमल देबनाथ	पूर्णकालिक	डेस्टिनी फंक्शनल इन्वेस्टिगेशंस ऑन फिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ सम बाइनरी अल्कलाइन-अर्थ चालकोजेनाइड कंपाउंड्स एंड देअर डिफ्रेंट टाइप्स ऑफ टर्नरी एलॉज	प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	थीसीस जमा

श्री शुभेन्दु दास	अंशकालिक	डेस्टिनी फंक्शनल कैलकुलेशंस ऑफ फिजिकल प्रोपर्टीज ऑफ डिफ्रेंट टाइप ऑफ पेरोव्सकाइट कंपाउंड्स एंड देअर एलॉज	प्रो. सूर्य चट्टोपाध्याय	पीएच.डी. कोर्सवर्क प्रगति पर है
डॉ. सिमी देबनाथ	पूर्णकालिक	सिंथेसिस ऑफ ए फ्यू मेटल डोप्ड स्पाइनल फेराइट नैनोक्रिस्टल्स फॉर द स्टडी ऑफ देअर स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल एंड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज एलॉन्ग विद स्विटेबल अप्लिकेशंस	डॉ. रतन दास	उपाधि प्रदत्त
सुश्री सुआरी देबबर्मा	पूर्णकालिक	ग्रीन सिंथेसिस ऑफ सिल्वर नैनोपार्टिल्स फॉर सेंसिंग एंड रिमूवल ऑफ टॉक्सिक इलिमेंट्स फ्रॉम वाटर एलॉन्ग विद इंपॉर्टेंट बायोमेडिकल अप्लिकेशंस	डॉ. रतन दास	कोर्सवर्क प्रारंभ
डॉ. ज.देब साहा	पूर्णकालिक	डीप कन्वेक्टिव एक्टिविटी एंड इट्स स्पैटियोटैंपोरल रिलेशनशिप विद अपर ट्रोपोस्फेरिक वाटर वैपर	प्रो. अनिर्बाण गुहा	उपाधि प्रदत्त
सुश्री दीपांजना दे	पूर्णकालिक	इन्वेस्टिगेशन ऑन द इंटररिलेशन ऑफ द लाइटनिंग एक्टिविटी विद वैरियस जियोफिजिकल इवेन्ट्स	प्रो. अनिर्बाण गुहा	कोर्सवर्क पूर्ण, पीएच.डी. जारी
सुश्री मर्लिना दास	पूर्णकालिक	लूनर एडमॉस्फेयर	प्रो. अनिर्बाण गुहा	कोर्सवर्क पूर्ण, पीएच.डी. पंजीयन प्रक्रियाधीन
श्री अरूप पटारी	अंशकालिक	जीपीएस डिराइव्ड आइनोस्फेरिक टोटल इलेक्ट्रॉन कंटेंट (टीईसी) ओवर द इक्वैटोरियल आयोनाइजेशन एनोमली (ईआईए) क्रेस्ट रिजन एंड इट्स रिस्पांस टू सोलर-टेरिस्ट्रियल एंड जियोफिजिकल फेनोमेना	प्रो. अनिर्बाण गुहा	5000 शब्द में शोध सारांशिका जमा, थीसीस जमा होने के कगार पर
सुश्री परमिंदर कौर	पूर्णकालिक	"कैरेक्टराइजेशन ऑफ एटमॉस्फेरिक एरोसोल्स एंड इट्स रैडिएटिव फोर्सिंग ओवर नॉर्थ-इस्ट इंडिया"	प्रो. अनिर्बाण गुहा	थीसीस जमा

6. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

6.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
01	31 जन.- 2 फर., 2024	03 दिवसीय	पदार्थ विज्ञान पर चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएमएस2024)	सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	400

6.2. **उद्योग/एनजीओ/सरकारी संस्थानों के साथ परिचर्चा**: (**संकायों के लिए**) :

क्र. सं.	संकाय का नाम	उद्योग/ एनजीओ का नाम	उद्योग का स्थान	क्या एमओयू हस्ताक्षरित हैं? (हां/ नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ है? (यदि हां, तो लाख रु. में मूल्य)	विद्यार्थियों का नियोजन? (यदि हां, तो संख्या की जानकारी दें)
1.	प्रो. सेयद अरशद हुसैन	जॉर्ज टेलीग्राफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट	कोलकाता	हां	नहीं	अभी नहीं
2.	प्रो. अनिर्बाण गुहा	जॉर्ज टेलीग्राफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट	कोलकाता	हां	नहीं	अभी नहीं

6.3. **व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
प्रो. सेयद अरशद हुसैन	पीएएनई	आजीवन सदस्य
प्रो. सेयद अरशद हुसैन	आईएनएसए	आजीवन सदस्य
प्रो. सेयद अरशद हुसैन	एमआरएसआई	आजीवन सदस्य
प्रो. सेयद अरशद हुसैन	एजीयू	आजीवन सदस्य

प्रो. सेयद अरशद हुसैन	इंडियन काउंसिल फॉर इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एडवांस्ड मटेरियल्स (आईएएएम)	बोर्ड सदस्य
प्रो. सेयद अरशद हुसैन	एसीएस	वार्षिक सदस्य
डॉ. रतन दास	पीएएनई	आजीवन सदस्य
प्रो. अनिर्बाण गुहा	पीएएनई	आजीवन सदस्य
प्रो. अनिर्बाण गुहा	एजीयू	सदस्य
प्रो. अनिर्बाण गुहा	सालनेट	सदस्य

7. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

(i) **थिन फिल्म्स एवं नैनोसाइंस शोध ग्रुप :**

लैंगम्यूर-ब्लॉडगेट (एलबी) फिल्म्स, सेल्फ एसेंबल्ड (एलबीएल) फिल्म्स, ऑर्गेनो-क्ले हाइब्रिड, फ्रेट, रेसिस्टिव स्विचिंग डिवाइसेस, ऑर्गेनिक मेमोरी, ऑप्टिकल सेंसर्स, बायोसेंसर्स, बायोमिमेट्रिक सर्फेस, लैंगम्यूर फिल्म्स इत्यादि।

(ii) नैनोफिजिक्स तथा नैनोटेक्नोलॉजी शोध :

नोबल मेटल नैनोकणों, सेमीकंडक्टर नैनोकणों और चुंबकीय नैनोकणों सहित विभिन्न प्रकार के नैनोकणों का संश्लेषण । माइक्रोस्ट्रक्चरल अध्ययन और रमन स्पेक्ट्रल विश्लेषण के लिए एक्स-रे विवर्तन विश्लेषण में विशेष रुचि। बैंड गैप इंजीनियरिंग, चरण संक्रमण और एसएचआई विकिरण द्वारा डिफैक्ट निर्माण। कीटनाशकों, रंगों, फ्लोराइड जैसे विषैले रसायनों के सेंसर और निष्कासन एजेंटों के रूप में नैनोमटेरियल के अनुप्रयोगों में सक्रिय रूप से काम करना । अनुप्रयोग नैनोएलईडी, सौर सेल, नरम चुंबकीय सामग्री । जीवाणुरोधी एजेंट, नैनो बायोफर्टिलाइज़र, कैंसर सेल पर साइटोटॉक्सिक अध्ययन, एंटीफंगल गतिविधि जैसे नैनोमटेरियल का बायोमेडिकल अनुप्रयोग

(iii) वायुमंडलीय बिजली, बिजली भौतिकी, एरोसोल विकिरण बल, मंगल और चंद्र वायुमंडल ।

(iv) सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी और पदार्थ विज्ञान:

विभिन्न यौगिकों, मिश्रधातुओं, सम्मिश्र पदार्थों, फिल्मों और परतों का अनुकरण तथा घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफटी) का उपयोग करके अनुप्रयोगों के साथ उनके विभिन्न भौतिक गुणों का अध्ययन।

8. **नई पहल / नवाचार** :

भारत भर के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के सहयोग से भारतीय बिजली पहचान नेटवर्क (https://ildn.in) का विकास।

9. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
08	04	04

10. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

(क) थिन फिल्म नैनोसाइंस प्रयोगशाला में उपलब्ध प्रमुख उपकरण :

फ्लूरोसेंस इमेजिंग माइक्रोस्कोप एटैच्ड विद लैंगम्यूर-ब्लॉडगेट्ट (एलबी) फिल्म डिपोजिशन इंट्रूमेंट (एपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, इंडिया)

ब्रेव्स्टर एंगल माइक्रोस्कोप (बीएएम) एटैच्ड विद एलबी थ्रू (ईपी3बीएएम, एकुरियन साइंटिफिक)

लैगम्यूर-ब्लॉडगेट्ट (एलबी) फिल्म डिपोजिशन इंस्ट्रूमेंट (अपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, इंडिया), (दो यूनिट)

एटोमैटिक कंप्यूटर कंट्रोल्ड डिप कोटर (अपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, इंडिया)

प्रोग्रैमेबल स्पिन कोटर (अपेक्स इंस्ट्रूमेंट्स, इंडिया)

वैक्यूम डिपोजिशन यूनिट (हिन्द एचआई-वैक)

फ्लूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर (पर्किन इल्मर)

यूवी-विस एबजॉर्प्शन स्पेक्ट्रोमीटर (पर्किन इल्मर)

यूवी-विस एबजॉर्प्शन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (शिम्डजू)
एफटीआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (पर्किन इल्मर)
इलेक्ट्रोकैमिकल वर्क स्टेशन
मिलिपोर वाटर प्यूरिफिकेशन सिस्टम (मिलिपोर)
किथले सोर्स मीटर्स (कॉन्सटेंट करेंट सोर्स, नैनो-वोल्टमीटर, I-V सोर्स मीटर)
रेगुलेटेड पावर सप्लाई (0 - 30 वी)
नैनो एमेटर एवं पीको एमेटर

(ख) थ्योरेटिकल कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स एंड मटेरियल्स साइंस
डेल टी-440 वर्कस्टेशन

(ग) नैनोफिजिक्स एंड नैनोटेक्नोलॉजी रिसर्च लैब
टीजीए-डीटी एनैलाइजर (मॉडेल - टीजीए 1000)
ड्यूट्रा-फ्लोरेसेंस एंड एब्जॉर्बेंस स्पेक्ट्रोमीटर - होरिबा
(सी) सोर्स मीटर (मॉडेल -2400 , कीथले)
प्रीसिजन इंपेडेंस एनैलाइजर (मॉडेल- 6500बी)

(घ) वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला
I. जीएनएसएस रिसीवर
II. अरामिस जीएनएसएस रिसिवर फ्रंट इंड मॉड्यूल
III. बर्निज सॉफ्टवेयर जीपीएस मेटा4ए सेंसर
IV. इंडियन रिजनल नैविगेशन सिस्टम (आईआरएनएसएस)/जीपीएस/एसबीएएस रिसीवर
V. वीएलएफ/एलएफ रिसीवर्स
VI. एटमॉस्फेरिक इलेक्ट्रिक फील्ड मॉनिटर (बोल्टेक ईएफएम - 100)
VII. थ्री कंपोनेंट मैनेटोमीटर (एलईएमआई 30)
VIII. वर्ल्ड वाइड लाइटिंग लोकेशन नेटवर्क डेटा (ड्ब्ल्यूडब्ल्यूएलएलएन)
IX. जीपीएस-टोटल इलेक्ट्रोन कंटेंट (जीपीएस टेक)
X. माइक्रोटॉप्स II सन फोटोमीटर
XI. एथैलोमीटर (मॉडेल एई 31)
XII. नेट रेडियोमीटर (मॉडेल नं. सीएनआर4 वी1007)
XIII. हाय वॉल्यूम एअर सैंपलर (एचवीएस) मॉडेल टीएफआईए - 2
XIV. मल्टीवेवलेंथ सोलर रेडियोमीटर (एमड्ब्ल्यूआर)
XV. ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन इ्ब्ल्यूएस, मॉडेल नं.- डीसीपीएड्ब्ल्यूएसओ2
XVI. सॉफ्टपाल वीएलएफ रिसीवर

11. **अन्य विश्वविद्यालय/ संस्थान/उद्योग के साथ संयुक्तात्मक शोध परियोजना :**

शिक्षक का नाम	विश्वविद्यालय/संस्थान / उद्योग का नाम	संयुक्तात्मक परियोजना	वर्ष
डॉ. रतन दास	आईयूएसी, नई दिल्ली	**परियोजना शीर्षक** : डिटर्मिनेशन ऑफ एसएचआई इरैडिएशन इंड्यूस्ड डिसलोकेशन डेंसिटी ऑफ रेयर अर्थ मेटल डोप्ड डायल्यूट मैग्नेटिक सेमीकंडक्टर्स फ्रॉम एक्सआरडी पीक प्रोफाइल एनैलिसिस एंड इट्स इंफ्लूएंस ऑन ऑप्टिकल इलेक्ट्रिकल एंड मैग्नेटिक प्रोपर्टीज ।	2023-24
प्रो. अनिर्बाण गुहा	प्रो. इर्ले विलियम्स, एमआईटी, यूएसए	वैश्विक जलवायु परिवर्तन	2023-24
प्रो. अनिर्बाण गुहा	प्रो. कोलिन, प्राइस, तेल अविव विश्वविद्यालय, इजराइल	बिजली और जलवायु परिवर्तन	2023-14

सांख्यिकीय विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा
स्थापना वर्ष : 2011
संचालित पाठ्यक्रम : आईएमडी (माइनर), एम.एससी., पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी.- 16

विभाग का ध्येय : सांख्यिकी विभाग का उद्देश्य व्यक्तियों को समुचित निर्णय लेने तथा डेटा का उपयोग करने के लिए आवश्यक उपकरण और ज्ञान प्रदान करना है। हम सांख्यिकीय शिक्षा एवं शोध में अग्रणी बनने का प्रयास करते हैं, नवीन पद्धतियों और अंतःविषयक सहयोग को बढ़ावा देते हैं। उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि हमारे स्नातक न केवल सांख्यिकीय तकनीकों में कुशल हों, बल्कि नैतिक और जिम्मेदार डेटा प्रबंधक भी हों। जांच और आलोचनात्मक चिंतन के संवर्धन के लिए हमारा लक्ष्य सांख्यिकी और उसके अनुप्रयोगों के क्षेत्र को आगे बढ़ाना और अंततः डेटा-संचालित समाज में योगदान देना है जिसकी बुनियाद साक्ष्य-आधारित अंतर्दृष्टि है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	जनसंख्या	12	-	03	27	02	71	3
डॉ. सम्राट होर	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	डिजाइन	11	-	04	28	01	-	-
बीमल शील	नेट	अतिथि शिक्षक	अतिथि	अभिसरण सिद्धांत	02	-	-	-	-	-	-

* उल्लेख अवश्य करें

2. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी. शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
बीमल शील	पूर्ण कालिक	स्टडीज ऑन ऑलमोस्ट स्यूर कंवरजेंस एंड पॉसिबिलिटी थ्योरी	डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	थीसीस जमा
जयंत दत्ता	अंश कालिक	एइरर्स इन एज रिपोर्टिंग इन सेंसस डेटा : मीजर एंड रिमेडी	डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	पंजीकृत

3. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

3.1 **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. प्रसेनजीत सिन्हा	शिक्षक	-	02	-
डॉ. सम्राट होर	शिक्षक	-	02	1

4. **शैक्षिक वर्ष** 2024-25 **के दौरान आयोजित विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में विभाग के सफल छात्रों की सं.** :

नाम	**लिंग (पु/म)**	**वर्ग (सा./एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं.)**	**पीएच (हां / नहीं)**	**संस्थान का नाम**	**परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/एसडब्ल्यूओ****
बीमल शील	पु.	ओबीसी	नहीं	त्रिविवि	सेट-एनईआर

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र, **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र ।

प्राणीशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. शिव शंकर सिंह
स्थापना वर्ष : 2007
संचालित पाठ्यक्रम : एम.एससी., पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : एम.एससी. - 28, पीएच.डी. - रिक्ति के अनुसार

विभाग का ध्येय : प्राणीशास्त्र के क्षेत्र में शिक्षा, शोध एवं नवाचार में उत्कृष्टता के साथ विभाग को उत्कृष्ट केन्द्र के तौर पर स्थापित करना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : त्रिपुरा में कीटों की कुल 41 नई प्रजातियाँ रिपोर्ट की गई हैं। ओमपोक पाबो और चिताला चिताला के लिए प्रेरित प्रजनन और संरक्षण रणनीति विकसित की गई है। स्पेरेटा एओआर के लिए कैप्टिव प्रजनन तकनीक विकसित की गई है। केंचुओं की कुल 3 नई प्रजातियाँ रिपोर्ट की गई हैं। दो प्रजातियाँ वर्मिकंपोस्टिंग की क्षमता वाली पाई गई हैं। त्रिपुरा के केंचुओं की एक प्रजाति में नगरपालिका अपशिष्ट प्रबंधन की क्षमता है। मधुमेह से प्रेरित ऑक्सीडेटिव क्षति के खिलाफ मेलाटोनिन और इंसुलिन की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता स्थापित की गई है।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. एस. बनिक	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	एक्वाकल्चर एवं कैप्टिव ब्रीडिंग	35	12	02	5	5	528	9
डॉ. एस. एस. सिंह	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	एंडोक्राइनोलॉजी-इम्यूनोलॉजी	20	05	04	18	07	443	13
डॉ. एस. के. श्रीवास्तव	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	जूनोटिक रोग, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कैंसर जीवविज्ञान	15	कोई नहीं	कोई नहीं	04	04	-	-
डॉ. ब्रोन्सोन के. खंगेम्बम	पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	मत्स्य जीवविज्ञान	9	कोई नहीं	02	31	07	179	6
डॉ. अनिमेष दे	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण कालिक	पारिस्थितिकी एवं जैव विविधता	5 वर्ष	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	07	277	09

2. **पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ अभिकरणों द्वरा आयोजित संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ समर-विंटर स्कूल में शिक्षकों/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता** :

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सहभागी सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की सं.		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	सांस्थानिक-स्तर
डॉ. एस. एस. सिंह	शिक्षक	1	1	-
सुब्रत शर्मा	शोधार्थी	-	1	-
अरिजिता चक्रबर्ती	शोधार्थी	-	1	-
अनुभूति कश्यप	शोधार्थी	1	1	-
दीपशिखा मोहन	शोधार्थी	-	1	-
संदीप दास	छात्र	-	1	-
मुरारी मनोहर नाथ	छात्र	-	1	-

3. **संकाय/ अतिथि शिक्षक द्वारा परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ समर अथवा विंटर स्कूल इत्यादि में दिया गया आमंत्रित व्याख्यान** :

नाम	विषय	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित व्याख्यान का शीर्षक
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, गोमता नगर, लखनऊ (लखनऊ विवि से संबद्ध)	21/11/2023	लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, गोमता नगर, लखनऊ	पर्यावरण प्रदूषण और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के खतरे
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	लखनऊ	28/03/2024	लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, गोमता नगर, लखनऊ (लखनऊ विवि से संबद्ध)	आधुनिक समाज में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियां : सहायता एवं रोकथाम के लिए रणनीतियाँ
डॉ. शैलेश कुमार श्रीवास्तव	लखनऊ	28/06/2024	लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, गोमता नगर, लखनऊ (लखनऊ विवि से संबद्ध)	भारत में लीवर रोग - महामारी के संकेत

4. **अकादमिक वर्ष 2024-25 के दौरान पंजीकृत (कोर्सवर्क प्रारंभ)/ शोधप्रबंध जमा/ पीएच.डी.शोध प्रदत्त (औपबंधिक प्रमाण पत्र जारी) शोधार्थी** :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	पर्यवेक्षक का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंध जमा/ उपाधि प्रदत्त
दीपक दास	अंश कालिक	बायोलॉजी ऑफ स्पेराटा सींघला (स्काईज, 1839) ऑफ गोमती रिवर ऑफ त्रिपुरा, भारत : ए स्टेप टूअर्ड्स कंजर्वेशन ऑफ द स्पेसिज	प्रो. एस. बनिक	शोध प्रदत्त
दीपशिखा मोहन	पूर्ण कालिक	इफिकैसी ऑफ मेलाटोनिन इन द प्रोटेक्शन ऑफ निकोटिन-इंड्यूस्ड अल्टरेशंस इन द रिप्रोडक्टिव फंक्शन ऑफ मेल माइस	डॉ. एस. एस. सिंह	पंजीकृत

5. **विभाग के अग्रिम पदचिह्न** :

5.1. **विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/वार्ता** :

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	शीर्षक	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ परिसंवाद/ व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय	सहभागियों की संख्या
1.	28.08.2023 - 02.09.2023	06 दिवसीय	कार्यशाला - लैबोरैट्री टेक्निक्स	कार्यशाला	राष्ट्रीय	10

5.2.**व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. ब्रोन्सोन कुमार कंगेंबम	द इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, 14, डॉ. बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता : 700017, India.	आजीवन सदस्य

6. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :

- पूर्वोत्तर भारत के लुप्तप्राय और संकटग्रस्त मत्स्यों का संरक्षण, पूर्वोत्तर के लुप्तप्राय मत्स्यों की एक्स-सीटू कैप्टिव प्रजनन तकनीक का मानकीकरण
- एंडोक्राइनोलॉजी और स्तनधारी प्रजनन

- परजीवी विज्ञान और मानव रोग
- मत्स्य जीवविज्ञान
- पारिस्थितिकी और जैव विविधता

7. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
07	02	05

8. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :

फ्लूरोसेंस माइक्रोस्कोप
इन्वर्टेड माइक्रोस्कोप
स्टीरियो ज़ूम माइक्रोस्कोप
थर्मल साइक्लर
माइक्रोटोम
जल शोधन प्रणाली
रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज
सीओ2 इनक्यूबेटर
जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम
यूवी-विस स्पेक्ट्रोमीटर
एलिसा रीडर
अल्ट्रा लो-टेम्परेचर फ्रीजर

9. **शैक्षिक वर्ष** 2024-25 **के दौरान आयोजित विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में विभाग के सफल छात्रों की सं.** :

नाम	लिंग (पु/म)	वर्ग (सा./एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं.)	पीएच (हां / नहीं)	संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/एसडब्ल्यूओ**)
हिमाद्रि नाथ	म.	सा.	नहीं	एपीएससी	एपीएससी-सीसीई
बिदिशा कलिता	म.	सा.	नहीं	एपीएससी	एपीएससी-सीसीई
अमराचिंग मोग	म.	एसटी	नहीं	जेआरबीटी	जेआरबीटी-एसए

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र, **बिना परीक्षा के उच्च अध्ययन का विकल्प चयनित करने वाले छात्र।

10. **विभाग की जानकारी के अनुसार छात्रों का नियोजन** :

नाम	लिंग पु./ म.	वर्ग (सा./एसटी /एससी/ओबीसी/ अल्पसं.) [पीडब्ल्यूडी विद्यार्थी पर * का चिह्न दें]	दिव्यांग (हां/ नहीं)	संस्थान/ विभाग का नाम.	पद	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
हिमाद्रि नाथ	म.	सा.	नहीं	असम लोक सेवा	सहायक आयुक्त	एपीएससी	असम लोक सेवा आयोग - सीसीई
बिदिशा कलिता	म.	सा.	नहीं	असम लोक सेवा	सहायक वित्त अधिकारी	एपीएससी	असम लोक सेवा आयोग - सीसीई
अम्राचिंग मोग	म.	एसटी	नहीं	ज्वाइंट रिक्रूटमेंट बोर्ड, त्रिपुरा	कृषि सहायक	जेआरबीटी	जेआरबीटी-एसए

बी. वोक. - रबर प्रौद्योगिकी

विभागाध्यक्ष : प्रो. यू. सी. दे

स्थापना वर्ष : 2015

संचालित पाठ्यक्रम : व्यावसायिक रबर प्रौद्योगिकी में स्नातक

प्रवेश क्षमता : 50

विभाग का ध्येय : रबर विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के तौर पर उभरना।

विभाग की प्रमुख उपलब्धि : त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2015 में बी. वोक. रबर प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शुरू किया गया। यह यूजीसी द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम है और किसी भी तीन वर्षीय स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के समतुल्य है। यह पाठ्यक्रम राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) और रबर कौशल विकास परिषद (आरएसडीसी) के सहयोग से शुरू किया गया है। यह लेटेक्स संग्रह, संरक्षण, रबर शीट तैयार करने से लेकर लेटेक्स, रबर और रबर उद्योग से संबंधित रसायनों के परीक्षण तक छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम रबर प्रौद्योगिकी के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर जोर देता है। पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य रबर और संबंधित उद्योगों में प्रवेश पाने के लिए आवश्यक योग्यताओं के वांछित स्तर को प्रदान करके कुशल कर्मियों को तैयार करना और उन्हें उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह पाठ्यक्रम बहुत लचीला है, यहाँ छात्र एक वर्ष पूर्ण करने के बाद "रबर प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा" प्रमाणपत्र के साथ कोर्स से बाहर निकल सकते हैं। जो पाठ्यक्रम को दो वर्ष पूर्ण करने के बाद बाहर निकलते हैं उन्हें "रबर प्रौद्योगिकी में उन्नत डिप्लोमा" से सम्मानित किया जाता है और तीन वर्ष पूर्ण करने वाले छात्रों को "रबर प्रौद्योगिकी में बी. वोक" उपाधि से सम्मानित किया जाता है। पाठ्यक्रम विज्ञान पृष्ठभूमि वाले 10+2 छात्रों के लिए है। बी. वोक रबर प्रौद्योगिकी का पूरा कोर्स छह सेमेस्टर का है। छात्रों के पहले बैच का 100% प्लेसमेंट हुआ है और तीसरे बैच के अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को औद्योगिक परियोजनाओं के अंतर्गत अगरतला में एरिस्टो-टेक्सकॉन का भ्रमण कराया गया है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने छात्रों के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के लिए विभिन्न उद्योगों और संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, इसके अलावा छात्र बी. वोक. रबर प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद रबर और पॉलीमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी और संबद्ध शाखाओं यथा - मैटेरियल साइंस, पैंट्स, चिपकने वाली तकनीक और नैनो प्रौद्योगिकी में उच्च अध्ययन (एम. एससी.) का विकल्प चुन सकते हैं। जेआईएस यूनिवर्सिटी, कोलकाता ने एम. एससी. पॉलिमर साइंस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र मानदंडों में से एक के रूप में बी. वोक. रबर प्रौद्योगिकी डिग्री को शामिल किया है। हमारे तीन उत्तीर्ण छात्र एम. जी. यूनिवर्सिटी, केरल, सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपीआरआई), कोलकाता और जेआईएस यूनिवर्सिटी, कोलकाता जैसे संस्थानों में पॉलीमर साइंस में पीएच.डी. कर रहे हैं।

1. **संकाय सदस्य** :

नाम	योग्यता (एम.फिल./ पीएच.डी.)	पदनाम	पूर्णकालिक / अतिथि/ संविदात्मक*	शोध-क्षेत्र	अध्यापन/ शोध/ नौकरी में कुल वर्षों का अनुभव	पीएच.डी. पर्यवेक्षण		स्नातकोत्तर थीसिस-पर्यवेक्षण		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						अवार्डेड	जारी	पर्यवेक्षित	जारी		
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	एम. टेक., पीएच.डी. (रबर प्रौद्योगिकी)	सहायक प्राध्यापक	संविदा	पोलीमर सिंथेसिस, सेल्फ क्लिनिंग एवं एंटी-फोलिंग कोटिंग्स, पोलीमर कंपोजिट्स	08	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	344	08
श्री मोनिन्द्र कोलोई	बी. टेक., एम. टेक, (पोलीमर एवं कैमिकल इंजी.)	अतिथि शिक्षक	अतिथि शिक्षक	पोलीमर विज्ञान	04	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं	कोई नहीं

*उल्लेख अवश्य करें।

2. **अभ्यागत शिक्षक / अभ्यागत अध्येता** :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में अध्यापन का पाठ्यक्रम/व्याख्यान का विषय	संप्रति/पूर्व (यदि सेवानिवृत्त हों) में जिस संस्थान से संबद्ध हों
श्री जयंत आचार्जी	आरटी-503: सेल्स एवं पर्चेज	वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
श्री माणिक्य जमातिया	आरटी-504: इंटरप्रेन्योरशिप स्किल	वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. स्वरूप नंदी	बीवीआरटी - 102: बेसिक्स ऑफ कंप्यूटर अप्लिकेशन	आईटी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. तुषार कांति आचार्जी	बीवीआरटी -101: कम्यूनिकेशन स्किल	बी. वोक. पाठ्यक्रम विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
सुश्री अंकिता दास	बीवीआरटी -301: स्टैटिस्टिकल मेथड्स	सांख्यिकीय विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. **विभाग का दृष्टिगोचर** :

3.1 **उद्योग/एनजीओ/सरकारी संस्थानों के साथ परिचर्चा: (विद्यार्थियों के लिए)** :

विभाग का नाम	उद्योग/ एनजीओ की सं. जिसने विजिट की	उद्योग/ एनजीओ का नाम जिसने विजिट की	विजिट का उद्देश्य
बी. वोक - रबर प्रौद्योगिकी	06	एनआईआरटी, रबर बोर्ड, अगरतला	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		सीआईपीईटी, अगरतला	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		पालापिल्लिल टेक्नो रबर्स, रबर पार्क, त्रिपुरा	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		एरिस्टो टेक्सकॉन प्रा. लि., रबर पार्क, त्रिपुरा	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		डीएस ग्रुप, रबर पार्क, त्रिपुरा	छात्रों का कौशल आधारित प्रशिक्षण
		प्राण बीवरेजेज इंडिया प्रा. लि.	औद्योगिक परिभ्रमण

3.2.**व्यावसायिक/ विद्वत समितियों की सदस्यता** :

संकाय/ शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता-ग्रेड
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	द सोसाइटी फॉर पॉलिमर साइंस, इंडिया (एसपीएसआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. बिष्णु प्रसाद कोइरी	ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एआईआरआईए), (इस्टर्न जोन)	सदस्य

4. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** : पोलिमर सिंथेसिस, पोलिमर कंपोजिट्स

5. **अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी) (परियोजना निधि से निर्मित)
03	03	कोई नहीं

6. **विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** : मूनी विस्कोमीटर, ओसिलेटिंग डिस्क रियोमीटर, टू-रोल मिल, यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (यूटीएम), डीआईएन एब्राडर, ब्रूकफिल्ड विस्कोमीटर, उब्बेलोहडे विस्कोमीटर, सैंपल डाय कटिंग प्रेस ।

7. **अन्य कोई उपलब्धि** : त्रिपुरा सरकार से त्रिपुरा के रबर उत्पादकों के लिए 02 प्रशिक्षण परियोजनाएँ प्राप्त हुईं। परियोजना विवरण इस प्रकार से हैं :

अन्वेषक	फंडिंग एजेंसी	परियोजना का शीर्षक	कुल अनुदान (रु. लाख में)
प्रो. यू. सी. दे, समन्वयक, बी. वोक. पाठ्यक्रम (रबर प्रौद्योगिकी)	कौशल विकास निदेशालय, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा सरकार	रबर क्षेत्र में रबर उत्पादकों, टैपर्स और प्रसंस्करण श्रमिकों के लिए पूर्व शिक्षा की मान्यता (आरपीएल) प्रशिक्षण कार्यक्रम	रु. 4,31,600/-
प्रो. यू. सी. दे, समन्वयक, बी. वोक. पाठ्यक्रम (रबर प्रौद्योगिकी)	जिला मिशन प्रबंधक का कार्यालय, जिला मिशन प्रबंधन इकाई, टीआरएएम, प. त्रिपुरा, अगरतला, त्रिपुरा सरकार	पश्चिम त्रिपुरा जिले में स्वयं सहायता समूह की महिला रबर उत्पादकों और टैपर्स के लिए प्रशिक्षण	रु. 15,70,816/-

बाँस संवर्धन एवं संसाधन उपयोग केन्द्र (बीसीआरयू)

विभागाध्यक्ष : प्रो. बी. के. दत्ता
स्थापना वर्ष : 2006
संचालित पाठ्यक्रम : बीसीआरयू में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
प्रवेश क्षमता : 20 सीट

विभाग की प्रमुख उपलब्धि / परिकल्पना : बांस संवर्धन एवं संसाधन उपयोग केंद्र की स्थापना वर्ष 2006 में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और त्रिपुरा विश्वविद्यालय की वित्तीय सहायता से की गई। पाठ्यक्रम का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में बांस संवर्धन पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाना और छात्रों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है, साथ ही बांस की खेती और जर्मप्लाज्म संरक्षण में अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा विकसित करना है। प्रारंभ से ही वनस्पति विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा तथा विश्वविद्यालय के अन्य संकाय सदस्यों एवं बाहर के संकाय सदस्यों के सहयोग से दो सेमेस्टर का एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

1. **अभ्यागत शिक्षक / अभ्यागत अध्येता** :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में अध्यापन का पाठ्यक्रम/व्याख्यान का विषय	संप्रति/पूर्व (यदि सेवानिवृत्त हों) में जिस संस्थान से संबद्ध हों
प्रो. बी. के. दत्ता	प्लंट टैक्सोनोमी एवं इकोलॉजी	वनस्पतिशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
प्रो. आर. के. सिन्हा	साइटोजेनेटिक्स एवं प्लांट टिसू कल्चर	वनस्पतिशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
प्रो. ए. के. साहा	माइकोलॉजी एवं प्लांट पैथोलॉजी	वनस्पतिशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. एस. बसु	कोशिका जीव विज्ञान	वनस्पतिशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. पी. दास	सूक्ष्म जैविकी	वनस्पतिशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. एन. बालासुब्रह्मयम	फाइटोकैमिस्ट्री एवं माइक्रोबायोलॉजी	वनस्पतिशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
डॉ. कृपामय चक्रबर्ती	प्लांट फिजियोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी	वनस्पतिशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

2. **शोध के प्रमुख क्षेत्र** :
बांस विविधता, वृहद और सूक्ष्म प्रसार, वन पारिस्थितिकी।

3. **नई पहल / नवाचार** :
प्रशिक्षण प्रदाता (टीपी) के रूप में पंजीकरण के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन (एनएसडीएम) के अंतर्गत बांस आधारित कौशल विकास पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की पहल की गई।

4. **ए. अध्यापन प्रयोगशाला/शोध प्रयोगशाला** :

कुल प्रयोगशाला (ए+बी)	अध्यापन प्रयोगशाला की सं. (ए)	शोध प्रयोगशाला की सं. (बी)
03	02	01

4. **बी. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण** :
लेमिनार एइल फ्लो, जीपीएस, हाई प्रिसिशन बैलेंस 3.यूवी - वीआईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर। बांस की छड़ी चमकाने वाली मशीन, बांस की गांठ हटाने और चांदी की चमक बनाने वाली मशीन, बांस काटने की मशीन, बांस प्रभाव विभाजन मशीन, जीआईएस प्रयोगशाला और प्रोजेक्टर सुविधाएं, अन्य छोटे बांस शिल्प और नर्सरी उपकरण आदि।

साहित्य संकाय

बांग्ला विभाग

विभागाध्यक्ष	:	डॉ. परमाश्री दासगुप्ता
स्थापना वर्ष	:	1977
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	आईएमडी, एमए, पीएचडी
प्रवेश क्षमता	:	पीजी- 90 + ईडब्ल्यूएस 9 = 99,आईएमडी- 15, पीएच.डी.- रिक्ति के अनुसार

विभाग की परिकल्पना :

बांग्ला कथा, नाटक, कविता, भाषा विज्ञान, पांडुलिपि अध्ययन, साहित्यिक सिद्धांत, लोकगीत, महिला अध्ययन, जनजातीय अध्ययन, तुलनात्मक भारतीय साहित्य, पूर्वोत्तर बांग्ला साहित्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान। उत्तीर्ण छात्रो का विभिन्न क्षेत्रों में नियोजन।

- लोकगीत अध्ययन केंद्र
- टैगोर अनुसंधान केंद्र
- विभिन्न विश्वविद्यालयों, उद्योगों और संगठनों के साथ सहयोग
- विभागीय शोध पत्रिका
- साहित्य, भाषा और संस्कृति के अस्पष्टीकृत क्षेत्रों में अनुसंधान
- ई-लर्निंग पद्धति विकसित करना

प्रमुख उपलब्धियां:

1. बांग्ला विभाग ने सितंबर, 2023 में प्रो सिराजुद्दीन अहमद स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान असम विश्वविद्यालय के प्राध्यापक देबाशीष भट्टाचार्य द्वारा प्रस्तुत किया गया।
2. बांग्ला विभाग ने नवंबर, 2023 में डॉ. ब्रजगोपाल रॉय स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया है। व्याख्यान प्राध्यापक सफी अहमद, जहांगीरनगर विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा प्रस्तुत किया गया। विभाग ने प्रख्यात कवि बिमलेन्द्र चक्रवर्ती को बांग्ला साहित्य में उनके आजीवन कार्य के लिए डॉ ब्रजगोपाल राय साहित्य पुरस्कार से प्रदत्त।
3. बांग्ला विभाग ने मई, 2024 में रवींद्र जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। .सुभाष तालापात्रा, मुख्य न्यायाधीश (सेवानिवृत्त), ओडिशा उच्च न्यायालय ने टैगोर के जीवन और साहित्य पर विशेष व्याख्यान दिया।
4. विभाग ने मार्च महीने में महिला अध्ययन केंद्र और अंग्रेजी विभाग के सहयोग से त्रिपुरा विश्वविद्यालय के छात्रों और शोधार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, सस्वर पाठ प्रतियोगिता और पठन सत्र के साथ महिला दिवस, 2024 मनाया है।



प्रो सिराज उद्दीन अहमद स्मृति व्याख्यान और पुरस्कार वितरण समारोह



महिला दिवस समारोह



डॉ. ब्रजगोपाल राय स्मृति व्याख्यान



रवीन्द्र जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम



महिला दिवस समारोह

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	गाइड-निर्देशित	जारी		
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	पूर्व आधुनिक बांग्ला साहित्य, महिला अध्ययन	पीजी- 14 वर्ष	05	03	-	-	-	-
डॉ. सायक मुखर्जी	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक बांग्ला साहित्य	पीजी- 13 वर्ष।	01	03	-	-	-	-
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	उपन्यास , जनजातीय अध्ययन	पीजी- 12 वर्ष	02	03	-	-	-	-
डॉ. मलय देब	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मध्यकालीन बांग्ला साहित्य, तुलनात्मक भारतीय साहित्य	यूजी -3 वर्ष पीजी -5 वर्ष	02	03	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	शिक्षक	2	1	-
डॉ. सायक मुखर्जी	शिक्षक	1	1	-
डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	शिक्षक	2		-
डॉ. मलय देब	शिक्षक	2	2	-
राहुल बार	शोधार्थी	1	-	-
अरिजीत पाल	शोधार्थी	3	1	-
उज्जला सूत्रधार	शोधार्थी	3	-	-

3. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	बुक फेयर ग्राउंड, अगरतला	फ़रवरी 25 2024	आईसीए विभाग, त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित	माइकेल मोधुसुदन दत्तर नारी भाबना
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	त्रिपुरा रवीन्द्र परिषद, अगरतला	27 मार्च 2024	त्रिपुरा रवीन्द्र परिषद	बसन्तो उत्सबेर सामाजिक गुरुत्तो
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	फ्लावर्स क्लब, अगरतला	25 जुलाई, 2023	बांग्ला अकादमी, अगरतला	ताराशंकर बंधोपाध्याय : जीबोन ओ साहित्यो
डॉ. सायक मुखर्जी	बुक फेयर ग्राउंड, अगरतला	फ़रवरी 25 2024	आईसीए विभाग, त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित	मोधुसूदन दत्तर काब्याय आधुनिकोता

डॉ. पद्मकुमारी चकमा	बुक फेयर ग्राउंड, अगरतला	फ़रवरी 25 2024	त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित	मोधुसूदन दत्तर नाट्योभाबना
डॉ. पद्मकुमारी चकमा	त्रिपुरा रवीन्द्र परिषद, अगरतला	1 मई,2024	त्रिपुरा रवीन्द्र परिषद	चकमा सोमप्रोदायर सोमाज ओ साहित्तो बिबोरतोनर रूपरेखा
डॉ. मलय देब	बुक फेयर ग्राउंड, अगरतला	फ़रवरी 25 2024	त्रिपुरा सरकार द्वारा आयोजित	नबजागोरोन ओ मोधुसुदोनेर साहित्यो
डॉ. मलय देब	दूरदर्शन, त्रिपुरा	11 नवंबर, 2023	प्रसार भारती, अगरतला	अलोर उत्सव दीपावली
डॉ. मलय देब	दूरदर्शन, त्रिपुरा	15 अप्रैल, 2024	प्रसार भारती, अगरतला	बिंद योजना के तहत बांग्ला नव वर्ष पर विशेष कार्यक्रम
डॉ. मलय देब	दूरदर्शन, त्रिपुरा	4 मई, 2024	प्रसार भारती, अगरतला	चयनित निबंधों और गीतों के माध्यम से टैगोर का पुनरावलोकन

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/ थीसिस प्रस्तुत/ सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	निर्देशक का नाम	पंजीकृत/शोध प्रस्तुत/सम्मानित
रूमी देब	अंशकालिक	"त्रिपुराय मोहिला रोचितो बांग्ला उपन्यास: एकती सोमिक्खा भित्तिक ओधयोंन (सुचोना थेके 2022 खिस्ताद्दो)"	डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	पंजीकृत
अरिजीत पाल	पूर्णकालिक	"सम्प्रोतिक (1970-2020)बांग्ला उपन्यासे उपोनिबेश पुरबो बोंगो देशेर इतिहास: एकती बिसलेशोनत्तक सोमिक्खा"	डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	पंजीकृत
उज्जला सूत्रधार	पूर्णकालिक	ब्याक्ती जिबन भित्तिक उपन्यासेर धारा (2000-2022): तत्पोरजी बिश्लेशोन ओ बिचार सोमिक्खोन	डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	पंजीकृत
राहुल बार	पूर्णकालिक	"बिश शोतोकर प्रोबाशी पोत्रिके मोहिला प्रबोन्धीकदर मोनोन चोरचा एबोंग बांग्ला भोद्र मोहिलार निर्माण"	डॉ. सायक मुखर्जी	पंजीकृत
अजीजुल शेख	अंशकालिक	"उत्तरबंगेर छोटोगोलपे समाज ओ संस्कृति: एकती बिश्लेसानी आद्यान (1971-2022 खिष्त्रवदा)	डॉ. मलय देब	पंजीकृत
देवजानी घोष	पूर्णकालिक	"बांग्ला देश भागेर साहित्य मेयेर कोठा (निर्बाचितो रोचोना ओबोलोम्बोन): नारी बड़ी तोतो भिट्टिक बिशेषों ओ पोरजलोचोना"	डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	प्रदत्त
मंजुरी घोष	पूर्णकालिक	"सुचित्रा भट्टाचार्य उपन्यासे नागोरिक मोधिबिट्तो जिबोन ओ सोमगर्भ	डॉ. सायक मुखर्जी	प्रदत्त
देबरती डे	अंशकालिक	"जगदीश भट्टाचार्य कोबिता बिसये ओ प्रकरण भाबना : एक्टी समीक्खा"	डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	प्रदत्त
प्रगति चेतना बख्शी	पूर्णकालिक	"मध्ययुगेर बांग्ला रामायण (मुद्रिता) वैदिक ओ तांत्रिक उपदानेर ब्याबहार: एक्टी समीक्षात्मक मूल्यायन"	डॉ. मलय देब	प्रस्तुत
नबस्रिता मोदक	पूर्णकालिक	"त्रिपुराय बांग्ला रचिता ओ मुद्रिता शिशु-किशोर साहित्य: एक्टी निबीर समीक्षा ओ तार बिश्लेशनात्मक पर्यालोचोना"	डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	प्रदत्त
अंकुर देबबर्मा	अंशकालिक	"बांग्ला उपन्यासे त्रिपुरार अर्थ-सामाजिक, राजनीतिक ओ सांस्कृतिक जीबन: एक्टि बिश्लेशनात्मक समीक्षा (सुचना थेके 2018 कृषिबडो पोरोन्तो)	डॉ. पद्मा कुमारी चकमा	प्रस्तुत

सुबीर बसाक	अंशकालिक	"उत्तरबंगेर बांग्ला कोबिता : बिसायबस्तु ओ रुप्रीतिभित्तिक अद्ययन (1947-2000 खिष्त्रब्दा)	डॉ. मलय देब	प्रदत्त
मनमोहन देबनाथ	अंशकालिक	उत्तर-पूर्वे बांग्ला कथासाहित्य देशभाग : विश्लेसनात्मक आदेश"	डॉ. मलय देब	प्रदत्त

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	29 सितंबर, 2023	एक दिवसीय	"बांग्ला साहित्य निम्नोबोर्गो भाबना"	प्रो. सिराजुद्दीन अहमद मेमोरियल लेक्चर, प्रो. देबाशीष भट्टाचार्जी, असम विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया	राष्ट्रीय	200
2	23 नवंबर, 2023	एक दिवसीय	"रवीन्द्र नटोक"	डॉ. ब्रजगोपाल रॉय मेमोरियल लेक्चर, प्रो. सफी अहमद, जहांगीरनगर विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा दिया गया	अंतरराष्ट्रीय	200
3	12 मार्च, 2024	एक दिवसीय	"अनुवाद और विभाजन साहित्य"	डॉ. देवजानी सेनगुप्ता, एसोसिएट प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	180
4	9 मई, 2024	एक दिवसीय	"टैगोर का जीवन और कार्य"	ओडिशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) शुभाशीष तलपात्रा की विशेष वार्ता	राष्ट्रीय	300

5.2 संकाय सदस्यों द्वारा भाग लेने वाले अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम:

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. परमाश्री दासगुप्ता	'तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)	एचआरडीसी, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता	14 दिन	4-17 दिसंबर, 2023

6. **अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र**: बांग्ला कथा, नाटक, कविता, पांडुलिपि अध्ययन, साहित्यिक सिद्धांत, लोकगीत, महिला अध्ययन, जनजातीय अध्ययन, तुलनात्मक भारतीय साहित्य, पूर्वोत्तर भारत का बांग्ला साहित्य।

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ माइन.)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
पालन साहा	पुरुष	सामान्य	नहीं	राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा आयोग, असम	स्लेट
सचिन चकमा	पुरुष	अजजा	नहीं	यूजीसी	नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र. ** परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन के लिए चयन करने वाले छात्र।

अंग्रेजी विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो श्यामल दास
स्थापना वर्ष : 1990
प्रस्तावित कार्यक्रम : आईएमडी (इंटीग्रेटेड मास्टर डिग्री), पीजी, पीएचडी
प्रवेश क्षमता : 100

विभाग की परिकल्पना: अंग्रेजी विभाग का उद्देश्य भाषा, साहित्य, संस्कृति - वैश्विक और साथ ही स्थानीय, शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत प्रतिभा के बीच एक संश्लेषण प्राप्त करना है, और छात्रों में मानवीय के स्पर्श के साथ एक अन्वेषणात्मक ज्ञान को आत्मसात करने की परिकल्पना करता है।

प्रमुख उपलब्धियां:

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने पिछले शैक्षणिक सत्र से अपने एकीकृत स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम में यूजी स्तर पर एनईपी 2020 की भावना को सफलतापूर्वक शामिल करने के लिए खुद को समर्पित किया है। इसके अलावा, विभाग के सदस्यों ने ईमानदारी से उच्च शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार को त्रिपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध त्रिपुरा के स्नातक कॉलेजों में एनईपी 2020 के तहत अंग्रेजी में 4 साल के बीए कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने और लागू करने में सहायता की है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में, 16 छात्रों (1 जेआरएफ के साथ) ने कुशल और योग्य विभागीय संकाय सदस्यों के परामर्श से यूजीसी एनटीए नेट/सेट परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की और उनमें से कुछ त्रिपुरा में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पूर्णकालिक संकाय सदस्यों के रूप में सेवा में भी शामिल हुए।

1. अंग्रेजी में भारतीय कविता।
2. अमेरिकी कविता, नाटक, उपन्यास, गैर-काल्पनिक गद्य
3. लोकप्रिय साहित्य और संस्कृति (विज्ञान कथा, बच्चों का साहित्य और डरावनी कहानियां)
4. आधुनिक कविता
5. अनुसंधान क्रियाविधि।
6. उत्तर पूर्वी साहित्य और संस्कृति

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच.डी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
श्यामल दास	एमए, पीजीडीटीई, एम.फिल, पीएचडी	वरिष्ठ प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष	पूर्ण-कालिक	भाषा विज्ञान, साहित्य और ईएलटी	36 वर्ष	पीएचडी 2	8	8	2	-	-
अशेष गुप्त	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अंग्रेजी में भारतीय लेखन, अमेरिकी लिट। लोकप्रिय साहित्य और संस्कृति, आधुनिक कविता, अनुसंधान पद्धति, पूर्वोत्तर साहित्य और संस्कृति, प्रदर्शन और रंगमंच	27 वर्ष	01	08	-	-	5	2

पार्थ सारथी गुप्त	एमए, एम.फिल., पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	नाटक अध्ययन, भारतीय सौंदर्यशास्त्र और आधुनिक आलोचनात्मक सिद्धांत	22 वर्ष	1 सबमिट किया गया	7	17	15	-	-
सोमदेव बनिक	एमए, पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	इंडिक स्टडीज, भारतीय साहित्य, पोस्ट औपनिवेशिक कथा संस्कृति अध्ययन	20 वर्ष	शून्य	5	20	10	18	2
चैताली गोराई	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अंग्रेजी में नया साहित्य, रोमांटिक और विक्टोरियन साहित्य, समीक्षात्मक सिद्धांत	13 वर्ष, 10 महीने	शून्य	2	18	19	-	-
क्षेत्रीमायुम प्रेमचंद्र सिंह	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	आधुनिक ब्रिटिश उपन्यास, पूर्वोत्तर से लेखन, सांस्कृतिक अध्ययन	13 वर्ष	1	2	15	14	-	-
अपर्णा दास	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	-	-	-	-	-	-	-	-
देबरती दास	एमए, एम.फिल.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	भारतीय साहित्य, आधुनिकतावादी कविता, विकलांगता अध्ययन	7 वर्ष 8 महीने	शून्य	शून्य	15	15	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों / एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
जूही त्रिपुरा	शोधार्थी	1	1	-
दबिंजॉय त्रिपुरा	शोधार्थी	1	2	-
रतन सरकार	शोधार्थी	-	2	-
सौरव मुरासिंग	शोधार्थी	-	2	-
अभिजीत देबनाथ	शोधार्थी	-	2	-
इंद्रनुज चक्रवर्ती	शोधार्थी	-	1	-
डॉ. आनंद दयाल जमातिया	शोधार्थी	01	00	-
मेरेलिन दार्लोंग	शोधार्थी	00	01	-
रिद्धि दीपन दासगुप्ता	शोधार्थी	-	01	-

3. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
अशेष गुप्त	अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर	24-25 अगस्त, 2023	असम विश्वविद्यालय, सिलचर	**'पठन आख्यान: दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में समाज और संस्कृति' शीर्षक वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में** पूर्ण वक्ता। **विषय: *याद करने की बयानबाजी*।**

अशेष गुप्त	अंग्रेजी विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, असम (भारत) डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय परिसर में	6-7 अक्टूबर 2023	डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय,	**"इकोक्रिटिसिज्म** एंड द ग्लोबल साउथ: ट्रेंड्स, इश्यूज एंड चैलेंजेस" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्ण वक्ता। **विषय: *द सरियल सिम्फनी: दुर्गा पूजा और प्रकृति, संस्कृति, मिथक, अनुष्ठान और*** बांग्ला ***मानस के परस्पर जुड़े मैट्रिक्स।***
अशेष गुप्त	ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, बेरहामपुर,	4- 9 दिसंबर, 2023	एआईयू-अकादमिक और प्रशासनिक विकास केंद्र (एआईयू-एएडीसी), बेरहामपुर विश्वविद्यालय, बरहामपुर, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) और अंग्रेजी विभाग, बीयू के सहयोग से	**मानविकी में अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में** संसाधन व्यक्ति एआईयू-अकादमिक और प्रशासनिक विकास केंद्र (एआईयू-एएडीसी), बेरहामपुर विश्वविद्यालय, बेरहामपुर, **विषय: *1. संस्कृति अध्ययन में अनुसंधान- I; संस्कृति अध्ययन में अनुसंधान - II (ऑनलाइन मोड)***
अशेष गुप्त	गुवाहाटी विश्वविद्यालय: गुवाहाटी - 781 014	08 - 21 दिसंबर 2023	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (पूर्व में यूजीसी-एचआरडीसी के रूप में जाना जाता है), गुवाहाटी विश्वविद्यालय: गुवाहाटी - 781 014	**रिसोर्स** पर्सन : पूर्वोत्तर भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम **विषय: *1. त्रिपुरा का साहित्य:*** समसामयिकता ***2. साहित्य-संस्कृति*** ***सम्पर्क पर एक केस स्टडी (ऑनलाइन मोड)***
अशेष गुप्त	ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय	10-11 जनवरी, 2024	ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय के सहयोग से ऑस्ट्रेलियाई महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता गोलपबाग।	जलवायु परिवर्तन और सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन पर पूर्ण वक्ता: ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय परिप्रेक्ष्य **विषय: *प्रवाह में दृश्य: एक मरती हुई झील पर एक वृत्तचित्र में जलवायु परिवर्तन का पंजीकरण और परिवर्तन में एक शहर की कविता।***
अशेष गुप्त	लोकगीत अध्ययन और अनुसंधान केंद्र पंजीकरण संख्या: IV-1205-00061/2023 दर्पण VO/NGOWB/2023 /0370850 की विशिष्ट आईडी	7 जनवरी से 29 जनवरी तक फरवरी, 2024 व्याख्यान की तिथि: 04/02/2024	लोकगीत अध्ययन और अनुसंधान केंद्र (सीएफएसआर) द्वारा आयोजित	रिसोर्स परसन - आठ सप्ताह ऑनलाइन लघु-नृवंशविज्ञान के परिचय पर टर्म कोर्स: संगीत, संस्कृति और समाज। व्याख्यान का शीर्षक: **डिजिटल रूप से शारिंदा का संग्रह: बहुआयामी सांस्कृतिक निशान दिखाने के लिए वीडियो वृत्तचित्र मोड** की **एक केस स्टडी *(ऑनलाइन मोड)***
अशेष गुप्त	बांग्ला विभाग आईक्यूएसी और आर एंड डी सेल, गुरुदास कॉलेज	28 - 30 अगस्त, 2024	बांग्ला विभाग आईक्यूएसी और आर एंड डी सेल, गुरुदास कॉलेज और तुलनात्मक भारतीय भाषा और साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय	**भारत** और भारतीय साहित्य का विचार: पूर्वोत्तर भारत के लिए एक विशेष संदर्भ, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ईआरसी) और पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी के सहयोग से प्रसिद्ध उर्दू कवि मीर तकी मीर की त्रिशताब्दी जयंती पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग। **विषय:** टेलिस्कोपिंग द नार्थईस्ट

अशेष गुप्त	क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर	22.10.2024 (2 सत्र 2-5 अपराह्न)	यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर	रिसोर्स परसन : 12 - उच्च शिक्षा के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन यूजीसी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम - उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाना: एक प्रवचन रणनीति के रूप में बहुभाषावाद के रूप में अंग्रेजी भाषा और साहित्य में अभिनव शिक्षण अभ्यास; द्वारा आयोजित। यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, मैसूर **विषय: विभाजन का साहित्य और वर्तमान के लिए सबक:1) रिकॉल की बयानबाजी' 2) डिजिटल रूप से शारिंदा संग्रह *(ऑनलाइन मोड)***
पार्थ सारथी गुप्त	असम डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय (ऑनलाइन)	15.11.2023	असम डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय	सांकेतिकता और लिंग का अनुशासन: साहित्य और संस्कृति में रूढ़ियों को फिर से कॉन्फ़िगर करना
पार्थ सारथी गुप्त	अगरतला	18.11.2023	एमबीबीएस कॉलेज, अगरतला	"शुरुआत में हमारा साहित्य था: भारत में अंग्रेजी अध्ययन को फिर से उन्मुख करना"
पार्थ सारथी गुप्त	अगरतला	25.11.2023	वीमेंस कॉलेज, अगरतला	"प्रभावित करने की नई पद्धतियों की ओर: भारतीय विश्वविद्यालयों में अंग्रेजी और सांस्कृतिक अध्ययन में अनुसंधान को पुन: उन्मुख करना"
पार्थ सारथी गुप्त	कोलकाता	12 सितंबर 2023	आचार्य गिरीश चंद्र बोस कॉलेज, कोलकाता	"बंगाल-ब्रिटिश संघर्ष: पाठ, मंच और स्क्रीन"
पार्थ सारथी गुप्त	सिलचर	24 अगस्त 2023	असम विश्वविद्यालय, सिलचर, अंग्रेजी विभाग	पूर्ण वार्ता: "पुनर्जागरण का विरोध: कलकत्ता के 19 वीं शताब्दी के बर्टोला प्रेस में प्रबुद्धता का प्रतिवाद"
पार्थ सारथी गुप्त	पू.प. विवि, शिलांग, ऑनलाइन	9 सितंबर 2023	यूजीसी-एचआरडीसी नेहू, शिलांग	**अंग्रेजी में रिफ्रेशर कोर्स** **2 व्याख्यान :** पहले व्याख्यान का शीर्षक: "अंग्रेजी में भारतीय नाटक: मिमिक्री से सौंदर्यशास्त्र तक" द्वितीय व्याख्यान का शीर्षक: "समकालीन भारतीय नाट्य कला में संपूर्ण रंगमंच की ओर: गिरीश कर्नाड और महेश दत्तानी का वाचन"
पार्थ सारथी गुप्त	सिलचर	20 दिसंबर 2023	असम विश्वविद्यालय, अंग्रेजी विभाग	"टीएस एलियट की बंजर भूमि के एक सौ साल"
पार्थ सारथी गुप्त	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय	20 जानेवारी 2024	यूजीसी-एचआरडीसी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय	**सांस्कृतिक अध्ययन और अंतःविषय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम** **1 व्याख्यान दिया** व्याख्यान का शीर्षक: बुरे विचारों की पारिस्थितिकी से बचना: संस्कृति और साहित्य के लिए एक भावात्मक दृष्टिकोण की ओर "
पार्थ सारथी गुप्त	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल (ऑनलाइन)	10 फरवरी 2024	बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल	**आधुनिक भारतीय भाषाओं में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम"** **1 व्याख्यान दिया** व्याख्यान का शीर्षक: "अभिनवगुप्त से हाइसनम कन्हैयालाल तक 'पवित्र अभिनेता': आधुनिक भारतीय रंगमंच में 'पवित्रता' की वापसी" 2.15 अपराह्न-3.45 अपराह्न

पार्थ सारथी गुप्त	सिलचर	17 मे 2024	असम विश्वविद्यालय, सिलचर	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक: "अंग्रेजी में प्रभावी शैक्षणिक संचार का परिचय" **अकादमिक लेखन पर कार्यशाला** का आयोजन अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर के सहयोग से रिसर्च स्कॉलर्स फोरम द्वारा किया गया
क्षेत्रीमायुम प्रेमचंद्र सिंह	उमियाम, शिलांग	27-28 जून 2023	पूर्वोत्तर क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, एनसीईआरटी	अंग्रेजी और भाषा सीखने के संदर्भ में छात्र की क्षमता का एक अध्ययन: टीटीएएडीसी क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में त्रिपुरा के पश्चिम त्रिपुरा और गोमती जिलों का एक प्रकरण

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रबंधित/ सम्मानित
शर्मिष्ठा चक्रवर्ती	अंशकालिक	-	श्यामल दास	थीसिस प्रस्तुत और प्रदत्त गया
संदीपा डे	पूर्णकालिक	'शैक्षणिक निहितार्थ के साथ एक रणनीतिक अनुकूलता सैद्धांतिक ढांचे में त्रिपुरा बांग्ला की एक रूपात्मक प्रोफ़ाइल'	श्यामल दास	थीसिस प्रस्तुत और प्रदत्त गया
दबिंजॉय त्रिपुरा	पूर्णकालिक	'त्रिपुरा भाषा के स्वर विज्ञान का एक अध्ययन: एक इष्टतम सैद्धांतिक लेखा'	श्यामल दास	पंजीकृत
अभिजीत देबनाथ	पूर्णकालिक	'बांग्ला की नोआखली बोली का स्वर विज्ञान'	श्यामल दास	पंजीकृत
ओलिविया सरकार	अंशकालिक	अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ के सदस्यों के चुनिंदा लेखन में 'आधुनिकता' का प्रतिनिधित्व	पार्थ सारथी गुप्त	प्रस्तुत थीसिस
आनंद दयाल जमातिया	पूर्णकालिक	'जमातिया वक्तृत्व में रहस्यवाद चुनिंदा जमातिया लोककथाओं के विशेष संदर्भ में और लोकगीत'	अशेष गुप्त	प्रदत्त
पापिया घोष	पूर्णकालिक	ममांग दाई के चुनिंदा कार्यों में मौखिक और साक्षर परंपराओं का अभिसरण	क्षेत्रीमायुम प्रेमचंद्र सिंह	प्रदत्त
एंथोनी रंगलोंग	अंशकालिक	त्रिपुरा की रंगलोंग जनजाति की लोक संस्कृति	क्षेत्रीमायुम प्रेमचंद्र सिंह	पंजीकृत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	20 मार्च 2024 दोपहर 3 बजे	3 घंटे	"प्राचीन भारतीय साहित्यिक संस्कृति में लैंगिक पहलू"	प्रोफेसर अर्पिता चट्टराज मुखोपाध्याय द्वारा आमंत्रित वार्ता अंग्रेजी और संस्कृति अध्ययन विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल	राष्ट्रीय महिला अध्ययन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से	120 भग

5.2 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. चैताली गोराई	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएम-टीटीसी), त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी 2020 ओरिएंटेशन और संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (ऑनलाइन)	8 दिन	11 मार्च, 2024 से 22 मार्च, 2024

हिंदी विभाग

विभागाध्यक्ष/प्रभारी : प्रो मिलन रानी जमातिया
स्थापना वर्ष : 31 मार्च, 2006
प्रस्तावित कार्यक्रम : एमए, पीएचडी, पीजीडीटी (एच)
प्रवेश क्षमता : एमए - 30, पीजीडीटी (ऑनर्स) - 30, पीएच.डी.- यूजीसी मानदंड के अनुसार

विभाग का दृष्टिकोण : भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित त्रिपुरा विश्वविद्यालय में विभाग का दृष्टिकोण समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना, हिंदी भाषा और साहित्य के माध्यम से पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान को संरक्षित करना और आगे बढ़ाना, अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, समुदायों को सशक्त बनाना और अभिनव अनुसंधान और बाह्य गतिविधियों के माध्यम से सतत क्षेत्रीय विकास में योगदान देना है।

प्रमुख उपलब्धियां: हिंदी विभाग ने केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित तीन राष्ट्रीय सेमिनार यथा भारतीय ज्ञान परंपरा और पूर्वोत्तर का साहित्य (13-15 दिसंबर 2023), आईसीपीआर, यूपी द्वारा प्रायोजित 'पूर्वोत्तर का भक्ति साहित्य और भारतीय दर्शन', (4-5 मार्च, 2024) और भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'भारतीय भाषा सम्मेलन' (15 मार्च 2024)आयोजित किया। विभाग ने 'भारत की सांस्कृतिक परंपरा' विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी आयोजित किया है, जिसमें प्रोफेसर विजय कुमार कर्ण, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, नव नालंदा विहार, नालंदा, बिहार ने 22 सितंबर 2023 को व्याख्यान दिया।

इनके अतिरिक्त, हिंदी विभाग ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय के डीन ऑफ लिटरेचर और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में क्रमशः विभागीय दीवाल पत्रिका (वाल मैगजीन) के 02 खंड यथा खंड 3 दिनांक 12 अक्टूबर 2023 और खंड 4, 30 सितंबर 20024 प्रकाशित किए हैं।













1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो विनोद कुमार मिश्र	एम. फिल और पीएच.डी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मध्यकालीन हिंदी कविता, प्रवासी साहित्य एवं लोकसाहित्य	34	07	05	04	-	-	-
प्रो मिलन रानी जमातिया	नेट / जेआरएफ और पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लोकसाहित्य और प्रेमचंद	20 वर्ष 9 महीने	05	04	04	-	-	-
डॉ. कालीचरण झा	एम. फिल और पीएच.डी	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक हिंदी कविता और उपन्यास	16 वर्ष एवं 02 माह	01	4	04	-	-	-
डॉ. बीना देबबर्मा	नेट और पीएच.डी	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लोकसाहित्य	13 वर्ष.	-	-	-	-	-	-
डॉ. ऐश्वर्या झा	-	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनोज कुमार मौर्य	-	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	हिंदी कथा साहित्य और हिंदी आलोचन	7 वर्ष 11 महीने	03	01 (प्रस्तुत)	04	-	-	-
डॉ. आलोक कुमार पांडेय	-	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-	-	-	-	-	-	-	-

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

क्र. सं.	नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
			अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
1	प्रो विनोद कुमार मिश्र	शिक्षक	1	34	-

2	प्रो मिलन रानी जमातिया	शिक्षक	-	04	-
3	डॉ. कालीचरण झा	शिक्षक	-	05	-
4	डॉ. बीना देबबर्मा	शिक्षक	1	1	-
5	डॉ. मनोज कुमार मौर्य	शिक्षक	-	03	-
6	डॉ. आलोक कुमार पांडेय	शिक्षक	-	05	-
7	कैलाश पधान	शोधार्थी	-	8	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी / कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. काली चरण झा	ऑनलाइन	27-08-2023	व्यांगधारा परिवार	हरिशंकर परसाई का व्यांग्य-कर्म और लोक शिक्षण
	ऑनलाइन	02-07-2023	कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिंदी प्राध्यापक संघ और महात्मा ज्योतिबा फुले कल महाविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक	साहित्य के विविध आयम
	ऑनलाइन	12-09-2023	दुरदर्शन केंद्र, अगरतला	हिंदी दिवस2023
डॉ. मनोज कुमार मौर्य	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	13 वीं -15 दिसंबर 2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	भारतीय ज्ञान प्रकाशन का स्वरूप
	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	4-5 मार्च, 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पूर्वी भरता और बौद्ध दर्शन
	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	15 मार्च, 2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पूर्वोत्तर की भाषा अस्मिता
डॉ. आलोक कुमार पांडेय	अगरतला	14 दिसम्बर, 2024	केंद्रीय हिंदी निदेशालय और त्रिपुरा विश्वविद्यालय	भारतीय ज्ञान परंपरा की निरंतरता
	अगरतला	28 फ़रवरी, 2024	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	त्रिभाषा सूत्र और राजभाषा हिंदी (विशेष संदर्भ उत्तर पूर्व भारत)
	अगरतला	04 मार्च, 2024	आईसीपीआर और त्रिपुरा विश्वविद्यालय	शंकरदेव की भक्ति पद्धति
	अगरतला	15 मार्च, 2024	बीबीएस, एमओई, भारत सरकार और त्रिपुरा विश्वविद्यालय	भारतीय भाषाओं में एकरूपता

4. पीएच.डी. पंजीकृत विद्वान (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/शैक्षणिक वर्ष के दौरान जमा किए गए/प्रदत्तकिए गए शोध (अनंतिम प्रमाणपत्र जारी): 2023-2024

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रदान/सम्मानित
श्री राजबहादुर पुष्कर	पूर्णकालिक	-	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	प्रदत्त
श्रीमती लिली देबबर्मा	अंशकालिक	-	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	प्रदत्त
श्रीमती अनुराधा मौर्य	पूर्णकालिक	-	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
श्रीमती प्रतिभा त्रिपाठी	पूर्णकालिक	-	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
श्रीमती पार्बती भट्टाचार्जी	पूर्णकालिक	-	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत

श्री कैलाश प्रधान	पूर्णकालिक	-	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
श्री रजनीश	पूर्णकालिक	-	प्रो. विनोद कुमार मिश्र	पंजीकृत
श्री रायसाहब पाल	अंशकालिक	हिंदी और बांग्ला की चयनित आत्मकथा का तुलनात्मक अध्ययन	प्रो मिलन रानी जमातिया	पंजीकृत
श्रीमती दीना रंगखावल	अंशकालिक	रांखल लोककथाओं में अभिव्यक्ति समाज और संस्कृति	प्रो मिलन रानी जमातिया	पंजीकृत
सुश्री पूजा	पूर्णकालिक	हिंदी के साहित्य इतिहास में इलाहाबाद: बिस्विन साड़ी का पूर्वाध (1901-1950)	प्रो मिलन रानी जमातिया	पंजीकृत
सुश्री कीर्ति उपाध्याय	पूर्णकालिक	समकालीन हिंदी और नेपाली उपन्यासों में अभिव्यक्ति समाज और संस्कृति	प्रो मिलन रानी जमातिया	पंजीकृत
श्री पासांग रुकू	पूर्णकालिक	अरुणाचल की बोकार जनजाति के लोकगीतों का संकलन, अनुवाद एवं विश्लेषण	प्रो मिलन रानी जमातिया	प्रदत्त
श्री विवेकी	पूर्णकालिक	राजेंद्र यादव के उपन्यासों में नारी अस्मिता	डॉ. कालीचरण झा	प्रदत्त
श्रीमती तृष्णा रॉय	पूर्णकालिक	बांग्ला लोकगीतों का संकलन, हिंदी अनुवाद एवं विश्लेषण (त्रिपुरा के विशेष संदर्भ में)	डॉ. कालीचरण झा	पंजीकृत
श्री ओम प्रकाश झा	अंशकालिक	नागार्जुन के उपहारों में लोक-संस्कृति	डॉ. कालीचरण झा	पंजीकृत
श्री राम प्रकाश यादव	अंशकालिक	राजभाषा कार्यकायन और अनुवाद: एक अध्ययन	डॉ. कालीचरण झा	पंजीकृत
श्रीमती पॉली भौमिक	अंशकालिक	मातृत्व पुष्पा और आशा पूर्णदेवी की कहानियों में अभिव्यक्त स्त्री: एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. कालीचरण झा	पंजीकृत
सुश्री आरती शर्मा	पूर्णकालिक	नंदकिशोर आचार्य के नटकों का समाजस्त्रिय अध्ययन	डॉ. मनोज कुमार मौर्य	प्रदत्त
श्रीमती आरती कुमारी	पूर्णकालिक	रमेशचंद्र शाह की आलोचना दृष्टि	डॉ. मनोज कुमार मौर्य	प्रदत्त
श्रीमती रिंकी कुमारी	पूर्णकालिक	शिवमूर्ति की कहानियों में श्री जीवन	डॉ. मनोज कुमार मौर्य	प्रदत्त
श्री शिव कुमार	पूर्णकालिक	राजकमल चौधरी की हिंदी कहानियों का समाजशास्त्रीय अध्याय	डॉ. मनोज कुमार मौर्य	प्रस्तुत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
4-5 मार्च 2024	दो दिवसीय	पूर्वोत्तर का भक्ति साहित्य और भारतीय दर्शन	परिसंवाद	राष्ट्रीय	200
28 फ़रवरी 2024	एक दिवसीय	राजभाषा हिंदी कार्यक्रम (संदर्भ पूर्वोत्तर भारत)	परिसंवाद	राष्ट्रीय	150
13-15 दिसंबर 2023	तीन दिवसीय	भारतीय ज्ञान परंपरा और पूर्वोत्तर की भाषा	संगोष्ठी	राष्ट्रीय	200

22 सितम्बर 2023	एक दिवसीय	भारत की सांस्कृतिक परंपरा	व्याख्यान	राष्ट्रीय	75
10 जुलाई 2024	एक दिवसीय	भारतीय स्वाधीनता सेना के महा- स्वप्न	व्याख्यान	राष्ट्रीय	80

5.2 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/ शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. काली चरण झा	महामना मालवीय मिशन, नई दिल्ली	आजीवन

5.3 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में सहभागिता	स्थान	अवधि	दिनांक
प्रो मिलन रानी जमातिया	संकाय विकास कार्यक्रम	गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात	एक सप्ताह	4 से 10 मार्च 2024
डॉ. बीना देबबर्मा	संकाय विकास कार्यक्रम	गोकुल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात	एक सप्ताह	4 से 10 मार्च 2024

6. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/अजजा/अजा/ अपिव/ईडब्ल्यूएस/अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**
सुश्री मुन्नी चकमा	महिला	अजजा	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	नेट
सुश्री मलीना देबबर्मा	महिला	अजजा	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र.

कोकबरॉक विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो सुखेंदु देबबर्मा
स्थापना वर्ष : 2015
प्रस्तावित कार्यक्रम : एमए, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : 60

विभाग का विजन: खकोकबरॉक विभाग सत्र 2015-16 से आरंभ हुआ। विभाग का दृष्टिकोण कोकबरॉक भाषा और साहित्य पर अनुसंधान करना और त्रिपुरा की लुप्तप्राय भाषाओं का प्रलेखीकरण करना है। त्रिपुरा की अन्य जनजातीय भाषाओं की भाषा और साहित्य पर भी जोर देना है। साथ ही कोकबरॉक और भगिनी भाषाओं जैसे बोडो, गारो, दिमासा, राभा, तिवा आदि पर तुलनात्मक शोध करने के लिए। विभाग ने सत्र 2018-2019 से पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया है। विभाग विभागीय साहित्यिक पत्रिका शुरू करेगा। विभाग की स्कूलों और कॉलेजों के कोकबरॉक शिक्षकों के लिए सेमिनार, कार्यशालाएं, संगोष्ठी आयोजित करने और अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। विभाग के पास कई संस्थानों और संगठनों जैसे सीआईआईएल, टीआरआई, यूजीसी आदि के साथ सहयोगी अनुसंधान शुरू करने का एक दृष्टिकोण है। छात्रों को कोकबरॉक भाषा, साहित्य आदि पर शोध करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाता है। कोकबरॉक में अब तक कुल 31 स्नातकोत्तर शिक्षक और कोकबरॉक में 18 सहायक प्राध्यापकों को नियोजन मिला है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
श्रीमती खुमतिया देबबर्मा	एमए-हिंदी, एसएलईटी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्रेमचंद/कोकबरॉक साहित्य	17 वर्ष 9 महीने	-	-	78	-	-	-
डॉ. समीर देबबर्मा	एमए-भाषाविज्ञान, यूजीसी-नेट, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	तिब्बती-बर्मन भाषाएँ, भाषा प्रलेखन, कोकबरॉक भाषाविज्ञान	8 साल 10 महीने	-	03	121	-	8	1
श्री नंद कुमार	-	अतिथि शिक्षक	अतिथि	नाटक, उपन्यास और कविता	8 वर्ष	-	-	98	-	-	-
श्रीमती विक्टो देबबर्मा	एमए-एजुकेशन, एसएलईटी, कोकबरॉक में पीजी डिप्लोमा	अतिथि शिक्षक	अतिथि	उपन्यास, कविता	6 वर्ष 6 महीने	-	-	-	-	-	-
डॉ. बिमान देबबर्मा	एमए-अंग्रेजी, भाषाविज्ञान, कोकबरॉक में पीजी डिप्लोमा, भाषाविज्ञान में पीएचडी	भाषा-अधिकारी	शिक्षण में सहायता के लिए विभाग में प्रतिनियुक्त	स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान, वाक्यविन्यास, शब्दार्थ, कविता, साहित्यिक सिद्धांत और आलोचना	8 साल 10 महीने	-	-	155	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. बिमान देबबर्मा	शिक्षक	01 (प्रस्तुत)	01	-
खुमतिया		01 (प्रस्तुत)	01 (प्रस्तुत)	-
जहर देबबर्मा	शोधार्थी	-	01 (कार्यशाला)	-
बिप्लब देबबर्मा	शोधार्थी	01 (प्रस्तुत)	-	-
दीप्रा किशोर देबबर्मा	शोधार्थी	01 (भाग लिया), 01 (भाग लिया)	-	-

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रदान/सम्मानित
बिप्लब देबबर्मा	पूर्णकालिक	सुधन्वा देबबरमणि लंगमा तेई कोकरबैनो चेरवी स्विमुंग	डॉ. समीर देबबर्मा	पंजीकृत
दीप्रा किशोर देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोकबरॉक कोथोमा ब्वासाओ होडाहुकुमुनी ग्वरवंग	डॉ. समीर देबबर्मा	पंजीकृत
जहर देबबर्मा	पूर्णकालिक	कोकबरॉक सनाईरोग्नी हुकमू रवक्जाक मानवी	डॉ. समीर देबबर्मा	पंजीकृत

4. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

4.1 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. समीर देबबर्मा	द्रविड़ भाषाविज्ञान संघ	आजीवन सदस्यता
	लिंग्विस्टिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एलएसआई)	आजीवन सदस्यता
	लुप्तप्राय और कम ज्ञात भाषाओं के लिए सोसायटी (एसईएल)	आजीवन सदस्यता
डॉ. बिमान देबबर्मा	लिंग्विस्टिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एलएसआई)	आजीवन सदस्यता
	लुप्तप्राय और कम ज्ञात भाषाओं के लिए सोसायटी (एसईएल)	आजीवन सदस्यता
	द्रविड़ भाषाविज्ञान संघ	आजीवन सदस्यता
	स्कॉलर्स एकेडमिक एंड साइंटिफिक सोसाइटी	आजीवन सदस्यता (सदस्य सदस्य)

5. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: कोकबरॉक भाषा, साहित्य और लोक साहित्य

भाषा विज्ञान और जनजातीय भाषा विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. इंद्रकुमार सिंह सगोलसेम
स्थापना वर्ष : 2016
प्रस्तावित कार्यक्रम : एमए और पीएचडी
प्रवेश क्षमता : 20

विभाग का दृष्टिकोण: भाषाविज्ञान और जनजातीय भाषा विभाग भाषाई अध्ययन के सभी अग्रणी क्षेत्रों में अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के व्यापक, गतिशील, अभिनव, टिकाऊ और विस्तार योग्य कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने और बनाए रखने का प्रयास करता है।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग तिब्बती-बर्मन भाषा परिवार के बोडो-गारो-कोच और कुकी-चिन-नागा उपसमूहों की भाषाओं से संबंधित अनुसंधान कार्य और भाषा प्रलेखन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। पूर्व छात्रों को सरकारी सेवाओं में नियुक्त किया गया था। आईसीएसएसआर के तहत संयुक्त अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी गई थी। अन्य अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान सहयोग शुरू किया गया है। संकायों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्मों में कई वार्तायें प्रस्तुत की। संकाय, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों ने संकाय विकास कार्यक्रम और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया, और विभिन्न संस्थानों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में शोध पत्र प्रस्तुत किए। यूजीसी केयर में प्रकाशित कई शोध पत्रों को सूचीबद्ध किया गया और पीयररिव्यूड समीक्षा की गई। मूल्यांकन अवधि के दौरान विभाग द्वारा एक वार्ता श्रृंखला आयोजित की गई थी।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. ख्वालसंकिम सुआंतक	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	स्वानिमीई मॉर्फोसिंटैक्स, समाजशास्त्र, तिब्बती-बर्मन अध्ययन	08	-	03	07	-	14	02
डॉ. इंद्रकुमार सिंह सगोलसेम	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	शब्दरूप विज्ञान मॉर्फोसिंटैक्स, वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, तिब्बती-बर्मन भाषा	08	-	03	07	-	08	02
डॉ. निरंजन उप्पूर	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	द्रविड़ भाषाएँ, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, वाक्य रचना	08	-	02	07	-	02	01
डॉ. राजकुमारी मनीमाला सिन्हा	पीएच.डी.	संकाय	अतिथि	तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मॉर्फोसिंटैक्स	20 अगस्त 2024 को शामिल हुए	-	-	-	-	-	-
श्री निलॉय चक्रवर्ती	मा (यूजीसी-नेट)	संकाय	अतिथि	वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, समाजशास्त्र	13 अगस्त 2024 को शामिल हुए	-	-	-	-	-	-

2. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा भाग लेने वाले सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
ख्वालसंकिम सुआंतक	शिक्षक	03	-	-
सगोलसेम इंद्रकुमार सिंह	शिक्षक	07	-	-
निरंजन उप्पूर	शिक्षक	05	-	-
टिमोथी त्रिपुरा	शोधार्थी	03	-	02 (एफडीपी)
प्रिया देबबर्मा	शोधार्थी	04	-	-
राकेश सेन	शोधार्थी	-	01 (एफडीपी)	-
रिंकिमनी राभा	शोधार्थी	03	01 (समर स्कूल)	-
निलॉय चक्रवर्ती	शोधार्थी	05	07	-
एडम दौराई	शोधार्थी	02	-	-

3. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
निरंजन उप्पूर	उस्मानिया विश्वविद्यालय	02-02-2024	उस्मानिया विश्वविद्यालय	दक्षिण एशियाई भाषाओं में समन्वय
निरंजन उप्पूर	टोक्यो विश्वविद्यालय	मार्च 18, 2024	टोक्यो विश्वविद्यालय	कोंकणी में क्लासिफायरियर और जेंडर मार्किंग: एक नामांकनीकरण परिप्रेक्ष्य

4. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

4.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	09-08-2024	02 घंटे	तिब्बती-बर्मन भाषाओं और पूर्वोत्तर की भाषाई विशेषताएं	व्याख्यान	राष्ट्रीय	42

4.2 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/ पुनश्चर्या/ संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. इंद्रकुमार सिंह सगोलसेम	भाषा और भाषा विज्ञान में यूजीसी प्रायोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स	ऑनलाइन	15 दिन	23-01-2024 से 06-02-2024
डॉ. ख्वालसंकिम सुआंतक	एक सप्ताह का राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम	ऑनलाइन	01 सप्ताह	17-04-2024 से 24-04-2024

5. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: अनुसंधान के क्षेत्रों में स्वर विज्ञान, आकृति विज्ञान, शब्दार्थ, समाजशास्त्र, वाक्य रचना, अनुवाद, लेक्सिकोग्राफी, ऐतिहासिक भाषा विज्ञान, तिब्बती-बर्मन और द्रविड़ भाषाओं की भाषाएं शामिल हैं।

6. नई पहल/नवाचार: (क) विभाग ने एनईपी-2020 के तहत एक स्नातक विषय के रूप में भाषाविज्ञान के पाठ्यक्रम को तैयार करने की पहल की है और सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

7. अन्य विश्वविद्यालयों / संस्थानों / उद्योग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों / संस्थानों / उद्योग का नाम	परियोजना पर सहयोग	वर्ष
ख्वालसंकिम सुआंतक	तुंगहाई विश्वविद्यालय, ताइवान	दक्षिण-मध्य तिब्बती-बर्मन (कुकी-चिन) भाषाओं में अंक आधारों और अंक क्लासिफायर की भिन्नता पर	2023
निरंजन उप्पूर	जापानी भाषा और भाषाविज्ञान के लिए राष्ट्रीय संस्थान (निंजल)	नामकरण की टाइपोलॉजी का अनुभवजन्य अध्ययन-सैद्धांतिक, फील्डवर्क, ऐतिहासिक और द्वंद्वात्मक परिप्रेक्ष्य से	अप्रैल 2022-मार्च 2028

8. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/अजा/अपिव/ ईडब्ल्यूएस/अल्पसं)	पीएच (हाँ/नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
ऋतिक किशोर देववर्मा	पुरुष	अजजा	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	यूजीसी-नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र.

9. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
टिमोथी त्रिपुरा	पुरुष	अजजा	नहीं	पीडब्ल्यूडी	एलडीसी	त्रिपुरा भर्ती बोर्ड (जेआरबीटी)	त्रिपुरा भर्ती बोर्ड (जेआरबीटी)
निलॉय चक्रवर्ती	पुरुष	अनारक्षित	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	वॉक-इन-इंटरव्यू
जुथिका जमातिया	महिला	अजजा	नहीं	श्री श्री संतिकाली इंग्लिश मीडियम स्कूल	शिक्षक (संविदा)	श्री श्री संतिकाली इंग्लिश मीडियम स्कूल, अमरपुर	साक्षात्कार
मरियम देबबर्मा	महिला	अजजा	नहीं	डी.बी. अजजा मैरी स्कूल, जम्पुइजाला	शिक्षक	डी.बी. सेंट मैरी स्कूल, जम्पुइजाला	साक्षात्कार
एफ. वानलालेनकावलु	महिला	अजजा	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अनुसंधान सहायक	आईसीएसएसआर परियोजना, टीयू	वॉक-इन-इंटरव्यू

संस्कृत विभाग

विभागाध्यक्ष	:	प्रो (डॉ.) देबराज पाणिग्राही
स्थापना वर्ष	:	1977
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	एम.ए., पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता	:	80+8 (ईडब्ल्यूएस) =88

विभाग का विजन: संस्कृत विभाग उन विभागों में से एक है जिसने कलकत्ता विश्वविद्यालय (सी.यू.पी.जी. केंद्र) के तहत त्रिपुरा में स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र के साथ 1977 में कार्य करना शुरू किया। त्रिपुरा रियासत में पारंपरिक संस्कृत शिक्षा की पल्लवन शाही संरक्षण के तहत शुरुआती समय से उत्साहजनक था। आधुनिक शिक्षा के आगमन के साथ, कॉलेजों में स्नातक स्तर पर संस्कृत पढ़ाया जाने लगा । विभाग ने 1977 से स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत पढ़ाना शुरू किया। अपनी स्थापना के बाद से संस्कृत विभाग प्रसिद्ध शिक्षकों द्वारा चलाया जा रहा है। कई विशिष्ट अतिथि व्याख्याताओं ने भी लंबे समय तक विभाग की सेवा की। 80 छात्रों के प्रवेश के साथ विभाग पाठ्यक्रम के सीबीसीएस पैटर्न में संस्कृत में पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में अनुसंधान कार्य को भी प्रमुख महत्व दिया जाता है। विभाग में अच्छी संख्या में शोधार्थी काम कर रहे हैं और कुछ संस्थान के बाहर से आते हैं। उनमें से कई ने बहुमूल्य अकादमिक व्याख्यान दिए हैं। इनमें प्रो रामरंजन मुखर्जी, प्रो ध्यानेश नारायण चक्रवर्ती, प्रो भवानी प्रसाद भट्टाचार्य, प्रो सीतानाथ आचार्य, प्रो अशोक चटर्जी, प्रो करुणासिंधु दास, प्रो नबनारायण बंद्योपाध्याय, प्रो दीप्ति एस त्रिपाठी, डॉ कामेश्वर शुक्ला, प्रो मृणाल कांति गंगोपाध्याय, प्रो रत्ना बसु, प्रो प्रफुल्ल कुमार मिश्रा, प्रो निर्माल्य नारायण चक्रवर्ती, प्रो गिरीश नाथ थाई, प्रो श्री किशोर मिश्रा, प्रो सत्यनारायण आचार्य, इनमें प्राध्यापक सत्यजीत लस्यक, प्रो गोपाल चंद्रा मिश्रा, प्रो नलिनी देवी मिश्रा, प्रो गोपबंधु मिश्रा, प्रो अरुणा रंजन मिश्रा शामिल हैं।

प्रमुख उपलब्धियां:



संस्कृत दिवस समारोह, 30/08/2023



त्रिपुरा में शक्तितत्व के साहित्य, संस्कृति और परंपरा पर संगोष्ठी, 12/12/23

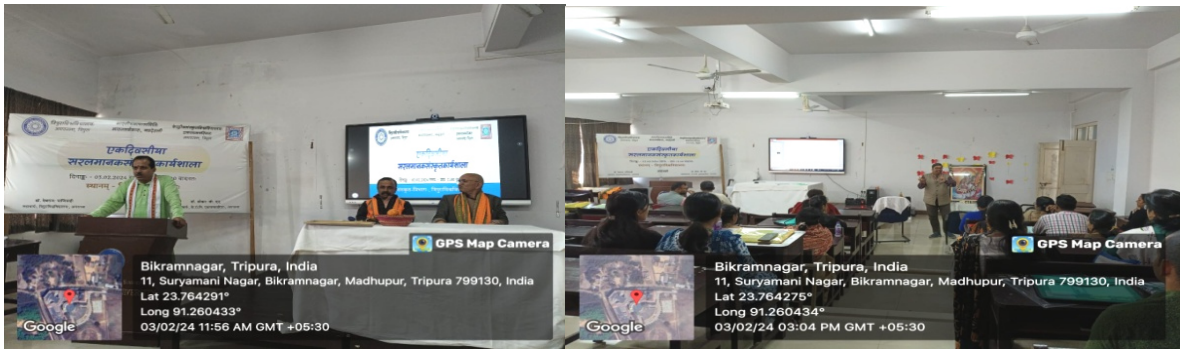

सरलामानकक्षम् पर एक दिवसीय कार्यशाला, 03/02/2024

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		माईट्रेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित	जारी	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो (डॉ) देबराज पाणिग्राही	एम.फिल./ पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	शास्त्रीय साहित्य/ व्याकरण आदि	16.5 वर्ष/ 13 वर्ष	06	03	07	-	-	-
डॉ. शंकर नाथ तिवारी	एम. फिल और पीएच.डी	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	काव्यशास्त्र	14	03	02	14	-	-	-
डॉ. विशव बंधु	पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	संस्कृत भाषा और साहित्य	9 वर्ष	4	2	10	-	-	-
डॉ. सुमन के.एस.	एमए, सेट, नेट, पीजीडी-एमएसएस, पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	वेदांत और व्याकरण	19 वर्ष	2	2	3	-	-	-
डॉ. जय साहा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	संस्कृत भाषा विज्ञान, संस्कृत और आधुनिक भारतीय भाषाएं, शाक्त तंत्र, उत्तर-पूर्व में संस्कृत परंपरा	10 साल, 5 महीने		02	05	-	-	-
डॉ. पार्थ सारथी सील	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	भारतीय दर्शन, भगवद्गीता	10 वर्ष	शून्य	02	07	-	-	-

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की संख्या में भाग लिया		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	शिक्षक	1	4	-
डॉ. शंकर नाथ तिवारी	शिक्षक	-	4	-
डॉ. विशव बंधु	शिक्षक	-	2	-
डॉ. सुमन के.स.	शिक्षक	3	4	3
डॉ. जय साहा	शिक्षक	-	3	-

डॉ. पार्थ सारथी सील	शिक्षक	1	3	2
चंद्रकांत दास	शोधार्थी	-	3	-
देबाश्री देबनाथ	शोधार्थी	-	3	-
रूपम सरकार	शोधार्थी	-	4	-
संजय रॉय	शोधार्थी	-	2	-
संजू कुमार दास	शोधार्थी	-	2	-
सुभद्रा दत्ता	शोधार्थी	-	1	-
सुपर्णा पॉल	शोधार्थी	-	4	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	ऑनलाइन (विश्व शिक्षा सम्मेलन)	12/08/2023	सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, जयपुर राज.	संस्कृत एन्ड भारतीय ज्ञान
	- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	02/12/2023	- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	वास्तु शास्त्र का मानव जीवन पर प्रभाव
	संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय सिलचर	06/12/2023	संस्कृत विभाग, असम विश्वविद्यालय सिलचर, असम	वैदिक-वांगमये समजविनिर्मनं चिंतानं
	संस्कृत विभाग, टीयू	12/12/2024	साहित्य अकादमी, नई दिल्ली	संस्कृत साहित्य में देवी त्रिपुरा सुंदरी का संदर्भ
	- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	08/01/2024	- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	मीमांसा और धर्मशास्त्र: आ प्रवचन
	- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	14/01/2024	- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर अगरतला	मीमांसा दर्शन में नियमों की व्याख्या
डॉ. विशव बंधु	- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	29/03/2024	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अगरतला परिसर	हिंदू विवाह, उत्तराधिकार और दत्तक ग्रहण अधिनियम: न्यायशास्त्र, धर्मशास्त्र और मीमांसा का दृष्टिकोण
	आईजीएनसीए, नई दिल्ली	16/02/2024	आईजीएनसीए, नई दिल्ली	महर्षि दयानन्द सरस्वती की वैदिक स्वर पर्यालोचना
	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अगरतला परिसर	02/12/2023	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अगरतला परिसर	समांगना सूत्र के आधार पर बाढ़ के सिद्धांत का विश्लेषण
	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अगरतला परिसर	13-14/01/2024	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अगरतला परिसर	मीमांसा व्याख्या के नियम जैसा कि धर्मशास्त्र में लागू है
डॉ. सुमन के.एस.	अडयार, चेन्नई, तमिल नाडु	26-7-2023	अड्यार पुस्तकालय और अनुसंधान संस्थान, चेन्नई	भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों में व्याख्या
	लग्मा, दरभंगा, बिहार	11-8-2023	जेएनबी आदर्श महाविद्यालय (सीएसयू), लग्मा	मिथिलयहयोधनम्
	त्रिपुनिथुरा, केरल	31-10-2023	शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, त्रिपुनिथुरा	माधव भाष्य का महत्व
	लखनऊ (वर्चुअल)	28-08-2023	बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लकनो	समकालीन दुनिया में संस्कृत कार्यों के अनुवाद की प्रासंगिकता

डॉ. जय साहा	रवींद्र भवन, नई दिल्ली	15.03.2024	साहित्य अकादमी, भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था	शाक्त दर्शन और नीतिशास्त्र
	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर	12.01.2024	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर	स्वामीविवेकानन्दस्य जीवनं साधना च
डॉ. पार्थ सारथी सील	द्विजेंद्रलाल कॉलेज	12/04/2024	द्विजेंद्रलाल कॉलेज	वनस्पति विज्ञान और वर्गीकरण
	बांकुड़ा विश्वविद्यालय	05-06/03/2024	बांकुड़ा विश्वविद्यालय	धम्मपद के प्रकाश में बौद्ध धर्म में नैतिकता और वज्ञाजन में साधना की अवधारणा
	सलडीहा कॉलेज	2/01/2024 और 4/01/2024	सलडीहा कॉलेज	प्राचीन भारतीय संस्कृति और वैदिक ज्ञान प्रणाली
	चंद्रकोना कॉलेज	09/01/2024	चंद्रकोना कॉलेज, पश्चिम बंगाल	आलोचनात्मक सोच और दार्शनिकता
	रामकृष्ण मिशन, त्रिपुरा	02/09/2023	रामकृष्ण मिशन, त्रिपुरा	बंगाली भाषा कार्यशाला की व्याख्या
	एकेपीसी महाविद्यालय, हुगली	28/07/2023	एकेपीसी महाविद्यालय, हुगली	दिव्यतन्स्य धरयं धर्मस्वरूपविमर्षः

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

विद्वानों के नाम	अंशकालिक /पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रबंधित/सम्मानित
सेबिका रियांग	अंशकालिक	आचार्यमूलशङ्करमाणेकलालयाज्ञिकविरचितसंयोगिता स्वयम्वरनाटकस्य तथामहामहोपाध्याय- पण्डित श्रीमथुराप्रसाददीक्षितप्रणीतवीरपृथ्वीराजविजयनाटक स्य च तुलनामूलकमध्ययनम्	प्रो (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	पंजीकृत
देबाश्री देबनाथ	पूर्णकालिक	*ऋग्वेद संहिता* के 10 वें माणला *में चित्रित मनोवैज्ञानिक पहलू*: एक संपूर्ण अध्ययन	,,	प्रक्रियाधीन
संजू कुमार दास	पूर्णकालिक	निर्वाचितेषु वेदपुराणेषु लक्ष्मीदेव्याः स्वरूपविमर्शः	,,	आरएसी की बैठक में शोधसारांश को स्वीकृत
डॉ. बीनापाणि दास	पूर्णकालिक	लक्ष्मणापरिणय-महाकाव्यस्य समीक्षणात्मकमध्ययनम्	,,	सम्मानित
डॉ. कुशल वरन चक्रवर्ती	पूर्णकालिक	श्रीमद्भागवतের পরম্পরায় রচিত শ্রীচৈতণ্যচরিতামৃত ও শ্রীহরিলীলামৃত কাবয়দ্বয় : একটি ধর্ম ও সমাজভিত্তিক তুলনামুলক সমীক্ষাত্মক অধয়য়ন	प्रो (डॉ.) देबराज पाणिग्राही (सह-पर्यवेक्षक)	सम्मानित
उत्पल सरकार	अंशकालिक	भण्डारकरोपाह्वत्र्यम्बकशर्म विरचितं श्रीस्वामीविवेकानन्द -चरितमहाकाव्यम्: एकं विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	डॉ. शंकर नाथ तिवारी	पंजीकृत
पौलमी मजूमदार	अंशकालिक	पण्डितदेवराजशर्मप्रणीत नानकचन्द्रोदयमहाकाव्यस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	,,	सम्मानित किया
चुमकी साहा	पूर्णकालिक	श्रीमदमरचन्द्रसूरिप्रणीतस्य बालभारतमहाकाव्यस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	,,	सम्मानित किया

संजय रॉय	पूर्णकालिक	उमापतिद्विवेदिप्रणीतस्य पारिजातहरणमहाकाव्यस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	,,	आरएसी की बैठक में शोधसारांश को स्वीकृत
सुभद्रा दत्ता	पूर्णकालिक	भारतीनृत्यशास्त्रपरिशीलनम्: अशोकमल्लकृतनृत्याध्यायस्य विशेषसन्दर्भे	डॉ. जय साहा	आरएसी की बैठक में शोधसारांश को स्वीकृत
सुपर्णा पॉल	पूर्णकालिक	प्रक्रियारत	,,	प्रक्रियाधीन
चंद्रकांत दास	पूर्णकालिक	निर्वाचितशाक्तोपनिषदां समीक्षात्मकमध्ययनम्	डॉ. पार्थ सारथी सील	आरएसी की बैठक में शोधसारांश को स्वीकृत
रूपम सरकार	पूर्णकालिक	निर्वाचितशैवोपनिषदां समीक्षात्मकमध्ययनम्	,,	आरएसी की बैठक में शोधसारांश को स्वीकृत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	उपाधि	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	30/08/2023	1 दिन	संस्कृत दिवस समारोह	एक दिवसीय कार्यशाला	संस्थागत	30
2.	12/12/2023	1 दिन	त्रिपुरा में शक्तितत्व का साहित्य, संस्कृति और परंपरा	संगोष्ठी	राष्ट्रीय	09 पूरे भारत से संसाधन व्यक्ति
3.	03/02/2024	1 दिन	एक दिन सरल संस्कृत कर्मशाला	कार्यगोष्ठी	राष्ट्रीय	55

5.2 ई-पीजी पाठशाला, एनएमई-आईसीटी, एमओओसी जैसे ई-सामग्री निर्माण/कार्यक्रमों में भागीदारी:

क्र.सं.	संकाय के नाम	ई-सामग्री का शीर्षक	घंटों की संख्या	उपलब्ध है या नहीं
1	डॉ. सुमन के.एस.	छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा- I एमएमटीटीसी-एनएसयू (एमओओसी)	90 मिनट	सुलभ

5.3 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

फैकल्टी/स्कॉलर का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो (डॉ.) देबराज पाणिग्राही	टीवीएसएस (एबीआरएसएम के तहत), टीयू	कोषाध्यक्ष
	पुरुषोत्तम रिसर्च एकेडमी ऑफ इंडोलॉजी, पुरी, ओडिशा	संस्थापक सदस्य
	अखिल भारतीय ओरिएंटल सम्मेलन	आजीवन सदस्य
	नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली	सदस्य
	रवीन्द्र प्रसाद, अगरतला	आजीवन सदस्य
	वागरथः	समीक्षा समिति में सदस्य
	प्रचिप्रज्ञा	संपादकीय निकाय में सदस्य
	इकक ओएफ रस्त्रिय संस्कृत संस्थान, न्यू दिल्ली, एकलव्य कैंपस, अगरतला, त्रिपुरा	सदस्य
	स्थानीय अनुसंधान समिति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा	सदस्य

डॉ. शंकर नाथ तिवारी	अखिल भारतीय ओरिएंटल सम्मेलन	आजीवन
	नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया	आजीवन
डॉ. सुमन के.एस.	जिज्ञासा ® ट्रस्ट	प्रबंध न्यासी
डॉ. जय साहा	साहित्य अकादमी	संस्कृत सलाहकार बोर्ड के सदस्य
डॉ. पार्थ सारथी सील	अखिल भारतीय ओरिएंटल सम्मेलन	आजीवन सदस्य

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: शास्त्रीय संस्कृत साहित्य, आधुनिक संस्कृत साहित्य, संस्कृत व्याकरण, वेद, दर्शन आदि।

7. नई पहल/नवाचार: **डॉ. सुमन. के.एस. निम्नलिखित का अनुवाद कर रहे हैं**
   1. राजीव मल्होत्रा रचित "बैटल फॉर संस्कृत" का संस्कृत में।
   2. सत्यव्रत शास्त्री रचित "भवीताव्यं निभावन्ति सर्वत्र के माध्यम से" का कन्नड़ में

8. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: 8 कंप्यूटर, चार प्रिंटर, स्मार्ट बोर्ड आदि।

9. चालू परामर्श परियोजनाएं:

मुख्य सलाहकार	सह-भागीदार	प्रायोजक संस्था	परियोजना का शीर्षक	परामर्श शुल्क प्राप्त (लाख रुपए में)	वर्ष के दौरान प्राप्त परामर्श शुल्क (लाख रुपए में)	कार्यकाल (वर्षों और महीनों में)
डॉ. विशव बंधु	डॉ. दीपा, रिसर्च एसोसिएट, परशुराम चेयर	हरियाणा साहित्य और संकृति अकादमी, पचकुला, हरियाणा	वाल्मीकि रामायण का पंजाबी अनुवाद	-	-	1 वर्ष

10. अन्य विश्वविद्यालयों / संस्थानों / उद्योग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान

शिक्षक का नाम	अन्य विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/ उद्योग का नाम	परियोजना पर सहयोग	सालों
डॉ. सुमन के.एस.	बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी, लकनऊ	संस्कृत में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर एमओओसी विकसित करना	2024

11. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**
देबाश्री देबनाथ	महिला	ओबीसी	नहीं	यूजीसी	नेट, जेआरएफ
मलय दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	स्लेट	स्लेट
जशीम देबबर्मा	पुरुष	अजजा	नहीं	स्लेट	स्लेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र. ** परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन के लिए चयन करने वाले छात्र।

जनजातीय भाषा केंद्र

केंद्र समन्वयक : प्रो सुखेंदु देबबर्मा
सहायक समन्वयक : श्रीमती खुमतिया देबबर्मा
स्थापना वर्ष : 1999
प्रस्तावित कार्यक्रम : कोकबरॉक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, कोकबरॉक में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
प्रवेश क्षमता : 100

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/परिकल्पना :

जनजातीय भाषा केंद्र त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंतर्गत वर्ष 1999 में स्थापित किया गया था। केंद्र कोकबरॉक भाषा और साहित्य में 1 (एक) वर्षीय पीजी डिप्लोमा कोर्स प्रदान करता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स जुलाई से जून के बीच हर शैक्षणिक सत्र में प्रस्तुत किया जाता है। स्नातकोत्तर डिप्लोमा सिलेबस में 100 अंकों के 5 (पांच) पेपर होते हैं।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय और गैर-जनजातीय समुदायों के छात्रों को कोकबरॉक भाषा, साहित्य और संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना है। इसके अलावा, पाठ्यक्रम में क्षेत्र के काम का एक व्यावहारिक पेपर है जिसे सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करने और कोकबरॉक की आठ बोलियों पर तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया है। केंद्र वर्ष 2013 से "खेरंगबार" नामक एक पत्रिका प्रकाशित करता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स के पास आउट छात्र वर्तमान में एमए (कोकबरॉक) में भर्ती हैं, वे त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के सरकारी डिग्री कॉलेजों और राज्य के स्कूलों में अतिथि शिक्षक के रूप में पढ़ा रहे हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशनव	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
श्रीमती खुमतिया देबबर्मा	एमए-हिंदी, एसएलईटी	सहायक प्रोफेसर	पूर्णकालिक	प्रेमचंद/कोकबरॉक साहित्य	15 वर्ष 9 माह	-	-	-	-	-	-
डॉ. समीर देबबर्मा	एमए-भाषाविज्ञान, यूजीसी-नेट, पीएचडी	सहायक प्रोफेसर	पूर्णकालिक	तिब्बती-बर्मन भाषाएँ, भाषा प्रलेखन, कोकबरॉक भाषाविज्ञान	8 वर्ष 10 माह	-	-	-	-	-	-

संगीत एवं ललित कला संकाय

ललित कला विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो. राजेश भौमिक
स्थापना वर्ष : 2009
प्रस्तावित कार्यक्रम : पीएच. डी., चित्रकला में एमएफए और मूर्तिकला में एमएफए
प्रवेश क्षमता : 26 (छब्बीस)

विभाग का विजन: विभाग दृश्य कला के तहत एक स्कूल खोलने की तलाश कर रहा है जहां भारत के विभिन्न हिस्सों के छात्र प्रवेश लेंगे और एक मील का पत्थर बनाने में सक्षम होंगे।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग 2009 से ड्राइंग और पेंटिंग और मॉडलिंग और मूर्तिकला में मास्टर्स डिग्री (एमएफए) प्रदान करता है और पीएचडी कार्यक्रम 2014-15 सत्र में शुरू किया गया था। वर्तमान में, 05 रिसर्च स्कॉलर्स डॉक्टरेट रिसर्च प्रोग्राम में पंजीकृत हैं और अनुसंधान कार्यक्रम का मुख्य फोकस ज्यादातर स्थानीय और वैश्विक कला और शिल्प के मुद्दों पर है और इस क्षेत्र में दुर्लभ या मरने वाले आदिवासी, लोक और समग्र पारंपरिक प्रथाओं की पहचान की खोज

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रोफेसर राजेश भौमिक	पीएच.डी., एम.एफ.ए.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	चित्रकारी, कला और शिल्प	शिक्षण: 21 साल और 10 महीने अनुसंधान: 20 साल	02	05	03	ना	-	-
श्री मुकुलेंदु पाठक	एम.एफ.ए.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मूर्तिकला	शिक्षण: 14 साल	नहीं	नहीं	-	-	-	-
डॉ. सुब्रत डे	पीएच.डी., एम.एफ.ए.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	भारतीय समकालीन कला	शिक्षण: 14 साल	नहीं	3	6	ना	-	-
श्री शिशिर थापा	एम.एफ.ए.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मूर्तिकला	शिक्षण: 7 साल और 6 महीने	नहीं	नहीं	-	-	-	-

2. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा भाग लेने वाले सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल:

नाम	शिक्षक/छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
रामकिंकर बैज मूर्तियों में सामाजिक अनुभूति	शिक्षक/ शोधार्थी	कला और संस्कृति पर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा
डॉ. सुब्रत डे और सुजीत सूत्रधार	शिक्षक/ शोधार्थी	कला और संस्कृति पर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा

सुजीत सूत्रधार	शोधार्थी	सिक्किम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सिक्किम सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन; आरहूस विश्वविद्यालय, डेनमार्क; नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी ; आईआईटी, मद्रास; हरकामया कॉलेज ऑफ एजुकेशन; और लोयोला कॉलेज ऑफ एजुकेशन	अंतरराष्ट्रीय	सिक्किम विश्वविद्यालय
जयश्री कलिता	शोधार्थी	मानविकी के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन 2024	राष्ट्रीय	एम.एस यूनिवर्सिटी, वडोदरा

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रस्तुत/ सम्मानित
सुजीत सूत्रधार	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुब्रत डे	प्रक्रियाधीन
रमाकांत जी	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुब्रत डे	प्रक्रियाधीन
जयश्री कलिता	पूर्णकालिक	-	डॉ. सुब्रत डे	प्रक्रियाधीन
लैशराम सुशील	पूर्णकालिक	-	राजेश भौमिक	प्रक्रियाधीन
सुपर्णा देब	पूर्णकालिक	-	राजेश भौमिक	प्रक्रियाधीन

4. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

4.1 ई-पीजी पाठशाला, एनएमई-आईसीटी, एमओओसी जैसे ई-सामग्री निर्माण/कार्यक्रमों में भागीदारी:

क्र.सं.	संकाय के नाम	ई-सामग्री का शीर्षक	घंटों की संख्या	उपलब्ध है या नहीं
01	डॉ. सुब्रत डे	कला और संस्कृति: एक नए प्रबंधन प्रतिमान की ओर	06 घंटे	सीमित

5. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: **कला और कलाकार और कला और शिल्प**

6. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल संख्या प्रयोगशाला/स्टूडियो की संख्या (ए+बी)	शैक्षणिक प्रयोगशाला की संख्या (ए)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ निर्मित)
05	05	-

संगीत विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. अजयकुमार मछीन्द्रनाथ सवने
स्थापना वर्ष : 2009
प्रस्तावित कार्यक्रम : 1. संगीत में एमए - गायन
1. संगीत में एमए - नृत्य
2. संगीत में पीएचडी
प्रवेश क्षमता : कुल = 40 (25 गायन संगीत,15 कथक नृत्य), पीएच. डी = 12

विभाग की परिकल्पना :

अकादमिक और कलात्मक उत्कृष्टता और अभिनव दृष्टिकोण के वातावरण को संरक्षित करने के लिए जो छात्रों को स्वदेशी दृष्टिकोण पर ध्यान देने में सक्षम बनाता है। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के भीतर मानवीय मूल्यों, प्रेम, करुणा और समता को उजागर करना और संगीत कला के शिक्षण और प्रशिक्षण के उच्च मानकों को बढ़ाना और छात्रों के समग्र विकास के लिए अधिगम अन्वेषण।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. अजयकुमार मछिन्द्रनाथ सवने	पीएच. डी	सहायक प्राध्यापक	नियमित रूप से पूर्णकालिक	भारतीय शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, भारतीय समकालीन नृत्य	12 वर्ष	-	-	-	-	-	-
डॉ. रबीन्द्र भराली	पीएच. डी	सहायक प्राध्यापक	नियमित रूप से पूर्णकालिक	गायन	19 वर्ष	-	-	-	-	-	-
डॉ. उत्पल बिश्वास	पीएच. डी	सहायक प्राध्यापक	नियमित रूप से पूर्णकालिक	गायन	14 वर्ष	-	-	-	-	-	-

2. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
श्री पंकज कुमार दास	अगरतला	02-05-2024 से 03-05-2024	डीएचई, त्रिपुरा	ध्वानिक

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रदान/सम्मानित
शौनक रॉय	अंशकालिक	रवींद्रनाथ टैगोर की संगीत रचनाओं में रागों के अनुप्रयोगों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।	डॉ. उत्पल बिश्वास	पंजीकृत

4. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

4.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	30-05-2024	1 दिन	ध्रुपद गायन के विभिन्न पहलू	कार्यशाला	राष्ट्रीय	75
2	22-06-2024 से 30-06-2024	9 दिन	कोकबरॉक में देशभक्ति गीत	कार्यशाला	राष्ट्रीय	90

प्रदर्शन कला विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. उत्पल बिश्वास
स्थापना वर्ष : 2019

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

प्रदर्शन कला विभाग (नाटक) वर्ष 2019 में शुरू किया गया था। इस विभाग की कक्षाएं 18 अगस्त 2019 को शुरू की गई थीं। इस अवधि के दौरान इस विभाग की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

छात्रों द्वारा समाज के विभिन्न जागरूकता मुद्दों पर कई नाटक किए गए हैं। शोध के अलावा, प्रसिद्ध नाटक कलाकार त्रिपुरा के बाहर से विजिटिंग फेलो के रूप में विभाग का दौरा किया। विजिटिंग फेलो में से एक यूएसए से आये और हमारे छात्रों का अध्यापन किया।

हमारी भविष्य की दृष्टि पूरे भारत में विभाग को सर्वश्रेष्ठ नाटक केंद्रों में से एक के रूप में स्थापित करना है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/ पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. उत्पल बिश्वास	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	अतिरिक्त कार्य	हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत, उत्तर पूर्व भारत का संगीत	19	-	-	-	-	-	-

समाज विज्ञान संकाय

पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति विभाग

विभागाध्यक्ष : ज्योत्सना रानी खुंद्राकपाम
स्थापना वर्ष : 2019
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम ए
प्रवेश क्षमता : 35

विभाग का विजन: त्रिपुरा और पूर्वोत्तर भारत में पुरातात्विक सामग्री संस्कृति के अनुसंधान में योगदान देना और इस क्षेत्र के प्राचीन इतिहास जो अभी भी अल्पअन्वेषित है उनके पुनर्निर्माण में सहयोग प्रदान करना।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग ने फरवरी 2024 से पूर्ण रूप से कार्य करना शुरू कर दिया है। चार नए स्थायी संकाय विभाग में शामिल हो गए हैं। तब से, विभाग के संकायों ने विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है, चाहे वह विशेष व्याख्यान श्रृंखला हो या संकाय विकास कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, संकाय सदस्यों ने एनईपी 2020 के अनुपालन में पाठ्यक्रम का उन्नयन कार्य पूरा कर लिया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/ पीएचडी)	पद	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त किया	जारी	गाइड-निर्देशित	जारी		
सुश्री ज्योत्सना रानी खुंद्राकपाम	पीएचडी जारी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	पुरातत्व, प्रोटोहिस्ट्री, क्षेत्र पुरातत्व में सिद्धांत, सिरेमिक अध्ययन	5 माह	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. पंकज सिंह	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	पुरातात्विक मिट्टी के बर्तनों का वैज्ञानिक अध्ययन, पुरातात्विक विश्लेषण	5 माह	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	87	03
डॉ. पलास कुमार सिन्हा	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	प्राचीन भारत का सामाजिक-आर्थिक और धार्मिक इतिहास	4 माह, 23 दिन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. अशोक कुमार सिन्हा	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	संग्रहालय अध्ययन, क्षेत्र पुरातत्व	5 माह	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

*उल्लेख *अनिवार्य*

2. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	खजूर	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. पलास कुमार साहा	जार्गो, पुरुलिया,	22.03.2024	एनएसएस (यूनिट - 1), चित्त महतो मेमोरियल कॉलेज,	समकालीन पर्यावरणीय संकट और पर्यावरण जागरूकता की आवश्यकता
डॉ. पंकज सिंह	बड़वानी, म.प्र.	29.03.2024	गवर्नमेंट मॉडल कॉलेज	सामाजिक उत्थान के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा का महत्व

3. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

3.1 व्यावसायिक/विद्वत समितियों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
पलास कुमार साहा	द मिरर जर्नल ऑफ हिस्ट्री विभाग, सिन्नामारा कॉलेज,	एसोसिएट एडिटर,

3.2 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
अशोक कुमार सिन्हा	एफडीपी: एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	11 से 22 मार्च 2024।	11 से 22 मार्च 2024।
अशोक कुमार सिन्हा	एफडीपी: उद्यमिता विकास, उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र,	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	27 से 31 मई 2024	27 से 31 मई 2024
पलास कुमार साहा	एफडीपी: एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	11 से 22 मार्च 2024।	11 से 22 मार्च 2024।
पलास कुमार साहा	एफडीपी: उद्यमिता विकास, उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र,	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	27 से 31 मई 2024	27 से 31 मई 2024
पंकज सिंह	एफडीपी: एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	11 से 22 मार्च 2024।	11 से 22 मार्च 2024।
पंकज सिंह	एफडीपी: उद्यमिता विकास, उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र,	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	27 से 31 मई 2024	27 से 31 मई 2024
ज्योत्सना रानी खुन्द्रकपाम	एफडीपी: एनईपी ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	11 से 22 मार्च 2024।	11 से 22 मार्च 2024।
ज्योत्सना रानी खुन्द्रकपाम	उद्यमिता विकास, उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र,	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	27 से 31 मई 2024	27 से 31 मई 2024
ज्योत्सना रानी खुन्द्रकपाम	अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पर सर्टिफिकेट कोर्स	डेक्कन कॉलेज पोस्ट-ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट-पुणे	30 घंटे	27 मई से 27 अगस्त 2024

4. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: पुरातत्व, प्राचीन सांस्कृतिक अध्ययन, नृवंशविज्ञान और धार्मिक अध्ययन

अर्थशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष	:	प्रो शुभ्रबरन दास
स्थापना वर्ष	:	1978
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	पीएच.डी., एम.ए./एमएससी और आईएमडी
प्रवेश क्षमता	:	एम.ए./एमएससी- 49 और आईएमडी - 15

विभाग की परिकल्पना: अनुसंधान कार्य में प्रभावी योगदान और कौशल आधारित आउटरीच शिक्षण और सीखने के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के SAP (DRS-I) प्राप्त करने वाला विश्वविद्यालय का पहला विभाग है और हाल ही में सफलतापूर्वक SAP (DRS-II) पूरा किया गया है। विभाग के संकाय सक्रिय रूप से विविध अनुसंधान गतिविधियों में लगे हुए हैं, जैसे सामाजिक क्षेत्र, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, लैंगिक मुद्दे, व्यापार, वित्तीय अर्थशास्त्र, औद्योगिक अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र आदि। विभाग कौशल आधारित आउटरीच शिक्षण और सीखने के कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा प्रदान करता है जो छात्र को कुशलतापूर्वक राष्ट्र की सेवा करने में मदद करेगा। शिक्षण और सीखने की गतिविधियों के अलावा, विभाग विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम जैसे संगोष्ठी, कार्यशाला और विशेष आमंत्रित व्याख्यान आदि आयोजित करता है। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभाग 22-24 फरवरी, 2024 के दौरान भारतीय अर्थशास्त्रीय सोसायटी (टीआईईएस) के 58वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन



किया है। भारत के तीस से अधिक प्रख्यात अर्थशास्त्रियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. के एल कृष्णा (दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व निदेशक), मुख्य अतिथि ने की, साथ ही माननीय अतिथियों के एक विशिष्ट पैनल ने भी भाग लिया। गणमान्य व्यक्तियों में प्राध्यापक एस महेंद्र देव (अध्यक्ष, टीआईईएस, संपादक, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, पूर्व अध्यक्ष, सीएसीपी, भारत सरकार, पूर्व उपाध्यक्ष, आईएफपीआरआई, वाशिंगटन डीसी, और आईजीआईडीआर, मुंबई के पूर्व कुलपति); डॉ. के. षणमुगन (सचिव, टीआईईएस)। इसके अलावा कोलकाता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्राध्यापक सुगत मर्जित, नई दिल्ली के भारतीय सांख्यिकी संस्थान के प्रो. अरुणव सेन, भारत के पूर्व मुख्य सांख्यिकीविद् प्राध्यापक टीसीए अनंत, टीआईईएस ट्रस्ट के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ आर बी बर्मन, हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक बी कमैया, प्रो.

विश्वनाथ गोल्डर, प्राध्यापक बिश्वनाथ गोल्डर, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, नई दिल्ली के पूर्व प्राध्यापक, डॉ सौम्य कांति घोष, समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), मुंबई, प्रो एम रामचंद्रन, टीआईईएस के पूर्व अध्यक्ष और प्राध्यापक, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, प्रो एमपी बेजबरुआ, उपाध्यक्ष, टीआईईएस और गुवाहाटी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, प्रो. आशिमा गोयल, सदस्य, मौद्रिक नीति समिति, आरबीआई, प्रो अजीत रानाडे, जीआईपीई-पुणे के कुलपति, डॉ तीर्थंकर पटनायक, मुख्य अर्थशास्त्री, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), मुंबई, डॉ देबा प्रसाद रथ, पूर्व प्रमुख डीईपीआर, आरबीआई, डॉ देबोज्योति डे, एवीपी-मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स), मुंबई, इंजीनियर सुशांत दत्ता, प्रमुख, स्कूल ऑफ लॉजिस्टिक्स, कम्युनिकेशन एंड वाटरवेज, अगरतला आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर प्रो सी रंगराजन ने ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया।



विभाग के संकाय सक्रिय रूप से विभिन्न संगठनों जैसे योजना और सांख्यिकी विभाग, जनजातीय कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार, एसआईपीएआरडी, त्रिपुरा सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, भारत सरकार, अनुसंधान सूचना प्रणाली, नई दिल्ली, कट्स इंटरनेशनल आदि के साथ सहयोगी कार्यों से जुड़े हुए हैं। ये संकाय देश के अन्य शैक्षिक संस्थानों/विश्वविद्यालयों के विभिन्न शैक्षिक निकायों में भी संबद्ध हैं। शिक्षा के अलावा विभाग के छात्र विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में लगे हुए हैं। छात्रों और शिक्षकों ने संस्थागत दौरे के एक भाग के रूप में खुमवंग में टीटीएएडीसी का दौरा किया। वे देश भर में विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतियोगिता और खेल कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। विभाग ने जनवरी के महीने में पूर्व छात्र बैठक का आयोजन किया और अर्थशास्त्र पूर्व छात्र संघ (डीईएए) विभाग नामक एक संघ का गठन किया जो पंजीकरण प्रक्रिया के तहत है। भारत सरकार ने त्रिपुरा राज्य के लिए 16 वें वित्त आयोग की रिपोर्ट तैयार करने के लिए अर्थशास्त्र विभाग को सौंपा है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/ पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	गाइड-निर्देशित	जारी		
आशीष नाथ	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	अंतरराष्ट्रीय व्यापार और क्षेत्रीय अर्थशास्त्र	30	02	04	04	-	11	2

परमिता साहा	-	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	जनसंख्या अध्ययन,सामाजिक क्षेत्रमुद्दे और लिंग	34	02	06	03	-	14	2
जहर देबबर्मा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	एग्री. इको, रूरल डेव, एनई इंडिया	28	02	06	04	-	-	-
इंद्रनील भौमिक	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	एग्री. इको, लेबर इको, एनई इंडिया	22	02	02	04	-	157	7
शुभ्रबरण दास	पीएच.डी., एम. फिल	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सार्वजनिक वित्त, उन्नत अर्थमिति,	20	02	06	04	-	113	6
सलीम शाह	पीएच.डी.	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	गरीबी और स्वास्थ्य अर्थशास्त्र	19	-	05	05	-	13	02
संजीब कुमार माझी	पीएच.डी.	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	कृषि अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र	16	शून्य	04	05	-	-	-
दिलीप कुमार राणा	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	विकास अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्रीय विश्लेषण	19	01	03		5	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
आशीष नाथ	प्राध्यापक	-	2	-
परमिता साहा	प्राध्यापक	1	1	-
इंद्रनील भौमिक	प्राध्यापक	-	1	-
शुभ्रबरण दास	प्राध्यापक	-	5	2
सलीम शाह	प्राध्यापक	-	3	1
दिलीप कुमार राणा	सहायक प्राध्यापक	-	1	-
किरण भौमिक	पीएचडी शोधार्थी	-	-	1
पिंटू मांझी	पीएचडी शोधार्थी	-	3	1
धनंजय बोरो	पीएचडी शोधार्थी	1	2	-
पुबली दास	पीएचडी शोधार्थी	-	4	-
एरीफुल हक	पीएचडी शोधार्थी	-	1	-
मोहम्मद कमरुल इस्लाम	पीएचडी शोधार्थी	-	-	1
पूनम चंदा	पीएचडी शोधार्थी	-	1	-
सुकांति रॉय	पीएचडी शोधार्थी	-	2	1
समर दास	पीएचडी शोधार्थी	1	1	1
शेखरन दास	पीएचडी शोधार्थी	-	-	1
पंकज कुमार खनाल	पीएचडी शोधार्थी	-	6	-
केल्विन उचोई	पीएचडी शोधार्थी	1	1	-
किमनीथेम किपगेन	पीएचडी शोधार्थी	1	-	5

3. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
आशीष नाथ	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	14.03.2024	दो सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम, टीयू 11.03.2024 - 22.03.2024	अनुसंधान और विकास

परमिता साहा	कोलकाता, पश्चिम बंगाल	9 फरवरी 2024	एनआईपीएफपी और फिक्की	भारत में जेंडर बजटिंग पर विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर कार्यशाला, (आमंत्रित वक्ता)
	ऑनलाइन	28 जुलाई, 2024	4 आईएमपीआरआई, प्रभाव और नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली।	लैंगिक सामाजिक समावेश और केंद्रीय बजट 2024-25 पर चर्चा में पैनलिस्ट
	ऑनलाइन	31 जुलाई 2024	योजना और विकास केंद्र, विश्व भारती विश्वविद्यालय	"समावेशी विकास के लिए लैंगिक समानता" पर राष्ट्रीय कार्यशाला (लैंगिक समावेशन और केंद्रीय बजट पर संसाधन व्यक्ति)
इंद्रनील भौमिक	सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा	मई 2024	सीईडीआई, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	भविष्य के भारत में कौशल और आत्मनिर्भरता की ओर: राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020
	गंगटोक, सिक्किम	मार्च 2024	एनआईईपीए और सिक्किम विश्वविद्यालय	एनईपी 2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा का वित्तपोषण
	गुवाहाटी, असम	फरवरी 2024	एसबी देवराह कॉलेज	पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी (पैनलिस्ट)
	ऑनलाइन	जनवरी, 2024	ईजीरो फाउंडेशन, नोएडा	केंद्रीय बजट और पूर्वोत्तर (पैनलिस्ट)
	उदयपुर, त्रिपुरा	जनवरी 2024	एनएस महाविद्यालय	त्रिपुरा के उच्च शिक्षण संस्थानों में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के संबंध में उभरते अवसर और चुनौतियां
	ऑनलाइन	जनवरी 2024	जीडीसी, तेलियामुरा और ईआईसीटी अकादमी, आईआईटी रुड़की	एनईपी 2020 के तहत अंतःविषय पाठ्यक्रम- नए आयामों की खोज
	अगरतला, त्रिपुरा	जनवरी 2024	एशियन कॉन्फ्लुएंस, शिलांग	सबरूम में आगामी आईसीपी: संभावनाएं, अवसर और चुनौतियां (तकनीकी परामर्श)
	इम्फाल, मणिपुर	दिसंबर 2023	आरआईएस, नई दिल्ली और अजजार फॉर म्यांमार स्टडीज, मणिपुर विश्वविद्यालय	पूर्वोत्तर में एसडीजी और सतत विकास (गोलमेज चर्चा में पैनलिस्ट)
	सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा	नोव्हेंबर 2023	वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	पूर्वोत्तर भारत में भूतल परिवहन कनेक्टिविटी: लैंड लॉक्ड से लैंड लिंक्ड (पैनलिस्ट) तक
	ऑनलाइन	अक्टूबर 2023	एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली	पूर्वोत्तर भारत में विकास के अनुभव: प्राकृतिक रबर का मामला
	अगरतला, त्रिपुरा	अक्टूबर 2023	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, त्रिपुरा स्टेट चैप्टर	लचीली शहरी अर्थव्यवस्थाएँ: विकास और पुनर्प्राप्ति के चालकों के रूप में शहर
	कमलपुर, त्रिपुरा	सितम्बर 2023	जीडीसी, कमालपुर	अर्थशास्त्र, नैतिकता और प्रौद्योगिकी पर
शुभ्रबरण दास	शिलांग	14 मई 2024	नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी	त्रिपुरा राज्य के लिए 16वें वित्त आयोग पर प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना। बैठक का आयोजन 16 वें वित्त आयोग, भारत सरकार द्वारा किया गया था
	अगरतला	अप्रिल 24, 2024	लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, भारत सरकार	'लिंग परिप्रेक्ष्य को एकीकृत करना: संवेदीकरण और मुख्यधारा पर एक कार्यशाला' पर एक कार्यशाला में "आधिकारिक चैनल के माध्यम से लिंग मुख्यधारा" पर व्याख्यान दिया
	आईआईटी, गुवाहाटी	मार्च 1-2, 2024	एनआईईपीए, नई दिल्ली	'पूर्वोत्तर भारतीय संस्थानों के कुलपतियों और निदेशकों के नेतृत्व विकास' में नई शिक्षा नीति पर चर्चा बैठक
	नई दिल्ली	नवंबर 26-28	आरआईएस, नई दिल्ली	लाइफ अर्थव्यवस्था पर वैश्विक शिखर सम्मेलन: सिद्धांतों से कार्रवाई तक
	नई दिल्ली	17 अक्तूबर 2023	यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	अर्थशास्त्र में 56 वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में मात्रात्मक अनुसंधान में अर्थमिति का महत्व

	कोलकाता	7 अक्तूबर 2023	बंगाल इकोनॉमिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित एजेसी बोस कॉलेज, कोलकाता	बंगाल इकोनॉमिक एसोसिएशन (बीईए) द्वारा आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत में समावेशी और सतत विकास' पर एक संगोष्ठी में "भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग में उत्पादकता और लाभप्रदता: एक फर्म स्तर विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया
	अगरतला	12 सितम्बर 2023	धलाई जिले के अंबासा में पीडब्ल्यूडी सम्मेलन हॉल, आरबीआई द्वारा आयोजित	आरबीआई द्वारा आयोजित 'बैंकरों की क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय मिशन पर कार्यशाला' पर एक कार्यशाला में "एमएसएमई ऋण पर व्यवहार परिप्रेक्ष्य और एमएसएमई वित्तपोषण में उद्यमशीलता की जरूरतों को समझना" पर व्याख्यान दिया।
	गुवाहाटी, असम	13 सितंबर, 2023	राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, असम	विवाह और तलाक के लिए आदिवासी प्रथागत कानून: त्रिपुरा परिप्रेक्ष्य
सलीम शाह	पुणे, महाराष्ट्र	17 से 19 जनवरी, 2024	फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे	"स्वास्थ्य व्यवहार और व्यवहार - II" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की और "स्वास्थ्य की राजनीतिक अर्थव्यवस्था - II" पर तकनीकी सत्र की चर्चा की
	गुवाहाटी, असम	9 से 10 फरवरी, 2024	एसबी देवराह कॉलेज, गुवाहाटी, असम	भारतीय राज्यों में स्वास्थ्य परिणामों में भिन्नता: एनएफएचएस डेटा से साक्ष्य
	गंगटोक, सिक्किम	6 मार्च, 2024	एसआरएम यूनिवर्सिटी, सिक्किम	एसडीजी का स्थानीयकरण: स्वास्थ्य और गरीबी पर ध्यान (मुख्य वक्ता)
	सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा	21 से 22 मार्च, 2024	महिला अध्ययन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवहार और प्रावधानों में लिंग मुद्दे: भारत अनुभव
	अगरतला, त्रिपुरा	2 सितंबर 2023	सीआईआई स्कूल ऑफ लॉजिस्टिक्स	त्रिपुरा को जोड़ना: उत्तर पूर्व का अगला प्रवेश द्वार, सत्र मॉडरेटर।
दिलीप कुमार राणा	ऑनलाइन	10 अक्तूबर 2023	पत्रसायर महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल	औद्योगिक संपत्ति संरक्षण अधिकार और भारत में औद्योगिक क्षेत्र का विकास
	धर्मनगर, त्रिपुरा	14-15 मार्च, 2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, धर्मनगर	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण पर सरकारी बजट

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रस्तुत/सम्मानित
सलीना अख्तर	पूर्णकालिक	-	परमिता साहा	मातृत्व अवकाश पर
अरीफुल हक	पूर्णकालिक	भारतीय दवा उद्योग के प्रदर्शन पर उत्पाद पेटेंट का प्रभाव	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
सुकांति रॉय	पूर्णकालिक	महिला सशक्तिकरण और आर्थिक विकास की भूमिका: त्रिपुरा में आदिवासी विवाहित महिलाओं का एक केस स्टडी	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
किरण भौमिक	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में आदिवासी कृषि किसानों की आजीविका पर फसल पैटर्न और कृषि उत्पादकता में परिवर्तन का प्रभाव	शुभ्रबरण दास	पंजीकृत
समर दास	पूर्णकालिक	अन्य ब्रिक्स देशों के साथ भारत के व्यापार संबंध: एक तुलनात्मक विश्लेषण	शुभ्रबरण दास	कोर्सवर्क पूरा हुआ
शेखरन दास	पूर्णकालिक	प्रस्तावित: असम में प्रमुख बागवानी फसलों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: एक जिला स्तरीय विश्लेषण	शुभ्रबरण दास	कोर्सवर्क पूरा हुआ

समीर देबनाथ	अंशकालिक	भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में रोजगार के पैटर्न और निर्धारक	आशीष नाथ	प्रदत्त
वकार अहमद	पूर्णकालिक	विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादकता और दक्षता - भारत के चयनित राज्यों का एक अध्ययन	आशीष नाथ	पंजीकृत
मोहम्मद कमरुल इस्लाम	पूर्णकालिक	सार्क देशों के साथ भारत का विदेश व्यापार: साफ्टा से पूर्व और बाद की अवधि का विश्लेषण	आशीष नाथ	प्रस्तुत थीसिस
किमनीथेम किपगेन	अंशकालिक	मोरे अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पर सीमा व्यापार का प्रभाव	आशीष नाथ	पंजीकृत
बनलता सैकिया	पूर्णकालिक	राजकोषीय दक्षता और आर्थिक विकास: भारत के विशेष श्रेणी राज्यों के लिए एक अंतर-क्षेत्रीय अध्ययन	सलीम शाह	प्रदत्त
प्रियंका भौमिक	अंशकालिक	प्रजनन और बाल स्वास्थ्य की स्थिति पर घरेलू भलाई का प्रभाव: ग्रामीण त्रिपुरा का एक अध्ययन	सलीम शाह	प्रदत्त
चंद्र साहा रॉय	पूर्णकालिक	क्षैतिज असंतुलन और वित्त का हस्तांतरण: उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय संघ का एक अध्ययन	सलीम शाह	प्रस्तुत थीसिस
पुबली दास	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में तृतीयक स्वास्थ्य सेवा: आवश्यकता, मांग और सार्वजनिक हस्तक्षेप का एक अध्ययन	सलीम शाह	पंजीकृत
सिद्दीका बानो	अंशकालिक	मातृ स्वास्थ्य और उसके निर्धारकों की स्थिति: असम राज्य, भारत के लिए एक अलग-अलग बहुआयामी अध्ययन	सलीम शाह	कोर्सवर्क पूरा हुआ
मनुज बरुआ	पूर्णकालिक	असम में हथकरघा आधारित सूक्ष्म उद्यम: विपणन प्रथाओं और तकनीकी दक्षता के मुद्दे	परमिता साहा	प्रदत्त (नवंबर 2023)
मशूद अहमद	पूर्णकालिक	असम के बराल घाटी क्षेत्र में कृषि उत्पादन और फसल पैटर्न पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	परमिता साहा	प्रदत्त (मार्च 2024)
पूनम चंदा	पूर्णकालिक	शहरवासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: अगरतला शहर का एक अध्ययन	परमिता साहा	पंजीकृत
मौमिता देब	अंशकालिक	पर्यटन और आर्थिक विकास: भारत और चयनित दक्षिण एशियाई देशों के बीच संबंध	परमिता साहा	पंजीकृत
पंकज कुमार खनाल	अंशकालिक	-	इंद्रनील भौमिक	पंजीकृत
धनंजय बोरो		-	इंद्रनील भौमिक	कोर्सवर्क पूरा हुआ
सुमंत देबबर्मा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में शिक्षित बेरोजगारी की समस्याएं	जहर देबबर्मा	पंजीकृत
सिमंता गोगोई	पूर्णकालिक	असम में ग्रामीण गरीबी पर कृषि विकास का प्रभाव	दिलीप कुमार राणा	प्रस्तुत की गई थीसिस

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	फ़रवरी 22-24, 2024	3 दिवसीय	इकोनोमेट्रिक सोसाइटी का 58 वां वार्षिक सम्मेलन	सम्मेलन	राष्ट्रीय	300
2	20 दिसम्बर 2023	1 दिवसीय	त्रिपुरा में व्यापार और उद्योगों के सुधार की संभावना: रसद की भूमिका	सुशांत दत्ता का व्याख्यान	विश्वविद्यालय स्तर	70

3	21 सितम्बर 2023	1 दिवसीय	एसईजेड और असमानता	प्रो. सैकत सिन्हा रॉय का व्याख्यान	विश्वविद्यालय स्तर	60
4	3 अगस्त 2023	1 दिवसीय	सतत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था विकास: नीति उपकरण और बाजार तंत्र	प्रो तपन सरकार द्वारा बात	अंतरराष्ट्रीय	60

5.2 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/ शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो शुभ्रबरण दास	भारतीय अर्थशास्त्रीय समाज (TIES)	संयुक्त सचिव, TIES और आजीवन सदस्य
	उत्तर पूर्व आर्थिक संघ (एनईईए)	आजीवन सदस्य
प्रो आशीष नाथ	भारतीय आर्थिक संघ	आजीवन सदस्य
	उत्तर पूर्वी आर्थिक संघ	उत्तर पूर्वी आर्थिक संघ
प्रो. इंद्रनील भौमिक	इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स	आजीवन सदस्य
	उत्तर पूर्वी आर्थिक संघ	आजीवन सदस्य और सचिव (2 कार्यकाल)
	त्रिपुरा की आर्थिक विज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
डॉ. सलीम शाह	उत्तर पूर्वी आर्थिक संघ	आजीवन सदस्य
	त्रिपुरा की आर्थिक विज्ञान सोसायटी	आजीवन सदस्य
	भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और नीति संघ	आजीवन सदस्य और सदस्य, शासी परिषद
डॉ. दिलीप कुमार राणा	भारतीय आर्थिक संघ	आजीवन सदस्य
	उत्तर पूर्वी आर्थिक संघ	
	भारतीय अर्थशास्त्रीय समाज (TIES)	
	भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन	
	इंडियन एसोसिएशन ऑफ हिल फार्मिंग	
प्रो परमिता साहा	उत्तर पूर्वी आर्थिक संघ	आजीवन सदस्य और सदस्य, कार्यकारी समिति

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: त्रिपुरा के विशेष संदर्भ में पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास

7. नई पहल/नवाचार: एनईपी 2020 के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रम की शुरूआत

8. चालू परामर्श परियोजनाएं:

प्रधान सलाहकार	सह-भागीदार	निधिकरण एजेंसी	परियोजना का शीर्षक	परामर्श शुल्क प्राप्त (लाख रुपए में)	वर्ष के दौरान प्राप्त परामर्श शुल्क (लाख रुपए में)	कार्यकाल (वर्षों और महीनों में)
दिलीप कुमार राणा	-	खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली- 110111	त्रिपुरा राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के कार्यान्वयन का समवर्ती मूल्यांकन	रु. 0.53	रु. 0.53	3 वर्ष

9. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी सामा/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**
मुज़तबा मशूद	पुरुष	ओबीसी	-	यूजीसी	जाल
शेखरन दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	-	यूजीसी	जाल
पिंटू मांझी	पुरुष	ओबीसी	-	यूजीसी	जाल

समर दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	-	उत्तर पूर्व स्लेट आयोग	स्लेट
बनलता सैकिया	महिला	ओबीसी	-	यूजीसी	जाल
सुमंत देबबर्मा	पुरुष	अजजा	-	यूजीसी	जाल
धनंजय बोरो	पुरुष	अजजा	-	यूजीसी	जाल

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र.

10. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी सामा/अजजा/अजा/अपिव/ईडब्ल्यूएस/अल्पसं)	पीएच (हाँ/नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
प्रदीप चौहान	पु	सामान्य	नहीं	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा	सहायक प्राध्यापक	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा	साक्षात्कार
निरंजन देबनाथ	पु	ओबीसी	नहीं	एसआरएम यूनिवर्सिटी, सिक्किम	सहायक प्राध्यापक	एसआरएम यूनिवर्सिटी, सिक्किम	साक्षात्कार
अरीफुल हक	पु	सामान्य	-	पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श महाविद्यालय, एरालीगूल-788723, करीमगंज, असम	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
बनलता सैकिया	म	सामान्य	-	राजकीय महिला मॉडल कॉलेज, चैंगा, बारपेटा	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
मनुज बरुआ	पु	सामान्य	-	मंडिया आंचलिक कॉलेज, मांडिया, बारपेटा	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
मसूद अहमद	पु	सामान्य	-	केएनबी वीमेंस कॉलेज, बदरपुर, करीमगंज	सहायक प्राध्यापक	असम सरकार	साक्षात्कार
सुशांत देबनाथ	पु	ओबीसी	नहीं	तुलशिखर, राजनगर एचएस स्कूल, खोवाई, त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
मनदीप सिंघा	पु	ओबीसी	नहीं	चंपकनगर एचएस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
राजेश दत्ता	पु	सामान्य	नहीं	तेलियामुरा अंग्रेजी माध्यम एचएस स्कूल, खोवाई त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
नारायण दत्त	पु	सामान्य	नहीं	पेचरथल एचएस स्कूल, उनाकोटी, त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
प्रसेनजीत देबनाथ	पु	ओबीसी	नहीं	हृष्यमुख एचएस स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
सुब्रत बिस्वास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	4 मनु बांकुल एचएस स्कूल, सबरूम, दक्षिण त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
रितुपर्णा दत्ता पोद्दार	म	सामान्य	नहीं	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर अंग्रेजी माध्यम एचएस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
राहुल नाथ	पु	ओबीसी	नहीं	धनसिंह चौधरी मेमोरियल एचएस, स्कूल, उनाकोटी त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
अन्वेषा मजूमदार साहा	म	सामान्य	नहीं	संतिरबाजार एचएस स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
प्रियंका बागची	म	सामान्य	नहीं	मोहनपुर गर्ल्स'एच. एस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी

दीपक रियांग	पु	अजजा	नहीं	सबरूम अंग्रेजी माध्यम .एच.एस. स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
श्यामल पॉल	पु	ओबीसी	नहीं	रायबाड़ी एचएस स्कूल, धलाई त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
शिल्पी मजूमदार	म	सामान्य	नहीं	अमरपुर अंग्रेजी माध्यम एचएस स्कूल, गोमती त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
कनिका भौमिक	म	सामान्य	नहीं	मेलाघर अंग्रेजी माध्यम एचएस स्कूल, सिपाहीजाला, त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
सुसांता पॉल	पु	ओबीसी	नहीं	श्रीनगर एचएस स्कूल, दक्षिण त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
सुष्मिता बेगम	म	सामान्य	नहीं	सुकांता अकादमी अंग्रेजी माध्यम एचएस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
पूनम पाल	म	ओबीसी	नहीं	मोहनपुर एचएस स्कूल, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
भबानी डे	म	सामान्य	नहीं	बीरचंद्रपुर एचएस स्कूल, खोवाई त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
अनिंदिता नाथ	म	ओबीसी	नहीं	मंडई एचएस स्कूल, जिरानिया, पश्चिम त्रिपुरा	अर्थशास्त्र में पीजीटी	शिक्षा विभाग, त्रिपुरा सरकार	टीईटी
एम्पुइया दार्लोंग	पु	अजजा	नहीं	टीसीएस अधिकारी, त्रिपुरा सरकार	टीसीएस	त्रिपुरा सरकार	टीसीएस
पिंटू मांझी	पु	ओबीसी	नहीं	वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	साक्षात्कार
सुकांति रॉय	म	सामान्य	नहीं	व्यवसाय प्रबंधन विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	साक्षात्कार
दीपराज चौधरी	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा उच्च न्यायालय	स्टेनोग्राफ़र	त्रिपुरा उच्च न्यायालय	चयन परीक्षा
सुकन्या सेन	म	सामान्य	नहीं	होली क्रॉस कॉलेज	सहायक प्राध्यापक	होली क्रॉस कॉलेज	चयन परीक्षा
प्रदीप देबनाथ	पु	ओबीसी	नहीं	परियोजना निगरानी और डीपीआर गठन के लिए मुख्य कार्यकारी		बीएपीसीएल, त्रिपुरा	साक्षात्कार
कैशिक पटोरी	पु	ओबीसी	नहीं	त्रिपुरा जल जीवन मिशन	पर्यवेक्षक	जल जीवन मिशन, त्रिपुरा	साक्षात्कार

11. कोई अन्य उपलब्धियां: विभाग ने भारतीय अर्थशास्त्रीय सोसायटी (टीआईईएस) के 58 वें वार्षिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया है

    देश भर के 30 से अधिक अर्थशास्त्रियों ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया है।

    इस वर्ष के दौरान 30 से अधिक पूर्व छात्रों को प्लेसमेंट मिला है।

    दो (03) छात्रों ने यूजीसी-नेट पास किया है और एक (01) ने एनई-स्लेट पास किया है

    पीजी अंतिम वर्ष के 10 छात्रों (ओ 4 गैर-एसटी और 06 एसटी छात्रों) के लिए एक्जिम बैंक छात्रवृत्ति (प्रत्येक के लिए 10000 रुपये प्रति वर्ष)

शिक्षा विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो टिंकू डे (गोप)
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एमए, आईएमडी, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : शिक्षा में एमए में 40

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/परिकल्पना: सत्र 2023 - 2024 के दौरान शिक्षा विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने उत्कृष्टता, नवाचार और प्रभावशाली योगदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों) में कई पत्र प्रकाशित किए हैं और विभिन्न सम्मेलनों में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। सत्र के दौरान अपना कोर्स पूरा करने वाले छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। विभिन्न कॉलेजों में अतिथि संकाय के रूप में शामिल हुए कुछ उत्तीर्ण छात्रों ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को पहचानते हुए, विभाग में विभिन्न सामुदायिक सेवाएं करके समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ाव भी प्रदर्शित किया है। विभाग का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थी आधारित समग्र शिक्षा का सृजन करना है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान के वर्षों की संख्या/ नौकरी का अनुभव	पीएच.डी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. टिंकू डे (गोप)	एम.ए.बी.एड, पीएच.डी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	शिक्षक शिक्षा, समकालीन शिक्षा,	उच्च शिक्षा में 20 साल, स्कूली शिक्षा में 7 साल		05	17	-	34	3
डॉ. सुभाष सरकार	एमए, बीएड, पीएच.डी	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	शैक्षिक मनोविज्ञान, शिक्षा एवं सृजनात्मकता में मापन एवं मूल्यांकन	20 वर्ष		05	20	-	-	-
प्रियजीत देबनाथ	एम.ए., बी.एड, नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	9 महीने	-	-	-	-	-	-
वर्मोइया दार्लोंग	एम.ए., नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	9 महीने	-	-	-	-	-	-
प्रीतम रुद्र पॉल	एम.ए., स्लेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	9 महीने	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रोफेसर टिंकू डे (गोप)	शिक्षक	-	03	-
प्रो सुभाष सरकार	शिक्षक	01	01	-

3. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान /विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. टिंकू डे (गोप)	बीटीटीटीसी, आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।	5-6 मार्च 2024	बीटीटीटीसी, आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा।	सतत विकास लक्ष्य और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में शिक्षक शिक्षा पर मुख्य भाषण
प्रो सुभाष सरकार	शिक्षा विभाग, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत	चौथा दिन, सत्र-2 (15 फरवरी से 21 फरवरी, 2024 तक)	शिक्षा विभाग, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, भारत	सात दिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला बहु-विषयक अनुसंधान में अनुसंधान पद्धति और विश्लेषण
प्रो सुभाष सरकार	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर, 2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन: एक परिवर्तनकारी और सतत समाज की ओर, एक सत्र में अध्यक्ष के रूप में योगदान दिया
प्रो सुभाष सरकार	विद्या भारती शिक्षा समिति, त्रिपुरा	13/05/2024	विद्या भारती शिक्षा समिति, त्रिपुरा	आचार्य प्रशिक्षण वर्ग 2024 पर प्रभावी कक्षा शिक्षण
प्रो सुभाष सरकार	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कमलपुर, धलाई, त्रिपुरा	25 जून से 27 जून, 2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कमलपुर, धलाई, त्रिपुरा	शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान की अग्रिम अवधारणाओं पर 3- दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: ट्रांसफॉर्मिंग परफॉर्मेंस, वेलनेस एंड सोसाइटी (ICACPESS), एक सत्र में अध्यक्ष के रूप में योगदान दिया
प्रो सुभाष सरकार	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	19 जून से 20 जून, 2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	योग स्वास्थ्य और खुशी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, एक सत्र में अध्यक्ष के रूप में योगदान दिया
प्रो सुभाष सरकार	विद्या भारती शिक्षा समिति, त्रिपुरा	11 मई, 2024	विद्या भारती शिक्षा समिति, त्रिपुरा	उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया आचार्य प्रशिक्षण वर्ग 2024 विद्या भारती शिक्षा समिति, त्रिपुरा द्वारा आयोजित

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

विद्वानों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रदान/ सम्मानित
देबाशीष देबबर्मा	अंशकालिक	त्रिपुरा के उच्च माध्यमिक छात्रों के संदर्भ में लिंग संवेदनशीलता, स्कूल पर्यावरण, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षणिक प्राप्ति पर अध्ययन	प्रो टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
पूजा दास	अंशकालिक	पेरेंटिंग शैली, स्कूल पर्यावरण, शैक्षणिक उपलब्धि प्रेरणा और छात्रों के तनाव के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि पर अध्ययन	प्रो टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ

जयन्ती मालाकार	अंशकालिक	उच्च माध्यमिक छात्रों के पारिवारिक वातावरण, अध्ययन की आदतों और शैक्षणिक उपलब्धि प्रेरणा के संबंध में कैरियर आकांक्षाओं और कैरियर निर्णय लेने पर अध्ययन	प्रो टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
अब्दुल मलक मिया	अंशकालिक	अभी तक चयनित नहीं	प्रो टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
सुप्रदीप दत्ता	अंशकालिक	अभी तक चयनित नहीं	प्रो टिंकू डे (गोप)	कोर्स वर्क पूरा हुआ
जंतु दास	अंशकालिक	त्रिपुरा में जनरेशन जेड के छात्रों के बीच जोखिम लेने का व्यवहार, कथित रोजगार और अकादमिक लचीलापन: एक मिश्रित विधि दृष्टिकोण	प्रो सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
गौतम दास	अंशकालिक	शैक्षणिक प्रदर्शन के संबंध में किशोर छात्रों की चिंता, एकाधिक बुद्धि और व्यक्तित्व चरित्र	प्रो सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
नीलमणि चक्रवर्ती	अंशकालिक	पश्चिम त्रिपुरा के उच्च माध्यमिक छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि उनकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अध्ययन की आदतों और कैरियर परिपक्वता के संबंध में अध्ययन	प्रो सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
अभिजीत देब	अंशकालिक	अभी तक चयनित नहीं	प्रो सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ
सेनजुति देब	अंशकालिक	अभी तक चयनित नहीं	प्रो सुभाष सरकार	कोर्स वर्क पूरा हुआ

5. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	14/12/2023	एक दिन	एनईपी-2020 के आलोक में समावेशी शिक्षा	विशेष व्याख्यान	राष्ट्रीय	50

5.2 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
प्रोफेसर टिंकू डे (गोप)	पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक स्तर पर सीखने की वृद्धि पर राज्य पहल और सर्वोत्तम प्रथाओं पर सलाहकार बैठक	एनआईईपीए, नई दिल्ली	तीन दिवसीय	1-03 नोव्हेंबर 2023
प्रोफेसर टिंकू डे (गोप)	भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में शिक्षकों, व्यावसायिक मानकों, प्रबंधन और शिक्षक शिक्षा पर कार्यशाला	एनआईटीपीए, नई दिल्ली एनआईटी, अगरतला के सहयोग से	दो दिवसीय	22-23 फरवरी 2024
प्रो सुभाष सरकार	एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम प्रगति के रास्ते: विकसित के लिए एआई संचालित शिक्षा Bharat@2047	दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, भारत	एक सप्ताह	10 जून से 16 जून, 2024
प्रो सुभाष सरकार	राष्ट्रीय कार्यशाला उत्तर-पूर्व भारत में संकाय के डीन और विश्वविद्यालयों के विभाग के प्रमुखों के लिए नेतृत्व विकास	एनआईईपीए, नई दिल्ली शिक्षा विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम के सहयोग से	तीन दिवसीय	21 फरवरी से 23 फरवरी, 2024

6. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्थान	टिप्पणियां
प्रो सुभाष सरकार	सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रबंधन पुरस्कार	18 मार्च, 2024	शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन परिषद, एनईएचयू, शिलांग, भारत द्वारा शिक्षा संकाय त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के सहयोग से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में	नकद धन के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार

खेल के मामले में, इंटर यूनिवर्सिटी, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

इतिहास विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. मणिशंकर मिश्र
स्थापना वर्ष : 1977
प्रस्तावित कार्यक्रम : आईएमडी, एमए, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : आईएमडी -30, एमए - 88, पीएचडी- रिक्ति के अनुसार

विभाग की परिकल्पना : कला और वाणिज्य संकाय के अंग के रूप में इतिहास विभाग अपने छात्रों के बीच तर्कसंगत, वैज्ञानिक और महत्वपूर्ण वैचारिक कौशल की भावना विकसित करता है और विश्व, भारत और उत्तर पूर्व भारत के इतिहास के विभिन्न पहलुओं की समझ पैदा करने का प्रयास करता है। यह विभिन्न स्रोतों, ग्रंथों और सार्थक अंतःविषय जुड़ाव के वैज्ञानिक अन्वेषण के माध्यम से अर्वाचीन काल से समकालीन समय तक मानव समाज के विकास की समग्र समझ को बढ़ावा देता है। इसकी दृष्टि छात्रों और शोधकर्ताओं को हमारे वर्तमान और भविष्य को आकार देने में भूतकाल के महत्व के प्रति जागरूक करना है। यह छात्रों को वैश्वीकरण की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाने का प्रयास करता है ताकि उनमें अतीत के बारे में सीखने के लिए आजीवन लगन पैदा किया जा सके और इस तरह उन्हें अतीत, वर्तमान और भविष्य के परस्पर संबंध से अवगत कराया जा सके।

प्रमुख उपलब्धियां: इतिहास में स्नातकोत्तर कक्षाएं पहली बार मार्च 1976 में एमबीबी कॉलेज, अगरतला के पीजी विंग में शुरू हुईं। कलकत्ता विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र (सीयूपीजी अजजार) 1977 में अस्तित्व में आया, जिसमें इतिहास विभाग में एक छात्र था। 1987 में सीयूपीजी केंद्र को त्रिपुरा विश्वविद्यालय में परिवर्तित कर दिया गया। सबसे पहले, इतिहास विभाग को कलकत्ता विश्वविद्यालय के तहत आधुनिक इतिहास विभाग के रूप में जाना जाता था। बाद में, 2 अक्टूबर, 1987 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ, विभाग को अपने स्वयं के पाठ्यक्रम के साथ इतिहास विभाग के रूप में नाम दिया गया। 1997 में, विभाग ने भाग- I और भाग- II प्रणाली के साथ अपने पाठ्यक्रम को संशोधित किया। वर्ष 2004 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार इकाई प्रणाली के साथ पाठ्यक्रम को और संशोधित किया गया। केन्द्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तन के बाद, शैक्षिक सत्र 2008 से विभाग में एक सेमेस्टर प्रणाली शुरू की गई थी। विभाग के संकाय सदस्य और शोध विद्वान विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों में लगे हुए हैं। जो छात्र विशेष रूप से शिक्षण और अनुसंधान में रुचि रखते हैं, उन्हें यूजीसी-नेट परीक्षा के साथ-साथ एसईटी की तैयारी करने और पीएचडी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हाल ही में, एनईपी, 2020 को ध्यान में रखते हुए इतिहास के यूजी पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया है। विभाग में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इतिहास में प्रमुख शोध जोर के हिस्से के रूप में यूजीसी एसएपी के लिए आवेदन करने की योजना बना रहा है। वर्तमान में विभाग में 8 नियमित संकाय सदस्य (1-लिएन पर) और 02 (दो) गैर-शिक्षण कर्मचारी हैं। विभाग ने 28-29 नवंबर, 2023 को "जेंडर, कल्चर एंड कैपिटल अक्रॉस नॉर्थईस्ट इंडिया" शीर्षक से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रोफेसर सत्यदेव पोद्दार	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक (लिएन पर)	गांधी, उत्तर पूर्व भारत	33	01	01	-	-	-	-
प्रोफेसर सुखेंदु देबबर्मा	पीएच.डी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारतीय इतिहास/उत्तर पूर्व भारत	29	-	05	-	-	-	-

डॉ. मणिशंकर मिश्र	पीएच.डी	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारत, प्राकृतिक आपदाओं का इतिहास, त्रिपुरा	20	01	02	-	-	-	-
डॉ. लिंकन रियांग	पीएच.डी	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारत और त्रिपुरा का इतिहास	17	01	01	-	-	-	-
डॉ. रोशनी राय	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारतीय इतिहास/महिला अध्ययन	13	-	02	-	-	-	-
डॉ. बिदिशा धर	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक भारतीय इतिहास / श्रम इतिहास / लिंग इतिहास / आर्थिक इतिहास	8	-	03	-	-	-	-
डॉ. अभ्रदीप मुंशी	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्राचीन भारतीय इतिहास	5 (माह)	-	-	-	-	-	-
डॉ. रंजीता बड़ासेठ	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मध्यकालीन भारतीय इतिहास	5 (माह)	-	-	-	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा भाग लेने वाले सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. रोशनी राय	शिक्षक	-	2	-
डॉ. बिदिशा धर	शिक्षक	6	-	-
रेनेसा रियांग	शोधार्थी	-	1	-
जोनोमती रियांग	शोधार्थी	1	1	-
स्वाति चिंताला	शोधार्थी	-	3	-
दीप्ति देवी	शोधार्थी	-	2	-
अलम्पिक देबबर्मा	शोधार्थी	-	9	-
जेरेमियाह त्रिपुरा	शोधार्थी	-	1	-
एस्तेर टेरोन्पी	शोधार्थी	-	1	-
सहेली देबबर्मा	शोधार्थी	1	2	1
संदीप चक्रवर्ती	शोधार्थी	-	-	1

3. किसी भी संगोष्ठी/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दिया गया आमंत्रित वार्ता: -

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो सुखेंदु देबबर्मा	अगरतला	14/04/2024	अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ, ओएनजीसी, त्रिपुरा परिसंपत्ति,	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 133वीं जयंती में 'बी.आर. अम्बेडकर की प्रासंगिकता'
प्रो सुखेंदु देबबर्मा	मास्को	05/04/2024	-	की नोट संबोधन: "क्षेत्रीय-जातीय समुदाय और विस्थापित क्षेत्र: पूर्वोत्तर भारत" पर अंतरराष्ट्रीय गोलमेज का पूर्ण सत्र

प्रो सुखेंदु देबबर्मा	गरमुर, माजुली, असम	1/10/23 - 3/102023	नॉर्थ ईस्ट इंडिया वाटर टॉक 2.0,	"पानी के स्वदेशी दृष्टिकोण (ज्ञान और प्रबंधन)"
प्रो सुखेंदु देबबर्मा	अगरतला	24/06/2024	सिपार्ड	राज्य के बारे में परिचय: त्रिपुरा के प्रशासनिक इतिहास और संस्कृति के विशेष संदर्भ में एक नज़र में त्रिपुरा
डॉ. लिंकन रियांग	चांदमारी, लांगतलाई, मिजोरम	01-2 मई' 2024	-	ब्रू (रियांग) का इतिहास
डॉ. मणिशंकर मिश्र	कमालपुर	03/10/2023	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज	गांधी की आधुनिकता: प्रासंगिक या अप्रासंगिक
डॉ. मणिशंकर मिश्र	अगरतला	23/01/2024	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय	नेताजी सुभाष चंद्र बोस
डॉ. बिदिशा धर	होली क्रॉस कॉलेज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा पश्चिम, 799210	1 मई, 2024	-	श्रम का इतिहास: परिवर्तन और निरंतरता

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रबंधित/सम्मानित
दीप्ति देवी	अंशकालिक	धर्म और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ के विशेष संदर्भ में अविभाजित दरांग जिला, असम के पुरातात्विक अवशेष (प्रारंभिक समय से 12 वीं शताब्दी ईस्वी तक)	प्रो सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
प्रदीप देबबर्मा	अंशकालिक	शिक्षा के क्षेत्र में ईसाई मिशनरियों का योगदान, 1943-2018	प्रो सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
एस्तेर तेरोन्पी	पूर्णकालिक	दीमा हसाओ (असम) की जनजातियों की पारंपरिक वेशभूषा और गहने: एक ऐतिहासिक अध्ययन	प्रो सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
गीता रानी दास	अंशकालिक	असम के कामरूप जिले के ब्रह्म संहति के सत्र: एक सामाजिक-सांस्कृतिक अध्ययन	प्रो सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकृत
अलम्पिक देबबर्मा	पूर्णकालिक	पारंपरिक त्रिपुरी संस्कृति और व्यंजनों में एक ऐतिहासिक अंतर्दृष्टि	प्रो सुखेंदु देबबर्मा	पंजीकरण की प्रक्रिया के तहत
सुस्मिता बनर्जी	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में जनजातीय महिलाओं का इतिहास	डॉ. लिंकन रियांग	थीसिस से प्रदत्त गया
सजल नाम	अंशकालिक	त्रिपुरा पर विभाजन का प्रभाव (1947-1971)	डॉ. मणिशंकर मिश्र	थीसिस से प्रदत्त गया
राजीब दास	अंशकालिक	त्रिपुरा में आंतरिक विस्थापन (1972-2018)	डॉ. मणिशंकर मिश्र	पंजीकृत
संदीप चक्रवर्ती	अंशकालिक	सूरमा-बराक घाटी का इतिहास और इतिहासकार (1860-1960 के दशक)	डॉ. मणिशंकर मिश्र	पंजीकरण की प्रक्रिया के तहत
स्वाति चिंतला	पूर्णकालिक	स्वतंत्रता आंदोलन की पुनर्वीक्षा: आजाद हिंद फौज में तमिलों की भूमिका और योगदान पर एक अध्ययन	डॉ. रोशनी राय	पंजीकृत
सहेली देबबर्मा	पूर्णकालिक	हिल टिप्पेराह की अर्थव्यवस्था: एक ऐतिहासिक अध्ययन (1871-1949)	डॉ. रोशनी राय	पंजीकृत

रेनेसा रियांग	पूर्णकालिक	त्रिपुरा में जनजातीय प्रशासनिक प्रणाली: परिवर्तन और निरंतरता: 1860-1999	डॉ. बिदिशा धर	पंजीकृत
गोपाल चंद्र दास	पूर्णकालिक	छोटा नागपुर परिक्षेत्र में कुष्ठ रोग की भेद्यता: उपचार, नागरिक समाज और राज्य (1872-1955)	डॉ. बिदिशा धर	पंजीकृत
जेरेमियाह त्रिपुरा	अंशकालिक	त्रिपुरा का पर्यावरण इतिहास	डॉ. बिदिशा धर	पंजीकरण की प्रक्रिया के तहत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	28-29 नवंबर' 2023	02 दिन	पूर्वोत्तर भारत में लिंग, संस्कृति और पूँजी	कार्यगोष्ठी	अंतरराष्ट्रीय	20

5.2 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो सत्यदेव पोद्दार	नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
प्रो सुखेंदु देबबर्मा*	नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
	मिज़ो हिस्ट्री एसोसिएशन, आइजोल	आजीवन सदस्य
डॉ. मणिशंकर मिश्र	नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
डॉ. लिंकन रियांग	नॉर्थ ईस्ट इंडिया हिस्ट्री एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
डॉ. बिदिशा धर	उत्तर पूर्व भारत राजनीति विज्ञान एसोसिएशन	वार्षिक सदस्य
डॉ. रंजीता बड़ासेठ	भारतीय इतिहास कांग्रेस	वार्षिक सदस्य

*सदस्य, सलाहकार समिति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए)-पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी), गुवाहाटी

5.3 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. रोशनी राय	एनईपी 2020 अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम पर संकाय विकास कार्यक्रम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	2 सप्ताह	11- 22 मार्च, 2024
डॉ. रंजीता बड़ासेठ	एनईपी 2020 अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम पर संकाय विकास कार्यक्रम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	2 सप्ताह	11- 22 मार्च, 2024
डॉ. रंजीता बड़ासेठ	उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	5 दिवसीय	27- 31, मई, 2024
डॉ. अभ्रदीप मुंशी	एनईपी 2020 अभिमुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम पर संकाय विकास कार्यक्रम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	2 सप्ताह	11- 22 मार्च, 2024

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: पूर्वोत्तर **भारत का इतिहास, त्रिपुरा का इतिहास, पर्यावरण इतिहास**

7. नई पहल/नवाचार: **एनईपी-2020 के अनुसार यूजी/आईएमडी पाठ्यक्रम का संशोधन**

लिबरल आर्ट्स विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. लिपिका रॉय
स्थापना वर्ष : 2019
प्रस्तावित कार्यक्रम : पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स
प्रवेश क्षमता : 33

विभाग का विजन: विभागीय दृष्टि रचनात्मक और सामूहिक कल्पना को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को समग्र और अनुभवात्मक शिक्षा की ओर प्रेरित करना है। विभाग प्रभावशाली समाधान, समझ और एक बहु-विषयक दृष्टिकोण के लिए सामाजिक लाभ के लिए सामाजिक और पर्यावरणीय चिंताओं को बढ़ावा देना चाहता है। लिबरल आर्ट्स शिक्षा सामग्री, विधि और सैद्धांतिक दृष्टिकोण की समझ और विभिन्न विषयों के कौशल वृद्धि दृष्टिकोण के साथ-साथ अनुशासनात्मक सीमाओं में ज्ञान को एकीकृत करने की क्षमता को प्रोत्साहित करना चाहती है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच.डी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. लिपिका रॉय	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लिंग अध्ययन, संघर्ष और प्रवासन अध्ययन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. सुदीप्त दास	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्रबंधन और विकास, उद्यमिता और विकास, सीएसआर, समाजशास्त्र के मूल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. सुजीत देबनाथ	पीएचडी, यूजीसी नेट (3 बार), एसईटी (एनई क्षेत्र), जेआरएफ (आईसीपीआर)	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	आधुनिक पश्चिमी दर्शन	3 वर्ष 8 महीने	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
डॉ. नीरज कुमार	पीएच.डी जाल	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	एटनोग्राफी लोक कला और प्रदर्शन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा भाग लेने वाले सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. सुदीप्ता दास	शिक्षक	01	-	-

3. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. लिपिका रॉय	मुंबई (ऑनलाइन)	13/03/2024	इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) के साथ थिंक इंडिया	संघर्षरत क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति

4. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

4.1 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. सुजीत देबनाथ	भारतीय दार्शनिक कांग्रेस	आजीवन सदस्य

4.2 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. सुदीप्ता दास	उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम	उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	5 दिन	27/05/2024 से 31/05/2024
डॉ. सुजीत देबनाथ	उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम	उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	5 दिन	27/05/2024 से 31/05/2024
डॉ. नीरज कुमार	एफडीपी एनईपी- 2020 पर अभिविन्यास और संवेदीकरण	एमएम-टीटीपी (सी) हैदराबाद विश्वविद्यालय	9 दिन	23 मई से 31 मई 2024

दर्शनशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रोफेसर मोहन देबबर्मा
स्थापना वर्ष : 1994
प्रस्तावित कार्यक्रम : आईएमडी, पीजी और पीएचडी
प्रवेश क्षमता : 95 (पीजी 80 + 15 आईएमडी)

विभाग का दृष्टिकोण: आलोचनात्मक सोच के संयोजन के माध्यम से सभी विषयों की जननी के रूप में दर्शनशास्त्र के महत्व को संवेदनशील बनाना, सैद्धांतिक कौशल और इसके अनुरूप अभ्यास को प्रोत्साहित करना, बड़े पैमाने पर समाज को समृद्ध करना।

विभाग का मिशन: 1. आत्म-मूल्यांकन, जवाबदेही और आत्म-प्रेरणा को प्रोत्साहित करने के लिए शास्त्रीय भारतीय और पश्चिमी दर्शन, जनजातीय संस्कृति और धर्म और दार्शनिक परामर्श में अध्ययन केंद्र शुरू करना। 2. त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों/ संस्थानों में अनुप्रयुक्त नैतिकता पर दर्शनशास्त्र संगोष्ठी/ कार्यशालाएं आयोजित करना। 3. विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र शिक्षण, सीखने और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक वातावरण को प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना।

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग ने सम्मेलन, संगोष्ठी, व्याख्यान, कार्यशालाएं आदि आयोजित की हैं। शिक्षक दिवस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में हर साल यह विभाग अपनी स्थापना के बाद से सेमिनार, चर्चा, व्याख्यान कार्यक्रम आदि का आयोजन और व्यवस्था कर रहा है। 2016 में, दर्शनशास्त्र विभाग ने विश्वविद्यालय के छात्रों, शोध विद्वानों और संकायों के बीच अकादमिक जुड़ाव को विकसित करने के लिए पीयर ग्रुप एकेडेमिया नामक एक चर्चा मंच की शुरुआत की थी। इस विभाग ने महान दार्शनिक सुकरात के जन्म दिवस मनाने के लिए नवंबर के महीने में विश्व दर्शन दिवस भी मनाना शुरू किया। विभाग अपने दीर्घावधिक दृष्टि के तहत भविष्य में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) शुरू करने की योजना बना रहा है। विभाग निकट भविष्य में "प्रत्यय" नामक अपनी पत्रिका को भी जारी रखने जा रहा है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच.डी. मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. मोहन देबबर्मा	एम.ए. पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	संस्कृति और धर्म का दर्शन, समकालीन भारतीय दर्शन, नैतिकता, पश्चिमी दर्शन	27 वर्ष 4 महीने 12 दिन	8 (आठ)	7 (सात)	-	-	-	-
डॉ. सत्यदेव मिश्र	एम.ए. पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	भारतीय दर्शन	6 महीने 10 दिन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. अरूप ज्योति शर्मा	एम.ए. पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक (स्टेज -III)	पूर्णकालिक	नैतिकता, पश्चिमी दर्शन	14 वर्ष 5 महीने	5 (पांच)	04 (चार)	शून्य	शून्य	01	1
डॉ. भूपेश देबबर्मा	एम.ए. पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक (स्टेज -III)	पूर्णकालिक	संस्कृति और धर्म का दर्शन, और नैतिकता,	14 वर्ष 4 महीने	शून्य	04 (चार)	शून्य	शून्य	-	-

डॉ. सिंधु पौडयाल	एम.ए. पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	समकालीन पश्चिमी दर्शन	8 वर्ष 8 महीने	शून्य	03 (दो)	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. राखी सूत्रधार	एम.ए. पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	समकालीन भारतीय दर्शन और नैतिकता	7 महीने 8 दिन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानो/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	शिक्षक	-	2	1
डॉ. सत्यदेव मिश्र	शिक्षक	-	3	-
डॉ. अरूप ज्योति शर्मा	शिक्षक	1	3	3
डॉ. भूपेश देबबर्मा	शिक्षक	6	4	शून्य
डॉ. सिंधु पौडयाल	शिक्षक	4	5	1
डॉ. राखी सूत्रधार	शिक्षक	-	-	2
बेरोलीका देबबर्मा	शोधार्थी	-	1	1
शांतराज देबबर्मा	शोधार्थी	-	2	2
नीतीश देबबर्मा	शोधार्थी	3	3	-
अपु दास	शोधार्थी	-	-	1
गोबिंदा भट्टाचार्य	शोधार्थी	-	2	-
निमाई सरकार	शोधार्थी	-	1	-
मदन क्र. त्रिपुरा	शोधार्थी	-	2	-
प्रबीर त्रिपुरा	शोधार्थी	-	1	1
नुरुल इस्लाम	शोधार्थी	1	1	-
नेमगाईथेम दौन्गेल	शोधार्थी	-	5	-
साहिना अख्तर मजूमदार	शोधार्थी	-	1	-
हिमाद्री सिंघा	शोधार्थी	-	1	-
स्वर्णाली मोखापाध्याय	शोधार्थी	-	8	-
देबज्योति गुप्ता	शोधार्थी	3	2	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	वीमेंस कॉलेज, अगरतला, त्रिपुरा	24 - 25 नवंबर 2023	वीमेंस कॉलेज, अगरतला, त्रिपुरा	अनुप्रयुक्त नैतिकता को समझना साहित्यिक और साइबर नैतिकता का विशेष संदर्भ
प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	दशरथ भवन, अगरतला	23rd नवंबर 2023	जनजातीय कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार	बिरसा मुंडा का जीवन इतिहास और प्रतिबद्धता
प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कमालपुर, त्रिपुरा	23 -24 मार्च, 2024	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, कमालपुर, त्रिपुरा	भारतीय दर्शन और सतत पर्यावरण का विचार
सिंधु पौडयाल	सिलचर, असम	27/10/2023-2/11/2023	असम विश्वविद्यालय	*चेतना अध्ययन में प्रगति: भारतीय और क्रॉस-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य* '

सिंधु पौडयाल	मॉस्को, रूस	26-27 अक्टूबर, 2023	मास्को विश्वविद्यालय	आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश: भारत के सनातन परिवार का विश्लेषण
सिंधु पौडयाल	पश्चिम बंगाल	30/1/2024-1/2/2024	रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय	"वैदिक परंपरा और श्री श्री आनंदमूर्तिजी: आधुनिक परिप्रेक्ष्य में"
सिंधु पौडयाल	त्रिपुरा	21/2/2024	माइक्रोबायोलॉजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	"भोजन केवल शरीर के लिए नहीं है: शास्त्रीय भारतीय दार्शनिक परंपरा से एक विश्लेषण
सिंधु पौडयाल	नई दिल्ली	24/2/2024-25/2/2024	दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज	"भारतीय ज्ञान प्रणाली और पतंजलि के योग सूत्र के माध्यम से स्वयं को समझने के तरीकों की खोज"
सिंधु पौडयाल	उत्तराखंड	18/3/2024-30/3/2024	हिमालयन यूनिवर्सिटी, देहरादून	लिबरल आर्ट में महत्वपूर्ण और नैतिक शिक्षण
सिंधु पौडयाल	गया, बिहार	2/4/2024-4/4/2024	पीजी दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया	"रामचरितमानस के "राजा राम" और गणतंत्र के "दार्शनिक राजा" की संरचनात्मक कथा"
सिंधु पौडयाल	मुंबई	3/6/2024-4/6/2024	आईआईटी बॉम्बे	"भगवद्गीता *और* रामचरितमानस *में क्रिया, एजेंसी और नॉर्मेटिविटी का दर्शन"*
सिंधु पौडयाल	कश्मीर	10/6/2024-12/6/2024	कश्मीर विश्वविद्यालय	"भारतीय ज्ञान प्रणाली और मध्यकालीन साहित्य: एक दार्शनिक पुनरुद्धार के लिए आमंत्रण"
सिंधु पौडयाल	लेह, लद्दाख	19/6/2024	संस्कृत और बौद्ध दर्शन विभाग, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह	"बौद्ध धर्म की घटनापरक समझ"

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रबंधित/सम्मानित
दीपांविता चक्रवर्ती	अंशकालिक	एम.के. गांधी की शांति की विचारधारा - एक दार्शनिक अध्ययन	प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	प्रदत्त
मेलोडी लालनुनसांगी दारलोंग	अंशकालिक	ईसाई धर्म और त्रिपुरा का दार्लोंग समुदाय - एक सामाजिक-दार्शनिक अध्ययन	प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	प्रदत्त
सिबकांत दास	अंशकालिक	गांधीवादी और मार्क्सवादी नैतिकता: एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. बी. सी. पाल और प्रो. मोहन देबबर्मा	प्रदत्त
बिप्लब चंद्र दास	अंशकालिक	कार्य-कारण और स्वतंत्रता - बौद्ध परिप्रेक्ष्य (एक विश्लेषणात्मक अध्ययन)	प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	प्रस्तुत की गई थीसिस
सुपर्णा देबरॉय	अंशकालिक	एमके गांधी के विशेष संदर्भ के साथ सत्य और ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का एक अध्ययन	प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	प्रस्तुत की गई थीसिस
बेरोलिका देबबर्मा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के स्वदेशी लोगों का इको-फिलॉसफी - एक सामाजिक-विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. भूपेश देबबर्मा	प्रस्तुत की गई थीसिस
नुरुल इस्लाम	पूर्णकालिक	समाज और सोशल मीडिया: एप्लाइड एथिक्स में एक अध्ययन	प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	सारांश प्रस्तुत और पंजीकरण प्रक्रियाधीन है
नेमंगाइथेम दौगेल	पूर्णकालिक	मणिपुर के कुकी समुदाय के संदर्भ में पारंपरिक मानव-प्रकृति संबंध - पर्यावरण नैतिकता का एक अध्ययन	प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	सारांश प्रस्तुत और पंजीकरण प्रक्रियाधीन है

साहिना अख्तर मजूमदार	पूर्णकालिक	टैगोर के विचार में मनुष्य की प्रकृति और उसकी नियति का एक विवरण	डॉ. अरूप ज्योति शर्मा	सारांश प्रस्तुत और पंजीकरण प्रक्रियाधीन है
हिमाद्री सिंघा	पूर्णकालिक	मनुष्य का आध्यात्मिक विकास: श्री अरबिंदो के दर्शन में एक अध्ययन	डॉ. अरूप ज्योति शर्मा	सारांश प्रस्तुत और पंजीकरण प्रक्रियाधीन है
स्वर्णाली मोखापाध्याय	अंशकालिक	व्यक्तिगत पहचान की समस्या में एक अध्ययन जिसमें अलग-अलग अस्तित्व पर विशेष जोर दिया गया है	डॉ. अरूप ज्योति शर्मा	सारांश प्रस्तुत और पंजीकरण प्रक्रियाधीन है
देबज्योति गुप्ता	पूर्णकालिक	मिशेल फौकॉल्ट का प्रवचन, ज्ञान और शक्ति: एक दार्शनिक विश्लेषण	डॉ. सिंधु पौडयाल	सारांश प्रस्तुत और पंजीकरण प्रक्रियाधीन है

5. विभाग का आउटरीच फुटप्रिंट: हां (8 जुलाई, 2023 को टीयू गोद लिए गए गांव, बल्लापुर में दर्शनशास्त्र विभाग के छात्रों द्वारा आयोजित सामाजिक विस्तार गतिविधि)

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1	07.07.2023	1 दिन	प्रो कांतिलाल दास	विट्गेन्स्टाइन की दार्शनिक जांच के प्रकाश में अर्थ का उपयोग सिद्धांत	राष्ट्रीय	122

5.2 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो मोहन दे बरमा	आईपीसी (इंडियन फिलॉसॉफिकल सोसाइटी)	आजीवन सदस्यता
प्रोफेसर मोहन देबबर्मा	एनईएचयूएए (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी एलुमनी एसोसिएशन)	आजीवन सदस्यता
डॉ. सत्यदेव मिश्र	भारतीय दार्शनिक कांग्रेस	आजीवन सदस्य
डॉ. सत्यदेव मिश्र	ऑल इंडिया फिलॉसफी एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
डॉ. सत्यदेव मिश्र	दरसाना परिषद (म.प्र. और छत्तीसगढ़)	आजीवन सदस्य
डॉ. सत्यदेव मिश्र	श्री अरबिंदो सोसायटी	05 वर्ष
डॉ. भूपेश देबबर्मा	आईपीसी (इंडियन फिलॉसॉफिकल सोसाइटी)	आजीवन सदस्यता
डॉ. भूपेश देबबर्मा	एनईएचयूएए (नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी एलुमनी एसोसिएशन)	आजीवन सदस्यता

5.3 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. भूपेश देबबर्मा	एनईपी 2020 विश्वविद्यालय अनुदान योग (यूजीसी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएम - टीटीपी) के तहत अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय द्वारा आयोजित	10 दिन	22/1/2024 से 31/1/2024

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: भारतीय दर्शन, पश्चिमी दर्शन, नैतिकता, संस्कृति और धर्म का दर्शन।

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र: 01

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**
रुमान देबनाथ	पुरुष	ओबीसी	हाँ	यूजीसी	जाल

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र.

8. कोई अन्य उपलब्धियां:

(क) **डा सत्यदेव मिश्र, सह-प्राध्यापक ने निम्नलिखित सेमिनारों में शोधपत्र प्रस्तुत किए।**

1. 28 फरवरी, 2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित "राजभाषा हिंदी कार्यक्रम (संदर्भ पूर्वोत्तर भारत)" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"राजभाषा हिंदी का समष्टिवादी दृष्टिकोण और पूर्वोत्तर भारत"* पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
2. 4-5 मार्च, 2024 को आयोजित आईसीपीआर, नई दिल्ली और हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा द्वारा आयोजित "पूर्वोत्तर भारत का भक्ति साहित्य और भारतीय दर्शन" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में *"भक्ति आंदोलन और शुद्धद्वैतवेदांत दर्शन: प्रासंगिकता एवं उपदेयता"* पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
3. 15 मार्च, 2024 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा में आयोजित भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "भारतीय भाषा सम्मेलन, त्रिपुरा" में भाग लिया।

(ख) विभागों के पीएचडी शोधार्थियों के 10 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं।

(ग) विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श कक्षाएं सप्ताह में एक बार आयोजित की जाती हैं।

(घ) विभाग के पीएचडी अध्येताओं द्वारा नेट/स्लेट कोचिंग कक्षाएं विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए सप्ताह में एक बार/दो बार आयोजित की जाती हैं।

राजनीति शास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. गौतम चकमा
स्थापना वर्ष : 1994
प्रस्ताव पर कार्यक्रम : आईएमडी, एमए, पीएचडी
सेवन क्षमता : एमए: 80, आईएमडी: 20, पीएचडी: 22

विभाग का दृष्टिकोण: क्षेत्रीय जोर के साथ राजनीति विज्ञान के विषय में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में विकसित करना

प्रमुख उपलब्धियां: विभाग के संकाय सदस्यों ने मूल्यांकन अवधि के दौरान राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक के पास पुस्तकें, पत्रिकाओं में लेख और संपादित पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए हैं। संकाय सदस्यों ने भी कागजात प्रस्तुत किए हैं, एक सहारा व्यक्ति के रूप में काम किया है, और कई संस्थानों में सेमिनार/ सम्मेलनों में व्याख्यान/ वार्ता देने के लिए आमंत्रित किया गया है। विभागों के छात्रों ने नेट/एसएलईटी और अन्य राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति योजनाओं में अर्हता प्राप्त की है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	जारी		
डॉ. गौतम चकमा (विभागा)	पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	दक्षिण एशियाई आर्थिक और संस्थागत व्यवस्था के संदर्भ में जनसंख्या विस्थापन	37	-	04	-	-	-	-
डॉ. अलक भट्टाचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	राजनीतिक विचार, राजनीति और विकास	21	-	05	-	-	-	-
प्रो. चंद्रिका बसु मजूमदार	एम फिल / पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लैंगिक अध्ययन और मानवाधिकार	41	-	02	-	-	-	-
डॉ. वनलालमुआना दारलांग	एमए, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लोक प्रशासन, विकास अध्ययन	17	-	02	-	-	-	-
डॉ. बिप्लब देबनाथ	एम.फिल, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	अंतरराष्ट्रीय संबंध	14	-	03	-	-	-	-
अनिंद्य सरकार	एमए, नेट	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	भारतीय राजनीति	08	-	-	-	-	-	-

**उल्लेख अनिवार्य*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. गौतम चकमा	शिक्षक	-	03	-
डॉ. वनलामुआना दारलांग	शिक्षक	-	03	-
डॉ. बिप्लब देबनाथ	शिक्षक	01	03	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	खजूर	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो अलक भट्टाचार्य	अगरतला	11/02/24	ऑल त्रिपुरा गेस्ट लेक्चरर्स एसोसिएशन	एनईपी 2020 का कार्यान्वयन

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/ थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

विद्वानों के नाम	अंशकालिक/पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध जारी/सम्मानित
तुनीर घोषाल	पूर्णकालिक	-	प्रो अलक भट्टाचार्य	कोर्स वर्क सम्पन्न
निकिता राय	पूर्णकालिक	-	डॉ. गौतम चकमा	कोर्स वर्क सम्पन्न
राजा लोहार	पूर्णकालिक	-	डॉ बिप्लब देबनाथ	कोर्स वर्क सम्पन्न
मोनिका मोलसोम	पूर्णकालिक	-	डॉ. वी. एम. दारलांग	कोर्स वर्क सम्पन्न

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
01	05-06 फरवरी, 2024	02 दिन	सुरक्षा, विकास और पहचान: उत्तर-पूर्व भारत की राजनीति में प्रतियोगिताएं और अभिसरण	सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय	120

5.2 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो अलक भट्टाचार्य	भारतीय राजनीति विज्ञान संघ	आजीवन सदस्य
	पश्चिम बंगाल राजनीति विज्ञान एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
गौतम चकमा	असम राजनीति विज्ञान एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
	पूर्वोत्तर राजनीति विज्ञान एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
बिप्लब देबनाथ	भारतीय राजनीति विज्ञान संघ	आजीवन सदस्य
बिप्लब देबनाथ	अंतरराष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ	ग्लोबल साउथ सदस्य
बिप्लब देबनाथ	एशियाई और प्रशांत अध्ययन के इंडियन एसोसिएशन	कार्यकारी समिति के सदस्य

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र:
   - पूर्वोत्तर की राजनीति
   - राजनीति और विकास

- जनजातीय विकास
- लिंग अध्ययन
- अंतरराष्ट्रीय संबंध
- मानवाधिकार

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
आशिम नाथ	पुरुष	अपिव	नहीं	यूजीसी	नेट
प्रियंका डे	महिला	सामान्य	नहीं	यूजीसी	स्लेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र

मनोविज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो नूतनकुमार एस. थिंगुजाम
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्ताव पर कार्यक्रम : एमए मनोविज्ञान; पीएचडी मनोविज्ञान
सेवन क्षमता : एमए मनोविज्ञान के लिए 22 + 2 ईडब्ल्यूएस;
पीएचडी मनोविज्ञान के लिए यूजीसी नियम के अनुसार

विभाग का दृष्टिकोण: विभाग शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ और कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों को बनाने के अंतिम उद्देश्य के साथ तनावग्रस्त समाज में मानसिक स्वास्थ्य की चिंताओं को दूर करने के लिए रणनीतियों को सीखने और नवाचार करने के लिए छात्रों को अध्ययन, अनुसंधान करने को प्रोत्साहित और सुसज्जित करने के लिए एक अनुकूल शैक्षणिक वातावरण की परिकल्पना करता है।

प्रमुख उपलब्धियां:

1) रोजगार योग्य छात्रों का निर्माण;
2) विदेशी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित संकाय;
3) संकायों संयुक्त शोध पत्र के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने के लिए जारी.

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
नूतनकुमार एस. थिंगुजाम	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सामाजिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान	22	टीयू- 1 पूरा हो गया है	6	4	-	1075	13
अंजना भट्टाचार्जी	पीएच.डी.	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	किशोरों, युवा वयस्कों और महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक मनोविज्ञान	16 वर्ष	7	2	10 (शैक्षिक वर्ष के दौरान)	-	264	9
राजेश गणेशन	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक (स्टेज II)	पूर्ण-कालिक	व्यवहार संशोधन	22 वर्ष	8 (आज तक)	1	4	-	19	3

**उल्लेख अनिवार्य*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला की संख्या में भाग लिया		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
अलीशा छेत्री	शोधार्थी	2	0	-

कंचन देवी	शोधार्थी	-	1	-
ऋषिका बरुआ	शोधार्थी	-	1	-
अरुंधति रॉय	शोधार्थी	-	2	-
मौतुषी भौमिक	शोधार्थी	1	2	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	खजूर	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	वियतनाम	18.10.2023	सामाजिक विज्ञान और मानविकी विश्वविद्यालय - वियतनाम नेशनल यूनिवर्सिटी, हनोई, वियतनाम	आत्महत्या की रोकथाम
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	21-22 मार्च 2024	महिला अध्ययन केंद्र, टीयू द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	महिलाओं के बीच लिंग भेदभाव और मानसिक स्वास्थ्य संकट: स्वास्थ्य देखभाल में प्रतिमान बदलाव की आवश्यकता
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	वेबिनार (ऑनलाइन प्लेटफार्म)	04.01.2024	सक्षम और वात्सल्य ट्रस्ट, मुंबई ने विकलांगता में प्रारंभिक हस्तक्षेप और पुनर्वास प्रक्रियाओं पर 3 दिवसीय आभासी कार्यशाला का आयोजन किया	प्रारंभिक हस्तक्षेप और पुनर्वास का महत्व (उद्घाटन सत्र में)
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	वेबिनार (ऑनलाइन प्लेटफार्म)	27.11.2023	महिला विकास अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली 16 विश्वविद्यालयों के सहयोग से 16 दिनों की सक्रियता थीम: "UNITE! महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए निवेश करें! #No बहाना" 25.11.2023 - 10.12.2023	महिलाओं के खिलाफ हिंसा: मनोवैज्ञानिक घटना को समझना
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	वेबिनार (ऑनलाइन प्लेटफार्म)	4 अगस्त 2023	मनोविज्ञान में यूजी, पीजी कार्यक्रम और करियर पर राष्ट्रीय वेबिनार एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल एंड एलाइड साइंसेज, मुंबई द्वारा आयोजित	सैन्य मनोविज्ञान में करियर
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	लैंड पोर्ट, अगरतला	14.06. 2024	लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया	लिंग संवेदीकरण और लिंग मुख्यधारा
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरेश्वरी विद्यामंदिर, गांधीग्राम, त्रिपुरा	16/05/2024	7 दिनों में संसाधन व्यक्ति आचार्य प्रशिक्षण वर्ग (शिक्षक') प्रशिक्षण शिविर), 2024 विद्या भारती शिक्षा समिति त्रिपुरा द्वारा आयोजित	कक्षा पर्यावरण और शैक्षिक प्रबंधन: शिक्षकों की भूमिका
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	लैंड पोर्ट, अगरतला	24.04.2024	लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया	लिंग संवेदीकरण
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	सम्मेलन हॉल, समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार	16 मार्च 2024	समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार	क्षमता निर्माण और तनाव प्रबंधन
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	एम.बी.बी एयरपोर्ट, अगरतला	08.03.2024	एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एमबीबी एयरपोर्ट, अगरतला	लैंगिक संवेदीकरण के माध्यम से समावेश को प्रेरित करना

प्रो. अंजना भट्टाचार्य	कुंजबन, अगरतला, त्रिपुरा	01.03.2024	बाल अधिकार संरक्षण के लिए त्रिपुरा आयोग (टीसीपीसीआर) ने एनसीपीसीआर के सहयोग से परीक्षा पर्व 6.0	परीक्षा की चिंता और तनाव का प्रबंधन: शिक्षकों की भूमिका
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	18वां सरस मेला, अंतरराष्ट्रीय मेला मैदान, हापनिया, त्रिपुरा	03.01.2024	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	जीवन कौशल और व्यवहारवादी मनोविज्ञान के संदर्भ में त्रिपुरा में महिला एसएचजी
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	22.12.2023	महिला अध्ययन केंद्र टीयू द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन	कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरेश्वरी विद्यामंदिर, गांधीग्राम, त्रिपुरा	11.11.2023	त्रिपुरेश्वरी वंदिर, गांधीग्राम द्वारा 'पुत्र-मातृ सम्मेलन' का आयोजन	बालिका की देखभाल कैसे करें?
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरा (वेबिनार)	7.10.23	त्रिपुरा की स्वैच्छिक स्वास्थ्य एसोसिएशन	बाल शोषण और उपेक्षा को रोकना
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरा	29.8.23	द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी त्रिपुरा महिला आयोग	एक दोस्ताना माहौल में पुलिस और पीड़ितों के बीच सकारात्मक संचार बनाएं
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरा	28.8.2023	एम.बी.बी. विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा	छात्रों के बीच अवसाद और आत्महत्या की रोकथाम
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	जिरानिया, त्रिपुरा	15 जुलाई 2023	10वीं टीएसआर बटालियन जिरानिया	तनाव प्रबंधन
प्रो. अंजना भट्टाचार्य	टीएसआर 7 त्रिपुरा	12 जुलाई 2023	7 वीं टीएसआर बटालियन जम्पुइजाला	तनाव का प्रबंधन

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

विद्वानों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रबंधित/सम्मानित
कंचन देवी	पूर्णकालिक	असम में चाय बागान श्रमिकों के बीच जीवन संतुष्टि के सूचकांक	प्रो नूतनकुमार एस. थिंगुजाम	पंजीकृत
ऋषिका बरुआ	पूर्णकालिक	असम के युवा वयस्कों के बीच शराब का उपयोग और शराब की लालसा	प्रो नूतनकुमार एस. थिंगुजाम	पंजीकृत
तातिनी घोष	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के युवाओं के बीच आत्मघाती विचारधारा के सूचकांक	प्रो अंजना भट्टाचार्जी	प्रदत्त
अरुंधति रॉय	पूर्णकालिक	त्रिपुरा के स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच अत्यधिक इंटरनेट उपयोग के सूचकांक	प्रो अंजना भट्टाचार्जी	पंजीकृत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	11/5/2024	दो घंटे	परीक्षा तनाव और चिंता के प्रबंधन पर एक जागरूकता कार्यक्रम	वेबिनार	संस्थागत	100

2.	03/12/2023	दो घंटे	पर व्याख्यान समावेश के लिये संघर्ष: विकलांग लोगों के संदर्भ में	वेबिनार	संस्थागत	100
3.	12/09/2023	चार घंटे	आत्महत्या की रोकथाम पर जागरूकता कार्यक्रम	परिसंवाद	संस्थागत	140

5.2 ई-पीजी पाठशाला, एनएमई-आईसीटी, एमओओसी जैसे ई-सामग्री निर्माण/कार्यक्रमों में भागीदारी:

क्र.सं.	संकाय के नाम	ई-सामग्री का शीर्षक	घंटों की संख्या	उपलब्ध है या नहीं
1	डॉ. राजेश गणेशन	सकारात्मक मनोविज्ञान	पेपर क्रेडिट के अनुसार	https://positivepsykologi.blogspot.com/ (पंजीकृत द्वितीय सेमेस्टर छात्रों को ईमेल करने के लिए उपयोगकर्ता पहुंच प्रदान की गई)
2	डॉ. राजेश गणेशन	अनुसंधान क्रियाविधि	पेपर क्रेडिट के अनुसार	https://researchmethodus.blogspot.com/ (पंजीकृत द्वितीय सेमेस्टर छात्रों को ईमेल करने के लिए उपयोगकर्ता पहुंच प्रदान की गई)
3	डॉ. राजेश गणेशन	स्वास्थ्य मनोविज्ञान	पेपर क्रेडिट के अनुसार	https://ehealthcop.blogspot.com/ (पंजीकृत IV सेमेस्टर छात्रों को ईमेल करने के लिए उपयोगकर्ता पहुंच प्रदान की गई)

5.3 उद्योग/गैर सरकारी संगठन/सरकारी संगठन के साथ संपर्क: (संकायों के लिए)

क्र.सं.	संकाय के नाम	उद्योग/ एनजीओ का नाम	उद्योग का स्थान	एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए? (हाँ/ नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ? (यदि हाँ तो मूल्य लाखों में)	छात्र को रखा गया? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें.)
1.	प्रो नूतनकुमार एस. थिंगुजाम	आधुनिक मनश्चिकित्सीय संस्थान, पश्चिम त्रिपुरा	नरसिंहगढ़	नहीं	-	-
2.	प्रो. अंजना भट्टाचार्य	आधुनिक मनश्चिकित्सीय संस्थान, पश्चिम त्रिपुरा	नरसिंहगढ़	नहीं	-	-
3.	डॉ. राजेश गणेशन	आधुनिक मनश्चिकित्सीय संस्थान, पश्चिम त्रिपुरा	नरसिंहगढ़	नहीं	-	-
4	प्रो. अंजना भट्टाचार्य	समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा निदेशालय, त्रिपुरा सरकार	त्रिपुरा	नहीं	-	-
5	प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन, त्रिपुरा सरकार	त्रिपुरा	नहीं	-	-
6	प्रो. अंजना भट्टाचार्य	त्रिपुरा स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ (एनजीओ)	त्रिपुरा	नहीं	-	-
7.	प्रो. अंजना भट्टाचार्य	मॉडर्न साइकियाट्रिक हॉस्पिटल, त्रिपुरा	त्रिपुरा	नहीं	-	-
8	प्रो. अंजना भट्टाचार्य	राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, त्रिपुरा	त्रिपुरा	नहीं	आत्महत्या रोकथाम पर एक सहयोगी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया (एनएमएचपी द्वारा वित्त पोषित)	-

9	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	त्रिपुरा महिला आयोग	त्रिपुरा	नहीं	-	-
10	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	विद्या वेलफेयर सोसाइटी (एनजीओ), त्रिपुरा	त्रिपुरा	नहीं	-	-
11	प्रो. अंजना भट्टाचार्जी	चेन्ज इनीसिएटिव (एनजीओ)	कोलकाता	नहीं	-	-

5.4 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/ विद्वान का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो अंजना भट्टाचार्जी	माइन्ड एंड सोसायटी एक सहकर्मी समीक्षा रेफरीड रिसर्च जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड ह्यूमन बिहेवियर)	संपादकीय बोर्ड के सदस्य (सहायक संपादकीय टीम)
प्रो अंजना भट्टाचार्जी	इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन	आजीवन सदस्य
प्रो अंजना भट्टाचार्जी	मनोविज्ञान और शिक्षा के भारतीय जर्नल	सदस्य, संपादकीय बोर्ड
प्रो अंजना भट्टाचार्जी	इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन ऑफ इंडिया	आजीवन सदस्य
डॉ. राजेश गणेशन	इंडियन एसोसिएशन क्लीनिकल साइकेट्रिस्ट (IACP)	आजीवन सहयोगी सदस्य (लैम 597/24)

6. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/ पदक/ सम्मान# (राज्य/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कार/ पदक/ सम्मान का नाम	पुरस्कार/ पदक/ सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/ संस्थान	टिप्पणियां
प्रो अंजना भट्टाचार्जी	प्रशंसा प्रमाण पत्र	24 अप्रैल 2024	लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया	

खेल के मामले में, इंटर यूनिवर्सिटी, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

7. कोई अन्य उपलब्धियां:

प्रो. अंजना भट्टाचार्जी ने ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के एम.फिल थीसिस को स्थगित करने के लिए परीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया

ग्रामीण प्रबंधन और विकास विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. जयंत चौधरी
स्थापना वर्ष : 2006
प्रस्तावित कार्यक्रम : एकीकृत मास्टर डिग्री (आईएमडी), ग्रामीण अध्ययन में परास्नातक (एमआरएस) और ग्रामीण अध्ययन में पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : आईएमडी - 20, एमआरएस - 40 और 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस (44)

विभाग का दृष्टिकोण: ग्रामीण अध्ययन के क्षेत्र में संदर्भ का एक अनुकरणीय बिंदु निर्धारित करना।

प्रमुख उपलब्धियां:

नियमित शिक्षण, मार्गदर्शन, ब्लॉक और एनजीओ प्लेसमेंट के अलावा, विभाग ने विभिन्न महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं।

- इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान त्रिपुरा सरकार के विभिन्न विभागों में विभाग के 55 पूर्व छात्रों को नियोजन मिला।
- गांधी फेलोशिप के लिए 2 छात्र चुने गए ।
- ग्रामीण अध्ययन विभाग के छह छात्रों का चयन **वीवी गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा में 14-18 अगस्त 2023 तक** कौशल परिवर्तन और कार्यस्थल के भविष्य पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम किया गया।
- 12 छात्रों, स्वयंसेवकों और डॉ जयंत चौधरी, सहायक प्राध्यापक और ग्रामीण अध्ययन विभाग के प्रमुख ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय की ओर से जी 20 विश्वविद्यालय कनेक्ट फिनाले में भाग लिया। 26 सितंबर, 2023 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में G20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट फिनाले इवेंट में भारतीय प्रधान मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा मंत्री और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, और G20 सचिव प्रो. सचिन चतुर्वेदी, आरआईएस, महानिदेशक, ने अपने विचार व्यक्त किए।
- ग्रामीण अध्ययन विभाग के छात्रों ने त्रिपुरा सरकार के अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय द्वारा आयोजित सांख्यिकी दिवस समारोह में भाग लिया।
- त्रिपुरा सरकार द्वारा वित्त पोषित 2 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/ पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित	जारी	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. जयंत चौधरी	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक और एचओडी (आई/सी)	पूर्णकालिक	समावेशी ग्रामीण विकास, सूक्ष्म वित्त, स्थानीय स्वशासन, ग्रामीण आजीविका	18	06	01	84	0	15	3
डॉ. सम्राट गोस्वामी	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	जल और पर्यावरण प्रबंधन	18	1	4	76	0	80	5

**उल्लेख किया जाना चाहिए*

2. विजिटिंग टीचर/विजिटिंग फेलो :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	अब/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त)
प्रो राजकुमार कथारी,	-	पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल और संस्कृत कॉलेज और विश्वविद्यालय, कोलकाता के कुलपति

3. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
सम्राट गस्वामी	शिक्षक	1	2	1
जयंत चौधरी	शिक्षक	2	3	2

4. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	खजूर	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. जयंत चौधरी	न्याब्येया, युगांडा	12-14 सितंबर, 2023	न्याब्येया वानिकी कॉलेज स्टाफ प्रशिक्षण	बांस संसाधन और प्रौद्योगिकी पर व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए शिक्षण संकायों का प्रशिक्षण
डॉ. जयंत चौधरी	लखनऊ, उत्तरप्रदेश	2023-05-04	अनन्या इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च एंड सोशल एक्शन	राजा राममोहन राय के सुधारों के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण और भारत का परिवर्तन

4.1 उद्योग/एनजीओ/सरकारी संगठन के साथ संपर्क: (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	भ्रमण किए गए उद्योगों/ गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	भ्रमण किए गए उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	यात्रा का उद्देश्य
ग्रामीण प्रबंधन और विकास विभाग	36	-	एक पेपर के रूप में तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के एनजीओ प्लेसमेंट को पूरा करने के लिए

5. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: समावेशी ग्रामीण विकास, एसडीजी का स्थानीयकरण, जल अर्थशास्त्र, सामान्य संपत्ति संसाधन प्रबंधन,

6. विभाग को ज्ञात छात्र के नियोजन का विवरण:

नाम	**लिंग (पु/म)**	**वर्ग**	**पीएच**	**संगठन का नाम**	**पदनाम**	**परीक्षा निकाय**	**परीक्षा का नाम**
मैंन उद्दीन खान	पु	अल्पसं.	नहीं	आइसेक्ट	कार्यकारी प्लेसमेंट समन्वयक	संबंधित विभाग/ संगठन/ संस्थान	विभागीय परीक्षा/ साक्षात्कार
पुरबा देब	म	सामान्य	नहीं	डीडब्ल्यूएस	परियोजना प्रबंधक (जेजेएम)	-	-
जहर रंजन त्रिपुरा	पु	अजजा	नहीं	डीडब्ल्यूएस	ब्लॉक समन्वयक	-	-
सोलंकी दत्ता	म	सामान्य	नहीं	पीरामल फाउंडेशन	गांधी फैलोशिप	-	-
स्वरूप चन्दन राय	पु	सामान्य	नहीं	मत्स्य	मूल्य श्रृंखला विशेषज्ञ	-	-

संता रॉय	पु	सामान्य	नहीं	हिंदुस्तान लेटेक्स फैमिली प्लानिंग प्रमोशन ट्रस्ट	राज्य निगरानी और मूल्यांकन अधिकारी	-	-
ईशानी रॉय	म	सामान्य	नहीं	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग	सहायक निदेशक, रोकथाम, त्रिपुरा एसएसीएस	-	-
मुक्ता रंजन त्रिपुरा	पु	अजजा	नहीं	सोसाइटी फॉर टीआरईएसपी, टीडब्ल्यूडी त्रिपुरा सरकार	युवा पेशेवर	-	-
प्रीतम भट्टाचार्य	पु	सामान्य	नहीं	आरडी (पंचायत)	संकाय (ग्रामीण विकास)	-	-
रतन सूत्रधार	पु		नहीं	समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा, त्रिपुरा सरकार।	जिला मिशन समन्वयक	-	-
बिजॉय भास्कर दास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	आरडी (पंचायत)	संकाय (ग्रामीण विकास)	-	-
तीर्थंकर मजूमदार	पु	सामान्य	नहीं	वन विभाग, त्रिपुरा सरकार।	तकनीकी अधिकारी-ग्रामीण विकास	-	-
संचिता सिंघा	पु	सामान्य	नहीं	सामुदायिक चिकित्सा, अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज	एनएमएचएस 2 डाटा कलेक्टर	-	-
अर्पिता भट्टाचार्य	म	सामान्य	नहीं	टीआरईएसपी सोसायटी, जनजातीय कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार	कार्यक्रम प्रबंधक-प्रशिक्षण	-	-
मनीष सरकार	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा वन विभाग	फील्ड सलाहकार	-	-
डॉ. दीपान्विता भट्टाचार्य	म	सामान्य	नहीं	सुशासन	निगरानी और मूल्यांकन विशेषज्ञ	-	-
कौशिक साहा	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (राजनीति विज्ञान विभाग)	इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग सहायक	-	-
जॉयदीप पॉल	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकास और सेवा वितरण परियोजना	सामाजिक और यौन विरासत अधिकारी	-	-
जयजीत वैद्य	पु	सामान्य	नहीं	सिपार्ड	इंट्रेन	-	-
समित जमातिया	पु	अजजा	नहीं	ईएसएएफ लघु वित्त बैंक	कार्यकारी प्रशिक्षु	-	-
रतन त्रिपुरा	पु	अजजा	नहीं	भारत-जर्मन विकास सहयोग	प्रशासनिक अधिकारी	-	-
सप्तदीप रॉय	पु	सामान्य	नहीं	गोल्ड लोन	सहायक प्रबंधक	-	-
पांचाली भट्टाचार्य	म	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	क्लस्टर समन्वयक	-	-
मोहिनी रानी जमातिया	म	अजजा	नहीं	टीआरएलएम	क्लस्टर समन्वयक	-	-
सौभिक भट्टाचार्जी	पु	सामान्य	नहीं	पीरामल फाउंडेशन	गांधी फेलो	-	-
देबजीत सेन	पु	सामान्य	नहीं	जनजातीय कल्याण विभाग टीआरईएसपी	जिला कार्यक्रम प्रबंधक	-	-

जोयंता शील	पु	सामान्य	नहीं	जुपिटर टेक्नो इंडिया	राज्य समन्वयक	-	-
जमैका शिबानी	म	अजजा	नहीं	गार्डन - TSA (ट्रेस्प)	परियोजना कार्यकारी	-	-
बीमिंग चकमा	पु	अजजा	नहीं	टीआरएलएम	क्लस्टर समन्वयक	-	-
रश्मि साहा	म	सामान्य	नहीं	एचडीएफसी बैंक	बिक्री कार्यकारी	-	-
पायल भौमिक	म	सामान्य	नहीं	सिपार्ड	इंटर्नशिप	-	-
देबब्रत दास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	टीआरएलएम, आरडी	आंतरिक राज्य संसाधन व्यक्ति	-	-
सुजॉय चक्रवर्ती	पु	सामान्य	नहीं	शहरी विकास	सामाजिक सुरक्षा सलाहकार	-	-
शिवशंकर सिक्स	पु	सामान्य	नहीं	मत्स्य	परियोजना कार्यकारी	-	-
प्रियंका भट्टाचार्जी	म	सामान्य	नहीं	टीआरएलएम	क्लस्टर समन्वयक	-	-
देबाशीष साहा	पु	सामान्य	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	क्लस्टर समन्वयक	-	-
रूपक नाथ	पु	सामान्य	नहीं	मनीवाइज सेंटर फॉर फाइनेंशियल लिटरेसी (CFL), क्रिसिल फाउंडेशन	सहायक क्षेत्र प्रबंधक (एएएम) त्रिपुरा	-	-
अमलान सिंघा	पु	अजजा	नहीं	टीडब्ल्यूडी, त्रिपुरा सरकार के तहत टीआरईएसपी की सोसायटी	कार्यक्रम प्रबंधक (आईबी)	-	-
दीपन पाल	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन, आरडी विभाग, सरकार त्रिपुरा की	आजीविका समन्वयक (फार्म)	-	-
कृष्णश्री मोदक	म	सामान्य	नहीं	टीआरएलएम, ग्रामीण विभाग	युवा पेशेवर	-	-
प्रतिभा डे	म	सामान्य	नहीं	स्कूल शिक्षा विभाग	स्नातक शिक्षक	-	-
अजयेश रियांग	पु	अजजा	नहीं	स्वास्थ्य विभाग	जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ	-	-
रोज़मेरी हलम	पु	अजजा	नहीं	शिक्षा विभाग	शिक्षक	-	-
आकाश दास	पु	अनुसूचित जाति	नहीं	टीआरएलएम	क्लस्टर समन्वयक	-	-
सौमित्र देबबर्मा	पु	अजजा	नहीं	त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन	आजीविका समन्वयक	-	-
टाइटन साहा	पु	सामान्य	नहीं	पढ़ाई	टीचर	-	-
लालहरुआत्लुआंगा रियांग	पु	अजजा	नहीं	टीआरएलएम	जिला मिशन समन्वयक	-	-
चिराब्रत देबनाथ	पु	सामान्य	नहीं	आरडी (पंचायत)	संकाय (आरडी)	-	-
सनाका दास	म	अनुसूचित जाति	नहीं	काजी नजरूल कॉलेज, सोनामुरा	अतिथि व्याख्याता	-	-
पिरशा देबबर्मा	म	अजजा	नहीं	ग्रामीण अध्ययन	नारी परियोजना	-	-

समाजशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष : श्रीमती परमा चकमा

स्थापना वर्ष : 2011

प्रस्तावित कार्यक्रम : एमए, पीएच.डी., आईएमडी

प्रवेश क्षमता : 36

विभाग का विजन:

समाजशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय का प्रमुख ध्यान अंतःविषय शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। केंद्रीय विषयों और विषयों पर जोर देते हुए, विभाग की शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को समकालीन प्रश्नों की ओर उन्मुख किया गया है जिनमें बुनियादी और अनुप्रयुक्त दोनों आयाम हैं। प्रारंभ से ही अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय परंपराओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। विभाग संसाधन प्रदान करने और छात्रों को एमए, पीएचडी जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने में सफल रहा है। विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देता है और समाज के लिए सामाजिक रूप से जागरूक और जिम्मेदार व्यक्तियों को तैयार करता है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/ पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित	जारी	गाइड-निर्देशित	जारी		
डॉ. शर्मिला छोटारे	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लोकप्रिय संस्कृति, प्रदर्शन और संचार, लिंग अध्ययन, विकास अध्ययन के समाजशास्त्र	13	01	04	-	-	-	-
श्रीमती परमा चकमा	पीएच.डी (प्रस्तुत किया जाना है)	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	लिंग और जनजाति का समाजशास्त्र	5 साल और 11 महीने	ना	ना	-	-	-	-
डॉ. सुरजीत देबनाथ	पीएच.डी	अतिथि संकाय	अतिथि	राजनीतिक समाजशास्त्र, समाजशास्त्रीय सिद्धांत, भारतीय समाज, भारत में समकालीन सामाजिक समस्याएं।	12	ना	ना	ना	ना	-	-
डॉ. दिबेश देब बर्मा	पीएच.डी	अतिथि संकाय	अतिथि	संघर्ष अध्ययन, विधिक बहुलवाद, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण समाजशास्त्र, अनुसंधान पद्धति, अपराध विज्ञान	3.5	ना	ना	ना	ना	-	-
डॉ. सिनेम रांखल	पीएच.डी	अतिथि संकाय	अतिथि	धर्म का समाजशास्त्र, नए धार्मिक आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, जनजातीय अध्ययन, समाज और पर्यावरण, धर्म और लिंग।	2	ना	ना	ना	ना	-	-

अमरेश देबबर्मा	पीएचडी (प्रस्तुत)	अतिथि संकाय	अतिथि	सामाजिक आंदोलन, जनजातीय अध्ययन	ना	ना	ना	ना	ना	-	-
लालनुंदिका दारलोंग	पीएचडी (प्रस्तुत)	अतिथि संकाय	अतिथि	प्रवासन अध्ययन, गुणात्मक अनुसंधान, लोकप्रिय संस्कृति का समाजशास्त्र, पूर्वोत्तर भारत का समाजशास्त्र, विकास अध्ययन, लिंग अध्ययन	3	ना	ना	ना	ना	-	-

2. विजिटिंग टीचर/विजिटिंग फेलो :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/ व्याख्यानों के विषय	अब/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त)
प्रो बी. पांडा	पूर्वोत्तर भारत में विकास परिप्रेक्ष्य	नेहू

3. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
डॉ. दिबेश देब बर्मा	अतिथि शिक्षक	-	एक (1)	-
डॉ. साईनेम हरंगखवाल	अतिथि शिक्षक	-	दो (दो)	-
डॉ. सुरजीत देबनाथ	अतिथि शिक्षक	-	एक (1)	-
लालनुंदिका दारलोंग	अतिथि शिक्षक	-	एक (1)	-
श्रीमती परमा चकमा	सहायक प्राध्यापक	-	एक (1)	-

4. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी / कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

विद्वानों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रदान/सम्मानित
लालनुंदिका दारलोंग	पूर्णकालिक	(रि) नेगोशियेटिंग बिलांगिं एंड (रि) कंस्ट्रक्टिग एथनिसिटीज : ए स्टडी ऑफ इन्टरनली डिसप्लेस्ड ब्रूज इन त्रिपुरा	डॉ. शर्मिला छोटारे	प्रस्तुत
अमरेश देबबर्मा	पूर्णकालिक	जातीयता, पहचान और स्वदेशी राजनीति: 'टिपरालैंड' आंदोलन का प्रकरण	डॉ. खाईखोलेन हाओकिप	प्रस्तुत

5. विभाग के आउटरीच फुटप्रिंट:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	12/01/24	12- 1 अपराह्न	पूर्वोत्तर भारत में विकास का परिप्रेक्ष्य	अफ़वाह	राष्ट्रीय	33
2.	6/12/2023 से 7/12/2023	2 दिन (सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक)	एनईपी 2020 सिलेबस अपग्रेडेशन वर्कशॉप	कार्यगोष्ठी	राष्ट्रीय	25

5.2 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
शर्मिला छोटारे	नॉर्थ ईस्ट सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन	आजीवन सदस्यता
परमा चकमा	नॉर्थ ईस्ट सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन	आजीवन सदस्यता
लालनुंदिका दारलोंग	इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी	आजीवन सदस्यता
अमरेश देबबर्मा	नॉर्थ ईस्ट सोशियोलॉजिकल सोसाइटी	साधारण सदस्यता

6. अनुसंधान के प्रमुख जोर क्षेत्र: प्रवासन, संस्कृति, सीमा समाज, जनजातीय पहचान, लिंग

7. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: 1 स्मार्ट क्लासरूम, 3 पीसी, 2 प्रिंटर और 2 साउंड बॉक्स, 3 लैपटॉप

शिक्षा विद्यापीठ

विभागाध्यक्ष : डॉ. टिंकू डे (गोप)
स्थापना वर्ष : 2018
प्रस्ताव पर कार्यक्रम : दो साल बी. एड
प्रवेश क्षमता : 50+5

विभाग की परिकल्पना: शिक्षा विद्यापीठ, त्रिपुरा विश्वविद्यालय एक परिवर्तनकारी शैक्षिक वातावरण को प्रोत्साहित करने की कोशिश करता है जो भविष्य के शिक्षकों को ज्ञान, कौशल और मूल्यों के साथ सशक्त बनाता है जो छात्रों को आजीवन सीखने और सफलता की ओर प्रेरित करने और नेतृत्व करने के लिए आवश्यक है। हमारा उद्देश्य नवीन शिक्षण प्रथाओं को विकसित करना, समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा को बढ़ावा देना और अनुसंधान और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से शैक्षिक सिद्धांत और परंपराओं की उन्नति में योगदान करना है।
यह दृष्टि जोर देती है:

1. **सशक्तिकरण:** उन शिक्षकों को तैयार करना जो अपने छात्रों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हों।
2. **अभिनव:** रचनात्मक और प्रभावी शिक्षण विधियों को प्रोत्साहित करना।
3. **समावेशिता:** सभी छात्रों के लिए समान शिक्षा को बढ़ावा देना।
4. **अनुसंधान और सामुदायिक जुड़ाव:** विद्वत कार्यों द्वारा और समुदाय में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से शैक्षिक उन्नति में योगदान।

संस्था के मूल्यों और लक्ष्यों के आधार पर बारीकियां भिन्न हो सकती हैं, लेकिन मूल विचार आम तौर पर सक्षम, प्रेरित और सामाजिक रूप से जिम्मेदार शिक्षकों को तैयार करने के आसपास घूमते हैं।
प्रमुख उपलब्धियां: सत्र 2023 - 2024 के दौरान शिक्षा विद्यापीठ *विभाग*, त्रिपुरा यूनिवर्सिटी ने उत्कृष्टता, नवाचार और प्रभावशाली योगदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

विभाग के भीतर कुछ संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों) में कई पत्र प्रकाशित किए हैं और विभिन्न सम्मेलनों में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। सत्र के दौरान अपना कोर्स पूरा करने वाले छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। उनमें से कुछ ने शिक्षक भर्ती परीक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षा (राज्य और राष्ट्रीय स्तर) भी उत्तीर्ण की है। उनमें से कुछ ने चुने हुए क्षेत्रों में अपने उच्च अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए सीयूईटी परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए, विभाग विभिन्न सामुदायिक सेवाएं करके समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे छात्रों में से दो (2) वर्ष 2022 के दौरान क्रमशः बीए बीएड और बीएससी बीएड में स्वर्ण पदक विजेता बन गए हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम (सभी अतिथि संकाय भी)	योग्यता (एमफिल/ पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. अमरजीत चन्दा	पीएच.डी	अतिथि संकाय	अतिथि	फजी क्लस्टरिंग	6 वर्ष	-	-	-	-	-	-

श्रीरूप रुद्र पाल	एम.ए., बी.एड.	अतिथि संकाय	अतिथि	अठारहवीं और नौ वीं सदी की शुरुआती साहित्य	6 वर्ष	-	-	-	-	-	-
जेन्ति मालाकार	एम.ए. एमएड नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	शिक्षक शिक्षा, उच्च शिक्षा	8 वर्ष	-	-	-	-	-	-
रिपा पॉल	एमएससी, बीएड, पीएच.डी (पीछा)	अतिथि संकाय	अतिथि	भौतिक विज्ञान	ढाई साल	-	-	-	-	-	-
सुप्रदीप दत्ता	एमएससी., एम.एड. (पी.एच.डी. पीछा)	अतिथि संकाय	अतिथि	शिक्षण-अधिगम, यौन शिक्षा	8 वर्ष 9 महीने	-	-	-	-	-	-
सोफिया टी. डार्लोंग	एम.ए., बी.एड., नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	शिक्षक शिक्षा, शैक्षिक मनोविज्ञान	ढाई साल	-	-	-	-	-	-

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला की संख्या में भाग लिया		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
सुप्रदीप दत्ता	शिक्षक और शोधार्थी	-	2	1

सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति के अध्ययन केंद्र (सीएसएसईआईपी)

विभागाध्यक्ष	:	डॉ. राजेश चटर्जी
स्थापना वर्ष	:	2008
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	1. जनजातीय और नृजातीय अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा(पीजीडीटीईएस) 2. पीएच.डी. (सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति में) सत्र सीबीसीएस पैटर्न के तहत प्रणाली.
प्रवेश क्षमता	:	पीजी डिप्लोमा -30 (पीजीडीटीईएस), पीएच.डी.: 08

विभाग का विजन:

(क) विस्थापन, क्षेत्रीय असमानता और उद्यमशीलता के आधार पर भेदभाव, अपवर्जन और समावेशन की संकल्पना (ख) भेदभाव और बहिष्कार की प्रकृति और गतिशीलता की समझ विकसित करना (ग) इन समूहों के अधिकारों की रक्षा करने तथा (सामाजिक) विस्तार कार्यकलापों की सहायता से अपवर्जन और भेदभाव की समस्या का उन्मूलन करने के लिए नीतियां तैयार करना।

प्रमुख उपलब्धियां:

सीएसएसईआईपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय विस्तार गतिविधियों के साथ-साथ अनुसंधान और विकास के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। सीएसएसईआईपी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। केंद्र नवंबर, 2015 से ग्रामीण अध्ययन विभाग जैसे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभाग से जुड़ा हुआ है। केंद्र ने अनुसंधान और विकास गतिविधियों में उत्कृष्टता हेतु सहयोग करने और बढ़ावा देने के लिए खुद को त्रिपुरा विश्वविद्यालय का एक अकादमिक माध्यम साबित किया है। यह समाज के वंचित और हाशिए वाले वर्गों से संबंधित सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर जनजातीय (पीजीडीटीईएस), पीएचडी, सेमिनार और कार्यशालाओं पर पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। जबकि केंद्र भेदभाव, वंचना, शोषण और बहिष्कार से संबंधित मुद्दों की अवधारणा के लिए प्रयास कर रहा है, यह सामान्य रूप से भारतीय समाज में तथा विशेष रूप से पूर्वोत्तर के समाजों में सामाजिक न्याय, समानता, निष्पक्ष खेल और समावेशन को प्रभावी बनाने के तरीकों और साधनों की खोज भी कर रहा है। आशावाद और विश्वास के साथ, हम सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति के अध्ययन के लिए केंद्र के निरंतर विकास और विकास के लिए तत्पर हैं।

इस केन्द्र के आनुभविक अनुसंधान परिणाम और कार्रवाई अनुसंधान जाति, वंश और धर्म के भेदभाव के बावजूद सामाजिक समावेश के लिए समाज में ऐसा माहौल बनाने में सहायक होंगे। यह केन्द्र पूर्वोत्तर क्षेत्र में पीजीडीटीईएस पाठ्यक्रम आरंभ करने में अग्रणी है। केंद्र की गतिविधियों को भारत सरकार के संस्थानों द्वारा अच्छी तरह से सराहा जाता है; तथा यूजीसी-नैक, एमएचआरडी और नाबार्ड, आईसीएसएसआर, ओएनजीसी, जनजातीय मामलों के मंत्रालय (जीओआई) जैसे संगठन इस प्रयास के वित्तीय भागीदारों के रूप में स्वयं शामिल हैं। जनजातीय स्वास्थ्य पर सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य के क्षेत्र में पहल कलकत्ता विश्वविद्यालय और मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस के साथ शुरू की गई है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/ पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	निर्देशित	जारी		
डॉ. राजेश चटर्जी	एम.ए., पीएचडी (ग्रामीण विकास)	सहायक प्राध्यापक तथा सहायक निदेशक	पूर्ण-कालिक	ग्रामीण बुनियादी ढांचा, विस्तार शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक समावेश	18 वर्ष	03	03	17	22	30	02
डॉ. मणिगोपाल देबनाथ	एमएससी., पीएचडी (अर्थशास्त्र)	सहायक प्राध्यापक तथा सहायक निदेशक	पूर्ण-कालिक	जनसंख्या अध्ययन, जनजातीय विकास और सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति	18 वर्ष	01	03	15	17	12	02

**उल्लेख अनिवार्य*

2. विजिटिंग टीचर/विजिटिंग फेलो :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/ व्याख्यानों के विषय	अब/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त)
1. मोहम्मद अब्दुर रहमान चौधरी	अनुसंधान क्रियाविधि: TRES 713C (U-IV), उद्यमिता विकास: TRES 815E (U-II & U-III), निबंध: TRES 813C	पीएचडी शोधार्थी
2. अभ्रनिल भट्टाचार्जी	अनुसंधान क्रियाविधि: TRES 713C (U-III), भारत में जनजातीय विकास TRES 712C (U-III), निबंध: TRES 813C	पीएचडी शोधार्थी
3. जेनेसिस देबबर्मा	त्रिपुरा में जनजातीय और नृजातीय समुदाय (U-II)	पीएचडी शोधार्थी
4. श्रीमती सेंटीनला	त्रिपुरा (U-IV) के विशेष संदर्भ में भारत में जनजातीय विकास	पीएचडी शोधार्थी

3. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों /शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला की संख्या में सहभागिता		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
राजेश चटर्जी और अब्दुर रहमान चौधरी, अभ्रनील भट्टाचार्जी	शिक्षक और शोधार्थी	01	-	-

4. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	खजूर	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
राजेश चटर्जी	कोलकाता	20/01/2024	कलकत्ता विश्वविद्यालय	सामाजिक विज्ञान में सहभागी अनुसंधान
राजेश चटर्जी	अगरतला	29/01/2024	सिपार्ड	युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता
राजेश चटर्जी	अगरतला	13/07/2023	सिपार्ड	ग्राम कार्य योजना में सुधार के तरीके और साधन
राजेश चटर्जी	अगरतला	21/11/2023	वीएचएटी	व्यावसायिक सामाजिक उत्तरदायित्व

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थियों के नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	निर्देशक का नाम	पंजीकृत/शोध प्रस्तुत/सम्मानित
बीना रानी त्रिपुरा	अंशकालिक	सामाजिक समावेशन पर स्वामी विवेकानंद के विचार और इसकी वर्तमान प्रासंगिकता	डॉ. एन. जी. देबनाथ	शोध परिणाम का सारांश प्रस्तुत
सेंटिनला	अंशकालिक	त्रिपुरा के जनजातीय युवाओं के बीच हथकरघा और हस्तशिल्प के पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से रोजगार सृजन		पंजीकृत
जेनेसिस देबबर्मा	अंशकालिक	एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और जनजातीय क्षेत्रों पर इसका प्रभाव: त्रिपुरा में एक अध्ययन		कोर्स वर्क पूरा हुआ
अभ्रनील भट्टाचार्य	अंशकालिक	ग्रामीण अवसंरचना और उद्यमिता विकास: त्रिपुरा में एक शोधपरक अध्ययन	डॉ. राजेश चटर्जी	दूसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई
डॉ. अब्दुर रहमान चौधरी	अंशकालिक	महिला उद्यमिता और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने में सरकारी उद्यमी सहायता प्रणाली की भूमिका: त्रिपुरा में एक अध्ययन		दूसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई
जीबन दास	अंशकालिक	पूर्वोत्तर भारत के स्वदेशी लोगों पर छठी अनुसूची का प्रभाव: ए कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद में केस स्टडी		शोध परिणाम का सारांश प्रस्तुत

6. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

6.1 विभाग द्वारा आयोजित पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	14-21 जून 2024	8 दिवसीय	अंगीकृत गांवों के छात्रों और महिलाओं के सामाजिक समावेशन के लिए सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम	कार्यशाला	क्षेत्रीय	40
2.	22-25 जून 2024	4-दिवसीय	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के गोद लिए गए गांवों के छात्रों के लिए देशभक्ति गीत और सामाजिक समावेश	जागरूकता कार्यक्रम	क्षेत्रीय	60

6.2 उद्योग/गैर सरकारी संगठन/सरकारी संगठन के साथ संपर्क : (संकायों के लिए)

क्र. सं.	संकाय के नाम	उद्योग/ एनजीओ का नाम	उद्योग का स्थान	एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए? (हाँ/नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ? (यदि हाँ तो मूल्य लाखों में)	छात्र को नियोजित किया गया? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें.)
1.	राजेश चटर्जी	अध्ययन के स्कूल	खैरपुर	प्रक्रियाधीन	-	-

7. उद्योग/एनजीओ/सरकारी संगठन के साथ संपर्क: (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	भ्रमण किए गए उद्योगों/ गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	भ्रमण किए गए उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	यात्रा का उद्देश्य
सीएसएसईआईपी	स्कूल ऑफ स्टडीज	अध्ययन के स्कूल	पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियों हेतु

8. व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	समिति का नाम	सदस्यता का ग्रेड
राजेश चटर्जी	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण	आजीवन सदस्य
ननीगोपाल देबनाथ	भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण	आजीवन सदस्य

महिला अध्ययन केन्द्र

केंद्र के निदेशक : डॉ. परमिता साहा, प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग
रिसर्च एसोसिएट : डॉ. असीम शील
स्थापना वर्ष : 2011
केंद्र का विजन : शिक्षण, अनुसंधान, सहयोग और ज्ञान के प्रसार के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिला अध्ययन में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना।

प्रमुख उपलब्धियां:

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र को 2011 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता दी गई थी और बारहवीं-योजना अवधि से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इस केन्द्र का वित्त पोषण कर रहा है। इससे पहले भी, 2006 में एक प्रकोष्ठ के रूप में अपनी स्थापना के बाद से, यह महिलाओं के मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने, इन मुद्दों पर अनुसंधान करने, विस्तार गतिविधियों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के आयोजन में लगा हुआ है। 2011 से भारतीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में महिला अध्ययन के विकास की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग योजना के तहत महिला अध्ययन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने स्वतंत्र अनुसंधान, विधिक परामर्श, प्रलेखन, शिक्षण, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रम पर काम करना शुरू कर दिया था। अपनी गतिविधियों के दौरान, केंद्र विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और वार्ता कार्यक्रमों का आयोजन करके समाज में महिलाओं की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। केंद्र महिलाओं के मुद्दों की सामने लाने में सहायक रहा है और महामारी की अवधि के दौरान भी अनुसंधान और शिक्षण में बहु-अनुशासनात्मक सहयोग में वार्ता के लिए रास्ते खोले हैं। केंद्र द्वारा पहली बार जेंडर ऑडिट रिपोर्ट (2015-2020) तैयार की गई थी। 2023-24 के दौरान महिला अध्ययन केंद्र की गतिविधियों की विस्तृत सूची नीचे दी गई है:

21-22 मार्च 2024 को 'समकालीन भारत में लैंगिक समावेश के लिए सार्वजनिक नीति: विकसित प्रतिमान' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से वित्तीय सहायता के साथ 21- 22 मार्च, 2024 के दौरान महिला अध्ययन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा 'समकालीन भारत में लिंग समावेशन के लिए सार्वजनिक नीति: विकसित प्रतिमान' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। कुलपति प्राध्यापक गंगा प्रसाद प्रसाद प्रसाद ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की और अध्यक्षीय भाषण दिया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत डब्ल्यूएससी की निदेशक प्राध्यापक परमिता साहा के स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. दीपक शर्मा और डी.एस.डब्ल्यू.टीयू के प्रो. मुख्य अतिथि श्रीमती स्मिता मोल, एमएस (आईएएस), निदेशक, डीएसडब्ल्यू और एसई, त्रिपुरा सरकार, ने अपने संबोधन में कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की और प्रशासन और शिक्षाविदों के बीच बातचीत की आवश्यकता पर बल दिया। 'भारत में लैंगिक समानता के प्रति लैंगिक मुख्यधारा, विकासवादी सार्वजनिक नीतियां' विषय पर मुख्य भाषण कलकत्ता विश्वविद्यालय में कला संकाय की कार्यवाहक संकायाध्यक्ष प्राध्यापक इशिता मुखोपाध्याय ने दिया। विभिन्न विषयों पर पंद्रह आमंत्रित पत्र प्रस्तुत किए गए। कलकत्ता विश्वविद्यालय से प्रो अरिजिता दत्ता, डॉ सम्पाति गुहा, प्राध्यापक, सेंटर फॉर सोशल एंटरप्रेन्योरशिप, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड लेबर स्टडीज, टीआईएसएस, मुंबई, डॉ सुदक्षिणा गुप्ता, प्राध्यापक और निदेशक, सेंटर फॉर अर्बन इकोनॉमिक स्टडीज, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, डॉ उत्पल कुमार दे, प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, एनईएचयू, शिलांग, मेघालय डॉ अर्पिता चटराज मुखोपाध्याय, प्राध्यापक, अंग्रेजी और संस्कृति अध्ययन विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, डॉ. बरना गांगुली, प्राध्यापक, फार्माकोलॉजी विभाग, पीएस मेडिकल कॉलेज, करमसद, आनंद, गुजरात और कई अन्य विशिष्ट शिक्षाविदों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। एंटी-ट्रैफिकिंग एक्टिविस्ट श्रीमती पल्लवी घोष ने एक जमीनी कार्यकर्ता के रूप में विभिन्न महिला केंद्रित योजनाओं के लिए अव्ययित धन के पीछे के कारणों पर विस्तार से बात की। युवा

और उभरते फिल्म निर्माता बिप्लब गोस्वामी ने भी भारतीय फिल्मों में महिलाओं के मुद्दों के चित्रण के बारे में बात की। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सेवानिवृत्त प्राध्यापक चंद्रिका बसु मजूमदार द्वारा लैंगिक समानता अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं और भविष्य की दिशाओं पर व्याख्यान के साथ हुआ।



राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2024 में मंच पर विराजमान गणमान्य व्यक्ति

प्राचीन भारतीय साहित्यिक संस्कृति में लैंगिक पक्ष पर विशेष व्याख्यान:

20 मार्च, 2024 को अंग्रेजी विभाग के सहयोग से 'प्राचीन भारतीय साहित्यिक संस्कृति में लैंगिक पक्ष - एक नारीवादी दृष्टि के माध्यम से थेरीगाथा पठन' पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान **प्राध्यापक** अर्पिता चटराज मुखोपाध्याय, अंग्रेजी और संस्कृति अध्ययन विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा दिया गया।

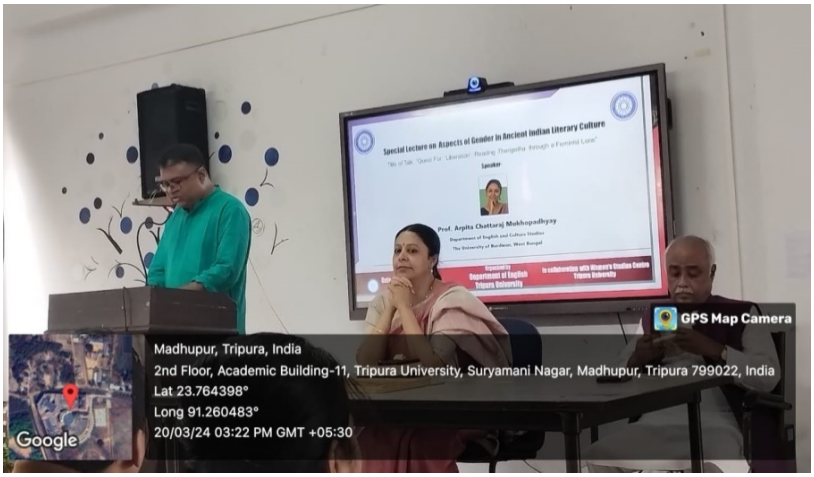

आमंत्रित वक्ता का परिचय

महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला

महिलाओं के लिए आत्मरक्षा पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महिला अध्ययन केंद्र द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से 6 से 13 मार्च, 2024 तक किया गया था। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के चालीस (40) से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।



महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला में प्रशिक्षण सत्र

कविता पाठ प्रतियोगिता

आईडब्ल्यूडी 2024 की थीम पर 7 मार्च 2024 को बंगाली और अंग्रेजी विभाग के सहयोग से विभिन्न भाषाओं में एक कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पांच नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।



प्रतियोगिता में कोकबोरोक भाषा कवितापाठ करती एक छात्रा

लैंगिक समानता पर पोस्टर प्रतियोगिता

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, ललित कला विभाग के सहयोग से महिला अध्ययन केंद्र ने 12 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 की थीम पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में लगभग अट्ठाईस (28) विद्यार्थियों ने भाग लिया। पोस्टर प्रदर्शित भी किए गए थे। तीन सर्वश्रेष्ठ पोस्टरों को नकद पुरस्कार से प्रदत्त किया गया।



पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी

पठन सत्र

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2024 की स्मृति में 12 मार्च 2024 को बंगाली और अंग्रेजी विभाग के सहयोग से छात्रों, विद्वानों, संकायों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न भाषाओं में महिलाओं पर या महिलाओं द्वारा लेखन विषयक एक पठन सत्र आयोजित किया गया था।



पठन सत्र का एक पल

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर जागरूकता कार्यक्रम (छात्रों और शोध विद्वानों के लिए)

22 दिसंबर, 2023 को महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न विषयक एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 80 छात्रों ने भाग लिया और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की गई। स्कूल ऑफ लॉ, इक्फाई विश्वविद्यालय से डॉ. जिगिशा पुजारी और मनोविज्ञान विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय की डॉ. अंजना भट्टाचार्जी प्रमुख वक्ता थीं।

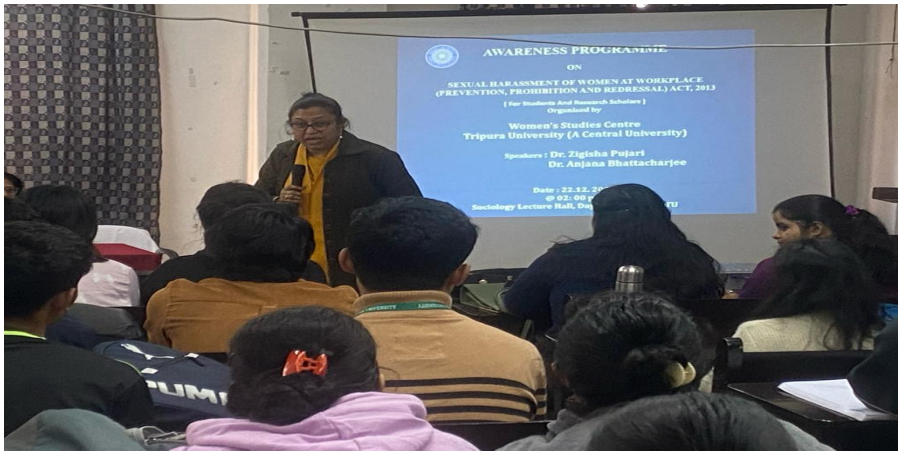

सत्र के दौरान छात्रों की बातचीत

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर जागरूकता कार्यक्रम (कर्मचारियों के लिए)

महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा 21 दिसंबर 2023 को आंतरिक शिकायत समिति (ICC) के सहयोग से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 60 कर्मचारियों ने भाग लिया जिन्होने विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।



चंद्रिका बसु मजूमदार, अध्यक्ष, आईसीसी, टीयू
कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए

फिल्म स्क्रीनिंग

महिला अध्ययन केंद्र ने समाजशास्त्र विभाग के सहयोग से सभी 20.12.2024 के लिए एक फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया। फिल्म स्क्रीनिंग में विभिन्न विभागों के एक सौ (100) से अधिक छात्रों ने फिल्म उत्तर-देश देखी।



भारतीय रिज़र्व बैंक में कैरियर के अवसरों पर जागरूकता सत्र

महिला अध्ययन केंद्र ने विश्वविद्यालय की छात्राओं के लिए एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया, जो 5 दिसंबर 2023 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहयोग से महिला छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए आरबीआई की एक विशेष पहल है। विभिन्न विषयों के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया और मुख्य वक्ताओं के साथ परिचर्चा की।



कार्यक्रम के दौरान छात्रों के साथ बातचीत करते आरबीआई अधिकारी

महिलाओं के खिलाफ हिंसा की रोकथाम पर पैनल चर्चा

सेंटर ऑफ वीमेन एंड डेवलपमेंट स्टडीज के तत्वावधान में 27 नवंबर 2023 को महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए 16वें दिन की सक्रियता के संबंध में एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। तीन प्रख्यात पैनलिस्टों ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के पीछे प्रतिरोध की आवाज और मनोविज्ञान पर चर्चा की, जो समाज में महिलाओं के खिलाफ जारी हिंसा को रोकने के तरीके हैं। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में देश भर के लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

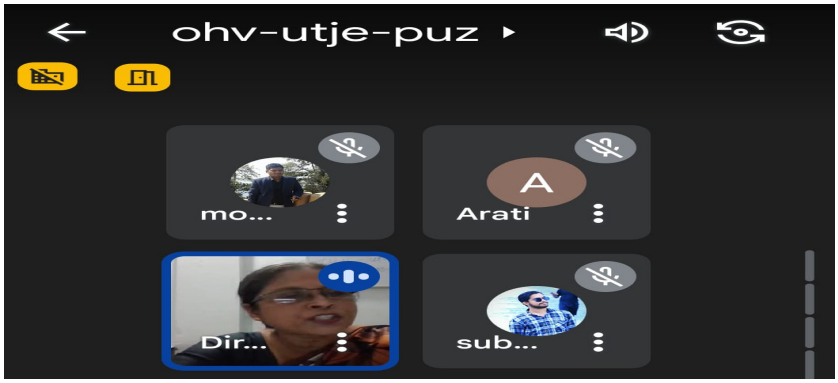

सत्र के दौरान निदेशक, डब्ल्यूएससी, टी.यू

लैंगिक और सतत विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला

इतिहास विभाग होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला के सहयोग से महिला अध्ययन केंद्र ने 20 नवंबर 2023 को "लैंगिक और सतत विकास" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, परिचर्चा को बढ़ावा देना और लैंगिक गतिशीलता और सतत विकास के बीच जटिल संबंधों में अंतर्दृष्टि उत्पन्न करना है। कार्यशाला में दो विशिष्ट वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। डॉ. के. गिरीसन, निदेशक, एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट (MIT-SOG), एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी ने 'लिंग और सतत विकास: स्थानीय स्तर पर महिला नेतृत्व की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया। प्राध्यापक शाओन राय चौधरी, अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग और निदेशक, आईक्यूएसी., त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने सतत विकास के लिए वैज्ञानिक हस्तक्षेप पर व्याख्यान दिया। त्रिपुरा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. दीपक शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।



डॉ. दीपक शर्मा, कुलसचिव, त्रिपुरा विश्वविद्यालय होली क्रॉस कॉलेज में कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में अपना व्याख्यान देते हुए

अनुसंधान गतिविधियां

त्रिपुरा विश्वविद्यालय की जेंडर ऑडिट रिपोर्ट (2021-2022) महिला अध्ययन केंद्र, टीयू द्वारा तैयार की जाती है। रिपोर्ट में महिलाओं के अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में त्रिपुरा विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और पहलों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में लिंग के दृष्टिकोण से वास्तविक स्थिति का भी दस्तावेजीकरण किया गया है। रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया में लिंग आधारित दृष्टिकोण अपनाने के लिए सक्षमता प्राप्त करने हेतु संस्था के भीतर एक संवाद शुरू किया जाता है। यह अभ्यास वार्षिक आधार पर करने का निर्णय लिया गया है।

सेमिनार/कार्यशाला/पैनल चर्चा आदि में संकाय और कर्मचारियों द्वारा दिए गए आमंत्रित वार्ता।

नाम	स्थान	खजूर	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
प्रो परमिता साहा	अगरतला, त्रिपुरा	2 सितंबर 2023	कनेक्टिंग त्रिपुरा: सीआईआई स्कूल ऑफ लॉजिस्टिक्स द्वारा आयोजित अगला "गेटवे टू द नॉर्थ ईस्ट"	सत्र का संचालन किया
	पुणे, महाराष्ट्र	6 अक्टूबर, 2023	फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	आर्थिक अधिशेष की अवधारणा: अमिय कुमार दासगुप्ता और कृष्णा भारद्वाज के योगदान की समीक्षा
	अगरतला, त्रिपुरा	20 नवंबर, 2023	होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला	प्रदत्त अतिथि के रूप में आमंत्रित व्याख्यान

	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा	25 नवंबर 2023	वाणिज्य विभाग	सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार के लिए सह-अध्यक्ष
	कोलकाता, पश्चिम बंगाल	9 फरवरी, 2024	7 वां वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारत में जेंडर बजटिंग के आकलन के लिए विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन - एनआईपीएफपी और फिक्की द्वारा आयोजित	विषय पर वक्ता

वाणिज्य, विधि एवं सूचना विज्ञान संकाय

व्यावसायिक प्रबंधन विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. मनीष दास (प्रभारी)
स्थापना वर्ष : बीबीए: 2003, एमबीए: 2005
प्रस्तावित कार्यक्रम : बीबीए, एमबीए, पीएचडी
प्रवेश क्षमता : बीबीए: 60, एमबीए: 60

विभाग की परिकल्पना: एक बेहतर समाज और समृद्ध राष्ट्र के लिए रचनात्मक, आत्मविश्वास और सक्षम प्रबंधकों और उद्यमियों का विभाग बनना।

प्रमुख उपलब्धियां:

- संकाय सदस्यों द्वारा उत्कृष्ट अनुसंधान प्रदर्शन जिसके परिणामस्वरूप 10 से ऊपर के प्रभाव कारकों सहित शीर्ष विपणन पत्रिकाओं में प्रकाशन हुए
- उत्कृष्ट पूर्व छात्रों का उत्पादन उद्यमशीलता और लोक प्रशासन के क्षेत्र में अत्यधिक सफल प्रदर्शन।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	गाइड-निर्देशित	जारी		
डॉ. मनीष दास	पीएच. डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	उपभोक्ता मनोविज्ञान	13 वर्ष	1	4	-	-	761	17
डॉ. निर्मल्या देबनाथ	पीएच. डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	उपभोक्ता व्यवहार	13 वर्ष	-	4	-	-	44	3
डॉ. अंजना कलाई	पीएच. डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मिश्रित शिक्षा	13 वर्ष	-	-	-	-	37	1
सुस्मिता डे	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-
अंकिता चक्रवर्ती	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-
सुवर्णिता सरकार	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-
सौरव मजूमदार	एमबीए	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-
गहना घोष	एमटीएम, नेट, जेआरएफ	अतिथि संकाय	अतिथि	-	3 वर्ष	-	-	-	-	-	-
सुमित देबबर्मा	एमबीए, नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-
सुकांति रॉय	एमएससी (इको)	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-
जयंत आचार्जी	एम.कॉम, नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-

सौरव साहा	एम.कॉम., नेट	अतिथि संकाय	अतिथि	-	1 वर्ष	-	-	-	-	-	-

2. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. मनीष दास	ऑनलाइन	4/7/2024	टीचिंग लर्निंग अजजार (टीएलसी), तेजपुर विश्वविद्यालय पीएमएमएमएनएमटीटी, मंत्रालय के तत्वावधान में शिक्षा, भारत सरकार	शोध पत्र लेखन के चरण

3. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	निर्देशक का नाम	पंजीकृत/शोध प्रस्तुत/प्रदत्त
अभिरूपा रॉय	पूर्णकालिक	लॉयल्टी कार्ड और मास्टिज ब्रांडिंग	डॉ. मनीष दास	प्रदत्त
मृणाल पॉल	पूर्णकालिक	पर्यावरण समर्थक व्यवहार	डॉ. मनीष दास	पंजीकृत
विभु शर्मा	अंशकालिक	तय किया जाना है	डॉ. मनीष दास	पंजीकृत

4. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

4.1 उद्योग/गैर सरकारी संगठन/सरकारी संगठन के साथ संपर्क:

विभाग का नाम	भ्रमण किए गए उद्योगों/गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	भ्रमण किए गए उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	यात्रा का उद्देश्य
व्यवसाय प्रबंधन	08	ताराशंकर, सिपेट, प्रान ग्लोबल बेवरेजेज लिमिटेड, सेराटिजिट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वीईसीसी कोलकाता, जेनस बेवरेजेज एलएलपी, क्रेअजजा एक्सपोर्ट्स कोलकाता, मियो अमोरे, कोलकाता,	उद्योग एक्सपोजर
व्यवसाय प्रबंधन	18	आईटीसी; अग्रतला स्मार्ट सिटी लिमिटेड; त्रिपुरा राज्य सहकारी बैंक; त्रिपुरा ग्रामीण बैंक; इंडिया पोस्ट; एजी कार्यालय, त्रिपुरा सरकार; अमूल; आईडीबीआई; स्मार्ट बाजार, अगरतला; भारतीय बैंक प्रबंधन संस्थान, गुवाहाटी; सिपार्ड, त्रिपुरा सरकार; नेरोलैक पेंट्स; वी-मार्ट रिटेल; रुबियन मेगा हाइपर मार्केट, क्रेराला; मारुति सुजुकी (नेक्सा); एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, ग्रीवर्स कॉटन लिमिटेड, इंडसइंड बैंक	ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाएं (45 दिन)

4.2 व्यावसायिक/ विद्वतसमाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. अंजना कलाई	रोटरी इंटरनेशनल	निदेशक मंडल (बीओडी)

5. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र:

रिस्पॉन्सिबल कंजम्प्सन, मास्टिज ब्रांडिंग, पर्यावरण-समर्थक व्यवहार, संवर्धित वास्तविकता, मेटावर्स

6. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ माइन.)	पीएच (हाँ/नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**
अभिरूपा रॉय	म	अनुसूचित जाति	नहीं	आईआईएम बैंगलोर	पोस्ट-डॉक

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र.

7. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी सामा/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
सुजाता सूत्रधार	महिला	सामान्य	नहीं	बंधन बैंक	ग्राहक संबंध अधिकारी-प्रबंधन प्रशिक्षु	-	-
उमा देबबर्मा	महिला	अजजा	नहीं	मोविदु	व्यवसाय विकास इंटर्न	-	-
प्रियंका चौधरी	महिला	सामान्य	नहीं	मोविदु	व्यवसाय विकास इंटर्न	-	-
शुभम रॉय	पुरुष	सामान्य	नहीं	स्विगी	मार्केटिंग ट्रेनी	-	-
रेणुका चकमा	महिला	अजजा	नहीं	सेस्टा	कार्यकारी प्रशिक्षु	-	-
बिक्रम आचार्जी	पुरुष	सामान्य	नहीं	सेस्टा	कार्यकारी प्रशिक्षु	-	-
सागर दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी	वरिष्ठ बिक्री प्रबंधक	-	
देबजीत दास	पुरुष	अनुसूचित जाति	नहीं	सेस्टा	कार्यकारी प्रशिक्षु	-	-
देबाश्री दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी	वरिष्ठ बिक्री प्रबंधक	-	-
आकाश चौधरी	पुरुष	सामान्य	नहीं	बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी	वरिष्ठ बिक्री प्रबंधक	-	-
हृदय गोप	पुरुष	सामान्य	नहीं	फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	टीम लीडर	-	-
मोहियां घोष	पुरुष	सामान्य	नहीं	लेखा अधिकारी	विनसुन लाइटिंग इंडस्ट्रीज	-	-
सायन नाथ चौधरी	पुरुष	सामान्य	नहीं	कॉजेंटहब, कोलकाता	सलाहकार, संचालन	-	-

8. कोई अन्य उपलब्धियां:

- विभाग के संकाय सदस्य डॉ. अंजना कलाई ने एमआईसीए, गुजरात से 'डिजिटल मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशन' पर उन्नत प्रमाणन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- विभाग के संकाय सदस्य डॉ. मनीष दास एसोसिएट एडिटर के रूप में इम्पैक्ट फैक्टर 3.2 के साथ मानविकी और सामाजिक विज्ञान संचार, ए स्प्रिंगर नेचर जर्नल के संपादकीय बोर्ड में शामिल हुए।
- विभाग के संकाय सदस्य डॉ. मनीष दास जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च में शामिल हुए, जो एक एल्सेवियर पत्रिका है, जिसमें संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में प्रभाव कारक 10.5 है।

वाणिज्य विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. सुबीर कुमार सेन
स्थापना वर्ष : 01.08.1988
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.कॉम., वाणिज्य में आईएमडी, पीएच.डी.
प्रवेश क्षमता : 75 (एम. कॉम. आईएमडीसी 7 वें सेमेस्टर सहित), 30 (वाणिज्य में आईएमडी), उपलब्ध निर्देशको की रिक्ति(पीएचडी) के आधार पर

विभाग की परिकल्पना**:** अपनी स्थापना से, विभाग छात्रों को उद्योग, व्यवसाय और सेवा क्षेत्र के लिए विश्व स्तर पर उपयुक्त एक सक्षम मानव संसाधन बनाने के लिए शिक्षित और प्रशिक्षित कर व्यापार और वाणिज्य के सभी पहलुओं को एकीकृत करने और उन्हें शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों में अपने स्वयं के उद्यम शुरू करके उच्च-वर्ग और सामान्य जन दोनों को लाभान्वित करने के लिए सुसज्जित और प्रोत्साहित करने को प्रतिबद्ध है।

प्रमुख उपलब्धियां: इस वर्ष विभाग ने मुख्य रूप से यूजीसी-नेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्रदान करने की क्षमता के साथ-साथ छात्र के कौशल को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के दौरान विभाग की कुछ प्रमुख उपलब्धियां निम्नलिखित हैं

1. विभाग ने एम.कॉम के अपने 100% छात्रों को एमओओसी पाठ्यक्रम में विभाग के बाहर एक वैकल्पिक पेपर के स्थान पर सफलतापूर्वक नामांकित किया है। सभी छात्रों ने इसके एमओओसी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर लिया है.
2. छात्रों के प्लेसमेंट रिकॉर्ड में काफी इजाफा हुआ।
3. लगभग 08 छात्रों ने सहायक प्राध्यापकों के लिए आयोजित यूजीसी नेट/सेट पास किया।
4. एनईपी-2020 के तहत संबद्ध कॉलेजों और आईएमडीसी कार्यक्रम के लिए यूजी पाठ्यक्रम की संरचना तैयार की गई है।
5. विभाग ने इस शैक्षणिक वर्ष में समाचार पत्र का तीसरा संस्करण, विभागीय दीवार पत्रिका का पांचवां खंड और विभागीय वार्षिक उत्सव और पूर्व छात्र बैठक का चौथा संस्करण प्रकाशित किया है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/ अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/ अनुसंधान/ नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	जारी	गाइड-निर्देशित	जारी		
डॉ. प्रहलाद देबनाथ	एम.कॉम., पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	प्रबंध, उद्यमिता	33	0	5	7	0	15	1
डॉ. चिन्मय रॉय	एम.कॉम., पीएच.डी., आईसीडब्ल्यूएआई (इंटर)	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लेखांकन, वित्त, प्रबंधन	28	2	4	7	0	60	5
डॉ. सुबीर कुमार सेन	एमएससी. (अर्थशास्त्र), पीएच.डी.	एसोसिएट प्राध्यापक	पूर्णकालिक	परिवहन नेटवर्क का अर्थशास्त्र	19	01	05	0	0	15	3
डॉ. जॉय दास (लियेन पर)	एमकॉम (वित्त), पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	स्टॉक मार्केट परफॉर्मेंस, इवेंट स्टडी, म्यूचुअल फंड	13 वर्ष	2	0	0	0	39	4

डॉ. रजत देब	एम.कॉम., एमबीए (वित्त), पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	लेखांकन, कराधान और व्यक्तिगत वित्त	16.6	1	2	8	0	254	9
श्री माणिक चक्रवर्ती	एम.कॉम.	अतिथि व्याख्याता	अतिथि व्याख्याता	लेखा और वित्त	2.4	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. जुहेंद्र देबबर्मा	एम.कॉम.	अतिथि व्याख्याता	अतिथि व्याख्याता	लेखा और वित्त	2.4	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	5	1
श्री पिंटू माझी	एमएससी (अर्थशास्त्र)	अतिथि व्याख्याता	अतिथि व्याख्याता	अर्थशास्त्र	2	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
डॉ. दिवेता राठौर	एमबीए, पीएच.डी.	अतिथि व्याख्याता	अतिथि व्याख्याता	मैनेजमेंट	2	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-
श्री पार्थ आचार्जी	एम.कॉम.	अतिथि व्याख्याता	अतिथि व्याख्याता	वित्त	0.6	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. विजिटिंग टीचर/विजिटिंग फेलो :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	वर्तमान/पूर्व से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त)
डॉ. जॉय दास, प्राध्यापक (मई, 03-12, 2024)	अंतरराष्ट्रीय वित्त प्रबंधन	वाणिज्य विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय, कोहिमा कैंपस: मेरिमा, कोहिमा- 797004, नागालैंड
डॉ. देबाशीष सूर, प्राध्यापक (दिसंबर, 5-12, 2023)	कार्यशील पूंजी प्रबंधन	वाणिज्य विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, गोलाबाग: बर्धमान- 713102, पश्चिम बंगाल
डॉ. अरिंदम दास, प्राध्यापक (अप्रैल, 10-19, 2024)	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन	वाणिज्य विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, गोलाबाग: बर्धमान- 713102, पश्चिम बंगाल
डॉ. जे. यू. अहमद, प्राध्यापक (मई, 03-12, 2024)	वित्तीय बाजार और सेवाएं	प्रबंधन विभाग, एनईएचयू, तुरा कैंपस चांदमारी, तुरा, मेघालय 794002

3. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो प्रह्लाद देबनाथ	शिक्षक	-	1 (सम्मेलन)	-
प्रो चिन्मय रॉय	शिक्षक	2 (सम्मेलन)	3 (सम्मेलन)	लागू नहीं
डॉ. सुबीर कुमार सेन	शिक्षक	-	1 (सम्मेलन)	-
डॉ. रजत देब	शिक्षक	8 (सम्मेलन)	1 (सम्मेलन)	2 (एफडीपी)

4. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. सुबीर कुमार सेन	कोलकाता (ऑनलाइन)	27.07.2023	एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म, एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता	असाइनमेंट समस्याएं और पर्यटन अनुसंधान में इसका विस्तार
	अगरतला (शारीरिक)	29.09.2023	इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), त्रिपुरा स्टेट अजजार	त्रिपुरा के साथ अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी और व्यापार के अवसर
	अगरतला (शारीरिक)	12.03.2024	केंद्रीय पुस्तकालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन	साहित्य की व्यवस्थित समीक्षा

डॉ. रजत देब	अगरतला (शारीरिक)	15.09.2023	सिपार्ड	बजट योजना और वित्तीय प्रबंधन; परियोजना की निगरानी और मूल्यांकन
	अगरतला (शारीरिक)	07.11.2023	सिपार्ड	ओपन-सोर्स टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग के साथ आईटी-सक्षम आरडी परियोजना प्रबंधन

5. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रदान/सम्मानित
श्री निर्मल रियांग	अंशकालिक	भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की फर्मों की लागत, राजस्व और लाभ दक्षता विश्लेषण	डॉ. सुबीर कुमार सेन	प्रदत्त (21.08.2023)
सुश्री मधु कुमारी	पूर्णकालिक	घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा किए गए निवेश के बीच संबंध और उन्हें प्रभावित करने वाले कारकों की जांच	प्रो. प्रह्लाद देबनाथ	प्रदत्त (13.10.2023)
श्री महेश दहल	अंशकालिक	अर्ध-मजबूत फॉर्म कुशल बाजार परिकल्पना का परीक्षण: भारतीय बैंकिंग क्षेत्र से साक्ष्य	डॉ. जॉय दास (ग्रहणाधिकार पर)	प्रदत्त (27.12.2023)
श्री माणिक चक्रवर्ती	अंशकालिक	कॉर्पोरेट वित्तीय प्रदर्शन पर पूंजी संरचना का प्रभाव-भारत में एनएसई सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनियों से साक्ष्य	प्रो चिन्मय रॉय	प्रदत्त (23.04.2024)
श्री जुहेंद्र देबबर्मा	अंशकालिक	क्रिएटिव अकाउंटिंग प्रैक्टिस पर कॉर्पोरेट गवर्नेंस का प्रभाव: एनएसई सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनियों से साक्ष्य	प्रो चिन्मय रॉय	प्रदत्त (23.04.2024)
श्री हरसांगलियन हलम	अंशकालिक	सड़क परिवहन नेटवर्क कनेक्टिविटी की स्थिति: भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र का एक अध्ययन	डॉ. सुबीर कुमार सेन	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
सुश्री अनीता बेहरा	पूर्णकालिक	ESG और फर्म लाभप्रदता के बीच लिंकेज: निफ्टी 50 कंपनियों से साक्ष्य	डॉ. रजत देब	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और पाँचवी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
सुश्री तंगसांगत्री रियांग	अंशकालिक	त्रिपुरा में रबड़ उत्पादकों की आजीविका पद्धति में परिवर्तन पर रबड़ की कीमतों के निर्धारकों और इसके प्रभाव पर एक अध्ययन	प्रो प्रह्लाद देबनाथ	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
श्री पुखराम राजीव सिंह	पूर्णकालिक	भारतीय शेयर बाजार और उसके ड्राइवरों में हेरिंग व्यवहार की जांच: निफ्टी 50 इंडेक्स के क्षेत्रीय विश्लेषण के माध्यम से साक्ष्य	प्रो प्रह्लाद देबनाथ	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
श्रीमती सेविका देबबर्मा	अंशकालिक	त्रिपुरा में हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योग के अवसर और चुनौतियां: जारी स्थिरता दृष्टिकोण को संबोधित करना	प्रो चिन्मय रॉय	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
श्री शंकर देबनाथ	अंशकालिक	भारत में पीएसई की रचनात्मक वित्तीय रिपोर्टिंग प्रथाएं: सजावट और प्रतिनिधित्व के 'महत्वपूर्ण-बीच' पर विचार	प्रो चिन्मय रॉय	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
श्री मृणाल चौधरी	अंशकालिक	अनुसंधान एवं विकास पर खर्च और भारत में पीएसई का विकास: चिंतनशील विकल्पों पर एक अध्ययन	प्रो चिन्मय रॉय	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
श्री अशित दास	अंशकालिक	सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में कार्यशील पूंजी प्रबंधन रणनीतियाँ: प्रदर्शन पर नकदी प्रवाह संवेदनशीलता का एक अध्ययन	प्रो चिन्मय रॉय	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत

सुश्री प्रिया दास	पूर्णकालिक	संयुक्त एमसीडीएम विधियों के तहत प्रदर्शन मूल्यांकन: भारतीय बैंकिंग क्षेत्र का एक अध्ययन	डॉ. सुबीर कुमार सेन	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और दूसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
मोहम्मद मंजूर हुसैन	पूर्णकालिक	क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉक के व्यापार नेटवर्क की प्रकृति और पैटर्न: बिम्सटेक का एक अध्ययन	डॉ. सुबीर कुमार सेन	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
श्री मानव कुमार चकमा	पूर्णकालिक	त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क का आर्थिक विश्लेषण स्वायत्त जिला परिषद, त्रिपुरा, भारत	डॉ. सुबीर कुमार सेन	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और दूसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत
श्री रघु बीर साहू	पूर्णकालिक	लेखा परीक्षा समिति और वित्तीय रिपोर्टिंग गुणवत्ता	डॉ. रजत देब	पीएच.डी. पंजीकरण पूरा और तीसरी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत

6. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ :

6.1. विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र. सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठी व्याख्यान / वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	15.09.2023	01 दिवसीय	*वाणिज्य विभाग के छात्रों के कौशल विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में छात्रों के लिए निवेशक जागरूकता कार्यक्रम*	बीएसई लिमिटेड, मुंबई *के सहयोग से गूगल मीट (https://meet.google.com/kff-nvit-njd) के माध्यम से* हाइब्रिड मोड में वेबिनार	राष्ट्रीय	173 लिंक: Report_BSE_ Webinar_15.09 .2023.pdf

6.2 उद्योग/गैर सरकारी संगठन/सरकारी संगठन के साथ संपर्क:

विभाग का नाम	भ्रमण किए गए उद्योगों/ गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	भ्रमण किए गए उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	यात्रा का उद्देश्य
वाणिज्य	-	भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), अगरतला	2 सितंबर, 2023 को प्रज्ञा भवन, अगरतला हॉल नंबर-3 में आयोजित "कनेक्टिंग त्रिपुरा: फ्रॉम लैंड लॉक्ड टू लैंड लिंक्ड" पर सेमिनार में सहभागिता प्रतिभागियों का विवरण इस प्रकार है: 1. मोहम्मद मंजूर हुसैन, शोधार्थी, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 2. श्री मानव कुमार चकमा, शोधार्थी, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 3. सुश्री ममिता मोग, पीजी छात्रा, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 4. सुश्री साबित्री मोग, पीजी छात्र, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 5. श्री ऊंची मोग, पीजी छात्र, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 6. सुश्री तनुश्री दास, यूजी छात्र, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 7. श्री अंकुर सरकार, पीजी छात्र, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 8. श्री अशरफुल इस्लाम, पीजी छात्र, वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

6.3 व्यावसायिक/ विद्वतसमाजों में सदस्यता:

संकाय/ शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
प्रो प्रह्लाद देबनाथ	इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन (आईसीए), इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन (आईएए), ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए),	आजीवन सदस्य
प्रो चिन्मय रॉय	इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन (आईसीए), इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन (आईएए), ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए),	आजीवन सदस्य
डॉ. सुबीर कुमार सेन	ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए), द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस), ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (ओआरएसआई)	आजीवन सदस्य
डॉ. जॉय दास (लिएन पर)	इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन (आईसीए), इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन (आईएए), ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए),	आजीवन सदस्य
डॉ. रजत देब	इंडियन कॉमर्स एसोसिएशन (आईसीए), इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन (आईएए), ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए), एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कॉलर्स (एआईएमएस) इंटरनेशनल, इकोनॉमिक साइंस सोसाइटी ऑफ त्रिपुरा (ईएसएसओटी), इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन रिसर्च फाउंडेशन (आईएएआरएफ)	आजीवन सदस्य

6.4 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता:

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. रजत देब	बौद्धिक संपदा अधिकारों पर 5 दिन का एफडीपी	एमिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड फाइनेंस, एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता (ऑनलाइन)	5-दिवसीय	3-7 जुलाई, 2023
	सामाजिक विज्ञान में अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन कार्यशाला	स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लिंगायन के विद्यापीठ, फरीदाबाद और ACADINS पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली के सहयोग से J & K इकोनॉमिक एसोसिएशन	10-दिवसीय	20-29 जून, 2024

7. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: लेखांकन, वित्त, कराधान, उद्यमिता और क्षेत्रीय अर्थशास्त्र

8. नई पहल/नवाचार: एनईपी-2020 के तहत आईएमडीसी पाठ्यक्रम लागू किया गया है।

9. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल संख्या लैब की संख्या (ए + बी)	टीचिंग लैब की संख्या (ए)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ बिल्ड अप)
1	1	0

10. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
पार्थ आचार्जी	पुरुष	अनारक्षित	नहीं	यूजीसी	नेट जून-2023
जयंत आचार्जी	पुरुष	अनारक्षित	नहीं	यूजीसी	नेट जून-2023
बिप्लब पॉल	पुरुष	ओबीसी	नहीं	यूजीसी	सेट मार्च-2023
पार्थ आचार्जी	पुरुष	अनारक्षित	नहीं	यूजीसी	सेट मार्च-2023
सौरव साहा	पुरुष	अनारक्षित	नहीं	यूजीसी	नेट जून-2023
माणिक्य जमातिया	पुरुष	अजजा	नहीं	यूजीसी	नेट जून-2023

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. दीपक उपाध्याय
स्थापना वर्ष : 2009
प्रस्तावित कार्यक्रम : जेएमसी में एमए, पीएचडी
प्रवेश क्षमता : 20+2

विभाग की परिकल्पना: देश के दूर-दराज के क्षेत्र में स्थित, हम, छात्र और संकाय सदस्**यों** की परिकल्पना हैं कि त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और जनसंचार विभाग सरल तरीके से मानव संसाधनों को प्रशिक्षित करके राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक रूप से जोड़ने में सक्षम होगा जो सक्षम मीडिया कर्मियों को तैयार करने की बढ़ती मांग को पूरा करेगा जो त्रिपुरा राज्य में नहीं बल्कि भारत में राष्ट्रीय परिदृश्य में भी हमेशा चुनौतीपूर्ण मीडिया क्षेत्र में समायोजित होने के लिए तैयार होंगे। आने वाले दिनों में, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय पूर्वोत्तर भारत में एक नोडल मीडिया शिक्षण और शिक्षण संस्थान के रूप में उभरेगा, जो राज्य के छात्रों की रचनात्मक क्षमताओं का दोहन करेगा, जिसमें देश के तेजी से सिकुड़ते रोजगार बाजार परिदृश्य में मीडिया शिक्षा के साथ कौशल आधारित रोजगार क्षमता होगी।

प्रमुख उपलब्धियां: पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 2009 में स्थापित होने के बाद, प्रिंट और वीडियो उत्पादन दोनों में त्रिपुरा नामक भारत के पूर्वी हिस्से में एक छोटे से क्षेत्र के अप्रयुक्त क्षेत्र के स्वदेशी कला और संस्कृति के अनुसंधान और प्रलेखन पर जोर देता है। चौदह साल का अस्तित्व एक अकादमिक विभाग के जीवन में एक छोटी अवधि हो सकती है, फिर भी, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय वीडियो उत्पादन, जन संचार, जनसंपर्क, विज्ञापन आदि में ज्ञान के निर्माण और प्रसार के क्षेत्र में योगदान करने का प्रयास कर रहा है; त्रिपुरा राज्य में मीडिया व्यवसाय के सूर्योदय क्षेत्र को संभालने में सक्षम कुशल जनशक्ति के पोषण में मौजूदा अंतर को भरने के लिए। हमारे एनईपी 2020 पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम के साथ, जो मीडिया पेशे के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण और एक्सपोजर की पेशकश के साथ मिश्रित है, हम नए शिक्षा परिदृश्य में अपने विभाग की प्रासंगिकता बढ़ाने के बारे में सुनिश्चित हैं।

1. संकाय सदस्य:

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
सुनील कलाई	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	दृश्य संचार, कोकबरॉक सिनेमा, संस्कृति और स्वदेशी न्यू मीडिया अध्ययन, भागीदारी संचार अध्ययन	16	-	1	9	-	-	-
दीपक उपाध्याय	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	जलवायु परिवर्तन, न्यू मीडिया स्टडीज	16	1	2	9		4	-
धर्मेंद्र कुमार दुबे	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	न्यू मीडिया, जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन और मीडिया लॉ	10 महीने	-	-	7	-	-	-

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
सुनील कलाई	शिक्षक	-	1	-
दीपक उपाध्याय	शिक्षक	-	1	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
सुनील कलाई	मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया (ऑनलाइन)	15.11.2023	मोनाश विश्वविद्यालय	विकासशील देशों में स्वदेशी समुदायों में सामुदायिक सूचना विज्ञान प्राथमिकताएं
धर्मेंद्र कुमार दुबे	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	04.03.2024 से 05.03.2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	भक्ति आंदोलन का उत्तर पूर्व में प्रचार: एक मूल्यांकन
धर्मेंद्र कुमार दुबे	हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	15.03.2024	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	ब्रज भाषा का अखिल भारतीय स्वरूप: एक विश्लेषण

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रबंधित/सम्मानित
आजाद अंसारी	पूर्णकालिक	पर्यावरण में समाचार और समाचार में पर्यावरण: दो समाचार पत्रों का सामग्री विश्लेषण अध्ययन	दीपक उपाध्याय	पंजीकृत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

5.1 उद्योग/एनजीओ/सरकारी संगठन के साथ बातचीत:

क्र. सं.	संकाय के नाम	उद्योग/ एनजीओ का नाम	उद्योग का स्थान	एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए? (हाँ/नहीं)	कोई अनुदान प्राप्त हुआ? (यदि हाँ तो मूल्य लाखों में)	छात्र को नियोजित किया गया? (यदि हाँ, तो संख्या निर्दिष्ट करें.)
1	सुनील कलाई	मोंद्रा	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	छात्रों ने इंटर्नशिप की है
2	दीपक उपाध्याय	मोंद्रा	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	छात्रों ने इंटर्नशिप की है
3	धर्मेंद्र कुमार दुबे	मोंद्रा	त्रिपुरा	नहीं	नहीं	छात्रों ने इंटर्नशिप की है

5.2 उद्योग/गैर सरकारी संगठन/सरकारी संगठन के साथ सहभागिता:

विभाग का नाम	भ्रमण किए गए उद्योगों/ गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	भ्रमण किए गए उद्योग/गैर सरकारी संगठन का नाम	भ्रमण का उद्देश्य
जेएमसी	1	*दूरदर्शन*, अगरतला (छात्रों के नाम: नबारूण देब, वर्षा करमाकर, आकृति सिंह, मृण्मय देब)	2024 में इंटर्नशिप
जेएमसी	1	*टाइम्स 24*, अगरतला (छात्रों का नाम: विक्टोरिया जमातिया, मरियम लालदीपुई रांगखॉल)	2024 में इंटर्नशिप
जेएमसी	1	*राइज ईस्ट मीडिया*, त्रिपुरा (छात्रों के नाम: सौरव चकमा, राजश्री देबबर्मा, अनिमेष मजूमदार, शिमोन मालसोम, सुनिंदिता बनिक, रश्मि देबाबर्मा)	2024 में इंटर्नशिप
जेएमसी	1	*त्रिपुरा टाइम्स* (छात्रों का नाम: अमित देबबर्मा)	2024 में इंटर्नशिप
जेएमसी	1	*सुदर्शन न्यूज़*, दिल्ली (छात्रों के नाम: सताद्रु सोभन बरुआ, अक्रज्योति मजूमदार)	2024 में इंटर्नशिप
जेएमसी	1	*असम राइफल्स*, अगरतला (छात्रों के नाम: ऐमिरी देबबर्मा, अश्मिता देब, प्रियम साहा, अमृता सेनगुप्ता, डॉली त्रिपुरा, राहुल देबबर्मा, नावेरी रियांग, अतनिम राय)	2024 में इंटर्नशिप
जेएमसी	1	*दृष्टि चैनल* (छात्रों का नाम: राहुल शील, संदीप देबबर्मा)	2024 में इंटर्नशिप
जेएमसी	1	*ऑल इंडिया रेडियो, अगरतला* (छात्रों का नाम: मृण्मय देब)	2024 में इंटर्नशिप

5.3 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
सुनील कलाई	मीडिया स्टडीज एंड गवर्नेंस में ऑनलाइन दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अंतःविषय)	जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	दो हफ्ते	5 दिसंबर से 18 दिसंबर 2023
दीपक उपाध्याय	मीडिया स्टडीज एंड गवर्नेंस में ऑनलाइन दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अंतःविषय)	जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	दो हफ्ते	5 दिसंबर से 18 दिसंबर 2023
धर्मेंद्र कुमार दुबे	एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम	एमएमटीटीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	दो हफ्ते	11.03.2024 से 22.03.2024
धर्मेंद्र कुमार दुबे	मीडिया के अभिसरण पर पांच दिवसीय एफडीपी: डिजिटल युग में चुनौतियां और अवसर	यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया स्टडीज, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी	एक सप्ताह	10.05.2024 से 14.05.2024
धर्मेंद्र कुमार दुबे	उद्यमिता विकास पर एफडीपी	उद्यमिता विकास और इनक्यूबेशन केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के लिए केंद्र	दो हफ्ते	21.05.2024 से 31.05.2024

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: पत्रकारिता और जन संचार विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से कोकबरॉक सिनेमा और संस्कृति जैसे त्रिपुरा राज्य के लोगों के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर भागीदारी वृत्तचित्र फिल्म निर्माण की तैयारी में व्यापक शोध करने पर जोर दे रहा है। इसके अलावा, जेएमसी विभाग का मानना है कि सामाजिक विकास और परिवर्तन, न्यू मीडिया और जलवायु परिवर्तन संचार के लिए संचार में अनुसंधान करने की तत्काल आवश्यकता है। विभाग राज्य के अप्रयुक्त लेकिन समृद्ध क्षेत्रों की कला और संस्कृति के अनुसंधान गतिविधियों और प्रलेखन पर भी जोर देता है, विशेष रूप से और पूरे क्षेत्र में सामान्य रूप से प्रिंट मीडिया के साथ-साथ वीडियो उत्पादन, समाज में समाचार पत्र और मीडिया कानून और नैतिकता में।

7. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्ल्यूटी*/ एसडब्ल्यूओ**)
उत्सव राय	पु	सामान्य	नहीं	जेएमसी	13.12.2023 को आयोजित जनसंचार और पत्रकारिता (रोल नंबर -TA01001594 वाले) में सहायक प्राध्यापक के लिए एनटीए - नेट उत्तीर्ण किया।

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र.

<u>जेएमसी विभाग द्वारा आयोजित कुछ आउटरीच कार्यक्रमों की तस्वीरें</u>



जेएमसी क्रॉनिकल-विभागीय समाचार पत्र का विमोचन समारोह



विभाग द्वारा साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया
सेंट जेवियर्स हायर सेकेंडरी स्कूल, बिश्रामगंज में



आकृति 1 विभाग द्वारा साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया
मोंटफोर्ट एचएस स्कूल, चंपकनगर में



याखिली अकादमी, खुमुलुंग में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम



शांतिकाली आश्रम, खुमुलुंग में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

विधि विभाग

विभागाध्यक्ष : डॉ. बृजमोहन पाण्डेय
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एलएलएम (दो वर्ष), पीएच.डी
प्रवेश क्षमता : 15

विभाग का विजन: शैक्षणिक, अनुसंधान और परामर्श के क्षेत्र में एक प्रमुख विधिक शिक्षा प्रदाता के रूप में विधि विभाग का निर्माण करना।

प्रमुख उपलब्धियां: विधि विभाग आवश्यक कानूनी सिद्धांतों की समझ के साथ कानूनी शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। विधि विभाग सक्षम, गंभीर रूप से सोचने, विश्लेषणात्मक रूप से सशक्त और प्रबुद्ध विधिक मानव संसाधनों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, विधि विभाग एक आधुनिक बौद्धिक रूप से विचारपरक पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो प्रत्येक छात्र की बहुमुखी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशिष्ट रूप से अनुकूलित है। स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों की गतिशील श्रेणियों को समाज की समकालीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। विधि विभाग सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं में कानूनी ज्ञान के व्यापक अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि एक लगनशील मूटिंग संस्कृति को बढ़ावा देता है। विधि विभाग कल आपके विधिक भविष्य की यात्रा पर आज मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

1. संकाय सदस्य:

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. बृजमोहन पाण्डेय	नेट, पीएच.डी	अध्यक्ष सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-	15	-	2	2	-	-	-
डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती	नेट, पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-	07	-	-	1	-	-	-
सुश्री रूमा दास	नेट	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	-	01	-	-	1	-	-	-
सुश्री मधुरिमा नाहा	नेट	अतिथि व्याख्याता	संविदात्मक	-	01	-	-	1	-	-	-

2. विजिटिंग शिक्षक/विजिटिंग फेलो :

नाम	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों/व्याख्यानों के विषय	अब/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त)
प्रो पिंकी शर्मा	संवैधानिक कानून में उभरती चुनौतियां	दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ विजेता दुआ	भारत में कानूनी अनुसंधान की नई गतिशीलता	डीएसएमएनआरयू लखनऊ

3. पूर्ण पेपर के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित विभाग के शिक्षक /छात्रों/ शोध विद्वानों द्वारा भाग लेने वाले सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
सुश्री रूमा दास	शोधार्थी	-	-	1

4. किसी भी परिसंवाद / संगोष्ठी / कार्यशाला / ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय / अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती	अगरतला	24/03/2024	एकलव्य कैम्पस, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय	हिंदू दत्तक ग्रहण अधिनियम, 1956- न्यायशास्त्र का दृष्टिकोण
डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती	अगरतला	13/02/2024	टेक्नो इंडिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अगरतला	कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013
डॉ. मैत्रेयी चक्रवर्ती	अगरतला	29/11/2023	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, अगरतला	भारतीय संविधान के संवैधानिक मूल्य और मौलिक सिद्धांत

5. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
सुश्री रूमा दास	महिला	अनुसूचित जाति	नहीं	विधि विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सहायक प्राध्यापक	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	सहायक प्राध्यापक के लिए चयनित

6. शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/ पदक/ सम्मान # (राज्य/ राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर):

छात्रों का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान का नाम	पुरस्कार/पदक/सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/संस्थान	टिप्पणियां
सुश्री मधुरिमा नाहा	एलएलएम में स्वर्ण पदक	16 दिसंबर, 2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-

खेल के मामले में, इंटर यूनिवर्सिटी, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष	:	प्रो. रवीन्द्र कुमार महापात्र
स्थापना वर्ष	:	2016
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान स्नातक (बी.लिब. आई.एससी.) पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में मास्टर (एम.लिब.आई.एससी) पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएचडी
प्रवेश क्षमता	:	बी.लिब. आई.एससी.., -30 एम.लिब.आई.एससी.-25 पीएच.डी.-09

विभाग की परिकल्पना :

इस क्षेत्र में पुस्तकालयों को ज्वलंत और कुशल जनशक्ति के साथ प्रस्तुत करना और ज्ञान के अद्यतन और संवर्धन के लिए पुस्तकालयों की स्थापना से जुड़े लोकाचार को संवेदनशील बनाना।

मिशन:

विषय पर उन्नत ज्ञान प्रदान करना और छात्रों को डिजिटल युग में आधुनिक पुस्तकालयों के प्रबंधन की तकनीकों से सुसज्जित करना।

मजबूत सैद्धांतिक नींव के साथ-साथ व्यावहारिक कक्षाओं, संगोष्ठियों, प्रस्तुतियों, पाठ्यक्रम पर व्यावहारिक यात्रा और इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रदान करके अच्छी तरह से प्रशिक्षित जनशक्ति का उत्पादन करना।

प्रमुख उपलब्धियां:

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में 29.02.2016 को इस क्षेत्र में पुस्तकालयों को विस्तृत और कुशल जनशक्ति के साथ प्रस्तुत करने के उद्देश्य से की गई थी। विभाग एक वर्ष का सूक्ष्म स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातक (बी.लिब. आई.एससी) की डिग्री प्राप्त हो रही है। 2016-2017 से एलआईएस में सीबीसीएस मॉडल पाठ्यक्रम और यूजीसी मॉडल एलओसीएफ 2020-2021 के संशोधित सीबीसीएस पाठ्यक्रम लागू है। विभाग ने इस विषय पर उन्नत ज्ञान प्रदान करने के लिए शैक्षणिक सत्र 2017-2018 से पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (एम.लिब.आई, एससी) पाठ्यक्रम के 1 वर्षीय स्नातकोत्तर भी शुरू किया और डिजिटल युग में आधुनिक पुस्तकालयों के प्रबंधन की तकनीकों के साथ छात्रों को सुसज्जित किया और 2018-2019 से विभाग ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान करना शुरू कर दिया है। तकनीकी ज्ञान के साथ एलआईएस में डिग्री रखने वाले कुशल पुस्तकालय पेशेवरों की आवश्यकता इस डिजिटल युग में किसी भी पुस्तकालय में अपरिहार्य है। पाठ्यक्रम भारत में एलआईएस के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य और रोजगार बाजार को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाते हैं। विभाग मजबूत सैद्धांतिक नींव के साथ-साथ व्यावहारिक कक्षाओं, सेमिनारों, प्रस्तुतियों, पाठ्यक्रम निर्धारित भारत के प्रतिष्ठित पुस्तकालयों की व्यावहारिक यात्रा, और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में इंटर्नशिप कार्यक्रम पर हाथ रखकर धअच्छी तरह से सुसज्जित जनशक्ति का उत्पादन करने के लिए काम कर रहा है। अब तक बी.लिब. आई.एससी के सात बैच और एम.लिब.आई.एससी के छह बैच के छात्र सफलतापूर्वक निकल चुके हैं। यह विभाग के लिए विशिष्ट विशेषाधिकार और उपलब्धि की बात है कि 73 छात्रों को सहायक प्राध्यापक, अतिथि संकाय, लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, पुस्तकालय प्रशिक्षु, विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, प्रमुख विश्वविद्यालय, कॉलेज और स्कूल पुस्तकालयों और त्रिपुरा राज्य के साथ-साथ राज्य के बाहर जैसे आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, नागालैंड, और त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), इनफ्लिबनेट, गांधीनगर (गुजरात), तेजपुर विश्वविद्यालय (मध्य), असम, सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रबंधन संस्थान, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (बिहार), आईआईटी (मद्रास), चेन्नई,

आईआईटी (मुंबई), आईआईटी (दिल्ली), इग्नू (नई दिल्ली), एनवीएस असम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, और त्रिपुरा, एसआईपीएआरडी, त्रिपुरा, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय और त्रिपुरा सरकार में अन्य विभागों और अनुसंधान संस्थानों में विभिन्न क्षमताओं में रखा गया है। 2023 तक 11 छात्रों ने यूजीसी-नेट और दो छात्रों ने यूजीसी-जेआरएफ परीक्षाओं को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। हमारे छात्र और शोधार्थी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों, सम्मेलनों, और वेबिनार में पेपर प्रस्तुति में भाग ले रहे हैं और एलआईएस पत्रिकाओं में शोधपत्र प्रकाशित कर रहे हैं। छात्र विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न पाठ्येत्तर गतिविधियों में भी भाग लेते हैं, समय-समय पर विभाग उपलब्धियाँ भी जोड़ते हैं।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो रवीन्द्र कुमार महापात्र	एमए, एमएलआईएस, एलएलबी, पीजीडीएलएन, पीएच.डी.	प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	पुस्तकालय स्वचालन/ कम्प्यूटरीकरण/ आईसीटी/ डिजिटल पुस्तकालय पहल उपयोगकर्ता अध्ययन/ पढ़ने की आदतें/ व्यवहार की तलाश अकादमिक पुस्तकालय सूचना प्रणाली ग्रंथ सूची अध्ययन	यूजी/पीजी =30 प्रोफेशनल =8	-	06	115	5	131	6
डॉ. मिठु अंजली गायेन	पीएच.डी	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	सूचना साक्षरता, पुस्तकालय सूचीकरण, डिजिटल पढ़ने की आदतें, उद्धरण विश्लेषण	8	-	3	5	5	72	6
ऑगस्टीन ज़िमिक	एमएलआईएस (नेट)	सहायक प्राध्यापक	पूर्ण-कालिक	स्वदेशी ज्ञान	7 वर्ष	-	-	6	5	-	-
झरना रियांग	एमएलआईएस (नेट)	अतिथि संकाय	अतिथि	आईसीटी	2 वर्ष	-	-	-	4	-	-

**उल्लेख किया जाना चाहिए*

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/ छात्र/ शोधार्थी	सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो आर के महापात्र	शिक्षक	3	1	-
डॉ. मिठु अंजली गायेन	शिक्षक	3	-	-
श्री आगस्टिन जिमिक	शिक्षक	-	2	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं :

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/ विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
आर. के. महापात्र	मेघालय	नवम्बर 25 2023	यूएसटीएम,	एलआईएस में नवीनतम रुझान

आर.के. महापात्र	संबलपुर, ओडिशा	22 मार्च 2023	यूजीसी-एचआरडीसी संबलपुर विश्वविद्यालय	एलआईएस में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकियां
आर.के. महापात्र	कोलकाता	18 दिसम्बर 2023	यूजीसी एमएमटीटीसी कलकत्ता विश्वविद्यालय	विशेष पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
आर.के. महापात्र	संबलपुर, ओडिशा	21 मार्च 2024	यूजीसी-एमएमटीटीसी संबलपुर विश्वविद्यालय	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
आर.के. महापात्र	त्रिपुरा	22 मार्च 2024	एमएम-टीटीसी त्रिपुरा विश्वविद्यालय	आईसीटी @ शिक्षाविदों
आर.के. महापात्र	-	22-3-2024	-	एनईपी ओरिएंटेशन और संवेदीकरण कार्यक्रम
आर.के. महापात्र	कोलकाता	17-18 फरवरी 2024	2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जादवपुर विश्वविद्यालय	आईपीआर
आर.के. महापात्र	अगरतला	14 मार्च 2024	3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बीसीएससीएल, अगरतला	अकादमिक पुस्तकालय प्रबंधन: एक सिंहावलोकन
आर.के. महापात्र	त्रिपुरा विश्वविद्यालय,	10 जनवरी 2024	यूजीसी-एमएमएमटीटीसी इंटर-डिसिप्लिन रिफ्रेशर कोर्स,	अंतर-अनुशासनात्मक
डॉ. मिठु अंजली गायेन "अनुसंधान पद्धति" पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के सत्र में संसाधन व्यक्ति	अगरतला	16.11.2023	होली क्रॉस कॉलेज,	अकादमिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए डिजिटल युग में प्रभावी सूचना प्रबंधन
डॉ. मिठु अंजली गायेन सत्र की सह-अध्यक्षता	आईआईटी, खरगपुर	20.11.2023	राष्ट्रीय संगोष्ठी आईआईटी, खरगपुर	डिजिटल लाइब्रेरी: शिक्षा में सतत विकास (डीएलएसडीई- 2023)

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया)/ थीसिस प्रस्तुत/सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी:

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/शोध प्रदान/सम्मानित
राजेश कुमार मोग	पूर्णकालिक एसआरएफ	डिजिटल पढ़ने की आदत	डॉ. मिठु अंजली गायेन	पंजीकृत
प्रसेनजीत धर	अंशकालिक	डिजिटल साक्षरता	डॉ. मिठु अंजली गायेन	पंजीकृत
नबनिता रॉय	पूर्णकालिक जेआरएफ	लाइब्रेरी कैटलॉगिंग	डॉ. मिठु अंजली गायेन	पंजीकृत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियाँ:

5.1 विभाग द्वारा पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता का आयोजन:

क्र.सं.	दिनांक	अवधि	विषय	पुनश्चर्या/ अभिविन्यास पाठ्यक्रम/ संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशालाएं/ संगोष्ठी व्याख्यान/ वार्ता	अंतरराष्ट्रीय/ राष्ट्रीय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	14 अगस्त, 2023	एक दिन	पद्मश्री की 131 वीं जयंती पर राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस डॉ एस आर रंगनाथन पर और डॉ एसआर रंगनाथन पर स्मारक व्याख्यान	स्मारक व्याख्यान	अंतरराष्ट्रीय प्रो. भीम भोज श्रेष्ठ, डीएलआईएस, त्रिभुबन विश्वविद्यालय, नेपाल,	60

2	06-05-2024	एक दिन	एमबीबी विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के छात्रों के लिए सूचना साक्षरता कौशल सुधार कार्यशाला	कार्यगोष्ठी	राष्ट्रीय ICSSR द्वारा वित्त पोषित	90
3	30-04-2024	एक दिन	त्रिपुरा के विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच साक्षरता कौशल में सुधार	कार्यगोष्ठी	राष्ट्रीय ICSSR द्वारा वित्त पोषित	120

5.2 उद्योग/एनजीओ/सरकारी संगठन के साथ संपर्क: (छात्रों के लिए)

विभाग का नाम	भ्रमण किए गए उद्योगों/ गैर-सरकारी संगठनों की संख्या	भ्रमण किए गए उद्योग/ गैर सरकारी संगठन का नाम	यात्रा का उद्देश्य
पुस्तकालय	3	एनआईटी, सिल्चर, असम विश्वविद्यालय, सीचर, पब्लिक लाइब्रेरी, हाफलॉन्ग, असम	अकादमिक पुस्तकालय यात्रा/अध्ययन यात्रा

5.3 व्यावसायिक/विद्वान समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. आर. के. महापात्र	आईएटीएलआईएस	आजीवन सदस्य
डॉ. आर. के. महापात्र	लिंक्डइन	https://www.linkedin.com/in/dr-rabindra-kumar-mahapatra-50083643/
डॉ. आर. के. महापात्र	एलआईएस लिंक	lislink.com
डॉ. मिठु अंजली गायेन	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के शिक्षकों की भारतीय संघ	आजीवन सदस्य
श्री आगस्टिन जिमिक	लिंक्डइन	https://www.linkedin.com/in/augustine-zimik-724103126/

6. अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र: सूचना साक्षरता, स्वदेशी ज्ञान का प्रलेखन, आंटलजी, पढ़ने की आदत, पुस्तकालय सूचीकरण, मैट्रिक्स अध्ययन, सूचना की मांग व्यवहार, एलआईएस में आईसीटी अनुप्रयोग, आईपीआर

7. नई पहल / नवाचार: विभागीय / संगोष्ठी पुस्तकालय, आईसीटी और आईआर लैब

8. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल लैब की संख्या (ए + बी)	टीचिंग लैब की संख्या (ए)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ निर्मित)
3	3	-

9. विभाग में उपलब्ध प्रमुख उपकरण: डीडीसी, सीसी, यूडीसी, एएसीआर-2, आरडीए, सियर्स सूची, कटर-सैनबोर्न लेखक तालिका

10. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कार/ पदक/ सम्मान का नाम	पुरस्कार/ पदक/ सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/ संस्थान	टिप्पणियां
डॉ. आर. के. महापात्र	सलाहकार	3 साल के लिए 01-12-2021 तक	लायन आई हॉस्पिटल एंड पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी विज्ञान, सिलचर, असम,	रिसर्च विंग सेटिंग अपडेट की गई डिजिटल लाइब्रेरी,
डॉ. आर. के. महापात्र	हिन्दी भाषा ज्ञान प्रतियोगिता में तीसरा स्थान	2023	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	-

डॉ. आर. के. महापात्र	शासी निकाय के सदस्य आईएएसएलआईसी	2023-2025	आईएएसएलआईसी, भारत	-
डॉ. आर. के. महापात्र	मानद समीक्षक	2023	कॉलेज पुस्तकालय (WBCLA)	यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल
डॉ. आर. के. महापात्र	समीक्षक	2023	DESIDOC जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल

खेल के मामले में, इंटर यूनिवर्सिटी, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

11. विभाग से शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न सार्वजनिक परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (जनरल/ एसटी/ एससी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ मिन)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	परीक्षा का नाम (नेट/ स्लेट/ गेट/ कैट/ एसएससी/ यूपीएससी/ टीपीएससी/ अन्य/ एसडब्लूटी*/ एसडब्लूओ**)
चिमनजीत रियांग	पुरुष	अजजा	-	यूजीसी	नेट
सुपर्णा भट्टाचार्जी	महिला	सामान्य	-	यूजीसी	नेट

*परीक्षा के साथ उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र;**परीक्षा के बिना उच्च अध्ययन का विकल्प चुनने वाले छात्र.

12. विभाग को ज्ञात छात्र के प्लेसमेंट का विवरण:

नाम	लिंग (पु/म)	श्रेणी (सामान्य/ अजजा/ अजा/ अपिव/ ईडब्ल्यूएस/ अल्पसं)	पीएच (हाँ/ नहीं)	संगठन/ संस्थान का नाम	पदनाम	परीक्षा निकाय	परीक्षा का नाम
रिया सुत्रधर	म	सामान्य		नवोदय स्कूल समिति	लाइब्रेरियन	नवोदय विद्यालय समिति	लाइब्रेरियन
दीपाया भौमिक	पु	सामान्य		नवोदय स्कूल समिति	लाइब्रेरियन	नवोदय विद्यालय समिति	लाइब्रेरियन
नमिता दास	म	अनु. जाति		नवोदय स्कूल समिति	लाइब्रेरियन	नवोदय विद्यालय समिति	लाइब्रेरियन
रुइना देबबर्मा	म	अजजा		नवोदय स्कूल समिति	लाइब्रेरियन	नवोदय विद्यालय समिति	लाइब्रेरियन
सरमिता रॉय	म	जनरल		नवोदय स्कूल समिति	लाइब्रेरियन	नवोदय विद्यालय समिति	लाइब्रेरियन
हरिनाथ रियांग	पु	अजजा		नवोदय स्कूल समिति	लाइब्रेरियन	नवोदय विद्यालय समिति	लाइब्रेरियन
लिटन दास	पु	अनु.जाति		त्रिपुरा सरकार	एलडीसी	जेआरबीटी	जेआरबीटी
झरना रियांग	पु	अजजा		त्रिपुरा विश्वविद्यालय	अतिथि संकाय	वॉल-इन-इंटरव्यू	त्रिपुरा विश्वविद्यालय
मौन मोग	म	अजजा		मोंटफोर्ट स्कूल, अगरतला	लाइब्रेरियन	साक्षात्कार	साक्षात्कार
अंजलि त्रिपुरा	म	अजजा		होली क्रॉस कॉलेज	लाइब्रेरियन	साक्षात्कार	साक्षात्कार
हमरी देबबर्मा	म	अजजा		सेंट जेवियर हायर सेकेंडरी स्कूल, त्रिपुरा	लाइब्रेरियन	साक्षात्कार	साक्षात्कार
चमेली रियांग	म	अजजा					
रिया सुत्रधर	म	जनरल		नीट, अगरतला	पुस्तकालय प्रशिक्षु	अखिल भारतीय साक्षात्कार	अखिल भारतीय साक्षात्कार
राजेश दास	पु	अनुसूचित जाति		कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय	व्यावसायिक सहायक	सीयूके	सीयूके
प्रसेनजीत धर	पु	जनरल		त्रिपुरा सरकार	लाइब्रेरियन	ईएमआरसी	एस्से

शारीरिक शिक्षा विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो प्रशांत कुमार दास
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एम.पी.एड, पीएचडी और वैकल्पिक पाठ्यक्रम
प्रवेश क्षमता : एम.पी.एड (40+4), पीएचडी (26), वैकल्पिक पाठ्यक्रम (40)

विभाग का विजन: शारीरिक शिक्षा विभाग ने छात्र के समग्र व्यक्तित्व के विकास : शारीरिक, सामाजिक, मानसिक और बौद्धिक पर ध्यान केंद्रित किया। विभाग के भीतर कार्यक्रम प्रकृति द्वारा अंतःविषय हैं और क्षेत्र शिक्षा और सामाजिक विज्ञान को जोड़ते हैं। विभाग स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों और विश्वविद्यालयों में विभिन्न स्तरों के लिए शिक्षक, प्रोफेसर, निदेशक, खेल अधिकारी, कोच, खेल प्रशिक्षक, योग प्रशिक्षक, जिम प्रशिक्षक, फिटनेस काउंसलर, लाइफ सेवर, स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजर के रूप में गुणवत्ता वाले शिक्षकों को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग दिन-प्रतिदिन के जीवन में विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों को शारीरिक शिक्षा में नेतृत्व के रूप में तैयार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

शारीरिक शिक्षा विभाग का उद्देश्य हमारे देश में शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य, फिटनेस और कल्याण, प्रशिक्षण, योग, आउटडोर मनोरंजन और स्वस्थ समाज में शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करना है। हमारी दृष्टि कोचिंग, फिटनेस और योग में एक अनुसंधान कार्यक्रम, स्वास्थ्य/ कल्याण संवर्धन, नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी शामिल करना है।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएच.डी. मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
प्रो प्रशांत कुमार दास	एम.पी.एड, एमफिल, नेट, पीएचडी कोचिंग बास्केटबॉल में डिप्लोमा	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	मापन मूल्यांकन, एप्लाइड सांख्यिकी	21	01	05	02	01	08	02
डॉ. सुदीप दास	एम.पी.एड, नेट, पीएचडी	प्राध्यापक	पूर्णकालिक	खेल प्रशिक्षण, अनुसंधान पद्धति,	23	01	05	03	01	-	-
डॉ. संजीव कुमार भौमिक	एम.पी.एड, एमफिल, नेट (जेआरएफ), पीएचडी, डीवाईएड, सीसीएसआई	सह-प्राध्यापक	पूर्णकालिक	स्वास्थ्य, फिटनेस, योग, खेल मनोविज्ञान	15	00	04	-	01	09	01
डॉ. कृष्णेंदु धर	एम.पी.एड, एम.फिल, नेट, पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पूर्णकालिक	स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स, व्यायाम फिजियोलॉजी	13	01	03	03	01	05	01
डॉ. एसएम फारूक	एम.पी.एड, नेट, पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	अतिथि	शारीरिक स्वास्थ्य और कल्याण, मूल्य और पर्यावरण शिक्षा	02	-	-	-	-	16	02

*उल्लेख अनिवार्य

2. पूर्ण शोधपत्र के प्रकाशन के बिना त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अलावा अन्य संस्थानों/ एजेंसियों द्वारा आयोजित सम्मेलन/ सेमिनार/ कार्यशालाएं/ ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन स्कूल में विभाग के शिक्षक/ छात्रों/ शोधार्थियों की सहभागिता:

नाम	शिक्षक/छात्र/शोधार्थी	सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला में सहभागिता की संख्या		
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	संस्था स्तर
प्रो प्रशांत कुमार दास	शिक्षक	-	2	-
डॉ. संजीव कुमार भौमिक	शिक्षक	-	1	-
डॉ. कृष्णेंदु धर	शिक्षक	-	2	-
डॉ. एस. एम. फारूक	शिक्षक	-	2	-

3. किसी भी परिसंवाद/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ ग्रीष्मकालीन या शीतकालीन स्कूल आदि में संकाय/ अतिथि संकाय द्वारा दी गई आमंत्रित वार्ताएं:

नाम	स्थान	दिनांक	संस्थान/विश्वविद्यालय	आमंत्रित वार्ता का शीर्षक
डॉ. संजीब कुमार भौमिक	"शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान की अग्रिम अवधारणाएं: प्रदर्शन, कल्याण और सामाजिक बदलाव" पर 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अगरतला	25-27 जून 2024	शारीरिक शिक्षा विभाग, सरकारी डिग्री कॉलेज कमलपुर, धलाई, त्रिपुरा एनएपीईएसएस के तत्वावधान में शारीरिक शिक्षा विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से	वैश्विक भलाई पर योग के प्रभाव पर सैद्धांतिक चिंतन
	सोनामुरा, त्रिपुरा	22 जुलाई 2024	दर्शनशास्त्र विभाग, कबी नजरूल महाविद्यालय	जानिए योग के बारे में
	"योग को बढ़ावा देने" पर कार्यशाला अगरतला	19 जुलाई, 2024	पश्चिम जिला युवा मामले और खेल कार्यालय, त्रिपुरा सरकार, बधरघाट, अगरतला, त्रिपुरा	योग के बारे में समग्र
	"योग के माध्यम से व्यक्तित्व विकास" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार, सिंगरौली (म.प्र.)	1 जून, 2024	सरकारी महाविद्यालय राजमिलन, सिंगरौली (म.प्र.)	"योग के माध्यम से व्यक्तित्व विकास
	"इनर इंजीनियरिंग प्रथाओं के लिए योग" पर संगोष्ठी, अगरतला	21 जून 2024	इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), त्रिपुरा स्टेट अजजार, अगरतला,	"आंतरिक यांत्रिकता के लिए योगिक अभ्यास"
	"योग की पारंपरिक और आधुनिक अवधारणा" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल,	20 मई, 2024	मोयना कॉलेज, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल,	"योग को समझना पतंजलि दर्शन के माध्यम से"
डॉ. संजीब कुमार भौमिक	एनएसएस नियमित सक्रियता 2023-24 के तहत मानसिक स्वास्थ्य और योग पर जागरूकता कार्यक्रम, गोमती, त्रिपुरा,	30 मार्च, 2024	पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, गोमती, त्रिपुरा द्वारा आयोजित,	"मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग"
	"योग और स्वास्थ्य के अंतर-संबंध" पर राष्ट्रीय वेबिनार, पन्ना (म.प्र.)	23 अगस्त, 2023	गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज, पन्ना (म.प्र.)	स्वास्थ्य: योग का एक दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और शारीरिक दृष्टिकोण

	"स्वस्थ जीवन और कल्याण के लिए योग" पर राष्ट्रीय वेबिनार, बैतूल (म.प्र.),	22 अगस्त, 2023	शासकीय महाविद्यालय सारणी (बागदोन), बैतूल (म.प्र.),	"स्वस्थ जीवन के लिए योगिक जीवन शैली"
	आईसीपीआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "मनोचिकित्सा और कल्याण विज्ञान के साधन के रूप में योग", इलमबाजार, बीरभूम, पश्चिम बंगाल,	15 जुलाई, 2023	कवि जयदेव महाविद्यालय, इलमबाजार, बीरभूम, पश्चिम बंगाल,	"दर्शन, शरीर विज्ञान और योग का अभ्यास"
डॉ. कृष्णेंदु धर	बिष्णुपुर, बांकुड़ा	21 दिसंबर, 2023	निखिल बंगा शिक्षण महाविद्यालय	आधुनिक युग में शारीरिक शिक्षा और खेल में अवसर और चुनौतियां
प्रो प्रशांत कुमार दास	गवर्नमेंट कॉलेज धर्मनगर	15 मार्च, 2024	जी.डी.सी. धर्मनगर	पर्यावरण स्थिरता और जनजातीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी

4. शैक्षणिक वर्ष के दौरान पंजीकृत (पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया) /थीसिस प्रस्तुत/ सम्मानित (अनंतिम प्रमाण पत्र जारी) पीएच.डी. शोधार्थी :

शोधार्थी का नाम	अंशकालिक/ पूर्णकालिक	शोध का विषय	गाइड का नाम	पंजीकृत/ शोध प्रदान/ सम्मानित
श्री अहसान हुदा युमखाईबाम	पूर्णकालिक	बुजुर्ग पुरुष की कार्यात्मक क्षमता पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ. संजीव कुमार भौमिक	पंजीकृत
श्री देबाशीष भट्टाचार्य	अंशकालिक	-	डॉ. कृष्णेंदु धर	पंजीकृत

5. विभाग की बाह्य गतिविधियां:

5.1 व्यावसायिक/विद्वत समाजों में सदस्यता:

संकाय/शोधार्थी का नाम	सोसायटी का नाम	सदस्यता का ग्रेड
डॉ. कृष्णेंदु धर	इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ स्पोर्ट बायोमैकेनिक्स	2022

5.2 संकाय सदस्यों द्वारा अभिविन्यास/पुनश्चर्या/संकाय विकास पाठ्यक्रम में सहभागिता :

नाम	पाठ्यक्रम में भाग लिया	स्थान	अवधि	दिनांक
डॉ. संजीव कुमार भौमिक	एनईपी 2020 अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र	12 दिन	11.03.2024 से 22.03.2024
डॉ. कृष्णेंदु धर	एमएमटीटीपी	अगरतला, त्रिपुरा	12 दिन	11/03/24 - 22/03/24

6. शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षकों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पदक/सम्मान# (राज्य/राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर):

शिक्षक का नाम	पुरस्कार/ पदक/ सम्मान का नाम	पुरस्कार/ पदक/ सम्मान की तिथि	पुरस्कार देने वाली एजेंसी/ संस्थान	टिप्पणियां
डॉ. एस एम फारूक	सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार	26 जून, 2024	जीडीसी, कमालपुर त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहयोग से	-

खेल के मामले में, इंटर यूनिवर्सिटी, जोनल पर भी विचार किया जा सकता है।

पर्यटन प्रशासन विभाग

विभागाध्यक्ष : प्रो श्यामल दास (डीन, कला और वाणिज्य संकाय)
स्थापना वर्ष : 2019

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

पर्यटन प्रशासन में स्नातकोत्तर एक नया विभाग है। हमारी दृष्टि छात्रों के बीच पर्यटन क्षेत्र के बारे में गहन ज्ञान प्रदान करना है। प्राध्यापक देबर्षि मुखर्जी और डॉ निर्माल्य देबनाथ का संकाय के रूप में निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन छात्रों को प्रभावी ढंग से संलग्न करने, उनके सीखने को सुनिश्चित करने और उनके विकास को आकार देने पर केंद्रित है। यहां भविष्य के पर्यटन पेशेवरों को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा दिया जाता है। जैसा कि यह सर्वविदित है, पर्यटन उद्योग एक सेवा उद्योग है; इसलिए, विभाग का मिशन छात्रों की समय की पाबंदी, आज्ञाकारिता, अनुशासन और दूसरों के प्रति सम्मान में मानवीय मूल्यों को विकसित करना है।

वोकेशनल अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम

बी. वोक फिल्म और वीडियो उत्पादन

विभागाध्यक्ष : प्रो उत्पल चंद्र डे
स्थापना वर्ष : 2015
प्रस्तावित कार्यक्रम : फिल्म और वीडियो उत्पादन में व्यावसायिक स्नातक
प्रवेश क्षमता : 50

विभाग का विजन: वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर उच्च गुणवत्ता वाले कौशल आधारित शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने में उत्तर-पूर्व (एनई) भारत में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरना।

प्रमुख उपलब्धियां: बी. वोक फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन कार्यक्रम वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। यह एक कौशल आधारित पाठ्यक्रम है। यह कोर्स एक स्नातक की डिग्री के समकक्ष है। पाठ्यक्रम यूजीसी और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा अनुमोदित है। मीडिया एंड एंटरटेनमेंट स्किल काउंसिल (एमईएससी) इस कार्यक्रम के लिए सेक्टर स्किल काउंसिल है। पाठ्यक्रम फिल्म निर्माण और वीडियो निर्माण के क्षेत्र में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पाठ्यक्रम संरचना फिल्म और वीडियो उत्पादन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं पर जोर देती है। पाठ्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य कुशल कर्मियों को फिल्म उद्योगों में प्रवेश पाने के लिए आवश्यक वांछित स्तर की क्षमता प्रदान करके तैयार करना है। इसके अलावा, छात्र अपनी बी.वोक डिग्री पूरी करने के बाद फिल्म निर्माण और प्रशंसा पाठ्यक्रमों जैसे फिल्म अध्ययन में उच्च अध्ययन का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा, पाठ्यक्रम प्रवेश और निकास के कई बिंदुओं के साथ प्रकृति में बहुत लचीला है। छात्र फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन में डिप्लोमा के साथ शामिल होने के एक वर्ष पूरा करने के बाद इस कोर्स से बाहर निकल सकते हैं। जो लोग दो साल पूरा करने के बाद ऑप्ट आउट करते हैं, उन्हें फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन में एडवांस्ड डिप्लोमा से सम्मानित किया जाएगा, और तीन साल पूरा होने के बाद ही छात्रों को फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन में बी वोक से सम्मानित किया जाएगा जो स्नातक की डिग्री के बराबर है। इसके साथ ही, छात्रों को मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद द्वारा विभिन्न योग्यता पैक (क्यूपी) के लिए मीडिया और मनोरंजन क्षेत्रों में रोजगार पाने के लिए उनकी सहयोगी नौकरी की भूमिकाओं के साथ भी प्रमाणित किया जाता है। इस साल, छात्रों की एक अच्छी संख्या ने क्यूपी-स्क्रिप्ट शोधकर्ता के लिए अर्हता प्राप्त की है। स्क्रिप्ट शोधकर्ता के लिए मूल्यांकन परीक्षा 21 जून 2016 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद (एमईएससी) और बी.वोक फिल्म और वीडियो प्रोडक्शन द्वारा आयोजित की गई थी। पास आउट छात्रों से 05 मीडिया हाउस *राइजिंग त्रिपुरा में काम कर* रहे हैं, कुछ स्थानीय समाचार चैनलों के लिए फ्रीलांसर के रूप में काम कर रहे हैं और उनमें से कुछ मीडिया और मनोरंजन में उद्यमी बन गए हैं।

1. संकाय सदस्य:

नाम (सभी अतिथि संकाय हैं)	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/ अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						सम्मानित किया	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. तुषार कांति आचार्जी	पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	संविदात्मक	पत्रकारिता और जन संचार	07	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
श्री प्रसेनजीत देबनाथ	स्नातकोत्तर	-	अतिथि	-	01	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

2. विजिटिंग टीचर/विजिटिंग फेलो :

नाम	पाठ्यक्रमों के विषय/ त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाने वाला व्याख्यान	अब/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त हैं)
क्षी मानस कर्माकर	रोटोस्कोपी, 3 डी एनीमेशन, फोटोशॉप	-

3. शिक्षण प्रयोगशाला/अनुसंधान प्रयोगशाला:

कुल लैब की संख्या (ए + बी)	टीचिंग लैब की संख्या (ए)	अनुसंधान प्रयोगशाला की संख्या (बी) (प्रोजेक्ट फंडिंग के साथ बिल्ड अप)
01	01	शून्य

समेकित स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

विभागाध्यक्ष : प्रो.आर.एन. दत्त पुरकायस्थ
स्थापना वर्ष : 2011
प्रस्तावित कार्यक्रम : एकीकृत मास्टर डिग्री
प्रवेश क्षमता : 201

विभाग की परिकल्पना : उच्च शिक्षा में सुधारों पर यूजीसी की सिफारिशों के अनुसरण में, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने मानविकी और सामाजिक विज्ञान विषयों, गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर अनुप्रयोगों में समेकित स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडी) कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम अपने उच्चतर माध्यमिक या प्लस 2 कार्यक्रम के छात्रों को उच्च शिक्षा में बुनियादी अनुसंधान कौशल विकसित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के सामान्य डिग्री पाठ्यक्रमों में कैरियर बनाने के लिए तैयार करता है। पाठ्यक्रम संरचना और परीक्षाओं के सेमेस्टर पैटर्न के माध्यम से प्रस्तुत विषय संयोजनों का उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्नातक छात्रों को तैयार करना है, साथ ही उन्हें सभी आवश्यक डेटाबेस से सुसज्जित करना है ताकि उच्च शिक्षाक्षेत्र में आसानी से प्रवेश हो सके।

प्रमुख उपलब्धियां : छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने और विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा खोज को प्रोत्साहित करने के लिए, दिसंबर, 2022 में एक सामाजिक-सांस्कृतिक और खेल सप्ताह (सदोत्सव - 3.0) का आयोजन किया गया था। इसके अलावा, यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, नए प्रवेशित छात्रों के लिए 2023 के शैक्षणिक सत्र से एनईपी-2020 के कार्यान्वयन के लिए पाठ्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम तैयार किया गया था।

1. संकाय सदस्य :

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साइटेशन	एच-सूचकांक
						सम्मानित किया	वर्तमान	निर्देशित	वर्तमान		
प्रो.आर.एन. दत्त पुरकायस्थ	पीएच.डी.	समन्वयक	(अतिरिक्त प्रभार)	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरूप ज्योति सरमा	पीएच.डी.	सहायक समन्वयक	(अतिरिक्त प्रभार)	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सौभिक भट्टाचार्य	पीएच.डी.	सहायक समन्वयक	(अतिरिक्त प्रभार)	-	-	-	-	-	-	-	-

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

विभागाध्यक्ष : डॉ. निर्मल रियांग, निदेशक
स्थापना वर्ष : 1996

विभाग की प्रमुख उपलब्धियाँ / परिकल्पना :

त्रिपुरा विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) की स्थापना वर्ष 1996 में बहु मीडिया उद्देश्य के साथ हुई। अनौपचारिक शिक्षा पद्धति के अंतर्गत प्रारंभ किए गए डीडीई का उद्देश्य ऐसे लोगों तक शिक्षा की पहुंच को सुलभ करना हैं जो औपचारिक शिक्षा लेने से वंचित रह जाते हैं।

शोध केन्द्र

अनुसंधान केन्द्र

गांधी अध्ययन केन्द्र

छात्र समुदाय के बीच महात्मा गांधी के विचारों और सिद्धांतों को लोकप्रिय बनाने के लिए त्रिपुरा विश्वविद्यालय में गांधी अध्ययन केंद्र अस्तित्व में आया। इसमें परिसर के भीतर और बाहर गांधीवादी विचारों को लोकप्रिय बनाने वाले कार्यक्रमों के आयोजन की भी परिकल्पना की गई है। महात्मा गांधी के विजन और मिशन को आगे बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण, शिशु पंचायत, स्वच्छता, सांप्रदायिक सद्भाव, शांति और अहिंसा, लोकप्रिय व्याख्यान आदि जैसे कुछ कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। केंद्र का उद्देश्य निकट भविष्य में छात्रों के लिए डिप्लोमा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियां शुरू करना भी है। केंद्र ने युवाओं के बीच गांधीवादी विचारधारा का प्रचार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया है।



पांडुलिपि संसाधन केन्द्र (एमसीसी)

समन्यवयक: डॉ चंपेश्वर मिश्रा

योजक संस्था: राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

पांडुलिपियों को पूर्वजों के बौद्धिक सृजन और हमारे पूर्ववर्तियों से कृत्यों को जानने के लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रामाणिक स्रोत माना जाता है। पांडुलिपियों के माध्यम से ही हम अतीत को वर्तमान ज्ञान समाज से जोड़ सकते हैं। उचित तरीकों से पांडुलिपियों का संरक्षण और संधारण सांस्कृतिक ज्ञान के माध्यम से अतीत को प्रकट करने के लिए आवश्यक कदम हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय पूर्वोत्तर क्षेत्र की पांडुलिपियों के संरक्षण और संधारण में सहायक रहा है।



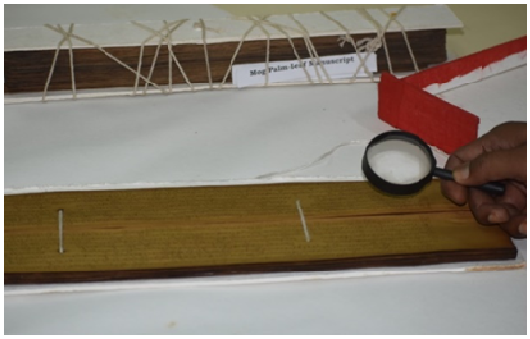

आदर्श आचार संहिता 20 दिसंबर 2010 को राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद त्रिपुरा विश्वविद्यालय के द्वारा उनके संरक्षण हेतु केन्द्र अस्तित्व में आया। केंद्र का उद्घाटन 12 अप्रैल 2011 को किया गया था।

इस केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आधुनिक और स्वदेशी संरक्षण विधियों को शामिल करते हुए त्रिपुरा राज्य की पांडुलिपि को एकत्र करना, संरक्षित करना और संरक्षित करना है। सहयोग वैज्ञानिक समुदाय और पांडुलिपिविदों के बीच अधिक गहन समन्वय का भी वादा करता है, ताकि इन दुर्लभ शास्त्रों में संग्रहीत ज्ञान को समझने, खोजने और पुनः प्राप्त करने के लिए बेहतर तकनीकी उपकरण और तकनीकें सामने लाई जा सकें।



केंद्रीय पुस्तकालय ने त्रिपुरा राज्य के विभिन्न हिस्सों से दो सौ से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों को एकत्र और संरक्षित किया है। केंद्रीय पुस्तकालय ने भविष्य की पीढ़ी के लिए दुर्लभतम और सबसे लुप्तप्राय पांडुलिपियों को एकत्र करने और संरक्षित करने के लिए कई पहल की हैं। एकत्रित पांडुलिपियों को वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से संरक्षित किया गया है और उन्हें ठीक से सूचीबद्ध किया गया है। केन्द्रीय पुस्तकालय ने ग्रामीण और शहरी लोगों के बीच प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण और परिरक्षण के महत्व को संवेदनशील बनाने के लिए समय-समय पर कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया है। पांडुलिपि दाताओं को अनुसंधान, शिक्षण और सीखने के लाभ के लिए अपनी पांडुलिपियों को दान करने के लिए संवेदनशील बनाया जाता है। केंद्र इन सदियों पुरानी पांडुलिपियों को संरक्षित करने की आवश्यकता के बारे में त्रिपुरा राज्य के लोगों को संवेदनशील बनाने की कोशिश कर रहा है। इन मूल्यवान पांडुलिपियों को संरक्षित करने से हमें त्रिपुरा के बारे में बहुमूल्य ऐतिहासिक तथ्यों की खोज करने में मदद होगी।

विविध सुविधायें

जैव सूचना विज्ञान केंद्र

जैव सूचना विज्ञान केंद्र की स्थापना 2008 में त्रिपुरा विश्वविद्यालय में प्रो एस. बनिक, परियोजना के प्रमुख अन्वेषक और प्राणी विज्ञान विभाग के तत्कालीन प्रमुख के पर्यवेक्षण के अंतर्गत डीबीटी, नई दिल्ली की वित्तीय सहायता से की गई थी। केंद्र का मूल उद्देश्य 'बायोइंफोरमैटिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी के स्थाइत्व' पर ज्ञान और अनुसंधान विकसित करना था। अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र जैव सूचना विज्ञान (बीटीबीआई) के माध्यम से जीव विज्ञान शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए सेवाओं का विस्तार कर रहा है। जैव सूचना विज्ञान केंद्र ने पूर्वोत्तर के शोधकर्ताओं के लिए कई सेमिनार, कार्यशालाएं आदि आयोजित की हैं। केंद्र ने छात्रों, शोध विद्वानों और शिक्षकों को जैव सूचना विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण भी प्रदान किया।





राज्य जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र (स्टेट बायोटेक हब)

राज्य जैवप्रौद्योगिकी केन्द्र , त्रिपुरा विश्वविद्यालय, डीबीटी, भारत सरकार के कोष से मानव शरीर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर देबाशीष मैती के संयोजकत्व में 2011 में स्थापित किया गया था। हब को 2018 में एडवांस्ड स्टेट बायोटेक हब में पदोन्नत किया गया है। बायोटेक हब प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमिक बिरादरी के लिए कार्यशालाएं और विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करता है।





त्रिपुरा विश्वविद्यालय ग्रंथालय

1. केन्द्रीय ग्रंथालय : ज्ञान केन्द्र

केन्द्रीय ग्रंथालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय 'नॉलेज हब' ने अकादमिक समुदाय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केन्द्रीय ग्रंथालय प्रणाली में सूचना संसाधनों की कमी से उबरते हुए ग्रंथालय के कर्मचारियों के अथक प्रयासों ने वर्षों से ज्ञान का भंडार बनाया है। केन्द्रीय ग्रंथालय को अकादमिक समुदाय के शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार के लिए 'रिसर्च हब' में बदल दिया गया है। केन्द्रीय ग्रंथालय पूर्वोत्तर क्षेत्र की दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण और परिरक्षण में सहायक रहा है। इसने संग्रह, संगठन, सूचना प्रसार और ज्ञान साझा करने के क्षेत्र में भारी सफलता दर्ज की है।

2. **दृष्टि**

केन्द्रीय ग्रंथालय संग्रह की अनूठी श्रृंखला के माध्यम से विश्वविद्यालय के शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करता है, जिससे साक्ष्य-आधारित अभिनव सेवाएं प्रदान की जाती हैं, परेशानी मुक्त सूचना संसाधनों और रणनीतिक सहयोग तक पहुंच की सुविधा मिलती है, विद्वानों की जानकारी और अनुसंधान का समर्थन किया जाता है और प्रयोक्ताओं की मदद के लिए भौतिक और आभासी वातावरण बनाया जाता है।

3. **मिशन**

केन्द्रीय ग्रंथालय विश्वविद्यालय के शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार के लिए एक अभिन्न घटक और अनुसंधान केंद्र होगा। केन्द्रीय ग्रंथालय निम्नलिखित गतिविधियों द्वारा अपने मिशन को पूरा करने का प्रयासरत है:

- प्रारूप, स्थान और पहुंच के तरीके की परवाह किए बिना समृद्ध और विविध संसाधनों को एकत्र करना, व्यवस्थित करना और प्रसारित करना।
- साक्ष्य-आधारित अभिनव सेवाएं प्रदान करना और शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान के लिए अद्वितीय, विविध सूचना संसाधनों की सुविधा प्रदान करना।
- डिजिटल वातावरण में प्रयोक्ताओं के लाभ के लिए उभरती हुई शिक्षण प्रौद्योगिकियों और उपकरणों को अपनाना और उनका उपयोग करना।
- प्रयोक्ताओं के लिए एक अनुकूल अधिगम वातावरण बनाने में अन्य पुस्तकालयों और संगठनों के साथ सहयोगी साझेदारी विकसित करना।
- अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकियों, सूचना संसाधनों और सेवाओं पर एक गतिशील सीखने के माहौल के माध्यम से प्रयोक्ताओं को जोड़कर और संलग्न करके एक 'नॉलेज हब' विकसित करना
- हितधारकों के लिए विभिन्न प्रकार के डेटा संबंधी अनुसंधान में विशेषज्ञता के साथ-साथ भौतिक और तकनीकी बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सूचना सहायता प्रदान करके एक 'रिसर्च हब' विकसित करना।
- त्रिपुरा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के दुर्लभ और अद्वितीय मुद्रित और ऑनलाइन सूचना संसाधनों का संरक्षण।

4. **ग्रंथालय अधिकारी**

विश्वविद्यालय ग्रंथालयाध्यक्ष (प्रभारी): डॉ. चंपेश्वर मिश्र

नाम	योग्यता	पदनाम
डॉ. चम्पेश्वर मिश्र	एमएलआईएससी, एम.फिल, पीजीडीएलआईएम, यूजीसी-नेट, एसईटी, पीएच.डी.	उप ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री सुरेन्द्र कुमार पाल	एमएलआईएससी, पीजीडीसीए, पीजीडीएलएएन, यूजीसी-नेट, पीएच.डी.(जारी)	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री अमिताभ कुमार मंगलम	एमएससी, एमएलआईएससी, एआईएस, यूजीसी-नेट, पीएच.डी.(जारी)	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री संजय कुमार साहू	एमए, एमएलआईएससी, एम.फिल, यूजीसी-नेट, पीजीडीसीए, पीएच.डी.(जारी)	सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष
श्री आशीष चौधरी	एमसीए, बीएलआईएस	सूचना वैज्ञानिक

ग्रंथालय के व्यावसायिक कर्मचारियों की सूची

पदनाम	कर्मचारियों की संख्या
व्यावसायिक सहायक	02
अर्ध व्यावसायिक सहायक	05
पुस्तकालय सहायक	03
लाइब्रेरी अटेंडेंट	03
गैर-तकनीकी कर्मचारी	
एम.आर.डब्ल्यू	01
एमटीएस (अस्थाई स्टेटस)	01

5. **काम के घंटे**

दिन	काम के घंटे	(परिसंचरण घंटे)
सोमवार से शुक्रवार	**सुबह** 09.30 **से** रात्रि 10.00 **बजे तक**	10.00 पूर्वाह्न -05.00 अपराह्न
शनिवार और रविवार	10.00 पूर्वाह्न -06.00 अपराह्न (केवल पढ़ने के लिए)	कोई सर्कुलेशन नहीं
सार्वजनिक अवकाश	बंद	बंद
ग्रंथालय परीक्षाओं के दौरान खुलने का समय बढ़ाता है।		

6. **ग्रंथालय संग्रह (जून, 2024 तक)**

मुद्रित संग्रह	
मुद्रित पुस्तकें	166411 (खंड)
मुद्रित जर्नल्स	84
मुद्रित पत्रिकाएँ	21
शोधप्रबंध	742
निबंध	160
बाउंड वॉल्यूम	1064
दुर्लभ पुस्तकें	202
दुर्लभ पांडुलिपियां	174
समाचार पत्र	15
डिजिटल संग्रह और अनुसंधान उपकरण	
ई-बुक्स	32431
ई-पत्रिकाएं	8000+
ऑनलाइन डेटाबेस	14
ईटीडी	488
सुलभ ऑडियो पुस्तकें (दृष्टिबाधितों के लिए)	677278
सीडी/डीवीडी	1450
ई-शोध सिंधु (इनफ्लिबनेट)	11
भाषा सुधार उपकरण	01
साहित्यिक चोरी विरोधी जांच उपकरण	02
डाटा विजुलटेशन टूल	01
सांख्यिकीय विश्लेषण सॉफ्टवेयर	01
दूरस्थ पहुँच	01

7. **प्रिंट और डिजिटल संग्रह जोड़ा गया**

पुस्तकों की कुल संख्या 166411 नग (परिग्रहण रजिस्टर के अनुसार) है। नई पुस्तकों की संख्या में 3897नग (3028 शीर्षक) जोड़े गए। इस अवधि के दौरान, पुस्तकालय ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा सदस्यता के माध्यम से 14 ऑनलाइन डेटाबेस जोड़े और उन्हें ईशोधसिंधु और 312 ईबुक के माध्यम से एक्सेस किया। इसके अलावा, अनुसंधान सहायता के एक भाग के रूप में, सेंट्रल लाइब्रेरी ने डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सॉफ़्टवेयर-सिग्माप्लॉट (55 उपयोगकर्ता लाइसेंस), डेटा न्यूमेरिक टूल-एसपीएसएस (10 उपयोगकर्ता लाइसेंस) हासिल कर लिया है।

8. **अवधि के दौरान पुस्तकालय सदस्यता की संख्या**

क्र.सं.	वर्ग	कुल
1	संकाय	32
2	गैर-शिक्षण कर्मचारी	01
3	शोधार्थी	34
4	छात्रों	1709
5	रिमोट एक्सेस में पंजीकृत प्रयोक्ता	4698
6	बाह्य आगंतुक	210

9. **पुस्तकालय प्रयोक्ताओं का भ्रमण और उपयोग**

क्र.सं.	कोटि	कुल
1.	देखे गए प्रयोक्ताओं की संख्या	76181
2.	परिचालित पुस्तकों की संख्या	25600
3.	ई-पुस्तकों के उपयोग की संख्या	2959
4.	ऑनलाइन डेटाबेस उपयोग की संख्या	100494
5.	ई-लाइब्रेरी का दौरा किया	1450
6.	रिमोट एक्सेस लॉगिन की संख्या & डाउनलोड	74177
7.	ओपन स्कूल आई ईरिसोर्स डाउनलोड	177630
8.	साहित्यिक चोरी का पता लगाने के उपकरण उपयोगों की संख्या	6773

10. **साक्ष्य-आधारित अभिनव संसाधन, सेवाएं और अद्वितीय सुविधाएं**

अद्वितीय संग्रह	ऑनलाइन सेवाएं	अनुसंधान सहायता	उपयोगकर्ता समर्थन
• अद्वितीय प्रिंट पुस्तकें • प्रिंट पत्रिकाएं • शोधप्रबंध • अद्वितीय ई-पुस्तकें • ई-पत्रिकाएं • ऑनलाइन डेटाबेस • दुर्लभ पांडुलिपियां • दुर्लभ संग्रह • विशेष संग्रह • त्रिपुरा की विरासत पर विशेष संग्रह • टैगोर संग्रह	• ई-पुस्तकों तक पहुंच • ई-पत्रिकाओं तक पहुंच • ई-डेटाबेस तक पहुंच • दूरस्थ सेवा तक पहुंच • वेबऑपक तक पहुंच • साहित्यिक चोरी सेवा तक पहुंच • भाषा सुधार उपकरण तक पहुंच • डिजिटल लाइब्रेरी तक पहुंच • ई-लाइब्रेरी लैब तक पहुंच • ऑडियो पुस्तकें (दिव्यांगजन)	• आईथैंटिकेट तक पहुंच • ड्रिलबिट तक पहुंच • व्याकरण तक पहुंच • डिजिटल रिपोजिटरी तक पहुंच • आईआरआईएनएस लॉन्च किया • प्रशस्ति पत्र प्रबंधन सहायता -मेंडेले • डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सपोर्ट- सिग्माप्लॉट • डेटा न्यूमेरिक सर्विस-एसपीएसएस • सदस्य, शोधगंगा • सदस्य, एनडीएल	• सदस्यता सेवाएं • स्वचालित परिसंचरण सेवा • रिप्रोग्राफिक सेवाएं • ओरिएंटेशन प्रोग्राम • नया आगमन अलर्ट • दस्तावेज़ वितरण सेवा • सिंगल कार्ड एक्सेस सिस्टम की शुरुआत • ओपन एक्सेस सिस्टम को बढ़ावा देना • पुस्तकालय कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार आयोजित • दृष्टिबाधित पुस्तकालय • रैंप एक्सेस • व्हील चेयर की सुविधा

11. **विभागीय पुस्तकालय**

केंद्रीय ग्रंथालय ने सभी विभागों और केंद्रों के लिए 'विभागीय पुस्तकालय' सुविधा शुरू की है, जिसमें शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और नवाचार के लिए मुद्रित पुस्तकें और अन्य पठन सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इस तरह की पहल का उद्देश्य पाठ्यक्रम, परीक्षा का समर्थन करना, पढ़ने की आदत बनाना और महत्वपूर्ण वैचारिक कौशल, आत्म-सुधार और आजीवन सीखने को बढ़ावा देना है।

12. **डिजिटल लाइब्रेरी सिस्टम और ई-लैब**

केंद्रीय ग्रंथालय में अद्वितीय सहयोगी सुविधाएं हैं, जैसे कि एक अच्छी तरह से संधारित डिजिटल लाइब्रेरी सिस्टम और प्रयोक्ताओं के लाभ के लिए एक समर्पित ई-लाइब्रेरी प्रयोगशाला। यह सुविधा प्रयोक्ताओं के उपयोग के लिए सब्सक्राइब किए गए डिजिटल संसाधनों और इन-हाउस विकसित डिजिटल सामग्री तक पहुंचने के लिए सेवाएं प्रदान करती है। ई-लाइब्रेरी में लैन कनेक्टिविटी और वाई-फाई एक्सेस वाले 35 से अधिक समर्पित कंप्यूटरों तक पहुंच है।

13. **ऑनलाइन प्रयोक्ता उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली**

केंद्रीय ग्रंथालय ने पुस्तकालय प्रयोक्ताओं के प्रवेश/निकास की निगरानी के लिए ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अपनी इन/आउट ऑनलाइन उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली लागू की है। इस प्रणाली का विकास और रखरखाव केंद्रीय ग्रंथालय द्वारा किया गया था।

14. **पुस्कालय स्वचालन, डिजिटलीकरण और डिजिटल रिपोजिटरी**

- केंद्रीय ग्रंथालय अपने इन-हाउस संचालन के लिए ओपन-सोर्स इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर-कोहा का उपयोग करता है। पुस्तकालय आईएलएमएस-कोहा के माध्यम से परिसंचरण, सूचीकरण, अधिग्रहण, सीरियल नियंत्रण, ओपेक और अन्य स्वचालन गतिविधियों की सुविधा के लिए पूरे ऑपरेशन का प्रबंधन करता है। लाइब्रेरी फ़ेडरेटेड अन्वेषण सुविधा के लिए ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर Vufind और J-Gate का उपयोग करती है।
- केंद्रीय ग्रंथालय में प्रयोक्ताओं के लिए सेवाओं और सुविधाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित पुस्तकालय पोर्टल है। उपयोगकर्ता नियमों और विनियमों, खुलने का समय, सेवाओं, संसाधनों, ओपीएसी, रिमोट एक्सेस आदि तक पहुंच सकते हैं।
- केंद्रीय ग्रंथालय ने परिसर में और बाहर दोनों ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक दूरस्थ पहुंच सुविधा शुरू की।
- केंद्रीय ग्रंथालय ने पर्याप्त स्कैनिंग और डिजिटाइज़िंग सुविधाओं के साथ एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी-सक्षम डिजिटलीकरण अनुभाग स्थापित किया है। केंद्रीय ग्रंथालय ने आईएनएफएलआईबीएनईटी केंद्र द्वारा आयोजित शोध और इंडकैट के साथ पुस्तकों और पत्रिकाओं के ग्रंथ सूची रिकॉर्ड और शोध विज्ञान में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित 488 पीएचडी थीसिस को डिजिटाइज़ और अपलोड किया है।
- केंद्रीय ग्रंथालय ने अकादमिक समुदाय द्वारा निर्मित शोध, पत्रिकाओं, पांडुलिपियों, पुराने प्रश्न पत्रों आदि जैसे विद्वानों की सामग्री अपलोड करने के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर-डीस्पेस का उपयोग करके एक संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी (आईडीआर) लागू की है।

15. **सुगम्य पुस्तकालय: दृष्टिबाधित लोगों के लिए सुविधा केंद्र**

केंद्रीय ग्रंथालय 'दिव्यांगजन' के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के साथ, केंद्रीय ग्रंथालय ने 'सुगम्य पुस्तकालय' सुविधा केंद्र स्थापित किया है, जो दृष्टिबाधित लोगों को उनके शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान के लिए सहायक प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद करेगा। केंद्रीय ग्रंथालय 'सुगम्य पुस्तकालय'

का सदस्य है, जो डेज़ी फोरम ऑफ इंडिया (डीएफआई), राष्ट्रीय दृश्य विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) और टीसीएस की एक सहयोगी पहल है, जिसमें दृष्टिबाधित (दिव्यांगजन) के लिए 678483 से अधिक ब्रेल पुस्तकें, टॉकिंग / ऑडियो बुक्स, डाउनलोड के लिए उपलब्ध ई-बुक्स तक पहुंचने की सुविधा है। नेत्रहीन विकलांग पढ़ने और लिस्टिंग के लिए एक्सेस और डाउनलोड कर सकते हैं। केंद्रीय ग्रंथालय में 'दिव्यांगजनों' के लिए बुनियादी भौतिक सुविधाएं हैं जैसे पुस्तकालय परिसर में रेलिंग के साथ रैंप, व्हीलचेयर, वॉशरूम, ऑन-डिमांड, पुस्तकालय सामग्री उधार लेने में कर्मचारियों की सहायता, आदि। केंद्रीय ग्रंथालय में दृष्टिबाधित लोगों के लिए सहयोगी तकनीक और पुस्तकालय संसाधन हैं, जैसे किबो एक्सएस, किबो डेस्क वेब एप्लीकेशन, किबो एंड्रॉइड ऐप, सुलभ ऑडियो पुस्तकें, ऑडियो सक्षम डिवाइस के साथ कंप्यूटर, डिजिटल स्कैनर इत्यादि।

16. **पांडुलिपि संसाधन केंद्र (एमसीसी)**

त्रिपुरा विश्वविद्यालय का केंद्रीय ग्रंथालय पूर्वोत्तर क्षेत्र की पांडुलिपियों के संरक्षण और परिरक्षण में सहायक रहा है। पांडुलिपि संसाधन केंद्र ने त्रिपुरा के विभिन्न हिस्सों से एकत्र की गई दो सौ से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण और संरक्षण किया है। केंद्रीय ग्रंथालय ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए सबसे दुर्लभ और सबसे लुप्तप्राय पांडुलिपियों को इकट्ठा करने और संरक्षित करने के लिए कई पहल की हैं। एकत्रित पांडुलिपियों को वैज्ञानिक तरीकों से संरक्षित किया गया है और ठीक से सूचीबद्ध किया गया है। केंद्रीय ग्रंथालय ने प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण और परिरक्षण के महत्व को संवेदनशील बनाने के लिए समय-समय पर कई कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन किया है। पांडुलिपि के दाताओं को अनुसंधान, शिक्षण और सीखने के लाभ के लिए अपनी पांडुलिपियों को दान करने के लिए संवेदनशील बनाया गया था। पांडुलिपि संसाधन केंद्र ने 174 से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों को एकत्र और संरक्षित किया है।

17. **अनुसंधान पहल और सहयोगी सेवाएं**

केंद्रीय ग्रंथालय ने हमेशा कई साक्ष्य-आधारित, अभिनव अनुसंधान पहलों, सेवाओं और उभरते उपकरणों को अपनाकर विश्वविद्यालय के अकादमिक समुदाय के अनुसंधान और नवाचार का सहयोग और प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्षों के दौरान, केंद्रीय ग्रंथालय ने शोधकर्ताओं की सक्रिय रूप से सहायता की है।

18. **संसाधन साझाकरण और कंसोर्टिया में भागीदारी**

केंद्रीय ग्रंथालय इनफ्लिबनेट के प्रमुख सदस्यों में से एक है, जहां उपयोगकर्ता ई-शोधसिंधु संघ के माध्यम से ऑनलाइन पत्रिकाओं / डेटाबेस तक पहुंच सकते हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय ने इनफ्लिबनेट केन्द्र द्वारा आयोजित शोधगंगा में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित 488 का डिजिटलीकरण और अपलोड किया है। इसके अलावा, सेंट्रल लाइब्रेरी ने प्रिंट बुक्स और प्रिंट जर्नल्स के ग्रंथ सूची संबंधी डेटा को इंडकैट-यूनियन कैटलॉग के साथ साझा किया है।

19. **पुस्तकालय संस्थागत सदस्यता**

- **सुगम्य पुस्तकालय**: केंद्रीय ग्रंथालय ने दृष्टिबाधित प्रयोक्ताओं को सुलभ ऑडियोबुक प्रदान करने के लिए 'सुगम्य पुस्तकालय' सदस्य के रूप में पंजीकरण किया है।
- **डेलनेट:** इसके अलावा, केंद्रीय ग्रंथालय में वर्तमान विज्ञान और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) की आजीवन सदस्यता है। इस अवधि के दौरान, केंद्रीय ग्रंथालय ने शिक्षण और अनुसंधान के लिए ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए डेलनेट सदस्य के रूप में पंजीकरण किया।

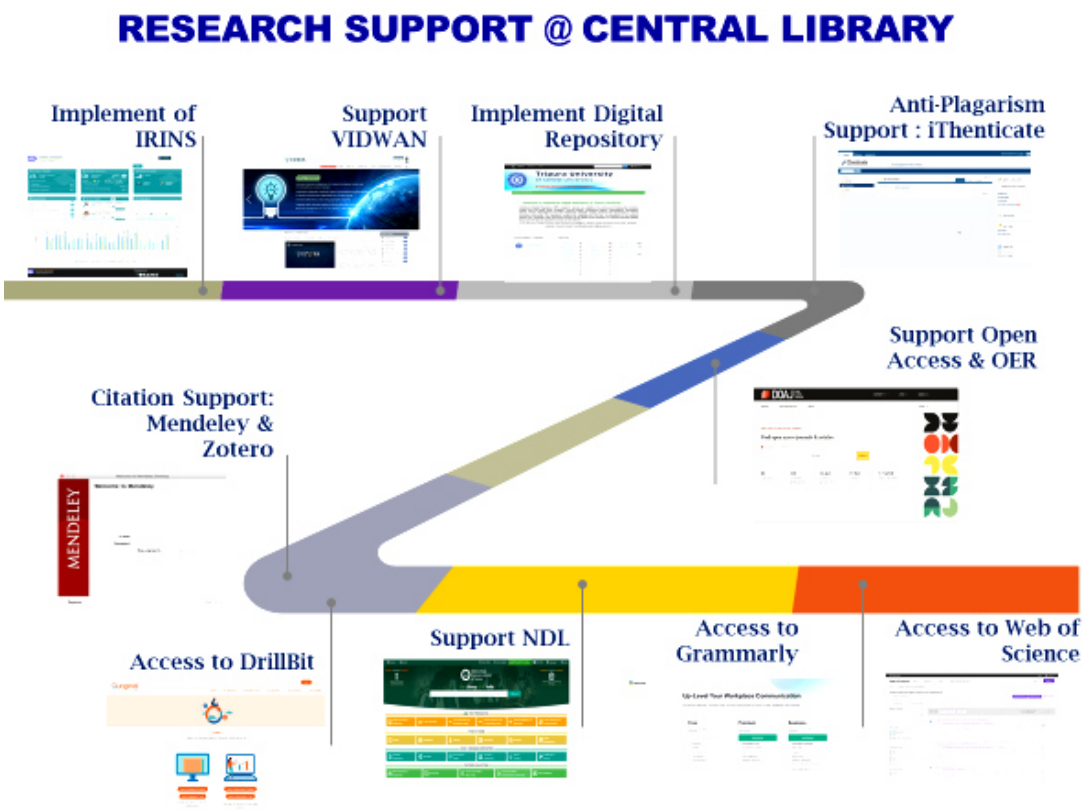

20. **ग्रंथालय अभिविन्यास कार्यक्रम**

- केंद्रीय ग्रंथालय ने 23 नवंबर, 2023 से वर्ष के लिए नए प्रवेशित छात्रों के लिए अभिविन्यास-सह-सदस्यता अभियान का आयोजन किया। अभिविन्यास सह सदस्यता अभियान कार्यक्रम की जिम्मेदारी अन्य पुस्तकालय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ प्रबंधन, संचालन और समन्वय करने के लिए श्री संजय कुमार साहू, सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष (सदस्यता अनुभाग प्रभारी) को सौंपी गई थी। ओरिएंटेशन-सह सदस्यता अभियान केंद्रीय ग्रंथालय द्वारा पाठकों के बीच 'पठन पारिस्थितिकी तंत्र' बनाने के लिए अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रक्रिया है। इस अभियान के दौरान, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के 36 विभागों और केंद्रों ने इस लम्बे अभियान में भाग लिया। कुल 1709 प्रयोक्ताओं ने इस सदस्यता अभियान में भाग लिया और पंजीकरण किया।

21. **ग्रंथालय के कार्यक्रम**

- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केंद्रीय ग्रंथालय ने पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस और पद्मश्री, डॉ. एसआर रंगनाथन की 130वीं जयंती और 12-18 अगस्त, 2023 तक एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केंद्रीय ग्रंथालय ने 15-20 अगस्त, 2023 तक भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास पर एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केंद्रीय ग्रंथालय ने 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2023 तक राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल पर और उनके द्वारा रचित कृतियों एक सप्ताह तक चलने वाली विशेष पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय का केंद्रीय ग्रंथालय 14 से 20 नवंबर 2023 तक "पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देना" विषय पर राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह-2023 मनाया है। केन्द्रीय पुस्तकालय ने पाठकों के बीच पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए काल्पनिक और अकाल्पनिक पुस्तकें प्रदर्शित की हैं।

- केंद्रीय ग्रंथालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने 12 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय युवा दिवस और स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 से 18 जनवरी, 2023 तक स्वामी विवेकानंद पर और उनके द्वारा सृजित साहित्य पर एक सप्ताह तक चलने वाली पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।,
- केन्द्रीय ग्रंथालय पढ़ने, लिखने और अन्य साहित्यिक गतिविधियों की आदत को बढ़ावा देने के लिए 23 अप्रैल से 28 अप्रैल, 2023 तक एक सप्ताह तक चलने वाली पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है। विश्व पुस्तक दिवस, जिसे विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस के रूप में भी जाना जाता है, इस शुभ दिन के कारण पढ़ने, लिखने, प्रकाशन और कॉपीराइट के लिए वैश्विक प्रेम को प्रोत्साहित करता है।
- त्रिपुरा विश्वविद्यालय के केंद्रीय ग्रंथालय ने 08 मई, 2024 को नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 163वीं जयंती और एक सप्ताह की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

22. पुस्तकालय अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा सम्मेलन/ संगोष्ठी/ कार्यशाला/ व्याख्यान देना

केंद्रीय ग्रंथालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया/भाग लिया।

संजय कुमार साहू, सहायक ग्रंथालयाध्यक्ष

- डेलनेट द्वारा आयोजित "प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (NLP): मानवीकरण सूचना पुनर्प्राप्ति" पर वेबिनार में भाग लिया, 28 जुलाई, 2023।
- डेलनेट और IIT दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "NIRF रैंकिंग में सुधार के लिए सर्वोत्तम अभ्यास" पर वेबिनार में भाग लिया, 28 सितंबर, 2023
- डेलनेट, दिल्ली, 31 अक्टूबर, 2023 द्वारा आयोजित "ओपन एक्सेस एंड स्कॉलरली कम्युनिकेशन" पर वेबिनार में भाग लिया।
- 20-24 नवंबर, 2023 को आईटी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "अनुसंधान में उभरते उपकरणों और प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला" पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- डेलनेट, दिल्ली, 21 दिसंबर, 2023 द्वारा आयोजित "लाइब्रेरी नेटवर्किंग डे आयोजन: डॉ. एच. के. कौल की 82वीं जयंती के स्मरणोत्सव" पर वेबिनार में भाग लिया।
- डेलनेट, दिल्ली द्वारा आयोजित "कोरल: एक ओपन सोर्स इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम" पर वेबिनार में भाग लिया, 27 मार्च, 2024।
- डेलनेट, दिल्ली, 28 मार्च, 2024 द्वारा आयोजित "अनलीशिंग द पावर ऑफ डेटा एनालिटिक्स: शेपिंग द फ्यूचर ऑफ ए इनोवेटिव रिसर्च इकोसिस्टम" पर वेबिनार में भाग लिया।
- "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस" पर संयुक्त रूप से डेलनेट और ट्रेसल लैब्स द्वारा आयोजित, 11 मई, 2024 वेबिनार में भाग लिया, "।
- 21-26 अगस्त, 2023 को बरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा आयोजित "शिक्षण और अनुसंधान के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर" पर एक सप्ताह का अग्रिम प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया और ग्रेड ए+ से प्रदत्त।

प्रकाशन और प्रस्तुत:

- किर्सेहिर आही एवरान विश्वविद्यालय किर्सेहिर, तुर्किये, द्वारा अप्रैल 26-28, 2024 को आयोजित "पूर्वोत्तर भारत में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अनुसंधान आउटपुट और विकास की जांच" पर वैज्ञानिक अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में एक पेपर प्रस्तुत और प्रकाशित किया। आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ - 978-625-367-709-1
- "पूर्वोत्तर भारत में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के अनुसंधान उत्पादन और विकास पर अध्ययन", आईएसएआरसी अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और कला अनुसंधान केंद्र, 27-28 अप्रैल, 2024 पर अंतर्राष्ट्रीय BOĞAZİÇİ वैज्ञानिक अध्ययन कांग्रेस में एक पेपर प्रस्तुत और प्रकाशित किया। आईएसबीएन: '978-625-367-710-7'

दूरस्थ पहुँच सेवा के माध्यम से ऑनलाइन संसाधनों का संचयी उपयोग

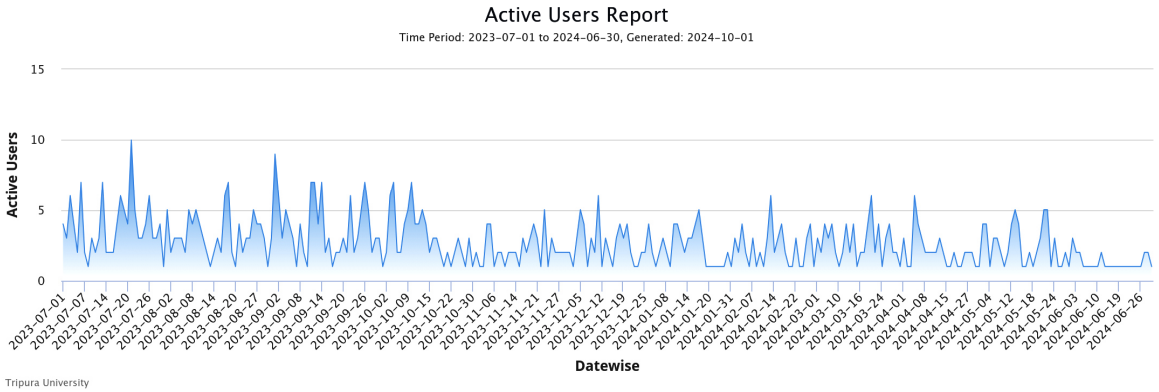

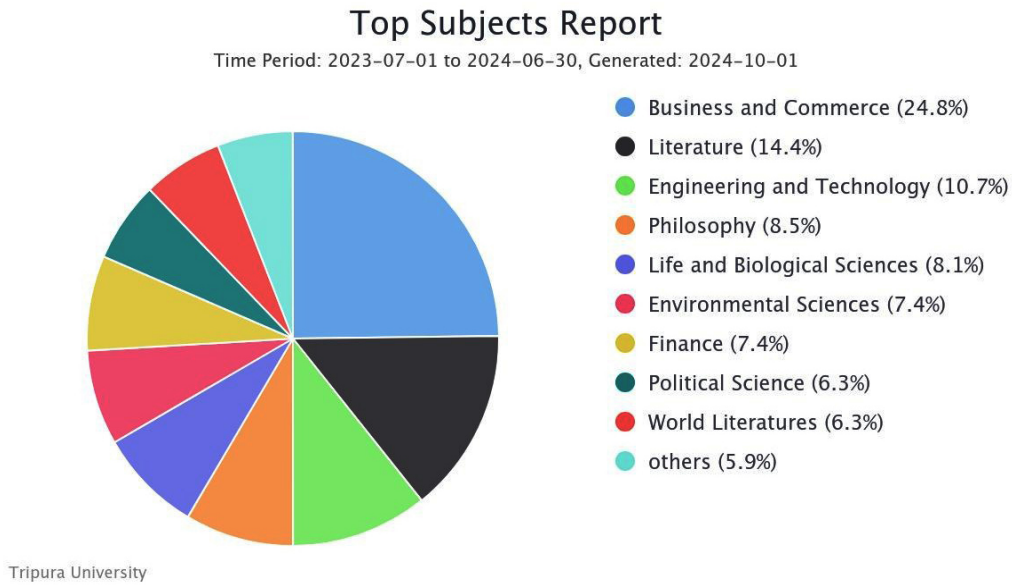

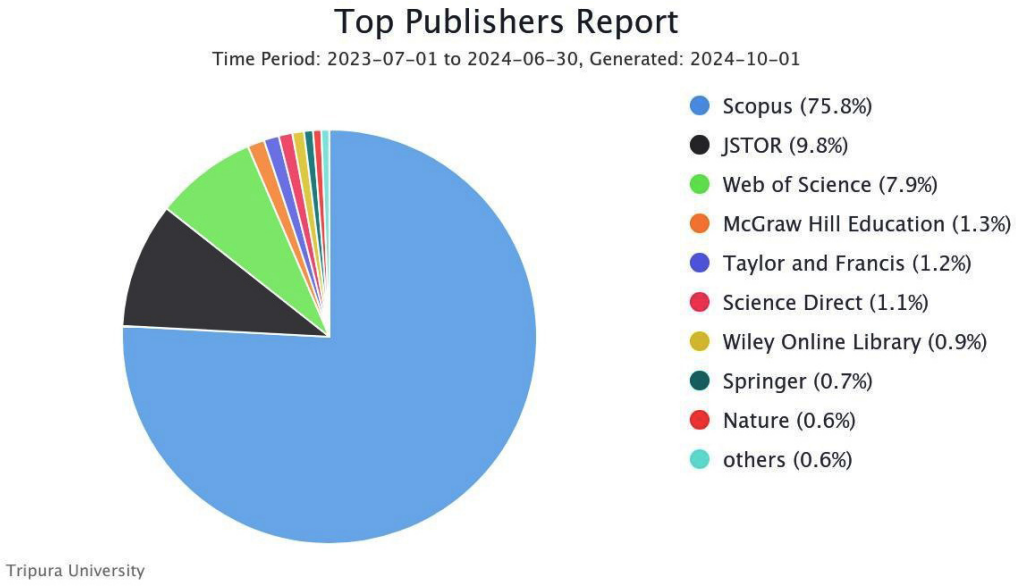

पुस्तकालय की गतिविधियों की झलक

पुस्तकालय अभिविन्यास-सह-सदस्यता अभियान पुस्तकालय सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में: 2023-2024







पुस्तकालय विस्तार गतिविधि के तहत केंद्रीय ग्रंथालय का दौरा करने वाले स्कूल बच्चे

संगणक केंद्र

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अपने हितधारकों के लिए विविध कंप्यूटिंग आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए 1992 में एक कंप्यूटर केंद्र की स्थापना की गई थी। कंप्यूटर केन्द्र ने विश्वविद्यालय परिसर में फैले शैक्षणिक और प्रशासनिक विभागों को जोड़ने वाले ऑप्टिकल फाइबर रीढ़ के साथ परिसर में लैन सुविधा लागू की है। केंद्र इंटरनेट एक्सेस, फ़ायरवॉल, ईमेलिंग, एमआईएस, आईटी सुरक्षा, वाईफाई, विश्वविद्यालय पोर्टल को बनाए रखने, समस्या निवारण आदि सहित आवश्यक आईसीटी सेवाएं प्रदान करता है, कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की विभिन्न कार्यात्मक आवश्यकताओं का समर्थन करता है, जैसे छात्रों का प्रवेश, आईसीटी सक्षम कक्षाएं, आदि। कंप्यूटर सेंटर स्वयं और एनपीटीईएल का उपयोग करते हुए एमएचआरडी द्वारा विकसित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों पर संकाय और छात्रों के लिए परामर्श कार्यक्रम आयोजित करता है। केंद्र ने अपने हितधारकों के लिए गूगल वर्कस्पेश (पूर्व में शिक्षा के लिए जीशूट) को क्रियान्वित किया। यह केन्द्र सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों आदि जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों के संचालन में सहायता प्रदान करता है।



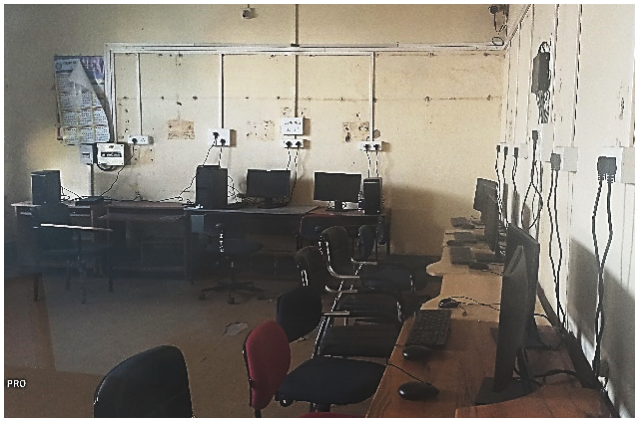

चिकित्सालय

विश्वविद्यालय का अपना स्वास्थ्य केंद्र है जो अपने हितधारकों के लिए बुनियादी बहिरंग रोगी(ओपीडी) विभाग (ओपीडी) और प्रेक्षण सुविधा प्रदान करता है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र आस-पास के क्षेत्रों के रोगियों को भी देखता है और उन्हें आपातकालीन स्थिति में दवा और तत्काल उपचार प्रदान करता है। स्वास्थ्य केंद्र ऑक्सीजन (ऑक्सीजन सांद्रक का उपयोग करके), नेबुलाइज़र, स्टरलाइज़र और अन्य बुनियादी उपकरणों से सुसज्जित है जो प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आवश्यक हैं। त्रिपुरा विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए सुबह से रात तक खुला रहता है। दो चिकित्सा अधिकारी और दो नर्स, एक चिकित्सा परिचर स्वास्थ्य केंद्र में अपनी नियमित सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे विश्वविद्यालय परिवार में विश्वास पैदा होता है। स्वास्थ्य केंद्र में एम्बुलेंस की सुविधा है।





त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्

त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् 1998 में अस्तित्व में आया। त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् ने विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ-साथ अंतर-विभागीय फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी और क्रिकेट प्रतियोगिताओं, वार्षिक खेल और इनडोर खेलों के बीच हर साल विभिन्न खेल और खेल आयोजित किए। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक, अधिकारी और गैर-शिक्षण कर्मचारी भाग ले रहे हैं। हर साल हम त्रिपुरा विश्वविद्यालय के तहत सभी संबद्ध कॉलेजों के बीच फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, योग, जूडो, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स के साथ-साथ विभिन्न कार्यक्रमों में इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं और उत्तर-पूर्व क्षेत्र / अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे हैं।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् द्वारा वर्ष 2023-24 में इंटर डिपार्टमेंट, इंटर कॉलेज, ईस्ट जोन और ऑल इंडिया टूर्नामेंट आयोजित किए गए थे।

<u>इंटर कॉलेज प्रतियोगिता:</u>

TUSB द्वारा कबड्डी (महिला), जूडो (पुरुष और महिला) और योग (पुरुष और महिला) और खो-खो (पुरुष) 2022-2023 में आयोजित इंटर कॉलेज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

<u>ईज जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता:</u>

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट (एम) टूर्नामेंट 2023-2024 में भाग लिया था, जो राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित किया गया था, प्रथम स्थान पर रहा और अखिल भारतीय इंटर यूनिवर्सिटी (रोहिंटन बेरिया ट्रॉफी) क्रिकेट (पुरुष) टूर्नामेंट के लिए पात्रता प्राप्त की।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने उत्तर और पूर्व क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय योग (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट 2023-2024 में भाग लिया, जो कीट विश्वविद्यालय, ओडिशा में आयोजित किया गया था, और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय, खेलो इंडिया प्रतियोगिता को योग्य बनाया और खेलो इंडिया गेम में रजत पदक हासिल किया।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय फुटबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट 2023-2024 में भाग लिया था, जो दिसंबर 2023 के महीने में रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में आयोजित किया गया था।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय फुटबॉल (एम) टूर्नामेंट 2023-2024 में भाग लिया था, जो दिसंबर 2023 के महीने में रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी में आयोजित किया गया था।

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खो-खो (एम) टूर्नामेंट 2023-2024 में भाग लिया था, जो जनवरी 2024 के महीने में ओडिशा के संबलपुर विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई

विभागाध्यक्ष	:	डॉ. राजेश चटर्जी (पीएचडी, ग्रामीण विकास)
स्थापना वर्ष	:	1992
प्रस्तावित कार्यक्रम	:	रासेयो 01 ई
प्रवेश क्षमता	:	401 (आईएमडी, एमए, एमएससी, और सीबीसीएस के तहत डिप्लोमा छात्र)
नवीनता	:	सीबीसीएस विधि में रासेयो एक पेपर के रूप में शामिल
पुरस्कार	:	राज्य स्तरीय सर्वश्रेष्ठ रासेयो स्वयंसेवक पुरस्कार युवा और खेल मामलों का विभाग, त्रिपुरा सरकार द्वारा प्रदत्त किया गया था।

विभाग की प्रमुख उपलब्धियां/विजन:

रासेयो जागरूकता पैदा करके और सेवा दृष्टिकोण निष्पादित करके समाज की सहायता करता है। रासेयो स्वयंसेवकों को विस्तार के माध्यम से परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप अधिक कुशल उत्पादन और विपणन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, बेहतर आजीविका सुरक्षा, स्वास्थ्य और अधिक संतोषजनक परिवार और सामुदायिक जीवन होता है। विस्तार कार्य पदानुक्रम में सबसे कम है, लेकिन उपयोग में बेहद व्यापक आधार पर है। यह अत्यंत स्थान विशिष्ट भी है और आमतौर पर बाहरी आलोचना के लिए अतिसंवेदनशील होता है। विस्तार का काम लोगों को खुद को समझने में मदद करना है।

रासेयो का समग्र उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक गतिविधि का विस्तार करना और छात्र युवाओं को सामुदायिक सेवा के लिए उन्मुख करना है। शिक्षित युवा जिन्हें भविष्य में प्रशासन की बागडोर संभालने की उम्मीद है, वे गांव/स्लम समुदाय की समस्याओं से अनजान पाए जाते हैं और कुछ मामलों में उनकी जरूरतों और समस्याओं के प्रति उदासीन होते हैं। इसलिए, छात्रों के सामाजिक विवेक को आत्मसात करना और उन्हें गांवों और मलिन बस्तियों में लोगों के साथ काम करने का अवसर प्रदान करना आवश्यक है।

1. संकाय सदस्य:

नाम	योग्यता (एमफिल/पीएचडी)	पदनाम	पूर्णकालिक/अतिथि/अनुबंध*	अनुसंधान क्षेत्र	शिक्षण/अनुसंधान/नौकरी के अनुभव के वर्षों की संख्या	पीएचडी मार्गदर्शन		मास्टर थीसिस मार्गदर्शन		साईटेशन	एच-इंडेक्स
						प्रदत्त	वर्तमान	गाइड-निर्देशित	वर्तमान		
डॉ. राजेश चटर्जी	एम.ए., पीएचडी (ग्रामीण विकास)	कार्यक्रम अधिकारी	अतिरिक्त ड्यूटी	ग्रामीण बुनियादी ढांचा, ग्रामीण उद्यमिता और विस्तार शिक्षा	19	-	-	-	-	-	-

2. सहायक समन्वयक:

नाम	पाठ्यक्रमों के विषय / त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाने वाला व्याख्यान	अब/पहले से संबद्ध संस्थान (यदि सेवानिवृत्त)
श्री पार्थ सारथी शील	रासेयो की मूल बातें	संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

3. शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में विवरण: रासेयो **ई-01**

3.1 युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के गतिविधि फोरम के दिशानिर्देशों के अनुसार, जिसे मुख्य रूप से एनएसएस या रासेयो के नाम से जाना जाता है, निम्नलिखित गतिविधियों को सीबीसीएस प्रणाली के पाठ्यक्रम के रूप में शुरू किया जा सकता है। सीएबीई-यूजीसी-

एमवाईएएस, भारत सरकार द्वारा डिजाइन रासेयो पाठ्यक्रम के टेम्पलेट (यूजीसी से दिनांक 13 अगस्त, 2015 के पत्र डीओ.नं.एफ. 1-7/2011 (सीपीपी-II) द्वारा) पर निम्नलिखित रासेयो-पाठ्यक्रम तैयार करते समय विचार किया गया है। पाठ्यक्रम को 28 जनवरी, 2016 को आयोजित त्रिपुरा विश्वविद्यालय की डीन समिति की बैठक और बाद में अकादमिक परिषद से भी अनुमोदित किया गया है।

3.2 सेमेस्टर: **वैकल्पिक पेपर के रूप में विषम और सम सेमेस्टर**

3.3 पेपर: रासेयो **ई-01, क्रेडिट: 02**

3.4 अंक: **50 (थ्योरी - 20, प्रैक्टिकल - 30)**

3.5 प्रवेश क्षमता: **80 (01 यूनिट प्रायोजित), 246 (3 इकाइयां स्व-प्रायोजित)**

3.6 पैटर्न - तिमाही/सेमेस्टर/वार्षिक: सेमेस्टर सिस्टम (सीबीसीएस)

3.7 पाठ्यचर्या डिजाइन प्रक्रिया/संशोधन:

बाहरी विशेषज्ञ, डीन छात्र कल्याण, शारीरिक शिक्षा के एचओडी और संकाय सदस्यों वाली पाठ्यक्रम समिति की ईमानदारीपूर्वक सहयोग से रासेयो के पाठ्यक्रम को अपग्रेड करने के लिए, कार्यक्रम अधिकारी, रासेयो यूनिट, त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने 6-7 मार्च, 2017 को एनसीआरआई-हैदराबाद की कार्यशाला में भाग लिया और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सभी विभागीय प्रमुखों के साथ 1-दिवसीय गोलमेज बैठक आयोजित करने के लिए पीओ रासेयो यूनिट द्वारा एनसीआरआई-हैदराबाद को एक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया।

3.8 विविधता, लचीलापन और बहु-कौशल विकास पर जोर:

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंगीकृत किये गए आठ गांवों में सप्ताह में एक बार रासेयो स्वयंसेवक आते हैं

3.9 कौशल आधारित और उद्योग प्रासंगिक पाठ्यक्रम:

समाज की आधुनिक मांग को ध्यान में रखते हुए, रासेयो इकाई के स्वयंसेवकों के लिए भारत सरकार के कार्यक्रम की डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, स्वच्छ भारत कार्यक्रम, वृक्षारोपण आदि और समग्र ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम से संबंधित कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

3.10 सीबीसीएस आधारित पाठ्यक्रम: सीएबीई-यूजीसी-एमवाईएएस, भारत सरकार के निर्देश के अनुसार, पाठ्यक्रम सीबीसीएस पैटर्न का पालन करता है।

3.11 परिणाम आधारित शिक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम

3.12 अंतर-अनुशासनात्मक विकल्प: विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और भाषाई जैसे विभिन्न संकायों के छात्र अपने चार सेमेस्टर पाठ्यक्रम में वैकल्पिक विषय के रूप में रासेयो के लिए पात्र हैं।

4. शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन

4.1 शैक्षणिक कैलेंडर का पालन: त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अनुमोदित दिनचर्या और नियमों के अनुसार

4.2 प्रति सेमेस्टर कार्य दिवसों की संख्या: 40 कक्षाएं

4.3 संकाय सदस्यों की संख्या (पूर्णकालिक / अंशकालिक / विजिटिंग आदि): 02

4.4 शिक्षक-छात्र अनुपात: 1:173

4.5 शिक्षण / अधिगम में संकाय द्वारा नवाचार: विस्तार गतिविधियां

समाज के विकास के लिए काम करने के लिए हमेशा प्रयास किया जाता है, और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए त्रिपुरा विश्वविद्यालय के गोद लिए गए गांवों में एसएचजी का गठन किया जाता है ताकि उन्हें नवाचार में बढ़ावा दिया जा सके जो इस पाठ्यक्रम के व्यावहारिक का एक हिस्सा है।

4.6 आईसीटी समर्थन के साथ शिक्षण-अधिगम:

शिक्षक हमेशा कक्षा में एलसीडी प्रोजेक्टर की मदद से कक्षा में और कक्षा के बाहर आईसीटी का उपयोग करते हैं और 24 घंटे निगरानी के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाता है, इस संबंध में ईमेल का उपयोग करते हैं।

4.7 संकाय विकास / सतत शिक्षा कार्यक्रम:

रासेयो इकाई, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी ने एनआरसीआई-हैदराबाद की कार्यशाला में भाग लिया जो पाठ्यक्रम उन्नयन, कार्रवाई अनुसंधान पर अनुसंधान पद्धति, गांव गोद लेने की प्रक्रिया, केंद्र सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों की कार्यान्वयन प्रक्रिया पर थी।

5. **विस्तार:** स्वयंसेवक त्रिपुरा विश्वविद्यालय के 6-अंगीकृत गांवों में काम कर रहे हैं
6. **अवसरंचना**
   क. क्लासरूम: 01
   ख. कार्यालय: 01

<u>गतिविधियां पूरी हुईं:</u>

रासेयो स्वयंसेवकों द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित और सहभागिता:

1. रोटरी क्लब, अगरतला के साथ रक्तदान शिविर 4/7/2023
2. 15 स्वच्छ *भारत, धार्मिक संस्थान, अस्पताल, रेल स्टेशन* के साथ सफाई कार्यक्रम
3. 12 अक्टूबर, 2023 को नो ड्रग्स अभियान
4. 1500 वृक्षारोपण
5. वृद्धाश्रम का दौरा 19 जून, 2023 को
6. विश्वविद्यालय परिसर के भीतर और गोद लिए गए गांवों में 41 दीवार पेंटिंग
7. विश्वविद्यालय और गोद लिए गए गांवों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह 23/6/2023 को
8. स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम
9. 26/6/23 को फिटनेस कार्यक्रम के लिए दौड़
10. गोद लिए गए गांवों में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन14/8/2023
11. स्वयंसेवकों ने 24/8/2023 को विश्व उद्यमिता दिवस कार्यक्रम में भाग लिया
12. 1/9/23 को शांति कार्यशाला में भाग लिया
13. भारतीय दर्शन पर आयोजित व्याख्यान 12/2023
14. 7-दिवसीय विशेष शिविर 25-31 मार्च, 2024 तक
15. 28 फरवरी, 2024 को एनवाईके, त्रिपुरा के सहयोग से जिला स्तरीय पड़ोस युवा संसद का आयोजन किया
16. युवा संवाद का आयोजन 28 फरवरी, 2024 को
17. स्वयंसेवकों ने 26/6/2023 को अगरतला में ड्रग विरोधी रैली में भाग लिया
18. त्रिपुरा सरकार के सूचना सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की 185 वीं जयंती के कार्यक्रम में गोद लिए गए गांवों के ग्रामीण स्वयंसेवकों द्वारा 28/6/23 को रवींद्रभवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम में चार समूह गीतों की प्रस्तुति दी।
19. विश्वविद्यालय में 30/10/2024 को रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया
20. दिनांक 19/6/24 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय संगोष्ठी में गोद लिए गए गांवों के छात्रों द्वारा 'कुलगीत' का प्रदर्शन किया गया
21. भारत सरकार के एसएनए द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए 10/6/2023 को रवींद्र सतवार्षिकी भवन में ग्रामीण छात्रों ने पांच गीतों की प्रस्तुति दी।
22. 5/6/2024 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन
23. विवेकानंद संस्कृति संस्थान, गुवाहाटी के साथ 12/5/24 को सी-20 कार्यक्रम का आयोजन किया गया
24. स्वयंसेवकों ने 12/5/24 से विश्वविद्यालय परिसर में ईमानदारी की दुकान आरंभ की।
25. स्वयंसेवकों ने त्रिपुरा राज्य रासेयो सेल द्वारा आयोजित 27-31 मार्च, 2024 तक पूर्वोत्तर रासेयो महोत्सव 2024 में भाग लिया

26. स्वयंसेवकों ने 24/3/2024 को अगरतला पुस्तक मेले में भाग लिया
27. स्वयंसेवकों ने 22/2/24 को छात्रों के अनुभव साझा करने के कार्यक्रम में भाग लिया
28. स्वयंसेवकों ने 13/01/2024 को रवींद्र सतबर्शिकी भवन में युवा संवाद -India@2047 कार्यक्रम में भाग लिया
29. स्वयंसेवकों ने 6/01/2024 को - व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी-2023 कार्यक्रम में भाग लिया
30. एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत बिहार के छात्रों के साथ विस्तार गतिविधियां 29/11/23 को
31. त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा 26/11/2023 को आयोजित संविधान दिवस - 2023 कार्यक्रम में "भारतीय संविधान के मूल्य" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान के साथ भाग लिया।
32. गोद लिए गए गांवों में 16/11/2023 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2023 का आयोजन किया गया।
33. 15/11/2023 को आदिवासी गौरव दिवस कार्यक्रम में भाग लिया
34. स्वयंसेवकों ने 19/10/22 को रवीन्द्र स्टेटबर्शिकी भवन में 19/10/2023 को कॅरियर बिचार कार्यक्रम में भाग लिया
35. स्वयंसेवकों ने 26/09/2023 को दीनदयाल उपाध्याय के जयंती कार्यक्रम में भाग लिया
36. पोषण माह - पोषण माह 2023 का विषय "सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत" है, जिसका अनुवाद "पोषण से भरपूर भारत, शिक्षित भारत और सशक्त भारत" है। यह विषय देश के विकास में पोषण, शिक्षा और सशक्तिकरण के बीच महत्वपूर्ण परस्पर क्रिया को रेखांकित करता है। यह कार्यक्रम स्वयंसेवकों द्वारा अपने-अपने गांवों में और गोद लिए गए गांवों में भी आयोजित किया गया था।
37. स्वयंसेवक 1 से 9 सितंबर, 2023 तक त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर में और गोद लिए गए गांवों में भी कार्यक्रम को लागू करने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा-2023 में सक्रिय रूप से लगे हुए थे
38. स्वयंसेवकों ने 8/9/23 को आयोजित स्वतंत्रता कार्यक्रम में "जनजातीय नायको का योगदान" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया
39. स्वयंसेवकों द्वारा गोद लिए गए गांवों में 2/7/2023 को सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया
40. स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय के पेड़ों को अलग करने के लिए एक नया काम किया और इस उद्देश्य के लिए उन्होंने पेड़ों पर लगाने के लिए स्टिकर बनाए। उन्होंने 19/7/23 को पूरा काम पूरा किया
41. स्वयंसेवकों ने भी एक बहुत ही काम किया जो पर्यावरण जागरूकता पर प्रसिद्ध विद्वानों के उद्धरण से संबंधित था और इसे लेकर विश्वविद्यालय की सभी सीढ़ियों की दीवार पर सभी विभिन्न स्टिकर लगाए गए थे
42. कार्यक्रम अधिकारी युवा विकास से संबंधित एनवाईके, एसआईपीएआरडी और अन्य सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों के साथ एक विशेषज्ञ, जूरी बोर्ड के सदस्य आदि के रूप में शामिल थे
43. स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 21/03/2024

निम्नलिखित गतिविधियों पर स्वयंसेवकों का श्रमदान:

a. अनानास उद्यान
b. पपीते का बगीचा
c. स्वीट लेमन गार्डन
d. एमएचआरडी, भारत सरकार के कार्यक्रमों के तहत वृक्षारोपण
e. एम्फीथिएटर सफाई
f. विश्वविद्यालय परिसर से प्लास्टिक संग्रह और अब से विश्वविद्यालय को प्लास्टिक मुक्त परिसर घोषित किया गया है

आगामी गतिविधियां:

1. 5 दिवसीय विशेष शिविर
2. आत्मनिर्भरता के लिए कागज से बने बैग और पैकेट निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
3. विकसित भारत 2047 पर कार्यक्रम
4. पूरे विश्वविद्यालय में 1000 वृक्षारोपण और
5. रासेयो की नियमित गतिविधियां

https://youtu.be/7olWXXTk4E0

2023-24 के दौरान गतिविधियाँ



स्वास्थ्य शिविर 2024





अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी प्रकोष्ठ का कार्यालय विद्युत और निर्माण दोनों तरह की सभी मरम्मत/रखरखाव कार्यों को करने के अलावा सभी नए और चल रहे निर्माण कार्यों की देखभाल कर रहा है। यह कार्यालय सभी हितधारकों को पेयजल के वितरण के अलावा विश्वविद्यालय की सभी सुविधाओं/उपयोगिताओं को निर्बाध बिजली प्रदान करने के लिए 33/11 केवी सबस्टेशन के 24x7 संचालन और रखरखाव की देखभाल भी कर रहा है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अभियांत्रिकी कार्यों (सिविल और इलेक्ट्रिकल) की सूची

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य ऑर्डर मूल्य
1	पावर पैनल बोर्ड में पावर केबल को एक्सएलपीई एल्यूमीनियम कंडक्टर बख़्तरबंद केबल द्वारा उप-पावर पैनल बोर्ड में बदलना जो शॉर्ट सर्किट के कारण पावर पैनल रूम में चूहों के काटने से क्षतिग्रस्त हो गया था/ 20 केवीए ऑनलाइन यूपीएस (सेंट्रल सर्वर यूपीएस) को भूतल से पहली मंजिल पर स्थानांतरित करना और शैक्षणिक भवन नंबर VI त्रिपुरा विश्वविद्यालय में 20 केवीए यूपीएस के स्थानांतरण के लिए आईई कार्यों और अन्य विद्युत स्थापना का प्रावधान प्रदान करना	2,97,841.00 रुपए
2	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर के भीतर स्थापित मौजूदा एलईडी स्ट्रीट लाइट/फ्लड लाइट और बोलार्ड लाइट को बनाए रखने के लिए एलईडी ड्राइवरों और अन्य प्रासंगिक एलईडी सामानों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।	68,125.00 रुपए
3	अर्थशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय विभाग में बिजली की समस्या/ निरीक्षण/ जांच/ विद्युत दोष का सुधार 06.08.2023 को हुआ, जैसा कि विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा कहा गया है। त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में फ्रंट साइड बिल्डिंग में कैपिंग/ पीवीसी नाली तारों द्वारा पुराने मौजूदा अप्रचलित एल्यूमीनियम कंडक्टर बैटन टाइप वायरिंग के बड़े हिस्से का प्रतिस्थापन किया गया।	83,458.00 रुपए
4	त्रिपुरा विश्वविद्यालय में तरल नाइट्रोजन संयंत्र में विद्युत समस्याओं और त्रिपुरा विश्वविद्यालय में तरल नाइट्रोजन संयंत्र में विद्युत आपूर्ति का निरीक्षण/ जांच/ सुधार/ बहाली/ द्रव नाइट्रोजन संयंत्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में बार-बार होने वाली विद्युत समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए एक अलग एचटी/एलटी परिपथ के साथ वितरण ट्रांसफार्मर (डीटी) सब-स्टेशन का निर्माण।	7,82,398.00 रुपए
5	अर्थशास्त्र भवन (अर्थशास्त्र विभाग), त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर में रखरखाव कार्य।	1,50,681.34 रुपये
6	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर में खो-खो क्षेत्र में और उसके आसपास रोशनी प्रदान करना।	11,17,811.00 रुपए
7	क्वार्टर टाइप-II/ए-4, टाइप-IV/ए-2 और न्यू गेस्ट हाउस, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर में मरम्मत और रखरखाव तथा उन्नयन कार्य।	1,02,294.00 रुपए
8	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर के विभिन्न स्थानों पर एचटी और एलटी लाइन सामग्री के क्षतिग्रस्त घटकों का प्रतिस्थापन अर्थात 11 केवी आउटडोर हीट श्रिंक टाइप एंड टर्मिनल, ग्रेड 11 केवी3 करोड़ 185/240/300 वर्ग मिमी के एक्सएलपीई इंसुलेटेड केबल के लिए उपयुक्त जॉइंटिंग किट, वितरण ट्रांसफार्मर, सर्किट ब्रेकर आदि के लिए।	1,99,425.00 रुपए

9	त्रिपुरा विश्वविद्यालय परिसर, सूर्यमणिनगर में एनर्जी पार्क (वास्तविक स्थान 130 मीटर लंबाई को कवर करने वाला वास्तविक स्थान) के सामने एंटी-क्लाइम्बिंग ग्रिल के साथ 130 मीटर आरसीसी चारदीवारी का निर्माण।	4,23,274.00 रुपए
10	पुस्तकालय भवन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर में विभिन्न क्षेत्रों अर्थात जोन, सर्कुलेशन कॉरीडोर, एवं रीडिंग एरिया में ऑनलाइन यूपीएस कनेक्टिविटी प्रदान करना।	56,884.26 रुपये
11	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर में अकादमिक भवन संख्या -4, भौतिकी विभाग के लिए संरचनात्मक ट्रस और शीट द्वारा छत का काम।	4,37,804.00 रुपए
12	त्रिपुरा विश्वविद्यालय (36 यूनिट) के सभी प्रकार के क्वार्टरों में भूतल और (प्रथम और द्वितीय तल कॉम्बो) लाइनों के लिए सेनेटरी सेग्रेगेशन कार्य।	17,92,800.00 रुपए

संकाय विकास केंद्र

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संकाय विकास केंद्र (एफडीसी) की स्थापना वर्ष 2016 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजना "पंडित मदन मोहम मायाविया नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी)" के तहत की गई थी, इसे शुरू में विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में काम करने वाले संकायों को प्रशिक्षण देकर देश में शिक्षा के विकास के लिए 5 साल की परियोजना के रूप में स्थापित किया गया था। फिर इसे अगले वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया था। एफडीसी त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने पीएमएमएमएनएमटीटी के तहत 13 कार्यक्रम आयोजित किए हैं। सितंबर 2023 से, इसका नाम बदलकर मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र मिशन (मालवीय मिशन फॉर टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर (MMTTC)) कर दिया गया है।

एमएमटीटीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं :-

प्रो बी. के. दत्ता	निर्देशक	प्रो.बी.सी.त्रिपाठी	समन्वयक
डॉ थिरु सेलवन	सदस्य	डॉ. सौरभ देब	सदस्य
इं. हरजीत नाथ	सदस्य	डॉ. सप्तर्षि मित्रा	सदस्य
डॉ. एम. के. भौमिक	सदस्य	डॉ. पार्थ सारथी सील	सदस्य
डॉ जयंत पाल	सदस्य	श्री प्रणय पाल	सदस्य
डॉ. सम्राट गोस्वामी	सदस्य	श्री जयंत दत्ता	सदस्य

एमएमटीटीसी, टीयू ने विचाराधीन अवधि में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

<u>एमएमटीटीसी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा 11 मार्च से 22 मार्च, 2024 तक आठ दिवसीय ऑनलाइन एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम।</u>

त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2014 में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) की योजना के तहत एक संकाय विकास केंद्र (एफडीसी) की स्थापना की है। यूजीसी ने मौजूदा एफडीसी का नाम बदलकर मालवीय मिशन के हिस्से के रूप में भारत के 110 संस्थानों को मान्यता दी है। इसी तरह हमारे केंद्र का नाम बदलकर मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय (एमएमटीटीसी-टीयू) कर दिया गया है। वर्तमान में, केंद्र उच्च शिक्षण संस्थानों के संकायों और अधिकारियों को प्रशिक्षण देने में लगा हुआ है ताकि बेहतर शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान के लिए उनमें दक्षताओं का निर्माण किया जा सके, अधिक प्रभावी शिक्षण, प्रशासन प्रदान करने और उन्हें भारतीय मूल्यों और मूल्य प्रणाली के दायरे में एनईपी 2020 की सामाजिक आवश्यकताओं के साथ संरेखित करने के लिए उनके ज्ञान और कौशल को बढ़ाया और अद्यतन किया जा सके।

केंद्र ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से 11 मार्च से 22 मार्च, 2024 तक राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों के संकायों और अधिकारियों के लिए अपना पहला आठ दिवसीय ऑनलाइन एनईपी अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया है । पोर्टल के माध्यम से कुल 200 उम्मीदवारों ने आवेदन किया और लगभग 145 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम शाम को दो सप्ताह (आठ दिन) के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें 1 घंटे और 30 मिनट के दो सत्र दोपहर 3.00 बजे से शाम 6.15 बजे तक आयोजित किए गए थे। प्रतिभागी सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और भारत के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के

अधिकारी थे। कार्यक्रम के दौरान सोलह रिसोर्स पर्सन ने अपना भाषण दिया और वे सभी देश के विभिन्न हिस्सों के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के प्रसिद्ध प्रोफेसर थे जिन्होंने एमएमटीटीसी पोर्टल में रिसोर्स पर्सन के रूप में खुद को पंजीकृत किया है। कार्यक्रम के दौरान कवर किए गए विषय समग्र और बहु-विषयक शिक्षा; भारतीय ज्ञान प्रणाली; अकादमिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन; उच्च शिक्षा और समाज; अनुसंधान और विकास; कौशल विकास; छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा; सूचना और संचार प्रौद्योगिकी थे। प्रत्येक तकनीकी सत्र के बाद परिचर्चा सत्र थे और प्रतिभागी इस अभिविन्यास और संवेदीकरण कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और इसके कार्यान्वयन के विस्तार को समझने में सक्षम हुए।

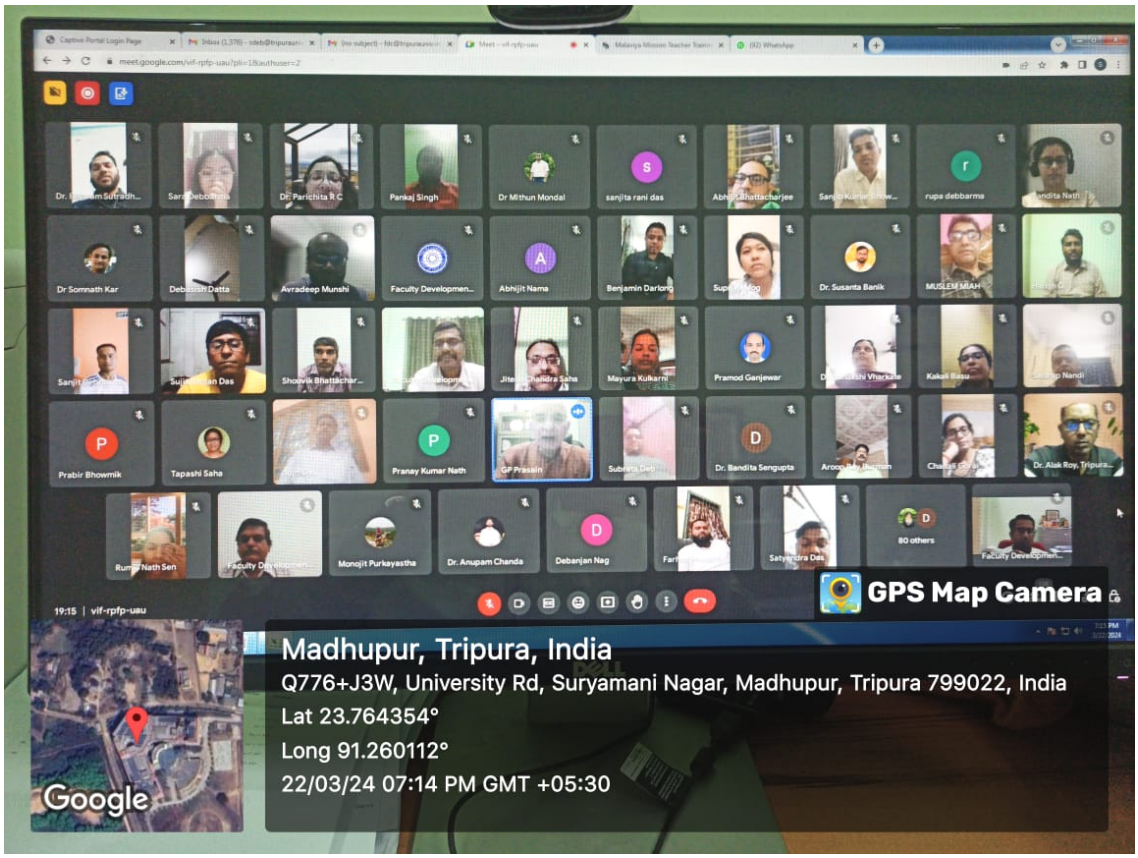

विश्वविद्यालय वित्त एवं वार्षिक लेखा

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि, रु. में)

विवरण	अनु.सं.	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्ति	9	181,811,283.88	146,019,519.65
अनुदान / सहायिकी	10	904,619,253.00	858,074,930.00
निवेश से आय	11	42,769,095.64	42,448,074.26
अर्जित ब्याज	12	9,194,767.00	5,920,953.00
अन्य आय	13	9,065,967.42	2,562,350.56
पूर्वावधि आय	14	1,479,600.00	-
कुल (ए)		**1,148,939,966.94**	**1,055,025,827.47**
व्यय			
कार्मिक-भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	1,326,201,665.28	1,625,783,594.00
अकादमिक व्यय	16	36,885,649.00	34,851,897.00
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	94,957,329.00	72,325,660.00
परिवहन व्यय	18	2,980,778.00	2,874,771.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	10,806,759.48	22,165,556.00
वित्तीय लागत	20	21,601.35	133,110.74
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्वावधि व्यय	22	-	-
मूल्यह्रास	4	113,923,016.00	116,341,670.00
कुल(बी)		**1,585,776,798.11**	**1,874,476,258.74**
व्यय पर आय की अधिकता संबंधी अधिशेष (ए-बी)		-436,836,831.17	-819,450,431.27
नामित निधि को/ से हस्तांतरित			
भवन निधि			
आधिक्य(सरप्लस)/ घाटा (डेफिसिट) के अधिशेष को पूंजीगत निधि में ले लिया गया		**-436,836,831.17**	**-819,450,431.27**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणी	24		

- **सूचना वित्त वर्ष 2023-24 पर आधारित है।**

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

प्राप्ति	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I. प्रारंभिक अधिशेष			**I. व्यय**		
ए) हस्तगत नकदी (कैश इन हैंड)			ए) स्थापना व्यय	668,201,903.00	582,709,203.00
बी) बैंक अधिशेष			बी) अकादमिक व्यय	35,998,130.00	31,859,449.00
I) बचत बैंक खाते में	208,195,190.99	246,482,936.67	सी) प्रशासनिक व्यय	89,323,525.00	69,590,063.00
II) चल (करेंट) खाते में	2,793,058.24	2,218,669.50	डी) परिवहन व्यय	2,856,827.00	2,855,128.00
III) जमा खाते में	715,452,242.35	571,810,342.85	ई) मरम्मत एवं रखरखाव	10,761,037.00	18,699,658.00
II. अनुदान प्राप्त			एफ) वित्तीय लागत	21,601.35	133,110.74
ए) भारत सरकार से (यूजीसी समेत)	965,958,953.00	761,667,012.00	जी) पूर्वावधि व्यय		
बी) राज्य सरकार से			II. अर्माक्ड/ इंडोमेंट निधि हेतु भुगतान	23,494.00	5,000.00
सी) अन्य स्रोत से			III. प्रायोजित परियोजना/ योजना हेतु भुगतान	28,041,165.44	33,086,363.40
III. अकादमिक प्राप्ति	188,523,558.88	158,647,248.65	IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति/ छात्रवृत्ति हेतु भुगतान	314,160.00	391,836.00
IV. निर्धारित (अर्माक्ड) निधि/ इंडोमेंट निधि से प्राप्ति		80,140.00	**V. निवेश में जमा किए गए**		
V. प्रायोजित परियोजना/ योजना से प्राप्ति	35,840,816.16	19,636,153.22	ए) अर्माक्ड/ इंडोमेंट निधि से		
VI. प्रायोजित अध्येतावृत्ति / छात्रवृत्ति से प्राप्ति	2,851,105.64	1,127,017.00	बी) निधि से (निवेश - अन्य)		
VII. निवेश से आय			VI. अनुसूचित बैंक के साथ सावधि जमा		
ए) अर्माक्ड / इंडोमेंट निधि से	553,862.00	141,360.00	**VII. अचल परिसंपत्ति एवं चालू पूंजीगत कार्य हेतु व्यय एवं अग्रिम**		
बी) अन्य निवेश से					
VIII. ब्याज प्राप्त			ए) अचल परिसंपत्ति	109,592,200.00	84,967,179.09
ए) बैंक जमा	603,328.00	11,025,202.00	बी) चालू पूंजीगत कार्य	59,129,000.00	0.00
बी) ऋण एवं अग्रिम			सी) पूंजीगत लेखा हेतु अग्रिम	102,445,000.00	26000.00
सी) बचत बैंक खाता	9,194,807.00	5,920,953.00	VIII. सांविधिक भुगतान समेत अन्य भुगतान	143,959,248.00	143,541,425.00
IX. निवेश को भुनाया गया			IX. अनुदान वापसी	15,927,000.00	68,979,000.00
X. अनुसूचित बैंको में जमा सावधि जमा को भुनाया गया			X. जमा एवं अग्रिम	19,324,231.00	20,341,011.00
XI. पूर्वावधि आय समेत अन्य आय	5,084,912.42	2,392,410.56	XI. अन्य भुगतान	572,741,554.00	538,313,794.40
XII. जमा एवं अग्रिम	10,427,215.00	14,179,325.00	XII. **समापन अधिशेष**		
XIII. वैधानिक प्राप्तियों समेत विविध प्राप्तियां	11,457,331.72	13,788,291.00	ए) हस्तगत नकदी		
XIV. कोई अन्य प्राप्ति	799,896,154.74	712,821,650.76	बी) बैंक अधिशेष		
			I) बचत बैंक खाते में	235,132,256.26	208,195,190.99
			II) चल (करेंट) बैंक खाते में	846,601.24	2,793,058.24
			III) जमा खाते में	862,193,602.85	715,452,242.35
कुल	**2,956,832,536.14**	**2,521,938,712.21**	**कुल**	**2,956,832,536.14**	**2,521,938,712.21**

- **सूचना वित्त वर्ष 2023-24 पर आधारित है।**

31 मार्च, 2023 को जैसी थी वह बैलेंस शीट

(राशि, रु. में)

विवरण	अनुसूची संख्या	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निधि का स्रोत			
कॉर्पस निधि / पूंजीगत निधि	1	989,912,143.61	1,260,205,014.78
नामित (डेजिगनेटेड)/ निर्धारित (अर्माक्ड) / अक्षय (इंडोमेंट) निधि	2	4,310,958.98	3,710,590.98
चल देयताएं एवं प्रावधान	3	3,561,301,299.42	2,815,978,716.34
कुल		**4,555,524,402.01**	**4,079,894,322.10**
निधि-अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्ति	4		
मूर्त परिसंपत्ति		2,066,218,585.15	2,072,640,455.15
अमूर्त परिसंपत्ति		15,945,289.19	12,013,220.19
चालू पूंजीगत कार्य		807,869,371.00	731,940,371.00
अर्माक्ड/ इंडोमेंट निधि से निवेश	5		
दीर्घ कालिक		1,388,848.85	1,329,562.85
अल्प कालिक		-	-
निवेश - अन्य	6	-	-
चल परिसंपत्ति	7	1,262,937,023.50	925,110,928.73
ऋण / अग्रिम एवं जमा	8	401,165,284.32	336,859,784.18
कुल		**4,555,524,402.01**	**4,079,894,322.10**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23	-	
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा टिप्पणी	24	-	

- **सूचना वित्त वर्ष 2023-24 पर आधारित है।**

कार्यक्रम एवं छात्र आँकड़े

वनस्पति विज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम: एम.एससी.

प्रवेश क्षमता : 30

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
08	21	29	04	07	00	03	02	03	02	08	-	-	-	-	01	-	06	09	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
08	29	37	03	17	00	02	01	03	04	05	00	02	00	00	00	00	02	10	00	00

रासायनिक और पॉलिमर अभियांत्रिकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: एम.टेक.

प्रवेश क्षमता: 15 छात्र

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
1	2	3	-	1	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-

रसायन विज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम: रसायन विज्ञान में एम एस सी

प्रवेश क्षमता :

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I (2023-2024)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
17	13	30	9	7	1	0	4	1	3	4	0	1	0	1	0	0	7	4	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III (2023-2024)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
23	14	37	9	4	6	2	3	2	3	4	2	2	0	01	2	0	11	07	0	0

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में एम. टेक.

प्रवेश क्षमता : 15

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
8	5	13	5	1	3	2	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
4	7	11	1	1	2	3	1	2	-	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: विद्युत अभियांत्रिकी में एम.टेक.

प्रवेश क्षमता : 18

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
6	5	10	2	1	0	0	1	1	2	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
3	3	6	0	1	3	1	0	0	0	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: एम.टेक

प्रवेश क्षमता : 17

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
5	2	7	1	1	1	0	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
2	4	6	0	1	2	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

वानिकी और जैव विविधता विभाग

कार्यक्रम का नाम: एम एससी.

प्रवेश क्षमता :

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
8	18	26	3	5	3	3	1	1	3	7	0	0	0	0	0	0	1	1	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
10	7	17	5	2	-	3	-	1	5	1	-	-	-	-	-	-	7	7	-	-

भूगोल और आपदा प्रबंधन विभाग

प्रवेश क्षमता: 40 + अधिसंख्य सीटें

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
8	29	37	5	13	1	-	2	4	-	11	-	1	-	-	-	-	2	12	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
22	17	39	10	10	-	1	3	4	9	2	-	-	-	-	-	-	12	9	-	-

मानव शरीर विज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम: मानव शरीर विज्ञान में एमएससी

प्रवेश क्षमता : 35

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
10	25	35	1	8	1	5	4	3	4	5	0	2	0	0	0	2	0	2	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
12	15	27	5	4	1	5	2	3	2	2	0	1	0	0	2	0	0	0	0	0

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर (एमसीए)

प्रवेश क्षमता : 45 + 5 (ईडब्ल्यूएस)

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
19	7	26	7	6	5	0	3	0	2	0	2	1	0	0	2	1	14	3	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
41	8	49	15	3	10	1	6	0	5	3	5	1	0	0	1	0	36	5	0	0

कार्यक्रम का नाम: सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (आईटी में एमटेक)

प्रवेश क्षमता : 20 + 2 (ईडब्ल्यूएस)

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
2	3	5	1	2	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - II

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
3	3	6	1	0	1	1	0	2	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0

पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी में एम टेक

प्रवेश क्षमता : 17

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
6	0	6	4	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
1	2	3	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

गणित विभाग

कार्यक्रम का नाम: गणित में एम.एससी.

प्रवेश क्षमता : 55

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
34	21	55	13	6	5	3	5	3	7	8	4	1	0	0	2	0	7	7	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
31	18	49	15	11	7	1	6	1	1	2	2	3	0	0	4	2	6	7	0	0

सूक्ष्मजैविकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: सूक्ष्मजैविकी में एमएससी

प्रवेश क्षमता : 30

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
09	17	26	4	5		2	1	4	3	5	1	1	0	0	0	1	2	8	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
07	15	22	2	4	0	5	2	2	3	4	0	0	0	0	0	0	4	10	0	0

आणविक जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम: आणविक जैविकी और जैव सूचना विज्ञान में एमएससी

प्रवेश क्षमता : 30

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
11	20	31	3	7	2	6	1	3	4	4	1	0	0	0	0	1	5	5	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
13	20	33	6	7	1	6	3	3	3	1	0	3	0	0	0	0	1	1	0	0

भेषज विज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम: भेषजीय रसायन विज्ञान में एम फार्मा

प्रवेश क्षमता : 15

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
10	05	15	05	03	04	00	00	01	00	01	01	00	00	00	01	01	10	03	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
09	05	14	03	03	03	01	01	01	01	00	01	00	00	00	01	00	07	04	00	00

भौतिक विज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम:

प्रवेश क्षमता :

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
20	14	34	14	6	1	0	4	1	1	6	0	1	-	-	2	5	5	5	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
24	10	34	15	7	1	0	4	1	2	2	1	0	-	-	2	2	2	2	0	0

सांख्यिकी विभाग

कार्यक्रम का नाम: एमएससी

प्रवेश क्षमता : 16

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
02	02	04	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			2	1	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
11	3	14	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			7	1	4	1	0	1	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-

प्राणिविज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम: एमएससी

प्रवेश क्षमता : 25

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
12	18	30	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			4	6	0	2	3	3	4	4	1	3	0	0	0	0	3	12	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
12	19	31	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			7	8	0	2	1	1	4	6	0	2	0	0	0	0	2	9	0	0

रबर प्रौद्योगिकी में बी.वोक.

छात्र नामांकन: 13

कार्यक्रम का नाम: बी वोक (रबर प्रौद्योगिकी)

प्रवेश क्षमता : 50

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
08	05	13	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			03	00	01	00	00	01	04	03	00	01	00	00	01	01	01	01	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
02	03	05	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			01	01	00	00	00	00	01	02	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - V

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
07	05	12	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			02	02	02	01	01	01	02	01	00	00	01	00	02	01	01	00	00	00

बंगाली विभाग

कार्यक्रम का नाम: बांग्ला में स्नातकोत्तर

प्रवेश क्षमता: 90 + 9 (ईडब्ल्यूएस) + आईएमडी (15)

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
35	63	98	29	57	2	3	2	2	1	2	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
23	76	99	14	59	0	3	4	6	2	7	3	0	0	0	0	2	0	0	0	0

अंग्रेजी विभाग

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
27	72	99	7	27	5	6	3	12	10	21	2	6	-	-	3	2	2	9	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
34	47	81	5	10	3	2	8	6	18	29	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

हिंदी विभाग

कार्यक्रम का नाम- हिन्दी में एम ए

प्रवेश क्षमता:

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
0	23	23	0	3	0	3		2	0	15	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
5	22	27	2	6	0	1	0	0	2	15	0	0	0	0	1	0	1	2	0	0

कोकबरॉक विभाग

कार्यक्रम का नाम: एमए

प्रवेश क्षमता : 60

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
23	40	63	-	-	-	-	-	-	23	40	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
15	48	63	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			-	-	-	-	-	-	15	48	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

भाषा विज्ञान और जनजातीय भाषा विभाग

कार्यक्रम का नाम: एम.ए.

प्रवेश क्षमता : 20

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
10	10	20	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			02	-	-	-	-	-	08	10	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
04	10	14	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			-	02	-	01	-	-	04	07	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

संस्कृत विभाग

कार्यक्रम का नाम: संस्कृत में एम ए

प्रवेश क्षमता: 80 + 8 = 88

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
02	13	15	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			00	07	00	02	02	01	00	03	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
04	29	33	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			01	13	01	03	01	05	01	08	00	00	00	01	00	00	00	00	00	00

ललित कला विभाग

कार्यक्रम का नाम: एम एफ ए

प्रवेश क्षमता: 26

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
12	02	14	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			03	00	03	01	01	01	04	00	00	00	01	00	00	00	05	00	01	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
09	05	14	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			02	02	02	00	05	01	00	02	00	00	00	00	00	00	05	03	00	00

संगीत विभाग

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I (23-24)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
3	27	30	8	3	10	-	3	-	6	-	-	-	-	-	-	-	-	7	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III (23-24)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
6	25	31	14	2	5	1	1	-	5	-	-	-	-	-	-	-	3	4	-	-

पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति विभाग

कार्यक्रम का नाम: पुरातत्व और प्राचीन भारतीय संस्कृति में स्नातकोत्तर

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
21	14	35	7	8	0	0	1	0	12	6	1	0	0	0	8	5	0	0	0	0

अर्थशास्त्र विभाग

कार्यक्रम का नाम: अर्थशास्त्र में एमए / एमएससी

प्रवेश क्षमता: 49 + 15 (आईएमडी)

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
18	25	43	4	8	2	2	0	1	9	11	3	3	-	-	8	1	8	8	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
13	21	34	7	3	2	4	1	4	3	9	-	-	-	-	3	1	6	7	-	-

शिक्षा विभाग

कार्यक्रम का नाम: शिक्षा में एम ए

प्रवेश क्षमता: 40

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
20	19	39	00	02	01	02	02	03	17	12	00	00	00	00	00	00	03	00	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
11	29	40	00	05	00	02	02	09	09	11	00	02	00	00	00	00	00	05	00	00

इतिहास विभाग

कार्यक्रम का नाम- इतिहास में एमए

प्रवेश क्षमता : एमए 80 + 8 (ईडब्ल्यूएस)

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
32	50	82	2	5	2	6	2	2	25	37	1	0	0	0	1	0	0	3	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
21	41	62	2	3	3	5	1	2	15	31	0	0	1	0	1	0	2	4	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - VII (आईएमडी)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
7	11	18	2	0	0	2	1	0	4	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - IX (आईएमडी)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
3	9	12	0	2	0	1	0	4	3	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

मुक्त कला विभाग

कार्यक्रम का नाम: मुक्त कला में स्नातकोत्तर

प्रवेश क्षमता : 33

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
14	17	31	03	06	01	-	-	02	10	09	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

दर्शनशास्त्र विभाग

कार्यक्रम का नाम: दर्शनशास्त्र में एमए

प्रवेश क्षमता : 95

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
30	63	93	3	8	0	7	0	1	27	47	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
16	43	59	2	10	2	11	0	1	12	19	0	0	0	0	0	0	2	2	0	0

राजनीति शास्त्र विभाग

कार्यक्रम का नाम: राजनीति शास्त्र में एमए

प्रवेश क्षमता :

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
36	39	75	02	03	05	04	02	06	29	23	00	00	00	00	01	00	06	06	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
42	60	102	05	06	0	08	07	06	30	38	-	02	-	-	0	0	11	12	-	-

मनोविज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम:

प्रवेश क्षमता :

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
06	16	22	01	04	0	05	02	01	03	05	0	01	0	0	0	0	02	06	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
03	10	13	02	05	0	02	0	0	01	03	0	0	0	0	0	0	0	02	0	0

ग्रामीण प्रबंधन और विकास विभाग

कार्यक्रम का नाम:

प्रवेश क्षमता :

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I (MRS - I)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
21	33	54	5	7	3	1	1	2	12	23	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III (MRS - III)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
17	25	42	2	5	1	0	0	2	14	18	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

समाजशास्त्र विभाग

छात्र नामांकन: 36

कार्यक्रम का नाम: समाजशास्त्र में एमए

प्रवेश क्षमता : 36

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
8	28	36	2	22	0	0	1	0	5	6	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
6	36	42	4	25	0	1	0	0	2	9	0	1	0	0	0	0	3	5	0	0

शिक्षा विद्यापीठ

कार्यक्रम का नाम: दो वर्षीय बी.एड.

प्रवेश क्षमता :

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
26	33	59	16	11	1	0	6	8	4	13	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
26	30	56	14	13	1	0	2	4	8	12	1	0	0	0	2	0	1	6	0	0

सामाजिक अपवर्जन और समावेशी नीति अध्ययन केंद्र

कार्यक्रम का नाम: जनजातीय और जातीय अध्ययन में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीटीईएस)

प्रवेश क्षमता: 30

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
15	14	29	00	01	00	00	00	00	15	13	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00

व्यवसायिक प्रबंधन विभाग

कार्यक्रम का नाम: एमबीए

प्रवेश क्षमता: 60

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
52	18	70	16	8	10	4	0	0	23	6	3	0	0	0	0	0	9	3	0	1

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
36	24	60	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			18	8	5	2	3	0	10	14	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

कार्यक्रम का नाम: बीबीए

प्रवेश क्षमता: 60

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
43	9	52	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			14	5	9	0	1	0	18	4	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
26	9	35	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			19	1	3	0	1	0	6	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - V

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
16	7	23	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			5	3	0	2	2	0	9	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

वाणिज्य विभाग

कार्यक्रम का नाम: वाणिज्य में एकीकृत स्नातकोत्तर उपाधि (आईएमडीसी)

प्रवेश क्षमता: 30

छात्र नामांकन सेमेस्टर - आईएमडीसी-I (2023-24)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
26	9	35	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			6	5	3	0	4	1	12	3	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1

छात्र नामांकन सेमेस्टर - आईएमडीसी -III (2023-24)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
18	12	30	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			10	5	1	0	2	0	5	2	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - आईएमडीसी -V (2023-24)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
18	7	13	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			10	5	1	0	2	0	5	2	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0

कार्यक्रम का नाम: वाणिज्य में स्नातकोत्तर (एम.कॉम.)

प्रवेश क्षमता: 75

छात्र नामांकन सेमेस्टर - एम कॉम-I (2023-24)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
51	13	64	8	1	3	0	1	1	37	10	0	1	0	0	0	0	7	6	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - एम कॉम-III (2022-23)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
30	17	47	5	5	2	1	3	1	20	10	0	0	0	0	0	0	1	5	0	0

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

कार्यक्रम का नाम: जेएमसी में एम ए

प्रवेश क्षमता : 20+ (भारी मांग के कारण अतिरिक्त सीटों की पेशकश की जाती है)

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I (जेएमसी में एमए में प्रवेश का वर्ष 2024 है)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
14	21	35	2	5	1	1	-	-	11	15	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III (जेएमसी में एमए में प्रवेश का वर्ष 2023 था)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
17	15	32	1	2	1		2	1	13	12	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

विधि विभाग

कार्यक्रम का नाम: विधि में स्नातकोत्तर(एलएलएम)

प्रवेश क्षमता : 17

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
3	11	14	2	1		1	1	1	-	8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
1	5	6	1	2	-	-	-	2	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग

कार्यक्रम का नाम : पुस्तकालय और सूचना विज्ञान स्नातक (बी. लिब. आईएससी.)
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम. लिब. आईएससी)
प्रवेश क्षमता : बी. लिब. आईएससी.-30, एम. लिब. आईएससी.-25

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I (बी. लिब. आईएससी)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
09	19	28	01	-	-	01	-	01	06	18	01	-	-	-	-	-	01	-	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III (एम. लिब. आईएससी)

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
10	09	19	-	-	01	02	-	01	11	04	-	-	-	-	-	-	-	01	-	-

शारीरिक शिक्षा विभाग

कार्यक्रम का नाम: एम.पी.एड
प्रवेश क्षमता : 40 + 4

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
18	17	35	5	2	2	1		2	11	12	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
18	17	35	5	2	2	1		2	11	12	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

फिल्म और वीडियो उत्पादन में बी.वोक विभाग

कार्यक्रम का नाम: फिल्म और वीडियो उत्पादन में बी.वोक
प्रवेश क्षमता : 50

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
23	07	30	00	01	0	0	0	0	23	07	0	0	0	0			0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
			पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
07	0	07	01	0	0	0	0	0	06	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

छात्र नामांकन सेमेस्टर - V

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
04	0	04	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			02	0	02	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

एकीकृत स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

छात्र नामांकन: 13

कार्यक्रम का नाम:

प्रवेश क्षमता : 50

छात्र नामांकन सेमेस्टर - I

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
79	74	153	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			13	16	03	07	05	09	58	41	01	00	00	00	00	01	00	00	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - III

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
61	84	146	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			30	49	03	01	04	04	23	24	01	05	01	00	01	01	01	00	00	00

छात्र नामांकन सेमेस्टर - V

पुरुष	महिला	योग	सामा.		अपिव		अ.जा.		अ.ज.जा.		ईडब्ल्यूएस*		दिव्यांग (योग में से)		अल्पसं.		अन्य राज्य से		विदेशी	
50	87	137	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म	पु	म
			11	15	8	6	5	11	23	55	02	01	01	00	01	00	00	00	00	00

त्रिपुरा विश्वविद्यालय के अंतर्गत महाविद्यालय

सामान्य डिग्री महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	महिला महाविद्यालय, अगरतला	महिला महाविद्यालय, बी.के.रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799001
2	रामठाकुर महाविद्यालय, अगरतला	रामठाकुर महाविद्यालय, बधारघाट पोस्ट: सिद्धि आश्रम, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799003
3	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, खुमलुंग	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, खुमुलुंग, जिरानिया, पश्चिम त्रिपुरा, 799045
4	कवि नजरूल महाविद्यालय, सोनामुरा	कवि नजरूल महाविद्यालय, सोनमुरा, सिपाहिजला त्रिपुरा, 799181
5	दशरथ देव मेमोरियल महाविद्यालय, खोवाई	दशरथ देव मेमोरियल महाविद्यालय, लालचेरा, खोवाई त्रिपुरा, 799201
6	नेताजी सुभाष महाविद्यालय, उदयपुर	नेताजी सुभाष महाविद्यालय, उदयपुर, गोमती त्रिपुरा, 799114
7	अद्वैत मल्ल बर्मन मेमोरियल महाविद्यालय, अमरपुर	अद्वैत मल्ल बर्मन मेमोरियल महाविद्यालय, अमरपुर, गोमती त्रिपुरा, 799101
8	ईश्वर चंद्र विद्यासागर महाविद्यालय, बेलोनिया	ईश्वर चंद्र विद्या सागर महाविद्यालय, बेलोनिया, पो: बेलोनिया, दक्षिण त्रिपुरा, 799155
9	माइकल मधुसूदन दत्त महाविद्यालय, सबरूम	माइकल मधुसूदन दत्त महाविद्यालय, सबरूम, दक्षिण त्रिपुरा, 799145
10	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, धर्मनगर	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, धर्मनगर, उत्तरी त्रिपुरा, 799253
11	रामकृष्ण महाविद्यालय, कैलाशहर	रामकृष्ण महाविद्यालय, कैलाशहर, उनाकोटी त्रिपुरा, 799277
12	बी. आर. अम्बेडकर महाविद्यालय, फटिकचेरा	बीआर अंबेडकर महाविद्यालय, फटिकचेरा, उनाकोटी त्रिपुरा, 799290
13	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कमलपुर	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कमलपुर, धलाई त्रिपुरा, 799285
14	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, गंदाचेरा	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, गंदाचरा, धलाई त्रिपुरा
15	स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, मोहनपुर	स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, मोहनपुर, पो.-फटिकचरा, भया-कमलघाट, मोहनपुर, पश्चिम त्रिपुरा, 799210
16	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, शांतिरबाजार	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, शांतिरबाजार, दक्षिण त्रिपुरा
17	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, लोंगतराई वैली	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, लोंगतराई वैली, मैनामा, धलाई त्रिपुरा -799275
18	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, तेलियामुरा	शासकीय उपाधि महाविद्यालय तेलियामुरा, खासियामंगल, खोवाई त्रिपुरा, 799205
19	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कंचनपुर	शासकीय उपाधि महाविद्यालय, कंचनपुर, पो.: सुखनाचेरा, कंचनपुर, उत्तरी त्रिपुरा, 799270
20	रवीन्द्र नाथ टैगोर महाविद्यालय, विशालगढ़	रवींद्रनाथ टैगोर महाविद्यालय, विशालगढ़, हरीशनगर टी एस्टेट NH8, सिपाहीजाला त्रिपुरा, 799102
21	होली क्रॉस महाविद्यालय, अगरतला	होली क्रॉस महाविद्यालय, पो. दुर्जयनगर एयरपोर्ट रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799009

अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	राजर्षि शिक्षा एवं कौशल महाविद्यालय, लेम्बुचेरा	राजर्षि शिक्षा एवं कौशल महाविद्यालय, बागबारी, लेम्बुचेरा, पश्चिम त्रिपुरा
2	स्वामी धनंजय दास काठिया बाबा मिशन महाविद्यालय	मुख्य परिसर: पश्चिम भुवनेश्वर, पो.: पश्चिम भुवनेश्वर, अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम), पिन - 799002 सिटी कैंपस: 10, जेल रोड, मठ चौमुहानी, अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम), पिन -799007
3	श्री अरबिंदो सामान्य उपाधि महाविद्यालय (अंग्रेजी माध्यम), अगरतला	कुंजबन, अगरतला, त्रिपुरा पश्चिम, पिन-799006
4	शासकीय डिग्री महाविद्यालय पानीसागर	उत्तर त्रिपुरा पिन-799260

पेशेवर डिग्री महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, पानीसागर	क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, पानीसागर, उत्तरी त्रिपुरा, 799260
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	जिरानिया विधि महाविद्यालय	मोहनपुर जिरानिया, पश्चिम त्रिपुरा, 799035

शिक्षा/अध्यापक प्रशिक्षण उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, कुमारघाट	अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, कुमारघाट, सुकांतनगर, उनाकोटी, त्रिपुरा, 799264
2	शिक्षा में प्रगत अध्ययन संस्थान, कुंजबन	शिक्षा में प्रगत अध्ययन संस्थान, कुंजबन, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799006
3	भवन्स त्रिपुरा अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय	भवन्स त्रिपुरा अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, नरसिंहगढ़, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा 799015
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	होली क्रॉस महाविद्यालय (अध्यापक शिक्षा विभाग)	होली क्रॉस महाविद्यालय (अध्यापक शिक्षा विभाग), दुर्जयनगर, एयरपोर्ट रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799009
2	भवन्स त्रिपुरा अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय	भवन्स त्रिपुरा अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय, आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799028

कृषि और संबद्ध अनुशासन उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	त्रिपुरा कृषि महाविद्यालय, लेम्बुचेरा	त्रिपुरा कृषि महाविद्यालय, लेम्बुचेरा, पश्चिम त्रिपुरा, 799210
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय	पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय, आर.के.नगर, पश्चिम त्रिपुरा, 799008

ललित कला / प्रदर्शन कला / दृश्य कला / अनुप्रयुक्त कला महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	सचिन देब बर्मन स्मारक शासकीय संगीत महाविद्यालय, लिचुबागान	सचिन देब बर्मन स्मारक शासकीय संगीत महाविद्यालय, लिचुबगान, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799006
2	शासकीय कला एवं हस्तकला महाविद्यालय, लिचुबागान	शासकीय कला एवं हस्तकला महाविद्यालय, लिचुबागान, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799010
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	त्रिपुरा जनजातीय लोक संगीत महाविद्यालय, खुमुलुंग	त्रिपुरा जनजातीय लोक संगीत महाविद्यालय, टीटीएएडीसी, खुमुलुंग, पश्चिम त्रिपुरा
2	त्रिपुरा राज्य जनजातीय संस्कृति अकादमी (डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम), अगरतला	त्रिपुरा राज्य जनजातीय संस्कृति अकादमी, कृष्णानगर, सुपरिबागान, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/वास्तुशास्त्र/रूपांकन उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)	नाइलिट अगरतला केंद्र, आरके नगर (नीपको के सामने), खायेरपुर, पो. - बोधजंगनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799008
2	त्रिपुरा प्रौद्योगिकी संस्थान, नरसिंहगढ़	त्रिपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पो. अगरतला एयरोड्रम, नरसिंगगढ़, पश्चिम त्रिपुरा, 799009
3	महिला पॉलिटेक्निक संस्थान, हापनिया	महिला पॉलिटेक्निक, हापनिया, पो.: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	भवन्स त्रिपुरा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय ऑफ, आनंदनगर	भवन का त्रिपुरा महाविद्यालय ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पो.: आनंदनगर, गांव: उत्तर आनंदनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799028
2	टेक्नो अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अगरतला	टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग अगरतला, महेशखोला, आनंदनगर, पश्चिम त्रिपुरा, 799004
3	धलाई जिला पॉलिटेक्निक संस्थान, आमबासा	प्रमुख जिला पॉलिटेक्निक, कमलाचेरा, आमबासा, धलाई त्रिपुरा, 799289
4	गोमती जिला पॉलिटेक्निक संस्थान, उदयपुर	गोमती जिला पॉलिटेक्निक, पो. फूलकुमारी, उदयपुर, गोमती त्रिपुरा, 799013
5	उत्तर त्रिपुरा जिला पॉलिटेक्निक, धर्मनगर	नार्थ त्रिपुरा डिस्ट्रिक्ट पॉलिटेक्निक, धर्मनगर, नॉर्थ त्रिपुरा
6	टीटीएडीसी पॉलिटेक्निक, खुमलुंग	टीटीएडीसी पॉलिटेक्निक, खुमलुंग, राधापुर, टीटीएएडीसी मुख्यालय, पश्चिम त्रिपुरा, 799045

मेडिसिन सर्जरी/ आयुर्वेद/ यूनानी/ होम्योपैथी/ संबद्ध चिकित्सा विज्ञान/ पराचिकित्सा विज्ञान उपाधि महाविद्यालय

स्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
क्र.सं.	**महाविद्यालय का नाम**	**संचार का पता**
1	अगरतला शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अगरतला	अगरतला शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय और जी.बी.पंत अस्पताल, पो. कुंजबन, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799006
2	त्रिपुरा चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ बीआरएएम टीचिंग अस्पताल, हापनिया	त्रिपुरा मेडिकल महाविद्यालय और डॉ बीआरएएम टीचिंग हॉस्पिटल, हापनिया, पो.: ओएनजीसी अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
3	त्रिपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, हापनिया	त्रिपुरा इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल मेडिकल साइंसेज, हापनिया, पो.: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
4	नर्सिंग महाविद्यालय, हापनिया, (टिप्स)	नर्सिंग महाविद्यालय, टिप्स, हापनिया, पो.: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
5	त्रिपुरा नर्सिंग महाविद्यालय, हापनिया	त्रिपुरा नर्सिंग महाविद्यालय, हापनिया, पो: अमतली, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
अस्थायी संबद्ध महाविद्यालय		
1	क्षेत्रीय भेषज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, अभ्योनगर	क्षेत्रीय भेषज विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आरआईपो.एटी), पो.: अभ्योनगर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799005
2	भारत फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी महाविद्यालय आमताली	भारत फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी, अमताली, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799014
3	बरॉक पैरामेडिकल इंस्टीट्यूशन एवं टेक्नोलॉजी	बोरोक पराचिकित्सा संस्थान एवं प्रौद्योगिकी खुमलुंग, टीटीएएडीसी, मुख्यालय पश्चिम त्रिपुरा
4	नर्सिंग विज्ञान संस्थान दुर्जय नगर	इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस, दुर्जयनगर, एयरपोर्ट रोड, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा, 799009
5	आईएलएस नर्सिंग संस्थान	कैपिटल कॉम्प्लेक्स एक्सटेंशन, पो.: नया सचिवालय, पिन-799010, अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम)
6	माइलस्टोन्स भेषज विज्ञान संस्थान	जगन्नाथ, चौमुहानी, विद्यासागर रोड, उज्जीवन बैंक के पास, गोमती त्रिपुरा 799120
7	पूर्वोत्तर नर्सिंग विज्ञान संस्थान	आमतली बायपास रोड, अगरतला त्रिपुरा पश्चिम 799130
8	अगरतला शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय	जी+8 भवन आईजीएम चिकित्सालय परिसर अगरतला 799001
9	बीर बिक्रम भेषज महाविद्यालय	खायेरपुर, पुराना अगरतला 799008
10	अगरतला शासकीय दंतचिकित्सा महाविद्यालय	आईजीएम चिकित्सालय अगरतला 799001













त्रिपुरा विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
सूर्यमणिनगर,
त्रिपुरा - 799022, भारत

Tripura University

(A Central University)
Suryamaninagar,
Tripura - 799022, India

मुद्रक :
शोभन प्रिन्टिंग हाउस,
मलयनगर, बाइपास रोड,
अगरतला-799004,
मोबाइल : 8837454908